दृक्सिद्धं निरयणञ्च चित्रापक्षीयमुत्तमम् । "विद्यापीठस्य पञ्चाङ्गम्" भूमौ विजयतेतराम्।।

ISSN 2229-3450

दृक्सिद्ध निरयण भारतीय







राजा-बुध

विक्रम संवत्-२०७७
शक-संवत्-१९४२

मन्त्री-चन्द्र

भा०गणराज्य-संवत् ७३-७४
ईशवीय-सन् २०२०-२०२१

M.Katyayana

विद्यापीठ-पञ्चाङ्ग

श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ
(मानित-विश्वविद्यालय)

बी-४, कुतुब सांस्थानिक क्षेत्र, नई दिल्ली - ११००१६

वर्ष : ३८

संवत्सर - प्रमादी

मूल्य रु. ५०/-

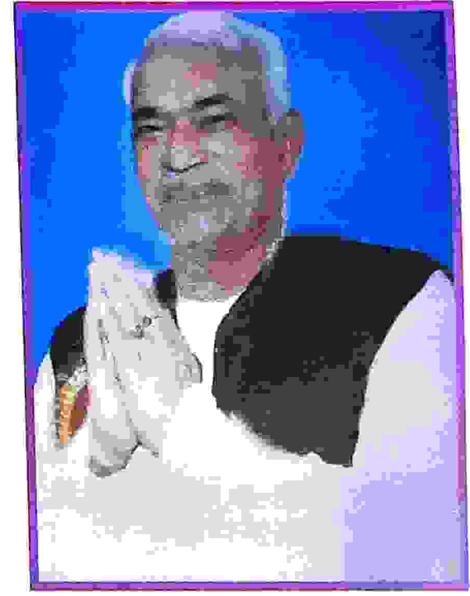


पञ्चाङ्ग-प्रवर्तक
स्व. म.म.पं. कल्याणदत्त शर्मा
''राष्ट्रपति-सम्मानित''

प्रधान-सम्पादक
प्रो0 रमेश कुमार पाण्डेय
कुलपति

सम्पादक :
प्रो. प्रेमकुमार शर्मा
आचार्य, ज्योतिष-विभाग
प्रमुख, वेदवेदाङ्गसंकाय

प्रो. बिहारीलाल शर्मा
आचार्य, ज्योतिष-विभाग



प्रेरणास्रोत
स्व. प्रो. शुकदेव चतुर्वेदी
''राष्ट्रपति-सम्मानित''

सम्पादक मण्डल

1. प्रो. विनोद कुमार शर्मा 'आचार्य एवं ज्योतिषविभागाध्यक्ष'
2. प्रो. नीलम ठगेला 'आचार्या, ज्योतिष-विभाग'
3. प्रो. दिवाकर दत्त शर्मा 'आचार्य, ज्योतिष-विभाग'
4. प्रो. परमानन्द भारद्वाज 'आचार्य, ज्योतिष-विभाग'
5. डॉ. सुशील कुमार 'सह आचार्य, ज्योतिष-विभाग'
6. डॉ. फणीन्द्र कुमार चौधरी 'सह आचार्य, ज्योतिष-विभाग'
7. डॉ. रश्मि चतुर्वेदी 'सह आचार्य, ज्योतिष-विभाग'

श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ
(मानित-विश्वविद्यालय)
बी-4, कुतुब सांस्थानिक क्षेत्र, नई दिल्ली-110 016

श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत-विद्यापीठ, नई दिल्ली-१६

संक्षिप्त-परिचय

भारत की राजधानी दिल्ली में एक अन्तर्राष्ट्रिय संस्कृत-संस्थान के अभाव की पूर्ति के लिए स्वर्गीय ''प्रधानमन्त्री श्री लालबहादुर शास्त्री जी'' की प्रेरणा से अखिल भारतीय संस्कृत साहित्य सम्मेलन ने विजयदशमी विक्रम-संवत् २०२० को संस्कृत विद्यापीठ की स्थापना की। उस समय इस विद्यापीठ का नाम अखिल भारतीय संस्कृत विद्यापीठ रखा गया और भारत के तत्कालीन प्रधानमन्त्री श्री लालबहादुर शास्त्री जी ने इसके शासन निकाय की अध्यक्षता स्वीकार की। स्वर्गीय श्री शास्त्री जी की प्रेरणा एवं उनकी संस्कृत तथा भारतीय संस्कृति में गहन रुचि से विद्यापीठ की समस्त प्रवृत्तियों को बड़ा बल मिला और अपनी स्थापना के दो-तीन वर्षों में ही इस विद्यापीठ ने देश के संस्कृत-शिक्षण-संस्थानों में अपना विशिष्ट स्थान बना लिया।

उनके निधन के उपरान्त विद्यापीठ की सेवाओं और इस संस्था के साथ शास्त्री जी के ऐतिहासिक सम्बन्धों को ध्यान में रखते हुए दिनांक २ अक्टूबर १९६६ ई० को भारत की तत्कालीन प्रधानमन्त्री श्रीमती इन्दिरा गांधी ने भारत सरकार द्वारा इसे अधिग्रहण करने और इसका नाम श्री लालबहादुर शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ रखने की घोषणा की। श्रीमती इन्दिरा गांधी ने स्वयं विद्यापीठ के सभापति पद को स्वीकार किया। उनके सभापतित्व तथा तत्कालीन दिल्ली के उपराज्यपाल डॉ० आदित्य नाथ झा के कार्यवाहक सभापतित्व में इस विद्यापीठ ने प्रगति का एक महत्त्वपूर्ण दौर पूरा किया।

प्रधानमन्त्री श्रीमती इन्दिरा गांधी की घोषणा के अनुसार भारत सरकार ने शिक्षा मन्त्रालय में स्वायत्तसंस्था के रूप में १ अप्रैल १९६७ को विद्यापीठ का अधिग्रहण कर इसके संचालन के लिए एक सभा नियुक्त की। दिनांक २१ दिसम्बर १९७० ई० से इस विद्यापीठ का प्रबन्ध 'राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान' के अन्तर्गत दिया गया तब से इस विद्यापीठ का नाम 'श्री लाल बहादुर शास्त्री केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ' रखा गया।

भारत सरकार के मानव संसाधन विकास मंत्रालय, शिक्षा विभाग की अधिसूचना सं. F.२/४५ U.३ दिनांक १६ नवम्बर १९८७ द्वारा इस विद्यापीठ को ''मानित-विश्वविद्यालय'' का स्तर प्रदान कर दिया गया है।

इसके संचालन के लिए श्री लालबहादुर शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ नाम से एक स्वायत्त समिति का पंजीकरण कर इसकी व्यवस्था उक्त समिति को स्थानान्तरित की गई है। मानित-विश्वविद्यालय के रूप में इसका उद्घाटन भारत के तत्कालीन राष्ट्रपति म. म. रामास्वामी वैंकटरामन् द्वारा २३ फरवरी १९९१ को किया गया। विद्यापीठ के संस्थापक कुलपति **पद्मश्री श्रद्धेय डॉ. मण्डन मिश्र जी** ने जिस लग्न से इस कल्पवृक्ष का आरोपण किया, वर्तमान में इसके कुलाधिपति **सम्माननीय मनस्वी डॉ. हरिगौतम** जी एवं माननीय कुलपति प्रो. रमेश कुमार पाण्डेय जी के कुशल नेतृत्व में यह पल्लवित, पुष्पित एवं फलीभूत हो रहा है।

वर्तमान में यह विद्यापीठ शास्त्री, शिक्षा-शास्त्री, आचार्य, शिक्षाचार्य, विशिष्टाचार्य, विद्यावारिधि एवं विद्या-वाचस्पति उपाधियों के लिए अध्ययन-अध्यापन, प्रशिक्षण एवं शोध कार्य की व्यवस्था कर रहा है।

विद्यापीठ ने अब तक ५८६ पी-एच०डी० तथा १०६ उच्चकोटि के प्रकाशन राष्ट्र को समर्पित किए हैं। वर्तमान में ४६१ विद्यार्थी विभिन्न विभागों में शोध के लिए पंजीकृत हैं, जिनमें ४४ छात्र ज्योतिष शास्त्र के विविध विषयों पर शोधकार्य कर रहे हैं। जुलाई २०१३ से ज्योतिष विभाग द्वारा षाण्मासिक **'भैषज्य-ज्योतिषमञ्जूषा'** शोध-पत्रिका का प्रकाशन किया जा रहा है। विद्यापीठ के प्राध्यापकों एवं शोधकर्ताओं के शोधात्मक आलेख त्रैमासिक शोध पत्रिका **''शोधप्रभा''** में भी प्रकाशित किये जाते हैं।

M.Katyayana

◈ विद्यापीठ पञ्चाङ्ग ◈ विषय-सूची ◈ विक्रम संवत् २०७७ ◈

श्रीमङ्गलमूर्त्तये नमः

श्रीवाग्देवतायै नमः

सूर्य आत्मा जगतस्तस्थुषश्च

सोमसूर्यानिलाकल्पामकल्पामिन्दुशेखराम्।
पञ्चबिन्दुं हरेः शक्तिं पञ्चकृत्यकरीं नुमः॥
पञ्चदेवात्मको भूत्वा पञ्चशक्तिसमन्वितः।
पञ्चसृष्टिमधिष्ठाय प्रपञ्चरहितोऽवतु ॥
प्राप्ते नूतनवत्सरे प्रतिगृहे कुर्याद् ध्वजारोपणम्
स्नानं मङ्गलमाचरेद्द्विजवरैः सार्धं सुपूजोत्सवम् ।
देवानां गुरुयोषिताञ्च विभवाऽलङ्कारवस्त्रादिभिः
सम्पूज्यो गणकः फलञ्च शृणुयात्तस्माच्च लाभप्रदम्॥
पारिभद्रस्य पत्राणि कोमलानि विशेषतः।
सुपुष्पाणि समानीय चूर्णं कृत्वा विधानतः॥
मरीचिहिङ्गुलवणजीरकेण च संयुतम्।
अजमोदायुतं कृत्वा भक्षयेद् रोगशान्तये॥

संवत्सरादिफलश्रवणमाहात्म्यम्-

राज्यं स्यादचलं नृपश्रवणतो मन्त्रीश्रवात् कौशलं,
धान्येशाद् विमला स्थिरा च सुरसा वाणी भवेन्मेघपात्।
धर्मे बुद्धिरधिष्ठिता रसपतेर्दीर्घायुषत्वं भवेत्,
सस्येशाद् विमला मतिः शुभकरी राजा बलिः श्रूयताम्॥

अथ कल्पादितो गतवर्षाणि १९७२९४९१२१ सृष्टितो गताब्दाः १९५५८८५१२१ कृतयुगप्रमाणं १७२८००० अस्मिन् युगे श्रीविष्णुमत्स्यकच्छपवराहनृसिंहाऽवताराः। त्रेतायुगप्रमाणं १२९६००० युगेऽस्मिन् श्रीवामनपरशुराम-रामचन्द्राऽवताराः। द्वापरयुगप्रमाणं ८६४००० अस्मिन् युगे कृष्णाबलरामावतारौ। कलियुगप्रमाणं ४३२००० तन्मध्येऽहिंसाव्रती श्री बुद्धाऽवतारोऽभवत्। साम्प्रतं गतकलिवर्षाणि ५१२१ भोग्यवर्षाणि ४२६८७९ । कलियुगस्य ८२२ वर्षावशेषकाले कल्क्यवतारः स्यात्।

कार्तिकशुक्लनवम्यां प्रथमप्रहरे श्रवणनक्षत्रे वृद्धियोगे कृतयुगोत्पत्तिः। तत्र पापं ० पुण्यं २०। वैशाखशुक्लतृतीयायां चन्द्रे रोहिणीनक्षत्रे द्वितीयप्रहरे शोभनयोगे त्रेतायुगोत्पत्तिः। तत्र पापं ५ पुण्यं १५। माघकृष्णामावस्यायां शुक्रे तृतीयप्रहरे धनिष्ठानक्षत्रे वरीयान्योगे द्वापरोत्पत्तिः। तत्र पापं १० पुण्यं १०। भाद्रपदकृष्णात्रयोदश्यां रवौ कृत्तिकानक्षत्रे व्यतीपातयोगे निशीथे कलियुगोत्पत्तिः। तत्र पापं १५ पुण्यं ५।

श्रीरामरावणयुद्धतो गता वत्सराः ८८०१६२ । श्रीकृष्णावतारतो गताब्दाः ५२५६ । महाभारतयुद्धतो गताब्दाः ५१२१ । श्रीमहावीर (जैन) निर्वाणसम्वत् २५४५ - २५४६ । श्रीबुद्धसम्वत् २६४३ -२६४४ । श्रीमन्नृपतिवीर-विक्रमादित्यराज्यात् गताब्दाः २०७६ । श्रीशालिवाहनराज्यात् गताब्दाः १९४१ , श्रीलक्ष्मणसम्वत् ९११-९१२ । अंग्रेजीसम्वत् २०२० - २०२१ ई. सन्, फसली सन् १४२७ - १४२८ । तत्र बार्हस्पत्यमानेन प्रभवादिषष्ट्यब्दानां मध्ये 'प्रमादी' नामसम्वत्सरः। तत्र मेषाऽर्कसमये गतमासादिः ०/२३/१९/४०/४८ भोग्यमासादिः ११/०६/५०/१९/१२ सङ्कल्पादौ वर्षान्तं यावत् 'प्रमादी' नाम सम्वत्सरः प्रयोक्तव्यः। इन्द्राग्निदेवदैवतं युगम्। वर्षनाम 'आषाढ' इति। मेघनाम 'आवर्तः'। रोहिणीनिवासः 'सन्धौ'। समयनिवासः 'वणिक्गृहे।' भारतीयगणराज्य- सम्वत् ७३ - ७४ ।

आकाशस्थ ग्रहमन्त्रिपरिषद्

(विभागाधिकारियों के नाम तथा उनके शुभाशुभ फल)

'प्रमादी' सम्वत्सर का फल-

निष्पत्तिः सर्वसस्यानां रसानां च महर्घता।
सुभिक्षं च तथा सौख्यं प्रमादिनि न संशयः।।

प्रमादी सम्वत्सर में सभी अन्नों का उत्पादन तथा रस पदार्थों की मँहगी, सुभिक्ष तथा सौख्य रहेगा। इसमें कुछ भी सन्देह नहीं है।

प्रमादी, बुधः स्वामी, चैत्रे धान्यसमता, वैशाखज्येष्ठयोर्धान्यसंग्रहः, आषाढे अल्पमेघः, श्रावणस्यार्द्धे मेघवर्षा, अन्नं महर्घम् धान्ये त्रिगुण-लाभः, भाद्रपदेः महामेघ, अन्नं समर्घम्, आश्विनादिषण्मासेषु सुभिक्षम्, सर्वरसमहर्घता, लोकः सुखी ।।

प्रमादी संवत्सर का स्वामी बुध है, चैत्र मास में अन्न का मूल्य सम, वैशाख ज्येष्ठ मास में अन्न संग्रह करने योग्य, आषाढ़ मास में अल्पवृष्टि, श्रावण मास के मध्य में मेघवृष्टि, अन्न की मँहगाई अन्न के व्यापार में तिगुना लाभ होगा, भाद्रपद मास में अतिवृष्टि होगी, अन्न सस्ते होंगे, आश्विनादि 6 महीनों में सुभिक्ष होगा, सभी रस पदार्थ मँहगे तथा लोग सुखी रहेंगे।

नृपसंक्षो भवत्युग्रं प्रजापीडा त्वनर्घता ।
तथापि दुःखमाप्नोति प्रमादीवत्सरे जनः ।।

प्रमादी वर्ष में राजाओं में अत्यन्त वैर, प्रजा को कष्ट, सभी वस्तुओं का भाव महंगा तथा जनवर्ग दुःखी रहता है।

निष्पत्तिः सर्वशस्यानां सर्वरससमहर्घता।
सुभिक्षं च तथा सौख्यं प्रमादिनि न संशयः।।

प्रमादी संवत्सर में सभी प्रकार के अन्न उत्पन्न होते हैं और सुभिक्ष तथा सौख्य होता है।

अलसस्तु जनः प्रमादि सञ्ज्ञे डमरं रक्तपुष्पबीजनाशः।।

प्रमादी संवत्सर में आलसी मनुष्य, डमर (सशस्त्र कलह), रक्त पुष्प और रक्त बीज वाले वृक्षों का नाश होता हैं।

निष्पत्तिः सर्वत्र शस्यानां सर्वत्र जायते प्रिये ।
प्रमादी वत्सरे देवि प्रमादो जायते तदा ।।

प्रमादी संवत्सर में सर्वत्र अच्छी धान्य निष्पत्ति और प्रमाद होता है।।48।।

..................अन्ये पीडा न संशयः।।

बृहज्ज्यौतिषसार के अनुसार प्रमादी नामक सवंत्सर में सभी प्राणी दुःख,भय कष्ट व पीड़ा से ग्रस्त व त्रस्त रहेंगे।

प्रमाथिवत्सरे तत्र मध्य सस्यार्धवृष्टयः ।
प्रजानां जीवदुःखं स्यात् समात्सर्याः क्षितीश्वराः।।

प्रमादी नामक सवंत्सर में अन्न का भाव साधारण रहता है और वृष्टि मध्यम होती है। सभी लोग दुःखी रहते हैं और राजाओं में परस्पर द्वेष-ईर्ष्या बढ़ जाती है।।

राजा बुध का फल-

बुधस्य राज्ये सजलं महीतलं गृहे-गृहे भूरि विवाहमंगलम् ।
प्रकुर्वते देवद्विजार्चनं नराः स्वास्थ्यं सुभिक्षं धनधान्यसंकुलम् ।।

यदि संवत्सर का राजा बुध हो तो पृथ्वी पर अधिक वर्षा होती है, घर-घर में विवाहादि मंगल कार्य सम्पन्न होते हैं।, लोग देवता तथा विप्रों की पूजा करते हैं तथा जनता स्वस्थ, सुभिक्ष तथा धन-धान्य से पूर्ण सुखी रहती है।

धान्येश मंगल का फल-

गोधूमसर्षपा मुद्गतिलमाषप्रवालका: ।
महर्घ जायते घोरं भौमे धान्याधिपे सति ।।

धान्येश मंगल होने पर गेहूँ, सरसों, मूँग, तिल, उड़द तथा मूँग रत्नों आदि के मूल्यों में वृद्धि होती है।

भूमिजे ग्रीष्मधान्येशे ग्रीष्मधान्यमहर्घकम्
शालीक्षुघृततैलादि महर्घाणि भवन्ति च।।

मंगल के धान्येश होने पर ग्रीष्म धान्य महँगें हो जाते हैं विशेष रूप से चावल, ईख, घी और तेल आदि महँगे होते हैं।

मेघेश सूर्य का फल-

रवौ मेघाधिपे जाते स्वल्पतोयप्रदा घना: ।
स्वल्पं धान्यं भवेल्लोके भयं च भूतले सदा ।।

मेघेश सूर्य के होने के कारण मेघ अल्प वर्षा करते हैं, स्वल्प अन्न का उत्पादन होता है तथा संसार में भय व्याप्त रहता है।

जलदपेयदिवासरपेतदासरसिवैरमते जनतारसम्।
यवचक्षेणुनिवारसुशालिभि: सुखचयं सुलभं भुवि वर्तते।।

यदि मेघेश सूर्य हो तो जौ-चने-ईख-निवारू और चावल आदि धान्यों का अच्छा उत्पादन होता है तथा पृथ्वी पर सुख-संचय की स्थिति बनी रहती है।

रसेश शनि का फल-

रविसुते रसपे रससंक्षयो न जलदा गददाश्च पयोधरा: ।
अजगवां गजवाजिखरोष्ट्रहा जनपदेषु नरा न रसैर्युता: ।।

यदि शनि रसेश हो तो रसपदार्थों का नाश, वर्षा का अभाव तथा रोग की अधिकता, बकरी, गौ, हाथी, घोड़े, गदहे तथा ऊँटों का नाश एवं जनपदों में मनुष्य रसपदार्थों से वंचित रहेंगे।

तुषशस्यमनावृष्टि: सर्वपापरता नरा:।
म्लेच्छानां जायते वृद्धि: सूर्यपुत्रे रसाधिपे।।

सूर्य सस्येश होने से इस संवत् में अनावृष्टि होगी तथा भूसा युक्त अन्नों का उत्पादन अधिक होगा। सभी लोग पाप कर्मो में संलिप्त रहते हैं एवं म्लेच्छों की वृद्धि होती है।

नीरसेश गुरु का फल-

हरिद्रापीतवस्तूनां पीतवस्त्रादिकं च यत् ।
नीरसेशो यदा जीव: सर्वेषां प्रीतिरुत्तमा ।।

नीरसेश यदि गुरु हो तो हल्दी आदि पीले पदार्थो, पीताम्बरादि वस्त्रों में सबकी रूचि होती है।

फलेश सूर्य का फल-

द्रुमवती फलपुष्पवती धरा प्रमुदिता फलभोगविशेषता।
बहुजलं जलदो भुवि मुंचति क्वचिदपि प्रमितं फलपो रवि:।।

यदि फलेश सूर्य हो तो पृथ्वी वृक्षों में फल और फूलों से शेभित, फल के उपभोग से जनता मुदित, मेघ अच्छी वर्षा करने वाले, कहीं-कहीं बहुत अधिक वर्षा की सम्भावना होती है।

धनेश बुध का फल–

द्रविणपो हिमरश्मिसुतो यदा विविधसंग्रहवस्तुफला तदा।
द्विजवरा जपयज्ञसुसंयुता: कृषिविशेष विशेषितमानसा:।।

यदि धनेश बुध हो तो लोग विविध वस्तुओं का संग्रह करते हैं, विप्रवर्ग जप-यज्ञ में तल्लीन रहता है तथा लोग कृषि पर विशेष ध्यान देते हैं।

दुर्गेश (सेनापति) सूर्य का फल–

नयविशेषकरस्तरणिस्तदा गतभया नरराजपुरोगमा: ।
समधिकेन तदा नृपतोन्यत: पथिषु संव्रजतां न भयं क्वचित् ।।

यदि सूर्य दुर्गेश हो तो शासक वर्ग अधिक नीति सम्पन्न व्यवहार करने वाला, राजा-प्रजा निर्भय, तथा शासन की सुव्यवस्था के कारण पथिकों में कोई भय उत्पन्न नहीं होता है।

आषाढ़ नामक वर्ष का फल–

आषाढे जायते सस्यानि क्वचिदवृष्टिरन्यत्र ।
योगक्षेमं मध्यं व्यग्राश्च भवन्ति भूपाला: ।।

आषाढ़ वर्ष में कहीं-कहीं पर धान्य और कहीं-कहीं पर वर्षा का अभाव होता है। योगक्षेम अर्थात् अनुपलब्ध का लाभ तथा लब्ध का पालन मध्यम रूप से होता है तथा राजा लोग व्यग्र रहते हैं।

क्वचिद् वृष्टि: क्वचित्सस्यं न तु सम्यं क्वचित्क्वचित् ।
आषाढेऽब्दे क्षितीशा: स्युरन्योन्यं जयकाँक्षिण: ।।

आषाढ़ नामक वर्ष में अवर्षण के कारण कहीं-कहीं धान्य होगा और कहीं-कहीं नहीं होगा। तथा सभी राजा परस्पर जय की आकांक्षा वाले हो जाऐंगे।

आषाढाब्दे तु राजान: सर्वदा कलहोत्सुका: ।
क्वचिदीति: क्वचिद्भीति: क्वचिद् वृद्धि: जलं क्वचित् ।।

आषाढ़ नामक वर्ष में राजा लोग सदैव कलह करने में उत्सुक रहते हैं तथा इस वर्ष में कहीं ईति, कहीं भीति, कहीं वृद्धि और कहीं वर्षा होती है।

ऋषि गर्ग के अनुसार–

दुर्भिक्षाक्षेमजननश्चाषाढोऽन्योन्यभेदकृत्।
भूपालयुद्धजननो मध्यमक्षेमकारक:।।

रोहिणी वास –

विक्रम सम्वत् 2077 में मेष संक्रान्ति का प्रवेश 'पूर्वाषाढ़ा' नक्षत्र में होने से रोहिणी का वास 'सन्धि' में रहेगा।

रोहिणी वास फल–

यदि सन्धि में रोहिणी का वास हो तो देश में खण्डवृष्टि अर्थात् असमान वर्षा होती है।

–खण्डवृष्टिस्तु सन्धिषु।

देश के बहुत बड़े भूभाग पर अत्यधिक वर्षा के कारण पृथ्वी कहीं कहीं जलमग्न तथा कहीं-कहीं अनावृष्टि के कारण पृथ्वी पर सूखा पड़ता है। रोहिणी वास सन्धि में होने से फसलों की अच्छी पैदावार होती है। अत: भारत के कुछ स्थानों पर अत्यधिक वर्षा होने के कारण बाढ़ का प्रकोप, भूस्खलन, जन-धन, कृषि आदि की हानि तथा कुछ स्थानों पर सूखा, अनाज एवं पेयजल की कमी के

कारण जन-धन की हानि, कृषि-अनाज आदि की पौदावार में कमी के कारण गेहूँ, फल-सब्जियों, फसलों, धान्यों आदि के मूल्यों में विशेष वृद्धि होती है।

सन्धिसंस्थं यदा बाह्यभंजायते।

खण्डवृष्टिस्तदासर्वधान्याप्तयः।।

सम्वत् (समय) का वास-

विक्रम-सम्वत् 2077 में रोहिणीवास सन्धि में होने से सम्वत् (समय) का वास वैश्य (वणिक्) के घर में होगा।

सम्वत् वास का फल –

वैश्य के घर में सम्वत्सर (समय) का वास शुभ नहीं होता है।

-वणिक्गृहे शुभं नास्ति ।

सम्वत्सर का वास वणिक्-गृह में होने से इस वर्ष देश में धन का अधिकतम प्रसार अर्थात् आदान-प्रदान होगा, व्यापारिक क्षेत्रों में प्रगति होगी। नयी विकासोन्मुखी योजनाऐं देश को आर्थिक दृष्टि से उन्नति एवं समृद्धि की ओर अग्रसरित करेंगी। राजनीति और व्यापार आदि सभी क्षेत्रों में लोभ व स्वार्थपरता बढ़ेगी। खाद्यान्न व्यवसाय में संग्लन व्यापारी वर्ग विशेष रूप से लाभान्वित होगा। सर्वत्र असमान खण्डवृष्टि, अनुकूल वर्षा न होने के कारण तथा विरूद्ध जलवायु आदि के कारण सभी अनाज, धान्य तथा दुग्धादि पेय पदार्थों के मूल्यों में वृद्धि होगी। सामान्य वर्ग उपक्षित होगा फलस्वरूप असन्तोष बढ़ेगा।

सर्वधान्यं महर्घ स्यात् वणिक् वेश्मनि संस्थिते।

सम्वत् का वाहन-

चैत्र शुक्लपक्ष प्रतिपदा को जो वार होता है, वही उस सम्वत् का राजा होता है। इस प्रकार सम्वत् 2077 का राजा बुध होने के कारण इस सम्वत् (समय) का वाहन (गीदड़) होगा।

सम्वत् वाहन का फल-

विक्रम सम्वत् 2077 का वाहन (गीदड़) होने से राजनीतिज्ञ अपने वचनों पर स्थिर नहीं रहेंगे, फलस्वरूप राजनैतिक अस्थिरता बढ़ेगी। राजनैतिक दल शासन-तन्त्र की कमजोरी का लाभ उठाने की ताक में रहेंगे। जगलों की विविध कारणों से हानि होने से पर्यावरण में विक्षोभ पैदा होगा। भूकम्प आदि प्राकृतिक आपदाओं से भारी जन-धन की हानि सम्भावित रहेगी। विक्रम सवंत् 2077 में देश के दक्षिणोत्तरी भाग में शासन परिवर्तन, विग्रह एवं राजनैतिक उथल-पुथल होगी। वर्ष भर असमान वर्षा होने के कारण कहीं-कहीं वर्षा की कमी से सूखा, अकाल-जन्य स्थितियाँ, तथा कहीं-कहीं उपयोगी एवं अनुकूल वर्षा से सुभिक्ष तथा कहीं अत्यधिक वर्षा से बाढ़, भूस्खलन आदि अन्य विविध प्राकृतिक आपदाओं एवं प्राकृतिक प्रकोपों से जन-धन-सम्पदा आदि की भारी हानि सम्भावित है।

सम्वत्सर संहिता या अन्य कुछ विद्वानों के अनुसार सम्वत् 2077 का वाहन दोला (झूला) होगा। संवत् 2077 के वाहन दोला होने से इस संवत् में पृथ्वी पर आक्रान्ताओं के अत्याचारों या अपराधों से हाहाकार मचेगा। व्यापक दुर्भिक्ष की स्थिति उत्पन्न होगी। राजनैतिक दलों में परस्पर आरोप-प्रत्यारोपों का दौर चलेगा। कहीं देश के विशिष्ट भूभाग पर थोड़े-थोड़े समय के अन्तराल पर युद्धजन्य स्थितियाँ उत्पन्न होंगी। जिस वर्ष समय का वाहन दोला हो, पृथ्वी पर हाहाकार होता है। सभी देशों में दुर्भिक्ष तथा सर्वत्र संग्राम की स्थिति उत्पन्न होती है।

यस्याऽब्दे वाहनं दोला हाहाभूता च मेदिनी।

दुर्भिक्षं सर्वदेशेषु संग्रामं खंडखंडयोः।।

सुबुध्नादि द्वादश नागों में नाग विचार एवं फल

विक्रम सवंत् 2077 में सुबुध्नादि द्वादशनागों में इस वर्ष वृष नामक नाग है। वृष नामक नाग होने से सभी प्रकार की फसलों को वर्षा की प्रतिकूलता, टिड्डी, कीट,पतंगों, कीटाणुओं, विषाक्त वातावरण आदि प्राकृतिक प्रकोपों का भय बना रहेगा फलस्वरूप देश के कुछ भूभाग पर दुर्भिक्ष जन्य स्थितियाँ उत्पन्न होंगी।

–वृषस्यैतीतितोभयम्।

यदा वृषाभिधानस्य भुजंगाख्यो यदा भवेत् ।
तदा सस्यादिकाल्पत्वं सुतरामीतितोभयम्।।

चतुर्मेघ विचार एवं फल–

सम्वत् 2077 में आवर्तकादि चतुर्मेघों में से 'आवर्त' नामक मेघ है। आवर्त नामक मेघ होने पर आँधी-तूफान अधिक आता है, कहीं खण्डवृष्टि तथा कहीं वृष्टि की कमी के कारण सूखा पड़ता है।

–आवर्ते वृष्टिहानिः स्यात।

आवर्त नामक मेघ होने से पृथ्वी चिन्ता और युद्ध की चीत्कार से व्याप्त रहती है। संवत् में अल्पवृष्टिकारक मेघ होते हैं फलस्वरूप अनुकूल वातावरण एवं वर्षा की कमी के कारण पृथ्वी पर सभी प्रकार के धान्य-फसलों की हानि होती है। जिससे भूखमरी आदि स्थितियाँ उत्पन्न होती हैं परिणामस्वरूप खाद्यान्न पदार्थों के मूल्यों में अप्रत्याशित वृद्धि होती है।।

आवर्तके महावर्तो हाहाकाराकुला मही।
अल्पतोयकरो मेघो गर्जते भयदो रवः।।

नवमेघ विचार –

नव सम्वत् 2077 में आवर्तकादि नवमेघों में से संवर्त नामक मेघ है।

संवर्त नामक मेघ फल–

संवत् 2077 में संवर्त नामक मेघ होने से भयंकर वृष्टि, वायुवेग से अनेक स्थानों पर जनता एवं सम्पदा की भारी हानि होती हैं।

–सावंर्ते वायुपीडनम्।

संवर्त नामक मेघ होन से लोगों में कामवासना बढ़ती है, धार्मिक एवं शुभकार्यों में अभिरूचि कम होती है तथा व्यर्थ के कार्यों में संलग्न रहते हैं। शासक वर्ग प्रजा की भलाई के कार्यों में कम ध्यान देकर निज कार्यों में अधिक तत्पर रहता है। पमर्वी वायु वेग से देश के पूर्वी क्षेत्रों में अधिकतम जन-धन की हानि होती है तथा मक्का, धान आदि फसलों की हानि होती है।

कामाधिक्यं स्वल्पताधर्मकार्ये पृथ्वीपालास्तत्परा नान्यकार्ये ।
संवर्ताख्यो नीरदः स्यादिह यत्र प्रांचो वायुर्वाति सर्वत्र तत्र ।।

विक्रम शुभ सम्वत् 2077 की वर्ष प्रवेशकालीन एवं जगत्-लग्न कुण्डलियाँ–

नववर्षप्रवेश-कुण्डली

५
३ रा.
२
६
४
७
१ शु.
१०
मं. श.
८
१२
सू.चं.
९
गु. के.
११
बु.

२४ मार्च, सन् २०२० ई०,
१४ घं. ५८ मि. (भा.मा.स.)

जगल्लग्न-कुण्डली

८
६
५
९
चं. के.
७
१०
मं. गु. श.
४
३
रा.
११
१ सू.
१२
बु.
२ शु.

१३ अप्रैल, सन् २०२० ई०,
२० घं. २३ मि.(भा.मा.स.)

गत विरोधकृत् नामक विक्रम संवत् 2076 की समाप्ति के अनन्तर 'प्रमादी'

नामक विक्रम संवत् 2077 का प्रवेश 24 मार्च, 2020 ई. मंगलवार तदनुसार चैत्र मास, 11 प्रविष्टे को अपराह्नकाल में 14 घं. 58 मि. पर उत्तराभाद्रपद नक्षत्र, ब्रह्म नमाक योग, मीनस्थ चन्द्र के समय कर्क लग्न में होगा, किन्तु वासान्तिक नवरात्रों का शुभारम्भ अग्रिम दिन 25 मार्च, 2020 ई. को प्रात: सूर्योदय काल से होगा । इस संवत् में वासान्तिक नवरात्रे 25 मार्च, 2020 ई. से 02 अप्रैल, 2020 ई. तक वासान्तिक रहेंगे। शास्त्रानुसार श्रीरामनवमी का पर्व 02 अप्रैल, 2020 ई. गुरुवार को मनाया जाएगा।

नवरात्र के प्रथम दिन अर्थात् नवसंवत्सर चैत्र शुक्ल पक्ष प्रतिपदा के दिन किसी योग्य विद्वान द्वारा विधिपूर्वक घटस्थापन, सम्वत्सर पूजन एवं श्री गणेश, विष्णु, शिव और देवी दुर्गा पूजन करने का शास्त्रों में विशेष माहात्म्य प्रतिपादित है। इस दिन सम्पूर्ण अग्रिम नवीन सम्वत्सर के मंगलमय यापन हेतु विद्वान् ब्राह्मणों का विधिपूर्वक पूजन एवं सम्मान कर, उन्हें विविध प्रकार के दानों से सन्तुष्ट एवं प्रसन्न कर, नानाविधपक्वान्नों, फलों और मिठाईयों आदि का भोजन करवाकर उनके मुखारविन्द से परिवार के समस्त सदस्यों को संवत् का नाम, संवत् का वास, राजा और मन्त्री आदि का फल श्रवण करने का विधान भी शास्त्रोल्लिखित है। जो बुद्धिमान व्यक्ति चैत्र शुक्ल पक्ष प्रतिपदा को सम्वत्सर का पवित्र फल सुनता है वह धनाढ्य और बहुत अन्न वाला होता है तथा वर्ष भर के लिए उसके शरीर की समस्त पीड़ाएँ (व्याधियाँ) दूर हो जाती हैं। शाके को सुनने से मनुष्य को पुण्य प्राप्त होता है, सम्वत्सर से सम्पत्तिवान् होता है, संवत् के राजा का फल सुनने से राजकुल में विजय होती है, मन्त्री का फल बुद्धि देता है, धनाधिप से धान्य, रसाधिप से रस तथा सस्येश से समस्त सुख मिलते हैं। अत: सिद्धिदायक सम्वत्सर के फल को अवश्य सुनना चाहिए।

नवविक्रम संवत् 2077 में मुख्य दस पदाधिकारों में से अतिविशिष्ट सर्वोच्च राजा तथा धनेश सहित मुख्य दो पदों के नेतृत्व का अधिकार बुध ग्रह को प्राप्त है। मंत्री पद के नेतृत्व का अधिकार चन्द्र ग्रह को, सस्येश और नीरसेश महत्वपूर्ण पदों के नेतृत्व का अधिकार गुरु ग्रह को, धान्येश पद के नेतृत्व का अधिकार मंगल ग्रह को तथा रसेश पद के नेतृत्व का अधिकार शनि ग्रह को प्राप्त है। इस प्रकार प्रमादी नामक नव सम्वत्सर 2077 विक्रम में कुल दस महत्त्वपूर्ण अतिविशिष्ट पदों में से सर्वोच्च राजा और मन्त्री के दो महत्त्वपूर्ण मुख्य पद क्रमश: बुध और चन्द्र ग्रहों को प्राप्त हैं तथा सौम्य शुक्र ग्रह को किसी भी पद के नेतृत्व का अधिकार प्राप्त नहीं है।

उपरोक्त विवरण से यह स्पष्ट है कि विक्रम संवत् 2077 में ग्रहों की कौंसिल (ग्रहपरिषद्) के दस पदाधिकारों में से 05 पदाधिकार सौम्य (शुभ) ग्रहों को तथा 05 पदों का अधिकार अशुभ (क्रूर) ग्रहों को प्राप्त हुए हैं। सबसे सर्वश्रेष्ठ महत्त्वपूर्ण मुख्य राजा तथा मन्त्री पद के नेतृत्व के अधिकार सहित धनेश, सस्येश, नीरसेश, पाँच महत्त्वपूर्ण पदों के नेतृत्व का अधिकार सौम्य ग्रहों को प्राप्त है तथा धान्येश, मेघेश, रसेश, फलेश और दुर्गेश जैसे पाँच महत्त्वपूर्ण पदों के नेतृत्व का अधिकार अशुभ (क्रूर) ग्रहों को प्राप्त है।

उपरोक्त विवरण से स्पष्ट है कि आगामी नव वि. सवंत् 2077 में राजनैतिक, सामाजिक और आर्थिक आदि सभी क्षेत्रों में प्रभुत्व सम्पन्न लोग चालाकी, कपट एवं कूट-नीतियों का प्रयोग करेंगे, तथापि जनता में सुख संसाधनों की अप्रत्याशित वृद्धि होगी। मन्त्री चन्द्रमा के प्रभाव स्वरूप सामाजिक एवं प्राशानिक कार्यों में स्त्रियों का महत्त्व एवं प्रभुत्व बढ़ेगा। सम्पन्न एवं विशिष्ट वर्ग के लोगों

के मध्य सुख-साधनों एवं धन का प्रचुर मात्रा में प्रसार बढ़ेगा। जनता में राजनैतिक, सामाजिक, आर्थिक, धार्मिक, नैतिक, पारिवारिक एवं विवाह आदि मंगल कार्यों में दिखावे की प्रवृत्ति बढ़ेगी। मन्त्री चन्द्र एवं धनेश बुध होने के कारण विभिन्न सौन्दर्य प्रसाधनों तथा विभिन्न उपभोग्य वस्तुओं के उत्पादन में विशेष वृद्धि होगी तथा जनता मनोरोगों, उदर, स्नायु, वात, पित्त, कफ, रक्तचाप, मधुमेह, आदि विभिन्न शारीरिक क्लिष्ट रोगों से ग्रस्त एवं त्रस्त रहेगी। हीरा-मोती आदि रत्नों, वस्त्रों, हस्तशिल्प, कृषि, मशीनरी, खाद्य-पदार्थों, सोना-चाँदी आदि धातुओं, पैट्रोल-डीजल आदि तेल, भवन निर्माण से सम्बन्धित सामग्री या निर्माण से सम्बन्धित अन्य विविध कार्यों में संग्लन व्यापारी वर्ग लाभान्वित होगा, किन्तु लघु व्यापारी आर्थिक संकटों के कारण परेशान एवं दु:खी रहेंगे।

मेघेश, फलेश तथा दुर्गेश अग्नि तत्त्व प्रधान सूर्य के होने से इस संवत् में वर्षा की कमी तथा आँधी, तूफान, झन्झावात आदि की वृद्धि होगी। संवत 2077 में रसेश शनि होने से अनुकूल एवं उपयोगी वर्षा की कमी के कारण रसदार ईख, घी, दूध, मलाई, मक्खन, तेल, गुड़, शक्कर तथा पेयजल की कमी रहेगी। अधिकांश राष्ट्र घातक एवं आधुनिकतम हथियारों तथा परमाणु बम्बों के निर्माण में संग्लन रहेंगे। पहाड़ी क्षेत्रों में भारी वर्षा से भूस्खलन, भूकम्प एवं बाढ़ आदि से जन-धन की भारी हानि होगी तथा कृषि, फल, परमाणु, सौर उर्जा एवं सैन्य संसाधनों में विशेष उल्लेखनीय उन्नति होगी। किन्तु कुछ मुस्लिम बाहुल्य राष्ट्रों के प्रमुख अपना वर्चस्व बढ़ाने एवं दिखाने के लिए विश्व के समृद्ध एवं शक्तिशाली देशों से युद्ध करने के लिए तत्पर रहेंगे। इस वर्ष प्रायश: सामान्य जन-उपयोगी सभी वस्तुओं के मूल्यों में अप्रत्याशित वृद्धि होने के कारण लोगों में आक्रोश एवं असंतोष व्याप्त रहेगा।

वि. संवत् 2077 में शनि की मकर राशि में स्थिति होने से शनि की दृष्टि उत्तरी दिशा अर्थात् उत्तरी गोलार्द्ध पर होगी परिणामस्वरूप उत्तरी-प्रान्तों, उत्तरी देशों तथा उत्तर-दक्षिणी देशों में राजनैतिक अस्थिरता, सत्ता परिवर्तन, उथल-पुथल, आतंकवादी, विस्फोटक, हिसंक एवं अग्नि-जन्य घटनाएें व्यापक स्तर पर घटित होने की पूर्ण -पूर्ण सम्भावना है। भारत के उत्तर-पूर्वी प्रदेशों में कहीं बाढ़, भूस्खलन, भूकम्प, समुद्री तूफान, ज्वारभाटा, सुनामी, महामारी, अग्निकाण्ड, यान (वायुयान, जलयान, रेलयान, सड़कयान) आदि दुर्घटनाओं, प्राकतिक आपदाओं से कृषि, धान्य, फसलों। जन-धन आदि की भारी हानि होना सम्भावित है। मकर राशिस्थ शनि की कर्क, तुला तथा मीन राशियों पर पूर्ण दृष्टि तथा धनु, मकर व कुम्भ राशि वाले राष्ट्रों पर शनि की साढ़ेसाती का पूर्ण प्रभाव रहेगा परिणामस्वरूप कर्क, तुला एवं मीन राशि वाले उत्तरी राज्यों में अकाल जन्य परिस्थितियाँ उत्पन्न होगी यथा -

मकरे च यदा सौरि: दुर्भिक्षं तत्र दारुणम्।
कामार्ताश्च विनश्यन्ति ह्यन्यदेशे शुभं भवेत्।।

नव वि. सवंत् 2077 का शुभारम्भ कर्क लग्न में हो रहा है। लग्न पर सप्तम भाव में स्थित उच्चस्थत मंगल तथा स्वगृही शनि की पूर्ण दृष्टि तथा भाग्यस्थ वर्ष-लग्नेश चन्द्रमा की सूर्य के साथ युति तथा शनि की पूर्ण दृष्टि एवं लग्न पर सप्तमस्थ मंगल और शनि की पूर्ण दृष्टि के कारण भारत की राजनीति में आश्चर्यजनक परिवर्तन होंगे उत्तर एवं दक्षिणी की ओर से शत्रुदेशों की गतिविधियों से अघोषित युद्ध की स्थितियाँ उत्पन्न होंगी, परिणामस्वरूप

सैन्यबल को सचेष्ट रहने की आवश्यकता रहेगी। वर्ष की प्रवेश कुण्डली में शनि की सूर्य-चन्द्र पर पूर्ण दृष्टि एवं मंगल की दशमस्थ शुक्र पर पूर्ण दृष्टि होने से किसी यावनदेश में आन्तरिक क्रान्ति व विभाजन होने के पूर्ण संकेत हैं। भारत को प्रभाव राशि मकर में क्रूर (पापी) ग्रहों की स्थिति होने से राजनैतिक दृष्टि से प्रधान नेताओं के लिए यह संवत् सुरक्षा की दृष्टि से विशेष भयावह रहेगा। तथा कहीं दुर्भिक्ष, जलप्रलय, समुद्री तूफान और भूकम्प आदि प्राकृतिक प्रकोपों से भयंकर जन-धन हानि के योग बन रहे हैं। कर्क लग्न में संवत्सर का शुभारम्भ होने से उत्तर दिशा में प्राकृतिक प्रकोपों , दक्षिण में महामरी, पश्चिम में दुर्भिक्ष तथा कहीं सत्तासंघर्ष की स्थितियाँ बनेंगी तथा पूर्वी प्रान्तों में सुख-समृद्धिदायक वातावरण रहेगा। ऐश्वर्य तथा सुख-साधनों में वृद्धि होगी फलरूवरूप पूर्वी प्रदेशप्रगति पथ पर अग्रसरित होंगे। यथा-

कर्के सुखं तु पूर्वस्यामुत्तरस्यां तु विग्रहः।
यच्चासनबलं यावद् दुर्भिक्षं पश्चिमे दिशि।।

जगत् लग्न के स्वामी अष्टम भावस्थ स्वराशिगत शुक्र का गुरु के साथ नवपंचम योग बना हुआ है तथा लग्न पर उच्चस्थ सूर्य की नीच दृष्टि है। ग्रहस्थिति के अनुसार विश्व के अधिकांश देशों के आन्तरिक, सामाजिक, राजनैतिक हालात विक्षुब्ध होंगे। सप्तम भाव में उच्चस्थ सूर्य पर उच्चस्थ मंगल की पूर्ण दृष्टि होने से यह वर्ष धन-धान्य से सम्पूर्ण एवं नई राजनैतिक गतिविधियों वाला सिद्ध होगा, लेकिन केन्द्र में शनि-मंगल एवं नीच गुरु की स्थिति के कारण राजनैतिक वैमनस्यता देशहित में होने वाली प्रगति में बाधक रहेगी लग्न पर सूर्य की नीच दृष्टि होने से राजनीतिज्ञों के विचारों में विविधता एवं अनबन की स्थितियां उत्पन्न होंगी।

भारत की प्रभावराशि मकर में शनि-मंगल का योग होने से कुछ स्थान विशेष पर परिस्थितिवश राष्ट्रपतिशासन भी लागू करना पड़ सकता है। दक्षिण-उत्तर दिशा में कहीं सीमा प्रान्तों पर शत्रुदेश की गतिविधि से सैन्यबल का प्रयोग करनें का संकेत भी मिलता है।-

"युद्धदौ शनि-माहैयौ तथा दुर्भिक्षकारकौ।।"

व्यक्ति गत स्तर पर जन्मलग्न वा जन्म राशि से जगत् लग्न जिस राशि या भाव में हो वह भाव शुभग्रह या भावेश से दृष्ट या युक्त हो तो उस वर्ष में तद् भाव सम्बन्धि फल की वृद्धि होती है, यदि पाप ग्रह की दृष्टि या स्थिति हो तो उस भाव के फल की हानि होती है। सामान्यतया जन्मलग्न, जन्मराशि एवं वर्षलग्न से जगत् लग्न आठवें या बारहवें हो तो वह वर्ष उस व्यक्ति विशेष के लिए शुभ नहीं होता है।

शनि की साढ़ेसाती एवं ढैय्या का फल

गोचर में जब शनि जिस जातक की जन्मराशि से बारहवीं राशि में प्रवेश करता है तब तत्सम्बन्धी जातक को साढ़ेसाती प्रारम्भ होती है। शनि मध्यमगति से एक राशि में ढाई वर्ष रहता है। वास्तव में जब शनि जातक की राशि पर या उसकी राशि से अग्रिम या पृष्ठस्थ राशियों पर गोचरीय भ्रमण करता है तब जातक पर शनि का शुभ और अशुभ प्रभाव भारी मात्रा में पड़ता है। शनि मध्यममान से एक राशि में अढ़ाई वर्ष रहता है। इस प्रकार जातक की राशि और उसकी राशि से पृष्ठीय तथा अग्रिम निकटस्थ राशियों में शनि स्थिति का प्रभाव अधिकतम साढ़े सात वर्ष तक रहता है। शनि का साढ़ेसात वर्ष तक प्रभाव होने के कारण ही इसे शनि की साढ़ेसाती कहते हैं। संस्कृत में इसे बृहत्-कल्याणी, मराठी में बड़ी पनोति कहते हैं। जन्मराशि से गोचरीय भ्रमण में बारहवां शनि शिर पर, जन्मराशि का शनि हृदय या छाती पर तथा दूसरा शनि पांवों पर आया हुआ कहा जाता है। इन राशियों का शनि अत्यन्त दुष्ट एवं नीच लोगों से नाना प्रकार का कष्ट-पीड़ा एवं क्लेशदायक, पुत्र और पशुओं को पीड़ादायक, वाहनादि की हानि, रोग, मृत्यु, विदेशगमन, धन समृद्धि का विनाश, पति-पत्नी के परस्पर सुख का अभाव, राजभय, बन्धन और अन्यसुखों का अभाव करने वाला होता है।

द्वादशे जन्मगे राशौ द्वितीये च शनैश्चरः ।
सार्धानि सप्तवर्षाणि तदा दुःखैः युतो भवेत् ।।

शनि ग्रह जब जिस जातक की जन्मराशि से चौथी या आठवीं राशि में गोचरीय भ्रमण से प्रवेश करता है तब तत्सम्बन्धी जातक को शनि की क्रमशः चतुर्थस्थ एवं अष्टमस्थ ढैय्या प्रारम्भ होती है। इस प्रकार की शनि स्थिति का अशुभ प्रभाव भी जातक पर भारी मात्रा में पड़ता है। संस्कृत में इसे लघुकल्याणी तथा गुजराती व मराठी में छोटी पनोति कहते हैं। राशि से चौथी एवं आठवीं राशि में गोचरीयभ्रमण करने वाला शनि व्याधि, रोग, कष्ट, दुःख, पीड़ा, परेशानी, मृत्यु, अग्नि और शस्त्रभय, प्रदेशगमन, क्लेश एवं चिन्ता तथा भाई-बन्धुओं के साथ विरोध उत्पन्न करने वाला होता है।

लघुकल्याणी प्रददाति वै रविसुतो राशे चतुर्थाष्टमे,
व्याधिं बन्धुविरोधं विदेशगमनं, क्लेशं च चिन्ताधिकम् ।।

शास्त्रों में तथा लोकव्यवहार में शनि की साढ़ेसाती एवं ढैय्या का फल बहुत ही दुःखदायक एवं अनिष्टकारी माना गया है परन्तु यह सत्य नहीं है। शनि जातक की जन्मकुण्डली में अपनी विशेष स्थिति, दृष्टि, युति एवं अन्य ग्रहों से सम्बन्ध के आधार पर ही अच्छा और बुरा फल देता है।

जातक की जन्मकुण्डली में शनि और चन्द्रमा यदि पायुक्त, पापदृष्ट या पापकर्त्री योग में न हों तथा शनि अपनी मित्रराशि, स्वराशि मूलत्रिकोण राशि या उच्चराशि का होकर प्रशस्त ३, ६, ११ भावों में स्थित हो तथा उसकी महादशा, अन्तर्दशा, प्रत्यन्तर्दशा, गोचर एवं अन्य शुभ योगकारक ग्रहों के आधर पर श्रेष्ठ समय चल रहा हो तो साढ़ेसाती एवं ढैय्या का अशुभ एवं अनिष्टकारी प्रभाव या तो होता ही नहीं है या बिल्कुल न्यूनतम होता है। शनि केन्द्रेश, त्रिकोणेश आदि के आधार पर शुभ या राजयोग कारक होकर शुभ भावों में स्थित हो तथा उसका अन्य उच्चादि राशियों में स्थित राजयोग कारक शुभ एवं मित्र ग्रहों से शुभ सम्बन्ध हो तथा गोचर में भी शुभप्रभाव युक्त हो तो साढ़ेसाती या ढैय्या जातक को विपुल धन-धान्य, राजसी सुख एवं मान-सम्मान, ख्याति, पद-प्रतिष्ठा, वैभव सब कुछ प्रदान करने वाली होती है।

गत संवत्सर में 24 जनवरी, सन् 2020 ई., से मकर राशि में संचरणशील शनिदेव नव वि. संवत् 2077 के आरम्भ (25 मार्च, 2020 ई.) से संवत् की समाप्ति (12 अप्रैल, 2021 ई.,) तक क्रमशः मार्गी, वक्री तथा पुनः मार्गी गति से मकर राशि में ही संचरण करेंगे। नव वि. संवत् 2077 के आरम्भ 25 मार्च, 2020 ई. से 11 मई, 2020 ई. तक मार्गी गति से तदनन्तर 11 मई, 2020 ई. से 29 सितम्बर, 2020 ई. तक वक्री गति से तदनन्तर पुनः संवत् की समाप्ति पर्यन्त मार्गी गति से शनिदेव मकर राशि में ही संचरण करेंगे। फलस्वरूप वि. संवत् 2077 के प्रारम्भ से समाप्ति पर्यन्त धनु, मकर और कुम्भ राशि वाले जातकों पर शनि की साढ़ेसाती का शुभाशुभ प्रभाव तथा मिथुन और तुला राशि वाले जातकों पर शनि की ढैय्या का शुभाशुभ प्रभाव पड़ेगा। गोचर में वक्री ग्रहों के फल के विषय में मिलता है कि शनि, भौम आदि क्रूर ग्रह वक्री होने पर अधिकतम अशुभफल तथा गुरु, शुक्र आदि सौम्य ग्रह वक्री होने पर अधिकतम शुभफल देते हैं। यथा-

यदा क्रूरग्रहो वक्री अतिचारी तु सौम्यकः ।
पीडा व्याधि भयं तत्र दुर्भिक्षं राज्यविग्रहम्।।

परिणामस्वरूप शनिदेव नव संवत् 2077 में जब वक्री गति से संचरण करेंगे तब शनि के अशुभ प्रभाव से प्रभावित जातक और जातिकाओं को मानसिक, शारीरिक, आर्थिक, पारिवारिक विविध प्रकार की समस्याओं, संकटों और दुःखों से ग्रस्त और त्रस्त होना पड़ता है। समाज में राजनैतिक टकराव, अव्यवस्था, अत्यधिक महँगाई, गम्भीर रोग, भय, दुःख, उपद्रव, हिसंक घटनाएँ, अस्थिरता, असन्तोष, बाढ़, भूकम्प, भूस्खलन, दुर्भिक्ष आदि विविध पाकृतिक प्रकोपों का भय एवं असुरक्षा का वातावरण बनता है।

परन्तु शनि साढ़ेसाती एवं ढैय्या के शुभाशुभ प्रभाव की मात्रा जातक की जन्मकुण्डली में शनि की स्थिति पर निर्भर होती है। यदि जन्मकुण्डली में शनि नीच राशि, शत्रुराशि, अस्त, वक्री, पापाक्रान्त, पाप ग्रहों से युत या दृष्ट हो तो शनि की साढ़ेसाती एवं ढैय्या का बुरा प्रभाव जातक पर अधिकतम होगा, इसके

विपरीत यदि जन्मकुण्डली में शनि अपनी उच्च राशि, मूलत्रिकोण राशि,

स्वराशि, मित्रराशि, मार्गी, शुभाक्रान्त, शुभग्रहों से युत या दृष्ट आदि शुभ स्थिति में हो तो शनि की साढ़ेसाती एवं ढैय्या का अशुभ प्रभाव जातक पर नहीं पड़ेगा या न्यूनतम ही पड़ेगा किन्तु यदि शनि योगकारक आदि होकर षोडशवर्ग, अष्टकवर्ग एवं षड्वल आदि के आधार पर बली सिद्ध हो तो शनि की साढ़ेसाती एवं ढैय्या में जातक को अप्रत्याशित सफलता और सम्पन्नता आदि अनेक शुभफलों की प्राप्ति होती है। जिन जातकों की जन्मकुण्डली में शनि पाप स्थिति या सम्बन्ध में होता है उन्हें शनि की साढ़ेसाती एवं ढैय्या में मानसिक व्यथा, रोग-पीड़ा, दु:ख-कष्ट, गृह-क्लेश, चोर-भय, अग्निभय, जलभय, राजभय, राजदण्ड, पदच्युति एवं अवनति आदि अशुभफलों की प्राप्ति होती है।

शनि के अशुभ प्रभाव से बचने के लिए शास्त्रों में प्रतिपादित उपायों को विधिपूर्वक सम्पन्न करने या करवाने से निश्चित रुप से लाभ होता है।

(१) शनिवासरी अमावस्या को सायंकाल में सूर्यास्त के बाद शनि पूजन, मन्त्र जाप एवं स्तोत्र पाठ करना चाहिए।

(२) प्रत्येक शनिवार को सायंकाल में शनि के बीजमन्त्रों, पौराणिक मन्त्रों या वैदिक मन्त्रों का संकल्पपूर्वक जाप करना चाहिए।

(३) शनिवार को सुन्दरकाण्ड का पाठ करना या सुनना चाहिए।

(४) शनिवार सायंकाल को पीपल वृक्ष के पास या शनि मन्दिर में तेल का दीपक जलाना चाहिए।

(५) प्रतिदिन या शनिवार को प्रात:काल में भगवान शिव का पूजन करके, पीपल वृक्ष के समीप शनि स्तोत्र का पाठ करके कच्ची लस्सी में काले तिल डालकर वृक्षमूल में लस्सी चढ़ानी चाहिए।

(६) शनिवार का व्रत रखना चाहिए।

(७) काले घोड़े की नाल या नाव के तल में लगी हुई कील से निर्मित अँगूठी या शनियन्त्र या नीलम रत्न जड़ित मुद्रिका को विधिपूर्वक शुभ मुहूर्त में निर्माण करवाकर शुभमुहूर्त में शनिवार को विधियुक्त पूजा करके धारण करना चाहिए।

(८) शनिवार को बन्दरों को गुड़ और चना खिलाना चाहिए।

(९) शनिवार को पक्षियों को सप्तधान्य डालना श्रेयस्कर है।

(१०) शनिवार को सप्तधान्यादि का या काले पदार्थों, काले वस्त्रों आदि का दान करना चाहिए।

(११) शनि साढ़ेसाती, ढैय्या एवं शनि पाया के अधिकतम अशुभ फल की शान्ति के लिए बीज मन्त्रों, वैदिक मन्त्रों या महामृत्युञ्जय आदि मन्त्रों का पर्याप्त संख्या में जाप एवं हवन करना चाहिए।

(१२) छायापात्र दान, तुलादान, भूदान, स्वर्णदान आदि का दान करना चाहिए।

(१३) तेल में मुख देखकर उस तेल में उड़द की दाल के नानाविध मीठे और नमकीन पक्वान्न बनाकर गरीबों, मजदूरों, कुष्ठरोगियों आदि को खिलाने चाहिए, इसके अतिरिक्त काले कुत्ते, भैंसे या साँड आदि को खिलाना भी श्रेयस्कर रहेगा।

शानिजन्य अरिष्ट दोषों के शमनार्थ प्रदत्त उपायों को किसी विशेष शुभ-मुहूर्त में शनिवार से प्रारम्भ करके प्रतिदिन या प्रत्येक शनिवार को करना चाहिए। विशेष उपायों को शनैश्चरी अमावस्या को करना या करवाना चाहिए। उपरोक्त किसी भी उपाय को करने से निश्चित रूप से शनि-जनित अरिष्टों की शान्ति होती है।

आय व्यय चक्र द्वारा शुभाशुभ फल -

संवत् में लाभ-हानि का ज्ञान करने हेतु आय-व्यय चक्र -

आय-व्यय चक्र (विंशोत्तरी मतानुसार)

(सम्वतसर 2077 का राजा-बुध)

राशि	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुम्भ	मीन
आय	०२	११	०२	११	१४	०२	११	०२	१४	०८	०८	१४
व्यय	०५	११	११	०५	०२	११	११	०५	०८	११	११	०८

आगामी सम्वत्सर में जातक से सम्बन्धित शुभाशुभ फल ज्ञात करने हेतु आय-व्यय बोधक चक्र में जातक की राशि के लाभ-हानि अंकों के योग में से एक घटाकर शेष को ८ से भाग दें। भाग देने पर यदि शेष, १, २, ६, ७ बचे तो अभीष्ट सम्वत् में जातक को उत्तम लाभ होगा। शेष ३, ४, ५ या ८ हो तो लाभ से अधिक व्यय होने से परेशानियाँ बढ़ती हैं। अर्थात् शेष ०१ में लाभ, ०२ में सौख्य, ०३ में क्लेश, ०४ में रोग, ०५ में मिथ्या अपवाद, ०६ में सम्मान, ०७ में विजय, ०८ या ० में हानि समझनी चाहिए।

यथोक्तम् -

लाभव्ययौ समौ कृत्वा एकहीनं तु कारयेत्।
अष्टभिस्तु हरेद्भागं शेषाङ्के फलमादिशेत्।।
लाभं सौख्यं तथा क्लेशं रोगं लोकापवादनम्।
सम्मानं विजयं हानिं कथितं पूर्वसूरिभिः।।

राशि स्वामी के ध्रुवाङ्कों द्वारा संवत् 2077 में लाभ-व्यय ज्ञान -

संवत् में जिस जातक से सम्बन्धित लाभ-व्यय ज्ञान अपेक्षित हो सर्वप्रथम उस जातक की राशि स्वामी के ध्रुवाङ्कों में अभीष्ट वर्ष के राजा के ध्रुवाङ्कों को जोड़ देते हैं। योगफल को 3 से गुणाकर, गुणनफल में 5 जोड़कर 15 से भाग देने पर जो शेष बचे वह लाभ होता है। लब्धि को 3 से गुणा करने पर गुणनफल में 5जोड़ने तथा योगफल में 15 से भाग देने पर जो शेष रहे वह खर्च जानना चाहिए। सम्वत् 2077 में मेषादि द्वादश राशियों के जातकों हेतु लाभ-हानि की मात्रा का समानुपातीय ज्ञान ध्रुवाङ्क चक्र द्वारा स्पष्ट है।

लाभ-हानि चक्र (ध्रुवाङ्कों के आधार पर)

राशि	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुम्भ	मीन
लाभ	०५	१४	०२	११	१४	०२	१४	०५	०८	११	११	०८
हानि	०५	११	११	०८	०२	११	११	०५	११	०५	०५	११

इतीदं वत्सरफलं वत्सरादि - तिथौ शुभम् ।
यः श्रृणोति नरो भक्त्या स सुखी वत्सरं भवेत्।।

प्रो. विनोद कुमार शर्मा
आचार्य एवं अध्यक्ष
ज्योतिष-विभाग

वि० संवत् २०७७ सन् २०२०-२०२१ ई० में मेषादि द्वादश राशियों का मासिक-फल

M.Katyayana

मेष (ARIES) **चु, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ।**

यह वर्ष आपके लिए मिश्रित फलदायक रहेगा वर्षारम्भ में राशीश मंगल अपनी स्वोच्च राशि में होगा तथा १८ अप्रैल से १५ मई तक सूर्य भी इस राशि में उच्च का रहेगा। अतः यह समय अनुकूल व शुभफलदायक रहेगा, रोजगार के अवसरों में वृद्धि होगी मान सम्मान बढ़ेगा, उच्चशिक्षा का मार्ग प्रशस्त होगा, प्रतियोगिता परीक्षाओं में सफलता मिलेगी, उच्चपदस्थ अधिकारियों से घनिष्ठ संबन्ध बनेगें, भाग्य सहायक रहेगा, आय के संसाधनों में वृद्धि होगी कार्य क्षेत्र, व्यापार में सफलता के उत्तरोत्तर मार्ग प्रशस्त होगें। चिरलम्वित कार्य संपूर्ण होगें, मनोकामनाएँ फलीभूत होगीं। परन्तु १८ जून से मीन राशि में प्रवेश के पश्चात किञ्चित अड़चनें मानसिक तनाव उम्पन्न करेगी, बनते कार्यो में व्यवधान उत्पन्न होगें, व्यय की अधिकता व अनावश्यक भागदौड़ से मन संतप्त रहेगा। बन्धु जनों से अवरोध, भूमि, भवनसम्बन्धी कार्यो का सम्पन्न करने मे अड़चनें पैदा होगी। वर्षान्त में परिस्थितियाँ परिवर्तित होगी, समय किञ्चित अनुकूल रहेगा।

चैत्रशुक्ल पक्ष-वैशाख (२५ मार्च से ७ मई २०२० ई. तक)

यह समय आपको उत्तम फल प्रदान करने वाला है यह समय आपके लिए शुभ व अनुकूल फल प्रदान करने वाला है राशि से दशमस्थान में उच्चस्थ मगंल राजकीय कार्यो को सम्पन्न व व्यापारिक कार्यो में सफलता प्रदान करने वाला है, मान सम्मान में वृद्धि, रोजगार में उन्नति, पारिवारिक सुख शान्ति रहेगी। समाज के सम्मानित व प्रतिष्ठित व्यक्तियों से सम्पर्क बढ़ेगा, उच्चाधिकारियों के सहयोग से चहुँमुखी सफलता में उत्तरोत्तर वृद्धि रहेगी। मनोवाञ्छित फल प्राप्त होगें। ३,४,११,१२,२०,२१,२२,३० अप्रैल एवं १ मई के दिन आपके अनुकूल नहीं रहेंगें।

ज्येष्ठ-आषाढ़ (८ मई से ५ जुलाई २०२० ई, तक)

यह समय आपको मिश्रित फल प्रदान करने वाला है मासारम्भ में कार्य व्यवसाय से धनलाभ के सुअवसर प्राप्त होगें। राजकीय व सामाजिक कार्या में सफलता प्राप्त होगी। मासान्त में व्यवसाय व कारोबार सम्बन्धी किञ्चित अड़चन उत्पन्न होगी, व्यय की अधिकता व अनावश्यक भाग दौड़ से मन व शरीर क्लान्त रहेगा। आकास्मिक यात्राएं कार्य-व्यवसाय में बाधाएँ उत्पन्न करेगी। रोग व शत्रुओं के ऊपर धन का अपव्यय होगा। ८,९,१७,१८,१९,२७,२८ मई ५,६,१४,१५,२३,२४,२५ जून एवं २,३, जुलाई के दिन आपके अनुकूल नहीं रहेंगें।

श्रावण-भाद्रपद (६ जुलाई से २ सितम्बर २०२० ई, तक)

यह समय आपके लिए शुभाशुभ मिश्रित फल प्रदान करने वाला है। १८ जून से मंगल इसी राशि में प्रवेश कर चुका है अतः विगड़े व लम्वित कार्य सपूर्णता को प्राप्त करेगें, आर्थिक, शारीरिक स्थिति में अनुकूल सुधार होगा, पराक्रम व उत्साह में वृद्धि रहेगी। परिवार के सहयोग से नवीन कार्य की योजना फलीभूत होगी। संतान पक्ष से संतोष रहेगा मासान्त मे ६ अगस्त से मंगल वक्री होकर मीन राशि में प्रवेश करेगा, कारणवश कठिनाईयां उत्पन्न होगी। ११,१२,२२,२६,३० जुलाई एवं ७,८,९,१७,१८,२५,२६,२७ अगस्त

के के दिन आपके अनुकूल नहीं रहेंगें।

आश्विन कृष्ण-आश्विन अधिक-आश्विन शुक्ल पक्ष (३ सितम्बर से ३१ अक्टूबर २०२० ई. तक

यह समय आपके लिए संघर्षपूर्ण रहेगा, स्वास्थ्य की दृष्टि से शिरशूल व ज्वर से पीड़ित रहेंगें, कार्यक्षेत्र में स्वास्थ्य की शिथिलता से अवरोध उत्पन्न होंगें। पिता पुत्र मे वैचारिक मतभेद होने से क्लेश का वातावरण रहेगा, धैर्य व विवेक पूर्वक परिस्थिति का सामना करना होगा। स्त्री पक्ष के लिए भी यह समय प्रतिकूल ही रहेगा। आर्थिक सुदृढ़ता के लिए मितव्ययता का पालन करना होगा, अन्यथा आर्थिक संकट का सामना करना पड़ सकता है। ४,५,१३,१४,१५,२२,२३ सितम्बर एव १,२,१२,१६,२०,२६,३० अक्टूबर के दिन आपके अनुकूल नहीं रहेंगें।

कार्तिक-मार्गशीर्ष (१नवम्बर से ३०दिसम्बर २०२० ई.तक)

यह समय आपके लिए शुभाशुभ मिश्रित फल दायक रहेगा। मासारम्भ में परिस्थितियाँ वक्री राशीश के कारण प्रतिकूल रहेगी शारीरिक, मानसिक व आर्थिक समस्याओं से मन व्यथित रहेगा, परन्तु २४ दिसम्बर से राशीश मंगल मार्गी हो कर इसी राशि मे प्रवेश करेगा, जिस कारणवश लम्वित कार्य बनेगें आर्थिक सुधार से मन प्रसन्न होगा, पराक्रम मे वृद्धि होगी उत्साह बना रहेगा स्वास्थ्य भी उत्तम रहेगा। ७,८,१५,१६,१७,२५,२७ नवम्बर एवं ४,५,६,१३,१४,२२ २३ दिसम्बर के दिन आपके अनुकूल नहीं रहेंगें।

पौष-माघ (३१ दिसम्बर २०२० ई. से २६ फरवरी २०२१ ई, तक)

यह समय आपके लिए लिए अनुकूल फल प्रदान करने वाला है। कार्य क्षेत्र एवं व्यापार में लाभ व उन्नति के सुअवसर मिलेंगें। धनसंचय से परिवार में प्रसन्नता का वातावरण रहेगा। स्वयं के पराक्रम व पत्नी के सहयोग से सभी कार्य सिद्ध होगें। परिवार में मंगल कार्य होने से परिवारजनों में प्रेम व परस्पर सद्भाव का वातावरण रहेगा। समाज में मानसम्मान मिलेगा, समुदाय में अग्रणी रहेंगें। व्यवसायिक क्षेत्र में स्फूर्ति व पराक्रम की वृद्धि से धनलाभ के सुअवसर प्राप्त होगें। १,२,६,१०,१८,१६,२०,२८,२६ जनवरी एवं अनुकूल ६,७,१४,१५,१६,२४,२५,२६ फरवरी के दिन आपके अनुकूल नहीं रहेंगें।

फाल्गुन-चैत्र कृष्ण पक्ष (२८ फरवरी से १२ अप्रैल २०२१ ई, तक)

यह समय आपको लिए शुभफल प्रदान करने वाला होगा। कार्य व्यवसाय व व्यापार के क्षेत्र में पराक्रम की वृद्धि से सिद्धि प्राप्त होगी। प्रचुर मात्रा में लाभार्जन के श्रेष्ठ सुअवसर प्राप्त होगें। परिवार में सुख, शान्ति, समृद्धि की दृष्टि से यह समय शुभफलदायक एव अनुकूल रहेगा। भाई बन्धुओं का सहयोग नवीन योजनाओं के क्रियान्वन में सहायक सिद्ध होगा। कार्यो के सफल संचालन से आर्थिक संसाधनों में वृद्धि होगी समाज में मानसम्मान व यश प्राप्ति होगी। ५,६,१४,२४,२५ मार्च एवं १,२,१०,११ अप्रैल के दिन आपके अनुकूल नहीं रहेंगें।

वृष (TARUS) ई,उ,ए,ओ,व,वा,वि,वू,वे,वो।

वर्षारम्भ में इस राशी पर मंगल की क्रूर दृष्टि रहेगी, जिस कारण अनेक अड़चनों व कठिनाईयों का सामना करना पड़ेगा, बनते कार्यो में व्यवधान उत्पन्न होते रहेंगें। अप्रैल मासारम्भ में शुक्र इसी राशि पर विचरण करेगा, अतः आर्थिक स्थिति में सुधार, व्यवसाय में लाभ, कार्य क्षेत्र का विस्तार तथा मानसम्मान में वृद्धि होगी। १५ मई से सूर्य भी इसी राशि में संचरण करेगा अतः भूमि भवन वाहन का लाभ, माता से सहयोग, उच्चाधिकारियों व

प्रभावशाली व्यक्तियो से सम्वन्ध के कारण कार्य व्यवसाय में उत्तरोतर वृद्धि होगी। परन्तु जून में शुक्र के वक्री होने से कार्य क्षेत्र में किञ्चित संघर्ष व अड़चने उत्पन्न हो सकती है, बन्धु-वान्धवों से वैर विरोध तथा आर्थिक, कठिनाईयों का सामना करना पड़ सकता है। २५ जून से शुक्र के मार्गी होने से परिस्थितियां परिवर्तित होगीं। भ्रातृपक्ष से सौहार्द रहेगा, दूर-पास की यात्राएं आनन्ददायक रहेंगी २३ अक्टूबर से राशीश शुक्र अपनी नीच राशि में विचरण करेगा, अतः संतान पक्ष से चिन्ता रहेगी। स्वास्थ्य संवंधी समस्याएँ हो सकती है। ४ जनवरी को शुक्र धनु राशि में प्रवेश करेगा अतः अनेक प्रतिकूल परिस्थितियों का सामना करना पड़ेगा, परन्तु २८ जनवरी से वर्षान्त तक समय भाग्यदायक व अनुकूल ही रहेगा।

चैत्र शुक्ल पक्ष-वैशाख (२५मार्च से ७ मार्च २०२० ई. तक)

यह समय आपके लिए मिश्रित फलदायक रहेगा।, मासारम्भ में शुक्र राशि से द्वादश स्थान में रहेगा, अतः स्वास्थ्य नरम रहेगा, नेत्रपीड़ा, चर्मरोग, मूत्राधिक्य आदि रोगों की समस्या रहेगी १३ मई से २५ जून तक राशीश के वक्री होने से भाई बन्धुओं से मन मुटाव, परिवार में अशान्ति व कलह का वातावरण रहेगा।, मासान्त में स्थिति सुधरेगी, कृषि क्षेत्र से धनलाभ, बहुआयामी योजनाओं से व्यापार में उत्तरोतर वृद्धि, मानसम्मान में वृद्धि व यश प्राप्त होगी। २६,२७,२८ मार्च ५,६,१३,१४,२३,२४ अप्रैल एवं २,३ मई के दिन आपके अनुकूल नहीं रहेंगें।

ज्येष्ठ-आषाढ़ (८ मई से ५ जुलाई २०२० ई, तक)

मासारम्भ में राशीश शुक्र के वक्री होने से आर्थिक मानसिक व शारिरीक कठिनाईयों से सामना करना पड़ेगा। रोग व शत्रु पर व्यय अधिक मात्रा में होने से मन संतप्त रहेगा। परिवार व बन्धु-वान्धवों से मनमुटाव, कार्य क्षेत्र में अड़चने, रुकावटें, अनावश्यक भागदौड़ एवं शिथिलता रहेगी, पित्त कफप्रकोप, नेत्रपीड़ा, ज्वरसंक्रमण व अम्लाधिक्य से शारिरीक कष्ट हो सकता है मासान्त में स्थिति किञ्चित अनुकूल बनेगी। १०,११,२०,२१,२६,३० मई ७,८,१६, १८,२६,२७ जून एवं ४,५ जुलाई के दिन आपके अनुकूल नहीं रहेंगें।

श्रावण-भाद्रपद (६ जुलाई से २ सितम्बर २०२० ई, तक)

यह समय पूर्वापेक्षा किञ्चित उत्तम रहेगा, परिवार-कुटुम्ब में बड़े बुजुर्ग की सलाह लेने से कल्याण होगा, परिवार में शान्ति, सद्भाव एवं सहयोग का वातावरण बनेगा कार्य-व्यवसाय में धीरे-धीरे सुधार होगा, रोजगार सम्बन्धी नवीन योजनाएं क्रियान्वित होगी धनागम के मार्ग प्रशस्त होगें, धनागम से पूर्व लाम्वित कार्य, संपूर्णता, को प्राप्त करेगें। भ्रातृ पक्ष के सहयोग से सामाजिक कार्यो में सक्रियता बढ़ेगी, मान सम्मान व यश प्राप्ति से मन प्रसन्न होगा। १३,१४,१५,२३,२४,३१ जुलाई एवं १,२,१०,११,१६,२०,२८,२६ अगस्त के दिन आपके अनुकूल नहीं रहेंगें।

आश्विन कृष्ण-आश्विन अधिक-आश्विन शुक्ल पक्ष (३ सितम्बर से ३१ अक्टूबर २०२० ई. तक)

यह समय आपके लिए उत्तम फलदायक रहेगा, पराक्रम व सूझ बूझ से कार्य क्षेत्र में उन्नति होगी, नवीन योजनाएं उर्जा व स्फूर्तिदायक रहेंगी भ्रातृपक्ष से सौहार्द रहेगा। बाद में दूर पास की यात्राओं से लाभ होगा, धन लाभ के अनेक मार्ग विकसित होंगे। भ्रातृपक्ष से सौहार्द रहेगा। मासान्त में भूमि-भवन जायदाद का सौख्य मिलेगा पुश्तैनी जमीन में, लाभांश प्राप्ति से कार्य क्षेत्र का विस्तार होगा। शत्रुपक्ष पर भारी रहेंगे, समय अनुकूल रहेगा। ६,७,८,१६,१७,२४,२५ सितम्बर एवं ४,५,१३,१४,२१,२२,३१ अगस्त के दिन आपके अनुकूल नहीं रहेंगें।

कार्तिक-मार्गशीर्ष (१नवम्बर से ३०दिसम्बर २०२० ई.तक)

यह समय आपको लिए मध्यम फलदायक रहेगा। मासारम्भ में स्वास्थ्य कुछ नरम रहेगा। कण्ठनासिका, नेत्र में संक्रमण के रोगो से कठिनाई होगी, कुछ अवधि के पश्चात् स्वास्थ्य लाभ होगा। मध्य में पूर्व में फँसा हुआ धन प्राप्त होने से स्थिति किञ्चित अनुकूल बनेगी, कार्य व्यवसाय के क्षेत्र में पूर्वापेक्षा अधिक लाभांश प्राप्त होगा। आजीविका व नवीन रोजगार में उत्तरोतर वृद्धि होगी। १,६,१०,११,१८,१६,२७,२८ नवम्बर एवं ७,८,१५,१६,२४,२५,२६ दिसम्बर के दिन आपके अनुकूल नहीं रहेंगें।

पौष-माघ (३१ दिसम्बर २०२० से २६ फरवरी २०२१ ई, तक)

यह समय आपके लिए मिश्रित फलदायक रहेगा। मासारम्भ में कार्य क्षेत्र व व्यवसाय में नवीन योजनाएँ क्रियान्वित होंगी। लाभ के बहुआयामी स्त्रोत विकसित होगें। कारोबार की हालत सुधरेगी, परन्तु ४ जनवरी २०२१ के पश्चात् कुछ समय प्रतिकूल फल प्रदान करने वाला होगा। लाभांश लम्वित हो जाने के कारण व्यापार की गतिशीलता प्रभावित होगी, कार्य क्षेत्र से स्वल्प धनागमन होने से दायित्वपूर्ण कार्यो को निर्वाह करने मे कठिनाइयाँ आएगी। परन्तु २८ जनवरी से वर्षान्त तक स्थिति अनुकूल रहेगी। ३,४,११,१२,१३,२०,२१,२२,३१ जनवरी एवं ८,६,१७,१८,२६,२७ फरवरी के दिन आपके अनुकूल नहीं रहेंगें।

फाल्गुन-चैत्र कृष्ण पक्ष (२८ फरवरी से १२ अप्रैल २०२१ ई, तक)

यह समय आपको लिए उत्तम फलदायक होगा। कार्यक्षेत्र-व्यापार में वर्षो से नियोजित योजनाएँ परिपूर्ण होगी धनागम के अनेक नए स्त्रोत बनेगें। आर्थिक स्थिरता से व्यवसाय में उत्तरोत्तर वृद्धि होगी भौतिक सुख संसाधनों का सौख्य मिलेगा। समुदाय में मानसम्मान, यश प्राप्ति से हृदय प्रसन्न रहेगा। वर्षान्त तक यह समय भाग्योदय एवं मनोकामनाएं संपूर्ण करने वाला होगा। ७,८,१६,१७, १८,२६,२७ मार्च एवं ३,४,२२ अप्रैल के दिन आपके अनुकूल नहीं रहेंगें।

मिथुन (GEMINI) क, कि, कु, घ, ङ, छ के, को, ह।

यह वर्ष आपको मिश्रित फल प्रदान करने वाला है वर्षारम्भ में राशीश बुध अपनी नीचराशि में रहेगा, अतएव स्वास्थ्य एव करोवार की स्थिति प्रतिकूल रहेगी, अनावश्यक खर्चो के कारण आर्थिक सतुंलन प्रभावित रहेगा, बनते कार्य बिगड़ेगे, बन्धु वान्धवों का व्यवहार भी परायों जैसा हो जाएगा २ सितम्बर से २२ सितम्बर तक बुध स्वोच्च राशि मे रहेगा इस दौरान कार्य क्षेत्र में उन्नति के मार्ग प्रशस्त होगें लाभ के अनेक सुअवसर प्राप्त होंगे भूमि भवन सम्वन्धी कार्यो मे सफलता व लाभ प्राप्ति होगी, व्यवसाय में उन्नति समाज में मान-सम्मान, वन्धु वान्धवों से, सहयोग प्राप्त रहेगा १५ जनवरी को बुध, राशि से अष्टम स्थान में संचरण करेगा इस कारण स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं में वृद्धि रहेगी अनावश्यक दौड़ धूप से भी स्वास्थ्य पर प्रतिकूल असर पडेगा बनते कार्यो में व्यवधान उत्पन्न होंगे, निकट संबंधी या मित्र से धोखा मिल सकता है २५ जनवरी को कुम्भ में प्रवेश करके ४ फरवरी को वक्री होकर पुनः मकर में आने से आर्थिक शारीरिक समस्याएं उत्पन्न होगी ११ मार्च को मार्गी होने से किञ्चित राहत मिलेगी।

चैत्र शुक्ल-वैशाख (२५ मार्च २०२० से ७ मई २०२० ई. तक)

यह समय आपके लिए मिश्रित फल प्रदान करने वाला होगा। मासारम्भ में बुध अपनी नीचराशि में संचरण करने के कारण कार्य व्यवसाय में उपेक्षित, उन्नति नहीं मिलेगी साधारण लाभांश से मन व्यथित रहेगा।, नवीन कार्य लम्वित रहेगें। मासान्त में स्थिति अनुकूल रहेगी, वर्षो से लम्बित, कार्य क्रियान्वित होगें, मित्रवर्ग के सहयोग से धनागम के अनेक मार्ग प्रशस्त होगें।

भौतिक सुख संसाधनों में वृद्धि होगी मनोकामनाएँ पूर्ण होने से मन सतुष्ट रहेगा। २६,३० मार्च एवं ७,८,१५,१६,१७,२५,२६ अप्रैल के दिन आपके अनुकूल नहीं रहेंगें।

ज्येष्ठ-आषाढ (८ मई से ५ जुलाई २०२० ई. तक)

यह समय आपके लिए मिश्रित फल दायक रहेगा। मासारम्भ में स्वास्थ्य शिथिल रहेगा, कार्यक्षेत्र अथवा व्यापार की दृष्टि से यात्राएं अधिक होगी वृथा भाग दौड़ व लाभांश अल्प ही रहेगा। व्यय की अधिकता से आर्थिक संतुलन प्रभावित रहेगा। उत्तरार्ध में बुध के इसी राशि पर संचरण करने से परिवारजनो व मित्रों के सहयोग से सभी विगड़े व लम्वित कार्य संपूर्ण होंगें, व्यवसाय व रोजगार में आय के अनेक संसाधनों से लाभ में वृद्धि होगी, स्त्री व संतान के लिए भी यह समय अनुकूल रहेगा। ४,५,१२,१३,१४,२२,२३,२४,३१ मई एवं १,६,१०,१६,२०,२८,२६ जून के दिन आपके अनुकूल नहीं रहेंगें।

श्रावण-भाद्रपद (६जुलाई से २१ सितम्बर २०२० ई. तक)

यह समय आपके लिए मिश्रितफल दायक रहेगा मासारम्भ में निकटजनों के सहयोग से कार्य व्यवसाय के क्षेत्र में कार्य लम्वित होकर धीरे-२ संपूर्ण होते रहेगें, परिवारजनो के सहयोग से सांसारिक व व्यवहारिक कार्यो को सम्पन्न करने में भी मदद मिलेगी आर्थिक स्थिति अनुकूल रहेगी, किसी फलदायी योजना में धन खर्च करने का सुअवसर प्राप्त होगा, भूमि व भवन संबंधी निर्माण कार्यो को पूर्ण करने में सफलता प्राप्त होगी, आय के संसाधनो में वृद्धि होगी। ६,७,८,१६,१७,२५,२६ जुलाई एवं ३,४,१२,१३,१४,२१,२२,३०,३१ अगस्त के दिन आपके अनुकूल नहीं रहेंगें।

आश्विन कृष्णा-आश्विन अधिक शुक्ल पक्ष (३ सितम्बर से ३१ अक्टूबर २०२० ई. तक)

यह समय आपके उत्तम फल प्रदान करने वाला रहेगा। कार्यक्षेत्र व व्यवसाय में परिवार के सहयोग से सफलता प्राप्त होगी। भ्रातृपक्ष व मित्रवर्ग से सहयोग रहेगा। भूमि-भवन-वाहन संबंधी कार्यो में वर्षो से चले आ रहे विवाद व झगड़े समाप्त होंगे। पुरुषार्थ में वृद्धि से लाभ प्राप्ति के अनेक सुअवसर प्राप्त होंगे। संतान पक्ष से सौख्य व, संतृष्टि रहेगी। मासान्त में त्रिदोष विकार से स्वास्थ्य प्रभावित रहेगा। ६,१०,१८,१६,२६,२७ सितम्बर एवं ६,७,१५,१६,२३,२४,२५ अक्टूबर के दिन आपके अनुकूल नहीं रहेंगें।

कार्तिक-मार्गशीर्ष (१ नवम्बर से ३० दिसम्बर २०२० ई. तक)

यह समय आपको मिश्रितफल प्रदान करने वाला हैं मासारम्भ में संतान की सफलता व उपलब्धियों से हर्ष प्राप्त होगा। कार्य क्षेत्र व व्यवसाय में पूर्व लम्वित कार्य सिद्ध होंगे परन्तु लाभ प्राप्ति हेतु, कठिन परिश्रम अपेक्षित रहेगा २८ नवम्बर को बुध नीचराशि में प्रवेश करेगा अतः स्वास्थ्य संवंधी समस्याएं बढ सकती हैं पित्त-कफ-वायु विकार से शरीर शिथिल रहेगा, शत्रुपक्ष प्रबल होकर कार्य क्षेत्र में समस्याएं उत्पन्न कर सकता है। मासान्त में व्यवसाय की स्थिति संभलेगी। स्त्री पक्ष का सौख्य रहेगा। २,३,४,११,१२,१३,२०,२१,२६,३० नवम्बर एवं १,६,१०,१७,१८,२७,२८ दिसम्बर के दिन आपके अनुकूल नहीं रहेंगें।

पौष-माघ (31 दिसम्बर 2020 ई से 27 फरवरी 2021 ई तक)

यह समय आपको मिश्रित फल प्रदान करने वाला है मासारम्भ में कार्य क्षेत्र व व्यवसाय में साधारण लाभ प्राप्ति होगी, नवीन रोजगार की योजनाएँ लम्वित होगी वृथायात्राएँ अपव्यय में वृद्धि करेगी ५ जनवरी से राशीश बुध के राशि से अष्टम स्थान में संचरण करने से धनाभाव के कारण परिवार में कलहपूर्ण वातावरण रहेगा। आकास्मिक हानि मानसिक तनाव देगी व

आय-व्यय का संतुलन प्रभावित रहेगा। धन के अपव्यय पर नियन्त्रण आवश्यक होगा। मासान्त में राशीश बुध के व्रक्री होने से स्थिति गम्भीर हो सकती है। विवेक व संयम से कार्य करें। ५,६,१४,१५,२३,२४,२५ जनवरी एवं १,२,१०,११,,१६,२०,२१ फरवरी के दिन आपके अनुकूल नहीं रहेंगें।

फाल्गुन चैत्र कृष्ण पक्ष (२८ फरवरी से १२ अप्रैल २०२१ ई. तक)

यह समय आपके लिए मिश्रित फलदायक रहेगा मासारम्भ में राशीश बुध के वक्री होनें से स्थिति कष्टपूर्ण रहेगी परन्तु ११ मार्च से बुध के मार्गी होने से स्थिति अनुकूल होगी मित्रवर्ग व वन्धुजनों के सहयोग से कार्य-क्षेत्र व व्यवसाय में लाभ के अवसर प्राप्त होगें दूर-पास की अनेक यात्राएँ धनदायक रहेगी। १,२,६,१०,१६,२०,२८,२६ मार्च एवं ५,६,७ अप्रैल के दिन आपके अनुकूल नहीं रहेंगें।

कर्क (CANCER) हि, हू, हे, हो, डा, डि, डू, डे, डो।

वर्षारम्भ से वर्षान्त तक शनि की पूर्ण सप्तम दृष्टि इस राशि पर रहेगी अतः यह वर्ष आपके लिए मिश्रित फलदायक रहेगा, स्वग्रही शनि राशि से सप्तम स्थान पर जहाँ उपलविधयाँ व सफलता प्राप्ति का शुभ फल प्रदान करेगा, वहीं अष्टम स्थान का स्वामी होने से संघर्ष वाद-विवाद व कठिनाईयों भी उत्पन्न करेगा वर्षारम्भ में कार्य व्यवसाय सम्वन्धी अनावश्यक दौड़ धूप व कठिनाईयों का सामना करना पड़ेगा। भाग्येश गुरु के छठे स्थान में होने से भाग्यपक्ष भी निर्बल रहेगा। २८ जून से गुरु के वक्री हो कर धनु राशि में १३ सितम्बर तक रहने के दौरान समय संघर्षपूर्ण व कष्टदायक रहेगा ततूपश्चात अपनी नीच राशि मकर में ५ अप्रैल तक संचरण करेगा। इस अवधि में कार्य, व्यवसाय, रोजगार संवंधी, कार्य सफल तो होंगे, किन्तु अड़चनो व व्यवधानों के कारण विलम्व व कष्ट से होंगे। शनि की विशेष तृतीय दृष्टि भाग्य स्थान पर होने से आध्यात्य में रूचि बढ़ेगी, देश-विदेश की यात्राएँ किञ्चित संतोष प्रदान करने वाली होंगी। कष्ट निवारण हेतु शनि का दान व अर्चन श्रेयस्कर रहेगा।

चैत्र शुक्ल-वैशाख पक्ष (२५ मार्च से ७ मई २०२० ई. तक)

मासारम्भ में समय किञ्चित मिश्रित फलदायक रहेगा कार्य व्यवसाय में सफलता लम्वित रहेगी, अनेक व्यववधानों व अड़चनों के कारण कार्य पूर्ण होने कर भी लाभांश प्राप्ति में कठिनाईयाँ आएँगी। अनावश्यक दौड़ धूप व वाद-विवाद से मानसिक व शारीरिक कष्ट रहेगा। कार्य बनते-२ विगड़न से तनाव व चिन्ता रहेगी मासान्त में परिस्थितियाँ कुछ अनुकूल होगीं। मित्र वर्ग के सहयोग से धरि-२ कार्य सिद्ध होगें। ३१ मार्च १,६,१०,१८,१६, २७,२८,२६ अप्रैल एवं ६,७ मई के दिन आपके अनुकूल नहीं रहेंगें।

ज्येष्ठ-आषाढ़ (८ मई से ५ जुलाई २०२० ई. तक)

यह समय आपके लिए मिश्रितफल प्रदान करने वाला हैं। कार्य क्षेत्र अथवा व्यवसाय में निकटजनों के सहयोग से कार्य सिद्ध होते रहेगें अनावश्यक दौड़ धूप से शारीरिक कष्ट हो सकता है जून में किसी उच्चपदाधिकारी के सहयोग से कोई विगड़ा कार्य भी सिद्ध होगा। किन्तु धनागम व व्ययाध्क्यि के कारण मानसिक तनाव व असंतोष रहेगा पति/पत्नी से वैचारिक मतभेद गृह कलह में वृद्धि करेगें। संयम से कार्य करना ही श्रेयस्कर रहेगा। १५,१६,२५,२६ मई एवं २,३,४,११,२,१३,२१,२२,३० जून के दिन आपके अनुकूल नहीं रहेंगें।

श्रावण-भाद्रपद (६ जुलाई से २ सितम्बर २०२० ई. तक)

यह समय आपके लिए मिश्रित फलदायक रहेगा आरम्भ में कार्य क्षेत्र में कुछ सुधार दिखायी देगा, रोजगार के नवीन क्षेत्रों में सुअवसर प्राप्त होगें अतः उत्साह व पराक्रम बना रहेगा, किन्तु परिवार में परस्पर सामञ्जस्य का अभाव रहेगा। शत्रुवर्ग मुखर होकर कार्य क्षेत्र में अनेक बाधाएँ उपस्थित करेगा।

मिथ्यारोपो से मानमर्दन का प्रयत्न करेगा। लाभांश भी अल्प रहेगा। १,६,१०,१८,२०,२७,२६ जुलाई ५,६,१५,१६,२३,२४ अगस्त एवं १,२ सितम्बर के दिन आपके अनुकूल नहीं रहेंगें।

आश्विन कृष्ण-आश्विन अधिक -आश्विन शुक्ल (३ सितम्बर से ३१ अक्टूबर २०२० ई. तक)

यह समय आपके लिए मिश्रित फल दायक रहेगा। कठिन परिश्रम के पश्चात् कार्यक्षेत्र में सामान्य सफलता प्राप्त होगीं, दौड़ धूप की अधिकता रहेगी शत्रुवर्ग प्रबल रहेगा किसी कानूनी दॉव पेच में उलझा सकता है। साझेदारी के कार्य व्यवसाय में पूँजी निवेश न करे अन्यथा हानि उठानी पड़ सकती है। मासान्त तक किसी राजकीय कार्य में उलझ सकते है सतर्कता रखें। भूमि-भवन वाहन सवंधी लाभ हो सकता है। ३,११,१२,२०,२१,२६,३० सितम्बर एवं ८,६,१०,१७,१८,२६,२७ अगस्त के दिन आपके अनुकूल नहीं रहेंगें। माता का सहयोग रहेगा।

कार्तिक-मार्गशीर्ष (१नवम्बर से ३० दिसम्बर २०२० ई. तक)

यह समय आपके लिए मिश्रित फलदायक रहेगा उत्साह व पराक्रम में वृद्धि रहेगी। भ्रातृ पक्ष से सहयोग रहेगा, स्वयं के परिश्रम व बन्धुवर्ग के सहयोग से लम्वित कार्य पूर्ण होगें, लाभांश भी घरि-२ प्राप्त होने लगेगा। भूमि-भवन-वाहन संवंधी अड़चने दूर होगीं पैतृक जमीन जायदाय में अंश प्राप्ति से मन संतुष्ट रहेगा। माता का सहयोग व धार्मिक स्थलों के पर्यटन का लाभ हो सकता हीं। ५,६,१३,१४,२२,२३ नवम्बर एवं २,३,११,१२,१६, २०,२१,२६,३०,३१ सितम्बर के दिन आपके अनुकूल नहीं रहेंगें।

पौष-माघ (३१ दिसम्बर २०२० से २७ फरवरी २०२१ ई. तक)

यह समय आपके लिए मिश्रित फलदायक रहेगा। कार्य व्यवसाय व रोजगार के क्षेत्र में स्थिति सुधरेगीं, धीरे-२ लाभांश में वृद्धि रहेगी। शत्रुपक्ष से कष्ट व अनावश्यक दौड़ धूप से मानसिक तनाव रहेगा, रक्तविकार, उदर विकार ज्वरादि से स्वास्थ्य शिथिल रहेगा मासान्त में संतान पक्ष से संतोष व हर्ष रहेगा। ७,८,१६,१७,२६,२७ जनवरी एवं ३,४,५,१२,१३,२२,२३ फरंवरी के दिन आपके अनुकूल नहीं रहेंगें।

फाल्गुन-चैत्र कृष्ण पक्ष (२८ फरवरी से १२ अप्रैल २०२१ ई. तक)

यह समय आपके लिए मिश्रित फलदायक रहेगा मासरम्भ में व्यवाधिक्य से दायित्वपूर्ण कार्यो व व्यवहारिक रूप से निवर्हन में कठिनाईयो का सामना करना पड़ेगा किन्तु मासान्त में स्थिति सँभलेगी, व्यवसाय व व्यापार मे लाभ के अवसर बढ़ेगें। प्रतिष्ठित लोगों के सम्पर्क व सहयोग से विगड़े कार्य सुधरेगें। शत्रुपक्ष निर्वल रहेगा। संतान व स्त्री का सौख्य रहेगा। ३,४,११,१२,१३, २१,२२,२३,३०,३१ मार्च एवं ८,६ अप्रैल के दिन आपके अनुकूल नहीं रहेंगें।

सिंह (LEO) म, मि, मु, मे, मो, टा, टि, टू, टे।

यह वर्ष आपके लिए मिश्रित फलदायक रहेगा। वर्षारम्भ में सूर्य मीन राशि में रहेगा जो कि स्वास्थ्य एव कार्य क्षेत्र की दृष्टि से प्रतिकूल परिणाम देने वाला है। वृथा भागदौड़ भी रेहगी। १५ अप्रैल से १४ मई तक सूर्य अपनी उच्च राशि में रहने के कारण समाज में प्रतिष्ठत लोगों से सम्पर्क बढ़ेगा मान सम्मान मे वृद्धि होगी तथा आजीविका से सम्बन्धित विशेष कार्य भी सिद्ध होगा १६ जुलाई से १६ अगस्त तक का समय अत्यन्त संघर्षपूर्ण रहेगा, स्वास्थ्य व कारोबार की स्थिति अनुकूल नही रहेगी इस दौरान सूर्य राशि से द्वादश कर्क राशि में शनि से पूर्णतः दृष्ट रहेगा अतः बनते कार्यो में व्यवधान, आथिर्क कठिनाईयो का सामना करना पड़ेगा, न्यून आय व व्यय की अधिकता धन के संतुलन को प्रीभावित करेगी। पिता-पुत्रों के सम्वन्धो में दरार उत्पन्न होगी पिता अथवा घर के बड़े बुजुर्गो के लिए भी यह समय प्रतिकुल ही रहेगी।

परिवार में मनमुटाव व असहयोग की भवना रहेगी। शत्रुवर्ग प्रबल होकर व्यवसाय को प्रभावित करेगें परन्तु गुरु से भी पूर्णतः दृष्ट होने से स्वास्थ्य कारोबार तथा अर्थदशा में सुधार होगा वर्षान्त में भूमि-भवन-वाहन का सुख व पैतृक सम्पत्ति का लाभांश प्राप्त होगा सूर्य को जलापूर्ण श्रेयस्कर रहेगा।

चैत्र शुक्ल पक्ष-वैशाख (२५ मार्च से ७ मई २०२० ई.तक)

यह समय आपको मिश्रित फल प्रदान करने वाला है। प्रारम्भ में स्वास्थ्य की दृष्टि से प्रतिकूल रहेगा उदरपीडा रक्तविकार ज्वरादि से कष्ट रहेगा, कार्य क्षेत्र व व्यवसाय में कठिन परिश्रम के बाद भी अल्प लाभ प्राप्त होगा, बनते कार्यो में व्यवधान आने से आय के साधन सिमित होंगे। परिवार की अनिवार्य आवश्यकताओं की पूर्ति में व्ययाधिक्य से आर्थिक स्थिति प्रतिकुल रहेगी। मासान्त में १४ अप्रैल से सूर्य अपनी उच्च राशि में रहेगा अतः प्रभावशाली लोगों के सहयोग से लम्वित कार्य संपूर्ण होंगे, धनागम के नवीन मार्ग बनेगें मान सम्मान में वृद्धि होगी। ३,४,११,१२,२०,२१,२२,३० अप्रैल एवं १ मई के दिन आपके अनुकूल नहीं रहेंगें।

ज्येष्ठ-आषाढ (८ मई से ५ जुलाई २०२० ई. तक)

यह समय आपके लिए मिश्रित फल प्रदान करने वाला रहेगा। कार्य व्यवसाय एवं रोजगार की स्थिति श्रेष्ठ रहेगी उच्चाधिकारियों से निजी सम्पर्को के कारण किसी लाभकारी योजना को क्रियान्वित करने मे सफलता मिलेगी आय के अनेक नवीन मार्ग विकसित होंगें, व्यापार से प्रचुर मात्रा धनागम होगा। परिवार में सुख शान्ति का वातावरण बनेगा। मासान्त में एक सप्ताह व्यवसाय में आकास्मिक हानि से तनाव पूर्ण रहेगा। अनाश्यक खर्चो से आय-व्यय का संतुलन प्रभावित होगा। किसी नवीन योजना में निवेश करना लाभदायक नहीं रहेगा। ८,६,१७,१८,१६,२७,२८ मई ५,६,१४,१५,२३,२४, २५ जून एवं २,३, जुलाई के दिन आपके अनुकूल नहीं रहेंगें।

श्रावण-भाद्रपद (६ जुलाई से २ सितम्बर २०२० ई. तक)

यह समय आपके लिए मिश्रित फल प्रदान करने वाला है। आरम्भ में सूर्य के कर्क राशि में रहने से शनि से पूर्ण दृष्ट होनें से पिता-पुत्र मे वैर रहेगा। मन मुटाव के रहने से परिवार का वातावरण कलहपूर्ण रहेगा। व्ययाधिक्य के कारण आय-व्यय का संतुलन प्रभावित रहेगा। सामाजिक पारिवारिक आवश्यकताओं के पूर्ण होने योग्य ही आय व लाभ प्राप्त होगा मासान्त मे लम्वित कार्य सिद्ध होने से आय के साधनों में वृद्धि होगी व चिंता व तनाव में कभी आएगी। ११,१२,२२,२६,३० जुलाई एवं ७,८,६,१७, १८,२५,२६,२७ अगस्त के के दिन आपके अनुकूल नहीं रहेंगें।

आश्विन कृष्ण पक्ष- आश्विन अधिक-आश्विन शुक्ल पक्ष (३ सितम्बर से ३१ अक्टूबर २०२० ई. तक)

यह समय आपके लिए मिश्रित फल प्रदान करने वाला हैं। कार्य क्षेत्र व व्यापार की स्थिति अनुकूल रहेगी। परिवारजनों एवं मित्रगणो के सहयोग से सभी कार्य यथा समय सिद्ध होते रहेंगें, कुटुम्ब मे कोई मांगलिक एवु शुभ-कार्य होंने से हर्ष का वातावरण रहेगा। उत्साह व पराक्रम के बल पर कोई नवीन योजना लाभकारी परिणाम देने वाली रहेगी परन्तु शनि की दशम विशेष दृष्टि के कारण भ्रातृपक्ष से मन मुटाव व असहयोग रहेगा। आलस्य की अधिकता से लाभकारी योजनाएँ लम्वित रहेगी। ४,५,१३,१४,१५,२२,२३ सितम्बर एव १,२,१२,१६,२०,२६,३० अक्टूबर के दिन आपके अनुकूल नहीं रहेंगें।

कार्तिक-मार्गशीर्ष (१ नवम्बर से ३० दिसम्बर २०२० ई. तक)

यह समय आपको मिश्रित फल प्रदा करने वाला रहेगा। आरम्भ में पराक्रम व उत्साह की कमी रहेगी। भ्रातृपक्ष से अनबन व असहयोग रहेगा। पैतृक सम्पत्ति व भूमि-भवन-वाहन संवंधी समस्याएं उत्पन्न होगी संतान पक्ष

से सहयोग के कारण स्थिति सँभलेगी, पैतृक जीमन जायदाद से अंश प्राप्ति होगी। माता का स्वास्थ्य शिथिल रहेगा। नवीन कार्यालय अथवा भवन का निर्माण कार्य सम्पन्न होगा। ७,८,१५,१६,१७,२५,२७ नवम्बर एवं ४,५,६,१३,१४,२२ २३ दिसम्बर के दिन आपके अनुकूल नहीं रहेंगें।

पौष-माघ (३१ दिसम्बर २०२० ई. से २७ फरवरी २०२१ ई. तक)

यह समय आपके लिए मिश्रित फल प्रदान करने वाला है। मासारम्भ में संतान की शिक्षा व रोजगार में सफलता से हर्ष प्राप्ति होगी। भूमि-भवन-वाहन का सौख्य रहेगा। रोजगार व व्यवसाय में नवीन योजनाएँ क्रियान्वित होगीं विभिन्न मार्गो से धनागम के सुअवसर प्राप्त होंगे, परन्तु मासान्त में स्वास्थ्य शिथिल रहेगा। संक्रमण, ज्वर, शिरशूल रक्तचापदि रोगों से कष्ट रह सकता है। वृथा यात्राओं से दूर रहें। १,२,६,१०,१८,१६,२०,२८,२६ जनवरी एवं अनुकूल ६,७,१४,१५,१६,२४,२५,२६ फरवरी के दिन आपके अनुकूल नहीं रहेंगें।

फाल्गुन-चैत्र कृष्ण पक्ष (२८ फरवरी से १२ अप्रैल २०२० ई. तक)

यह समय आपके लिए संघर्षपूर्ण रहेगा व्यापार व व्यवसायिक क्षेत्र से प्रभावित परिणाम आएगों आकस्मिक धन हानि से आय व्यय का संतुलन प्रभावित रहेगा। मात्र निर्वाह योग्य धन ही प्राप्त होगा सांसारिक एव दयित्वपूर्ण कार्यो में कठिन आर्थिक। स्थिति का सामना करना पड़ेगा। परिवार में रोग व ऋण के बोझ से मानसिक तनाव, चिन्ता रहेगी, धैर्य व संयम से कार्य करना ही श्रेयस्कर रहेगा। ५,६,१४,२४,२५ मार्च एवं १,२,१०,११ अप्रैल के दिन आपके अनुकूल नहीं रहेंगें।

कन्या (VIRGO) टो, पा, पी, पू, ष, ण, रु, पे, पो।

यह वर्ष आपके लिए मिश्रित फल प्रदान करने वाला रहेगा, वर्षारम्भ में बुध कुम्भ राशि में रहेगा जो कि अनुकूल फल प्रदान करेगा ७ अप्रैल से २५ अप्रैल तक बुध अपनी नीच राशि मीन में रहेगा अतएव यह समय स्वास्थ्य एवं कार्य क्षेत्र के लिए मध्यम ही रहेगा। २४ मई से २ अगस्त तक बुध राशि से दशम मिथुन मे रहने के कारण कार्यव्यवसाय में उन्नति प्रदान करेगा रोजगार संबंधी नवीन योजनाएँ क्रियान्वित होंगी परन्तु २५ अप्रैल से २ मई तक का समय बुध राशि से अष्टम अपनी शत्रु राशि में रहेगा अतः यह समय कठिनाईयों व सघर्ष पूर्ण रहेगा, अभीष्ट सिद्धि व कार्य क्षेत्र में अनेक व्यवधान उत्पन्न होगे स्वास्थ्य भी शिथिल रहेगा, वृथा भ्रमण व अनापेक्षित यात्राएँ मानसिक कष्ट देगीं। धैर्य व संयम से कार्य करना होगा। २ सितम्बर से २२ सितम्बर तक इस राशि पर बुध स्वोच्च का रहने से उत्साह व पराक्रम में वृद्धि करने के साथ-२ कार्य क्षेत्र में भी अभ्युदय करेगा, व्यवसाय में लाभ के अवसरों का बढ़ाएगा एवं स्वजंनों मे मान सम्मान मे वृद्धि होगीं वर्षान्त मे संतान पक्ष से कुछ चिन्ता रहेगी, परन्तु निकटजनो के सहयोग से शिक्षा व रोजगार के संबंध में संतान की सफलता से हर्ष प्राप्ति होगी।

चैत्र शुक्ल पक्ष-वैशाख (२५ मार्च से ७ मई २०२० ई.तक)

यह आपके लिए मिश्रित फलदायक रहेगा मासारम्भ में स्वास्थ्य किञ्चित शिथिल रहेगा संक्रमण व विषम ज्वर से कष्ट रह सकता है ७ अप्रैल को बुध स्वनीच राशि मे प्रवेश करेगा व शनि की विशेष तृतीय दृष्टि इस पर रहेगी अतः स्वास्थ्य मध्यम रहेगा कार्य क्षेत्र में वनते कार्यो में व्यवधान तथा व्यवसाय में अल्प मात्रा से लाभ मिलेगा दायित्वा मे अधिक व्यय के कारण आर्थिक स्थिति संतोषजनक नही रहेगी, अनावश्यक विवादो के कारण मानसिक तनाव रहेगा, शत्रुद पक्ष प्रबल होकर लाभ मार्गो को प्रभावित करेगा किन्तु निकटजनों के सहयोग से आवश्यक कार्य सम्पन्न होते रहेगे। २६,२७,२८ मार्च ५,६,१३,१४,२३,२४ अप्रैल एवं २,३ मई के दिन आपके अनुकूल नहीं रहेंगें।

ज्येष्ठ-आषाढ़ (८ मई से ५ जुलाई २०२० ई. तक)

यह समय आपको उत्तम फल प्रदान करने वाल रहेगा, मासारम्भ मे कार्य क्षेत्र व व्यवसाय मे मनोनुकूल सफलता मिलेगी। देश-विदेश के लोगो से सम्पर्क बनेगा व विदेश यात्रा लाभकारी सिद्ध होंगी। प्रतिष्ठित जनो के सम्पर्क से कोई नवीन कार्य योजना क्रियान्वित होगी। लाभ के अवसर बढ़ेगे मान सम्मान में वृद्धि होगी, बुध के मिथुन राशि मे दशम स्थान में रहने से राज्य पक्ष से सहयोग रहेगा प्रतिष्ठा प्राप्त होगी, भौतिक सुख संसाधनों में वृद्धि व परिवार में हर्ष व सुख का वातावरण रहेंगा शत्रु पक्ष का दमन होगा प्रतिस्पर्धा में अग्रणी रहेंगे। १०,११,२०,२१,२६,३० मई ७,८,१६,१८,२६,२७ जून एवं ४,५ जुलाई के दिन आपके अनुकूल नहीं रहेंगें।

श्रावण-भाद्रपद (७ जुलाई से २ सितम्बर २०२० ई. तक)

यह समय आपको मिश्रित फल प्रदान करने वाला रहेगा। समय के पूर्वार्ध में बुध राशि से दशम स्थान में रहने से कार्यक्षेत्र अथवा व्यवसाय में श्रेष्ठ लाभ मिलेगा। प्रभावशाली लोगों के सम्पर्क से कोई नवीन कार्य सिद्ध होगा, आर्थिक स्थिति में आशानुरुप परिवर्तत होंगे। व्यापार व व्यवसायकि क्षेत्र में लाभ प्राप्ति के सुअवसर बढ़ेगे व प्रचुर मात्रा में धन लाभ प्राप्त होगा कार्यक्षेत्र अथवा व्यवसाय में उन्नतिदायक सफलता प्राप्त होगी राजकीय कार्यो मे सिद्धि मिलेगी मनोकामनाएं पूर्ण होगी उत्तरार्ध में १२ अगस्त के पश्चात धनव्यय पर नियन्त्रण रखना आवश्यक होगा। १३,१४,१५,२३,२४,३१ जुलाई एवं १,२, १०,११,१६,२०,२८,२६ अगस्त के दिन आपके अनुकूल नहीं रहेंगें।

आश्विन कृष्ण पक्ष -आश्विन अधिक-आश्विन शुक्ल पक्ष (३ सितम्बर से ३१ अक्टूबर २०२० ई. तक)

यह समय आपके लिए उत्तम फलदायक रहेगा। मासारम्भ में २ सितम्बर को बुध अपने स्वोच्च राशि कन्या में प्रवेश करेगा, जिस कारणवश अनेक रूके हुए कार्य सिद्ध होगे व्यापार अथवा कार्यक्षेत्र में आशानुकूल परिवर्तन होगा, लाभ के अनेक मार्ग खुलेगें। व्यवसायिक क्षेत्रों से प्रचुर मात्रा में धनागम, आय के स्त्रोतो में वृद्धि होगी। व्यय की मात्रा मे कमी आएगी शत्रुपक्ष भी परास्त होगें। पारिवारिक, सामाजिक व आर्थिक दृष्टि से यह समय श्रेष्ठ रहेगा आत्म संतुष्टि व सौख्य रहेगा। ६,७,८,१६,१७,२४,२५ सितम्बर एवं ४,५,१३,१४, २१,२२,३१ अगस्त के दिन आपके अनुकूल नहीं रहेंगें।

कार्तिक-मार्गशीर्ष (१ नवम्बर से ३० दिसम्बर २०२० ई. तक)

यह समय आपके लिए मिश्रित फल प्रदान करने वाला है। शनि की विशेष दशम दृष्टि राशि से द्वितीय स्थान पर रहेगी अतः स्वास्थ्य अनुकूल नही रहेगा, परिवारजनो में परस्पर संघर्ष व वैमनस्य का वातावरण रहेगा। शत्रुपक्ष सबल होकर कार्य व्यवसाय का भिन्न-भिन्न करने का प्रयास कहेगा। धनागम के मार्ग अवरुद्ध होने से आय-व्यय का संतुलन प्रभावित होगा। २८ नवम्बर के पश्चात कुटुम्ब जनो का सहयोग व भाईयां में परस्पर प्रेम से सौहार्द पूर्ण वातावरण बनेगा। स्त्री संतान की सहयोग भी सुखदायक रहेगा। १,६,१०,११,१८,१६,२७,२८ नवम्बर एवं ७,८,१५,१६,२४,२५,२६ दिसम्बर के दिन आपके अनुकूल नहीं रहेंगें।

पौष-माघ (३१ दिसम्बर २०२० ई. से २७ फरवरी २०२१ ई. तक)

यह समय आपके लिए मिश्रित फल प्रदान करने वाला है पूर्वार्ध में भूमि-भवन-वाहन के कार्यो में लाभ के सुअवसर प्राप्त होगें। कार्यक्षेत्र में छोटी-मोटी वाधाओं के रहते हुए भी निकटजनों के सहयोग से रुक-रुक कर सभी कार्य यथा समय सम्पन्न होते रहेंगे। मित्र वर्ग के सहयोग से लाभकारी व्यवसायिक योजनाएं क्रियान्वित होगी। आय के अधिकांश साधनो से लाभ प्राप्ति होती रहेगी। लेन-देन अथवा साझेदारी के कार्य सोच समझ कर करें।

विश्वासपात्र से भी धोखा मिल सकता है विवेक व संयम से कार्य करें। ३,४,११,१२,१३,२०,२१,२२,३१ जनवरी एवं ८,६,१७,१८,२६,२७ फरवरी के दिन आपके अनुकूल नहीं रहेंगें।

फाल्गुन चैत्र कृष्ण पक्ष (२८ फरवरी से १२ अप्रैल २०२० ई. तक)

यह समय आपके लिए सामान्यफल प्रदान करने वाला है। कार्य क्षेत्र की दृष्टि से यह समय अनुकूल रहेगा। परिवार में मंगलकार्य होने से प्रेम व स्नेह का वातावरण रहेगा। व्यवसाय में समुचित मात्रा मे धन लाभ प्राप्त होगा। शत्रुपक्ष शक्तिविहिन अनुभूति करेगा। संतान की सफलता व उपलब्धियों से हर्ष की अनुभूति होगी स्त्री का स्वास्थ्य अनुकूल रहेगा। मासान्त में किञ्चित समस्याएं आएगी, कार्य क्षेत्र में व्यवधान भी शत्रुपक्ष के सक्रिय होने से किञ्चित कष्ट रहेगा। ७,८,१६,१७,१८,२६,२७ मार्च एवं ३,४,२२ अप्रैल के दिन आपके अनुकूल नहीं रहेंगें।

तुला (LIBRA) रा,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते।

यह समय आपको मिश्रित फल प्रदान करने वाला है। वर्षारम्भ में २८ मार्च से १ अगस्त तक राशीश शुक्र अपनी दूसरी राशि वृष राशि में रहने वाला है और १३ मई से २५ जून तक वक्री रहेगा। अतएव यह समय स्वास्थ्य के लिए मध्यम रहेगा उदरविकार अम्लाधिक्य, नेत्रकण्ठनासिका के रोग, मौसमी संक्रमणादि रोगों से कष्ट हो सकता है। बनते कार्यो में रूकावट, अनावश्यक वाद-विवाद वृथा भ्रमण, हानिकारक यात्राओं से आर्थिक संतुलन प्रभावित होगा, १ अगस्त से परिस्थितियां परिवर्तित होगी। धार्मिक कार्यो व आध्यात्म में रुचि बढ़ेगी। १ सितम्बर से कार्य-व्यवसाय के क्षेत्र में फल अनुकूल होने लगेंगें। मानसम्मान में वृद्धि व रोजगार की पूर्वलम्वित एवं नवीन योजनाएं क्रियान्वित होंगी, मनावांछित कार्य पूर्ण होने से स्फूति व उत्साह बना रहेगा, २३ अक्टूबर को राशीश शुक्र अपनी नीच राशि में संचरण करेगा अतः धनागम व लाभमार्ग प्रभावित होंगें, आय-व्यय का संतुलन डगमगा जाएगा, भौतिक सुख संसाधनों पर व्यय को नियंत्रित करना होगा ततपश्चात् वर्षान्त तक समय अनुकूल रहेगा। भूमिभवनवाहन का सौख्य रहेगा, भ्रातृ पक्ष व वन्धु बान्धवों का सहयोग रहेगा।

चैत्रशुक्ल पक्ष-वैशाख (२५मार्च से ७ मार्च २०२० ई. तक)

यह समय आपके लिए मिश्रित फलदायक रहेगा, २८ मार्च को राशीश शुक्र के वृष राशि में प्रवेश से राशि से अष्टम में जाने के कारण स्वास्थ्य नरम रहेगा। कण्ठनासिका व चक्षु के रोग कष्ट प्रदान करेगें कार्य व्यवसाय व रोजगार के क्षेत्र में व्रथा दौड़-धूप बढ़ेगी व अनायास व्यवधान उत्पन्न होंगे, १४ अप्रैल को सूर्य की मेष राशि से अपनी नीच राशि पर दृष्टि रहेगी, अतः कार्य व्यापार में अल्प सफलता ही मिलेगी। लाभ प्राप्ति के लिए कठिन परिश्रम करना पड़ेगा। २६,३० मार्च एवं ७,८,१५,१६,१७,२५,२६ अप्रैल के दिन आपके अनुकूल नहीं रहेंगें।

ज्येष्ठ-आषाढ़ (८ मई से ५ जुलाई २०२० ई, तक)

यह समय आपके लिए संघषपूर्ण रहेगा राशीश शुक्र १३ मई से २५ जून तक वक्री रहेगा। राशि से अष्टम में वक्री होने के कारण स्वास्थ्य प्रतिकूल रहेगा उदरविकार, ज्वर व चर्मरोगों से कष्ट रह सकता है। अनावश्यक भाग-दौड़ से भी स्वास्थ्य हानि होगी, लम्बी व दूर की यात्राओं को टालना ही श्रेयस्कर रहेगा। व्यवसाय व कार्य क्षेत्र में कठिन परिश्रम करने पर भी अल्प सफलता ही मिलेगी, व्यय पर भी नियन्त्रण आवश्यक होगा। ४,५,१२,१३,१४, २२,२३,२४,३१ मई एवं १,६,१०,१६,२०,२८,२६ जून के दिन आपके अनुकूल नहीं रहेंगें।

श्रावण-भाद्रपद (६ जुलाई से २ सितम्बर २०२० ई, तक)

यह समय आपके लिए मिश्रित फलदायक रहेगा मासारम्भ में व्यवसाय व कार्य क्षेत्र में बनते कार्यो में व्यवधान रहेंगे। किसी कार्ययोजना में धन का निवेश सोच-विचार कर ही करें। उत्तरार्ध में समय अनूकुल रहेगा। धर्म-कर्म आध्यात्म में रुचि बढ़ेगी, शोभा यात्राओं तीर्थ यात्राओं का सुअवसर प्राप्त होगा, दूर-समीप कर यात्राएं कार्य व्यवसाय के लिए हितकारी रहेगी। ६,७,८,१६,१७,२५,२६ जुलाई एवं ३,४,१२,१३,१४,२१,२२,३०,३१ अगस्त के दिन आपके अनुकूल नहीं रहेंगें।

आश्विन कृष्णा-आश्विन अधिक-आश्विन शुक्ल पक्ष (३ सितम्बर से ३१ अक्टूबर २०२० ई. तक)

यह समय आपके लिए मिश्रित फलदायक रहेगा। कार्यव्यवसाय में उत्तम लाभ प्राप्ति, धनागम मे वृद्धि व नवीन योजनाओं के क्रियान्वन से मन प्रसन्न रहेगा रोजगार की नवीन योजनाएं फलीभूत होगी, धनसंचय से आर्थिक स्थिरता रहेगी। मासान्त में २३ अक्टूबर को राशीश शुक्र के अपनी नीच राशि कन्या मे द्वादश स्थान में संचरण करने से आर्थिक, शारीरिक समस्याएं उत्पन्न होगी आय-व्यय का संतुलन प्रभावित होगा भौतिक सुख संसाधनों पर व्यय को नियन्त्रित करना पड़ेगा। ६,१०,१८,१९,२६,२७ सितम्बर एवं ६,७,१५,१६,२३,२४,२५ अक्टूबर के दिन आपके अनुकूल नहीं रहेंगें।

कातिर्क-मार्गशीर्ष (१नवम्बर से ३०दिसम्बर २०२० ई.तक)

यह समय आपको मिश्रित फल प्रदान करने वाला है। मासारम्भ में स्थिति आर्थिक प्रतिकूल रहेगी शारीरिक एवं व्यवहारिक कर्तव्यों को सम्पन्न करने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा। मध्य में बन्धु वान्धवो व कुटुम्बजनो के सहयोग से कार्यक्षेत्र एवं व्यवसाय में सुधार आएगा १६ नवम्बर को शुक्र इसी राशि में प्रवेश करेगा इस कारण बिगड़े कार्य सिद्ध होगें, आय के संसाधनों में वृद्धि होगी प्रतिष्ठित जनों से सम्पर्क बढ़ेगा, मान सम्मान में वृद्धि होगी। २,३,४,११,१२,१३,२०,२१,२६,३० नवम्बर एवं १,६,१०, १७,१८,२७,२८ दिसम्बर के दिन आपके अनुकूल नहीं रहेंगें।

पैाष-माघ (३१ दिसम्बर २०२० से २७ फरवरी २०२१ ई, तक)

यह समय आपके लिए उत्तम फल प्रदान करने वाला रहेगा। कार्य क्षेत्र व व्यापार में आय के संसाधनो में वृद्धि रहेगी। चल अचल सम्पति के क्रय-विक्रय से विशेष लाभ के अवसर प्राप्त होंगे। परिवार कुटुम्ब मे मगंल कार्य होगें जिनसे आपसी सौहार्द व, स्नेह में वृद्धि होगी भ्रातृपक्ष से सहयोग रहेगा। धनागम के अनेक मार्ग प्रशस्त होंगें अनायास धनप्राप्ति से आर्थिक स्थिरता रहेगी। कार्यक्षेत्र में सफलता से पराक्रम व ऊर्जा में वृद्धि रहेगी। संतान पक्ष से सौख्य रहेगा। ५,६,१४,१५,२३,२४,२५ जनवरी एवं १,२,१०,११,,१९,२०,२१ फरवरी के दिन आपके अनुकूल नहीं रहेंगें।

फाल्गुन-चैत्र कृष्ण पक्ष (२८ फरवरी से १२ अप्रैल २०२१ ई, तक)

यह समय आपके लिए उत्तमफल प्रदान करने वाला रहेगा। संतान की शिक्षा व रोजगार से सौख्य रहेगा मित्र बन्धु वान्धवों के सहयोग से व्यवसाय अथव व्यापार में लाभ व उन्नति के योग प्रशस्त होगें। रोजगार की नवीन योजनाएं क्रियान्वित होगी, व्यवसाय में उत्तरोतर सफलता से मन प्रसन्न रहेगा स्त्री पक्ष से भी संतुष्टि रहेगी। १,२,६,१०,१९,२०,२८,२९ मार्च एवं ५,६,७ अप्रैल के दिन आपके अनुकूल नहीं रहेंगें।

वृश्चिक (SCORPIO) तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू।

वर्षारम्भ में मंगल अपनी उच्चराशि मकर में रहेगा, उच्चावस्था में होने के कारण पराक्रम में वृद्धि तथा कार्य सिद्धि प्राप्त होगी, गुरु से युक्त होने के

कारण, व्यवसाय व व्यापार में प्रचुर मात्रा में लाभ व धनसंचय के अवसर प्राप्त होगें। ४ मई से कुम्भ राशि में संचार होने से व शनि से युति होने से भवन निमार्ण का सुअवसर प्राप्त होगा भ्रातृपक्ष से किञ्चित असहयोग रहेगा, बन्धु बान्धवों से मनमुटाव होते हुए भी व्यवधानों को समाप्त करने में सक्षम रहेगें। भूमि-भवन-वाहन कर सौख्य किञ्चित अड़चनों के बाद प्राप्त होगा। प्रतिष्ठित लोगो के सम्पर्क से रोजगार की नवीन योजनाएं फलीभूत होगीं। १८ जून को मीन राशि में प्रवेश के पश्चात् संतान पक्ष से, सौख्य रहेगा जीवन में आमोद-प्रमोद के अवसर प्राप्त होंगे, भौतिक संसाधनों में वृद्धि होगी १६ अगस्त से मंगल दूसरी राशि मेष मे प्रवेश करेगा, शत्रु पक्ष निर्बल रहेगा उत्साह व पराक्रम के बल पर असम्भव कार्य भी सम्भव करने में सफलता मिलेगी ०६ सितम्बर से १३ नवम्बर तक मंगल वक्री रहेगा अतः स्वास्थ्य शिथिल रहेगा शत्रुपक्ष से अड़चने व तनाव रहेगा। २२ फरवरी से पति/पत्नी से किञ्चित मनमुटाव व असहयोग रहेगा। ह्रुमदुपासना श्रेयस्कर रहेगी।

चैत्रशुक्ल पक्ष-वैशाख (२५मार्च से ७ मार्च २०२० ई. तक)

यह समय आपके लिए अनुकूल रहेगा। राशीश मंगल अपनी उच्चराशी में होने से एवं गुरु से युक्त होने से कार्य क्षेत्र व व्यापार में धन-लाभ, उत्साह व पराक्रम के वल पर असम्भव कार्यो को भी सम्भव करने में सफल रहेंगें। भातृपक्ष से सहयोग, बन्ध-वान्धवों में मान सम्मान प्राप्त होगा। भ्रमण व पर्यटन के सुअवसर प्राप्त होगें। कार्यक्षेत्र व व्यापार में नवीन योजनाओं के फलीभूत होने व निरन्तर लाभ प्राप्ति से स्फूर्ति व ऊर्जा में वृद्धि रहेगी। ३१ मार्च १,६,१०,१८,१६,२७,२८,२६ अप्रैल एवं ६,७ मई के दिन आपके अनुकूल नहीं रहेंगें।

ज्येष्ठ-आषाढ़ (८ मई से ५ जुलाई २०२० ई, तक)

यह समय आपके लिए अनुकूल रहेगा। कार्य क्षेत्र में सफलता रहेगी, वन्धु बान्धवों का सहयोग निरन्तर धन लाभ व उन्नति में वृद्धि दायक रहेगा। संतान पक्ष की शिक्षा व रोजगार के सुअवसर प्राप्त होंगें। आय के नवीन स्त्रोत बनेगें परिवार मे मंगल कार्य के होने से परस्पर सुख-शान्ति प्रेम का वातावरण रहेगा समाज मे मान सम्मान व प्रतिष्ठा बढ़ेगी स्वास्थ्य उत्तम रहेगा, शत्रुपक्ष निर्बल रहेगा। १५,१६,२५,२६ मई एवं २,३,४,११,२,१३,२१,२२,३० जून के दिन आपके अनुकूल नहीं रहेंगें।

श्रावण-भाद्रपद (६ जुलाई से २ सितम्बर २०२० ई, तक)

यह समय आपके लिए मध्यम फल प्रदान करने वाला है मासारम्भ में संतान पक्ष से सौख्य रहेगा। संतान की शिक्षा व रोजगार की दृष्टि से संतुष्टि रहेगी परन्तु १६ अगस्त के पश्चात् मंगल के मेष राशि में होने से स्वास्थ्य किञ्चित शिथिल रहेगा, पित्त प्रकोप, सक्रंमण व रक्त विकार से कष्ट हो सकता है। कार्य क्षेत्र व व्यवसाय मे कठिन परिश्रम व संघर्ष अपेक्षित रहेगा। कड़ी प्रतियोगिता शत्रुपक्ष को पडयन्त्रों का सामना करना पड़ेगा। वाद-विवाद से दूर रहना श्रेयस्कर रहेगा। १,६,१०,१८,२०,२७,२६ जुलाई ५,६,१५,१६,२३, २४ अगस्त एवं १,२ सितम्बर के दिन आपके अनुकूल नहीं रहेंगें।

आश्विन कृष्ण-आश्विन अधिक-आश्विन शुक्ल पक्ष (३ सितम्बर से ३१ अक्टूबर २०२० ई. तक)

यह समय आपके लिए अनुकूल नहीं रहेगा, ६ सितम्बर से मासान्त तक राशीश मंगल वक्री रहेगा अतः कठिन परिश्रम एवं संघर्ष के द्वारा कार्य सिद्ध होगें। कारोवार की स्थिति मध्यम रहेगी। शत्रुपक्ष के द्वारा कार्यो में व्यवधान डालने व षऽयन्त्रों के प्रयास से मन संतप्त रहेगा। वाद-विवाद से आपके

कार्य लम्वित हो सकते हे अतः वाणो पर संयम रखना ही श्रेयस्कर रहेगा। पित्त-रक्त विकार, शिरशूल, संक्रमण से स्वास्थ्य रक्षा अपेक्षित रहेगी। अनावश्यक खर्चो पर नियन्त्रण रखना आवश्यक होगा। ३,११,१२,२०,२१, २६,३० सितम्बर एवं ८,६,१०,१७,१८,२६,२७ अगस्त के दिन आपके अनुकूल नहीं रहेंगें।

कातिर्क-मार्गशीर्ष (१नवम्बर से ३०दिसम्बर २०२० ई.तक)

यह समय आपके लिए मिश्रित फल प्रदान करने वाला है मासारम्भ में संतान पक्ष से चिन्ता व असंतुष्टि रहेगी। स्वास्थ्य किञ्चित शिथिल रहेगा उदर पीड़ा, रक्त विकार, पित्त दोष से कष्ट रहेगा। १३ नवम्बर की राशीश मंगल के मार्गी में होने स्थिति बदलेगी कार्य व्यवसाय में पूर्वापिक्षा लाभ में वृद्धि होगी व्यवसायिक गतिविधिया बढ़ने से दौड़धूप बढ़गी, लाभप्रद कार्ययोजना का सफल कार्यान्वन होगा फल स्वरूप व्यापार मे लाभ के सुअवर प्राप्त होगें, दूरपास की यात्राएँ लाभांश वृद्धि में सहायक सिद्धि होगीं। ५,६,१३,१४,२२, २३ नवम्बर एवं २,३,११,१२,१६,२०,२१,२६,३०,३१ सितम्बर के दिन आपके अनुकूल नहीं रहेंगें।

पौष-माघ (३१ दिसम्बर २०२० से २७ फरवरी २०२१ ई, तक)

यह समय आपके लिए लिए मिश्रित फल दायक प्रदान करने वाला होगा। स्वास्थ्य किञ्चित नरम रहेगा। ज्वर, संक्रमण, शिरशूल रक्तचाप आदि रोगों से शरीर व मन क्लान्त रहेगा कार्य - व्यवसाय की स्थिति मध्यम रहेगी शत्रुपक्ष से कड़ा मुकाबला रहेगा। कठिन परिश्रम व संघर्ष से कार्य सिद्ध होंगे। शत्रुपक्ष कार्यक्षेत्र में व्यवधान डालने में असफल रहेगा, परन्तु सतर्क, रहना आवश्यक होगा, प्रभावकारी लोगो के स्पर्क से धीरे-२ कार्य सिद्ध होते रहेगें। ७,८,१६,१७,२६,२७ जनवरी एवं ३,४,५,१२,१३,२२,२३ फरवरी के दिन आपके अनुकूल नहीं रहेंगें।

फाल्गुन-चैत्र कृष्ण पक्ष (२८ फरवरी से १२ अप्रैल २०२१ ई, तक)

यह समय आपके लिए मिश्रित फलदायक रहेगा २२ मार्च से मंगल वृष राशि में प्रवेश करेगा, दशम पर दृष्टि होने से कार्य क्षेत्र व्यवसाय में सफलता प्राप्त होगी, प्रभावकारी व्यक्तियों के सम्पर्क से लाभप्रद नवीन कार्य योजनाएं कार्यान्वित होगी, आय के संसाधनों में वृद्धि होगी किन्तु खर्च भी बढ़ेगा। संतान पक्ष की सफलता व उपब्धियों से प्रसन्नता व हर्ष का वातावरण रहेगा, भौतिक शारिरीक सुख में वृद्धि रहेगा स्त्री-पक्ष से सहयोग रहेगा। ३,४,११,१२,१३,२१,२२,२३,३०,३१ मार्च एवं ८,९ अप्रैल के दिन आपके अनुकूल नहीं रहेंगें।

धनु (SANGITTARIUS) **ये,यो,भा,भी,भू,ध,फ,ढ़,भे।**

यह वर्ष आपके लिए प्रारम्भ में अनुकूल फल प्रदान करने वाला है। ३० मार्च के पश्चात् गुरु के नीच राशि मकर में चले जाने पर शुभ फलों में कुछ ह्रास हो सकता है। शारीरिक व आर्थिक के रूप से यह वर्ष आपको पुष्टि प्रदान करने वाला रहेगा १४ अप्रैल से भाग्योदय भली प्रकार होगा संतान से हर्ष व संतुष्टि रहेगी मान सम्मान की दृष्टि से भी यह समय उत्तम रहेगा। कार्य व्यवसाय व रोजगार के क्षेत्र में भी सफलता मिलेगी स्वराशिस्थ शनि के साथ युति होने से कुटुम्व-परिवार में वैचारिक मतभेद होते हुए भी सौहार्द व सुख बना रहेगा १ जून से सितम्बर मास तक गुरु के वक्री होने के कारण स्वास्थ्य प्रभावित रहेगा शारीरिक पीड़ा काटुम्विक अशान्ति व आय के साधनों में व्यवधान की आशंका रहेगी। कार्य क्षेत्र व व्यापार में लाभांश के लम्वित होने के कारण आय व्यय का संतुलन प्रभावित रहेगा। समय के उत्तरार्ध मे स्थिति सँभलेगी व कठिन परिश्रम व धैर्य से समस्त कठिनाईयों पर विजय प्राप्त होगी। अरिष्ट निवारण हेतु पीली वस्तुओं का दान श्रेयस्कर रहेगा।

चैत्र शुक्ल पक्ष-वैशाख (२५ मार्च से ७ मई २०२० ई. तक)

यह समय आपके लिए अनुकूल रहेगा सूर्य के उच्च राशि में होने से भाग्यवशात् परिश्रम से अधिक उपलब्धि प्राप्त हो सकती हैं, कार्य क्षेत्र में कठिनाईयों के वावजूद धनागम के स्त्रोत बने रहेंगें। उत्साह व पराक्रम में वृद्धि रहेगी भूमि-भवन-वाहन का सौख्य रहेगा, संतान पक्ष से हर्ष व संतुष्टि रहेगी मासान्त में स्वास्थ्य शिथिल रह सकता है, ज्वर संक्रमणादि रोगों से प्रतिरक्षा आवश्यक है। ३,४,११,१२,२०,२१,२२,३० अप्रैल एवं १ मई के दिन आपके अनुकूल नहीं रहेंगें।

ज्येष्ठ-आषाढ़ (८ मई से ५ जुलाई २०२० तक)

यह समय आपके लिए मिश्रित फलदायक रहेगा। मासारम्भ में कार्य व्यवसाय के क्षेत्र में अच्छे परिणाम मिलेगें। नए अनुबन्ध लाभ के अनेक स्त्रोत बनाने व धनागम में सहायक रहेंगे। पति पत्नी से संबध मधुर वनेंगें आपसी सामञ्जस्य व सहयोग से परिवार में शान्ति व सुख का वातावरण रहेगा मासान्त में पूर्व में हुए वाद-विवाद के कारण शत्रुवर्ग से तनाव रहेगा। मानसम्मान में न्यूनता आने से मानसिक कष्ट रहेगा। ८,६,१७, १८,१६,२७, २८ मई ५,६,१४,१५,२३,२४,२५ जून एवं २,३, जुलाई के दिन आपके अनुकूल नहीं रहेंगें।

श्रावण-भाद्रपद (६ जुलाई से २ सितम्बर २०२० ई. तक)

यह समय आपके लिए मिश्रित फलदायक रहेगा। मासारम्भ में शत्रुवर्ग के षड़यन्त्रों से मानसिक कष्ट रहेगा किन्तु शीघ्र ही आपके प्रयासो से विजय प्राप्त कर लेगें प्रतिष्ठित जनों से सम्पर्क बढ़ेगा, मानसम्मान में वृद्धि होगी, परिवार व निकटजनों के सहयोग से लम्वित कार्य सिद्ध होंगे। भाग्य साथ देगा रोजगार की नवीन योजनाएँ क्रियान्वित होगी देश-विदेश से सम्पर्क बढ़ेगें। ११,१२,२२,२६,३० जुलाई एवं ७,८,६,१७,१८,२५,२६,२७ अगस्त के के दिन आपके अनुकूल नहीं रहेंगें।

आश्विन कृष्ण-आश्विन अधिक आश्विन शुक्ल पक्ष (सितम्बर से ३१ अक्टूबर २०२० ई. तक)

यह समय आपके लिए मिश्रित फल प्रदान करने वाला है। संतान की उपालब्धियों से हर्ष मिलेगा, परन्तु संतान संवंधी दायित्वो को पूर्ण करने में आर्थिक संतुलन प्रभावित होगा। भाग्येश सूर्य के स्वंनीच राशि में होने से भाग्य अधिक उत्तम नही रहेगा। कार्यक्षेत्र में अनेक चुनौतियों एवं प्रतिस्पर्धाओं का सामना करना पड़ेगा; व्यवसाय अथवा व्यापार में सघर्ष बढ़ेगा संतान पक्ष से व्यवसाय में सहयोग रहेगा। ४,५,१३,१४,१५,२२,२३ सितम्बर एव १,२,१२, १६,२०,२६,३० अक्टूबर के दिन आपके अनुकूल नहीं रहेंगें।

कार्तिक-मार्गशीर्ष (१ नवम्बर से ३० दिसम्बर २०२० ई. तक)

यह समय आपके लिए मिश्रित फलदायक रहेगा। मासारम्भ में कार्य क्षेत्र व व्यवसाय में संघर्ष बढ़ेगा, पूंजी निवेश से आय-व्यय का संतुलन प्रभावित होगा किन्तु निर्वाह योग्य धन प्राप्त होता रहेगा। मास के उतरार्ध में बन्धु वान्धवों व मित्रवर्ग के सहयोग से नवीन कार्य सिद्ध होंगे, रोजगार संबंधी लाभपरक योजनाएँ क्रियान्वित होंगी, समाज व परिवार में मान-सम्मान बढ़ेगा। ७,८,१५,१६,१७,२५,२७ नवम्बर एवं ४,५,६,१३,१४,२२ ,२३ दिसम्बर के दिन आपके अनुकूल नहीं रहेंगें।

पौष-माघ (३१ दिसम्बर २०२० से २७ फरवरी २०२१ तक)

यह समय आपके लिए उत्तम फल प्रदान करने वाला रहेगा। राशीश गुरु कर युति वित्तेश-पराक्रमेश शनि व भाग्येश सूर्य से वित्त स्थान में रहेगी अतः राज्य के उच्याधिकारियों के सहयोग से आय के स्त्रोंतों में वृद्धि होगी कर्मचारी

वर्ग को पदोन्नति का अवसर प्राप्त हो सकता है, परिवार में मंगल कार्यो से हर्ष का वातावरण रहेगा प्रभावशाली लोगों से संपर्क बढ़ेगा। रुके हुए कार्य सिद्ध होगें। समाज में यश व प्रतिष्ठा प्राप्त होगी। १,२,६,१०,१८,१६, २०,२८,२६ जनवरी एवं अनुकूल ६,७,१४,१५, १६,२४,२५,२६ फरवरी के दिन आपके अनुकूल नहीं रहेंगें।

फाल्गुन-चैत्र कृष्ण पक्ष (२८ फरवरी से १२ अप्रैल २०२० तक)

यह समय आपके लिए उत्तम फल प्रदान करने वाला रहेगा। कार्य-कारोवार में लाभ, किसी व्यवसायिक योजना पर निवेश करने से आय के संसाधनों में वृद्धि होगीं। कुटुम्ब के सहयोग से पराक्रम में वृद्धि व लाभकारी योजनाओं में सक्रियता रहेगी। मास के उत्तरार्ध में व्यस्तता बढ़ने से स्वास्थ्य प्रभावित हो सकता हैं, किन्तु धनागम से आत्म संतोष रहेगा। ५,६,१४,२४,२५ मार्च एवं १,२,१०,११ अप्रैल के दिन आपके अनुकूल नहीं रहेंगें।

मकर (CAPRCORN) भो, ज, जी, खि,खु,खे,खो,ग,गी।

वर्षारम्भ से संपूर्ण वर्ष राशीश शनि इसी राशि पर रहेगा अतः स्वास्थ्य, करोबार एवं आर्थिक दृष्टि से स्थिति अनुकूल रहेगी। कार्य क्षेत्र, व्यवसाय की दृष्टि से भी यह वर्ष सफलता एवं उन्नति प्रदान करने वाला रहेगा। १४ अप्रैल के पश्चात भूमि, भवन, वाहन का सौख्य रहेगा पैतृक संपत्ति का अंश कूछ व्यवधानो के बाद प्राप्त हो जाएगा। पिता व भ्रातृ पक्ष से किञ्चित मनमुटाव रह सकता है। गुरु के वर्षारम्भ से ही इसी राशि पर रहने से व्यय की अधिकता रहेगी, किन्तु गुरु की नीच राशि होने के कारण अधिक हानि नही होंगी। शुभ कार्यो में खर्च होने से संतुष्टि रहेगी। उत्तरार्ध में मित्रवर्ग एवं प्रभावकारी लोगों के सहयोग से कोई लाभकारी कार्य योजना क्रियान्वित होगी, आय के स्त्रोत में वृद्धि तथा समुदाय में मान सम्मान बढ़ेगा, संतान पक्ष की शिक्षा व रोजगार पर व्यय की अधिकता रहेगी किन्तु आय-व्यय का संतुलन बना रहेगा। जुलाई मास में पति/पत्नी से वैचारिक मतभेद रहेगा तथा सौहार्द की कमी रहेगी। अरिष्ट निवारण हेतु शनि का दान करें।

चैत्र शुक्ल पक्ष - वैशाख (२५ मार्च से ७ मई २०२० तक)

यह समय आपको मिश्रित फल प्रदान करने वाला है मासारम्भ में पराक्रम में शिथिलता रहेगी आलस्य से शरीर म्लान रहेगा। भ्रातृ पक्ष से असहयोग रहेगा। भूमि भवन वाहन संबंधी समस्याएँ बढ़ेगी। पैतृक स्पत्ति के झगड़े पिता व भ्रातृ पक्ष से मनमुटाव मानसिक मन मुटाव में वृद्धि करेगें। मासान्त में संतान पक्ष की शिक्षा व रोजगार के क्षेत्र में सफलता से मन में संतोष रहेगा। २६,२७,२८ मार्च ५,६,१३,१४,२३,२४ अप्रैल एवं २,३ मई के दिन आपके अनुकूल नहीं रहेंगें।

ज्येष्ठ-आषाढ़ (८ मई से ५ जुलाई २०२० ई. तक)

यह समय आपके लिए मिश्रित फलदायक रहेगा। ११ मई से शनि वक्री रहेगा अतः स्वास्थ्य नरम रहेगा, आर्थिक क्षेत्र में मन्दी रहेगी आय-व्यय का संतुलन प्रभावित रहने से कार्य क्षेत्र में पूँजी निवेश व व्यवहारिक कार्यों में व्यवधान उत्पन्न होंगें, मासान्त में स्थिति सुधरेगी, आय के स्त्रोतों में वृद्धि होगी। बन्धु-वान्धवों व मित्रवर्ग के सहयोग से कोई लाभकारी योजना क्रियान्वित होगीं। उन्नति व लाभ के मार्ग प्रशस्त होंगे। १०,११,२०,२१,२६,३० मई ७,८,१६,१८,२६,२७ जून एवं ४,५ जुलाई के दिन आपके अनुकूल नहीं रहेंगें।

श्रावण-भाद्रपद (६ जुलाई से २ सितम्बर २०२० ई. तक)

यह समय आपके लिए मध्यम फल पदान करने वाला है। राशीश की राशि पर स्थिति कार्यव्यवसाय व रोजगारसंबंधी व्यवसायिक गतिविधियों को

बढ़ाने वाली रहेगी, किन्तु राशीश के मासान्त तक वक्री रहने से उन्नति व लाभ के अवसर विलम्बित रहेंगे। सूर्य की सप्तम से राशि व राशीश पर पूर्ण दृष्टि व्यवधान, मानसिकतनाव व चिन्ता में वृद्धि करेगी। पति/पत्नी से वैचारिक मतभेद कलह का कारण बनेंगे। १३,१४,१५,२३,२४,३१ जुलाई एवं १,२,१०, ११,१६,२०,२८,२६ अगस्त के दिन आपके अनुकूल नहीं रहेंगें।

आश्विन कृष्ण-आश्विन अधिक मास-आश्विन शुक्ल पक्ष (३ सितम्बर से ३१ अक्टूबर २०२० तक)

यह समय आपके लिए मिश्रित फल प्रदान करने वाला है। मासारम्भ में कार्यक्षेत्र अथवा व्यवसाय में अत्याधिक दौड़ धूप, स्थानन्तरण या स्थान परिवर्तन जैसे समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। मासान्त में कार्य-कारोबार में अनुकूल परिवर्तन होंगे, व्यवसाय अथवा व्यापार में लाभ व उन्नति के सुअवसर उत्पन्न होगें। किसी उच्चाधिकारी के सहयोग से अनेक लम्वित कार्य पूर्णता को प्राप्त होंगें। पिता व निकटजनों की सहायता से नवीन रोजगार परक योजनाएँ क्रियान्वित होगीं, हर्ष का वातावरण रहेगा। ६,७,८,१६,१७,२४,२५ सितम्बर एवं ४,५,१३,१४,२१,२२,३१ अगस्त के दिन आपके अनुकूल नहीं रहेंगें।

कार्तिक-मार्गशीर्ष (१ नवम्बर से ३० दिसम्बर २०२० ई.तक)

यह समय आपके लिए शुभाशुभ मिश्रित फलदायक रहेगा। कार्यक्षेत्र अथवा व्यवसाय में उन्नति के मार्ग खुलेगें, वर्षो की मनोकामना पूर्ण होगी। भूमि भवन-वाहन प्राप्ति का योग उत्तम रहेगा। मास के उत्तरार्ध में स्थिति समस्यापूर्ण रहेगी, वातव्याधि, उदर-विकार, ज्वरादि से स्वास्थ्य शिथिल रहेगा, औषधि-उपचार पर व्ययाधिक्य रहेगा, अनावश्यक यात्राएँ, मानसिक व आर्थिक कष्ट को बढ़ाने वाली रहेंगी। १,६,१०,११,१८,१६,२७,२८ नवम्बर एवं ७,८,१५,१६,२४,२५,२६ दिसम्बर के दिन आपके अनुकूल नहीं रहेंगें।

पौष-मार्गशीर्ष (३१ दिसम्बर २०२० से २७ फरवरी २०२१) ई. तक)

यह समय आपके लिए अनुकूल फलदायक रहेगा। पूर्वार्ध में कठिन परिश्रम से कार्य सिद्ध होगें, कुछ व्ययाधिक्य भी होगा, किन्तु शनि के इसी राशि पर स्थित होने से स्थिति नियन्त्रण में रहेगीं। परिवार व कुटुम्व के सहयोग से रोजगार परक नवीन योजनाएँ क्रियान्वित होगों। आय के स्त्रोतों में वृद्धि होगी उन्नति के मार्ग प्रशस्त होगें, भौतिक संसाधनों का सौख्य रहेगा। मानप्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। संतान पक्ष से हर्ष व संतुष्टि रहेगी अवरुद्ध धनाप्ति से मन प्रसन्न रहेगा। ३,४,११,१२,१३,२०,२१,२२,३१ जनवरी एवं ८,६,१७,१८,२६,२७ फरवरी के दिन आपके अनुकूल नहीं रहेंगें।

फाल्गुन-चैत्र कृष्ण पक्ष (२८ फरवरी से १२ अप्रैल २०२१ तक)

यह समय आपको अनुकूल फल प्रदान करने वाला हैं। स्वास्थय उत्तम रहेगा कार्यक्षेत्र में शत्रुपक्ष को मात देकर प्रतिस्पर्धा में विजयों रहेंगे कार्य व्यवसाय अथवा व्यापार को एक नई दिशा प्राप्त होगी। आय के नवीन स्त्रोतों में वृद्धि होगी। भ्रातृपक्ष के सहयोग से भूमि-भवन-वाहन के क्षेत्र में उँचे आयायों को प्राप्त करेंगे। भातृ पक्ष से सौहार्द रहेगा। मित्रवर्ग व प्रभावकारी लोगों के सम्पर्क से कई लाभकारी योजना क्रियान्वित होगी। ७,८,१६,१७,१८,२६,२७ मार्च एवं ३,४,२२ अप्रैल के दिन आपके अनुकूल नहीं रहेंगें।

कुम्भ (AQUARIUS) **गू,गे,गो,स,सि,सू,सो,द।**

यह वर्ष आपके लिए मिश्रित फल प्रदान करने वाला रहेगा। संपूर्ण वर्ष राशीश शनि राशि से द्वादश स्थान पर स्थित रहेगा, एकादशेश गुरु भी शनि से युक्त रहेगा, अतः संपूर्ण वर्ष आय-व्यय के उतार चढ़ाव से जीवन में आर्थिक,

पारिवारिक, मानसिक अस्थिरता रहेगी, व्ययाधिक्य से आय का संतुलन प्रभावित रहेगा किन्तु व्यय किया गया धन, संतान की शिक्षा व रोजगार, स्वास्थ्यरक्षा, पूँजीनिवेश व भूमि-भवन निर्माण, मंगलकार्यो में होने से सदुपयोग ही होगा। जुलाई मास में पिता व पुत्र से मनमुटाव व वैचारिक मतभेद उत्पन्न होगें। पति/पत्नी मे असहयोग मानसिक तनाव देने वाला वातावाण रहेगा अतः स्वास्थ्य भी प्रतिकूल रहेगा। सितम्बर मास में आकस्मिक समस्याओं व हानियो से समय कठिनाईयों पूर्ण रहेगा। नवम्बर मास में स्थिति सँभलेगी, कार्य व्यवसाय में आय के नवीन स्त्रोत बनेगें। कोई लाभकारी योजना क्रियान्वित होगी व आर्थिक स्थिति में उत्तरोत्तर सुधार होगा। अनिष्ट परिहार हेतु शनि दान करें।

चैत्र शुक्ल पक्ष-वैशाख (२५ मार्च से ७ मई २०२० ई. तक)

यह समय आपके लिए मिश्रित फल प्रदान करनें वाला रहेगा। राशीश शनि की दूसरी राशि से व्यय स्थान पर होने से उतार चढ़ाव की स्थिति रहेगी कार्यक्षेत्र अथवा व्यवसाय में उन्नति व लाभ के मार्ग खुलेगें वही व्ययाधिक्य के कारण लाभांश अल्प ही रहेगा। मानसम्मान की हानि की संभावना बनी रहेगी। स्वास्थ्य भी नरम रहेगा आलस्य की अधिकता कार्य में नुकसान पहुँचाएगी। २६,३० मार्च एवं ७,८,१५,१६,१७,२५,२६ अप्रैल के दिन आपके अनुकूल नहीं रहेंगें।

ज्येष्ठ-आषाढ़ (८ मई से ५ जुलाई २०२० ई. तक)

यह समय आपके लिए मिश्रित फल दायक रहेगा ४ मई से १८ जून तक मंगल इस राशि पर संचार करेगा अतः तृतीतेय- दशमेश होने से भ्रातृपक्ष से अनबन रहेगी, पराक्रम के अभाव में कार्यक्षेत्र अथवा व्यवसाय संबंधी लाभांश लम्वित रहेगा। स्वभाव में उग्रता रहेगी। अनावश्यक वाद-विवाद से कठिनाईयाँ बढ़ सकती है। भूमि-भवन-वाहन संवंधी अनुबन्ध कष्टदायक रह सकते है। चोर-चपेट की भी संभावना रहेगी। वाणी पर नियन्त्रण आवश्यक होगा। ४,५,१२,१३,१४,२२,२३,२४,३१ मई एवं १,६,१०,१६,२०,२८,२६ जून के दिन आपके अनुकूल नहीं रहेंगें।

श्रावण-भाद्रपद (६ जुलाई से २ सितम्बर २०२० ई. तक)

यह समय आपके लिए मिश्रित फल प्रदान करने वाला रहेगा। भूमि-भवन पैतृक व संपत्ति संबंधी समस्याएं कष्टदायक रहेगी, धोखे से अधिक भुगतान हो सकता है व्ययाधिक्य से आय-व्यय का संतुलन प्रभावित रहेगा समय के उत्तरार्ध मे स्थिति सँभलेगी कार्य क्षेत्र में उन्नति व आय के सुअवसर प्राप्त होगें। मन में कुछ संतुष्ठि रहेगी। ६,७,८,१६,१७,२५,२६ जुलाई एवं ३,४,१२,१३,१४,२१,२२,३०,३१ अगस्त के दिन आपके अनुकूल नहीं रहेंगें।

आश्विन कृष्ण-आश्विन अधिक मास-आश्विन शुक्ल पक्ष (३ सितम्बर से ३१ अक्टूबर २०२० ई. तक)

यह समय आपके लिए मिश्रित फल दायक रहेगा मासारम्भ में संतान की शिक्षा व रोजगारपूरक योजनाओं में व्यय होगा। भौतिक सुख संसाधनों का भी सौख्य रहेगा। मास के उत्तरार्ध में स्वास्थ्य प्रभावित रहेगा। वृथा भ्रमण व अनावश्यक यात्राएँ थकान व अवसाद वाली रहेगी। श्वसन संबंधी रोगों से शरीर रक्षा, आवश्यक रहेगी उपचार पर व्यय होगा। ६,१०,१८,१६,२६,२७ सितम्बर एवं ६,७,१५,१६,२३,२४,२५ अक्टूबर के दिन आपके अनुकूल नहीं रहेंगें।

कार्तिक-मार्गशीर्ष (१ नवम्बर से ३० दिसम्बर २०२० तक)

यह समय आपके लिए उत्तम फल प्रदान करने वाला रहेगा। मास के पूर्वार्ध में कार्यक्षेत्र अथवा व्यवसाय में उन्नति व सफलता के अनेक मार्ग

प्रशस्त होंगे आय के विभिन्न स्त्रोतों से धनागम होगा। वर्षो से लम्वित कार्य सिद्ध होंगे। जीवन की अनेक अभिलाषाएँ परिपूर्ण होंगी। रोजगार की नवीन योजनाएँ क्रियान्वित होगीं। २,३,४,११,१२,१३,२०,२१,२६,३० नवम्बर एवं १,६,१०,१७,१८,२७,२८ दिसम्बर के दिन आपके अनुकूल नहीं रहेंगें।

पौष-माघ (३१ दिसम्बर २०२० से २७ फरवरी २०२१ ई.तक)

यह समय आपके लिए मिश्रित फल प्रदान करने वाला रहेगा। सूर्य की स्थिति इस राशि से व्यय स्थान पर होने से पिता पुत्र से वैर, नेत्र, हृदय संबंधी रोगों से कष्ट व उपचार में व्यय की अधिकता व्यग्रता उत्पन्न करेगी। १५ फरवरी से सूर्य इसी राशि पर स्थित होगा, पति/पत्नी से असहयोग रहेगा कार्यव्यवसाय में शत्रुपक्ष पर विजय रहेगी धनागम के मार्ग प्रशस्त होगें। कार्य क्षेत्र में नए अनुवन्ध लाभदायक रहेंगें। ५,६,१४,१५,२३,२४,२५ जनवरी एवं १,२,१०,११,,१६,२०,२१ फरवरी के दिन आपके अनुकूल नहीं रहेंगें।

फाल्गुन-चैत्र कृष्णा पक्ष (२७ फरवरी २०२० से १२ अप्रैल २०२० ई. तक)

यह समय आपको मिश्रित फल प्रदान करने वाला रहेगा। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा कार्यक्षेत्र व व्यवसाय में अनुकूल सुधार आएगा, लाभ के अवसरों में वृद्धि होगी तथा रुके हुए कार्य सिद्ध होगें। परिवार में सुख व शान्ति रहेगी। बुजुर्गो के आर्शीवाद से रोजगार परक नवीन योजनाएँ क्रियान्वित होंगी आय के नवीन स्त्रोत प्रचुर धन प्रदान करेंगें। १,२,६,१०,१६,२०,२८,२६ मार्च एवं ५,६,७ अप्रैल के दिन आपके अनुकूल नहीं रहेंगें।

मीन (PISCES) **दी,दु,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची।**

यह समय आपके लिए अनुकूल फल प्रदान करने वाला रहेगा। वर्ष पर्यन्त शनि स्वराशि मकर में राशीश गुरु के साथ एकादश स्थान में रहेगा अतः इच्छा पूर्ति, भौतिक सुखसंसाधनों के उपभोग एवं कार्य व्यवसाय में समय-२ पर व्यवधान व अड़चनें आती रहेगी, किन्तु सम्यक प्रयासों से कठिनाईयाँ दूर भी हो जाएगी। कार्यक्षेत्र में वृथा दौड़ धूप स्वास्थ्य को प्रभावित करेगी। जून मास में राशीश गुरु के वक्री होने से भूमि-जमीन जायदाद संबंधी कार्य सिद्ध होते-२ लम्वित होंगें। वर्ष के मध्य में भ्रातृ पक्ष से मनमुटाव रहेगा। पैतृक संपत्ति के बँटवारे संबंधी समस्याएँ आएगी, परिवार के बुजुर्ग के हस्तक्षेप से लाभांश की प्राप्ति होगी। संतानपक्ष की शिक्षा व रोजगार हेतु व्ययाधिक्य रहेगा। १४ जनवरी से १४ फरवरी के मध्य किसी उच्चाधिकारी की सहायता से नवीन रोजगार व उन्नति हेतु लम्वित कार्य सिद्ध होगा न्यूनाधिक्य यह वर्ष सफलता कार्य सिद्धि प्रदान करने वाला रहेगा। अनिष्ट परिहार हेतु पीली मीठी वस्तुओं का दान करें।

चैत्र शुक्ल पक्ष-वैशाख (२५ मार्च से ७ मई २०२० ई. तक)

यह समय आपके लिए मिश्रित फल प्रदान करने वाला है १४ अप्रैल तक इस राशि पर सूर्य स्थित रहेगा। अतः स्वास्थ्य में उतार-चढ़ाव, स्वभाव में उग्रता आने से अनावश्यक वाद-विवाद उत्पन्न होंगे कार्य व्यवसाय की स्थिति अनुकूल रहेगी। वर्ष भर राशीश एकादश स्थान में रहने से मनोकामनाएँ पूर्ण करने में सहायक रहेगा। ३१ मार्च १,६,१०,१८,१६, २७,२८,२६ अप्रैल एवं ६,७ मई के दिन आपके अनुकूल नहीं रहेंगें।

ज्येष्ठ-आषाढ़ (८ मई से ५ जुलाई २०२० ई. तक)

यह समय आपके लिए उत्तम फल प्रदान करने वाला रहेगा। १८ जून से भाग्येश मंगल मीन राशि में प्रवेश करेगा अतः भाग्य प्रबल रहेगा कार्य व्यवसाय में धनागम के अनेक स्त्रोत बनेंगे प्रचुर मात्रा में धन लाभ होगा। प्रतिष्ठित लोगों से संपर्क बढ़ेगा। पराक्रम में वृद्धि होगी, किसी व्यवसायिक

योजना को क्रियान्वित करने में सफलता प्राप्त होगी। परिवार में परस्पर सहयोग व हर्ष का वातावरण रहेगा। १५,१६,२५,२६ मई एवं २,३,४,११,२, १३,२१,२२,३० जून के दिन आपके अनुकूल नहीं रहेंगें।

श्रावण-भाद्रपद (६ जुलाई से २ सितम्बर २०२० ई. तक)

यह समय आपके लिए मिश्रित फल दायक रहेगा। कार्य क्षेत्र व व्यवसाय में उन्नति के अवसर प्राप्त होंगे। राशीश गुरु की नीचस्थ दृष्टि संतान भाव पर रहने से संतान के स्वास्थ्य एवं कारोबार संबंधी चिन्ताएँ बढ़ेगी। स्त्री पक्ष के लिए भी यह समय मध्यम ही रहेगा। अगस्त में संक्रमण, ज्वर पीलिया जैसे रोगों से शरीररक्षा आवश्यक होगी। १,६,१०,१८,२०,२७,२६ जुलाई ५,६,१५,१६,२३,२४ अगस्त एवं १,२ सितम्बर के दिन आपके अनुकूल नहीं रहेंगें।

आश्विन कृष्ण-आश्विन अधिक-आश्विन शुक्ल पक्ष (३ सितम्बर से ३१ अक्टूबर २०२० तक)

यह समय आपके लिए मिश्रित फल प्रदान करने वाला रहेगा। भाग्येश मंगल के वक्री होनें से कठिनाईयाँ व अड़चनों को सामना करना पड़ेगा। अनावश्यक वाद-विवाद से परहेज करें। कार्यक्षेत्र व व्यवसाय में शत्रुवर्ग से कठिन प्रतियोगिता व संघर्ष करना पड़ सकता है। उत्तरार्ध में स्थिति सँभलेगी। आय के संसाधनों में वृद्धि होने से आय व्यय का संतुलन बनेगा। राजकीय कार्यो में लाभ के अवसर बनेगें। ३,११,१२,२०,२१,२६,३० सितम्बर एवं ८,६,१०, १७,१८,२६,२७ अगस्त के दिन आपके अनुकूल नहीं रहेंगें।

कार्तिक-मार्गशीर्ष (१ नवम्बर से ३० दिसम्बर २०२० ई.तक)

यह समय आपके लिए उत्तम फल प्रदान करने वाला हैं। शत्रुपक्ष निर्वल रहेगा, निकट जनों के सहयोग से कई वड़ी समस्याओ व कष्ट से छुटकारा मिलेगा धर्म व आध्यात्म में रूचि बढ़ेगी। तीर्थाटन व शोभायात्राओं में सहभागीता के अवसर प्राप्त होगें। दान धर्म से यश प्राप्ति होगी। कार्यक्षेत्र व्यवसाय में नई उँचाईयाँ प्राप्त होगीं। धनागम व संतोष से हर्ष प्राप्ति होगी। ५,६,१३,१४,२२,२३ नवम्बर एवं २,३,११,१२,१६,२०,२१,२६,३०,३१ सितम्बर के दिन आपके अनुकूल नहीं रहेंगें।

पौष-माघ (३१ दिसम्बर २०२० ई. से २७ फरवरी २०२१ तक)

यह समय आपके लिए मिश्रित फल दायक रहेगा। मासारम्भ में कार्यक्षेत्र व व्यवसाय में आय के संसाधनो में वृद्धि होगीं। राजकीय कार्यो को करने मे सफलता प्राप्त होगी। व्यवसाय अथवा व्यापार का विस्तार होगा। वर्षो से लम्वित कार्य व मनोकामनाएँ पूर्ण होगी इष्टप्राप्ति से हर्ष व उल्लास का वातावाण रहेगा। मासान्त में आकस्मिक खर्चो से आय-व्यय का संतुलन प्रभावित होगा। व्यय सद्कार्यो पर होने से संतुष्टि रहेगी। रोजगार संबंधी यात्राओं से व्यवस्तता बढ़ेगी। ७,८,१६,१७,२६,२७ जनवरी एवं ३,४,५,१२,१३,२२,२३ फरवरी के दिन आपके अनुकूल नहीं रहेंगें।

फाल्गुन-चैत्र कृष्ण पक्ष (२८ फरवरी से १२ अप्रैल २०२१ तक)

यह समय आपके लिए मिश्रित फल प्रदान करने वाला रहेगा। आर्थिक समस्याओं के रहते, संसारिक व व्यवहारिक कार्यो को सम्पन्न करने में कठिनाईयों का सामना करना पड़ेगां अनेक बाधाओं के रहते कार्यक्षेत्र व व्यवसाय में समस्याएं उत्पन्न होंगी। विवादित प्रसंगो से परिवार व बन्धु बान्धवो से अर्न्तविरोध उत्पन्न हो सकते है। अतः ऐसे वातावरण में तटस्थ रहें। स्वास्थ्य नरम रहेगा, वृथा भ्रमण का त्याग करें। ३,४,११,१२,१३,२१, २२,२३,३०,३१ मार्च एवं ८,६ अप्रैल के दिन आपके अनुकूल नहीं रहेंगें।

प्रो० नीलम ठगेला
ज्योतिष-विभाग

विक्रम सम्वत् २०७७, ईश्वीय सन् २०२०-२१ व्रत, पर्व एवं उत्सव

चैत्र शुक्ल पक्ष (दि. २५ मार्च से १८ अप्रैल २०२० ई.)

तिथि	दिनाङ्क	वार	व्रत, पर्व एवं उत्सव
प्रतिपदा	२५ मार्च	बुध	वासन्तिक नवरात्र प्रा., घटस्थापन, गुड़ीपड़वा, युगादि, भारतीय नववर्षारम्भ, नवाह्न प्रा. कल्पादि, गौतम जयन्ती।
द्वितीया	२६ मार्च	गुरु	सिन्धारा, झूलेलाल जयन्ती, चन्द्रदर्शन।
तृतीया	२७ मार्च	शुक्र	मत्स्य जयन्ती (अपराह्नकाल), गणगौरी तृतीया, मन्वादि।
चतुर्थी	२८ मार्च	शनि	विनायक चतुर्थी।
षष्ठी	३० मार्च	सोम	रोहिणी व्रत, यमुना छठ, स्कन्द षष्ठी।
अष्टमी	१ अप्रैल	बुध	महानिशा पूजा, दुर्गाष्टमी, मेला मनसा देवी, मेला बाहुफोर्ट जम्मू, बैंक अवकाश।
नवमी	२ अप्रैल	गुरु	श्रीराम नवमी व्रत, श्रीराम जयन्ती (मध्याह्नकाल), श्री ताराजयन्ती, औली जैन प्रा., रामायण नवाह्न समा., नवरात्र समा.।
दशमी	३ अप्रैल	शुक्र	नवरात्र पारणा।
एकादशी	४ अप्रैल	शनि	कामदा एकादशी व्रत (स.)।
द्वादशी	५ अप्रैल	रवि	प्रदोष व्रत।
त्रयोदशी	६ अप्रैल	सोम	महावीर जयन्ती (जैन.), अनङ्ग त्रयोदशी।
चतुर्दशी/ पूर्णिमा	७ अप्रैल	मंगल	पूर्णिमा व्रत।
पूर्णिमा	८ अप्रैल	बुध	हनुमज्जयन्ती (दाक्षिणात्य) औली जैन समा., सत्यव्रत, मन्वादि, सिद्धाचल यात्रा, वैशाख स्नान प्रा.।

वैशाख कृष्ण पक्ष (दि. ९ अप्रैल से २३ अप्रैल २०२० ई.)

तिथि	दिनाङ्क	वार	व्रत, पर्व एवं उत्सव
तृतीया/चतुर्थी	१० अप्रैल	शुक्र	गुडफ्राइडे, चन्द्रोदय २१/२७
चतुर्थी	१० अप्रैल	शुक्र	चतुर्थी व्रत।
पञ्चमी	१२ अप्रैल	रवि	ईस्टर सण्डे।
षष्ठी	१३ अप्रैल	सोम	मेष संक्रान्ति २०/२३ बजे, सं. पुण्यकाल मध्याह्नोत्तर, वैशाखी, कोकिला षष्ठी, आर्यभट्ट जयन्ती।
सप्तमी	१४ अप्रैल	मंगल	अम्बेडकर जयन्ती, शर्करा सप्तमी, कालाष्टमी।
अष्टमी	१५ अप्रैल	बुध	हिमाचल दिवस, शीतलाष्टमी।
एकादशी	१८ अप्रैल	शनि	वरुथिनी एकादशी व्रत (स.) वल्लभाचार्य जयन्ती।
त्रयोदशी	२० अप्रैल	सोम	सोम प्रदोष व्रत।
चतुर्दशी	२१ अप्रैल	मंगल	मासशिवरात्रि।
अमावस्या	२२ अपैल	बुध	अमावस्या।

वैशाख, शुक्ल पक्ष (दि. २४ अप्रैल से ७ मई २०२० ई.)

तिथि	दिनाङ्क	वार	व्रत, पर्व एवं उत्सव
प्रतिपदा/द्वितीया	२४ अप्रैल	शुक्र	चन्द्रदर्शन।
द्वितीया/तृतीय	२५ अप्रैल	शनि	परशुराम जयन्ती (प्रदोष काल)।
तृतीया/चतुर्थी	२६ अप्रैल	रवि	अक्षय तृतीया, मातंगी जयन्ती, त्रेतायुगादि, बद्री केदार यात्रा, रोहिणी व्रत।
चतुर्थी	२७ अप्रैल	सोम	विनायक चतुर्थी।
पञ्चमी	२८ अप्रैल	मंगल	आद्यगुरु शंकराचार्य जयन्ती, सूरदास जयन्ती, रामानुज जयन्ती।

विक्रम सम्वत् २०७७, ईश्वीय सन् २०२०-२१ व्रत, पर्व एवं उत्सव

वैशाख, शुक्ल पक्ष (दि. २४ अप्रैल से ७ मई २०२० ई.)

तिथि	दिनाङ्क	वार	व्रत, पर्व एवं उत्सव
सप्तमी	३० अप्रैल	गुरु	गंगोत्पत्ति, गंगा सप्तमी।
अष्टमी	१ मई	शुक्र	दूर्गाष्टमी (मध्याह्न व्यापिनी), श्री बगलामुखी जयन्ती, श्रमिक दिवस।
नवमी	२ मई	शनि	सीता नवमी, जानकी नवमी, मैथिली दिवस।
दशमी/एकादशी	३ मई	रवि	मोहिनी एकादशी व्रत (स्मा.)।
एकादशी	४ मई	सोम	मोहिनी एकादशी व्रत (वै.)।
त्रयोदशी	५ मई	मंगल	भौम प्रदोष व्रत।
चतुर्दशी	६ मई	बुध	नृसिंह जयन्ती (प्रदोष काल), श्री छिन्नमस्ता जयन्ती, पूर्णिमा व्रत।
पूर्णिमा	७ मई	गुरु	बुद्ध पूर्णिमा, बुद्ध जयन्ती (उदयकाल), सत्यव्रत, वैशाख स्नान समा., कूर्म जयन्ती (मध्याह्न काल), रवीन्द्रनाथ टैगोर जयन्ती।

ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष (दि. ८ मई से २२ मई २०२० ई.)

तिथि	दिनाङ्क	वार	व्रत, पर्व एवं उत्सव
प्रतिपदा	८ मई	शुक्र	नारद जयन्ती।
तृतीया/चतुर्थी	१० मई	रवि	चतुर्थी व्रत, चन्द्रोदय २२/२९।
सप्तमी/अष्टमी	१४ मई	गुरु	भानु सप्तमी, कालाष्टमी, वृष संक्रान्ति १७/१६, सं. पुण्यकाल प्रातः १०:५२ से सूर्यास्त तक।
एकादशी	१८ मई	सोम	अपरा एकादशी व्रत (स.)।
द्वादशी/त्रयोदशी	१९ मई	मंगल	भौम प्रदोष व्रत।
त्रयोदशी/चतुर्दशी	२० मई	बुध	मासशिवरात्रि।
अमावस्या	२२ मई	शुक्र	वटसावित्री व्रत, भावुका अमावस्या।

ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष (दि. २३ मई से ५ जून२०२० ई.)

तिथि	दिनाङ्क	वार	व्रत, पर्व एवं उत्सव
प्रतिपदा	२३ मई	शनि	रोहिणी व्रत, काशी दशाश्वमेध स्नान प्रा.।
द्वितीया	२४ मई	रवि	चन्द्रदर्शन।
तृतीया	२५ मई	सोम	रम्भा तृतीया, महाराणा प्रताप जयन्ती, ईद उल फितर।
चतुर्थी	२६ मई	मंगल	विनायक चतुर्थी।
षष्ठी	२८ मई	गुरु	अरण्य षष्ठी, विन्ध्यवासिनी पूजा।
अष्टमी	३० मई	शनि	दुर्गाष्टमी, मेला क्षीरभवानी (काश्मीर), श्री धूमावती जयन्ती।
नवमी	३१ मई	रवि	विश्व तम्बाकू निषेध दिवस, शुकास्त ८/३०
दशमी	१ जून	सोम	गंगा दशहरा, रामेश्वर प्रतिष्ठा, गंगावतरण।
एकादशी	२ जून	मंगल	गायत्री जयन्ती, निर्जला एकादशी व्रत (स.)।
द्वादशी/त्रयोदशी	३ जून	बुध	प्रदोष व्रत।
पूर्णिमा	५ जून	शुक्र	पूर्णिमा व्रत, वटसावित्री व्रत (दाक्षिणात्य), वट् पूर्णिमा, कबीरदास जयन्ती, सत्यव्रत, मन्वादि (वैवस्वत), विश्व पर्यावरण दिवस।

आषाढ़ कृष्ण पक्ष (दि. ६ जून से २१ जून २०२० ई.)

तिथि	दिनाङ्क	वार	व्रत, पर्व एवं उत्सव
तृतीया	८ जून	सोम	चतुर्थी व्रत, चन्द्रोदय २२/०६ ।
सप्तमी	१२ जून	शुक्र	भानु सप्तमी।
अष्टमी	१३ जून	शनि	कालाष्टमी।

विक्रम सम्वत् २०७७, ईश्वीय सन् २०२०-२१ व्रत, पर्व एवं उत्सव

आषाढ़ कृष्ण पक्ष (दि. ६ जून से २१ जून २०२० ई.)

तिथि	दिनाङ्क	वार	व्रत, पर्व एवं उत्सव
नवमी	१४ जून	रवि	मिथुन संक्रान्ति 23/54, (सं. पुण्यकाल मध्याह्नत्तोर)।
एकादशी/द्वादशी	१७ जून	बुध	योगिनी एकादशी व्रत (स.)।
द्वादशी/त्रयोदशी	१८ जून	गुरु	प्रदोष व्रत।
त्रयोदशी/चतुदर्शी	१९ जून	शुक्र	मासशिवरात्रि।
चतुर्दशी/अमावस्या	२० जून	शनि	रोहिणी व्रत, अमावस्या श्राद्धादि, दक्षिणायन प्रा.
अमावस्या	२१ जून	रवि	अमावस्या, **सूर्यग्रहण**, सबसे बड़ा दिन, अन्ताराष्ट्रीय योग दिवस।

आषाढ़ शुक्ल पक्ष (दि. २२ जून से ५ जुलाई २०२० ई.)

तिथि	दिनाङ्क	वार	व्रत, पर्व एवं उत्सव
प्रतिपदा	२२ जून	सोम	गुप्त नवरात्रारम्भ, चन्द्रदर्शन।
द्वितीया	२३ जून	मंगल	जगन्नाथ रथयात्रा, मनोरथ द्वितीया।
चतुर्थी	२४ जून	बुध	विनायक चतुर्थी।
पञ्चमी/षष्ठी	२६ जून	शुक्र	कुसुम्बा षष्ठी, कुमार षष्ठी।
सप्तमी	२७ जून	शनि	शीतला सप्तमी।
अष्टमी	२८ जून	रवि	दुर्गाष्टमी, शीतलाष्टमी, अष्टाह्निक प्रा.।
नवमी	२९ जून	सोम	भड्डली नवमी, गुप्तनवरात्र समा., मेला शरीफ भवानी (काश्मीर)।
एकादशी	१ जुलाई	बुध	देवशयनी एकादशी व्रत (स.), चातुर्मास्यारम्भ।
द्वादशी/त्रयोदशी	२ जुलाई	गुरु	वासुदेव द्वादशी, प्रदोष व्रत।
चतुर्दशी/पूर्णिमा	४ जुलाई	शनि	पूर्णिमा व्रत, पवन परीक्षा।

आषाढ़ शुक्ल पक्ष (दि. २२ जून से ५ जुलाई २०२० ई.)

तिथि	दिनाङ्क	वार	व्रत, पर्व एवं उत्सव
पूर्णिमा	५ जुलाई	रवि	गुरु पूर्णिमा, अष्टाह्निक पर्व समा., सत्यव्रत, सन्यासियों का चातुर्मास्यारम्भ, व्यासपूर्णिमा, जयापार्वती व्रत, कोकिला व्रत।

श्रावण कृष्ण पक्ष (दि. ६ जुलाई से २० जुलाई २०२० ई.)

तिथि	दिनाङ्क	वार	व्रत, पर्व एवं उत्सव
प्रतिपदा/द्वितीया	६ जुलाई	सोम	हिण्डोले प्रा. (व्रजमण्डल), अशून्य शयन व्रत, श्रावण सोमवार व्रत।
द्वितीया	७ जुलाई	मंगल	मंगला गौरी व्रत।
तृतीया/चतुर्थी	८ जुलाई	बुध	चतुर्थी व्रत, चन्द्रोदय २२/०४।
पञ्चमी	१० जुलाई	शुक्र	नाग पञ्चमी (बंगाल, बिहार)।
सप्तमी	१२ जुलाई	रवि	भानु सप्तमी, शीतला सप्तमी, कालाष्टमी।
अष्टमी	१३ जुलाई	सोम	श्रावण सोमवार व्रत।
नवमी	१४ जुलाई	मंगल	मंगला गौरी व्रत।
एकादशी	१६ जुलाई	गुरु	कामिका एकादशी व्रत (स.) कर्क संक्रान्ति १०/४७, सं. पुण्यकाल सूर्योदय से।
द्वादशी	१७ जुलाई	शुक्र	रोहिणी व्रत।
त्रयोदशी	१८ जुलाई	शनि	शनि प्रदोष व्रत।
चतुर्दशी	१९ जुलाई	रवि	मासशिवरात्रि।
अमावस्या	२० जुलाई	सोम	हरियाली अमावस्या, सोमवती अमावस्या, श्रावण सोमवार व्रत।

श्रावण शुक्ल पक्ष (दि. २१ जुलाई से ३ अगस्त २०२० ई.)

तिथि	दिनाङ्क	वार	व्रत, पर्व एवं उत्सव
प्रतिपदा	२१ जुलाई	मंगल	मंगला गौरी व्रत।

विक्रम सम्वत् २०७७, ईश्वीय सन् २०२०-२१ व्रत, पर्व एवं उत्सव

श्रावण शुक्ल पक्ष (दि. २१ जुलाई से ३ अगस्त २०२० ई.)

तिथि	दिनाङ्क	वार	व्रत, पर्व एवं उत्सव
द्वितीया	२२ जुलाई	बुध	सिन्धारा, चन्द्रदर्शन।
तृतीया	२३ जुलाई	गुरु	हरियाली तीज, मधुश्रवा तृतीया, स्वर्णगौरीव्रत।
चतुर्थी	२४ जुलाई	शुक्र	विनायक चतुर्थी, दूर्वा गणपति व्रत।
पञ्चमी	२५ जुलाई	शनि	नागपञ्चमी, ऋग्यजुहिरण्यकेशी श्रावणी उपाकर्म, कल्कि जयन्ती (सायंकाल)।
षष्ठी	२६ जुलाई	रवि	वर्ण षष्ठी।
सप्तमी/अष्टमी	२७ जुलाई	सोम	शीतला सप्तमी, भानु सप्तमी, तुलसीदास जयन्ती, दुर्गाष्टमी, मेला श्री नयना देवी, मेला ज्वाला जी, मेला चिन्तपूर्णी, श्रावण सोमवार व्रत।
नवमी	२८ जुलाई	मंगल	मंगला गौरी व्रत।
एकादशी	३० जुलाई	गुरु	पुत्रदा (पवित्रा) एकादशी व्रत (स.)।
त्रयोदशी	१ अगस्त	शनि	शनिप्रदोष व्रत, ईद उल जुहा (बकरीद)।
पूर्णिमा	३ अगस्त	सोम	पूर्णिमा व्रत, रक्षाबन्धन, सत्यव्रत, श्रावणी उपाकर्म, हयग्रीवावतार, अमरनाथदर्शन, हिण्डोले समा. (व्रजमण्डल), संस्कृत दिवस, श्रावण सोमवार व्रत।

भाद्रपद कृष्ण पक्ष (दि. ४ अगस्त से १९ अगस्त २०२० ई.)

तिथि	दिनाङ्क	वार	व्रत, पर्व एवं उत्सव
द्वितीया	५ अगस्त	बुध	अशून्य शयन व्रत।
तृतीया	६ अगस्त	गुरु	कज्जली तृतीया।
चतुर्थी	७ अगस्त	शुक्र	चतुर्थी व्रत, चन्द्रोदय २१/३९, बहुला चतुर्थी।
षष्ठी	९ अगस्त	रवि	बलराम जयन्ती, हलषष्ठी, चन्दनषष्ठी, चम्पाषष्ठी।
सप्तमी/अष्टमी	१० अगस्त	सोम	शीतला सप्तमी।
अष्टमी	११ अगस्त	मंगल	भानु सप्तमी, कालाष्टमी, श्रीकृष्णजयन्ती (निशीथकाल), श्रीकृष्णजन्माष्टमी व्रत (स्मा.), श्री महाकाली जयन्ती (निशीथकाल)।
अष्टमी	१२ अगस्त	बुध	श्रीकृष्णजन्माष्टमी व्रत (वै.)।
नवमी	१३ अगस्त	गुरू	रोहिणी व्रत, गोगा नवमी, गोकुलोत्सव।
एकादशी	१५ अगस्त	शनि	अजा एकादशी व्रत, स्वतन्त्रता दिवस।
द्वादशी	१६ अगस्त	रवि	सिंह संक्रान्ति १९/११, प्रदोष व्रत, संक्रान्ति पुण्यकाल मध्याह्नोत्तर।
त्रयोदशी	१७ अगस्त	सोम	पर्युष्णपर्वारम्भ (जैन), मासशिवरात्रि, डाकिनी चतुर्दशी।
चतुर्दशी	१८ अगस्त	मंगल	अमावस्या श्राद्धादि।
अमावस्या	१९ अगस्त	बुध	अमावस्या स्नानादि, कुशोत्पाटिनी अमावस्या।

भाद्रपद शुक्ल पक्ष (दि. २० अगस्त से ०२ सितम्बर २०२० ई.)

तिथि	दिनाङ्क	वार	व्रत, पर्व एवं उत्सव
द्वितीया	२० अगस्त	गुरु	चन्द्रदर्शन।
तृतीया	२१ अगस्त	शुक्र	सामवेदियों का उपाकर्म, हरतालिका तीज, अर्घ्यदान, वराहजयन्ती (अपराह्णकाल)।
चतुर्थी	२२ अगस्त	शनि	गणेशचतुर्थीव्रत, विनायक चतुर्थी (महाराष्ट्र) चन्द्रदर्शन निषेध, चन्द्रास्त २१/२६, कलंक चतुर्थी, पत्थर चौथ, जैन संवत्सर चतुर्थी पक्ष।
पंचमी	२३ अगस्त	रवि	ऋषि पंचमी, जैन संवत्सरी पंचमी पक्ष।

विक्रम सम्वत् २०७७, ईश्वीय सन् २०२०-२१ व्रत, पर्व एवं उत्सव

भाद्रपद शुक्ल पक्ष (दि. २० अगस्त से ०२ सितम्बर २०२० ई.)

तिथि	दिनाङ्क	वार	पर्व एवं उत्सव
षष्ठी	२४ अगस्त	सोम	स्कन्दषष्ठी, सूर्यषष्ठी, बलदेवछठ, लोलार्कषष्ठी, ललिताषष्ठी, मेला देवछठ (व्रजमण्डल), स्वामी कार्तिकेय दर्शन।
अष्टमी	२६ अगस्त	बुध	राधाष्टमी, दुर्गाष्टमी, दूर्वाष्टमी, महालक्ष्मी व्रतारम्भ।
नवमी	२७ अगस्त	गुरु	श्री चन्दनवमी, अदु:ख नवमी, मेलाश्री रामदेव जी (राज.)।
एकादशी	२९ अगस्त	शनि	पार्श्व परिवर्तिनी एकादशी व्रत (स.), वामन द्वादशी, वामनजयन्ती (मध्याह्नकाल)।
द्वादशी/त्रयोदशी	३० अगस्त	रवि	कल्कि द्वादशी, श्रीभुवनेश्वरी जयन्ती, मोहर्रम, प्रदोष व्रत।
त्रयोदशी	३१ अगस्त	सोम	ओणम।
चतुर्दशी/पूर्णिमा	१ सितम्बर	मंगल	अनन्त चतुर्दशी, गणेश विसर्जन, पूर्णिमा व्रत, पूर्णिमाश्राद्ध, प्रौष्ठपदी पूर्णिमा, महालयारम्भ।
पूर्णिमा/प्रतिपदा	२ सितम्बर	बुध	सत्यव्रत, प्रतिपदा श्राद्ध।

प्र.आश्विन कृष्ण पक्ष (शुद्ध) (दि. ०३ सितम्बर से १७ सितम्बर २०२० ई.)

तिथि	दिनाङ्क	वार	पर्व एवं उत्सव
प्रतिपदा/द्वितीया	३ सितम्बर	गुरु	अशून्य शयन व्रत, द्वितीया श्राद्ध।
तृतीया/चतुर्थी	५ सितम्बर	शनि	तृतीया का श्राद्ध, चतुर्थीवत, चन्द्रोदय २०/३८, शिक्षक दिवस।
चतुर्थी	६ सितम्बर	रवि	चतुर्थी का श्राद्ध।
पंचमी	७ सितम्बर	सोम	पंचमी का श्राद्ध, भरणी श्राद्ध।
षष्ठी	८ सितम्बर	मंगल	षष्ठी का श्राद्ध।
सप्तमी	९ सितम्बर	बुध	सप्तमी का श्राद्ध।
अष्टमी	१० सितम्बर	गुरु	अष्टमी का श्राद्ध, कालाष्टमी, जीवितपुत्रिकाव्रत, महालक्ष्मीव्रत समा., रोहिणी व्रत, जीमूतवाहनव्रत।
नवमी	११सितम्बर	शुक्र	नवमी का श्राद्ध, सधवा नवमी, मातृ नवमी अन्वष्टका श्राद्ध।
दशमी	१२ सितम्बर	शनि	दशमी का श्राद्ध।
एकादशी	१३ सितम्बर	रवि	इन्दिरा एकादशी व्रत (स्मा.), एकादशी का श्राद्ध।
द्वादशी	१४ सितम्बर	सोम	एकादशी व्रत (वै.), द्वादशी का श्राद्ध, सन्यासियों का श्राद्ध।
त्रयोदशी	१५ सितम्बर	मंगल	त्रयोदशी का श्राद्ध, भौम प्रदोष व्रत, मासशिवरात्रि।
चतुर्दशी	१६ सितम्बर	बुध	मघा श्राद्ध, चतुर्दशी का श्राद्ध, विषशस्त्रादि से हतों का श्राद्ध, कन्या संक्रान्ति १९/०७, सं. पुण्यकाल मध्याह्नोत्तर।
अमावस्या	१७ सितम्बर	गुरु	श्राद्धादि अमावस्या, सर्वपितृ अमावस्या, सर्वपितृ विसर्जन, पितृपक्ष समा., अधिक मासारम्भ १६/३० बजे से ।

प्र.आश्विन शुक्ल पक्ष (दि. १८ सितम्बर से १ अक्टूबर २०२० ई.)

तिथि	दिनाङ्क	वार	पर्व एवं उत्सव
प्रतिपदा	१८ सितम्बर	शुक्र	चन्द्रदर्शन, मातामह श्राद्ध।
चतुर्थी	२० सितम्बर	रवि	विनायक चतुर्थी।

विक्रम सम्वत् २०७७, ईश्वीय सन् २०२०-२१ व्रत, पर्व एवं उत्सव

प्र.आश्विन शुक्ल पक्ष (दि. १८ सितम्बर से १ अक्टूबर २०२० ई.)

तिथि	दिनाङ्क	वार	पर्व एवं उत्सव
षष्ठी	**२२ सितम्बर**	मंगल	विषुवद् दिन, शरद् सम्पात, दक्षिणगोल प्रा.।
अष्टमी	**२४ सितम्बर**	गुरु	दुर्गाष्टमी।
एकादशी	**२७ सितम्बर**	रवि	कमला एकादशी व्रत (स.)।
त्रयोदशी	**२९ सितम्बर**	मंगल	भौम प्रदोष व्रत।
पूर्णिमा	**१ अक्टूबर**	गुरु	पूर्णिमा व्रत, सत्यव्रत।

द्वि.आश्विन कृष्ण पक्ष (दि. २ अक्टूबर से १६ अक्टूबर २०२० ई.)

तिथि	दिनाङ्क	वार	पर्व एवं उत्सव
प्रतिपदा	**२ अक्टूबर**	शुक्र	गाँधी जयन्ती, श्री लाल बहादुर शास्त्री जयन्ती।
तृतीया/चतुर्थी	**५ अक्टूबर**	सोम	चतुर्थी व्रत, चन्द्रोदय २०/११
पञ्चमी	**७ अक्टूबर**	बुध	रोहिणी व्रत।
सप्तमी/अष्टमी	**९ अक्टूबर**	शुक्र	कालाष्टमी।
एकादशी	**१३ अक्टूबर**	मंगल	कमला एकादशी व्रत (स.)।
द्वादशी/त्रयोदशी	**१४ अक्टूबर**	बुध	प्रदोष व्रत।
त्रयोदशी/चतुदर्शी	**१५ अक्टूबर**	गुरु	मासशिवरात्रि।
अमावस्या	**१६ अक्टूबर**	शुक्र	अमावस्या, अधिक मास समा.।

द्वि.आश्विन शुक्ल पक्ष (शुद्ध) (दि. १७ अक्टूबर से ३१ अक्टूबर २०२० ई.)

तिथि	दिनाङ्क	वार	पर्व एवं उत्सव
प्रतिपदा	**१७ अक्टूबर**	शनि	शारदीय नवरात्र आरम्भ, घटस्थापन, महाराजा अग्रसेन जयन्ती, तुला संक्रान्ति ७:०५, सं. पुण्यकाल सूर्योदय से प्रातः ११:०५ तक।
द्वितीया	**१८ अक्टूबर**	रवि	चन्द्रदर्शन।

द्वि.आश्विन शुक्ल पक्ष (शुद्ध) (दि. १७ अक्टूबर से ३१ अक्टूबर २०२० ई.)

तिथि	दिनाङ्क	वार	पर्व एवं उत्सव
चतुर्थी	**२० अक्टूबर**	मंगल	विनायक चतुर्थी।
पञ्चमी	**२१ अक्टूबर**	बुध	उपांगललिता व्रत, ललिता पञ्चमी, सरस्वती आवाहन, पत्रिका प्रवेश।
षष्ठी	**२२ अक्टूबर**	गुरु	बिल्वाभिमन्त्रण सरस्वती पूजन।
सप्तमी	**२३ अक्टूबर**	शुक्र	महानिशीथ पूजन, सन्धि पूजा।
अष्टमी	**२४ अक्टूबर**	शनि	दुर्गाष्टमी, महाष्टमी, सरस्वती बलिदान, औली जैन प्रा., सरस्वती विसर्जन महानवमी रात्रि पूजन।
नवमी	**२५ अक्टूबर**	रवि	त्रिशूलिनी पूजा, नवमी व्रत, ।
दशमी/एकादशी	**२६ अक्टूबर**	सोम	अपराजिता पूजा, विजयादशमी, विद्यापीठ स्थापना दिवस, नवरात्र पारणा, शमी पूजा, शस्त्र पूजा, दशहरा, सीमोल्लंघन।
एकादशी	**२७ अक्टूबर**	मंगल	पापांकुशा एकादशी व्रत (स.), मेला भरत मिलाप, मध्वाचार्य जयन्ती।
द्वादशी/त्रयोदशी	**२८ अक्टूबर**	बुध	द्वादशी (पद्मनाभ द्वादशी), प्रदोष व्रत।
चतुर्दशी/पूर्णिमा	**३० अक्टूबर**	शुक्र	पूर्णिमा व्रत, कोजागर व्रत, रास महोत्सव, लक्ष्मी पूजन, कोजागरी पूर्णिमा।
पूर्णिमा	**३१ अक्टूबर**	शनि	सत्यव्रत, वाल्मीकि जयन्ती, मीराबाई जयन्ती, औली जैन समा., कार्तिक स्नान प्रा., सरदार वल्लभ भाई पटेल जयन्ती, शरद् पूर्णिमा।

कार्तिक कृष्ण पक्ष (दि.१ नवम्बर से १५ नवम्बर २०२० ई.)

तिथि	दिनाङ्क	वार	पर्व एवं उत्सव
तृतीया	**३ नवम्बर**	मंगल	रोहिणी व्रत।

विक्रम सम्वत् २०७७, ईश्वीय सन् २०२०-२१ व्रत, पर्व एवं उत्सव

कार्तिक कृष्ण पक्ष (दि.१ नवम्बर से १५ नवम्बर २०२० ई.)

तिथि	दिनाङ्क	वार	पर्व एवं उत्सव
चतुर्थी	४ नवम्बर	बुध	चतुर्थी व्रत, चन्द्रोदय २०/०४, करवा चौथ, करक चतुर्थी।
षष्ठी	६ नवम्बर	शुक्र	स्कन्द षष्ठी।
सप्तमी/अष्टमी	८ नवम्बर	रवि	अहोई अष्टमी, कालाष्टमी, राधाकुण्ड स्नान रात्रि समाप्ति पर अरुणोदय में।
एकादशी	११ नवम्बर	बुध	रमा एकादशी व्रत (स.)।
द्वादशी	१२ नवम्बर	गुरु	गोवत्स द्वादशी।
त्रयोदशी/चतुर्दशी	१३ नवम्बर	शुक्र	प्रदोष व्रत, धनतेरस, धनवन्तरि जयन्ती, यम-दीप दान, मासशिवरात्रि, हनुमज्जयन्ती, नरक चतुर्दशी, रूप चौदस।
चतुर्दशी/ अमावस्या	१४ नवम्बर	शनि	अमावस्या श्राद्धादि, दीपावली, महालक्ष्मी पूजन, केदारगौरी व्रत, कमला जयन्ती (प्रदोषकाल), महावीर निर्वाण दिवस, दयानन्द निर्वाण दिवस, शंकराचार्य निर्वाण दिवस, श्री महाकाली पूजा, बाल दिवस, उल्का भ्रमण।
अमावस्या	१५ नवम्बर	रवि	अमावस्या स्नानादि, गोवर्धन पूजा, अन्नकूट, विश्वकर्मा पूजा, गोपूजा।

कार्तिक शुक्ल पक्ष (दि.१६ नवम्बर से ३० नवम्बर २०२० ई.)

तिथि	दिनाङ्क	वार	पर्व एवं उत्सव
प्रतिपदा/द्वितीया	१६ नवम्बर	सोम	चन्द्रदर्शन, भातृ द्वितीया, यम द्वितीया, चित्रगुपत पूजन, यमुना स्नान (मथुरा), वृश्चिक संक्रान्ति ६/५४, सं. पुण्यकाल सूर्योदय से मध्याह्न तक।
चतुर्थी	१८ नवम्बर	बुध	विनायक चतुर्थी।
पञ्चमी	१९ नवम्बर	गुरु	लाभ पञ्चमी, ज्ञान पञ्चमी, पाण्डव पञ्चमी।
षष्ठी	२० नवम्बर	शुक्र	छठ पूजा, सूर्य षष्ठी, प्रतिहार षष्ठी व्रत, सायंकालीन अर्घ्यदान।
सप्तमी	२१ नवम्बर	शनि	प्रात: कालीन अर्घ्यदान, षष्ठी व्रत पारणा।
अष्टमी	२२ नवम्बर	रवि	अष्टाह्निकपर्व प्रा., गोपाष्टमी, दुर्गाष्टमी, मेला गोचारण (मथुरा), औली जैन प्रा.।
नवमी	२३ नवम्बर	सोम	अक्षय नवमी, सत्य युगादि, कूष्माण्ड नवमी, मथुरा परिक्रमा।
दशमी	२४ नवम्बर	मंगल	मेला कंस (मथुरा)।
एकादशी	२५ नवम्बर	बुध	प्रबोधिनी/देवोत्थान एकादशी व्रत (स्मा-वै.) तुलसी विवाह, कालिदास जयन्ती, भीष्मपंचक प्रा., चातुर्मास्य समा.।
एकादशी	२६ नवम्बर	गुरु	एकादशी व्रत (नि.)।
द्वादशी/त्रयोदशी	२७ नवम्बर	शुक्र	प्रदोष व्रत।
त्रयोदशी/चतुर्दशी	२८ नवम्बर	शनि	वैकुण्ठ चतुर्दशी।
चतुर्दशी	२९ नवम्बर	रवि	मणिकर्णिका स्नान, काशी विश्वनाथ स्थापना दिवस, पूर्णिमा व्रत, देव दीपावली।
पूर्णिमा	३० नवम्बर	सोम	भीष्म पञ्चक समा., सत्यव्रत, पुष्कर स्नान, गुरु नानक जयन्ती, मेला गढ़गंगा (मुक्तेश्वर), मेला हरिहर क्षेत्र, औली जैन समा., कार्तिक स्नान समा., मन्वादि, रोहिणी व्रत।

विक्रम-सम्वत् २०७७, ईश्वीय सन् २०२०-२१ व्रत, पर्व एवं उत्सव

मार्गशीर्ष कृष्ण पक्ष (दि. १ दिसम्बर से १४ दिसम्बर २०२० ई.)

तिथि	दिनाङ्क	वार	पर्व एवं उत्सव
तृतीया/चतुर्थी	३ दिसम्बर	गुरु	चतुर्थी व्रत, चन्द्रोदय १९/२२।
सप्तमी/अष्टमी	७ दिसम्बर	सोम	कालभैरव जयन्ती, कालाष्टमी।
एकादशी/द्वादशी	११ दिसम्बर	शुक्र	उत्पन्ना एकादशी व्रत (सं.)।
त्रयोदशी	१२ दिसम्बर	शनि	शनि प्रदोष व्रत।
चतुर्दशी	१३ दिसम्बर	रवि	मासशिवरात्रि।
अमावस्या	१४ दिसम्बर	सोम	सोमवती अमावस्या, **सूर्यग्रहण**।

मार्गशीर्ष शुक्ल पक्ष (दि.१५ दिसम्बर से ३० दिसम्बर २०२० ई.)

तिथि	दिनाङ्क	वार	पर्व एवं उत्सव
प्रतिपदा	१५ दिसम्बर	मंगल	धनु संक्रान्ति २१/३२, सं. पुण्यकाल मध्याह्नोत्तर।
द्वितीया	१६ दिसम्बर	बुध	चन्द्रदर्शन।
चतुर्थी	१८ दिसम्बर	शुक्र	विनायक चतुर्थी।
पञ्चमी	१९ दिसम्बर	शनि	विवाह पञ्चमी, सीताराम विवाह, विहार पञ्चमी, नाग पूजा (दाक्षिणात्य), स्वामी, हरिदास जयन्ती, रामदास जयन्ती, बाबू बैजनाथ जयन्ती।
षष्ठी	२० दिसम्बर	रवि	स्कन्द षष्ठी, चम्पा षष्ठी।
अष्टमी	२२ दिसम्बर	मंगल	दुर्गाष्टमी।
एकादशी	२५ दिसम्बर	शुक्र	मोक्षदा एकादशी व्रत, गीता जयन्ती, मौनी एकादशी (जैन), क्रिसमस दिवस, ईसामसीह जयन्ती, मदनमोहन मालवीय जयन्ती।
द्वादशी	२६ दिसम्बर	शनि	मत्स्य द्वादशी।

मार्गशीर्ष शुक्ल पक्ष (दि.१५ दिसम्बर से ३० दिसम्बर २०२० ई.)

तिथि	दिनाङ्क	वार	पर्व एवं उत्सव
त्रयोदशी	२७ दिसम्बर	रवि	प्रदोष व्रत, अनंग त्रयोदशी।
चतुर्दशी	२८ दिसम्बर	सोम	रोहिणी व्रत, पिशाचमोचन श्राद्ध।
चतुर्दशी/पूर्णिमा	२९ दिसम्बर	मंगल	पूर्णिमा व्रत, दत्तात्रेय जयन्ती।
पूर्णिमा	३० दिसम्बर	बुध	सत्यव्रत, श्री त्रिपुरभैरवी जयन्ती प्रदोष व्यापिनी।

पौष कृष्ण पक्ष (दि. ३१ दिसम्बर २०२० से १३ जनवरी २०२१ ई.)

तिथि	दिनाङ्क	वार	पर्व एवं उत्सव
द्वितीया	१ जनवरी	शुक्र	आंग्ल नववर्षारम्भ।
तृतीया/चतुर्थी	२ जनवरी	शनि	चतुर्थी व्रत, चन्द्रोदय १८/४८
अष्टमी	६ जनवरी	बुध	कालाष्टमी।
एकादशी	९ जनवरी	शनि	सफला एकादशी व्रत (स.)।
द्वादशी/त्रयोदशी	१० जनवरी	रवि	रूपद्वादशी, प्रदोष व्रत।
त्रयोदशी/ चतुर्दशी	११ जनवरी	सोम	मासशिवरात्रि।
चतुर्दशी/ अमावस्या	१२ जनवरी	मंगल	अमावस्याश्राद्धादि, स्वामीविवेकानन्द जयन्ती।
अमावस्या	१३ जनवरी	बुध	अमावस्या स्नानादि, लोहडी।

पौष शुक्ल पक्ष (दि.१४ जनवरी से २८ जनवरी २०२१ ई.)

तिथि	दिनाङ्क	वार	पर्व एवं उत्सव
प्रतिपदा/द्वितीया	१४ जनवरी	गुरु	मकर संक्रान्ति ८/१५, सं. पुण्यकाल सूर्योदय से समग्र दिन, चन्द्रदर्शन।
चतुर्थी	१६ जनवरी	शनि	विनायक चतुर्थी।
पंचमी	१७ जनवरी	रवि	गुरु अस्त २७/३०

विक्रम-सम्वत् २०७७, ईश्वीय सन् २०२०-२१ व्रत, पर्व एवं उत्सव

पौष शुक्ल पक्ष (दि. १४ जनवरी से १८ जनवरी २०२० ई.)

तिथि	दिनाङ्क	वार	व्रत, पर्व एवं उत्सव
सप्तमी	२० जनवरी	बुध	गुरु गोबिन्दसिंह जयन्ती, भानु सप्तमी।
अष्टमी	२१ जनवरी	गुरु	दुर्गाष्टमी।
दशमी	२३ जनवरी	शनि	सुभाष चन्द्र बोस जयन्ती।
एकादशी	२४ जनवरी	रवि	पुत्रदा एकादशीव्रत, रोहिणी व्रत।
द्वादशी	२५ जनवरी	सोम	हिमाचल प्रदेश पूर्ण राज्य दिवस।
त्रयोदशी	२६ जनवरी	मंगल	भौमप्रदोष व्रत, गणतन्त्र दिवस।
पूर्णिमा	२८ जनवरी	गुरु	पूर्णिमा व्रत, सत्यव्रत, माघस्नान प्रा., शाकम्भरी जयन्ती।

माघ कृष्ण पक्ष (दि.२९ जनवरी से ११ फरवरी २०२१ ई.)

तिथि	दिनाङ्क	वार	व्रत, पर्व एवं उत्सव
तृतीया/चतुर्थी	३१ जनवरी	रवि	संकष्टचतुर्थीव्रत, चन्द्रोदय २०/४२, संकट चौथ, गणेशोत्पत्ति, तिल चतुर्थी।
पंचमी	२ फरवरी	मंगल	स्वामी रामानन्दाचार्य जयन्ती।
सप्तमी/अष्टमी	४ फरवरी	गुरु	कालाष्टमी।
दशमी/एकादशी	७ फरवरी	शनि	षट्तिला एकादशी व्रत (स्मा.)।
एकादशी/द्वादशी	८ फरवरी	रवि	षट्तिला एकादशी व्रत (वै.+नि.)।
त्रयोदशी	९ फरवरी	मंगल	भौमप्रदोषव्रत, मेरूत्रयोदशी।
चतुर्दशी	१० फरवरी	बुध	मासशिवरात्रि।
अमावस्या	११ फरवरी	गुरु	मौनी अमावस्या, प्रयाग स्नान।

माघ शुक्ल पक्ष (दि.१२ फरवरी से २७ फरवरी २०२१ ई.)

तिथि	दिनाङ्क	वार	व्रत, पर्व एवं उत्सव
प्रतिपदा	१२ फरवरी	शुक्र	गुप्त नवरात्र प्रारम्भ (शिशिर), कुम्भ संक्रान्ति २१/१२, सं. पुण्यकाल मध्याह्नोत्तर।
द्वितीया	१३ फरवरी	शनि	चन्द्रदर्शन, गुरु उदय १२/३६
चतुर्थी	१५ फरवरी	सोम	विनायक चतुर्थी, तिल चतुर्थी।
पंचमी	१६ फरवरी	मंगल	वसन्त पञ्चमी, श्रीपञ्चमी, सरस्वतीपूजन।
षष्ठी	१७ फरवरी	बुध	स्कन्द षष्ठी।
सप्तमी	१९ फरवरी	शुक्र	रथसप्तमी, भानुसप्तमी, अचलासप्तमी।
अष्टमी	२० फरवरी	शनि	भीष्माष्टमी, दुर्गाष्टमी, मन्वादि, रोहिणी व्रत।
नवमी	२१ फरवरी	रवि	गुप्त नवरात्र (शिशिर) समा.।
एकादशी	२३ फरवरी	मंगल	जया एकादशी व्रत (स.)।
द्वादशी	२४ फरवरी	बुध	भीष्म द्वादशी, तिल द्वादशी, प्रदोष व्रत।
त्रयोदशी	२५ फरवरी	गुरु	मरु महोत्सव जैसलमेर (राज.) प्रारम्भ, हजरत अली जन्म दिवस।
चतुर्दशी/पूर्णिमा	२६ फरवरी	शुक्र	पूर्णिमा व्रत।
पूर्णिमा	२७ फरवरी	शनि	माघी पूर्णिमा, सत्यव्रत, गुरु रविदास जयन्ती,मरु महोत्सव समाप्त, माघ स्नान समाप्त, श्री ललिता जयन्ती।

फाल्गुन कृष्ण पक्ष (दि.२८ फरवरी से १३ मार्च २०२१ ई.)

तिथि	दिनाङ्क	वार	व्रत, पर्व एवं उत्सव
चतुर्थी	२ मार्च	मंगल	अङ्गारक चतुर्थी व्रत, चन्द्रोदय २१/४२।
सप्तमी/अष्टमी	५ मार्च	शुक्र	कालाष्टमी।
अष्टमी	६ मार्च	शनि	हलाष्टमी, जानकी अष्टमी।
दशमी	८ मार्च	सोम	महऋर्षि दयानन्द सरस्वती जयन्ती।
एकादशी	९ मार्च	मंगल	विजया एकादशी व्रत (स.)।

विक्रम-सम्वत् २०७७, ईश्वीय सन् २०२०-२१ व्रत, पर्व एवं उत्सव

फाल्गुन कृष्ण पक्ष (दि.२८ फरवरी से १३ मार्च २०२१ ई.)

तिथि	दिनाङ्क	वार	व्रत, पर्व एवं उत्सव
द्वादशी/त्रयोदशी	**१० मार्च**	बुध	प्रदोष व्रत।
त्रयोदशी	**११ मार्च**	गुरु	**महाशिवरात्रि व्रत।**
चतुर्दशी	**१२ मार्च**	शुक्र	महाशिवरात्रि व्रत पारायण।
अमावस्या	**१३ मार्च**	शनि	युगादि अमावस्या, शनैश्चरी अमावस्या।

फाल्गुन शुक्ल पक्ष (दि.१४ मार्च से २८ मार्च २०२१ ई.)

तिथि	दिनाङ्क	वार	व्रत, पर्व एवं उत्सव
प्रतिपदा	**१४ मार्च**	रवि	मीन संक्रान्ति १८/०३, सं. पुण्यकाल मध्याह्नोत्तर।
द्वितीया	**१५ मार्च**	सोम	फुलैरादोज, रामकृष्णपरमहंस जयन्ती, चन्द्र-दर्शन।
चतुर्थी	**१७ मार्च**	बुध	विनायक चतुर्थी
सप्तमी	**२० मार्च**	शनि	पारसी नव वर्ष, रोहिणी व्रत।
सप्तमी/अष्टमी	**२१ मार्च**	रवि	अष्टाह्निकपर्व आरम्भ, होलाष्टक प्रा., औली जैन प्रा.।
अष्टमी	**२२ मार्च**	सोम	दुर्गाष्टमी।
एकादशी	**२५ मार्च**	गुरु	आमलकी एकादशी व्रत, रङ्गभरी एकादशी।
द्वादशी/त्रयोदशी	**२६ मार्च**	शुक्र	प्रदोष व्रत, गोविन्द द्वादशी।
पूर्णिमा	**२८ मार्च**	रवि	अष्टाह्निक पर्व समा., होलाष्टक समा., औली जैन समा., फाल्गुनी पूर्णिमा, सत्यव्रत, मन्वादि, होलिका दहन।

चैत्र कृष्ण पक्ष (दि.२९ मार्च से १२ अप्रैल २०२१ ई.)

तिथि	दिनाङ्क	वार	व्रत, पर्व एवं उत्सव
प्रतिपदा	**२९ मार्च**	सोम	**होली,** धुलैण्डी, धूलिवन्दन, आम्रकलिका

चैत्र शुक्ल पक्ष (दि.२९ मार्च से १२ अप्रैल २०२१ ई.)

तिथि	दिनाङ्क	वार	व्रत, पर्व एवं उत्सव
			प्राशन, वसन्तोत्सव, चैतन्य महाप्रभु जय.।
तृतीया/चतुथी	**३१ मार्च**	बुध	शिवाजी जयन्ती, चतुर्थी व्रत, चन्द्रोदय २१/४३
चतुर्थी	**१ अप्रैल**	गुरु	बैंक अवकाश।
पंचमी/षष्ठी	**२ अप्रैल**	शुक्र	रंग पंचमी, मेला नवचण्डी (मेरठ) प्रा. गुड फ्राइडे, एकनाथ षष्ठी।
अष्टमी	**४ अप्रैल**	रवि	मेला नवचण्डी (मेरठ) समाप्त, कालाष्टमी, शीतलाष्टमी, बासोड़ा, ईस्टर सण्डे।
एकादशी	**७ अपैल**	बुध	पापमोचिनी एकादशी व्रत (स्मा.+वै.)।
द्वादशी	**८ अप्रैल**	गुरु	पापमोचिनी एकादशी व्रत (निम्बार्क)।
त्रयोदशी	**९ अप्रैल**	शुक्र	प्रदोष व्रत।
चतुर्दशी	**१० अप्रैल**	शनि	मासशिवरात्रि।
चतुर्दशी/ अमावस्या	**११ अप्रैल**	रवि	अमावस्या श्राद्धादि।
अमावस्या	**१२ अप्रैल**	रवि	अमावस्या स्नानादि, मेला पेह्वा (पृथूदक्) हरियाणा, विक्रम संवत् २०७७ समाप्त।

विक्रम संवत् २०७७ के वर्गीकृत व्रत, पर्वों की सूची

॥ विनायक चतुर्थी व्रत ॥

चैत्र	शुक्ल	चतुर्थी	२८ मार्च	२०२० ई.
वैशाख	"	"	२७ अप्रैल	"
ज्येष्ठ	"	"	२६ मई	"
आषाढ़	"	"	२४ जून	"
श्रावण	"	"	२४ जुलाई	"
भाद्रपद	"	"	२२ अगस्त	"
प्र.आश्वि."		"	२० सितम्बर	"
द्वि.आश्वि."		"	२० अक्टूबर	"
कार्तिक	"	"	१८ नवम्बर	"
मार्गशीर्ष	"	"	१८ दिसम्बर	"
पौष	"	"	१६ जनवरी	२०२१ई.
माघ	"	"	१५ फरवरी	"
फाल्गुन	"	"	१७ मार्च	"

॥ संकष्ट चतुर्थी व्रत ॥

वैशाख	कृष्ण	चतुर्थी	१० अप्रैल	२०२०ई.
ज्येष्ठ	"	"	१० मई	"
आषाढ़	"	"	०८ जून	"
श्रावण	"	"	०८ जुलाई	"
भाद्रपद	"	"	०७ अगस्त	"
प्र. आश्वि."		"	०५ सितम्बर	"
द्वि. आश्वि."		"	०५ अक्टूबर	"
कार्तिक	'	"	०४ नवम्बर	"
मार्गशीर्ष	"	"	०३ दिसम्बर	"
पौष	"	"	०२ जनवरी	२०२१ई.
माघ	"	"	३१ जनवरी	"
फाल्गुन	"	"	०२ मार्च	"
चैत्र	कृष्ण	चतुर्थी	३१ मार्च	२०२१ई.

॥ दुर्गाष्टमी व्रत ॥

चैत्र	शुक्ल	अष्टमी	१ अप्रैल	२०२० ई.
वैशाख	"	"	१ मई	"
ज्येष्ठ	"	"	३० मई	"
आषाढ़	"	"	२८ जून	"
श्रावण	"	"	२७ जुलाई	"
भाद्रपद	"	"	२६ अगस्त	"
प्र.आश्वि."		"	२४ सितम्बर	"
द्वि.आश्वि."		"	२४ अक्टूबर	"
कार्तिक	"	"	२२ नवम्बर	"
मार्गशीर्ष	"	"	२२ दिसम्बर	"
पौष	"	"	२१ जनवरी	२०२१ई.
माघ	"	"	२० फरवरी	"
फाल्गुन	"	"	२२ मार्च	"

॥ कालाष्टमी व्रत ॥

वैशाख	कृष्ण	अष्टमी	१५ अप्रैल	२०२०ई.
ज्येष्ठ	"	"	१४ मई	"
आषाढ़	"	"	१३ जून	"
श्रावण	"	"	१२ जुलाई	"
भाद्रपद	"	"	११ अगस्त	"
प्र.आश्वि."		"	१० सितम्बर	"
द्वि.आश्वि."		"	९ अक्टूबर	"
कार्तिक	"	"	८ नवम्बर	"
मार्गशीर्ष	"	"	७ दिसम्बर	"
पौष	"	"	६ जनवरी	२०२१ई.
माघ	कृष्ण	अष्टमी	४ फरवरी	२०२१ई.
फाल्गुन	"	"	५ मार्च	"
चैत्र	"	"	४ अप्रैल	"

॥ एकादशी व्रत ॥

चैत्र	शु.	कामदा	४ अप्रैल	२०२०ई.
वैशाख	कृ.	वरुथिनी	१८ अप्रैल	"
वैशाख	शु.	मोहिनी(स्मा)	३ मई	"
वैशाख	शु.	मोहिनी (वै.)	४ मई	"
ज्येष्ठ	कृ.	अपरा	१८ मई	"
ज्येष्ठ	शु.	निर्जला	२ जून	"
आषाढ़	कृ.	योगिनी	१७ जून	"
आषाढ़	शु.	देवशयनी	१ जुलाई	"
श्रावण	कृ.	कामिका	१६ जुलाई	"
श्रावण	शु.	पुत्रदा	३० जुलाई	"
भाद्रपद	कृ.	अजा	१५ अगस्त	"
भाद्रपद	शु.	पार्श्वपरिवर्तिनी	२९ अगस्त	"
प्र.आश्वि.	कृ.	इन्दिरा (स्मा)	१३ सितम्बर	"
प्र.आश्वि.	कृ.	इन्दिरा (वै.)	१४ सितम्बर	"
प्र.आश्वि.	शु.	कमला	२७ सितम्बर	"
द्वि.आश्वि.	कृ.	कमला	१३ अक्टूबर	"
द्वि.आश्वि.	शु.	पापाकुंशा	२७ अक्टूबर	"
कार्तिक	कृ.	रमा	११ नवम्बर	"
कार्तिक	शु.	देवोत्थान (स्मा.वै.)	२५ नवम्बर	"
कार्तिक	शु.	देवोत्थान (नि.)	२६ नवम्बर	"
मार्गशीर्ष	कृ.	उत्पन्ना(स्मा.वै)	११ दिसम्बर	"
मार्गशीर्ष	शु.	मोक्षदा	२५ दिसम्बर	"
पौष	कृ.	सफला	९ जनवरी	२०२१ई.
पौष	शु.	पुत्रदा	२४ जनवरी	२०२१ई.
माघ	कृ.	षट्तिला (स्मा.)	७ फरवरी	"
माघ	कृ.	षट्तिला(वै.+नि.)	८ फरवरी	"
माघ	शु.	जया	२३ फरवरी	"
फाल्गुन	कृ.	विजया	९ मार्च	"
फाल्गुन	शु.	आमलकी	२५ मार्च	"
चैत्र	कृ.	पापमोचिनी	७ अप्रैल	"

॥ प्रदोष व्रत ॥

चैत्र	शु.	५	अप्रैल	२०२०ई.
वैशाख	कृ	२०	अप्रैल	"
वैशाख	शु.	५	मई	"
ज्येष्ठ	कृ.	१९	मई	"
ज्येष्ठ	शु.	३	जून	"
आषाढ़	कृ.	१८	जून	"
आषाढ़	शु.	२	जुलाई	"
श्रावण	कृ.	१८	जुलाई	"
श्रावण	शु.	१	अगस्त	"
भाद्रपद	कृ.	१६	अगस्त	"
भाद्रपद	शु.	३०	अगस्त	"
प्र. आश्वि.	कृ.	१५	सितम्बर	"
प्र. आश्वि.	शु.	२९	सितम्बर	"
द्वि.आश्वि.	कृ.	१४	अक्टूबर	"
द्वि. आश्वि.	शु.	२८	अक्टूबर	"
कार्तिक	कृ.	१३	नवम्बर	"
कार्तिक	शु.	२७	नवम्बर	"
मार्गशीर्ष	कृ.	१२	दिसम्बर	"

विक्रम संवत् २०७७ के वर्गीकृत व्रत, पर्वो की सूची

॥ प्रदोष व्रत ॥

मार्गशीर्ष	शु.	२७	दिसम्बर २०२० ई.
पौष	कृ.	१०	जनवरी २०२१ ई.
पौष	शु.	२६	जनवरी "
माघ	कृ.	६	फरवरी "
माघ	शु.	२४	फरवरी "
फाल्गुन	कृ.	१०	मार्च "
फाल्गुन	शु.	२६	मार्च "
चैत्र	कृ.	६	अप्रैल "

॥ मास शिवरात्रि ॥

वैशाख	कृ.	२१	अपैल २०२०ई.
ज्येष्ठ	कृ.	२०	मई "
आषाढ़	कृ.	१६	जून "
श्रावण	कृ.	१६	जुलाई "
भाद्रपद	कृ.	१७	अगस्त "
प्र. आश्वि.	कृ.	१५	सितम्बर "
द्वि.आश्वि.	कृ.	१५	अक्टूबर "
कार्तिक	कृ.	१३	नवम्बर "
मार्गशीर्ष	कृ.	१३	दिसम्बर "
पौष	कृ.	११	जनवरी २०२१ ई.
माघ	कृ.	१०	फरवरी "
फाल्गुन	कृ.	११	मार्च "
चैत्र	कृ.	१०	अप्रैल "

॥ अमावस्या श्राद्धादि ॥

वैशाख	कृ.	२२	अप्रैल २०२०ई.
ज्येष्ठ	कृ.	२२	मई "
आषाढ़	कृ.	२०	जून "
श्रावण	कृ.	२०	जुलाई "
भाद्रपद	कृ.	१८	अगस्त "
प्र. आश्वि.	कृ.	१७	सितम्बर "
प्र. आश्वि.	कृ.	१६	अक्टूबर "
कार्तिक	कृ.	१४	नवम्बर "
मार्गशीर्ष	कृ.	१४	दिसम्बर "
पौष	कृ.	१२	जनवरी २०२१ ई.
माघ	कृ.	११	फरवरी "
फालगुन	कृ.	१३	मार्च "
चैत्र	कृ.	११	अप्रैल "

सत्यनारायण व्रत

चैत्र	शु.	८	अप्रैल २०२०ई.
वैशाख	शु.	७	मई "
ज्येष्ठ	शु.	५	जून "
आषाढ़	शु.	५	जुलाई "
श्रावण	शु.	३	अगस्त "
भाद्रपद	शु.	२	सितम्बर "
प्र. आश्वि.	शु.	१	अक्टूबर "
द्वि. आश्वि.	शु.	३१	अक्टूबर "
कार्तिक	शु.	३०	नवम्बर "
मार्गशीर्ष	शु.	३०	दिसम्बर "
पौष	शु.	२८	जनवरी २०२१ई.
माघ	शु.	२७	फरवरी २०२१ ई.
फाल्गुन	शु.	२८	मार्च "

॥ पूर्णिमा व्रत ॥

चैत्र	शु.	७	अप्रैल २०२० ई.
वैशाख	शु.	६	मई "
ज्येष्ठ	शु.	५	जून "
आषाढ़	शु.	४	जुलाई "
श्रावण	शु.	३	अगस्त "
भाद्रपद	शु.	१	सितम्बर "
प्र. आश्वि.	शु.	१	अक्टूबर "
द्वि. आश्वि.	शु.	३०	अक्टूबर "
कार्तिक	शु.	२६	नवम्बर "
मार्गशीर्ष	शु.	२६	दिसम्बर "
पौष	शु.	२८	जनवरी २०२१ई.
माघ	शु.	२६	फरवरी "
फाल्गुन	शु.	२८	मार्च "

॥ संक्रान्तियों का पुण्यकाल ॥

मेष	१३ अप्रैल २०२० ई.	मध्याह्नोत्तर
वृष	१४ मई "	प्रातः १०/५२ से सूर्यास्त तक
मिथुन	१४ जून "	मध्याह्नोत्तर
कर्क	१६ जुलाई "	सूर्योदय से
सिंह	१६ अगस्त "	मध्याह्नोत्तर
कन्या	१६ सितम्बर "	मध्याह्नोत्तर
तुला	१७ अक्टूबर "	सूर्योदय से ११:०५ तक
वृश्चिक	१६ नवम्बर "	सूर्योदय से
धनु	१५ दिसम्बर "	मध्याह्नोत्तर
मकर	१४ जनवरी २०२१ई.	सूर्योदय से समग्र दिन
कुम्भ	१२फरवरी "	मध्याह्नोत्तर
मीन	१४ मार्च "	मध्याह्नोत्तर

॥ दशावतार जयन्तियाँ ॥

श्री मत्स्य जय.	चै.शु. ३	२७ मार्च २०२०ई.
श्री राम जय.	चै.शु. ६	२ अप्रैल "
श्री परशुराम जय.	वै.शु. ३	२५ अप्रैल "
श्री नृसिंह जय.	वै.शु. १४	६ मई "
श्री बुद्ध जय.	वै.शु. १५	७ मई "
श्री कूर्म जय.	वै.शु. १५	७ मई "
श्री कल्कि जय.	श्रा.शु.६	२५ जुलाई "
श्री कृष्ण जय.	भा.शु. ८	११ अगस्त "
श्री वाराह जय.	भा.शु. ३	२१ अगस्त "
श्री वामन जय.	भा.शु. १२	२६ अगस्त "

॥ दशमहाविद्या जयन्तियाँ ॥

श्री तारा	चै. शु. ६	२ अप्रैल २०२०ई.
श्री मातंगी	वै.शु. ३	२६ अप्रैल "
श्री बगलामुखी	वै.शु. ८	१ मई "
श्री छिन्नमस्तका	वै.शु. १४	६ मई "
श्री घूमावती	ज्ये.शु. ८	३० मई "
श्री काली	भाद्र.कृ. ८	११ अगस्त "
श्री भुवनेश्वरी	भाद्र.शु. १२	३० अगसत "
श्री कमला	कार्ति.कृ. ३०	१४ नवम्बर "
श्री त्रिपुरभैरवी	मार्ग.शु. १५	३० दिसम्बर "
श्री ललिता	माघ.शु. १५	२७ फरवरी २०२१ ई.

विक्रम-सम्वत् २०७७, ईश्वीय सन् २०२०-२१ व्रत, पर्व एवं उत्सव

पौष शुक्ल पक्ष (दि. १४ जनवरी से १८ जनवरी २०२० ई.)

तिथि	दिनाङ्क	वार	व्रत, पर्व एवं उत्सव
सप्तमी	२० जनवरी	बुध	गुरु गोबिन्दसिंह जयन्ती, भानु सप्तमी।
अष्टमी	२१ जनवरी	गुरु	दुर्गाष्टमी।
दशमी	२३ जनवरी	शनि	सुभाष चन्द्र बोस जयन्ती।
एकादशी	२४ जनवरी	रवि	पुत्रदा एकादशीव्रत, रोहिणी व्रत।
द्वादशी	२५ जनवरी	सोम	हिमाचल प्रदेश पूर्ण राज्य दिवस।
त्रयोदशी	२६ जनवरी	मंगल	भौमप्रदोष व्रत, गणतन्त्र दिवस।
पूर्णिमा	२८ जनवरी	गुरु	पूर्णिमा व्रत, सत्यव्रत, माघस्नान प्रा., शाकम्भरी जयन्ती।

माघ कृष्ण पक्ष (दि.२९ जनवरी से ११ फरवरी २०२१ ई.)

तिथि	दिनाङ्क	वार	व्रत, पर्व एवं उत्सव
तृतीया/चतुर्थी	३१ जनवरी	रवि	संकष्टचतुर्थीव्रत, चन्द्रोदय २०/४२, संकट चौथ, गणेशोत्पत्ति, तिल चतुर्थी।
पंचमी	२ फरवरी	मंगल	स्वामी रामानन्दाचार्य जयन्ती।
सप्तमी/अष्टमी	४ फरवरी	गुरु	कालाष्टमी।
दशमी/एकादशी	७ फरवरी	शनि	षट्तिला एकादशी व्रत (स्मा.)।
एकादशी/द्वादशी	८ फरवरी	रवि	षट्तिला एकादशी व्रत (वै.+नि.)।
त्रयोदशी	९ फरवरी	मंगल	भौमप्रदोषव्रत, मेरूत्रयोदशी।
चतुर्दशी	१० फरवरी	बुध	मासशिवरात्रि।
अमावस्या	११ फरवरी	गुरु	मौनी अमावस्या, प्रयाग स्नान।

माघ शुक्ल पक्ष (दि.१२ फरवरी से २७ फरवरी २०२१ ई.)

तिथि	दिनाङ्क	वार	व्रत, पर्व एवं उत्सव
प्रतिपदा	१२ फरवरी	शुक्र	गुप्त नवरात्र प्रारम्भ (शिशिर), कुम्भ संक्रान्ति २१/१२, सं. पुण्यकाल मध्याह्नोत्तर।
द्वितीया	१३ फरवरी	शनि	चन्द्रदर्शन, गुरु उदय १२/३६
चतुर्थी	१५ फरवरी	सोम	विनायक चतुर्थी, तिल चतुर्थी।
पंचमी	१६ फरवरी	मंगल	वसन्त पञ्चमी, श्रीपञ्चमी, सरस्वतीपूजन।
षष्ठी	१७ फरवरी	बुध	स्कन्द षष्ठी।
सप्तमी	१९ फरवरी	शुक्र	रथसप्तमी, भानुसप्तमी, अचलासप्तमी।
अष्टमी	२० फरवरी	शनि	भीष्माष्टमी, दुर्गाष्टमी, मन्वादि, रोहिणी व्रत।
नवमी	२१ फरवरी	रवि	गुप्त नवरात्र (शिशिर) समा.।
एकादशी	२३ फरवरी	मंगल	जया एकादशी व्रत (स.)।
द्वादशी	२४ फरवरी	बुध	भीष्म द्वादशी, तिल द्वादशी, प्रदोष व्रत।
त्रयोदशी	२५ फरवरी	गुरु	मरु महोत्सव जैसलमेर (राज.) प्रारम्भ, हजरत अली जन्म दिवस।
चतुर्दशी/पूर्णिमा	२६ फरवरी	शुक्र	पूर्णिमा व्रत।
पूर्णिमा	२७ फरवरी	शनि	माघी पूर्णिमा, सत्यव्रत, गुरु रविदास जयन्ती,मरु महोत्सव समाप्त, माघ स्नान समाप्त, श्री ललिता जयन्ती।

फाल्गुन कृष्ण पक्ष (दि.२८ फरवरी से १३ मार्च २०२१ ई.)

तिथि	दिनाङ्क	वार	व्रत, पर्व एवं उत्सव
चतुर्थी	२ मार्च	मंगल	अङ्गारक चतुर्थी व्रत, चन्द्रोदय २१/४२।
सप्तमी/अष्टमी	५ मार्च	शुक्र	कालाष्टमी।
अष्टमी	६ मार्च	शनि	हलाष्टमी, जानकी अष्टमी।
दशमी	८ मार्च	सोम	महर्षि दयानन्द सरस्वती जयन्ती।
एकादशी	९ मार्च	मंगल	विजया एकादशी व्रत (स.)।

विक्रम-सम्वत् २०७७, ईश्वीय सन् २०२०-२१ व्रत, पर्व एवं उत्सव

तिथि	दिनाङ्क	वार	व्रत, पर्व एवं उत्सव
फाल्गुन कृष्ण पक्ष (दि.२८ फरवरी से १३ मार्च २०२१ ई.)			
द्वादशी/त्रयोदशी	**१० मार्च**	बुध	प्रदोष व्रत।
त्रयोदशी	**११ मार्च**	गुरु	**महाशिवरात्रि व्रत।**
चतुर्दशी	**१२ मार्च**	शुक्र	महाशिवरात्रि व्रत पारायण।
अमावस्या	**१३ मार्च**	शनि	युगादि अमावस्या, शनैश्चरी अमावस्या।
फाल्गुन शुक्ल पक्ष (दि.१४ मार्च से २८ मार्च २०२१ ई.)			
प्रतिपदा	**१४ मार्च**	रवि	मीन संक्रान्ति १८/०३, सं. पुण्यकाल मध्याह्नोत्तर।
द्वितीया	**१५ मार्च**	सोम	फुलैरादोज, रामकृष्णपरमहंस जयन्ती, चन्द्र-दर्शन।
चतुर्थी	**१७ मार्च**	बुध	विनायक चतुर्थी
सप्तमी	**२० मार्च**	शनि	पारसी नव वर्ष, रोहिणी व्रत।
सप्तमी/अष्टमी	**२१ मार्च**	रवि	अष्टाह्निकपर्व आरम्भ, होलाष्टक प्रा., औली जैन प्रा.।
अष्टमी	**२२ मार्च**	सोम	दुर्गाष्टमी।
एकादशी	**२५ मार्च**	गुरु	आमलकी एकादशी व्रत, रङ्गभरी एकादशी।
द्वादशी/त्रयोदशी	**२६ मार्च**	शुक्र	प्रदोष व्रत, गोविन्द द्वादशी।
पूर्णिमा	**२८ मार्च**	रवि	अष्टाह्निक पर्व समा., होलाष्टक समा., औली जैन समा., फाल्गुनी पूर्णिमा, सत्यव्रत, मन्वादि, होलिका दहन।
चैत्र कृष्ण पक्ष (दि.२९ मार्च से १२ अप्रैल २०२१ ई.)			
प्रतिपदा	**२९ मार्च**	सोम	**होली,** धुलैण्डी, धूलिवन्दन, आम्रकलिका

तिथि	दिनाङ्क	वार	व्रत, पर्व एवं उत्सव
चैत्र शुक्ल पक्ष (दि.२९ मार्च से १२ अप्रैल २०२१ ई.)			
			प्राशन, वसन्तोत्सव, चैतन्य महाप्रभु जय.।
तृतीया/चतुथी	**३१ मार्च**	बुध	शिवाजी जयन्ती, चतुर्थी व्रत, चन्द्रोदय २१/४३
चतुर्थी	**१ अप्रैल**	गुरु	बैंक अवकाश।
पंचमी/षष्ठी	**२ अप्रैल**	शुक्र	रंग पंचमी, मेला नवचण्डी (मेरठ) प्रा. गुड फ्राइडे, एकनाथ षष्ठी।
अष्टमी	**४ अप्रैल**	रवि	मेला नवचण्डी (मेरठ) समाप्त, कालाष्टमी, शीतलाष्टमी, बासोड़ा, ईस्टर सण्डे।
एकादशी	**७ अपैल**	बुध	पापमोचिनी एकादशी व्रत (स्मा.+वै.)।
द्वादशी	**८ अप्रैल**	गुरु	पापमोचिनी एकादशी व्रत (निम्बार्क)।
त्रयोदशी	**९ अप्रैल**	शुक्र	प्रदोष व्रत।
चतुर्दशी	**१० अप्रैल**	शनि	मासशिवरात्रि।
चतुर्दशी/ अमावस्या	**११ अप्रैल**	रवि	अमावस्या श्राद्धादि।
अमावस्या	**१२ अप्रैल**	रवि	अमावस्या स्नानादि, मेला पेह्वा (पृथूदक्) हरियाणा, विक्रम संवत् २०७७ समाप्त।

विक्रम संवत् २०७७ के वर्गीकृत व्रत, पर्वों की सूची

॥ विनायक चतुर्थी व्रत ॥

चैत्र शुक्ल चतुर्थी २८ मार्च २०२० ई.
वैशाख " " २७ अप्रैल "
ज्येष्ठ " " २६ मई "
आषाढ़ " " २४ जून "
श्रावण " " २४ जुलाई "
भाद्रपद " " २२ अगस्त "
प्र.आश्वि." " २० सितम्बर "
द्वि.आश्वि." " २० अक्टूबर "
कार्तिक " " १८ नवम्बर "
मार्गशीर्ष " " १८ दिसम्बर "
पौष " " १६ जनवरी २०२१ई.
माघ " " १५ फरवरी "
फाल्गुन " " १७ मार्च "

॥ संकष्ट चतुर्थी व्रत ॥

वैशाख कृष्ण चतुर्थी १० अप्रैल २०२०ई.
ज्येष्ठ " " १० मई "
आषाढ़ " " ०८ जून "
श्रावण " " ०८ जुलाई "
भाद्रपद " " ०७ अगस्त "
प्र. आश्वि." " ०५ सितम्बर "
द्वि. आश्वि." " ०५ अक्टूबर "
कार्तिक ' " ०४ नवम्बर "
मार्गशीर्ष " " ०३ दिसम्बर "
पौष " " ०२ जनवरी २०२१ई.
माघ " " ३१ जनवरी "
फाल्गुन " " ०२ मार्च "
चैत्र कृष्ण चतुर्थी ३१ मार्च २०२१ई.

॥ दुर्गाष्टमी व्रत ॥

चैत्र शुक्ल अष्टमी १ अप्रैल २०२० ई.
वैशाख " " १ मई "
ज्येष्ठ " " ३० मई "
आषाढ़ " " २८ जून "
श्रावण " " २७ जुलाई "
भाद्रपद " " २६ अगस्त "
प्र.आश्वि." " २४ सितम्बर "
द्वि.आश्वि." " २४ अक्टूबर "
कार्तिक " " २२ नवम्बर "
मार्गशीर्ष " " २२ दिसम्बर "
पौष " " २१ जनवरी २०२१ई.
माघ " " २० फरवरी "
फाल्गुन " " २२ मार्च "

॥ कालाष्टमी व्रत ॥

वैशाख कृष्ण अष्टमी १५ अप्रैल २०२०ई.
ज्येष्ठ " " १४ मई "
आषाढ़ " " १३ जून "
श्रावण " " १२ जुलाई "
भाद्रपद " " ११ अगस्त "
प्र.आश्वि." " १० सितम्बर "
द्वि.आश्वि." " ६ अक्टूबर "
कार्तिक " " ८ नवम्बर "
मार्गशीर्ष " " ७ दिसम्बर "
पौष " " ६ जनवरी २०२१ई.
माघ कृष्ण अष्टमी ४ फरवरी २०२१ई.
फाल्गुन " " ५ मार्च "
चैत्र " " ४ अप्रैल "

॥ एकादशी व्रत ॥

चैत्र शु. कामदा ४ अप्रैल २०२०ई.
वैशाख कृ. वरुथिनी १८ अप्रैल "
वैशाख शु. मोहिनी(स्मा) ३ मई "
वैशाख शु. मोहिनी (वै.) ४ मई "
ज्येष्ठ कृ. अपरा १८ मई "
ज्येष्ठ शु. निर्जला २ जून "
आषाढ़ कृ. योगिनी १७ जून "
आषाढ़ शु. देवशयनी १ जुलाई "
श्रावण कृ. कामिका १६ जुलाई "
श्रावण शु. पुत्रदा ३० जुलाई "
भाद्रपद कृ. अजा १५ अगस्त "
भाद्रपद शु. पार्श्वपरिवर्तिनी २६ अगस्त "
प्र.आश्वि.कृ. इन्दिरा (स्मा) १३ सितम्बर "
प्र.आश्वि.कृ. इन्दिरा (वै.) १४ सितम्बर "
प्र.आश्वि.शु. कमला २७ सितम्बर "
द्वि.आश्वि.कृ. कमला १३ अक्टूबर "
द्वि.आश्वि.शु. पापाकुंशा २७ अक्टूबर "
कार्तिक कृ. रमा ११ नवम्बर "
कार्तिक शु. देवोत्थान (स्मा.वै.) २५ नवम्बर "
कार्तिक शु. देवोत्थान (नि.) २६ नवम्बर "
मार्गशीर्ष कृ. उत्पन्ना(स्मा.वै) ११ दिसम्बर "
मार्गशीर्ष शु. मोक्षदा २५ दिसम्बर "
पौष कृ. सफला ६ जनवरी २०२१ई.
पौष शु. पुत्रदा २४ जनवरी २०२१ई.
माघ कृ. षट्तिला (स्मा.) ७ फरवरी "
माघ कृ षट्तिला(वै.+नि.) ८ फरवरी "
माघ शु. जया २३ फरवरी "
फाल्गुन कृ. विजया ६ मार्च "
फाल्गुन शु. आमलकी २५ मार्च "
चैत्र कृ. पापमोचिनी ७ अप्रैल "

॥ प्रदोष व्रत ॥

चैत्र शु. ५ अप्रैल २०२०ई.
वैशाख कृ २० अप्रैल "
वैशाख शु. ५ मई "
ज्येष्ठ कृ. १९ मई "
ज्येष्ठ शु. ३ जून "
आषाढ़ कृ. १८ जून "
आषाढ़ शु. २ जुलाई "
श्रावण कृ. १८ जुलाई "
श्रावण शु. १ अगस्त "
भाद्रपद कृ. १६ अगस्त "
भाद्रपद शु. ३० अगस्त "
प्र. आश्वि.कृ. १५ सितम्बर "
प्र. आश्वि.शु. २६ सितम्बर "
द्वि.आश्वि. कृ. १४ अक्टूबर "
द्वि. आश्वि.शु. २८ अक्टूबर "
कार्तिक कृ. १३ नवम्बर "
कार्तिक शु. २७ नवम्बर "
मार्गशीर्ष कृ. १२ दिसम्बर "

विक्रम संवत् २०७७ के वर्गीकृत व्रत, पर्वों की सूची

॥ प्रदोष व्रत ॥

मार्गशीर्ष	शु.	२७	दिसम्बर २०२० ई.
पौष	कृ.	१०	जनवरी २०२१ ई.
पौष	शु.	२६	जनवरी ”
माघ	कृ.	६	फरवरी ”
माघ	शु.	२४	फरवरी ”
फाल्गुन	कृ.	१०	मार्च ”
फाल्गुन	शु.	२६	मार्च ”
चैत्र	कृ.	६	अप्रैल ”

॥ मास शिवरात्रि ॥

वैशाख	कृ.	२१	अपैल २०२०ई.
ज्येष्ठ	कृ.	२०	मई ”
आषाढ़	कृ.	१६	जून ”
श्रावण	कृ.	१६	जुलाई ”
भाद्रपद	कृ.	१७	अगस्त ”
प्र. आश्वि. कृ.		१५	सितम्बर ”
द्वि.आश्वि. कृ.		१५	अक्टूबर ”
कार्तिक	कृ.	१३	नवम्बर ”
मार्गशीर्ष	कृ.	१३	दिसम्बर ”
पौष	कृ.	११	जनवरी २०२१ई.
माघ	कृ.	१०	फरवरी ”
फाल्गुन	कृ.	११	मार्च ”
चैत्र	कृ.	१०	अप्रैल ”

॥ अमावस्या श्राद्धादि ॥

वैशाख	कृ.	२२	अप्रैल २०२०ई.
ज्येष्ठ	कृ.	२२	मई ”
आषाढ़	कृ.	२०	जून ”
श्रावण	कृ.	२०	जुलाई ”
भाद्रपद	कृ.	१८	अगस्त ”
प्र. आश्वि.कृ.		१७	सितम्बर ”
प्र. आश्वि.कृ.		१६	अक्टूबर ”
कार्तिक	कृ.	१४	नवम्बर ”
मार्गशीर्ष	कृ.	१४	दिसम्बर ”
पौष	कृ.	१२	जनवरी २०२१ई.
माघ	कृ.	११	फरवरी ”
फालगुन	कृ.	१३	मार्च ”
चैत्र	कृ.	११	अप्रैल ”

सत्यनारायण व्रत

चैत्र	शु.	८	अप्रैल २०२०ई.
वैशाख	शु.	७	मई ”
ज्येष्ठ	शु.	५	जून ”
आषाढ़	शु.	५	जुलाई ”
श्रावण	शु.	३	अगस्त ”
भाद्रपद	शु.	२	सितम्बर ”
प्र. आश्वि. शु.		१	अक्टूबर ”
द्वि. आश्वि.शु.		३१	अक्टूबर ”
कार्तिक	शु.	३०	नवम्बर ”
मार्गशीर्ष	शु.	३०	दिसम्बर ”
पौष	शु.	२८	जनवरी २०२१ई.

माघ	शु.	२७	फरवरी २०२१ ई.
फाल्गुन	शु.	२८	मार्च ”

॥ पूर्णिमा व्रत ॥

चैत्र	शु.	७	अप्रैल २०२० ई.
वैशाख	शु.	६	मई ”
ज्येष्ठ	शु.	५	जून ”
आषाढ़	शु.	४	जुलाई ”
श्रावण	शु.	३	अगस्त ”
भाद्रपद	शु.	१	सितम्बर ”
प्र. आश्वि. शु.		१	अक्टूबर ”
द्वि. आश्वि.शु.		३०	अक्टूबर ”
कार्तिक	शु.	२६	नवम्बर ”
मार्गशीर्ष	शु.	२६	दिसम्बर ”
पौष	शु.	२८	जनवरी २०२१ई.
माघ	शु.	२६	फरवरी ”
फाल्गुन	शु.	२८	मार्च ”

॥ संक्रान्तियों का पुण्यकाल ॥

मेष	१३ अप्रैल	२०२० ई.	मध्याह्नोत्तर
वृष	१४ मई	”	प्रातः १०/५२ से सूर्यास्त तक
मिथुन	१४ जून	”	मध्याह्नोत्तर
कर्क	१६ जुलाई	”	सूर्योदय से
सिंह	१६ अगस्त	”	मध्याह्नोत्तर
कन्या	१६ सितम्बर	”	मध्याह्नोत्तर
तुला	१७ अक्टूबर	”	सूर्योदय से ११:०५ तक
वृश्चिक	१६ नवम्बर	”	सूर्योदय से
धनु	१५ दिसम्बर	”	मध्याह्नोत्तर
मकर	१४ जनवरी	२०२१ई.	सूर्योदय से समग्र दिन
कुम्भ	१२फरवरी	”	मध्याह्नोत्तर
मीन	१४ मार्च	”	मध्याह्नोत्तर

॥ दशावतार जयन्तियाँ ॥

श्री मत्स्य जय.	चै.शु. ३	२७ मार्च २०२०ई.
श्री राम जय.	चै.शु. ६	२ अप्रैल ”
श्री परशुराम जय.	वै.शु. ३	२५ अप्रैल ”
श्री नृसिंह जय.	वै.शु. १४	६ मई ”
श्री बुद्ध जय.	वै.शु. १५	७ मई ”
श्री कूर्म जय.	वै.शु. १५	७ मई ”
श्री कल्कि जय.	श्रा.शु.६	२५ जुलाई ”
श्री कृष्ण जय.	भा.शु. ८	११ अगस्त ”
श्री वाराह जय.	भा.शु. ३	२१ अगस्त ”
श्री वामन जय.	भा.शु. १२	२६ अगस्त ”

॥ दशमहाविद्या जयन्तियाँ ॥

श्री तारा	चै. शु. ६	२ अप्रैल २०२०ई.
श्री मातंगी	वै.शु. ३	२६ अप्रैल ”
श्री बगलामुखी	वै.शु. ८	१ मई ”
श्री छिन्नमस्तका	वै.शु. १४	६ मई ”
श्री धूमावती	ज्ये.शु. ८	३० मई ”
श्री काली	भाद्र.कृ. ८	११ अगस्त ”
श्री भुवनेश्वरी	भाद्र.शु. १२	३० अगसत ”
श्री कमला	कार्ति.कृ. ३०	१४ नवम्बर ”
श्री त्रिपुरभैरवी	मार्ग.शु. १५	३० दिसम्बर ”
श्री ललिता	माघ.शु. १५	२७ फरवरी २०२१ ई.

ग्रहों के राशि एवं नक्षत्रचार (भा.स्टैं.टा.) विक्रम संवत् २०७७

॥ निरयण सूर्य संक्रमण (राशिचार) ॥

दिनाङ्क	वार	राशि	प्रा. समय
१३.०४.२०२०	सोम	मेष	२०:२३
१४.०५.२०२०	गुरु	वृष	१७:१४
१४.०६.२०२०	शनि	मिथुन	२३:५४
१६.०७.२०२०	गुरु	कर्क	१०:४७
१६.०८.२०२०	रवि	सिंह	१९:११
१६:०९.२०२०	बुध	कन्या	१९:०७
१७.१०.२०२०	शनि	तुला	०७:०५
१६.११.२०२०	सोम	वृश्चिक	०६:५४
१५.१२.२०२०	मंगल	धनु	२१:३२
१४.०१.२०२१	गुरु	मकर	०८:१५
१२.०२.२०२१	शुक्र	कुम्भ	२१:१२
१४.०३.२०२१	रवि	मीन	१८:०३

॥ मंगल राशिचार ॥

दिनाङ्क	वार	राशि	प्रा. समय
४.०५.२०२०	सोम	कुम्भ	२०:४०
१८.०५.२०२०	गुरु	मीन	२०:१४
१६:०८.२०२०	रवि	मेष	१८:२८
१६.०८.२०२०	रवि	मीन	१८:२६
२४.१२.२०२०	गुरु	मेष	१०:१६
२१.०२.२०२१	रवि	वृष	२४:३६

॥ बुध राशिचार ॥

दिनाङ्क	वार	राशि	प्रा. समय
७.०४.२०२०	मंगल	मीन	१४:२३
२४.०४.२०२०	शुक्र	मेष	२६:३५
६.०५.२०२०	शनि	वृष	६:४७
२४.०५.२०२०	रवि	मिथुन	२३:५४
१.०८.२०२०	शनि	कर्क	२७:३३
१७.०८.२०२०	सोम	सिंह	८:२८
२.०९.२०२०	बुध	कन्या	१२:०२
२२.०९.२०२०	मंगल	तुला	१६:५२
२८.११.२०२०	शनि	वृश्चिक	७:०४
१७.१२.२०२०	गुरु	धनु	११:३८
४.०१.२०२१	सोम	मकर	२७:५५
२५.०१.२०२१	सोम	कुम्भ	१६:२८
४.०२.२०२१	गुरु	मकर	२३:०५
११.०३.२०२१	गुरु	कुम्भ	१२:३४
३१.०३.२०२१	बुध	मीन	२४:४४

॥ गुरु राशिचार ॥

दिनाङ्क	वार	राशि	प्रा. समय
२६.३.२०२०	रवि	मकर	२७:५४
२६.६.२०२०	सोम	धनु	२६:२२
२०.११.२०२०	शुक्र	मकर	१३:२३
५.०४.२०२१	सोम	कुम्भ	२४:२४

॥ शुक्र राशिचार ॥

दिनाङ्क	वार	राशि	प्रा. समय
२८.०३.२०२०	शनि	वृष	१५:३८
३१.०७.२०२०	शुक्र	मिथुन	२६:१०
३१.०८.२०२०	सोम	कर्क	२६:०४
२७.०९.२०२०	रवि	सिंह	२५:०२
२३.१०.२०२०	शुक्र	कन्या	१०:४५
१६.११.२०२०	सोम	तुला	२५:०२
१०.१२.२०२०	गुरु	वृश्चिक	२६:१७
३.०१.२०२१	रवि	धनु	२६:०४
२७.०१.२०२१	बुध	मकर	२७:३०
२०.०२.२०२१	शनि	कुम्भ	२६:२२
१६.०३.२०२१	मंगल	मीन	२७:०१
१०.०४.२०२१	शनि	मेष	६:२६

॥ राहु राशिचार ॥

दिनाङ्क	वार	राशि	प्रा. समय
२३.०९.२०२०	मंगल	वृष	१०:४३

नोट : शनि वर्षभर धनु राशि में संचार करेगा।

॥ सायन सूर्य संक्रमण (राशिचार) ॥

दिनाङ्क	वार	राशि	प्रा. समय
१९.०४.२०२०	रवि	वृष	२०:१५
२०.०५.२०२०	बुध	मिथुन	१९:१९
२०.०६.२०२०	शनि	कर्क	२७:१४
२२.०७.२०२०	बुध	सिंह	१४:०७
२२.०८.२०२०	शनि	कन्या	२१:१५
२२.०९.२०२०	मंगल	तुला	१९:००
२२.१०.२०२०	गुरु	वृश्चिक	२८:२६
२१.११.२०२०	शनि	धनु	२६:१०
२१.१२.२०२०	सोम	मकर	१५:३२
१९.०१.२०२१	मंगल	कुम्भ	२६:१०
१८.०२.२०२१	गुरु	मीन	१६:१४
२०.०३.२०२१	शनि	मेष	१५:०७

॥ सूर्य नक्षत्रचार ॥

दिनाङ्क	वार	नक्षत्र	प्रा. समय
३१.०३.२०२०	मंगल	रेवती	६:५८
१३.०४.२०२०	सोम	अश्विनी	२०:२३
२७.०४.२०२०	सोम	भरणी	१२:०८
११.०५.२०२०	सोम	कृत्तिका	६:२२
२४.०५.२०२०	रवि	रोहिणी	२६.३३
७.०६.२०२०	रवि	मृग.	२४:२८
२१.०६.२०२०	रवि	आर्द्रा	२३:२८
५.०७.२०२०	रवि	पुनः	२३:०३
१९.०७.२०२०	रवि	पुष्य	२२:३६
२.०८.२०२०	रवि	आश्ले.	२१:२८
१६.०८.२०२०	रवि	मघा	१९:११
३०.०८.२०२०	रवि	पू.फा.	१५:०७
१३.०९.२०२०	रवि	उ.फा.	९:०३
२६.०९.२०२०	शनि	हस्त	२४:२६
१०.१०.२०२०	शनि	चित्रा	१३:३४
२३.१०.२०२०	शुक्र	स्वा.	२४:००
६.११.२०२०	शुक्र	विशा.	८:१४
१९.११.२०२०	गुरु	अनु.	१४:१२
२.१२.२०२०	बुध	ज्ये.	१८:३३
१५.१२.२०२०	मंगल	मूल	२१:३२
२८.१२.२०२०	सोम	पू.षा.	२३:४५
१०.०१.२०२१	रवि	उ.षा.	२५:४५

ग्रहों के राशि एवं नक्षत्रचार (भा.स्टैं.टा.) विक्रम संवत् २०७७

दिनाङ्क	वार	नक्षत्र	प्रा. समय
२३.०१.२०२१	शनि	श्रव.	२७:५६
६.०२.२०२१	शनि	धनि.	७:१२
१६.०२.२०२१	शुक्र	शत.	११:३७
०४.०३.२०२१	गुरु	पू.भा.	१७:५६
१७.०३.२०२१	बुध	उ.भा.	२६:२१
३१.०३.२०२१	बुध	रेवती	१३:१५

॥ मंगल नक्षत्रचार ॥

दिनाङ्क	वार	नक्षत्र	प्रा. समय
०५.०४.२०२०	रवि	श्रवण	२४:००
२४.०४.२०२०	शुक्र	धनि.	२८:५३
१४.०५.२०२०	गुरु	शत.	१४:००
३.०६.२०२०	बुध	पू.भा.	६:४०
२३.०६.२०२०	मंगल	उ.भा.	२८:१०
१६.०७.२०२०	गुरु	रेवती	२७:३३
१६.०८.२०२०	रवि	अश्वि.	१८:२८
१६.०८.२०२०	रवि	रेवती	१८:२६
२३.१२.२०२०	गुरु	अश्वि.	१०:१६
२२.०१.२०२१	शुक्र	भर.	१३:०१
१६.०२.२०२१	मंगल	कृत्ति.	७:०६
११.०३.२०२१	गुरु	रोहि.	११:४७
२.०४.२०२१	शुक्र	मृग.	२३:०८

॥ बुध नक्षत्रचार ॥

दिनाङ्क	वार	नक्षत्र	प्रा. समय
३१.०३.२०२०	मंगल	पू.भा.	७:५८
६.०४.२०२०	गुरु	उ.भा.	१६:२३

दिनाङ्क	वार	नक्षत्र	प्रा. समय
१७.०४.२०२०	शुक्र	रेवती	२१:४३
२४.०४.२०२०	शुक्र	अश्वि.	२६:३५
१.०५.२०२०	शुक्र	भर.	१६:०२
७.०५.२०२०	गुरु	कृत्ति.	२०:५१
१३.०५.२०२०	बुध	रोहि.	२६:५४
२०.०५.२०२०	रवि	मृग.	२४:३४
२६.०५.२०२०	शुक्र	आर्द्रा	१४:००
१४..०६.२०२०	रवि	पुन.	८:५६
२२.०६.२०२०	सोम	आर्द्रा	१३:४८
२६.०७.२०२०	रवि	पुन.	१०:४३
३.०८.२०२०	सोम	पुष्य	२४:३०
१०.०८.२०२०	सोम	आश्ले.	१६:५०
१७.०८.२०२०	सोम	मघा	८:२८
२३.०८.२०२०	रवि	पू.फा.	२८:०१
३१.०८.२०२०	सोम	उ.फा.	१३:०६
८.०६.२०२०	मंगल	हस्त	१५:५०
१७.०६.२०२०	गुरु	चित्रा	१६:४३
२८.०६.२०२०	सोम	स्वा.	६:२५
२७.१०.२०२०	मंगल	चित्रा	१४:२३
११.११.२०२०	बुध	स्वा.	२१:४६
२१.११.२०२०	शनि	विशा.	१८:३०
३०.११.२०२०	सोम	अनु.	१०:३१
८.१२.२०२०	मंगल	ज्ये.	२३:२६
१७.१२.२०२०	गुरु	मूल	११:३८
२५.१२.२०२०	शुक्र	पू.षा.	२१:२१
२.०१.२०२१	शनि	उ.षा.	२७:०४
१०.०१.२०२१	रवि	श्रव.	३०:२०

दिनाङ्क	वार	नक्षत्र	प्रा. समय
१६.०१.२०२१	मंगल	धनि.	२१:४७
१०.०२.२०२१	बुध	श्रवण	२२:४२
५.०३.२०२१	शुक्र	धनि.	७:१७
१६.०३.२०२१	मंगल	शत.	१८:३५
२५.०३.२०२१	गुरु	पू.भा.	२२:००
०२.०४.२०२१	शुक्र	उ.भा.	२३:०१
०६.०४.२०२१	शुक्र	रेवती	२६:०८

॥ गुरु नक्षत्रचार ॥

दिनाङ्क	वार	नक्षत्र	प्रा. समय
२६.०७.२०२	रवि	पू.षा.	१५:१४
३०.१०.२०२०	शनि	उ.षा.	१३:०६
६.०१.२०२१	बुध	श्रवण	२७:४६
४.०३.२०२१	गुरु	धनि.	२५:५७

॥ शुक्र नक्षत्रचार ॥

दिनाङ्क	वार	नक्षत्र	प्रा. समय
०८.०४.२०२०	बुध	रोहिणी	१६:०१
२७.०४.२०२०	सोम	मृग.	१६:५३
२८.०५.२०२०	गुरु	रोहि.	१२:३४
२३.०७.२०२०	गुरु	मृग.	२०:०२
०८.०८.२०२०	शनि	आर्द्रा	१७:५६
२२.०८.२०२०	शनि	पुन.	११:२२
३.०६.२०२०	गुरु	पुष्य	२८:४६
१६.०६.२०२०	बुध	आश्ले.	७:४५
२७:०६.२०२०	रवि	मघा	२५:०२
६.१०.२०२०	शुक्र	पू.फा.	११:१८

दिनाङ्क	वार	नक्षत्र	प्रा. समय
२०.१०.२०२०	मंगल	उ.फा.	१६:११
३१.१०.२०२०	शनि	हस्त	१७:०६
११.११.२०२०	बुध	चित्रा	१५:०१
२२.११.२०२०	रवि	स्वाति	१०:३५
२.१२.२०२०	बुध	विशाखा	२८:३६
१३.१२.२०२०	रवि	अनु.	२१:२३
२४.१२.२०२०	गुरु	ज्ये.	१३:२६
३.०१.२०२१	रवि	मूल	२६:०४
१४.१.२०२१	गुरु	पू.षा.	२०:२३
२५.१.२०२१	सोम	उ.षा.	११:३६
४.२.२०२१	गुरु	श्रवण	२७:०२
१५.२.२०२१	सोम	धनि.	१८:३१
२६.०२.२०२१	शुक्र	शत.	१०:२०
८.३.२०२१	सोम	पू.भा.	२६:३४
१६.३.२०२१	शुक्र	उ.भा.	१६:१४
३०.०३.२०२१	मंगल	रेव.	१२:३३
१०.०४.२०२१	शनि	अश्वि.	६:२६

॥ राहु नक्षत्रचार ॥

दिनाङ्क	वार	नक्षत्र	प्रा. समय
२२.४.२०२०	बुध	मृग.	७:५६

डॉ. सुशील कुमार
सह. आचार्य (ज्योतिष विभाग)

ग्रहों के वक्रत्व-मार्गत्व एवं उदयास्त (भा.स्टैं.टा.) विक्रम संवत् २०७७

॥ ग्रहों का वक्रत्व-मार्गत्व ॥

दिनाङ्क	ग्रह	प्रा. समय	गति
०६.०६.२०२०	मंगल	२७:५२	वक्री
१३.११.२०२०	मंगल	३०:०६	मार्गी
१८.०६.२०२०	बुध	१०:३५	वक्री
१२.०७.२०२०	बुध	१४:१४	मार्गी
१४.१०.२०२०	बुध	०६:४०	वक्री
०३.११.२०२०	बुध	२३:४०	मार्गी
३०.०१.२०२१	बुध	२१:२१	वक्री
२०.०२.२०२१	बुध	३०:३०	मार्गी
१४.०५.२०२०	गुरु	२०:२०	वक्री
१३.०६.२०२०	गुरु	०६:२५	मार्गी
१३.०५.२०२०	शुक्र	१२:२५	वक्री
२५.०६.२०२०	शुक्र	१२:२२	मार्गी
११.०५.२०२०	शनि	०६:४५	वक्री
२६.०६.२०२०	शनि	१०:४५	मार्गी

॥ ग्रहों का उदयास्त ॥

दिनाङ्क	ग्रह	प्रा. समय	गति
१८.०४.२०२०	बुध	अस्त	११:२१
१३.०५.२०२०	बुध	उदय	१३:५८
२१.०६.२०२०	बुध	अस्त	६:५२

॥ ग्रहों का उदयास्त ॥

दिनाङ्क	ग्रह	स्थिति	समय
११.०७.२०२०	बुध	उदय	८:५६
८.०८.२०२०	बुध	अस्त	१४:५२
२.०६.२०२०	बुध	उदय	०८:५६
१६.१०.२०२०	बुध	अस्त	१२:२५
३१.१०.२०२०	बुध	उदय	८:११
०१.१२.२०२०	बुध	अस्त	२२:५४
०७.०१..२०२१	बुध	उदय	११:३६
०३.०२.२०२१	बुध	अस्त	६:१०
१४.०२.२०२१	बुध	उदय	७:१०
०१.०४.२०२१	बुध	अस्त	१:५२
१७.०१.२०२१	गुरु	अस्त	२७:३०
१३:०२.२०२१	गुरु	उदय	१२:३६
३१.०५.२०२०	शुक्र	अस्त	०८:३०
०८.०६.२०२०	शुक्र	उदय	२०:४५
१७:०२.२०२१	शुक्र	अस्त	१२:१५
१०.०१.२०२१	शनि	अस्त	१५:३७
१०.०२.२०२१	शनि	उदय	२६:००

डॉ. सुशील कुमार
सह. आचार्य (ज्योतिष विभाग)

सर्वार्थसिद्धियोग विक्रम सम्वत् २०७७, ईश्वीय सन् २०२०-२१

दिनाङ्क २०२० ई.		वार	प्रारम्भ घ. मि	समाप्त घ. मि
मार्च	२६	गुरु	०६:१८	३०:१७
	२७	शुक्र	०६:१७	१०:०६
	३०	सोम	०६:१३	३०:१२
अप्रैल	०२	गुरु	०६:१०	३०:१२
	०८	बुध	०६:०३	०६:०७
	१०	शुक्र	२१:५४	३०:००
	१२	रवि	१६:१२	२६:५८
	२१	मंगल	०५:५०	१०:२२
	२३	गुरु	०५:४८	१६:०५
	२५	शनि	२०:५७	२६:५४
	२७	सोम	०५:४४	२४:२६
	३०	गुरु	०५:४१	२५:५२
मई	०३	रवि	२१:४२	२६:३८
	०८	शुक्र	०८: ३८	२६:२४
	१०	रवि	०५:३४	२८:१३
	१७	रवि	१३:५८	२६:२६
	१६	मंगल	१६:५३	२६:२८
	२३	शनि	०५:२६	२८:५१
	२५	सोम	०५:२६	०६:०६
	२८	गुरु	०५:२५	०७:२७
	३१	रवि	०५:२४	२६:२४
जून	०४	गुरु	१८:३६	२६:२३
	०५	शुक्र	०५:२३	१६:४३
	०७	रवि	०५:२३	१४:१०
	१४	रवि	०५:२३	२४:२१

दिनाङ्क २०२० ई.		वार	प्रारम्भ	समाप्त घ. मि
जून	१६	मंगल	०५:२३	२६:२३
	२०	शनि	०५:२४	१२:०२
	२८	रवि	०५:२६	२६:२६
जुलाई	०१	बुध	२६:३४	२६:२७
	०२	गुरु	०५:२७	२५:१३
	०५	रवि	२३:०२	२६:२६
	०६	सोम	२३:१२	२६:२६
	१२	रवि	०५:३२	०८:१८
	१४	मंगल	०५:३३	१४:०६
	१५	बुध	१६:४३	२६:३४
	२०	सोम	२१:२०	२६:३७
	२१	मंगल	२०:३०	२६:३७
	२६	रवि	०५:३६	१२:३७
	२६	बुध	०८:३३	२६:४२
	३०	गुरु	०५:४२	०७:४०
अगस्त	०२	रवि	०६:५२	२६:४४
	०३	सोम	०७:१६	२६:४४
	०६	रवि	१६:०६	२६:४८
	११	मंगल	२४:५७	२६:४६
	१२	बुध	०५:४६	२६:४६
	१७	सोम	०६:४४	२६:४३
	१८	मंगल	०५:२२	२८:०८
	२६	बुध	०५:५६	१३:०४
	३०	रवि	०५:५८	१३:५२
	३१	सोम	०५:५६	१५:०४

दिनाङ्क २०२० ई.		वार	प्रारम्भ घ. मि	समाप्त घ. मि
सितम्बर	०४	शुक्र	२३:२८	३०:०१
	०६	रवि	०६:०२	२६:२३
	०८	मंगल	०८:२६	३०:०३
	०६	बुध	०६:०३	३०:०४
	१३	रवि	१६:३४	३०:०६
	१४	सोम	०६:०६	१५:५२
	१५	मंगल	०६:०६	१४:२५
	१६	शनि	२५:२०	३०:०६
	२१	सोम	२०:४८	३०:१०
	२६	शनि	१६:२५	३०:१२
अक्टूबर	०२	गुरु	०६:१५	३०:१५
	०४	रवि	०६:१६	११:५२
	०६	मंगल	०६:१७	१७:५४
	०७	बुध	६:१८	३०:१८
	०६	शुक्र	२४:२६	३०:१६
	११	रवि	०६:२०	२५:१८
	१७	शनि	११:५१	३०:२४
	१६	सोम	०६:२५	२७:५२
	२३	शुक्र	२५:२८	३०:२८
	२४	शनि	०६:२८	२६:३८
	२६	गुरु	१२:००	३०:३२
	३०	शुक्र	०६:३२	३०:३३
नवम्बर	०२	सोम	२३:४६	३०:३५
	०४	बुध	०६:३६	२८:५१
	०६	शुक्र	०६:४५	३०:३८

दिनाङ्क २०२० ई.		वार	प्रारम्भ घ. मि	समाप्त घ. मि
नवम्बर	०८	रवि	०६:३६	०८:४५
	११	बुध	२८:२५	३०:४२
	१४	शनि	०६:४३	२०:०६
	१६	सोम	०६:४५	१४:३६
	२०	शुक्र	०६:२२	३०:४६
	२१	शनि	०६:४६	०६:५३
	२४	मंगल	१५:३२	३०:५२
	२६	गुरु	०६:५३	३०:५४
	२७	शुक्र	०६:५४	२४:२२
	३०	सोम	०६:५६	३०:५७
दिसम्बर	०२	बुध	०६:५८	१०:३७
	०३	गुरु	१२:२१	३०:५६
	०४	शुक्र	०६:५६	१३:३६
	०६	बुध	१२:३२	३१:०३
	१८	शुक्र	०७:०८	१६:०४
	२२	मंगल	०७:११	२५:३७
	२४	गुरु	०७:११	३१:१२
	२८	सोम	०७:१३	३१:१३
	३१	गुरु	०७:१४	३१:१४
२०२१ ई.				
जनवरी	०६	बुध	०७:१५	१७:०६
	१६	मंगल	०७:१५	०६:१४
	२१	गुरु	०७:१४	१५:३६
	२३	शनि	२१:३२	३१:१३
	२५	सोम	०७:१३	२५:५५

सर्वार्थसिद्धियोग संवत् २०७७

दिनाङ्क २०२१ ई.		वार	प्रारम्भ घं. मि	समाप्त घं. मि
जनवरी	२८	गुरु	०७:१२	२७:५०
	३१	रवि	२५:१८	३१:०६
फरवरी	०५	शुक्र	१८:२८	३१:०६
	०७	रवि	१६:१४	३१:०५
	१४	रवि	१६:३३	३१:००
	१६	मंगल	२०:५६	३०:५८
	२०	शनि	०६:५५	३०:५४
	२२	सोम	०६:५३	१०:५८
	२५	गुरु	०६:५१	१३:१७
	२८	रवि	०६:३५	३०:४६
मार्च	०४	गुरु	२३:५७	३०:४२
	०५	शुक्र	०६:४२	२२:३७
	०७	रवि	०६:४०	२०:५६
	१४	रवि	०६:३२	२६:१६
	१६	मंगल	०६:३०	३०:२६
	२०	शनि	०६:२५	१६:४५
	२८	रवि	०६:१६	३०:१५
अप्रैल	०१	गुरु	०७:२२	२६:१६
	०४	रवि	२६:०५	३०:०७
	०५	सोम	२६:०५	३०:०६
	११	रवि	०६:००	०८:५७

गुरुपुष्ययोग विक्रम संवत् २०७७

दिनाङ्क २०२० ई.		वार	प्रारम्भ घं. मि	समाप्त घं. मि
अप्रैल	०२	गुरु	१६:२८	३०:०६
	३०	गुरु	०५:४१	२५:५२
मई	२८	गुरु	०५:२५	०७:२७
दिसम्बर	३१	गुरु	१६:४६	३१:१४
२०२१ ई.				
जनवरी	२८	गुरु	०७:१२	२७:५०
फरवरी	२५	गुरु	०६:५१	१३:१७

रविपुष्ययोग विक्रम संवत् २०७७

दिनाङ्क २०२० ई.		वार	प्रारम्भ घं. मि	समाप्त घं. मि
सितम्बर	१३	रवि	१६:३४	३०:०६
अक्टूबर	११	रवि	०६:२०	२५:१८
नवम्बर	०८	रवि	०६:३६	०८:४५

त्रिपुष्करयोग विक्रम संवत् २०७७

दिनाङ्क २०२० ई.		वार	प्रारम्भ घं. मि	समाप्त घं. मि
अप्रैल	१८	शनि	२८:२४	२६:५२
	१६	रवि	०५:५२	२४:४३
	२५	शनि	०५:४६	११:५२
जून	२३	मंगल	०५:२४	११:२०
	२७	शनि	१०:११	२६:५४

त्रिपुष्करयोग विक्रम संवत् २०७७

दिनाङ्क २०२० ई.		वार	प्रारम्भ घं. मि	समाप्त घं. मि
अगस्त	१६	रवि	०७:०३	१३:५१
	२५	मंगल	०५:५६	१२:२२
	२६	शनि	१३:०३	२६:५८
	३०	रवि	०५:५८	०८:२२
सितम्बर	०८	मंगल	२४:०३	३०:०३
अक्टूबर	१८	रवि	०८:५१	१७:२८
	२७	मंगल	१०:४७	३०:३१
नवम्बर	०१	रवि	२२:५०	३०:३४
	०७	शनि	०७:२४	०८:०५
दिसम्बर	२०	रवि	२१:०१	३१:१०
	२६	शनि	१०:३५	२८:१६
२०२१ ई.				
जनवरी	०५	मंगल	०७:१५	१८:२०
फरवरी	१३	शनि	१५:११	२४:५७
	२३	मंगल	१८:०६	३०:५२
	२८	रवि	११:१६	०३:४६
मार्च	०६	मंगल	१५:०२	२०:४१

द्विपुष्करयोग विक्रम संवत् २०७७

दिनाङ्क २०२० ई.		वार	प्रारम्भ घं. मि	समाप्त घं. मि
मार्च	३१	मंगल	०६:१२	१८:४४
मई	२३	शनि	२८:५१	२६:२६
	२४	रवि	०५:२६	२५:०१
जून	०२	मंगल	१२:०५	२२:५४
जुलाई	२६	रवि	१२:३७	२६:४०
अगस्त	०४	मंगल	२१:५५	२६:४५
सितम्बर	१६	शनि	०६:०८	०६:१०
	२७	रवि	२०:४६	३०:१३
नवम्बर	२१	शनि	०६:५३	२१:४८
दिसम्बर	०१	मंगल	१६:५२	३०:५८
२०२१ ई.				
जनवरी	२४	रवि	२४:०१	३१:१३
मार्च	२०	शनि	१६:४६	३०:२४
	२१	रवि	०६:२४	०७:१०
	३०	मंगल	०६:१४	१२:२१

अमृतसिद्धियोग विक्रम संवत् २०७७

दिनाङ्क २०२० ई.		वार	प्रारम्भ घं. मि	समाप्त घं. मि
मार्च	३०	सोम	१७:१७	३०:१२
अप्रैल	०२	गुरु	१६:२८	३०:०६

सिद्धियोग विक्रम संवत् २०७७, ईश्वीय सन २०२०-२१

अमृतसिद्धियोग विक्रम संवत् २०७७

दिनाङ्क २०२० ई०		वार	प्रारम्भ घं./मिं.	समाप्ति घं./मिं.
	२५	शनि	२०:५७	२६:४५
	२७	गुरु	०५:४१	२५:५२
मई	१६	मंगल	१६:५३	२६:२८
	२३	शनि	०५:२६	२८:५१
	२५	सोम	०५:२६	०६:०६
	२८	गुरु	०५:२५	०७:२७
	३१	रवि	२७:०१	२६:२४
जून	१६	मंगल	०५:२३	२६:२३
	२०	शनि	०५:२४	१२:०२
	२८	रवि	०८:४६	२६:२६
जुलाई	०१	बुध	२६:३४	२६:२७
	१४	मंगल	०५:३३	१४:०६
	२६	रवि	०५:३६	१२:३७
	२९	बुध	०८:३३	२६:४२
अगस्त	२६	बुध	०५:५६	१३:०४
सितम्बर	०४	शुक्र	२३:२८	३०:०१
अक्टूबर	०२	शुक्र	०६:२५	३०:१५
	३०	शुक्र	०६:३२	१४:५७
दिसम्बर	२८	सोम	१५:३६	३१:१३
	३१	गुरु	१६:४६	३१:१४

दिनाङ्क २०२१ ई०		वार	प्रारम्भ घं./मिं.	समाप्ति घं./मिं.
जनवरी	२३	शनि	२१:३२	३१:१३
	२५	सोम	०७:१३	२५:५५
	२८	गुरु	०७:१२	२७:५०
फरवरी	१६	मंगल	२०:५६	३०:५८
	२०	शनि	०६:५५	३०:५४
	२२	सोम	०६:५३	१०:५८
	२५	गुरु	०६:५१	१३:१७
मार्च	१६	मंगल	०६:३०	३०:२६
	२०	शनि	०६:२५	१६:४५
	२८	रवि	१७:३५	३०:१५

सिद्धियोग विक्रम संवत् २०७७

दिनाङ्क २०२० ई.		वार	प्रारम्भ घं. मि	समाप्त घं. मि
मार्च	२५	बुध	१७:२७	३०:१८
	२८	शनि	०६:१६	२४:१८
	३०	सोम	०६:१३	२७:१५
	३१	मंगल	२७:५०	३०:११
अप्रैल	०२	गुरु	२६:४३	३०:०६
	०३	शुक्र	२४:५६	३०:०८
	०५	रवि	१६:२५	३०:०५
	०८	बुध	२८:१४	३०:०२

दिनाङ्क २०२० ई०		वार	प्रारम्भ घं./मिं.	समाप्ति घं./मिं.
अप्रैल	११	शनि	०६:००	१६:०२
	१३	सोम	०५:५८	१६:१६
	१४	मंगल	१६:१२	२६:५६
	१६	गुरु	१८:१२	२६:५४
	१७	शुक्र	२०:०४	२६:५३
	१९	रवि	२४:४३	२६:५१
	२३	गुरु	०५:४८	०७:५६
	२४	शुक्र	०५:४७	१०:०२
	२६	रवि	०५:४५	१३:२३
	२९	बुध	१५:१३	२६:४१
मई	०२	शनि	०५:४०	११:३६
	०४	सोम	०५:३८	१६:१३
	०५	मंगल	०५:३७	२३:२१
	०७	गुरु	०५:३६	१६:१५
	०८	शुक्र	०५:३५	१३:०२
	१०	रवि	०५:३४	०८:०४
	१३	बुध	०६:००	२६:३१
	१६	शनि	०५:३०	१०:२३
	१८	सोम	०५:२६	१५:०६
	१९	मंगल	१७:३२	२६:२८
	२१	गुरु	२१:३६	२६:२७

दिनाङ्क २०२० ई०		वार	प्रारम्भ घं./मिं.	समाप्ति घं./मिं.
मई	२२	शुक्र	२३:०६	२६:२६
	२४	रवि	२५:०१	२६:२६
	३०	शनि	१६:५८	२६:२४
जून	०१	सोम	१४:५८	२६:२४
	०३	बुध	०५:२३	०६:०५
	०४	गुरु	२७:१६	२६:२३
	०५	शुक्र	२४:४२	२६:२३
	०७	रवि	२०:५६	२६:२३
	१३	शनि	२४:५६	२६:२३
	१७	बुध	०७:५१	५६:२३
	२०	शनि	०५:२४	११:५२
	२२	सोम	०५:२४	१२:००
	२३	मंगल	११:२०	२६:२५
	२५	गुरु	०८:४८	२६:२५
	२६	शुक्र	०७:०३	२६:०४
	२८	रवि	०५:२६	२४:३६
जुलाई	०१	बुध	१७:३०	२६:२७
	०४	शनि	०५:२८	११:३४
	०६	सोम	०५:२६	०६:२२
	०७	मंगल	०६:०३	२६:३०
	०९	गुरु	१०:१२	२६:३१

सिद्धियोग विक्रम संवत् २०७७, ईश्वीय सन २०२०-२१

दिनाङ्क २०२० ई०		वार	प्रारम्भ घं./मिं.	समाप्ति घं./मिं.
जुलाई	१०	शुक्र	११:३८	२६:३१
	१२	रवि	१५:४८	२६:३२
	१८	शनि	२४:४२	२६:३५
	२०	सोम	२३:०३	२६:३७
	२२	बुध	०५:३७	१६:२३
अगस्त	०१	शनि	२१:५५	२६:४३
	०३	सोम	२१:२६	२६:४४
	०५	बुध	०५:४३	२२:५१
	१०	सोम	०५:४८	०६:४३
	११	मंगल	०६:०७	२६:४६
	१३	गुरु	१२:५६	२६:५०
	१४	शुक्र	१४:०२	२६:५०
	१६	रवि	१३:५१	२६:५२
	१६	बुध	२६:१६	२६:५३
	२२	शनि	०५:५४	१६:५७
	२४	सोम	०५:५५	१४:३१
	२५	मंगल	१२:२२	२६:५६
	२७	गुरु	०६:२५	२६:५७
	२८	शुक्र	०८:३६	२६:५८
	३०	रवि	०८:२२	२६:५६
सितम्बर	०५	शनि	१६:३६	३०:०२

दिनाङ्क २०२० ई०		वार	प्रारम्भ घं./मिं.	समाप्ति घं./मिं.
सितम्बर	०७	सोम	२१:३६	३०:०३
	०६	बुध	०६:०३	२६:०६
	१५	मंगल	०६:०६	२३:००
	१७	गुरु	०६:०७	१६:३०
	१८	शुक्र	०६:०८	१२:५१
	१६	शनि	२६:३६	३०:०६
	२१	सोम	२३:४२	३०:१०
	२३	बुध	०६:१०	१६:५७
	२६	मंगल	०६:१३	२२:३३
अक्टूबर	०१	गुरु	०६:१४	२६:३५
	०२	शुक्र	०६:१५	२८:५७
	०४	रवि	०७:२८	३०:१७
	१०	शनि	१८:१७	३०:२०
	१२	सोम	१६:३६	३०:२१
	१४	बुध	०६:२२	११:५१
	१५	गुरु	२८:५३	३०:२३
	१६	शुक्र	२५:०१	३०:२४
	१८	रवि	१७:२८	३०:२५
	२८	शनि	०६:५६	३०:२६
	२६	सोम	०६:००	३०:३०

दिनाङ्क २०२० ई०		वार	प्रारम्भ घं./मिं.	समाप्ति घं./मिं.
	२८	बुध	०६:३१	१२:५४
नवम्बर	०३	मंगल	०६:३५	२७:२५
	०५	गुरु	०६:३७	३०:३७
	०६	शुक्र	०६:२७	३०:३८
	०८	रवि	०७:२६	३०:४०
	११	बुध	२४:४१	३०:४२
	१४	शनि	०६:४३	१४:१८
	१६	सोम	०६:४५	०७:०७
	१७	मंगल	०६:४६	२५:१८
	१६	गुरु	०६:४७	२१:५६
	२०	शुक्र	०६:४८	२१:३०
	२२	रवि	०६:५०	२२:५२
	२५	बुध	२६:११	३०:५३
	२८	शनि	१०:२२	३०:५५
	३०	सोम	१४:५६	३०:५७
दिसम्बर	०२	बुध	०६:५८	१८:२२
	०८	मंगल	०७:०२	१७:१८
	१०	गुरु	०७:०३	१२:५२
	११	शुक्र	०७:०४	१०:०४
	१२	शनि	२७:५३	३१:५४
	१४	सोम	२१:४६	३१:०७

दिनाङ्क २०२० ई०		वार	प्रारम्भ घं./मिं.	समाप्ति घं./मिं.
	१६	बुध	०७:०७	१६:५५
दिसम्बर	२२	मंगल	०७:११	१८:१५
	२४	गुरु	०७:११	२३:१८
	२५	शुक्र	०७:१२	२५:५५
	२७	रवि	०७:१३	३०:३१
२०२१ ई.,				
जनवरी	०२	शनि	०६:१०	३१:१५
	०४	सोम	०७:१५	२६:४७
	०५	मंगल	२८:०४	३१:१५
	०७	गुरु	२३:५८	३१:१५
	०८	शुक्र	२१:४०	३१:१५
	१०	रवि	१६:५३	३१:१६
	१६	शनि	०७:४६	३१:१५
	१८	सोम	०६:१४	३१:१५
	२०	बुध	०७:१४	१३:१५
	२६	मंगल	०७:१२	२५:१२
	२८	गुरु	०७:१२	२४:४६
	२६	शुक्र	०७:११	२३:४२
	३१	रवि	०७:१०	२०:२५
फरवरी	०३	बुध	१४:१२	३१:०८
	०६	शनि	०७:०६	०८:१३
	०६	मंगल	०७:०४	२६:०६
	११	गुरु	०७:०३	२४:३५

अमृतयोग विक्रम संवत् २०७७

दिनाङ्क २०२१ ई०		वार	प्रारम्भ घं./मिं.	समाप्ति घं./मिं.
फरवरी	१२	शुक्र	०७:०२	२४:३०
	१४	रवि	०७:०१	२५:५६
	२०	शनि	१३:३२	३०:५४
	२२	सोम	१७:१७	३०:५२
	२४	बुध	०६:४२	१८:०६
मार्च	०६	शनि	१८:११	३०:४०
	०८	सोम	१५:५५	३०:३८
	१०	बुध	०६:३७	१४:४१
	१६	मंगल	०६:३०	२०:५६
	१८	गुरु	०६:२८	२६:१०
	१९	शुक्र	०६:२७	२८:४६
	२१	रवि	०७:१०	३०:२३
	२७	शनि	०६:१७	२७:२७
	२९	सोम	०६:१५	२०:५५
	३०	मंगल	१७:२७	३०:१०
अप्रैल	०१	गुरु	११:००	३०:१०
	०२	शुक्र	०८:१६	२६:५६
	०४	रवि	०६:०८	२७:००
	०७	बुध	२६:२६	३०:०४

अमृत योग विक्रम संवत् - २०७७

दिनाङ्क २०२० ई०		वार	प्रारम्भ घं./मिं.	समाप्ति घं./मिं.
अप्रैल	१०	शनि	०६:०१	३०:००
	१२	सोम	०८:०१	२६:५८

अमृतयोग विक्रम संवत् २०७७

दिनाङ्क २०२० ई.		वार	प्रारम्भ घं. मि	समाप्त घं. मि
मार्च	२५	बुध	०६:१६	१७:२७
	२६	गुरु	१६:५४	३०:१७
	२७	शुक्र	२२:१३	३०:१६
	२९	रवि	०६:१५	२६:०२
	३१	मंगल	०६:१२	२७:५०
अप्रैल	०४	शनि	०६:०८	२२:३०
	०६	गुरु	२४:३६	३०:०१
	१०	शुक्र	२१:३२	३०:००
	१२	रवि	०५:५६	१७:१६
	१४	मंगल	०५:५७	१६:१२
	१८	शनि	०५:५३	२२:१८
	२७	सोम	१४:३०	२६:४३
	२९	बुध	०५:४२	१५:१३
	३०	गुरु	१४:३६	२६:४०

दिनाङ्क २०२० ई०		वार	प्रारम्भ घं./मिं.	समाप्ति घं./मिं.
मई	०१	शुक्र	१३:२७	२६:४०
	०३	रवि	०५:३६	०६:१०
	११	सोम	०६:३५	२६:३२
	१३	बुध	०५:३२	०६:००
	१४	गुरु	०६:५१	२६:३०
	१५	शुक्र	०८:२२	२६:३०
	१७	रवि	०५:२६	१२:४३
	१९	मंगल	०५:२८	१७:३२
	२३	शनि	०५:२६	२४:१७
	२७	बुध	१४:३२	२६:२५
	३१	रवि	१७:३७	२६:२४
जून	०१	सोम	०५:२४	१४:५८
	०२	मंगल	१२:०५	२६:२३
	०४	गुरु	०५:२३	०६:०६
	०६	शनि	०५:२३	२२:३३
	१०	बुध	२०:०५	२६:२३
	१४	रवि	२७:२०	२६:२३
	१५	सोम	०५:२३	२६:२३
	१७	बुध	०५:२३	०७:५१

दिनाङ्क २०२० ई०		वार	प्रारम्भ घं./मिं.	समाप्ति घं./मिं.
जून	१८	गुरु	०६:४०	२६:२४
	१९	शुक्र	११:०२	२६:२४
	२१	रवि	०५:२४	१२:११
	२३	मंगल	०५:२४	११:२०
	२९	सोम	२२:१३	२६:२७
जुलाई	०१	बुध	०५:२७	१७:३०
	०२	गुरु	१५:१७	२६:२८
	०३	शुक्र	१३:१७	२६:२८
	०५	रवि	०५:२९	१०:१४
	०७	मंगल	०५:२९	०६:०३
	११	शनि	०५:३१	१३:३४
	१५	बुध	२२:२०	२६:३४
	१९	रवि	२४:१०	२६:३६
	२०	सोम	०५:३६	२३:०३
	२१	मंगल	२१:२५	२६:३७
	२३	गुरु	०५:३८	१७:०३
	२४	शुक्र	०५:३८	१४:३५
	२५	शनि	१२:०२	२६:३९
	२९	बुध	२५:१६	२६:४२

अमृत योग विक्रम संवत् - २०७७

दिनाङ्क २०२० ई०	वार	प्रारम्भ घं./मिं.	समाप्ति घं./मिं.	दिनाङ्क २०२० ई०	वार	प्रारम्भ घं./मिं.	समाप्ति घं./मिं.	दिनाङ्क २०२० ई०	वार	प्रारम्भ घं./मिं.	समाप्ति घं./मिं.	दिनाङ्क २०२० ई०	वार	प्रारम्भ घं./मिं.	समाप्ति घं./मिं.
अगस्त ०२	रवि	२१:२६	२६:४४	सितम्बर ११	शुक्र	०६:०४	२८:२०	३०	शुक्र	०६:३२	१७:४६	दिसम्बर १५	मंगल	१६:०७	३१:०७
०३	सोम	०५:४४	२१:२६	१२	शनि	२८:१४	३०:०५	३१	शनि	२०:१६	३०:३४	१७	गुरु	०७:०८	१५:१८
०४	मंगल	२१:५५	२६:४५	२०	रवि	२६:२७	३०:०६	नवम्बर ०७	शनि	०६:३८	०७:२४	१८	शुक्र	०७:०८	१४:२३
०६	गुरु	०५:४५	२४:१५	२१	सोम	०६:०६	२३:४२	०९	सोम	२६:२८	३०:४०	१९	शनि	१४:१५	३१:१०
०७	शुक्र	०५:४६	२६:०६	२२	मंगल	२१:३१	३०:१०	११	बुध	०६:४१	२४:४१	३०	बुध	०५:५८	३१:१४
०८	शनि	२८:१९	२६:४७	२४	गुरु	०६:११	१९:०२	१२	गुरु	२१:३०	३०:४३	२०२१ ई.,			
११	मंगल	०५:४८	०९:०७	२५	शुक्र	०६:११	१८:४४	१३	शुक्र	१७:५९	३०:४३	जनवरी ०३	रवि	०८:२३	३१:१४
१५	शनि	०५:५०	१४:२०	अक्टूबर ०७	बुध	१४:४८	३०:१८	१५	रवि	०६:४४	१०:३७	०५	मंगल	०७:१५	२८:०४
२०	गुरु	२६:१३	२६:५४	११	रवि	१७:५४	३०:२०	२३	सोम	२४:३३	३०:५१	०९	शनि	०७:१५	१९:१७
२१	शुक्र	२३:०३	२६:५४	१२	सोम	०६:२०	१६:३९	२५	बुध	०६:५२	२६:११	१३	बुध	१०:३०	३१:१५
२३	रवि	०५:५५	१७:०५	१३	मंगल	१४:३६	३०:२२	२६	रवि	१२:४८	३०:२६	१७	रवि	०८:०९	३१:१५
२५	मंगल	०५:५६	१२:२२	१५	गुरु	०६:२२	०८:३३	३०	सोम	०६:५६	१४:५६	१८	सोम	०७:१५	०६:१४
२९	शनि	०५:५८	०८:१८	१७	शनि	०६:२४	२१:०६	दिसम्बर ०१	मंगल	१६:५२	३०:५८	१९	मंगल	१०:५६	३१:१४
सितम्बर ०२	बुध	१०:५२	३०:००	२१	बुध	०६:०८	३०:२७	०३	गुरु	०६:५८	१६:२७	२१	गुरु	०७:१४	१५:५१
०६	रवि	१६:०७	३०:००	२५	रवि	०७:४२	३०:२६	०४	शुक्र	०६:५९	२०:०४	२२	शुक्र	०७:१४	१८:२६
०७	सोम	०६:०२	२१:३६	२६	सोम	०६:२६	०६:००	०५	शनि	२०:११	३१:०१	२३	शनि	२०:५७	३१:१३
०८	मंगल	२४:०३	३०:०३	२७	मंगल	१०:४७	३०:३१	१३	रवि	२४:४५	३१:०६	फरवरी ०१	सोम	१८:२५	३१:०६
१०	गुरु	०६:०४	२७:३५	२९	गुरु	०६:३१	१५:१६	१४	सोम	०७:०६	२१:४६	०३	बुध	०७:०८	१४:१२

रवियोग विक्रम संवत् - २०७७

दिनाङ्क २०२१ ई०		वार	प्रारम्भ घं./मिं.	समाप्ति घं./मिं.
फरवरी	०४	गुरु	१२:०८	३१:०७
	०५	शुक्र	१०:०७	३१:०६
	१५	सोम	२७:३७	३०:५६
	१७	बुध	०६:५८	३०:५७
	२१	रवि	१५:४३	३०:५३
	२२	सोम	०६:५३	१७:१७
	२३	मंगल	१८:०६	३०:५२
	२५	गुरु	०६:५१	१७:१६
	२६	शुक्र	०६:५०	१५:५०
	२७	शनि	१३:४७	३०:४७
मार्च	०३	बुध	२४:२२	३०:४३
	०७	रवि	१६:४७	३०:३६
	०८	सोम	०६:३६	१५:४५
	०९	मंगल	१५:०२	३०:३७
	११	गुरु	०६:३६	१४:४०
	१२	शुक्र	०६:३५	१५:०३
	१३	शनि	१५:५१	३०:३२
	२४	बुध	१०:२४	३०:२०

दिनाङ्क २०२१ ई०		वार	प्रारम्भ घं./मिं.	समाप्ति घं./मिं.
	२८	रवि	०६:१६	२४:१८
	३०	मंगल	०६:१४	१७:२७
अप्रैल	०५	सोम	२६:१६	३०:०६
	०७	बुध	०६:०५	२६:२६
	०८	गुरु	२७:१६	३०:०२
	०९	शुक्र	२८:२८	३०:०१
	११	रवि	०६:०४	२६:५६
	१२	सोम	०५:५६	०८:०१

रवियोग विक्रम संवत् २०७७

दिनाङ्क २०२० ई.		वार	प्रारम्भ घं. मि	समाप्त घं. मि
मार्च	२७	शुक्र	१०:०६	३०:२०
	२८	शनि	०६:२०	१२:५२
	२९	रवि	१५:१८	३०:१८
	३०	सोम	०६:१८	१७:१७
	३१	मंगल	०६:५७	१८:४४
अप्रैल	०२	गुरु	१६:२८	३०:१३

दिनाङ्क २०२० ई०		वार	प्रारम्भ घं./मिं.	समाप्ति घं./मिं.
अपैल	०३	शुक्र	०६:१३	३०:१२
	०४	शनि	०६:१२	१७:०८
	०६	रवि	१२:१६	३०:०८
	०७	सोम	०६:०८	३०:०७
	०८	मंगल	०६:०७	३०:०७
	०९	बुध	०६:०७	०६:१५
	१२	रवि	१६:१३	३०:०२
	१३	सोम	०६:०२	१६:०२
	१३	सोम	२०:२३	३०:०१
	१४	मंगल	०६:०१	१६:४१
	२५	शनि	२०:५८	२६:४६
	२६	रवि	०५:४६	२२:५६
	२९	बुध	२५:३३	२६:४५
	३०	गुरु	०५:४५	२६:०२
मई	०२	शनि	२५:०५	२६:४३
	०३	रवि	०५:४३	२१:४३

दिनाङ्क २०२० ई०		वार	प्रारम्भ घं./मिं.	समाप्ति घं./मिं.
मई	०५	मंगल	१६:३६	२६:४१
	०६	बुध	०५:४१	१३:५१
	१३	बुध	२८:५४	२६:३५
	१४	गुरु	०५:३५	०६:२३
	२६	मंगल	०७:०२	२६:२६
	२७	बुध	०५:२६	०७:२८
	२८	गुरु	०७:२७	२६:२६
	२९	शुक्र	०५:२६	०६:५८
	३१	रवि	०५:२८	२६:२८
जून	०१	सोम	०५:२८	२५:०३
	०३	बुध	२०:४३	२६:२७
	०४	गुरु	०५:२७	१८:३७
	११	गुरु	१६:३५	२६:२७
	१२	शुक्र	०५:२७	१८:४६
	२४	बुध	१३:१०	२६:२६
	२५	गुरु	०५:२६	१२:२७

रवियोग विक्रम संवत् - २०७७

दिनाङ्क २०२० ई०	वार	प्रारम्भ घं./मिं.	समाप्ति घं./मिं.	दिनाङ्क २०२० ई०	वार	प्रारम्भ घं./मिं.	समाप्ति घं./मिं.	दिनाङ्क २०२० ई०	वार	प्रारम्भ घं./मिं.	समाप्ति घं./मिं.	दिनाङ्क २०२० ई०	वार	प्रारम्भ घं./मिं.	समाप्ति घं./मिं.
जून २६	शुक्र	११:२६	२९:२९	अगस्त ०१	शनि	०६:४८	२९:४७	सितम्बर ०१	मंगल	०६:०३	१६:३८	अक्टूबर ०८	गुरु	०६:२१	२२:५०
२७	शनि	०५:२९	१०:११	०२	रवि	०५:४७	०६:५२	०८	मंगल	०८:२६	३०:०७	१९	सोम	०६:२८	२७:५२
२९	सोम	०७:१४	२९:३०	०२	रवि	२१:२७	२९:४७	०९	बुध	०६:०७	११:१५	२०	मंगल	२६:१२	३०:२९
३०	मंगल	०५:३०	२८:०४	०३	सोम	०५:४७	०७:१९	१९	शनि	२५:२०	३०:१२	२१	बुध	०६:२९	२५:१३
जुलाई ०२	गुरु	२५:१३	२९:३१	०९	रवि	१९:०६	२९:५१	२०	रवि	०५:१२	२२:५२	२४	शनि	२६:३८	३०:३२
०३	शुक्र	०५:३१	२४:०८	१०	सोम	०५:५१	२२:०६	२१	सोम	२०:४९	३०:१३	२५	रवि	०६:३२	३०:३२
११	शनि	०५:३५	२९:३५	२१	शुक्र	२१:२९	२९:५८	२२	मंगल	०६:१३	१९:१९	२६	सोम	०६:३२	३०:३२
१२	रवि	०५:३५	०८:१८	२२	शनि	०५:५८	१९:११	२४	गुरु	१८:१०	३०:१५	२९	गुरु	१२:००	१४:५७
२३	गुरु	१७:४४	२९:४२	२३	रवि	१७:०६	२९:५९	२५	शुक्र	०६:१५	३०:१५	नवम्बर ०६	शुक्र	०६:४५	०८:१३
२४	शुक्र	०५:४२	१६:०३	२४	सोम	०५:५९	१५:२०	२६	शनि	०६:१५	१९:२६	०७	शनि	०८:०५	३०:४५
२५	शनि	१४:१९	२९:४३	२६	बुध	१३:०४	३०:०१	२६	शनि	२४:२८	३०:१६	०८	रवि	०६:४५	०८:४५
२६	रवि	०५:४३	१२:३७	२७	गुरु	०६:०१	३०:०१	२७	रवि	०६:१६	२०:५०	१७	मंगल	१२:२२	३०:५१
२८	मंगल	०९:४२	२९:४५	२८	शुक्र	०६:०१	१२:३७	२९	मंगल	२४:४८	३०:१७	१८	बुध	०६:५१	१०:४०
२९	बुध	०५:४५	२९:४५	३०	रवि	१३:५२	१५:०५	३०	बुध	०६:१७	२७:१५	१९	गुरु	०९:३८	१४:११
३०	गुरु	०५:४५	०७:४१	३१	सोम	१५:०४	३०:०३	अक्टूबर ०७	बुध	२०:३६	३०:२१	२०	शुक्र	०९:२२	३०:५३

रवियोग विक्रम संवत् - २०७७

दिनाङ्क २०२० ई०	वार	प्रारम्भ घं./मिं.	समाप्ति घं./मिं.	दिनाङ्क २०२० ई०	वार	प्रारम्भ घं./मिं.	समाप्ति घं./मिं.	दिनाङ्क २०२१ ई०	वार	प्रारम्भ घं./मिं.	समाप्ति घं./मिं.	दिनाङ्क २०२१ ई०	वार	प्रारम्भ घं./मिं.	समाप्ति घं./मिं.
नवम्बर २१	शनि	०६:५३	०६:५३	२७	रवि	१३:१६	३१:१७	जनवरी २४	रवि	०७:१७	२४:०१	मार्च ०४	गुरु	०६:४८	१७:५८
२३	सोम	१३:०५	३०:५५	२८	सोम	०७:१७	१५:४०	२६	मंगल	२७:१२	३१:१६	१५	सोम	२८:४३	३०:३४
२४	मंगल	०६:५५	३०:५६	२८	सोम	२३:४४	३१:१७	२७	बुध	०१७:१६	२७:४६	१६	मंगल	०६:३४	३०:३३
२५	बुध	०६:५६	१८:२०	२९	मंगल	०७:१७	१७:३२	फरवरी ०२	मंगल	२२:३२	३१:१३	१७	बुध	०६:३३	०७:३१
२७	शुक्र	२४:२३	३०:५८	२०२१ ई.,				०३	बुध	०७:१३	२१:०७	१७	बुध	२६:२१	३०:३२
२८	शनि	०६:५८	२७:१६	जनवरी ०४	सोम	१६:१७	३१:१६	१४	रवि	१६:३३	३१:०४	१८	गुरु	०६:३२	१०:३५
दिसम्बर ०६	रवि	१४:४६	३१:०५	०५	मंगल	०७:१६	१८:२१	१५	सोम	०७:०४	२१:०७	१९	शुक्र	१३:४४	३०:३०
०७	सोम	०७:०५	१४:३३	१५	शुक्र	२६:१७	३१:१६	१६	मंगल	२०:५७	३१:०२	२०	शनि	०६:३०	१६:४६
१७	गुरु	१६:१३	३१:१२	१६	शनि	०७:१६	३०:०६	१७	बुध	०७:०२	२३:४६	२२	सोम	२१:२८	३०:२६
१८	शुक्र	०७:१२	१६:०४	१८	सोम	०७:४३	३१:१८	२१	रवि	०८:४३	३०:५८	२३	मंगल	०६:२६	३०:२५
१९	शनि	१६:४०	३१:१३	१९	मंगल	०७:१८	०६:५५	२२	सोम	०६:५८	३०:५७	२४	बुध	०६:२५	२३:१२
२०	रवि	०७:१३	२१:०१	२१	गुरु	१५:३६	३१:१८	२३	मंगल	०६:५७	१२:३१	२६	शुक्र	२१:३९	३०:२१
२२	मंगल	२५:३७	३१:१५	२२	शुक्र	०७:१८	३१:१७	२५	गुरु	१३:१७	३०:५४	२७	शनि	०६:२१	१६:५२
२३	बुध	०७:१५	३१:१५	२३	शनि	०७:१७	२१:३३	२६	शुक्र	०६:५४	१२:३५	अप्रैल ०२	शुक्र	२७:४३	३०:१३
२४	गुरु	०७:१५	३१:१६	२३	शनि	२७:५८	३१:१७	मार्च ०३	बुध	२५:३५	३०:४८	०३	शनि	०६:१३	२६:३६

विक्रम सम्वत् २०७७, ईश्वीय सन् २०२०–२१ दैनिक राहुकाल सारिणी (नई दिल्ली), (भा. स्टैं० टा. घण्टा/मिनट)

अप्रैल २०२०				मई २०२०				जून २०२०			
दिनाङ्क	वार	प्रारम्भ	समाप्ति	दिनाङ्क	वार	प्रारम्भ	समाप्ति	दिनाङ्क	वार	प्रारम्भ	समाप्ति
१	बुध	१२:२५	१३:५८	१	शुक्र	१०:३८	१२:१८	१	सोम	०७:०७	०८:५१
२	गुरु	१३:५८	१५:३२	२	शनि	०८:५८	१०:३८	२	मंगल	१५:४७	१७:३१
३	शुक्र	१०:५०	१२:२४	३	रवि	१७:१७	१८:५७	३	बुध	१२:१६	१४:०३
४	शनि	०९:१६	१०:५०	४	सोम	०७:१८	०८:५८	४	गुरु	१४:०३	१५:४७
५	रवि	१७:०७	१८:४१	५	मंगल	१५:३८	१७:१८	५	शुक्र	१०:३५	१२:१६
६	सोम	०७:४०	०९:१४	६	बुध	१२:१७	१३:५८	६	शनि	०८:५१	१०:३५
७	मंगल	१५:३२	१७:०७	७	गुरु	१३:५८	१५:३९	७	रवि	१७:३३	१९:१७
८	बुध	१२:२३	१३:५८	८	शुक्र	१०:३७	१२:१७	८	सोम	०७:०७	०८:५१
९	गुरु	१३:५८	१५:३३	९	शनि	०८:५६	१०:३६	९	मंगल	१५:४६	१७:३३
१०	शुक्र	१०:४७	१२:२२	१०	रवि	१७:२०	१९:०१	१०	बुध	१२:२०	१४:०५
११	शनि	०९:११:	१०:४६	११	सोम	०७:१४	०८:५५	११	गुरु	१४:०५	१५:४६
१२	रवि	१७:०९	१८:४५	१२	मंगल	१५:४०	१७:२१	१२	शुक्र	१०:३६	१२:२१
१३	सोम	०७:३३	०९:०९	१३	बुध	१२:१७	१३:५९	१३	शनि	०८:५२	१०:३६
१४	मंगल	१५:३४	१७:१०	१४	गुरु	१३:५९	१५:४१	१४	रवि	१७:३५	१९:२०
१५	बुध	१२:२१	१३:५७	१५	शुक्र	१०:३५	१२:१७	१५	सोम	०७:०७	०८:५२
१६	गुरु	१३:५७	१५:३४	१६	शनि	०८:५३	१०:३५	१६	मंगल	१५:५१	१७:३५
१७	शुक्र	१०:४४	१२:२०	१७	रवि	१७:२४	१९:०६	१७	बुध	१२:२२	१४:०६
१८	शनि	०९:०६	१०:४३	१८	सोम	०७:११	०८:५३	१८	गुरु	१४:०७	१५:५१
१९	रवि	१७:१२	१८:४९	१९	मंगल	१५:४२	१७:२४	१९	शुक्र	१०:३७	१२:२२
२०	सोम	०७:२७	०९:०५	२०	बुध	१२:१७	१४:००	२०	शनि	०८:५३	१०:३८
२१	मंगल	१५:३५	१७:१२	२१	गुरु	१४:००	१५:४३	२१	रवि	१७:३७	१९:२१
२२	बुध	१२:१९	१३:५७	२२	शुक्र	१०:३५	१२:१८	२२	सोम	०७:०८	०८:५३
२३	गुरु	१३:५७	१५:३५	२३	शनि	०८:५२	१०:३५	२३	मंगल	१५:५२	१७:३७
२४	शुक्र	१०:४१:	१२:१९	२४	रवि	१७:२७	१९:१०	२४	बुध	१२:२३	१४:०८
२५	शनि	०९:०२	१०:४०	२५	सोम	०७:०८	०८:५१	२५	गुरु	१४:०८	१५:५३
२६	रवि	१७:१४	१८:५३	२६	मंगल	१५:४४	१७:२८	२६	शुक्र	१०:३९	१२:२४
२७	सोम	०७:२२:	०९:०१	२७	बुध	१२:१८	१४:०१	२७	शनि	०८:५४	१०:३९
२८	मंगल	१५:३६	१७:१५	२८	गुरु	१४:०२	१५:४५	२८	रवि	१७:३८	१९:२२
२९	बुध	१२:१८	१३:५७	२९	शुक्र	१०:३५	१२:१८	२९	सोम	०७:१०	०८:५५
३०	गुरु	१३:५७	१५:३७	३०	शनि	०८:५१	१०:३५	३०	मंगल	१५:५३	१७:३८
				३१	रवि	१७:३०	१९:१४				

विक्रम सम्वत् २०७७, ईस्वीय सन् २०२०—२१ दैनिक राहुकाल सारिणी (नई दिल्ली), (भा. स्टैं० टा. घण्टा/मिनट)

जुलाई २०२०				अगस्त २०२०				सितम्बर २०२०			
दिनाङ्क	वार	प्रारम्भ	समाप्ति	दिनाङ्क	वार	प्रारम्भ	समाप्ति	दिनाङ्क	वार	प्रारम्भ	समाप्ति
१	बुध	१२:२४	१४:०६	१	शनि	०९:०४	१०:४६	१	मंगल	१५:३१	१७:०६
२	गुरु	१४:०६	१५:५४	२	रवि	१७:३०	१९:१०	२	बुध	१२:२०	१३:५५
३	शुक्र	१०:४०	१२:२५	३	सोम	०७:२४	०९:०५	३	गुरु	१३:५५	१५:३०
४	शनि	०८:५६	१०:४१	४	मंगल	१५:४८	१७:२८	४	शुक्र	१०:४५	१२:१९
५	रवि	१७:३८	१९:२२	५	बुध	१२:२६	१४:०७	५	शनि	०९:१०	१०:४४
६	सोम	०७:१३	०८:५७	६	गुरु	१४:०७	१५:४७	६	रवि	१७:०२	१८:३६
७	मंगल	१५:५४	१७:३८	७	शुक्र	१०:४६	१२:२६	७	सोम	०७:३६	०९:१०
८	बुध	१२:२६	१४:१०	८	शनि	०९:०६	१०:४६	८	मंगल	१५:२६	१७:००
९	गुरुं	१४:१०	१५:५४	९	रवि	१७:२५	१९:०५	९	बुध	१२:१८	१३:५१:
१०	शुक्र	१०:४२	१२:२६	१०	सोम	०७:२७	०९:०६	१०	गुरु	१३:५१	१५:२४
११	शनि	०८:५८	१०:४२	११	मंगल	१५:४४	१७:२४	११	शुक्र	१०:४४	१२:१७
१२	रवि	१७:३७	१९:२१	१२	बुध	१२:२५	१४:०५	१२	शनि	०९:१०	१०:४३
१३	सोम	०७:१५	०८:५९	१३	गुरु	१४:०४	१५:४३	१३	रवि	१६:५५	१८:२८
१४	मंगल	१५:५३	१७:३७	१४	शुक्र	१०:४६	१२:२५	१४	सोम	०७:३८	०९:११
१५	बुध	१२:२६	१४:१०	१५	शनि	०९:०७	१०:४६	१५	मंगल	१५:२०	१६:५३
१६	गुरु	१४:१०	१५:५३	१६	रवि	१७:२०	१८:५९	१६	बुध	१२:१५	१३:४७
१७	शुक्र	१०:४३	१२:२७	१७	सोम	०७:२९	०९:०८	१७	गुरु	१३:४७	१५:१९
१८	शनि	०९:०१	१०:४४	१८	मंगल	१५:४०	१७:१९	१८	शुक्र	१०:४३	१२:१४
१९	रवि	१७:३६	१९:१९	१९	बुध	१२:२४	१४:०२	१९	शनि	०९:११	१०:४२
२०	सोम	०७:१८	०९:०१	२०	गुरु	१४:०१	१५:३९	२०	रवि	१६:४८	१८:१९
२१	मंगल	१५:५२	१७:३५	२१	शुक्र	१०:४६	१२:२३	२१	सोम	०७:४०	०९:११
२२	बुध	१२:२७	१४:०९	२२	शनि	०९:०८	१०:४६	२२	मंगल	१५:१५	१६:४६
२३	गुरु	१४:०९	१५:५२	२३	रवि	१७:१४	१८:५२	२३	बुध	१२:१३	१३:४३
२४	शुक्र	१०:४५	१२:२७	२४	सोम	०७:३२	०९:०९	२४	गुरु	१३:४३	१५:१३
२५	शनि	०९:०३	१०:४५	२५	मंगल	१५:३६	१७:१३:	२५	शुक्र	१०:४२	१२:१२
२६	रवि	१७:३३	१९:१५	२६	बुध	१२:२२	१३:५९:	२६	शनि	०९:११	१०:४२
२७	सोम	०७:२१	०९:०३	२७	गुरु	१३:५८	१५:३५:	२७	रवि	१६:४१	१८:११
२८	मंगल	१५:५०	१७:३२	२८	शुक्र	१०:४५	१२:२१:	२८	सोम	०७:४२	०९:१२
२९	बुध	१२:२७	१४:०८	२९	शनि	०९:०९	१०:४५:	२९	मंगल	१५:१०	१६:३९
३०	गुरु	१४:०८	१५:५०	३०	रवि	१७:०८	१८:४४:	३०	बुध	१२:१०	१३:४०
३१	शुक्र	१०:४५	१२:२७	३१	सोम	०७:३४	०९:०९:				

विक्रम सम्वत् २०७७, ईश्वीय सन् २०२०–२१ दैनिक राहुकाल सारिणी (नई दिल्ली), (भा. स्टैं० टा. घण्टा/मिनट)

अक्टूबर २०२०

दिनाङ्क	वार	प्रारम्भ	समाप्ति
१	गुरु	१३:३६	१५:०८
२	शुक्र	१०:४१	१२:१०
३	शनि	०६:१२	१०:४१
४	रवि	१६:३४	१८:०३
५	सोम	०७:४४	०६:१२
६	मंगल	१५:०४	१६:३२
७	बुध	१२:०८	१३:३६
८	गुरु	१३:३५	१५:०३
९	शुक्र	१०:४०	१२:०८
१०	शनि	०६:१३	१०:४०
११	रवि	१६:२८	१७:५५
१२	सोम	०७:४७	०६:१३
१३	मंगल	१५:००	१६:२६
१४	बुध	१२:०६	१३:३३
१५	गुरु	१३:३२	१४:५८
१६	शुक्र	१०:४०	१२:०६
१७	शनि	०६:१४	१०:४०
१८	रवि	१६:२२	१७:४८
१९	सोम	०७:५०	०६:१५
२०	मंगल	१४:५५	१६:२१
२१	बुध	१२:०५	१३:३०
२२	गुरु	१३:३०	१४:५४
२३	शुक्र	१०:४०	१२:०५
२४	शनि	०६:१६	१०:४०
२५	रवि	१६:१८	१७:४२
२६	सोम	०७:५२	०६:१६
२७	मंगल	१४:५२	१६:१६
२८	बुध	१२:०४	१३:२८
२९	गुरु	१३:२८	१४:५१
३०	शुक्र	१०:४१	१२:०४
३१	शनि	०६:१८	१०:४१

नवम्बर २०२०

दिनाङ्क	वार	प्रारम्भ	समाप्ति
१	रवि	१६:१३	१७:३६
२	सोम	०७:५६	०६:१६
३	मंगल	१४:४६	१६:१२
४	बुध	१२:०४	१३:२७
५	गुरु	१३:२६	१४:४६
६	शुक्र	१०:४२	१२:०४
७	शनि	०६:२१	१०:४२
८	रवि	१६:०६	१७:३१
९	सोम	०८:००	०६:२१
१०	मंगल	१४:४७	१६:०८
११	बुध	१२:०५	१३:२६
१२	गुरु	१३:२६	१४:४७
१३	शुक्र	१०:४४	१२:०५
१४	शनि	०६:२४	१०:४४
१५	रवि	१६:०७	१७:२७
१६	सोम	०८:०४	०६:२५
१७	मंगल	१४:४६	१६:०६
१८	बुध	१२:०६	१३:२६
१९	गुरु	१३:२६	१४:४६
२०	शुक्र	१०:४६	१२:०६
२१	शनि	०६:२७	१०:४७
२२	रवि	१६:०५	१७:२५
२३	सोम	०८:०६	०६:२८
२४	मंगल	१४:४६	१६:०५
२५	बुध	१२:०७	१३:२७
२६	गुरु	१३:२७	१४:४६
२७	शुक्र	१०:४६	१२:०८
२८	शनि	०६:३१	१०:५०
२९	रवि	१६:०५	१७:२३
३०	सोम	०८:१३	०६:३२

दिसम्बर २०२०

दिनाङ्क	वार	प्रारम्भ	समाप्ति
१	मंगल	१४:४६	१६:०५
२	बुध	१२:१०	१३:२८
३	गुरु	१३:२८	१४:४७
४	शुक्र	१०:५२	१२:११:
५	शनि	०६:३५	१०:५३
६	रवि	१६:०५	१७:२३
७	सोम	०८:१८	०६:३६
८	मंगल	१४:४८	१६:०६
९	बुध	१२:१३	१३:३१:
१०	गुरु	१३:३१	१४:४६
११	शुक्र	१०:५६	१२:१४:
१२	शनि	०६:३६	१०:५७
१३	रवि	१६:०७	१७:२५
१४	सोम	०८:२३	०६:४०
१५	मंगल	१४:५१	१६:०८
१६	बुध	१२:१६	१३:३३
१७	गुरु	१३:३४	१४:५१
१८	शुक्र	११:००	१२:१७
१९	शनि	०६:४३	११:००
२०	रवि	१६:१०	१७:२७
२१	सोम	०८:२६	०६:४४
२२	मंगल	१४:५४	१६:११
२३	बुध	१२:१६	१३:३७
२४	गुरु	१३:३७	१४:५५
२५	शुक्र	११:०३	१२:२०
२६	शनि	०६:४६	११:०४
२७	रवि	१६:१४	१७:३१
२८	सोम	०८:३०	०६:४७
२९	मंगल	१४:५७	१६:१५
३०	बुध	१२:२३	१३:४०
३१	गुरु	१३:४१	१४:५६

विक्रम सम्वत् २०७७, ईश्वीय सन् २०२०—२१ दैनिक राहुकाल सारिणी (नई दिल्ली), (मा. स्टैं० टा. घण्टा/मिनट)

जनवरी २०२१				फरवरी २०२१				मार्च २०२१			
दिनाङ्क	वार	प्रारम्भ	समाप्ति	दिनाङ्क	वार	प्रारम्भ	समाप्ति	दिनाङ्क	वार	प्रारम्भ	समाप्ति
१	शुक्र	११:०६	१२:२४	१	सोम	०८:३१	०९:५२	१	सोम	०८:१४	०९:४०
२	शनि	०९:४६	११:०७	२	मंगल	१५:१७	१६:३८	२	मंगल	१५:२७	१६:५४
३	रवि	१६:१८	१७:३६	३	बुध	१२:३५	१३:५६	३	बुध	१२:३३	१४:००
४	सोम	०८:३२	०९:५०	४	गुरु	१३:५६	१५:१८	४	गुरु	१४:००	१५:२७
५	मंगल	१५:०१	१६:१९	५	शुक्र	११:१३	१२:३५	५	शुक्र	११:०५	१२:३३
६	बुध	१२:२६	१३:४४	६	शनि	०९:५१	११:१३:	६	शनि	०९:३७	११:०५
७	गुरु	१३:४५	१५:०३	७	रवि	१६:४२	१८:०४	७	रवि	१६:५६	१८:२४
८	शुक्र	११:०९	१२:२७	८	सोम	०८:२८	०९:५०	८	सोम	०८:०८	०९:३६
९	शनि	०९:५१	११:०९:	९	मंगल	१५:२०	१६:४३	९	मंगल	१५:२८	१६:५६
१०	रवि	१६:२३	१७:४१	१०	बुध	१२:३५	१३:५८	१०	बुध	१२:३१	१४:००
११	सोम	०८:३३	०९:५२	११	गुरु	१३:५८	१५:२१	११	गुरु	१४:००	१५:२९
१२	मंगल	१५:०६	१६:२४	१२	शुक्र	११:१२	१२:३५	१२	शुक्र	११:०२	१२:३१
१३	बुध	१२:२९	१३:४८	१३	शनि	०९:४८	११:१२	१३	शनि	०९:३२	११:०१
१४	गुरु	१३:४८	१५:०७	१४	रवि	१६:४६	१८:०९	१४	रवि	१६:५८	१८:२८
१५	शुक्र	११:११	१२:३०	१५	सोम	०८:२४	०९:४८	१५	सोम	०८:०१	०९:३१
१६	शनि	०९:५३	११:११	१६	मंगल	१५:२३	१६:४७	१६	मंगल	१५:२९	१६:५९
१७	रवि	१६:२८	१७:४७	१७	बुध	१२:३५	१३:५९	१७	बुध	१२:२९	१३:५९
१८	सोम	०८:३४	०९:५३	१८	गुरु	१३:५९	१५:२३	१८	गुरु	१३:५९	१५:३०
१९	मंगल	१५:१०	१६:२९	१९	शुक्र	११:१०	१२:३५	१९	शुक्र	१०:५८	१२:२९
२०	बुध	१२:३२	१३:५१	२०	शनि	०९:४५	११:१०	२०	शनि	०९:२७	१०:५७
२१	गुरु	१३:५१	१५:११	२१	रवि	१६:४९	१८:१४	२१	रवि	१७:०१	१८:३२
२२	शुक्र	११:१३	१२:३२	२२	सोम	०८:१९	०९:४४	२२	सोम	०७:५४	०९:२५
२३	शनि	०९:५३	११:१३	२३	मंगल	१५:२५	१६:५०	२३	मंगल	१५:३०	१७:०२
२४	रवि	१६:३२	१७:५२	२४	बुध	१२:३४	१४:००	२४	बुध	१२:२७	१३:५९
२५	सोम	०८:३३	०९:५३	२५	गुरु	१४:००	१५:२६	२५	गुरु	१३:५९	१५:३१
२६	मंगल	१५:१४	१६:३४	२६	शुक्र	११:०८	१२:३४	२६	शुक्र	१०:५४	१२:२७
२७	बुध	१२:३३	१३:५४	२७	शनि	०९:४१	११:०८	२७	शनि	०९:२१	१०:५४
२८	गुरु	१३:५४	१५:१५	२८	रवि	१६:५३	१८:१९	२८	रवि	१७:०४	१८:३६
२९	शुक्र	११:१३	१२:३४					२९	सोम	०७:४७	०९:२०
३०	शनि	०९:५२	११:१३					३०	मंगल	१५:३१	१७:०४
३१	रवि	१६:३७	१७:५४					३१	बुध	१२:२५	१३:५८

* क्रान्ति सारिणी *

दिनांक	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	३०	३१
जनवरी	२३	२२	२२	२२	२२	२२	२२	२२	२२	२२	२१	२१	२१	२१	२१	२०	२०	२०	२०	२०	१९	१९	१९	१९	१९	१८	१८	१८	१८	१७	१७
+	२	५७	५१	४५	३९	३२	२४	१७	९	००	५१	४१	३१	२१	१०	५९	४८	३६	२४	११	५८	४४	३०	१६	२	४७	३२	१६	००	४४	२७
फरवरी	१७	१६	१६	१६	१६	१५	१५	१५	१४	१४	१४	१३	१३	१३	१२	१२	१२	११	११	११	१०	१०	९	९	९	८	८	८	७	×	×
+	११	५३	३६	१८	००	४२	२३	५	४६	२६	७	४७	२७	७	४६	२६	५	४४	२२	१	३९	१८	५६	३४	११	४९	२७	४	५२	×	×
मार्च	७	७	६	६	६	५	५	५	४	४	३	३	३	२	२	१	१	१	०	+ ०	-०	०	०	१	१	२	२	२	३	३	४
+	४१	१८	५५	३२	९	४६	२३	०	३६	१३	४९	२६	२	३८	१५	५१	२७	४	४१	१६	८	३१	५५	१९	४२	६	२९	५३	१६	४०	३
अप्रैल	४	४	५	५	५	६	६	७	७	७	८	८	८	९	९	१०	१०	१०	११	११	११	१२	१२	१२	१३	१३	१३	१४	१४	१४	×
	२६	४९	१२	३५	५८	२१	४४	६	२८	५१	१३	३५	५७	१९	४०	२	२३	४४	५	२५	४६	६	२६	४६	६	२६	४५	४	२३	४१	×
मई	१५	१५	१५	१५	१६	१६	१६	१७	१७	१७	१७	१८	१८	१८	१८	१९	१९	१९	१९	१९	२०	२०	२०	२०	२०	२१	२१	२१	२१	२१	२१
-	०	१८	३६	५३	११	२८	४४	१	१७	३३	४९	४	१९	३४	४८	२	१६	२९	४३	५५	८	२०	३२	४३	५४	५	१५	२५	३५	४१	५३
जून	२२	२२	२२	२२	२२	२२	२२	२२	२२	२३	२३	२३	२३	२३	२३	२३	२३	२३	२३	२३	२३	२३	२३	२३	२३	२३	२३	२३	२३	२३	×
-	१	९	१७	२४	३१	३८	४४	४९	५५	०	४	८	१२	१५	१८	२०	२२	२४	२५	२६	२७	२७	२६	२५	२४	२२	२०	१८	१५	११	×
जुलाई	२३	२३	२२	२२	२२	२२	२२	२२	२२	२२	२२	२२	२१	२१	२१	२१	२१	२१	२०	२०	२०	२०	२०	१९	१९	१९	१९	१९	१८	१८	१८
-	८	४	५९	५४	४९	४३	३७	३१	२४	१६	९	१	५२	४३	३४	२५	१५	५	५४	४३	३२	२०	८	५६	४३	३०	१७	३	४९	३५	२०
अगस्त	१८	१७	१७	१७	१७	१६	१६	१६	१५	१५	१५	१५	१४	१४	१४	१३	१३	१३	१२	१२	१२	११	११	११	१०	१०	१०	९	९	९	८
-	५	५०	३५	१९	३	४७	३०	१३	५६	३९	२१	३	४५	२७	८	४०	३१	११	५२	३२	१३	५३	३२	१२	५१	३१	१०	४९	२७	६	४५
सितम्बर	८	८	७	७	६	६	६	५	५	५	४	४	३	३	३	२	२	१	१	१	०	-०	+०	०	०	१	१	१	२	२	×
-	२३	१	३९	१७	५५	३३	१०	४८	२५	८	४०	१७	५४	३१	८	४५	२२	५९	३५	१२	४९	२५	२	२१	४५	८	३१	५५	१८	४१	×
अक्टूबर	३	३	३	४	४	५	५	५	६	६	६	७	७	८	८	८	९	९	९	१०	१०	१०	११	११	१२	१२	१२	१३	१३	१३	१४
+	५	२८	५१	१४	३८	१	२४	४७	९	३२	५५	१८	४०	३	२५	४७	९	३१	५३	१४	३६	५७	१८	३९	००	२१	४१	२	२२	४१	१
नवम्बर	१४	१४	१४	१५	१५	१५	१६	१६	१६	१७	१७	१७	१७	१८	१८	१८	१८	१९	१९	१९	१९	२०	२०	२०	२०	२०	२१	२१	२१	२१	×
+	२०	४०	५९	१७	३६	५४	१२	२९	४७	४	२१	३७	५३	९	२५	४०	५५	१०	२४	३८	५१	४	१७	३०	४२	५३	५	१५	२६	३६	×
दिसम्बर	२१	२१	२२	२२	२२	२२	२२	२२	२२	२२	२२	२३	२३	२३	२३	२३	२३	२३	२३	२३	२३	२३	२३	२३	२३	२३	२३	२३	२३	२३	२३
+	४६	५५	४	१२	२०	२८	३५	४१	४८	५३	५९	४	८	१२	१५	१८	२१	२३	२५	२६	२६	२७	२६	२६	२४	२३	२१	१८	१५	११	७

नोट : रवि क्रान्ति २१ मार्च से २२ सितम्बर तक उत्तरा (-) तथा २३ सितम्बर से २० मार्च तक दक्षिणा (+) होती है। क्रान्ति अंश और कला में हैं।

* चर सारिणी *

क्रान्त्यंश →	२		४		६		८		१०		१२		१४		१६		१८		२०		२२		२४	
अक्षांश ↓	मि.	से.	मि.	से.	मि.	से.	मि.	से.	मि.	से.	मि.	से.	मि.	से.	मि.	से.	मि.	से.	मि.	से.	मि.	से.	मि.	से.
२	०	१७	०	३४	०	५०	१	०७	१	२४	१	४२	२	००	२	१८	२	३६	२	५४	३	१४	३	३४
४	०	३४	१	०७	१	४२	२	१५	२	५०	३	२४	४	००	४	३६	५	१२	५	५०	६	२९	७	०८
६	०	५०	१	४२	२	३२	३	२३	४	१५	५	०७	६	००	६	५४	७	५०	८	४६	९	४४	१०	४४
८	१	०७	२	१५	३	२३	४	३२	५	४१	६	५१	८	०२	९	१४	१०	२८	११	४४	१३	०१	१४	२१
९	१	१६	२	३२	३	४९	५	०६	६	२४	७	४३	९	०१	१०	२५	११	४८	१३	१३	१४	५१	१६	१०
१०	१	२४	२	४९	४	१४	५	४१	७	०८	८	३६	१०	०५	११	३६	१३	०८	१४	४३	१६	२०	१८	०१
११	१	३३	३	०७	४	४१	६	१६	७	५१	९	२८	११	०६	१२	४७	१४	२९	१६	१३	१८	००	१९	५२
१२	१	४२	३	२४	५	०७	६	५१	८	३६	१०	२१	१२	०९	१४	००	१५	५०	१७	४५	१९	४२	२१	४३
१३	१	५०	३	४२	५	३४	७	२६	९	२०	११	१५	१३	१२	१५	११	१७	१२	१९	१७	२१	२५	२३	३६
१४	२	००	४	००	६	००	८	०२	१०	०५	१२	०९	१४	१५	१६	२४	१८	३५	२०	५०	२३	०८	२५	३०
१५	२	०९	४	१८	६	२७	८	३८	१०	५०	१३	०४	१५	१९	१७	३८	१९	५९	२२	२३	२४	५२	२७	२४
१६	२	१८	४	३६	६	५४	९	१४	११	३६	१३	५९	१६	२४	१८	५२	२१	२३	२३	५८	२६	३७	२९	२०
१७	२	२६	४	५४	७	२२	९	५१	१२	२२	१४	५४	१७	२९	२०	०७	२२	४८	२५	३३	२८	२३	३१	१८
१८	२	३६	५	१२	७	५०	१०	२८	१३	०८	१५	५०	१८	३५	२१	२३	२४	१४	२७	१०	३०	१०	३३	१६
१९	२	४५	५	३१	८	१८	११	०६	१३	५५	१६	४७	१९	४२	२२	४०	२५	४२	२८	४८	३१	५९	३५	१६
२०	२	५४	५	५०	८	४६	११	४३	१४	४३	१७	४५	२०	५०	२३	५८	२७	१०	३०	२७	३३	४९	३७	१८
२१	३	०४	६	०९	९	१५	१२	२२	१५	३१	१८	४३	२१	५८	२५	१७	२८	४०	३२	०७	३५	४१	३९	४२
२२	३	१४	६	२८	९	४४	१३	०१	१६	२०	१९	४२	२३	०८	२६	३६	३०	१०	३२	४९	३७	३५	४१	२७
२३	३	२४	६	४८	१०	१४	१३	४१	१७	१०	२०	४२	२४	१८	२७	५७	३१	४३	३५	३३	३९	३०	४३	३४
२४	३	३४	७	०८	१०	४४	१४	२१	१८	०१	२१	४३	२५	३०	२९	२०	३३	१६	३७	१८	४१	२७	४५	४४
२५	३	४४	७	२८	११	१४	१५	०२	१८	५२	२२	४५	२६	४२	३०	४४	३४	५२	३९	०५	४३	२६	४७	५६
२६	३	५४	७	४९	११	४५	११	४३	१९	४४	२३	४८	२७	५६	३२	०९	३६	२८	४०	५४	४५	२८	५०	१०
२७	४	०४	८	१०	१२	१७	१६	२६	२०	३६	२४	५२	२९	१२	३३	३६	३८	०७	४२	४५	४७	३१	५२	२७
२८	४	१५	८	३१	१२	४९	१७	०९	२१	३१	२५	५७	३०	२८	३५	०५	३९	४८	४४	३८	४९	३७	५४	४७
२९	४	२६	८	५३	१३	२२	१७	५२	२२	२६	२७	०४	३१	४७	३६	३५	४१	३०	४६	३३	५१	४५	५७	०९
३०	४	३७	९	१५	१३	५५	१८	३७	२३	२२	२८	१२	३३	०६	३८	०७	४३	१५	४८	३१	५३	५७	५९	३५
३१	४	४९	९	३८	१४	२९	१९	२३	२४	२०	२९	२१	३४	२८	३९	४१	४५	०२	५०	३२	५६	१२	६२	०४
३३	५	१२	१०	२५	१५	३९	२०	५७	२६	१८	३१	४४	३७	१६	४२	५६	४८	४४	५४	४१	६०	५१	६७	०३
३५	५	३६	११	१४	१६	५३	२२	३७	२८	२२	३४	१४	४०	१३	४६	२०	५२	३६	५९	०४	६५	४४	७२	४०
४०	६	४३	१३	२७	२०	१४	२७	०५	३४	०२	४१	०६	४८	१८	५५	४१	६३	१७	७१	०८	७९	१६	८७	४५
४५	८	०१	१६	०२	२४	०८	३२	१८	४०	३७	४९	०५	४७	४५	६६	३९	७५	५०	८५	२२	९५	१९	१०५	४५
५०	९	३२	१९	०७	२८	४६	३८	३४	४८	३१	५८	४२	६९	०९	७९	५६	९१	०८	१०२	५०	११५	०८	१२८	११
५५	११	२६	२२	५६	३४	३२	४६	११	५८	२०	७०	४१	८३	२६	९६	४२	११०	३५	१२५	१७	१४०	५८	१५७	५६
१३ ४'	१	४४	३	५४	५	५१	७	५०	९	५०	११	५१	१३	५४	१६	००	१८	०८	२०	१९	२२	३३	२४	५२
१८ ५५'	२	४५	५	३०	८	१५	११	०३	१३	५१	१६	४३	१९	३६	२२	३३	२५	३४	२८	४०	३१	५०	३५	०६
२२ ३४'	३	२०	५	४०	१०	०१	१३	२४	१६	४८	२०	१६	२३	४७	२७	२३	३१	०२	३४	४८	३८	४०	४२	३९
२८ ३८'	४	२२	८	४५	१३	१०	१७	३६	२२	०६	२६	४९	३१	१८	३६	०२	४०	३१	४५	५१	५०	५८	५६	१६

✱ वेलान्तर सारिणी ✱

दिनांक	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	३०	३१
जनवरी	०३	४	४	४	५	५	६	६	७	७	७	८	८	८	९	९	१०	१०	१०	१०	११	११	११	१२	१२	१२	१२	१२	१३	१३	१३
–	३२	००	२८	४५	२२	४५	९	३४	०	२४	४८	११	३५	५७	१९	३९	००	१९	३८	५६	१४	३०	४७	०२	१७	३०	४३	५८	६	१६	२६
फरवरी	१३	१३	१३	१३	१४	१४	१४	१४	१४	१४	१४	१४	१४	१४	१४	१४	१४	१४	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१२	१२	१२	×	×
–	३०	४०	५०	५६	१	५	९	१२	१४	१५	१६	१५	१५	१३	११	८	४	०	५५	४९	४२	३४	२७	१९	१०	००	५१	४०	३४	×	×
मार्च	१२	१२	१२	११	११	११	११	१०	१०	१०	१०	९	९	९	९	८	८	८	७	७	७	७	६	६	६	५	५	५	४	४	४
–	२९	१७	५	५२	३९	२५	११	५६	४१	२५	१०	५४	३८	२१	५	४८	३१	१३	५६	३८	२१	०३	४५	२७	९	५१	३३	१४	५६	३८	२०
अप्रैल	४	३	३	३	२	२	२	२	१	१	१	०	०	–०	+०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	×
–	२	४२	२६	८	५१	३४	१७	०	४३	२६	१०	५४	३८	२४	९	१४	२०	३३	४७	०	१३	२४	३६	४७	५८	८	१८	२७	३६	४४	×
मई	२	२	३	३	३	३	३	३	३	३	३	३	३	३	३	३	३	३	३	३	३	३	३	३	३	३	२	२	२	२	२
+	५२	५९	६	१२	१८	२२	२७	३१	३५	३८	४०	४२	४३	४३	४३	४२	४१	३९	३७	३३	३०	२६	२२	१६	११	४	५८	५१	४४	३५	२७
जून	२	२	२	१	१	१	१	१	०	०	०	०	०	+०	–०	०	०	०	१	१	१	१	२	२	२	२	२	३	३	३	×
+	११	१०	०	५०	४०	२९	१९	७	५६	४४	३२	२०	८	१३	१७	३०	४३	५६	९	२२	३६	४९	२	१५	२८	४०	५३	६	१८	३०	×
जुलाई	३	३	४	४	४	४	४	४	५	५	५	५	५	५	५	५	६	६	६	६	६	६	६	६	६	६	६	६	६	६	६
–	४२	५३	४	१५	२६	३६	४६	५६	५	१३	२२	३०	३७	४४	५१	५७	२	७	१२	१६	२०	२३	२५	२६	२८	२८	२८	२७	२७	२५	२२
अगस्त	६	६	६	६	५	५	५	५	५	५	५	५	४	४	४	४	४	३	३	३	३	२	२	२	२	१	१	१	१	०	०
–	१८	१४	१०	४	५९	५२	४६	३९	३१	२२	१३	३	५३	४२	३१	१९	७	५४	४१	२७	१३	५८	४३	१७	१२	५५	३८	२०	३	४५	२७
सितम्बर	०	०	०	०	१	१	१	२	२	२	३	३	३	४	४	५	५	५	६	६	६	७	७	९	८	८	८	९	९	९	×
+	०८	१९	३१	५१	१०	३०	५१	११	३२	५३	१४	३५	५६	१७	३८	०	२१	४२	३	२४	४६	०७	२८	४९	९	३०	५१	११	३१	५१	×
अक्टूबर	१०	१०	१०	११	११	११	१२	१२	१२	१२	१३	१३	१३	१३	१४	१४	१४	१४	१४	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१६	१६	१६	१६	१६
+	११	३०	४९	७	२६	४४	२	१९	३६	५२	८	२३	३८	५२	६	१९	३२	४३	५५	००	१६	२५	३४	४२	५०	५६	३	८	१३	१७	२०
नवम्बर	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१४	१४	१४	१४	१३	१३	१३	१३	१२	१२	१२	११	११	×
+	२२	२४	२५	२४	२४	२२	१९	१६	१२	६	००	५३	४६	२८	२८	१७	६	५४	४१	२७	१३	५७	४२	२५	८	४९	३०	१०	५०	२९	×
दिसम्बर	११	१०	१०	९	९	९	८	८	७	७	६	६	६	५	५	४	४	३	३	२	२	१	१	०	+०	–०	०	१	१	२	२
+	८	४५	२२	५८	३४	९	४४	१७	५१	२४	५७	२९	१	३२	०	३४	५	३६	३	३७	७	३७	७	३९	७	२९	५२	२२	५१	२०	४९

नोट : २६ दिसम्बर से १४ अप्रैल तक तथा १५ जून से ३१ अगस्त तक वेलान्तर ऋण (–) १५ अप्रैल से १४ जून तक तथा १ सितम्बर से २५ दिसम्बर तक वेलान्तर धन (+) होता है। वेलान्तर मिनट एवं सेकेण्ड में हैं।

✱ स्पष्टान्तर सारिणी ✱

मास	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	३०	३१
जनवरी (-)	२४ २४	२४ ५६	२५ १९	२५ ४६	२६ १३	२६ ३९	२७ ०५	२७ ३०	२७ ५६	२८ २०	२८ ४४	२९ ०८	२९ ३१	२९ ५३	३० १५	३० २६	३० ५७	३१ १७	३१ ३६	३१ ५५	३२ १२	३२ ३०	३२ ४६	३३ ०२	३३ १७	३३ ३१	३३ ४५	३३ ५७	३४ ०९	३४ २०	३४ ३१
फरवरी (-)	३४ ४०	३४ ४९	३५ ५७	३५ ०४	३५ १०	३५ १५	३५ २०	३५ २४	३५ २७	३५ २९	३५ ३०	३५ ३१	३५ ३०	३५ २९	३५ २८	३५ २५	३५ २२	३५ १७	३५ १३	३५ ०७	३५ ०१	३४ ५४	३४ ४६	३४ ३७	३४ २६	३४ १९	३४ ०८	३३ ५७	३३ ५०		
मार्च (-)	३३ ४६	३३ ३४	३३ २१	३३ ०८	३२ ५४	३२ ४०	३२ २६	३२ ११	३१ ५५	३१ ३९	३१ २३	३१ ०६	३० ४९	३० ३२	३० १५	२९ ५७	२९ ३९	२९ २०	२९ ०२	२८ ४४	२८ २५	२८ ०६	२७ ४७	२७ २८	२७ ०९	२६ ५०	२६ ३१	२६ १२	२६ ५३	२५ ३४	३५ १६
अप्रैल (-)	२४ ५७	२४ ३८	२४ २०	२४ ०२	२३ ४४	२३ २७	२३ ०९	२२ ५२	२२ ३५	२२ १९	२१ ५८	२१ ४३	२१ २७	२१ १२	२० ५८	२० ४३	२० ३०	२० १६	२० ०३	१९ ५१	१९ ३९	१९ २७	१९ १७	१९ ०६	१८ ५६	१८ ४७	१८ ३८	१८ २९	१८ २२	१८ १४	
मई (-)	१८ ०८	१८ ०२	१७ ५६	१७ ५१	१७ ४७	१७ ४३	१७ ३९	१७ ३७	१७ ३५	१७ ३३	१७ ३२	१७ ३१	१७ ३१	१७ ३२	१७ ३३	१७ ३५	१७ ३७	१७ ४०	१७ ४३	१७ ४७	१७ ५१	१७ ५६	१८ ०१	१८ ०७	१८ १३	१८ १९	१८ २६	१८ ३३	१८ ४१	१८ ४९	१८ ५८
जून (-)	१९ ०७	१९ १९	१९ २९	१९ ३५	१९ ४६	१९ ५६	२० ०७	२० १७	२० २९	२० ४०	२० ५१	२१ ०३	२१ १५	२१ २७	२१ ३९	२१ ५१	२२ ०३	२२ १५	२२ २८	२२ ४०	२२ ५२	२३ ०४	२३ १६	२३ २९	२३ ४१	२३ ५२	२४ ०४	२४ १६	२४ २७	२४ ३८	
जुलाई (-)	२४ ५०	२५ ००	२५ ११	२५ २१	२५ ३१	२५ ४१	२५ ५१	२६ ००	२६ ०८	२६ १७	२६ २५	२६ ३३	२६ ४०	२६ ४७	२६ ५३	२६ ५९	२७ ०४	२७ ०९	२७ १४	२७ १८	२७ २१	२७ २४	२७ २७	२७ २९	२७ ३०	२७ ३१	२७ ३१	२७ ३१	२७ ३०	२७ २९	२७ २७
अगस्त (-)	२७ २४	२७ २१	२७ १७	२७ १३	२७ ०८	२७ ०२	२६ ५६	२५ ४९	२६ ४२	२६ ३४	२६ २५	२६ १६	२६ ०६	२५ ५६	२५ ४५	२५ ३४	२५ २२	२५ ०९	२४ ५६	२४ ४२	२४ २८	२४ १४	२३ ५८	२३ ४३	२३ २७	२३ १०	२२ ५३	२२ ३६	२२ १८	२१ ५९	२१ ४१
सितम्बर (-)	२१ २२	२१ ०२	२० ४३	२० २३	२० ०२	१९ ४२	१९ २१	१९ ००	१८ ३८	१८ १७	१७ ५५	१७ ३३	१७ ११	१६ ४९	१६ २७	१६ ०५	१५ ४३	१५ २०	१४ ५८	१४ ३६	१४ १४	१३ ५१	१३ २९	१३ ०८	१२ ४६	१२ २४	१२ ०३	११ ४२	११ २१	११ ००	
अक्टूबर (-)	१० ४०	१० २०	१० ००	०९ ४१	०९ २२	०९ ०४	०८ ४६	०८ २८	०८ ११	०७ ५४	०७ ३८	०७ २३	०७ ०८	०६ ५४	०६ ४०	०६ २७	०६ १४	०६ ०२	०५ ५१	०५ ४१	०५ ३१	०५ २२	०५ १३	०५ ०६	०४ ५९	०४ ५३	०४ ४८	०४ ४३	०४ ४०	०४ ३७	०४ ३५
नवम्बर (-)	०४ ३३	०४ ३३	०४ ३४	०४ ३५	०४ ३७	०४ ४०	०४ ४४	०४ ४८	०४ ५४	०५ ००	०५ ०८	०५ १६	०५ २५	०५ ३४	०५ ४५	०५ ५६	०६ ०८	०६ २१	०६ ३५	०६ ५०	०७ ०५	०७ २१	०७ ३८	०७ ५५	०८ १४	०८ ३२	०८ ५२	०९ १२	०९ ३३	०९ ३५	
दिसम्बर (-)	१० १७	१० ४०	११ ०३	११ २७	११ ५१	१२ १६	१२ ४१	१३ ०७	१३ ३३	१३ ५९	१४ २६	१४ ५३	१५ २१	१५ ४९	१६ १७	१६ ४५	१७ १४	१७ ४२	१८ ११	१८ ४०	१९ ०९	१९ ३८	२० ०७	२० ३६	२१ ०५	२१ ३४	२२ ०३	२२ ३१	२३ ००	२३ २८	२३ ५६

स्पष्टान्तर संस्कार का प्रयोग स्थानीय (लोकल) समय को मानक (स्टैण्डर्ड) में, तथा मानक समय को स्थानीय समय में बदलने के लिए किया जाता है। यदि स्पष्टान्तर ऋणात्मक (–) हो तो धन (+) और धनात्मक (+) हो तो ऋण (–) अर्थात् विपरीत संस्कार स्थानीय समय में करने से स्थानीय समय मानक समय में बदल जाता है। तथा मानक समय को स्थानीय समय में बदलने के लिए ऋण हो तो ऋण एवं धन हो तो धन यथावत् संस्कार किया जाता है। दिल्ली का स्पष्टान्तर सभी महीनों में ऋणात्मक (–) है।

ग्रहण-विवरण विक्रम संवत् २०७७

विक्रम संवत् २०७७ (२५ मार्च २०२० से १२ अप्रैल २०२१ तक) वर्ष भर सम्पूर्ण विश्व में दो ग्रहण घटित होंगे।

(१.) कंकण सूर्यग्रहण (२१ जून २०२० ई. रविवार)

(२.) खग्रास सूर्यग्रहण (१४ दिसम्बर २०२० ई. सोमवार)

विक्रम संवत् २०७७ में दो सूर्य ग्रहण घटित होंगे। इसके अतिरिक्त पृथ्वी पर कोई ग्रहण नहीं होगें। किन्तु तीन उपच्छाया चन्द्रग्रहण आकाश में दृष्टिगोचर होंगे।

प्रथम उपच्छाया चन्द्रग्रहण ज्येष्ठ शुक्ल पूर्णिमा तदनुसार ५/६ जून २०२० ई. शुक्रवार को भारत में दृष्टिगोचर होगा। द्वितीय उपच्छाया चन्द्रग्रहण आषाढ़ शुक्ल पूर्णिमा तदनुसार ५ जुलाई २०२० ई. को भारत में दृष्टिगोचर नहीं होगा। तृतीय उपच्छाया चन्द्रग्रहण कार्तिक शुक्ल पूर्णिमा तदनुसार ३० नवम्बर २०२० ई. को भारत के उत्तर पूर्वीय एवं मध्य पूर्वीय भूभाग पर आकाश में दृष्टिगोचर होगा शेष भारत के अन्य भूभाग पर नहीं दिखाई देगा।

उपच्छाया ग्रहण को ज्योतिषशास्त्र में ग्रहण की संज्ञा नहीं दी गई है अतः इन उपच्छाया चन्द्रग्रहणों का यहाँ विवरण सहित उल्लेख नहीं किया है। अस्तु।

खग्रास सूर्य ग्रहण (१४/१५ दिसम्बर २०२० ई., सोमवार) यह ग्रहण सूर्य की स्थितिवशात् भारत देश में नहीं दिखाई देगा। यह खग्रास सूर्यग्रहण मार्गशीर्ष अमावस, सोमवार तदनुसार १४ दिसम्बर २०२० ई., को सायंकाल भारतीय मानक समयानुसार १९ बजकर ०२ मिनट रात्रि में प्रारम्भ होकर २४ बजकर २४ मिनट तक पृथ्वी पर दिखाई देगा।

भारत में कंकण सूर्य ग्रहण ही दृश्य होगा। इसका विवरण इस प्रकार है।

कंकण सूर्य ग्रहण २१ जून २०२० ई. तदनुसार आषाढ़ अमावस रविवार को पड़ेगा। इस ग्रहण की कंकणाकृति प्रातः काल से दोपहर तक सम्पूर्ण भारत वर्ष में खण्डग्रास के रूप में ही दिखाई देगी। इस ग्रहण की कंकणाकृति उत्तरी राजस्थान, हरियाणा के उत्तरीभाग एवं उत्तराखण्ड राज्य के उत्तरी भूभाग क्षेत्रों में दृष्टिगोचर होगी। भारत के अतिरिक्त यह ग्रहण अफ्रीका के अधिकतर दक्षिणी देशों को छोड़कर, दक्षिणी पूर्वी-यूरोप, न्यू-गियाना, फिजी, ऑस्ट्रेलिया के उत्तरी क्षेत्रों, प्रशान्त एवं हिन्दमहासागर, मध्यपूर्वी एशिया (पाकिस्तान, मध्य-दक्षिणी चीन अफगानिस्तान, बर्मा, फिलीपीन्स आदि) में दिखाई देगा।

कंकणग्रहण का भारतीय मानक समयानुसार दिल्ली प्रदेश में विवरण इस प्रकार से है-

ग्रहण स्पर्श काल	१० बजकर १९ मिनट
ग्रहण मध्य काल	१२ बजकर ०४ मिनट
गहण मोक्ष काल	१३ बजकर ४९ मिनट

भारत के प्रत्येक शहर में इसे अलग-अलग समय पर खण्डग्रास के रूप में देखा जा सकेगा। भारत के उत्तरी भूभाग में सूर्य ग्रहण का कंकणाकृति एवं ग्रास मान मध्य भारत तथा दक्षिण भारत की अपेक्षा अधिक होगा। उत्तरोत्तर दक्षिण भूभाग की ओर कंकणाकृति एवं ग्रास मान कम होता जाएगा।

ग्रहण का सूतक काल

दिल्ली में इस ग्रहण का सूतक २० जून २०२० ई., की रात्रि २२ बजकर १९ मिनट से प्रारम्भ हो जाएगा। यह कंकण ग्रहण रविवार को घटित हो रहा है। अतः इस ग्रहण को चूड़ामणि सूर्य ग्रहण की संज्ञा से शास्त्रों में कहा गया है और इस ग्रहण के सूतक समय एवं ग्रहण काल में स्नान-दान-जाप-पाठ आदि का माहात्म्य बहुत माना गया है। इस दिन तीर्थों में स्नानादि करने से विशेष पुण्य फल प्राप्त होता है।

ग्रहण का राशि फल–

यह ग्रहण मृगशिरा तथा आर्द्रा नक्षत्र एवं मिथुन राशि में घटित होगा। अतः इन राशि एवं नक्षत्र में उत्पन्न जातकों के लिए कष्ट प्रद रहेगा। अत एव इन राशि एवं नक्षत्रों के जातकों को ग्रहण के समय-सूर्य के मन्त्र एवं स्तोत्रों का पाठ, सूर्य के लिए शास्त्रोक्त वस्तु का दान करना चाहिए। इसके अलावा महामृत्युञ्जय मन्त्र का जाप औषधि स्नान आदि उपाय शुभ रहेगा।
मेषादि द्वादश राशियों में उत्पन्न जातकों के लिए ग्रहण का फल निम्नलिखित कोष्ठों में दर्शाया गया हैं –

ग्रहण–फल

राशि	फल
मेष	धनलाभ, शुभ कार्यों में खर्च, मानसिक सुख प्राप्ति।
वृष	धन हानि, धनव्यय, व्यर्थ यात्रा, चोट शरीरिक कष्ट।
मिथुन	शरीरिक पीड़ा, चोट, मानसिक चिन्ता।
कर्क	धन हानि, व्यर्थ खर्च, व्यावसायिक धन का नाश
सिंह	धन की वृद्धि,धन लाभ, पारीवारिक खुशी।
कन्या	रोग भय, शरीरिक कष्ट, एवं चिन्ता।
तुला	संतति चिन्ता एवं कष्ट मान हानि।
वृश्चिक	सुख प्राप्ति, शत्रुभय, एवं विजय धनागम।
धनु	स्त्री, पति कष्ट, मानसिक कष्ट, उद्योग में अवरोध
मकर	संघर्ष, गुप्त चिन्ता, रोग पीड़ा।
कुम्भ	मान नाश, खर्च अधिक, व्यवसाय में बाधा।
मीन	कार्य सिद्धि, धन का लाभ, सुखप्राप्ति

ग्रहण का जन जीवन पर प्रभाव–

यह ग्रहण उत्तरायण में घटित हो रहा है। अतः इसका प्रभाव शिक्षा से आजीविका चलाने वाले तथा अस्त्र शस्त्र से जीवन यापन करने वाले अर्थात् ब्राह्मण एवं क्षत्रिय के लिए कष्ट प्रद एवं चिन्तनीय है। सार रूप से शिक्षा जगत् तथा सैनिक के लिए विशेष इंगित करता है।

उत्तरायणसन्दृष्टो ब्रह्मक्षत्रविनाशनः। (गर्गः)

यह ग्रहण मिथुन में घटित हो रहा है। अतः मिथुन राशिस्थ ग्रहण का फल या राजा, राजा के समान मन्त्री, प्राणधारी अन्य जीव कलाओं अर्थात् चित्र, गीत, नृत्य और वाद्य को जानने वाले, यमुना नदी के तट पर निवास करने वाले, धीर मनुष्य, मध्य देश अर्थात् साकेत मिथिला, चम्पा, कौशाम्बी गया, विन्ध्य और सुह्म देश में निवास करने वाले मनुष्यों को पीड़ा (कष्ट) होगा।

मिथुने प्रवराङ्गना नृपा नृपमात्रा बलिनः कलाविदः।
यमुनातटजाः सबाह्लिका मत्स्याः सुह्मजनैः समन्विताः।।
(बृ. सं.रा. आ श्लो–३७)

यह सूर्य ग्रहण आषाढ़ कृष्ण अमावस को भूमण्डल पर दृष्टिगोचर हो रहा है अतः इसका प्रभाव-वापी, कूप, तालाब के तट में रहने वाले मनुष्य, फल-मूल खाकर समय यापन करने वाले लोग, गान्धार काश्मीर पुलिन्द, चीन आदि देशों में रहने वाले लोगों के लिए राजनैतिक तथा प्राकृतिक कुप्रभाव के कारण कष्ट प्रद रहेगा। नदी के प्रवाह को प्रभावित करेगा और मण्डल वृष्टि अर्थात् कहीं कम तो कहीं ज्यादा वर्षा होगी। इस प्रकार योग बनेंगे जिस कारण फल एवं सब्जियों को हानि को दर्शाता है।

आषाढ़पर्वण्युदपानवप्रनदीप्रवाहान् फलमूलवार्त्तान्।
गान्धारकाश्मीरपुलिन्दचीनान् हतान् वेदन्मण्डलवर्षमस्मिन्।।
(बृ.सं.रा.आ श्लो–७७)

डॉ. फणीन्द्र कुमार चौधरी
सह–आचार्य, ज्योतिष–विभाग

संदिग्ध व्रत-पर्व निर्णय विक्रम संवत् २०७७

हनुमान जयन्ती - (दिनाँक ८ अप्रैल, २०२० ई. बुधवार)

चैत्र मास की पूर्णिमा तिथि का विशेष महत्व है। ऐसा माना जाता है कि इस दिन परमवीर रामभक्त हनुमानजी ने माता अंजनी के गर्भ से जन्म लिया था। यही कारण है कि आज के दिन हनुमानजी की विशेष पूजा-अर्जना की जाती है। परम्परानुसार हनुमान जयन्ती उदयव्यापिनी चैत्र शुक्ल पूर्णिमा को मनाई जाती है। हनुमदुपासना कल्पद्रुम ग्रन्थानुसार चैत्र शुक्ल पूर्णिमा, मंगलवार के दिन, मंजू की मेखला से युक्त, कोपिन से संयुक्त और यज्ञोपवीत से विभूषित हनुमान जी का जन्म हुआ था-

चैत्रमासे सिते पक्षे पौर्णमास्यां कुजेऽहनि।

मौञ्जीमेखलायुक्तः कौपिनपरिधारकः।।

तदनुसार इस वर्ष दिनाँक ८ अप्रैल २०२० ई. बुधवार को पूर्णिमा तिथि सूर्योदयकालव्यापिनी है अतः इस दिन हनुमान जयन्ती मनाना प्रशस्त होगा।

श्री परशुरामजयन्ती - (दिनाँक २५ अप्रैल, २०२० ई. शनिवार)

भगवान परशुरामजी का जन्म वैशाख शुक्ल तृतीया को रात्रि के प्रथम प्रहर में हुआ था-

वैशाखस्य सिते पक्षे तृतीयां पुनर्वसौ।

निशायां प्रथमेयामे समये हरिः।। (निर्णयसिन्धुः)

इस वर्ष दिनाँक २५ अप्रैल २०२० ई. शनिवार को तृतीया तिथि प्रदोषव्यापिनी है, अतः इस दिन भगवान परशुरामजयन्ती मनाना शास्त्रसम्मत होगा।

रक्षाबंधन- (दिनाँक ३ अगस्त, २०२० ई. सोमवार)

श्रावण मास की पूर्णिमा तिथि को भाई-बहिन के अटूट प्रेम का त्यौहार रक्षाबंधन मनाया जाता है। यह हिन्दुओं का प्रमुख त्यौहार है। परम्परानुसार इस दिन ब्राह्मण और पुरोहितों द्वारा यजमानों को रक्षासूत्र बाँधा जाता है। शास्त्रवचनुसार इस कार्य को भद्रारहित काल में करना चाहिए। यथा-

भद्रायां द्वे न कर्त्तव्ये श्रावणी फाल्गुनी तथा।

श्रावणी नृपतिं हन्ति ग्रामं दहति फाल्गुनी।।

चूंकि इस वर्ष दिनाँक ३ अगस्त सोमवार को प्रातः काल ११घ. २६ मि. तक भद्राकाल रहेगा। अतः इसके पश्चात ही रक्षाबन्धन का पवित्र कार्य करना चाहिए।

श्री कृष्ण जन्माष्टमी- (११ अगस्त २०२०, ई. मंगलवार) स्मार्त

(१२ अगस्त २०२० ई. बुधवार) वैष्णव

भगवान श्रीकृष्ण का जन्म भाद्रपद मास में कृष्णपक्ष की अष्टमी तिथि को अर्धरात्रि के समय हुआ था। भक्त गण भक्ति से सराबोर होकर यह पर्व बड़ी धूमधाम से मनाते हैं। चूंकि भारतवर्ष में परम्परानुसार स्मार्त एवं वैष्णव-सम्प्रदाय के अनुयायी अपनी-अपनी मान्यतानुसार भिन्न-भिन्न दिन इसे मानते हैं। स्मार्त-सम्प्रदाय के अनुयायी

अर्धरात्रिव्यापिनी अष्टमी तिथि में व्रत करते हैं। जबकि वैष्णव सम्प्रादय के अनुयायी उदयव्यापिनी अष्टमी तिथि मे व्रत करते हैं।

इस वर्ष ११ अगस्त २०२० ई. मंगलवार को अष्टमी तिथि अर्धरात्रिव्यापिनी है, अतः स्मार्त सम्प्रदाय के अनुयायी इस दिन जन्माष्टमी का व्रत करेगें। तथा दिनाँक १२ अगस्त २०२० ई. बुधवार को सूर्योदयकालव्यापिनी अष्टमी तिथि होने के कारण वैष्णव सम्प्रदाय के अनुयायी इस दिन व्रत करेंगे। कृष्ण की जन्मस्थली मथुरा में भी सूर्योदयकालव्यापिनी अष्टमी तिथि में ही जन्माष्टमी का व्रत किया जाता है तथा कृष्णजन्मोत्सव मनाया जाता है।

आश्विन कृष्ण प्रतिपदा का श्राद्ध- (दिनाँक २ सितम्बर, २०२० ई. बुधवार)

आश्विन कृष्ण पक्ष को पितृ-पक्ष कहते है। इस पक्ष में मृतक पूर्वजों की मृत्यु तिथि को उनका श्राद्ध करने का विधान है। शास्त्रों में श्राद्ध के निमित्त अपराह्नव्यापिनी तिथि प्रशस्त मानी गई है। यथा-

पार्वणे त्वपराह्नव्यापिनी ग्राह्या।

पूर्वत्रैव वापराह्नव्याप्तौ सैव ग्राह्या।। (धर्मसिन्धुः)

इस वर्ष दिनाँक २ सितम्बर, २०२० ई. बुधवार को प्रतिपदा तिथि अपराह्नव्यापिनी है। तथा दिनाँक ३ सितम्बर को प्रतिपदा अपराह्न से पूर्व १२घ.- २७मि. पर समाप्त हो रही है। अतः प्रतिपदा का श्राद्ध २ सितम्बर को करना शास्त्रोचित होगा।

द्वितीया का श्राद्ध-

शास्त्रवचनानुसार यदि श्राद्ध तिथि दो दिन अपराह्नकाल में व्याप्त हो, तो हमें यह देखना चाहिए कि किस दिन अपराह्न के पूर्णकाल में व्याप्त है, उस दिन श्राद्ध करना चाहिए। यथा-

दिनद्वये तदव्याप्तौ तदस्पर्शे वांशतः समव्याप्तौ वा पूर्वा।

विषम व्याप्तौ त्वधिका ग्राह्या।। (धर्मसिन्धुः)

इस वर्ष दिनाँक ३ सितम्बर, २०२० ई. मंगलवार को द्वितीया १२घ.-२७मि. से प्रारम्भ होकर दिनाँक ४ सितम्बर को १४घ.-२४ मि. तक रहेगी। ३ सितम्बर को द्वितीया तिथि पूर्ण अपराह्नकालव्यापिनी है अतः द्वितीया तिथि का श्राद्ध इस दिन करना शास्त्रोचित होगा।

४ सितम्बर २०२० ई. बुधवार को कोई भी तिथि अपराह्नकालव्यापिनी नही है अतः इस दिन कोई भी तिथि श्राद्ध नही होगा।

तृतीया का श्राद्ध दिनाँक ५ सितम्बर, २०२० ई. गुरुवार

शास्त्रनिर्णयानुसार श्राद्धकर्म में अपराह्नकाल का विशेष विधान है। इस वर्ष ४ सितम्बर को तृतीया तिथि कुछ समय कि लिए (१४घ. -२४मि. के बाद) अपराह्न में व्याप्त है। जबकि ५ सितम्बर को तृतीया तिथि (१६घ. - ३४मि. तक) पूर्ण अपराह्नकालव्यापिनी है।

अतः तृतीया का श्राद्ध इस दिन करना उचित होगा।

शारदीय नवरात्रारम्भ - (दिनाँक १७ अक्टूबर, २०२० ई. शनिवार)

भक्तगण प्रतिदिन भवानी और उनके दुर्गा महाकाली, चण्डी आदि रूपों की पूजा-अराधना और उपासना करते हैं। परन्तु वर्ष में दो बार भगवती के नौ प्रमुख रूप या अवतार की आराधना विशेष रूप से की

जाती है। इस काल को 'नवरात्र' कहते हैं। इनमें एक नवरात्र चैत्र शुक्ल प्रतिपदा से चैत्र शुक्ल नवमी तक होते हैं। क्योंकि कि इनका आगमन वसन्तऋतु में होता है तो इन्हें वासन्तिक नवरात्र कहते हैं। तथा दूसरे नवरात्र श्राद्ध पक्ष की समाप्ति के पश्चात आश्विन शुक्ल प्रतिपदा से प्रारम्भ होकर नवमी तक होते हैं। शरदऋतु में इनका आगमान होने के कारण इन नवरात्रों को शारदीय नवरात्र कहा गया है।

आश्विन शुक्ल प्रतिपदा को पूर्वाह्न में नवरात्रारम्भ एवं घटस्थापना किया जाता है। घटस्थापना के समय प्रतिपदा तिथि की पहली १६ घटिकाओं, चित्रा नक्षत्र एवं वैधृति योग ग्राह्य नही है। यथा-

प्रतिपद आद्यषोडशनाड़ीनिषेधश्चित्रावैधृतियोगनिषेधश्चोक्तकालानुरोधेन सति संभवे पालनीयो।। (धर्मसिन्धुः)

इस वर्ष दिनाँक १७ अक्टूबर को चित्रा नक्षत्र ११घं. - ५१मि. तक व्याप्त है। अतः घटस्थापना ११घं. - ५१मि. के पश्चात करना ही प्रशस्त होगा।

दुर्गाष्टमी - दिनाँक २४ अक्टूबर, २०२० ई. शनिवार

शास्त्रवचनानुसार दुर्गाष्टमी का व्रत सूर्योदयकाल व्यापिनी नवमी युता अष्टमी को करने का विधान है। यह अष्टमी तिथि सूर्योदय के बाद कम से कम १ घटी. व्यापिनी अवश्य होनी चाहिए। यथा-

महाष्टमी-घटिका-मात्रा-यौदयिकी नवमी युता ग्राह्या।। (धर्मसिन्धुः)

सप्तमी युता अष्टमी को इस व्रत में त्याज्य माना है। यथा-

सप्तमीस्वल्पयुता सर्वथा त्याज्या।। (धर्मसिन्धुः)

२३ अक्टूबर को अष्टमी तिथि सप्तमी से युता है। इस कारण दुर्गाष्टमी का व्रत इस दिन नही किया जा सकता। परन्तु २४ अक्टूबर को अष्टमी सूर्योदयव्यापिनी है तथा १ घटी तक व्याप्त भी है, अतः दुर्गाष्टमी व्रत इस दिन करना शास्त्र सम्मत होगा।

विजयदशमी - (दिनाँक २६ अक्टूबर, २०२० ई. सोमवार)

विजयदशमी का पर्व अपराह्नव्यापिनी आश्विन शुक्ल-दशमी को मनाया जाता है। इस पर्व में श्रवण नक्षत्र की भी प्रधानता है। इस वर्ष दिनाँक २५ अक्टूबर २०२० ई. दशमी तिथि अपराह्नव्यापिनी है, किन्तु उदयकालव्यापिनी नही है। तथा इस दिन श्रवण नक्षत्र का भी अभाव है। ऐसी स्थिति में शास्त्रकारों ने उदयकालव्यापिनी दशमी-तिथि को 'विजया' संज्ञक बतलाया है। यथा-

सूर्योदये यदा राजन् दृश्यते दशमी तिथिः।
आश्विन मासे शुक्ले तु विजयां तां विदुर्बुधाः।।

(निर्णय सिन्धुः)

तदनुसार इस वर्ष दिनाँक २६ अक्टूबर २०२० ई. सोमवार को दशमीतिथि ६घं. - ००मि. तक व्याप्त है। सूर्योदयकाल व्यापिनी तिथि होने के कारण इसका प्रभाव सम्पूर्ण दिन रहता है।

अतः विजयदशमी का पर्व दिनाँक २६ अक्टूबर को ही मनाना शास्त्रसम्मत होगा।

कोजागरव्रत - (दिनाँक ३० अक्टूबर २०२० ई. शुक्रवार)

आश्विन मास की पूर्णिमा को कोजागरव्रत रखा जाता है। इस दिन धनसमृद्धि हेतु विशेष रूप से देवी लक्ष्मी की पूजा-अर्चना करने का

विधान है। यह व्रत निशीथव्यापिनी पूर्णिमा तिथि में किया जाता है।

इस वर्ष दिनाँक ३० अक्टूबर २०२० ई. शुक्रवार को पूर्णिमा तिथि निशीथ काल व्यापिनी है अतः इस दिन कोजागरव्रत करना शास्त्रोचित होगा।

शरद् पूर्णिमा – (दिनाँक ३१ अक्टूबर २०२० ई. शनिवार)

आश्विन मास की पूर्णिमा को शरद् पूर्णिमा कहते हैं। आज की रात्रि में चन्द्रदेव अपनी किरणों से अमृतसुधा को पूर्णशक्ति से पृथ्वी पर बरसाते हैं। चन्द्रमा की ये किरणें आरोग्यप्रद होती हैं।

इस वर्ष दिनाँक ३१ अक्टूबर २०२० ई. को पूर्णिमा तिथि सूर्योदय व्यापिनी होने के साथ–साथ प्रदोषव्यापिनी भी है।

अतः इस दिन शरद्पूर्णिमा का व्रत करना प्रशस्त होगा।

माघी संकष्ट चतुर्थी व्रत – (दिनाँक ३१ जनवरी २०२१ ई. रविवार)

जीवन में आने वाले संकट एवं विघ्न बाधाओं को दूर करने के लिए माघी संकष्ट चतुर्थी का व्रत किया जाता है। इस दिन भगवान गणेश का व्रत एवं पूजा–अर्चना की जाती है। तथा चन्द्रोदय में चन्द्रमा को अर्घ प्रदान कर व्रत सम्पन्न किया जाता है। यह व्रत चन्द्रोदयव्यापिनी चतुर्थी तिथि में किया जाता है। इस वर्ष दिनाँक ३१ जनवरी २०२१ ई. को चतुर्थी तिथि चन्द्रोदयव्यापिनी है।

अतः इस दिन व्रत करना शास्त्रसम्मत होगा। यथा–

"संकष्ट चतुर्थी तु चंद्रोदयव्यापिनी ग्राह्या।। (धर्मसिन्धुः)

आश्विन अधिक मास – सम्वत् २०७७ (सन् २०२० ई.) १८ सितम्बर, २०२० ई. से १६ अक्टूबर २०२० ई. तक

विक्रम संवत २०७७ में चान्द्र आश्विन मास अधिक मास होगा। इस अधिकमास की कालावधि १८ सितम्बर, २०२० ई. से १६ अक्टूबर, २०२० ई. पर्यन्त रहेगी।

अधिक मास निर्णय–

जिस चान्द्र मास में सूर्य की संक्रान्ति नही होती वह मास अधिक मास कहलाता है। यथा–

" असंक्रान्तिमासऽधिमासः स्फुटं स्यात्।। (सिद्धान्तशिरोमणि)

पंचाग गणनानुसार एक सौरवर्ष में ३६५ दिन, १५ घटी, ३१ पल व ३० विपल होते है। जबकि चान्द्रवर्ष में ३५४ दिन, २२ घटी, १ पल व २३ विपल होते हैं। सूर्य एवं चान्द्र वर्षों में १० दिन, ५३ घटी एवं ७ विपल का अन्तर प्रत्येक वर्ष में रहता है। इस अन्तर में सामन्जस्य बिठाने के लिए तथा प्रत्येक वर्ष होने वाले व्रत पर्व एवं उत्सवों को शास्त्रोचित समय पर सम्पन्न करने के लिए प्रत्येक तीसरे वर्ष अधिक मास की व्यवस्था की गई है।

अधिक मास को 'मलमास' भी कहा जाता है। आचार्य चण्डेश्वरानुसार दो अमवस्याओं के अन्तर यदि सूर्य की संक्रान्ति न हो तो उस मास को 'मलमास' कहते है। इस मलमास में समस्त शुभ कार्य वर्जित हैं। यथा–

दर्शद्वयमतिक्रम्य यथा सङ्क्रमते रविः।
मलमासः स विज्ञेयः सर्वकर्मसु गर्हितः।।

अधिकमास मास में त्याज्य कर्म- आचार्य गर्ग के अनुसार अधिक मास में अग्नयाधान, प्रतिष्ठा, यज्ञ, दान, व्रतादि, वेदव्रत, वृषोत्सर्ग, चूड़ाकर्म, व्रतबन्ध, देवीतीर्थों में गमन, विवाह, अभिषेक, यान और घर के काम अर्थात् गृहराम्भादि शुभ कार्य नही करने चाहिए। यथा-

अग्न्याधेयं प्रतिष्ठां च यज्ञो दानव्रतानि च।
वेदव्रतवृषोत्सर्गचूडाकरण मेखलाः।।
गमनं देवतीर्थानां विवाहमभिषेचनम्।
यानं च गृहकर्माणि मलमासे विवर्जयेत्।।

अधिकमास में करणीय कर्म -

मनुस्मृति के अनुसार अधिकमास में तीर्थश्राद्ध, दर्शश्राद्ध, प्रेतश्राद्ध, सपिण्डीकरण, चन्द्रसूर्यग्रहणीय स्नान करना चाहिए। यथा-

तीर्थश्राद्धं दर्शश्राद्धं प्रेतश्राद्धं सिपण्डनम्।
चन्द्रसूर्यग्रहे स्नानं मलमासे विधीयते।। (मनुस्मुति)

गर्भाधानादि संस्कार में, बालक के अन्नप्राशन समय में, गुरु-शुक्र अस्तत्व और मलमास जनित दोष नही होता है। क्योंकि इसमें काल की प्रधानता होने से उक्त कार्य मलमास में किए जा सकते हैं। यथा-

गर्भाधानादिसंस्कारे तथान्नाप्राशने शिशोः।
न तत्र गुरुशुक्रास्तमलमासादिदूषणम्।। (मुहूर्त गणपति)

अधिक मास में फल प्राप्ति की कामना से किए जाने वाले कार्य वर्जित हैं। फल की आशा से मुक्त होकर सभी कार्य किए जा सकते हैं।

शास्त्रों में अधिकमास को बड़ा पवित्र माना गया है। भगवान विष्णु की उपासना इस मास में विशेष रूप से करने के कारण इस मास को 'पुरूषोत्तम' मास भी कहते हैं। इस मास में स्नान, दान, व्रत करने का फल अक्षय बतलाया गया। अतः इस मास में यथाशक्ति दान-पुण्य अवश्य करना चाहिए। जिस प्रकार छोटा सा बीज बोने से वट जैसा दीर्ध विशाल वृक्ष उत्पन्न होता है, वैसे ही अधिक मास में दिया हुआ दान अन्नत फल देने वाला होता है। शास्त्रों का कथन है कि पुरूषोत्तम मास में किए जाने वाले व्रत और दान पुण्य से भगवान विष्णु, महादेव और सूर्यदेव परम प्रसन्न होते हैं और करने वाले को इस लोक में सभी सुख तथा अन्त में मोक्ष की प्राप्ति होती है।

आश्विन अधिक मास का फल-

जिस वर्ष आश्विन अधिक मास होता है। उस वर्ष दूसरों के शासन एवं चोरों से जनता दुखी रहती है। उत्तर भारत में सुभिक्ष, कल्याण हेतू शासन तन्त्र की सजगता रहेगी, रोगों की संभावना भी कम रहेगी। किन्तु दक्षिण भारत में दुर्भिक्ष, राजाओं का नाश तथा ब्राह्मणों की वृद्धि होती है। यथा-

आश्विने परचक्रेण तस्करैः पीडिताः प्रजाः।
सुभिक्षं क्षेममारोग्यं दुर्भिक्षं दक्षिणापथे।।
राजानस्तत्र नश्यन्ति वृद्धिब्राह्मणजातिषु।

डॉ. रश्मि चतुर्वेदी
(ज्योतिष-विभाग)

विक्रम संवत् २०७७ के माङ्गलिक मुहूर्त्तों के लिए काल-शुद्धि

कालशुद्धि

सामान्यतया गुरु एवं शुक्र के अस्तकाल, श्राद्धपक्ष, भीष्मपञ्चक, होलिकाष्टक, पौषमास व चैत्रमास में विवाहादि संस्कारों एवं अन्य माङ्गलिक कार्य के लिए वर्जित काल माना गया है। उपनयन संस्कार चैत्रमास में भी किया जाता है तथा पुरातन गृहप्रवेश गुरु-शुक्र के अस्तकाल में भी किया जा सकता है। इस वर्ष वि.सं. २०७७ के माङ्गलिक मुहूर्तों के सन्दर्भ में कालशुद्धि का विवरण निम्न है।

१. गुरु अस्त

वि.सं. २०७७ में पौष शुक्ल पक्ष ४ रविवार दिनाङ्क १७ जनवरी २०२१ से माघ शुक्ल २ शनिवार १३ फरवरी २०२१ तक गुर्वस्त रहेगा। गुर्वस्त से ३ दिन पूर्व में वृद्धावस्था तथा उदय के ३ दिन बाद बाल्यावस्था का समय माङ्गलिक कार्यों में वर्जित है।

२. शुक्र अस्त

इस वर्ष वि. सं. २०७७ में ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष ६ गुरुवार २८ मई २०२० से आषाढ़ कृष्ण ३ सोमवार ८ जून २०२० एवं माघ शुक्ल ६ बुधवार १७ फरवरी २०२१ से वर्षान्त तक शुक्रास्त रहेगा। उदय अस्त से ३ दिन की वृद्धा व बाल्यावस्था का समय शुभकार्यों में वर्जित है।

३. श्राद्ध पक्ष

वि.सं. २०७७ में श्राद्धपक्ष का समय दिनांक ०१ सितम्बर, २०२० से १७ सितम्बर, २०२० तक रहेगा। इस कालावधि में माङ्गलिक कार्य वर्जित हैं।

४. भीष्मपञ्चक

इस वर्ष कार्तिक शुक्ल ११ शुक्रवार से कार्तिक शुक्ल पूर्णिमा बुधवार तदनुसार २५ नवम्बर २०२० से ३० नवम्बर २०२० तक भीष्मपञ्चक रहेंगे जो माङ्गलिक कार्यों में त्याज्य हैं।

५. पौष सौर-मास

वि.सं. २०७७ में १५ दिसम्बर २०२० से १३ जनवरी २०२१ तक (मार्गशीर्ष शुक्ल १ भौमवार से पौष कृष्ण अमावस्या बुधवार तक) सौर पौष मास का समय विवाहादि संस्कारों में वर्जित है।

६. होलिकाष्टक

इस वर्ष दिनांक २१ मार्च २०२१ से २८ मार्च २०२१ तक (फाल्गुन शुक्लाष्टमी से फाल्गुन शुक्ल पूर्णिमा तक) होलिकाष्टक के कारण शुभकार्य वर्जित रहेंगे।

७. चैत्र सौर-मास

वि.सं. २०७७ वर्षारम्भ २५ मार्च २०२० से १३ अप्रैल २०२० तक (चैत्र शुक्ल पक्ष प्रतिपदा बुधवार से वैशाख कृष्ण ६ सोमवार तक) तथा दिनांक १४ मार्च २०२१ से १२ अप्रैल २०२१ तक फाल्गुन शुक्ल १रविवार से वर्षान्त तक चैत्रमास का समय माङ्गलिक मुहूर्तों के लिए त्याज्य रहेगा।

८. अधिकमास

वि. सं. २०७७ में प्रथम आश्विन शुक्ल १ शुक्रवार से द्वि. आश्विन कृष्णा अमावस्या शुक्रवार तदनुसार १८ सितम्बर से १६ अक्टूबर २०२० तक का समय अधिकमास के कारण माङ्गलिक मुहूर्त के लिए वर्जित रहेगा।

विवाह मुहूर्त्त विक्रम संवत् २०७७

दिनाङ्क	मास-पक्ष-तिथि	वार	नक्षत्र	विवाह लग्न में त्रिबल शुद्धि हेतु			लत्तादि दस दोषों का विवरण	रेखा योग	लग्न एवं पूजादि विवरण
				सूर्यराशि	गुरुराशि	चन्द्रराशि			
१४ अप्रैल २०२० से १६ मई २०२० तक (वैशाख सौर मास)									
१६.४.२०२०	वैशाख कृष्ण. ९	गुरु	*धनिष्ठा	मेष	मकर	मकर	। । । ० । । । ० । ।	८	ल. ११, च. श. दान, १२
१७.४.२०२०	वैशाख कृष्ण. १०	शुक्र	*धनिष्ठा	मेष	मकर	कुम्भ	। । । ० । । । ० । ।	८	ल.१०, (२५.१ से २५/३६ तक)
२०.४.२०२०	वैशाख कृष्ण. १३	सोम	उ.भा.	मेष	मकर	मीन	० । । । । । ० । । ।	८	दि. ल. २, १०, ११ (२७/१२ तक) श. दान
२५.४.२०२०	वैशाख शुक्ल. ३	शनि	रोहिणी	मेष	मकर	वृष	। । ० । । । । । । ।	९	ल. १०, श. मं. दान, ११ श. दान, १२
२६.४.२०२०	वैशाख शुक्ल. ३	रवि	रोहिणी	मेष	मकर	वृष	। । ० । । । । । । ।	९	दि. ल. १, ५,६
०१.५.२०२०	वैशाख शुक्ल. ८	शुक्र	मघा	मेष	मकर	सिंह	। । । । ० ० ० । ० ।	६	ल. १०, (२५/०५ से) ११ च. दान
०२.५.२०२०	वैशाख शुक्ल. ९	शनि	मघा	मेष	मकर	सिंह	। । । । ० । ० । ० ।	७	दि. ल. १, २, ५ च. दान
०४.५.२०२०	वैशाख शुक्ल. १२	सोम	उ.फा.	मेष	मकर	कन्या	। । । । । ० ० । । ।	८	दि. ल. २, ५
०४.५.२०२०	वैशाख शुक्ल. १२	सोम	हस्त	मेष	मकर	कन्या	० ० । । । ० । । । ।	७	ल. १०,
०५.५.२०२०	वैशाख शुक्ल. १३	भौम	हस्त	मेष	मकर	कन्या	० ० । । । । । । । ।	८	दि. ला. २,
०५.५.२०२०	वैशाख शुक्ल. १३	भौम	*चित्रा	मेष	मकर	क./तु.	। । । । । । ० । । ।	९	ल. गोधू. १०,
०६.५.२०२०	वैशाख शुक्ल. १४	बुध	*चित्रा	मेष	मकर	तुला	। । । । । । ० । । ।	९	दि. ल. २ च. दान,
०६.५.२०२०	वैशाख शुक्ल. १४	बुध	स्वा.	मेष	मकर	तुला	। । । । । ० । ० । ।	८	दि. ल. ६, बु. दान, गोधूलि
०७.५.२०२०	वैशाख शुक्ल. १५	गुरु	स्वा.	मेष	मकर	तुला	। । । । । ० । ० । ।	८	दि. ल. २, च. दान, (६/०० से)
०८.५.२०२०	ज्येष्ठ कृष्ण. १	शुक्र	अनुराधा	मेष	मकर	वृश्चिक	। । । । ० ० । । । ।	८	दि. ल. ६, बु. दान, गोधू. १०,११ मं. दान

नोट:- लत्तादि दस दोषों का क्रमशः उल्लेख किया गया है दोष को शून्य (०) तथा दोषरहित को रेखा (।) द्वारा सूचित किया गया है।
*ताराङ्कित अश्विनी, चित्रा, श्रवण व धनिष्ठा कात्यायनोक्त नक्षत्रों में विवाह मुहूर्त्त दिये गये हैं।

विवाह मुहूर्त्त विक्रम संवत् २०७७

दिनाङ्क	मास-पक्ष-तिथि	वार	नक्षत्र	विवाह लग्न में त्रिबल शुद्धि हेतु			लत्तादि दस दोषों का विवरण	रेखा योग	लग्न एवं पूजादि विवरण
				सूर्यराशि	गुरुराशि	चन्द्राशि			
१४ मई २०२० से १३ जून २०२० तक ज्येष्ठ सौर मास									
१५.५.२०२०	ज्येष्ठ कृष्ण. ८	शुक्र	*धनिष्ठा	वृष	मकर	कुम्भ	। । । । । । । ० । ।	९	ल. २,
१७.५.२०२०	ज्येष्ठ कृष्ण. १०	रवि	उ.भा.	वृष	मकर	मीन	० । । । । । ० ० । ।	७	ल. गोधू. १०,११,
१८.५.२०२०	ज्येष्ठ कृष्ण. ११	सोम	उ.भा.	वृष	मकर	मीन	० । । । । । ० ० । ।	७	दि. ल. २,
१८.५.२०२०	ज्येष्ठ कृष्ण. ११	सोम	रेवती	वृष	मकर	मीन	। । । । । ० । ० । ।	८	ल. गोधू. १०,११,
१९.५.२०२०	ज्येष्ठ कृष्ण. १२	भौम	रेवती	वृष	मकर	मीन	। । । । । ० । ० । ।	८	दि. ल.२, गोधूलि.
१९.५.२०२०	ज्येष्ठ कृष्ण. १२	भौम	*अश्विनी	वृष	मकर	मेष	० । । । । । ० । । ।	८	ल. १०,११,
२०.५.२०२०	ज्येष्ठ कृष्ण. १३	बुध	*अश्विनी	वृष	मकर	मेष	० । । । । । ० । । ।	८	दि. ल. २, ६ च. दान,
२३.५.२०२०	ज्येष्ठ शुक्ल. १	शनि	रोहिणी	वृष	मकर	वृष	। । । । । ० । । । ।	९	दि. ल. २,६, गोधू. १०, ११ मं. दान,
११.६.२०२०	आषाढ़ कृष्ण. ५	गुरु	*धनिष्ठा	वृष	मकर	कुम्भ	। ० । । । ० । ० । ।	७	दि. ल. ६ च. दान, ७ शु. दान,
१४ जून २०२० से १५ जुलाई २०२० तक आषाढ़ सौर मास									
१९.६.२०२०	आषाढ़ कृष्ण. १३	शुक्र	रोहिणी	मिथुन	मकर	वृष	। । ० । । ० । । । ।	८	ल. ११, १२, मं. दान, १,
२०.६.२०२०	आषाढ़ कृष्ण. १४	शनि	रोहिणी	मिथुन	मकर	वृष	। । ० । । । । । । ।	९	दि. ल. ५ (११/५२ तक) गु. दान,
२६.६.२०२०	आषाढ़ शुक्ल. ६	शुक्र	मघा	मिथुन	मकर	सिंह	। । । । । ० ० ० । ।	७	दि. ल. ५, च. दान, (११/२६ तक)
२७.६.२०२०	आषाढ़ शुक्ल. ७	शनि	उ.फा.	मिथुन	मकर	सिं/क.	। ० । । । । ० । । ।	८	दि. ल. ५, च. दान (१०/११ से) ७ शु. दान गोधू, ल. १,२
२९.६.२०२०	आषाढ़ शुक्ल. ९	सोम	*चित्रा	मिथुन	मकर	क./तु.	। । । । । ० ० । । ।	८	दि. ल. ५, गोधू., १०, ११ श. दान
३०.६.२०२०	आषाढ़ शुक्ल. १०	भौम	स्वाति	मिथुन	धनु	तुला	। । । । । । । ० । ।	९	दि. ल. ५, म. दान, गोधू., १०, ११, श.दान

नोट:- लत्तादि दस दोषों का क्रमशः उल्लेख किया गया है दोष को शून्य (०) तथा दोषरहित को रेखा (।) द्वारा सूचित किया गया है।
***तारांकित अश्विनी, चित्रा, श्रवण व धनिष्ठा** कात्यायनोक्त नक्षत्रों में विवाह मुहूर्त्त दिये गये हैं।

विवाह मुहूर्त्त विक्रम संवत् २०७७

दिनाङ्क	मास-पक्ष-तिथि	वार	नक्षत्र	विवाह लग्न में त्रिबल शुद्धि हेतु सूर्यराशि	गुरुराशि	चन्द्रराशि	लत्तादि दस दोषों का विवरण	रेखा योग	लग्न एवं पूजादि विवरण
०२ जुलाई २०२० से १५ जुलाई २०२० तक आषाढ़ सौर मास (केवल हि.प्र., जम्मू काश्मीर एवं पञ्जाब)									
०२.७.२०२०	आषाढ़ शुक्ल. १२	गुरु	अनुराधा	मिथुन	धनु	वृश्चिक	० ० । । । । । । । ।	८	दि. ल. ५, म. दान, ७ शु. दान, १०,११ श.दान
०३.७.२०२०	आषाढ़ शुक्ल. १३	शुक्र	मूल	मिथुन	धनु	धनु	। । ० । ० । । ० । ।	७	ल. १,
०४.७.२०२०	आषाढ़ शुक्ल. १४	शनि	मूल	मिथुन	धनु	धनु	। । ० । ० । । ० । ।	७	दि. ल. ५, म. दान,
०६.७.२०२०	श्रावण कृष्ण. १	सोम	*श्रवण	मिथुन	धनु	मकर	। । । । । ० । । । ।	६	ल. १,२,
०७.७.२०२०	श्रावण कृष्ण. २	भौम	*श्रवण	मिथुन	धनु	मकर	। । । । । । । । । ।	१०	दि. ल. ५, च. मं. दान, ७ शु. दान.,गोधू
०८.७.२०२०	श्रावण कृष्ण. ३	बुध	*धनिष्ठा	मिथुन	धनु	कुम्भ	। । । । । ० । । । ।	६	दि. ल. ५, च. दान, गोधू., १० च. दान
१२.७.२०२०	श्रावण कृष्ण. ७	रवि	रेवती	मिथुन	धनु	मीन	० । । । । ० । ० । ।	७	दि. ल. ५, च.मं. दान, गोधू. १०,११ श. दान
१३.७.२०२०	श्रावण कृष्ण. ८	सोम	रेवती	मिथुन	धनु	मीन	० । । । । । । ० । ।	८	दि. ल. ५, च.मं. दान,
१३.७.२०२०	श्रावण कृष्ण. ८	सोम	*अश्विनी	मिथुन	धनु	मेष	० । । । । । ० ० । ०	६	ल. गोधू. १०,११, श. दान,
१६ जुलाई २०२० से १५ अगस्त २०२० तक श्रावण सौर मास (केवल हि.प्र., जम्मू काश्मीर एवं पञ्जाब)									
१७.७.२०२०	श्रावण कृष्ण. १२	शुक्र	रोहिणी	कर्क	धनु	वृष	। ० । । । । । ० । ।	८	दि. ल., ५ मं. दान,
२२.७.२०२०	श्रावण शुक्ल. २	बुध	मघा	कर्क	धनु	सिंह	। ० । । । ० ० । । ।	७	ल. १,२,
२३.७.२०२०	श्रावण शुक्ल. ३	गुरु	मघा	कर्क	धनु	सिंह	। ० । । । ० ० । । ।	७	दि. ल. ५, च. दान, ७ शु. दान
२५.७.२०२०	श्रावण शुक्ल. ५	शनि	हस्त	कर्क	धनु	कन्या	० । । । । । । । । ।	६	ल. गोधू. २,
२६.७.२०२०	श्रावण शुक्ल. ६	रवि	हस्त	कर्क	धनु	कन्या	० । । । । । । । । ०	८	दि. ल. ५, मं. दान,
२७.७.२०२०	श्रावण शुक्ल.७/८	सोम	स्वाति	कर्क	धनु	तुला	। ० । । । ० । ० । ।	७	ल. ११, श. दान, २ च. दान

नोटः- लत्तादि दस दोषों का क्रमशः उल्लेख किया गया है दोष को शून्य (०) तथा दोषरहित को रेखा (।) द्वारा सूचित किया गया है।
*ताराङ्कित अश्विनी, चित्रा, श्रवण व धनिष्ठा कात्यायनोक्त नक्षत्रों में विवाह मुहूर्त्त दिये गये हैं।

विवाह मुहूर्त्त विक्रम संवत् २०७७

दिनाङ्क	मास-पक्ष-तिथि	वार	नक्षत्र	विवाह लग्न में त्रिबल शुद्धि हेतु			लत्तादि दस दोषों का विवरण	रेखा योग	लग्न एवं पूजादि विवरण
				सूर्यराशि	गुरुराशि	चन्द्रराशि			
२८.७.२०२०	श्रावण शुक्ल. ८	भौम	स्वाति	कर्क	धनु	तुला	। ० । । । ० । ० । ।	७	दि. ल. ५ मं. दान,
२९.७.२०२०	श्रावण शुक्ल. १०	बुध	अनुराधा	कर्क	धनु	वृश्चिक	। । । । । । । ० । ।	९	दि. ल. ७, गोधू. ११, १२ मं. दान,
३०.७.२०२०	श्रावण शुक्ल. ११	गुरु	अनुराधा	कर्क	धनु	वृश्चिक	। । । । । ० । ० । ।	८	दि. ल. ५, मं. दान (०७/४० तक),
०३.८.२०२०	श्रावण शुक्ल. १५	सोम	*श्रवण	कर्क	धनु	मकर	। । । । । । ० ० । ।	८	दि. ल. ७, ८, १२ मं. दान, १,२,
०४.८.२०२०	भाद्रपद कृष्ण. १	भौम	*धनिष्ठा	कर्क	धनु	म./कु.	। । । । ० । । ० । ।	८	दि. ल. ७, ८ , १२ मं. दान, १,२,
०७.८.२०२०	भाद्रपद कृष्ण. ४	शुक्र	उ.भा.	कर्क	धनु	मीन	। । । । । । ० ० । ।	८	दि. ल. ८, गोधू. ११, २,
०८.८.२०२०	भाद्रपद कृष्ण. ५	शनि	उ.भा.	कर्क	धनु	मीन	। । । । । । ० ० । ।	८	दि. ल. ८,
०९.८.२०२०	भाद्रपद कृष्ण. ६	रवि	*अश्विनी	कर्क	धनु	मेष	। । । । । । ० । । ०	८	ल. गोधू, १२ मं. दान, २,
१०.८.२०२०	भाद्रपद कृष्ण. ७	सोम	*अश्विनी	कर्क	धनु	मेष	। । । । । ० ० । । ।	८	ल. ११, (१९/५६ से)
१३.८.२०२०	भाद्रपद कृष्ण. ९	गुरु	रोहिणी	कर्क	धनु	वृष	। । । । । । । ० । ।	९	दि. ल. ५, मं. दान. गोधू. ११, १२ मं. दान, १,२,
१६ अगस्त २०२० से १५ सितम्बर २०२० तक भाद्रपद सौर मास (केवल हि.प्र., जम्मू काश्मीर एवं पञ्जाब)									
२०.८.२०२०	भाद्रपद शुक्ल. २	गुरु	उ.फा.	सिंह	धनु	सिं./क.	। । । । । ० ० । । ।	८	ल. २., (२३/५१ से),
२१.८.२०२०	भाद्रपद शुक्ल. ३	शुक्र	उ.फा.	सिंह	धनु	कन्या	। । । । । ० ० । । ।	८	दि. ल. ५, ६, ८, १०,
२१.८.२०२०	भाद्रपद शुक्ल. ३	शुक्र	हस्त	सिंह	धनु	कन्या	। ० । । । । । । । ।	९	ल. २,
२२.८.२०२०	भाद्रपद शुक्ल. ४	शनि	हस्त	सिंह	धनु	कन्या	। ० । । । । । । । ।	९	दि. ल. ५, ६ (वी. २८ तक),
२२.८.२०२०	भाद्रपद शुक्ल. ४	शनि	*चित्रा	सिंह	धनु	कन्या	। । । । । ० ० । । ।	८	ल. २,
२३.८.२०२०	भाद्रपद शुक्ल. ५	रवि	*चित्रा	सिंह	धनु	तुला	। । । । । ० ० । । ।	८	दि. ल. ५ ६, ८,

नोट:- लत्तादि दस दोषों का क्रमशः उल्लेख किया गया है दोष को शून्य (०) तथा दोषरहित को रेखा (।) द्वारा सूचित किया गया है।
*ताराङ्कित अश्विनी, चित्रा, श्रवण व धनिष्ठा कात्यायनोक्त नक्षत्रों में विवाह मुहूर्त्त दिये गये हैं।

विवाह मुहूर्त्त विक्रम संवत् २०७७

दिनाङ्क	मास-पक्ष-तिथि	वार	नक्षत्र	विवाह लग्न में त्रिबल शुद्धि हेतु			लत्तादि दस दोषों का विवरण	रेखा योग	लग्न एवं पूजादि विवरण
				सूर्यराशि	गुरुराशि	चन्द्रराशि			
२३.८.2020	भाद्रपद शुक्ल. ५	रवि	स्वाति	सिंह	धनु	तुला	। । । । ० । । । । ।	९	ल. गोधू., २,
२४.८.२०२०	भाद्रपद शुक्ल. ६	सोम	स्वाति	सिंह	धनु	तुला	। । । । ० । । । । ।	९	दि. ल. ५, ६ मं. दान,
२६.८.२०२०	भाद्रपद शुक्ल. ८	बुध	अनुराधा	सिंह	धनु	वृश्चिक	। । । ० । । । ० । ।	८	दि. ल. ६ मं. दान
३०.८.२०२०	भाद्रपद शुक्ल. १२	रवि	*श्रवण	सिंह	धनु	मकर	० । । । । ० ० । । ।	७	ल. गोधू., १२,१२,
३१.८.२०२०	भाद्रपद शुक्ल. १३	सोम	*श्रवण	सिंह	धनु	मकर	० । । । । । ० । । ।	८	दि. ल. ६, मं. दान, ८ शु. दान,
३१.८.२०२०	भाद्रपद शुक्ल. १३	सोम	*धनिष्ठा	सिंह	धनु	मकर	० । । । । । ० । । ।	८	दि. ल. १०, गोधू., १२,२,
१७ अक्टूबर २०२० से १५ नवम्बर २०२० तक कार्तिक सौर मास (केवल हि.प्र., जम्मू काश्मीर एवं पञ्जाब)									
१९.१०.२०२०	आश्विन शुक्ल. ३	सोम	अनुराधा	तुला	धनु	वृश्चिक	। । । । । ० । । । ।	९	दि. ल. ७, सू. दान ६, १०, १२ मं. दान
२०.१०.२०२०	आश्विन शुक्ल. ४	भौम	मूल	तुला	धनु	धनु	। ० । । ० । । । । ।	८	ल. ५, मं. दान (२६/१२ से)
२१.१०.२०२०	आश्विन शुक्ल. ५	बुध	मूल	तुला	धनु	धनु	। ० । । ० ० । । । ।	७	दि.ल. ७, सू. दान, ६ च.दान, १०, १२ मं.दान
२५.१०.२०२०	आश्विन शुक्ल. ९	रवि	*धनिष्ठा	तुला	धनु	म./कुम्भ	। ० । । । ० । । । ।	८	दि. ल. ६, गोधू.,
२८.१०.२०२०	आश्विन शुक्ल.१२	बुध	उ.भा.	तुला	धनु	मीन	० । । । ० ० ० । । ।	६	दि. ल. ६, १०, ११, गोधूलि.
२९.१०.२०२०	आश्विन शुक्ल.१३	गुरु	उ.भा	तुला	धनु	मीन	० । । । ० । ० । । ।	७	दि. ल. ६, (१२/००, तक)
३१.१०.२०२०	आश्विन शुक्ल.१५	शनि	*अश्विनी	तुला	धनु	मेष	० । । । ० । ० । । ।	७	दि. ल. ६, १०, ११
०२.११.२०२०	कार्तिक कृष्ण. २	सोम	रोहिणी	तुला	धनु	वृष	। । । । । । । । । ।	१०	ल. ५, मं.
०३.११.२०२०	कार्तिक कृष्ण. ३	भौम	रोहिणी	तुला	धनु	वृष	। । । । । ० । । । ।	९	दि. ल. १०, ११ सू. दान (१४/२२ तक)
०६.११.२०२०	कार्तिक कृष्ण. ६	सोम	मघा	तुला	धनु.	सिंह	। । । । । । ० ० । ।	८	दि. ल. ६, १० च. दान गोधू,

नोटः- लत्तादि दस दोषों का क्रमशः उल्लेख किया गया है दोष को शून्य (०) तथा दोषरहित को रेखा (।) द्वारा सूचित किया गया है।

***ताराङ्कित अश्विनी, चित्रा, श्रवण व धनिष्ठा** कात्यायनोक्त नक्षत्रों में विवाह मुहूर्त्त दिये गये हैं।

विवाह मुहूर्त विक्रम संवत् २०७७

दिनाङ्क	मास-पक्ष-तिथि	वार	नक्षत्र	विवाह लग्न में त्रिबल शुद्धि हेतु सूर्यराशि	गुरुराशि	चन्द्रराशि	लत्तादि दस दोषों का विवरण	रेखा योग	लग्न एवं पूजादि विवरण
१२.११.२०२०	कार्तिक कृष्ण. १२	गुरु	हस्त	तुला	धनु	कन्या	० । । । । ० । ० । ०	६	दि. ल. ६, १०, ५ मं. दान,
१२.११.२०२०	कार्तिक कृष्ण. १२	गुरु	*चित्रा	तुला	धनु	कन्या	। । । । ० ० ० । । ।	७	ल. ५ मं. दान,
१३.११.२०२०	कार्तिक कृष्ण. १३	शुक्र	*चित्रा	तुला	धनु	क./तु	। । । । ० । ० । । ।	८	दि. ल. ६, १०,
१६ नवम्बर २०२० से २४ नवम्बर २०२० तक मार्गशीर्ष सौर मास (केवल हि.प्र., जम्मू काश्मीर एवं पञ्जाब)									
१८.११.२०२०	कार्तिक शुक्ल. ३	बुध	मूल	वृश्चिक	धनु	धनु	। । । । ० ० । । । ।	८	दि. ल. ६ च. दान (१०/३६ तक)
२०.११.२०२०	कार्तिक शुक्ल. ५	शुक्र	*श्रवण	वृश्चिक	मकर	मकर	। । । । । । । ० । ।	९	दि. ल. ६, १० च. दान , ११ श. दान
२१.११.२०२०	कार्तिक शुक्ल. ७	शनि	*श्रवण	वृश्चिक	मकर	मकर	। । । । । । । ० । ।	९	दि. ल. ६ (९/५३ तक)
२१.११.२०२०	कार्तिक शुक्ल. ७	शनि	*धनिष्ठा	वृश्चिक	मकर	कुम्भ	। । । । । । ० ० । ।	८	दि. ल. ६, (९/५३ से) १० च. दान, ११ श. दान
२४.११.२०२०	कार्तिक शुक्ल. १०	भौम	उ.भा.	वृश्चिक	मकर	मीन	। । । । । ० ० ० । ।	७	ल. गोधू., ३, गु. दान,
२४ नवम्बर २०२० से १४ दिसम्बर २०२० तक मार्गशीर्ष सौर मास									
०६.१२.२०२०	मार्गशीर्ष कृष्ण. ६	रवि	मघा	वृश्चिक	मकर	सिंह	। ० । । । ० ० । । ।	७	ल. गोधू. ३, बु. गु. दान,
०७.१२.२०२०	मार्गशीर्ष कृष्ण. ७	सोम	मघा	वृश्चिक	मकर	सिंह	। ० । । । । ० । । ।	८	दि. ल. ६, १० च. दान श. दान
०८.१२.२०२०	मार्गशीर्ष कृष्ण. ८	बुध	हस्त	वृश्चिक	मकर	कन्या	० । । । । । । ० । ।	८	ल. गोधू. ३, बु. गु. दान, ५ मं. दान
१०.१२.२०२०	मार्गशीर्ष कृष्ण.१०	गुरु	*चित्रा	वृश्चिक	मकर	क./तुला	। । । । ० ० । ० । ।	९	ल. गोधू, ३ बु. गु. दान, ५ मं. दाना
११.१२.२०२०	मार्गशीर्ष कृष्ण.११	शुक्र	*चित्रा	वृश्चिक	मकर	तुला	। । । । ० । । ० । ।	८	दि. ल. ६, (८/४५ तक)
११.१२.२०२०	मार्गशीर्ष कृष्ण.११	शुक्र	स्वाति	वृश्चिक	मकर	तुला	। । । । । । । ० । ।	९	दि. ल. ६, १० ,११ श. दान, ५ मं. गु. दान

नोटः- लत्तादि दस दोषों का क्रमशः उल्लेख किया गया है दोष को शून्य (०) तथा दोषरहित को रेखा (।) द्वारा सूचित किया गया है।
*ताराङ्कित अश्विनी, चित्रा, श्रवण व धनिष्ठा कात्यायनोक्त नक्षत्रों में विवाह मुहूर्त्त दिये गये हैं।

अशुद्ध विवाह मुहूर्त्त विक्रम संवत् २०७७

दिनाङ्क	मास-पक्ष-तिथि	वार	नक्षत्र	दोष विवरण
१४.४.२०२०	वैशाख कृष्ण.७	भौम	उ.षा.	शनियुति
१५.४.२०२०	वैशाख कृष्ण.८	बुध	उ.षा.	शनियुति
१५.४.२०२०	वैशाख कृष्ण. ८	बुध	श्रवण	भौमयुति
१६.४.२०२०	वैशास कृष्ण. ९	गुरु	श्रवण	भौमयुति
२७.४.२०२०	वैशाख शुक्ल. ४	सोम	मृगशीर्ष	राहुयुति, शनिवेध
१०.५.२०२०	ज्येष्ठ कृष्ण. ३	रवि	मूल	राहुवेध केतुयुति
१२.५.२०२०	ज्येष्ठ कृष्ण. ५	भौम	उ.षा.	शनियुति
१३.५.२०२०	ज्येष्ठ कृष्ण. ६	बुध	श्रवण	मृत्युवाण
२४.५.२०२०	ज्येष्ठ शुक्ल. २	रवि	मृगशीर्ष	राहुयुति, शनिवेध
१५.६.२०२०	आषाढ़ कृष्ण. १०	सोम	रेवती	भद्रा
१६.६.२०२०	आषाढ़ कृष्ण. १२	भौम	अश्विनी	भद्रा/मृत्युवाण
२१.६.२०२०	आषाढ़ कृष्ण. ३०	रवि	मृगशीर्ष	राहुयुति
२५.६.२०२०	आषाढ़ शुक्ल. ४	गुरु	मघा	मृत्युवाण
२८.६.२०२०	आषाढ़ शुक्ल. ८	रवि	हस्त	भौमवेध
२९.६.२०२०	आषाढ़ शुक्ल. ९	सोम	हस्त	भौमवेध
०१.७.२०२०	आषाढ़ शुक्ल. ११	बुध	अनुराधा	लग्नभाव
०५.७.२०२०	आषाढ़ शुक्ल. १५	रवि	उ.षा.	शनियुति
०६.७.२०२०	श्रावण कृष्ण. १	सोम	उ.षा.	शनियुति, मृत्युवाण
१४.७.२०२०	श्रावण कृष्ण. ९	भौम	अश्विनी	मृत्युवाण

अशुद्ध विवाह मुहूर्त्त विक्रम संवत् २०७७

दिनाङ्क	मास-पक्ष-तिथि	वार	नक्षत्र	दोष विवरण
१७.७.२०२०	श्रावण कृष्ण १२	शुक्र	मृगशीर्ष	मृत्युवाण
१८.७.२०२०	श्रावण कृष्ण. १३	शनि	मृगशीर्ष	राहुयुति
२४.७.२०२०	श्रावण शुक्ल. ४	शुक्र	उ.फा.	भौमवेध
२५.७.२०२०	श्रावण शुक्ल. ५	शनि	उ.फा.	भौमवेध
२७.७.२०२०	श्रावण शुक्ल. ६	रवि	चित्रा	मृत्युवाण
३१.०७.२०२०	श्रावण शुक्ल.१२	शुक्र	मूल	केतुयुति
०२.८.२०२०	श्रावण शुक्ल.१४	रवि	उ.षा.	शनियुति
०८.८.२०२०	भाद्रपद कृष्ण. ५	शनि	रेवती	भौमयुति
०९.८.२०२०	भाद्रपद कृष्ण. ६	रवि	रेवती	भौमयुति
१४.८.२०२०	भाद्रपद कृष्ण.१०	शुक्र	मृगशीर्ष	मृत्युवाण, राहुयुति
२५.८.२०२०	भाद्रपद शुक्ल.७	भौम	अनुराधा	लग्नभाव
२७.८.२०२०	भाद्रपद शुक्ल.९	गुरु	मूल	मृत्युवाण
२८.८.२०२०	भाद्रपद शुक्ल.१०	शुक्र	मूल	केतुयुति
२९.८.२०२०	भाद्रपद शुक्ल.१२	शनि	उ.षा.	शनियुति
३०.८.२०२०	भाद्रपद शुक्ल.१२	रवि	उ.षा.	शनियुति
१७.१०.२०२०	आश्विन शुक्ल.१	शनि	चित्रा	सक्रान्ति
१७.१०.२०२०	आश्विन शुक्ल.१	शनि	स्वाति	मृत्युवाण
१८.१०.२०२०	आश्विन शुक्ल.२	रवि	स्वाति	लग्न भाव
२२.१०.२०२०	आश्विन शुक्ल.६	गुरु	उ.षा.	शनियुति
२३.१०.२०२०	आश्विन शुक्ल.७	शनि	उ.षा.	शनियुति

अशुद्ध विवाह मुहूर्त्त विक्रम संवत् २०७७

दिनाङ्क	मास-पक्ष-तिथि	वार	नक्षत्र	दोष विवरण
२४.१०.२०२०	आश्विन शुक्ल.८	शनि	श्रवण	भुजंगपात
२९.१०.२०२०	आश्विन शुक्ल. १३	गुरु	रेवती	भौमयुति
३०.१०.२०२०	आश्विन शुक्ल.१४	शुक्र	रेवती	भौमयुति
०६.११.२०२०	कार्तिक कृष्ण. ४	बुध	मृगशीर्ष	राहुयुति
११.११.२०२०	कार्तिक कृष्ण. ११	बुध	उ.फा.	भौमवेध
१७.११.२०२०	कार्तिक शुक्ल. २	भौम	मूल	मृत्यवाण
१९.११.२०२०	कार्तिक शुक्ल. ४	गुरु	उ.षा.	शनियुति
२०.११.२०२०	कार्तिक शुक्ल. ५	शुक्र	उ.षा.	शनियुति
२५.११.२०२०	कार्तिक शुक्ल.११	बुध	उ.भा.	भीष्मपञ्चक
२६.११.२०२०	कार्तिक शुक्ल.१२	गुरु	रेवती	मृत्युवाण, भौमयुति
२६.११.२०२०	कार्तिक शुक्ल. १२	गुरु	अश्विनी	मृत्युवाण
२७.११.२०२०	कार्तिक शुक्ल.१२	शुक्र	अश्विनी	भीष्मपञ्चक
३०.११.२०२०	कार्तिक शुक्ल.१५	सोम	रोहिणी	भीष्मपञ्चक
०१.१२.२०२०	मार्गशीर्ष कृष्ण.१	भौम	रोहिणी	लग्नभाव
०१.१२.२०२०	मार्गशीर्ष कृष्ण.१	भौम	मृगशीर्ष	राहुयुति
०२.१२.२०२०	मार्गशीर्ष कृष्ण.२	बुध	मृगशीर्ष	राहुयुति
०८.१२.२०२०	मार्गशीर्ष कृष्ण.८	भौम	उ.फा.	भौमवेध
०९.१२.२०२०	मार्गशीर्ष कृष्ण.९	बुध	उ.फा.	भौमवेध

द्विरागमन मुहूर्त्त वि.सं. २०७७

दिनाङ्क	मास-पक्ष-तिथि	वार	नक्षत्र	लग्न एवं पूजादि विवरण
१५.४.२०२०	वैशाख कृष्ण. ८	बुध	उ.षा.	ल. २, के. दान,
१७.४.२०२०	वैशाख कृष्ण. १०	शुक्र	धनिष्ठा	ल. १, (०७.५) तक,
२९.४.२०२०	वैशाख शुक्ल. ६	बुध	पुनर्वसु	ल. १, २ के. दान,
३०.४.२०२०	वैशाख शुक्ल. ७	गुरु	पुष्य	ल. १, २, के. दान,
०१.५.२०२०	वैशाख शु.१२/११	सोम	उ.फा.	ल. २, के. दान,
०७.५.२०२०	वैशाख शुक्ल.१५	गुरु	स्वाति	ल.२, के दान,
०८.५.२०२०	ज्येष्ठ कृष्ण. १	शुक्र	अनुराधा	ल.६, बु. दान,
१३.५.२०२०	ज्येष्ठ कृष्ण. ६	बुध	श्रवण	ल.१२,(०६:००)तक के. दान
१९.११.२०२०	कार्तिक शुक्ल. ५	गुरु	उ.षा.	ल. १२, शु. बु. दान,
२०.११.२०२०	कार्तिक शुक्ल. ६	शुक्र	उ.षा./श्र	ल. ७, १२ शु. बु. दान,
०२.१२.२०२०	मार्ग. कृष्ण. २	बुध	मृग.	ल.७,
१०.१२.२०२०	मार्ग. कृष्ण. १०	गुरु	ह./चि.	ल. १२, शु.दान,३ गु.दान,
११.१२.२०२०	मार्ग. कृष्ण.११/१२	शुक्र	चि./स्वा.	ल.३, ७,

सर्वदेव प्रतिष्ठा मुहूर्त्त वि.सं. २०७७

दिनाङ्क	मास-पक्ष-तिथि	वार	नक्षत्र	लग्न एवं पूजादि विवरण
२४.४.२०२०	वैशाख शुक्ल. १	शुक्र	भरणी	ल. २, के. दान,
३०.४.२०२०	वैशाख शुक्ल. ७	गुरु	पुष्य	ल. २, के. दान, ५,
०४.५.२०२०	वैशाख शु.११/१२	सोम	उ.फा.	ल.२, के. दान, ५,
०७.५.२०२०	वैशाख शुक्ल.१५	गुरु	स्वाति	ल. ५,
२५.५.२०२०	ज्येष्ठ शुक्ल. ३	सोम	मृग.	ल.२, के.दान, (६:१० तक),
२७.५.२०२०	ज्येष्ठ शुक्ल. ५	बुध	पुन./पुष्य	ल. २, के. दान, ५,

मुण्डन (चौल) मुहूर्त्त वि.सं. २०७७

दिनाङ्क	मास-पक्ष-तिथि	वार	नक्षत्र	लग्न एवं पूजादि विवरण
२०.४.२०२०	वैशाख कृष्ण१३	सोम	उ.भा.	ल. ४,
३०.४.२०२०	वैशाख शुक्ल ७	गुरु	पुष्य	ल. ४,
०४.५.२०२०	वैशाख शुक्ल११	सोम	उ.फा.	ल. ४,
१५.०६.२०२०	आषाढ़ कृष्ण१०	सोम	रेवती	ल.६, अभिजित,
२४.०६.२०२०	आषाढ़ शुक्ल३	बुध	पुष्य	ल. ४, ६,

उपनयन मुहूर्त्त वि.सं. २०७७

दिनाङ्क	मास-पक्ष-तिथि	वार	नक्षत्र	लग्न एवं पूजादि विवरण
२६.३.२०२०	चैत्र शुक्ल २	गुरु	रे./अश्वि.	ल. १, ४ बु. दान,
२७.३.२०२०	चैत्र शुक्ल ३	शुक्र	अश्विन	ल. १,
०३.४.२०२०	चैत्र शुक्ल १०	शुक्र	पुष्य	ल. १, २ के. दान,
०६.४.२०२०	वैशाख कृष्ण २	गुरु	स्वाति	ल.४,
२६.४.२०२०	वैशाख शुक्ल ३	रवि	रोहिणी	ल. २, के. दान, ४
०३.५.२०२०	वैशाख शुक्ल१०	रवि	पू.फा.	ल. २, के. दान, ४
०४.५.२०२०	वैशाख शु.११/११	सोम	उ.फा.	ल. ४,
१०.५.२०२०	ज्येष्ठ कृष्ण ३	रवि	मूल	ल.१
२५.५.२०२०	ज्येष्ठ शुक्ल ३	सोम	मृग.	ल. २, सू. के दान, अभि.
२७.५.२०२०	ज्येष्ठ शुक्ल ५	बुध	पुन./पुष्य	ल.२, के. सू.दान, ५ के.दान
२२.६.२०२०	आषाढ़ शु. २	सोम	आर्द्रा/पुन.	अभिजित
२४.६.२०२०	आषाढ़ शु. ३	बुध	पुष्य	ल. ४, अभिजित

पुरातन गृह प्रवेश मुहूर्त्त वि.सं. २०७७

दिनाङ्क	मास-पक्ष-तिथि	वार	नक्षत्र	लग्न एवं पूजादि विवरण
१५.४.२०२०	वैशाख कृष्ण ८	बुध	उ.फा.	ल.२, के. दान, ५,च.शु. अभाव
१८.४.२०२०	वैशाख कृष्ण ११	शनि	शत.	ल.२, के. दान, ५, च.शु अभाव
२०.४.२०२०	वैशाख कृष्ण १३	सोम	उ.भा.	ल.२, के. दान, चक्रशुद्धि
३०.४.२०२०	वैशाख शुक्ल ७	गुरु	पुष्य	ल. २, के. दान, ५, चक्रशुद्धि
०४.५.२०२०	वैशाख शुक्ल१२	सोम	उ.फा.	ल.५, च. दान ५, चक्रशुद्धि
०८.५.२०२०	ज्येष्ठ कृष्ण १	शुक्र	अनुराधा	ल.२, के.दान च.शु. अभाव
१५.५.२०२०	ज्येष्ठ कृष्ण ८	शुक्र	ध./शत.	ल.५, चक्रशुद्धि
१८.५.२०२०	ज्येष्ठ कृष्ण ११	सोम	उ.भा.	ल.२, के. दान, चक्रशुद्धि
२३.५.२०२०	ज्येष्ठ शुक्ल १	शनि	रोहिणी	ल.२, के दान, ५, च.शु. अभाव
२५.५.२०२०	ज्येष्ठ शुक्ल ३	सोम	मृग.	ल.२, के. दान, ११, (६/१०) तक
२७.५.२०२०	ज्येष्ठ शुक्ल ५	बुध	पुष्य	ल.५, च. शु. आभाव
२८.५.२०२०	ज्येष्ठ शुक्ल ६	गुरु	पुष्य	ल. २, के. दान, च. शु. अ. (७/२२ तक)
०३.६.२०२०	ज्येष्ठ शुक्ल १२	बुध	स्वाति	ल.२, के. दान, ५, चक्रशुद्धि

पुरातन गृह प्रवेश मुहूर्त्त वि.सं. २०७७

दिनाङ्क	मास-पक्ष-तिथि	वार	नक्षत्र	लग्न एवं पूजादि विवरण
१०.६.२०२०	आ. कृष्ण ५	बुध	धनिष्ठा	ल.६, च. शु. अभाव
११.६.२०२०	आ. कृष्ण ६	गुरु	धनि./श.	ल.५, ६, च. शु अभाव
१२.६.२०२०	आ. कृष्ण ७	शुक्र	शत.	ल.५, च. शु. अभाव
१७.७.२०२०	श्रावण कृष्ण१२	शुक्र	रोहिणी	ल. अभिजित, चक्रशुद्धि अभाव
१८.७.२०२०	श्रावण कृष्ण१३	शनि	मृग.	ल. अभिजित, चक्रशुद्धि
२५.७.२०२०	श्रावण शुक्ल ५	शनि	उ.फा.	ल. अभि., चक्रशुद्धि अभाव
२६.७.२०२०	श्रावण शुक्ल१०	बुध	अनुराधा	ल. अभि., चक्रशुद्धि
०५.८.२०२०	भाद्रपद कृष्ण २	बुध	धनि./शत.	ल. ११, च. शु. अभाव धनि.
०६.८.२०२०	भाद्रपद कृष्ण ३	गुरु	शत.	ल. ५ मं. दान,.च. शु. अभाव
०८.८.२०२०	भाद्रपद कृष्ण ५	शनि	रेवती	ल. ११, च. शु. अभाव
११.१०.२०२०	द्वि.आ. शुक्ल२	सोम	अनु.	ल. ८ च. शु. अभाव
२६.१०.२०२०	द्वि.आ. शुक्ल १०	सोम	शत.	ल. अभि. चक्रशुद्धि
२८.१०.२०२०	द्वि. आ. शु.१२	बुध	उ.भा.	ल. ८, चक्रशुद्धि

पुरातन गृह प्रवेश मुहूर्त्त वि.सं. २०७७

दिनाङ्क	मास-पक्ष-तिथि	वार	नक्षत्र	लग्न एवं पूजादि विवरण
२६.१०.२०२०	द्वि. आ. शु.१३	गुरु	उ.भा/रे.	ल. ८, चक्रशुद्धि,
११.११.२०२०	कार्तिक कृष्ण११	बुध	उ.फा.	ल. ८, चक्रशुद्धि,
१३.११.२०२०	कार्तिक कृष्ण१३	शुक्र	चित्रा	ल. ८, चक्रशुद्धि,
१६.११.२०२०	कार्तिक शुक्ल५	गुरु	उ.षा.	ल. अभि., चक्रशुद्धि (६/३२ तक)
२०.११.२०२०	कार्तिक शुक्ल ६	शुक्र	उ.षा.	ल. ८, चक्रशुद्धि ६/२२तक
२१.११.२०२०	कार्तिक शुक्ल ७	शनि	धनिष्ठा	ल.अभि.२, चक्रशुद्धि भद्रा (६/५३ से)
२५.११.२०२०	कार्तिक शुक्ल११	बुध	उ.भा.	ल. ८, चक्रशुद्धि (भद्रा १५/५३ से)
२६.११.२०२०	कार्तिक शुक्ल१२	गुरु	रेवती	ल. ८, २, चक्रशुद्धि,
०२.१२.२०२०	मार्गशीर्ष कृष्ण२	बुध	मृग.	ल. विचारणीय
०५.१२.२०२०	मार्गशीर्ष कृष्ण ५	शनि	पुष्य	ल. ८, च. शु. अभाव
११.१२.२०२०	मार्गशीर्ष कृ.११/१२	शुक्र	चि./स्व.	ल. ८, २ चक्रशुद्धि,
१५.०१.२०२१	पौष शुक्ल २	शुक्र	धनिष्ठा	ल. १२, च. शु. अभाव
१६.०१.२०२१	पौष शुक्ल ३	शनि	शत.	ल. १२, च. शु. अभाव

पुरातन गृह प्रवेश मुहूर्त्त वि.सं. २०७७

दिनाङ्क	मास-पक्ष-तिथि	वार	नक्षत्र	लग्न एवं पूजादि विवरण
१८.०१.२०२१	पौष शुक्ल ५	सोम	उ.भा.	ल. १२, चक्रशुद्धि,
२०.०१.२०२१	पौष शुक्ल ७	बुध	रेवती	ल. १२, चक्रशुद्धि,
२५.०१.२०२१	पौष शुक्ल १२	सोम	मृग.	ल. १२, ८, चक्रशुद्धि,
०३.०२.२०२१	माघ कृष्ण ६	बुध	चित्रा	ल. २ च. शु. अभाव,
०४.०२.२०२१	माघ कृष्ण ७	गुरु	स्वाति	ल. २ च. शु अभाव,
१३.०२.२०२१	माघ शुक्ल २	शनि	शत.	ल. १२, चक्रशुद्धि अभाव,
२०.०२.२०२१	माघ शुक्ल ८	शनि	रोहिणी	ल. १२, २, चक्रशुद्धि,
२२.०२.२०२१	माघ शुक्ल १०	सोम	मृग.	ल. १२, चं.दान, चक्रशुद्धि,
२५.०२.२०२१	माघ शुक्ल १३	गुरु	पुष्य	ल. १२, २, चक्रशुद्धि,
०३.०३.२०२१	फाल्गुन कृष्ण ५	बुध	स्वाति	ल. २, च. शु. अभाव,
०५.०३.२०२१	फाल्गुन कृष्ण ७	शुक्र	अनु.	ल. २, ६, ६, च. शु अभाव
११.३.२०२१	फाल्गुन कृष्ण१३	गुरु	धनिष्ठा	ल. १२, २, चक्रशुद्धि,

गृहारम्भ मुहूर्त्त वि.सं. २०७७

दिनाङ्क	मास-पक्ष-तिथि	वार	नक्षत्र	लग्न एवं पूजादि विवरण
१८.०४.२०२०	वैशाख कृष्ण ११	शनि	शत.	ल.२, के दान, ५,च. शु अभाव
२०.०४.२०२०	वैशाख कृष्ण १३	सोम	उ.भा.	ल.२, के. दान, च. शु. अभाव
३०.०४.२०२०	वैशाख शुक्ल ७	गुरु	पुष्य	ल.२, के. दान, ५, च. शु अभाव
०४.०५.२०२०	वैशाख शु. ११/१२	सोम	उ.फा.	ल.२, के. दान, ५, चक्रशुद्धि
०७.०५.२०२०	वैशाख शुक्ल १५	गुरु	स्वा./अनु.	ल.५, चक्रशुद्धि
१८.७.२०२०	श्रावण कृष्ण १३	शनि	मृग.	ल.५, मं. दान, च. शु अभाव
२५.०७.२०२०	श्रावण शुक्ल ५	शनि	उ.फा.	ल.५, मं. दान, च. शु अभाव
२९.०७.२०२०	श्रावण शुक्ल १०	बुध	अनु.	ल.५, मं. दान, ८/३३ से, चक्रशुद्धि
३०.७.२०२०	श्रावण शुक्ल ११	गुरु	अनु.	ल.५, मं. दान (७/४० तक) चक्रशुद्धि
०३.०८.२०२०	श्रावण शुक्ल १५	सोम	श्रवण	ल.अभिजित
०५.०८.२०२०	भाद्रपद कृष्ण २	बुध	धनिष्ठा	ल.५, मं. दान, ६, चक्रशुद्धि
०६.०८.२०२०	भाद्रपद कृष्ण ३	गुरु	शत.	ल.५, मं. दान, चक्रशुद्धि
०८.०८.२०२०	भाद्रपद कृष्ण ५	शनि	उ.भा.	ल.६, अभि., चक्रशुद्धि
१६.११.२०२०	कार्तिक शुक्ल ५	गुरु	उ.षा.	ल.११, च. शु. अभाव

गृहारम्भ मुहूर्त्त वि.सं. २०७७

दिनाङ्क	मास-पक्ष-तिथि	वार	नक्षत्र	लग्न एवं पूजादि विवरण
२१.११.२०२०	कार्तिक शुक्ल ७	शनि	श्र./ध.	ल. ८, ६, च. शु. अभाव
०२.१२२०२०	मार्गशीर्ष कृष्ण २	बुध	मृग.	ल. ६, चक्रशुद्धि
०५.१२.२०२०	मार्गशीर्ष कृष्ण ५	शनि	पुष्य	ल. ८, ११, चक्रशुद्धि
१०.१२.२०२०	मार्गशीर्ष कृष्ण१०	गुरु	चित्रा	ल. २, च. शु. अभाव
११.१२.२०२०	मार्गशीर्ष कृष्ण११	शुक्र	चि./स्वा	ल. ८, ११, च. शु. अभाव

नूतन गृह प्रवेश मुहूर्त्त वि.सं. २०७७

दिनाङ्क	मास-पक्ष-तिथि	वार	नक्षत्र	लग्न एवं पूजादि विवरण
१५.०४.२०२०	वैशाख कृष्ण ८	बुध	उ.षा.	ल.२, के. दान, ५, बु. दान, च. शु. अभाव
२०.०४.२०२०	वैशाख कृष्ण १३	सोम	उ.भा.	ल.२, के. दान, अभि, चक्रशुद्धि
०४.०५.२०२०	वैशाख शु.११/१२	सोम	उ.फा.	ल. ५, चक्रशुद्धि
०८.०५.२०२०	ज्येष्ठ कृष्ण १	शुक्र	अनुराधा	ल. ५, चक्रशुद्धि अभाव
१८.०५.२०२०	ज्येष्ठ कृष्ण ११	सोम	उ.भा.	ल.२ के. दान, अभि. चक्रशुद्धि
२३.०५.२०२०	ज्येष्ठ शुक्ल १	शनि	रोहिणी	ल. ५, चक्रशुद्धि अभाव
२४.५.२०२०	ज्येष्ठ शुक्ल ३	सोम	मृग.	ल.२, के दान (६/१० तक) च. शु. अभाव

माङ्गलिक मुहूर्त्तों के निर्णेता - प्रो. परमानन्द भारद्वाज, आचार्य ज्योतिष-विभाग

✱ गण्ड-मूलादि-जन्म विचार ✱

अश्विनी, आश्लेषा, मघा, ज्येष्ठा, मूल एवं रेवती - ये ६ नक्षत्र गण्डमूल कहलाते हैं। इन नक्षत्रों में उत्पन्न बालक, माता, पिता, कुल या स्वयं को अरिष्टदायक होता है। यदि यह अरिष्ट से बच जाये तो अपने बल-बुद्धि से संसार में सुखपूर्व दीर्घायु प्राप्त करता है। इसलिए गण्डमूल में उत्पन्न शिशु के पिता को २७ दिन तक उसका मुख नहीं देखना चाहिए। और फिर प्रसूति-स्नान के बाद गण्डमूल की शान्ति गौदान आदि देकर बालक का मुख देखना चाहिए।

मूलनिवास-चक्र

मास के अनुसार	वैशा. ज्ये. मार्ग. फा.	चै.श्रा.का.पौ.	आषा.आश्वि.भाद्र.माघ
लग्न के अनुसार	२,५,८,११	३,६,९,१२	१,४,७,१०
मूल निवास स्थान	पाताल	भूमि	स्वर्ग
फल	शुभ	कुलनाश	शुभ

मूल-आश्लेषा चरण-फल

मूल चरण-फल		आश्लेषा चरण-फल		समय-फल	
१	पितृनाश	१	शांति से शुभ	दिन में	पिता को भय
२	मातृनाश	२	धन नाश	सन्ध्या में	स्वशरीर भय
३	धननाश	३	मातृनाश	रात्रि में	माता को भय
४	शान्ति से शुभ	४	पितृनाश		

मूलजन्म में वृक्ष विभाग

विभाग	मूल	स्तम्भ	त्वचा	शाखा	पत्र	पुष्प	फल	शिखा
घटी	७	८	१०	११	१२	५	४	३
फल	मूल नाश	वंशनाश	मातृक्लेश	मातुलकष्ट	राज्य लाभ	मन्त्री	प्रचुर लक्ष्मी	अल्पायु

मूल-पुरुष-चक्र

विभाग	शिर	मुख	स्कन्ध	बाहु	हाथ	हृदय	नाभि	गुप्तांग	जानु	पैर
घटी	५	७	४	८	३	९	२	१०	६	६
फल	राजा	पितृनाश	बली	बली	दानी	मन्त्री	ज्ञानी	कामी	बुद्धि-मान	बुद्धि-मान

मूल-कन्या-चक्र

विभाग	शिर	मुख	कण्ठ	हृदय	भुजा	हाथ	गुप्तांग	जंघा	जानु	पैर
घटी	४	६	५	५	१०	८	४	४	४	१०
फल	पशु-नाश	धननाश	धन-लाभ	कुटिलता	धन लाभ	धर्म-नाश	कामिनी	ज्ये.मातुल-नाश	भ्रातृ-नाश	विधवा

आश्लेषा नक्षत्रोत्पन्न पुत्र/कन्या-अङ्गविभाग

विभाग	शिर	मुख	नेत्र	ग्रीवा	स्कन्ध	हाथ	हृदय	नाभि	गुह्य	पैर
घटी	५	७	२	३	४	८	११	६	९	५
फल	पुत्र प्राप्ति	पितृनाश	मातृ-नाश	स्त्री-लम्पट	गुरु भक्ति	बली	आत्म-घाती	भ्रम	तपस्वी हानि	धन

आश्लेषा-वृक्ष-चक्र

विभाग	फल	पुष्प	पत्ता	शाखा	त्वचा	लता	स्कन्ध
घटी	१०	५	९	७	१३	१२	४
फल	धन	धन	राजभय	हानि	भ्रातृहानि	पितृहानि	अल्पायु

अभुक्त मूल-विचार-

ज्येष्ठा नक्षत्र के अन्त की ४ घटी मतान्तर से १ घटी और मूल नक्षत्र के प्रारम्भ की ४ घटी मतान्तर से आधी घटी अभुक्त मूल होता है। इस समय में कदाचित् बालक का जन्म हो, तो बालक के पिता को ८ वर्ष तक मतान्तर से ६ मास तक उसका मुख नहीं देखना चाहिए। इसकी शान्ति के लिए रुद्रार्चन अभिषेक एवं महामृत्युञ्जय की विधि सहित अभुक्त मूल शान्ति कर शुभ मुहूर्त में बालक का मुख देखना चाहिए।

वि. सं. २०७७, शाके १९४२, चैत्र शुक्ल पक्ष (दि. २५ मार्च से ८ अप्रैल २०२० ई०), उत्तरायण, उत्तर-गोल, वसन्त ऋतु, के. अहर्गण ३२७८, अयनांश २४°/०८'/०५"

दि.	मा.	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	न.	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	कर.	घ.	प.	सूर्योदय	सूर्यास्त	रा.	प्र.	मु.	अं.	चन्द्रचार	विवरण (भारतीय स्टैं. समय में)
३०	१८	१	बु.	२७	४०	१७	२७	रे.	६०	००	-	-	ब्र.	२३	०२	ब.	२७	४०	६:२३	६:३१	चैत्र ५	चैत्र १२	र. २६	मार्च २५	मीन	वासन्तिक नवरात्र प्रा., घटस्थापन, गुड़ीपड़वा, युगादि, (A)
३०	२२	२	गु.	३३	५०	१९	५४	रे.	०२	१५	०७	१६	ऐं.	२५	१५	बा.	००	४७	६:२२	६:३१	६	१३	शु. १	२६	मेष ७:१६	पञ्चक समा. ७:१६ बजे, मु. शव्वान प्रा.। सिन्धारा (B)
३०	२७	३	शु.	३६	४०	२२	१३	अश्वि.	०६	३०	१०	०६	वै.	२७	१५	तै.	०६	५०	६:२१	६:३२	७	१४	२	२७	मेष	गण्डमूल समा. १०:०६ बजे। मत्स्य जयन्ती अपराह्न (C)
३०	३१	४	श.	४४	५५	२४	१८	भ.	१६	२०	१२	५२	वि.	२८	५०	व.	१२	२५	६:२०	६:३३	८	१५	३	२८	वृष १६:३०	भद्रा ११:१८ बजे से २४:१८ बजे तक, शुक्र वृष में (D)
३०	३५	५	र.	४६	१७	२६	०२	कृ.	२२	२५	१५	१७	प्री.	२६	५२	ब.	१७	१५	६:१९	६:३३	९	१६	४	२९	वृष	गुरु मकर में २७:५४ बजे,
३०	४०	६	सो.	५२	२२	२७	१५	रो.	२७	२७	१७	१७	आयु.	३०	००	कौ.	२१	०२	६:१८	६:३४	१०	१७	५	३०	मिथुन ३०:०५	रोहिणी व्रत, यमुना छठ, स्कन्द षष्ठी।
३०	४४	७	मं.	५३	५५	२७	५०	मृग.	३१	१०	१८	४४	सौ.	२६	०२	ग.	२३	२५	६:१६	६:३४	११	१८	६	३१	मिथुन	भद्रा २७:५० बजे से, सूर्य रेवती में ०६:५८ बजे, (E)
३०	४८	८	बु.	५३	३२	२७	४०	आर्द्रा	३३	०५	१९	२६	शो.	२६	४०	वि.	२४	००	६:१५	६:३५	१२	१९	७	अप्रै. १	मिथुन	भद्रा १५:५१ बजे तक, महानिशा पूजा, दुर्गाष्टमी, (F)
३०	५२	९	गु.	५१	१२	२६	४३	पुन.	३३	०५	१९	२८	अति.	२२	४७	बा.	२२	४०	६:१४	६:३५	१३	२०	८	२	कर्क १३:३३	श्री राम नवमी व्रत, श्रीराम जयन्ती (मध्याह्न काल) (G)
३०	५७	१०	शु.	४६	५५	२४	५९	पु.	३१	०७	१८	४०	सु.	१७	२०	तै.	१९	२०	६:१३	६:३६	१४	२१	९	३	कर्क	गण्डमूल प्रा. १८:४० बजे, नवरात्र पारणा।
३१	०१	११	श.	४०	४५	२२	३०	आश्ले.	२७	२०	१७	०८	धृ.	१०	२०	व.	१४	०५	६:१२	६:३६	१५	२२	१०	४	सिंह १७:०८	भद्रा ११:५० बजे से २२:३० बजे तक, कामदा (H)
३१	०५	१२	र.	३३	०५	१९	२५	म.	२१	५५	१४	५७	शू. गं.	०१ ५२	५५ २०	ब.	०७	०७	६:११	६:३७	१६	२३	११	५	सिंह	गण्डमूल समा. १४:५७ बजे, मंगल श्रवण में २४:०० बजे, (I)
३१	०९	१३	सो.	२४	१५	१५	५२	पू.फा.	१५	१५	१२	१६	वृ.	४१	५७	तै.	२४	१५	६:१०	६:३७	१७	२४	१२	६	कन्या १७:३२	महावीर जयन्ती (जैन), अनङ्ग त्रयोदशी।
३१	१३	१४	मं.	१४	४५	१२	०२	उ.फा	०७	४७	०९	१५	ध्रु.	३१	०७	व.	१४	४५	६:०८	६:३८	१८	२५	१३	७	कन्या	भद्रा १२:०२ से २२:०३ बजे तक, बुध मीन में (J)
३१	१८	१५	बु.	०४	५५	०८	०५	ह.	००	०५	०६	०९	व्या.	२०	१०	ब.	०४	५५	६:०७	६:३९	१९	२६	१४	८	तुला १६:३३	शुक्र रोहिणी में १६:०१ बजे हनुमज्जयन्ती (K)

प्रमादी नाम संवत्सर

(A) भारतीय नववर्षारम्भ, रामायण नवाह्न प्रा., कल्पादि, गौतम जयन्ती। (B) झूलेलाल जयन्ती, चन्द्रदर्शन। (C) काल, गणगौरी तृतीया, मन्वादि। (D) १५:३८ बजे, विनायक चतुर्थी। (E) बुध पू.भा. ०७:५८ बजे,। (F) मेला मनसा देवी, मेला बाहुफोर्ट जम्मू, बैंक अवकाश। (G) श्री तारा जयन्ती, औली जैन प्रा., रामायण नवाह्न समा., नवरात्र समा.। (H) एकादशी व्रत (स.)। (I) प्रदोष व्रत। (J) १४:२३ बजे, पूर्णिमा व्रत। (K) (दाक्षिणात्य) औली जैन समा., सत्यव्रत, मन्वादि, सिद्धाचल यात्रा, वैशाख स्नान प्रा.।

ग्र.	सू.	चं.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
रा.	११	०२	०९	१०	०९	०१	०९	०२	०८
अं.	१७	१२	०६	२१	००	०३	०६	०९	०९
क.	३७	५५	४२	१२	१६	२४	३२	१६	१६
वि.	५८	५३	४२	००	००	५९	३१	५९	५९
गति	५९ १२	७८७ ४१	४१ ४२	७८ ४१	०७ २३	५५ २३	३ ४१	०३ ११	०३ ११
नक्षत्र चरण	रेव. १ च.	आर्द्रा. २ च.	उ.षा. ४ च.	पू.भा. १ च.	उ.षा. २ च.	कृत्ति. ३ च.	उ.षा. ३ च.	आर्द्रा १ च.	मूल. ३ च.

०१ अप्रैल २०२० ई., प्रातः ६:२७

१ | बु. ११ | १० मं. श. गु. | शु. २ | सू. १२ | चं. रा. ३ | ९ के. | ४ | ६ | ८ | ५ | ७

चैत्र शु. ८, बुधवार

विक्रम संवत् २०७७ चैत्र शुक्ल प्रतिपदा तदनुसार २५ मार्च २०२० ई. बुधवार से "प्रमादी" नामक नव-संवत्सर का प्रारम्भ हो रहा है। अतः नित्य नैमित्तिक कर्मानुष्ठान आदि के संकल्प में संवत्सर के अन्त तक इसका प्रयोग किया जायेगा। प्रमादी संवत्सर में प्रजा में आलस्य एवं प्रमाद का सञ्चार होता है। सशस्त्र युद्ध तथा रक्त पुष्प एवं रक्त बीज वाले पेड़ पौधों का नाश होता है। इस संवत्सर का राजा बुध होने के कारण धान्य प्रचूर मात्रा में उत्पन्न होगा। पशु एवं वाहन मन्दे रहेंगे। मन्त्री चन्द्र होने के कारण सफेद पदार्थों रूई, सूत, तिल, चाँदी आदि की आवक अधिक होने के कारण इनके भाव भी मन्दे रहेंगे।

८ अप्रैल २०२० ई., प्रातः ६:२७

शु. २ | सू.बु. १२ | १ | ११ | रा. ३ | १० मं. गु.श. | ४ | ७ | ५ | ९ के. | ८ | चं. ६

चैत्र शु. १५/१, बुधवार

M.Katyayana

ग्र.	सू.	चं.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
रा.	११	०५	०९	११	०९	०१	०९	०२	०८
अं.	२४	२३	११	००	०१	०९	०६	०८	०८
क.	३१	३२	३४	५९	०४	३९	५६	५४	५४
वि.	३१	५८	३६	४७	३५	३९	३०	४३	४३
गति	५८ ५६	९१६ ३०	४१ ४२	९० ४१	०६ २१	५० ४९	०३ ०५	०३ ११	०३ ११
नक्षत्र चरण	रेव. ३ च.	चित्रा. १ च.	श्रव. १ च.	पू.भा. ४ च.	उ.षा. २ च.	कृत्ति ४ च.	उ.षा ४ च.	आर्द्रा १ च.	मूल ३ च.

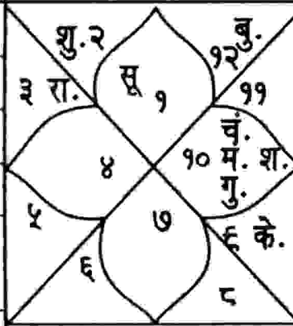
वि. सं. २०७७, शाके १९४२, वैशाख कृष्ण पक्ष (दि. ९ अप्रैल से २३ अप्रैल २०२० ई०), उत्तरायण, उत्तर-गोल, वसन्त/ग्रीष्म ऋतु, के. अहर्गण ३२११, अयनांश २४/०८'/०७"

दि.	मा.	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	न.	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	कर.	घ.	प.	सूर्योदय	सूर्यास्त	रा.	प्र.	मु.	अं.	चन्द्रचार	विवरण (भारतीय स्टैं. समय में)
०	०	१	बु.	५५	१७	२८	१४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०				०	०	
३१	२२	२	गु.	४६	२२	२४	३९	स्वा.	४५	२२	२४	१५	ह. व.	०६ ५९	१२ ३५	तै.	२०	४२	६:०६	६:३९	चै. २०	२७	शु. १५	अप्रै. ९	तुला	वुध उ.भा १६:२३ बजे,।
३१	२६	३	शु.	३८	३७	२१	३२	वि.	३९	३२	२१	५४	सि.	५०	४०	व.	१२	२०	६:०५	६:४०	२१	२८	१६	१०	वृश्चिक १६:२६	भद्रा ११:०१ से २३:३२ बजे तक, चतुर्थी व्रत (A)
३१	३०	४	श.	३२	२५	१९	०२	अनु.	३५	१७	२०	११	व्य.	४३	०७	ब.	०५	२०	६:०४	६:४०	२२	२९	१७	११	वृश्चिक	गण्डमूल प्रा २०:११ बजे,
३१	३४	५	र.	२८	०२	१७	१६	ज्ये.	३२	५२	१९	१२	वरि.	३७	०७	कौ.	००	०२	६:०३	६:४१	२३	३०	१८	१२	धनु १९:१२	ईस्टर सण्डे।
३१	३८	६	सो.	२५	४२	१६	१९	मू.	३२	३०	१९	०२	परि.	३२	४५	व.	२५	४२	६:०२	६:४१	२४	वै१	१९	१३	धनु	भद्रा१६:१९ से २८:०६ बजे तक, गण्डमूल समा.(B)
३१	४२	७	मं.	२५	२७	१६	१२	पू.षा.	३४	०७	१९	४०	शिव.	३०	००	ब.	२५	२७	६:०१	६:४२	२५	२	२०	१४	मकर २५:५७	अम्बेडकर जयन्ती, शर्करा सप्तमी, कालाष्टमी।
३१	४६	८	बु.	२५	०७	१६	५१	उ.षा.	३७	४०	२१	०४	सि.	२८	४७	कौ.	२५	०७	६:००	६:४२	२६	३	२१	१५	मकर	हिमाचल दिवस, शीतलाष्टमी
३१	५०	९	गु.	३०	३२	१८	१२	श्र.	४२	४५	२३	०५	सा.	२८	५२	ग.	३०	३२	५:५९	६:४३	२७	४	२२	१६	मकर	
३१	५४	१०	शु.	३५	१५	२०	०४	धनि.	४९	०५	२५	३६	शुभ	३०	००	व.	०२	४७	५:५८	६:४४	२८	५	२३	१७	कुम्भ १२:१८	भद्रा ०७:०५ बजे से २०:०४ बजे तक, पञ्चक प्रा.(C)
३१	५८	११	श.	४०	५२	२२	१८	शत.	५६	०७	२८	२४	शु.	३१	५०	ब.	०८	००	५:५७	६:४४	२९	६	२४	१८	कुम्भ	वरुथिनी एकादशी व्रत (स.) वल्लभाचार्य जयन्ती
३२	०२	१२	र.	४६	५७	२४	४३	पू.भा.	६०	००	-	-	ब्र.	३४	०५	कौ.	१३	३०	५:५६	६:४५	३०	७	२५	१९	मीन २४:३८	सायन सूर्य वृष में २०:१५ बजे। ग्रीष्म ऋतु प्रा.।
३२	०६	१३	सो.	५३	१२	२७	१२	पू.भा.	०३	४०	०७	२३	ऐं.	३६	२७	ग.	२०	०७	५:५५	६:४५	३१	८	२६	२०	मीन	भद्रा २७:१२ बजे से, सोम प्रदोष व्रत।
३२	१०	१४	मं.	५९	२०	२९	३८	उ.भा.	११	१०	१०	२२	वै.	३८	५०	वि.	२६	२०	५:५४	६:४६	वै १	९	२७	२१	मीन	भद्रा १६:२६ बजे तक, गण्डमूल प्र. १०:२२ बजे, (D)
३२	१४	३०	बु.	६०	००	-	-	रे.	१८	३२	१३	१८	वि.	४०	५७	चतु.	३२	१७	५:५३	६:४६	२	१०	२८	२२	मेष १३:१८	पञ्चक समा. १३:१८ बजे, राहु मृगशिरा में ०७:५६ बजे, (E)
३२	१८	३०	गु.	०५	१०	०७	५६	अश्वि.	२५	३२	१६	०५	प्री.	४२	४७	ना.	०५	१०	५:५२	६:४७	३	११	२९	२३	मेष	गण्डमूल समा. १६:०५ बजे,

(A) गुडफ्राइडे, चन्द्रोदय २१:२७ बजे,। (B)१९:०२ बजे, सूर्य अश्विनी में, मेष संक्रान्ति २०:२३ बजे, पुण्यकाल मध्याह्नोत्तर, वैशाख प्रा., वैशाखी, कोकिला षष्ठी, आर्यभट्ट जयन्ती। (C) १२:१८ बजे, बुध रेवती में २१:४३ बजे। (D) मासशिवरात्रि, रा. वैशाख प्रा.। (E) अमावस्या।

ग्र.	सू.	चं.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
रा.	००	०९	०९	११	०९	०१	०९	०२	०८
अं.	०१	०२	१६	१२	०१	१५	०७	०८	०८
क.	२३	२२	२६	०८	४५	१८	१६	३२	३२
वि.	२५	१३	३०	०७	४४	३९	१५	२८	२८
गति	५८ ४३	७४८ १६	४१ ४१	१०१ ५०	५ १५	४५ ००	२ २७	०३ ११	०३ ११
नक्षत्र चरण	अश्वि १ च.	उ.षा. २ च.	श्रव. २ च.	उ.भा. ३ च.	उ.षा २ च.	रोहि. २ च.	उ.षा ४ च.	आर्द्रा १ च.	मूल ३ च.

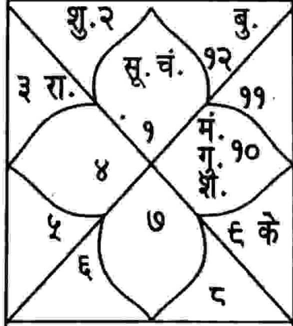
१५ अप्रैल २०२० ई., प्रातः ६:२७



वैशास कृ. ८, बुधवार

इस मास में पाँच बुधवार और पाँच गुरुवार हैं और मेष संक्रान्ति सोमवार को है, अतः चाँदी, रूई के भाव घटाबढ़ी के बाद तेज रहेंगे। गुड़, खाण्ड, सरसों, तिल, तेल, घी, मूँगफली आदि पदार्थों के भाव तेज रहेंगे। शेयर में घटाबढ़ी के बाद गिरावट का रुख रहेगा।

२३ अप्रैल २०२० ई., प्रातः ६:२७



वैशाख कृ. ३०, गुरुवार

ग्र.	सू.	चं.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
रा.	००	००	०९	११	०९	०१	०९	०२	०८
अं.	०९	०८	२१	२६	०२	२०	०७	०८	०८
क.	१२	३१	५९	२७	२२	४९	३३	०७	०७
वि.	२५	४८	३७	४५	५७	३६	१९	०२	०२
गति	५८ २९	७२० ०२	४१ ३४	११४ ४५	३ ५२	३६ १३	१ ४२	०३ ११	०३ ११
नक्षत्र चरण	अश्वि ३ च.	अश्वि ३ च.	श्रव ४ च.	रेव ३ च.	उ.षा. २ च.	रोहि. ४ च.	उ.षा ४ च.	आर्द्रा १ च.	मूल ३ च.

वि. सं. २०७७, शाके १९४२, वैशाख शुक्ल पक्ष (दि. २४ अप्रैल से ७ मई २०२० ई०), उत्तरायण, उत्तर-गोल, ग्रीष्म ऋतु, के. अहर्गण ३३०६, अयनांश २४°/०८'/०८"

दि.	मा.	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	न.	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	कर.	घ.	प.	सूर्योदय	सूर्यास्त	रा.	प्र.	मु.	अं.	चन्द्रचार	विवरण (भारतीय स्टैं. समय में)
३२	२२	१	शु.	१०	२७	१०	०२	भ.	३२	००	१८	३९	आ.	४३	१०	ब.	१०	२७	५:५१	६:४८	वै. ४	वै. १२	श. ३०	अप्रै. २४	वृष २५:१५	बुध अश्वि. मेष में २६:३५ बजे, मंगल धनिष्ठा (A)
३२	२६	२	श.	१५	०५	११	५२	कृ.	३७	४७	२०	५७	सौ.	४५	०२	कौ.	१५	०५	५:५०	६:४८	५	१३	र. १	२५	वृष	मु- रमजान प्रा., परशुराम जयन्ती (प्रदोष काल)।
३२	२९	३	र.	१८	५५	१३	२३	रो.	४२	४७	२२	५६	शो.	४५	१०	ग.	१८	५५	५:४९	६:४९	६	१४	२	२६	वृष	भद्रा २६:०० बजे से, अक्षय तृतीया, मातंगी जयन्ती, त्रेतायुगादि (B)
३२	३३	४	सो.	२१	४५	१४	३०	मृग.	४६	४२	२४	२६	अति.	४४	३०	वि.	२१	४५	५:४८	६:४९	७	१५	३	२७	मिथुन ११:४६	भद्रा १४:३० बजे तक, सूर्य भरणी में १२:०८ बजे (C)
३२	३७	५	मं.	२३	२२	१५	०८	आ.	४९	२५	२५	३३	सु.	४२	५०	बा.	२३	२२	५:४७	६:५०	८	१६	४	२८	मिथुन	आद्यगुरु शंकराचार्य जयन्ती, सूरदास जयन्ती, (D)
३२	४१	६	बु.	२३	३७	१५	१३	पुन.	५०	३७	२६	०१	धृति.	४०	०२	तै.	२३	३७	५:४६	६:५१	९	१७	५	२९	कर्क १६:५८	
३२	४४	७	गु.	२२	१५	१४	३९	पु.	५०	१७	२५	५२	शू.	३५	५७	व.	२२	१५	५:४५	६:५१	१०	१८	६	३०	कर्क	भद्रा १४:३९ से २६:०८ बजे तक, गण्डमूल प्रा. २५:५२ (E)
३२	४८	८	शु.	१९	१७	१३	२७	आश्ले.	४८	२२	२५	०५	ग.	३०	३५	ब.	१९	१७	५:४४	६:५२	११	१९	७	मई १	सिंह २५:०५	बुध भरणी में १६:०२ बजे, दुर्गाष्टमी (मध्याह्न- (F)
३२	५१	९	श.	१४	४०	११	३६	म.	४४	५०	२३	४०	वृ.	२३	५२	कौ.	१४	४०	५:४४	६:५२	१२	२०	८	२	सिंह	गण्डमूल समा. २३:४० बजे, सीता नवमी, जानकी (G)
३२	५५	१०	र.	०८	३७	०९	१०	पू.फा.	३९	५७	२१	४२	ध्रु.	१६	०२	ग.	०८	३७	५:४३	६:५३	१३	२१	९	३	कन्या २७:०६	भद्रा १६:४५ से, मोहिनी एकादशी व्रत (स्मा.)
३२	५८	११/१२	सो.	०१/५३	१७/००	०६/२६	१३/५४	उ.फा.	३४	०२	१९	१९	व्या./ह.	०७/५७	१२/३५	वि.	०१	१७	५:४२	६:५४	१४	२२	१०	४	कन्या	भद्रा ०६:१३ बजे तक, मंगल कुम्भ में २०:४० बजे, (I)
३३	०२	१३	मं.	४४	१०	२३	२१	ह.	२७	२५	१६	३९	व.	४७	३२	कौ.	१८	४०	५:४१	६:५४	१५	२३	११	५	तुला २७:१५	भौम प्रदोष व्रत।
३३	०५	१४	बु.	३५	१०	१९	४५	चि.	२०	२५	१३	५१	सि.	३७	२२	ग.	०९	४०	५:४१	६:५५	१६	२४	१२	६	तुला	भद्रा १६:४५ बजे से, नृसिंह जयन्ती (प्रदोष काल,) श्री (J)
३३	०९	१५	गु.	२६	२७	१६	१५	स्वा.	११	०७	११	०७	व्य.	२७	२७	वि.	००	४७	५:४०	६:५५	१७	२५	१३	७	वृश्चिक २७:१३	भद्रा ०५:५९ बजे तक, बुध कृतिका में २०:५१ बजे, (K)

(A) में २८:५३ बजे, चन्द्रदर्शन। (B) बद्री केदार यात्रा, रोहिणी व्रत। (C) शुक्र मृगशिरा में १६:५३ बजे, विनायक चतुर्थी। (D) रामानुज जयन्ती। (E) बजे, गंगोत्पत्ति, गंगा सप्तमी। (F) व्यापिनी), श्री बगलामुखी जयन्ती, श्रमिक दिवस। (G) नवमी, मैथिली दिवस। (I) मोहिनी एकादशी व्रत (वै.) (J) छिन्नमस्ता जयन्ती, पूर्णिमा व्रत। (K) बुद्ध पूर्णिमा, बुद्ध जयन्ती (उदय काल), सत्यव्रत, वैशाख स्नान समा. कूर्म जयन्ती (मध्याह्न काल,) रवीन्द्रनाथ टैगोर जयन्ती।

ग्र.	सू.	चं.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
रा.	००	०३	०९	००	०९	०१	०९	०२	०८
अं.	१६	१९	२७	१२	०२	२४	०७	०७	०७
क.	५९	१६	३१	२९	४८	५९	४४	४१	४१
वि.	२३	०१	३०	३३	५७	५८	१७	३६	३६
गति	५८	८३२	४१	१२६	०२	२४	००	०३	०३
	१४	२०	२३	३६	२७	१७	५६	११	११
नक्षत्र चरण	भर. २ च.	आश्ले. १ च.	धनि २ च.	अश्वि. ४ च.	उ.षा. २ च.	मृग. १ च.	उ.षा. ४ च.	आर्द्रा १ च.	मूल ३ च.

१ मई २०२० ई., प्रातः ६:२७

शु. २ | १२ | रा.३ | सू. बु. १ | ११ | मं. गु. श. १० | चं.४ | ५ | ७ | ९ के. | ६ | ८

वैशाख शु. ८, शुक्रवार

इस मास में मंगल गुरु एवं शनि की युति उनका राहु से षडष्टक तथा केतु से द्विर्द्वादश योग होने के कारण भारत के दक्षिण-पश्चिम प्रान्तों में राजनैतिक अस्थिरता की स्थिति रहेगी। भारत के नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में आतङ्की घटनाओं में जनधन की हानि की सम्भावना है। पाकिस्तान की सीमाओं पर भी आतङ्की घटनायें बढ़ेंगी। खाड़ी देशों सहित एशिया एवं यूरोप में भी राजनैतिक वैमनस्य बढ़ने से युद्ध विभीषिका की स्थिति रहेगी।

७ मई २०२० ई., प्रातः ०६:२७

रा.३ | सू. बु. १ | ४ | शु. २ | १२ | ५ | ११ मं. | ६ | ८ | १० गु. श. | ७ चं. | ९ के.

वैशाख शु. १५, गुरुवार

ग्र.	सू.	चं.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
रा.	००	०६	१०	००	०९	०१	०९	०२	०८
अं.	२२	१७	०१	२५	०३	२६	०७	०७	०७
क.	४८	०४	३९	२१	००	५८	४८	२२	२२
वि.	१३	५१	२१	५०	५०	०३	२५	३१	३१
गति	५८	८६४	४१	१३०	०१	१२	००	०३	०३
	०२	४३	१२	१३	२०	४६	२१	११	११
नक्षत्र चरण	भर. ३ च.	स्वा. ४ च.	धनि ३ च.	भर. ४ च.	उ.षा. २ च.	मृग. २ च.	उ.षा. ४ च.	आर्द्रा १ च.	मूल ३ च.

वि. सं. २०७७ शाके १९४२, ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष (दि. ८ मई से २२ मई २०२० ई०), उत्तरायण, उत्तर-गोल, ग्रीष्म ऋतु के. अहर्गण ३३२० अयनांश २४°/०८'/१०"

दि.	मा.	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	न.	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	कर.	घ.	प.	सूर्योदय	सूर्यास्त	रा.	प्र.	मु.	अं.	चन्द्रचार	विवरण (भारतीय स्टैं. समय में)
३३	१२	१	शु.	१८	२७	१३	०२	वि.	०७	२७	०८	३८	वरि.	१८	१०	कौ.	१८	२७	५:३६	६:५६	वै. १८	वै. २६	र. १४	मई ८	वृश्चिक	नारद जयन्ती।
३३	१५	२	श.	११	३२	१०	१५	अनु. ज्ये.	०२ ५८	१७ ३०	०६ २६	३३ ०२	परि.	०६	४५	ग.	११	३२	५:३८	६:५७	१९	२७	१५	९	धनु २६:०२	भद्रा २१:०५ बजे से, गण्डमूल प्रा ०६:३३ बजे, (A)
३३	१९	३	र.	०६	०५	०८	०४	मू.	५६	२७	२८	१३	शिव. सि.	०२ ५६	२५ ५०	वि.	०६	०५	५:३८	६:५७	२०	२८	१६	१०	धनु	भद्रा ०८:०४ बजे तक, गण्डमूल समा. २८:१३ (B)
३३	२२	४	सो.	०२	२५	०६	३५	पू.षा.	५६	२२	२८	१०	सा.	५२	३७	बा.	०२	२५	५:३७	६:५८	२१	२६	१७	११	धनु	सूर्य कृतिका में ०६:२२ बजे, शनि वक्री ०६:४५ बजे,
३३	२५	५	मं.	००	४२	०५	५३	उ.षा.	५८	१५	२८	५४	शुभ.	५०	०५	तै.	००	४२	५:३६	६:५६	२२	३०	१८	१२	मकर १०:१६	
३३	२८	६	बु.	०१	००	०६	००	श्र.	६०	००	–	–	शु.	४८	५७	व.	०१	००	५:३६	६:५६	२३	३१	१६	१३	मकर	भद्रा ०६:०० बजे, से १८:२० बजे तक, (C)
३३	३१	७	गु.	०३	१०	०६	५१	श्र.	०२	००	०६	२३	ब्र.	४६	१५	ब.	०३	१०	५:३५	७:००	२४	ज्ये. १	२०	१४	कुम्भ १६:२२	पञ्चक प्रा. १६:२२ बजे, वृष संक्रान्ति १७:१६ बजे,(D)
३३	३४	८	शु.	०६	५७	०८	२२	धनि.	०७	१५	०८	२६	ऐं.	५०	३०	कौ.	०६	५७	५:३५	७:००	२५	२	२१	१५	कुम्भ	
३३	३७	९	श.	१२	०२	१०	२३	शत.	१३	४७	११	०५	वै.	५२	३२	ग.	१२	०२	५:३४	७:०१	२६	३	२२	१६	कुम्भ	भद्रा २३:३१ बजे से,
३३	४०	१०	र.	१७	५५	१२	४३	पू.भा.	२१	०२	१३	५८	वि.	५५	२७	वि.	१७	५५	५:३३	७:०२	२७	४	२३	१७	मीन ७:१४	भद्रा १२:४३ बजे तक,
३३	४३	११	सो.	२४	००	१५	०६	उ.भा.	२८	३२	१६	५८	प्री.	५७	२०	बा.	२४	००	५:३३	७:०२	२८	५	२४	१८	मीन	गण्डमूल प्रा. १६:५८ बजे, अपरा एकादशी व्रत (स.)।
३३	४५	१२	मं.	२६	५७	१७	३२	रे.	३५	५०	१९	५३	आ.	५६	२७	तै.	२६	५७	५:३३	७:०३	२९	६	२५	१९	मेष १९:५३	पञ्चक समा. १९:५३ बजे, भौमप्रदोष व्रत।
३३	४८	१३	बु.	३५	२७	१९	४३	अश्वि.	४२	४२	२२	३७	सौ.	६०	००	ग.	०२	४७	५:३२	७:०३	३०	७	२६	२०	मेष	भद्रा १९:४३ बजे से, गण्डमूल समा. २२:३७ (E)
३३	५१	१४	गु.	४०	१०	२१	३६	भ.	४६	४७	२५	०३	सौ.	०१	३५	वि.	०७	३५	५:३२	७:०४	३१	८	२७	२१	मेष	भद्रा ०८:४२ बजे तक,
३३	५३	३०	शु.	४४	०५	२३	०६	कृ.	५४	०५	२७	०६	शो.	०२	१७	चतु.	१२	१५	५:३१	७:०५	ज्ये. १	९	२८	२२	वृष ७:३७	रा. ज्येष्ठ प्रा., वटसावित्री व्रत, भावुका अमावस्या।

(A) बुधवृष में ६:४७ बजे,। (B) बजे, चन्द्रोदय २२:२६ बजे, चतुर्थी व्रत, चन्द्रोदय २२/२६। (C) बुधरोहिणी २६:५४ बजे,शुक्र वक्री १२:२५ बजे,। (D) सं. पुण्यकाल प्रातः १०:५२ से सूर्यास्त तक, शुक्र शतभिषा में१४:०० बजे, गुरु वक्री २०:२० बजे, भानु सप्तमी, कालाष्टमी,। (E) बजे, सायन सूर्य मिथुन में १६:१६ बजे, बुध मृगशिरा में २४:३४ बजे, मासशिवरात्रि।

१५ मई २०२० ई. प्रातः ६:२७

ग्र.	सू.	चं.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
रा.	०१	१०	१०	०१	०६	०१	०६	०२	०८
अं.	००	०५	०७	१२	०३	२७	०७	०६	०६
क.	३१	३८	०८	२०	०६	३८	४८	५७	५७
वि.	४७	०३	०४	५३	१३	३३	२६	०५	०५
गति	५७ ५१	७२३ १६	४० ५४	१२० ३०	०० व. ११	०२ व. ५६	०० व. २०	०३ ११	०३ ११
नक्षत्र चरण	कृति. २ च.	धनि. ४ च.	शत. १ च.	रो. १ च.	उ.षा. २ च.	मृग. २ च.	उ.षा. ४ च.	आर्द्रा १ च.	मूल ३ च.

रा. ३ सू.बु.शु. २ ४ ५ ६ ७ ८ ९ के १० गु. श. ११ मं. चं. १२ १

ज्येष्ठ कृ. ८, शुक्रवार

इस मास में पाँच शुक्रवार हैं और वृष की संक्रान्ति गुरुवार को है, अतः गुड़, घी, रूई, तिल, सरसों के भाव तेज रहेंगे। गेहूँ, जौ, तेल चना आदि अन्नों के भाव मन्दे रहेंगे। शेयर बाजार में घटाबढ़ी के बाद मन्दी की स्थित रहेगी।

२२ मई २०२० ई. प्रातः ६:२७

रा. ३ सू. बु शु. २ चं. १ १२ ११ मं. १० गु. श. ९ के. ८ ७ ६ ५ ४

ज्येष्ठ कृ. ३०, शुक्रवार

ग्र.	सू.	चं.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
रा.	०१	००	१०	०१	०६	०१	०६	०२	०८
अं.	०७	२६	११	२५	०३	२६	०७	०६	०६
क.	१६	२४	५३	३०	००	१०	४३	३४	३४
वि.	१८	२५	१६	३३	५७	२५	२७	५०	५०
गति	५७ ४३	७३७ ३६	४० ३१	१०१ २९	०१ व. १९	१९ व. ४२	०१ व. ०१	०३ ११	०३ ११
नक्षत्र चरण	कृति. ४ च.	कृति. १ च.	शत. २ च.	मृग. १ च.	उ.षा. २ च.	मृग. १ च.	उ.षा. ४ च.	मृग. ४ च.	मूल २ च.

वि. सं. २०७७, शाके १९४२, ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष (दि. २३ मई से ०५ जून २०२० ई०), उत्तरायण, उत्तर-गोल, ग्रीष्म ऋतु, के. अहर्गण ३३३५, अयनांश २४°/०८'/१२"

दि.	मा.	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्ष.	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	कर.	घ.	प.	सूर्योदय	सूर्यास्त	रा.	प्र.	मु.	अं.	चन्द्रचार	विवरण (भारतीय स्टैं. समय में)
३३	५६	१	श.	४६	५५	२४	१७	रो.	५८	२०	२८	५१	अति.	०२	३७	किं.	१५	३७	५:३१	७:०५	ज्ये. २	ज्ये. १०	र. २६	मई २३	वृष	रोहिणी व्रत, काशी दशाश्वमेध स्नान प्रा.।
३३	५८	२	र.	४८	४७	२५	०१	मृग.	६०	००	–	–	सु.	०२	१५	बा.	१८	००	५:३०	७:०६	३	११	३०	२४	मिथुन १७:३४	सूर्य रोहणी में, २६:३३ बजे, बुध मिथुन में (A)
३४	००	३	सो.	४९	३०	२५	१८	मृग.	०१	४०	०६	१०	धृ. शूल.	०१ ५८	०० ५५	तै.	१९	१७	५:३०	७:०६	४	१२	श. १	२५	मिथुन	मु. शव्वाल प्रा., रम्भा तृतीया (B)
३४	०३	४	मं.	४९	०७	२५	०९	आर्द्रा	०३	५०	०७	०२	गं.	५५	५७	व.	१९	२७	५:३०	७:०७	५	१३	२	२६	कर्क २५:२४	भद्रा १३:१७ से २५:०९ बजे तक, विनायक चतुर्थी।
३४	०५	५	बु.	४७	३७	२४	३२	पुन.	०४	५७	०७	२८	वृ.	५२	०५	ब.	१८	३२	५:२९	७:०७	६	१४	३	२७	कर्क	
३४	०७	६	गु.	४४	५७	२३	२८	पु.	०४	५५	०७	२७	ध्रु.	४७	१५	कौ.	१९	२५	५:२९	७:०८	७	१५	४	२८	कर्क	गण्डमूल प्रा. ७:२७ बजे, वक्री शुक्र रोहिणी (C)
३४	०९	७	शु.	४१	०७	२१	५६	आश्ले.	०३	४२	०६	५८	व्या.	४१	३२	ग.	१३	१०	५:२९	७:०९	८	१६	५	२९	सिंह ०६:५८	भद्रा २१:५६ बजे से, बुध आर्द्रा में १४:०० बजे,
३४	११	८	श.	३६	१५	१९	५८	म. पू.फा.	०१ ५८	३७ ३०	०६ २८	०३ ४२	ह.	३४	५७	वि.	०८	५०	५:२८	७:०९	९	१७	६	३०	सिंह	भद्रा ०९:०० बजे तक, गण्डमूल समा. ०६:०३ बजे, (D)
३४	१३	९	र.	३०	२२	१७	३७	उ.फा.	५३	५२	२७	०१	व.	२७	३२	बा.	०३	२५	५:२८	७:१०	१०	१८	७	३१	कन्या १०:१९	वक्री शुक्रास्त ०८:३० बजे, विश्व तम्बाकू निषेध (E)
३४	१५	१०	सो.	२३	४५	१४	५८	ह.	४८	५७	२५	०३	सि.	१९	३०	ग.	२३	४५	५:२८	७:१०	११	१९	८	जून १	कन्या	भद्रा २५:३२ से प्रा., गंगा दशहरा, रामेश्वर प्रतिष्ठा (F)
३४	१७	११	मं.	१६	३२	१२	०५	चि.	४१	०५	२२	५४	व्य.	११	००	वि.	१६	३२	५:२८	७:११	१२	२०	९	२	तुला ११:५९	भद्रा १२:०५ बजे तक, गायत्री जयन्ती, निर्जला (G)
३४	१८	१२	बु.	०९	०२	०९	०५	स्वा.	३८	०७	२०	४३	वरि. परि.	०३ ५३	१२ ३५	बा.	०९	०२	५:२८	७:११	१३	२१	१०	३	तुला	मंगल पू.भा. ९:४० बजे, प्रदोष व्रत। वक्री शुक्रास्त ०८:३० बजे, ३१ मई रविवार
३४	२०	१३ १४	गु.	०१ ५४	३७ ३२	०६ २७	०६ १६	वि.	३०	५२	१८	३६	शि.	४४	५५	तै.	०१	३७	५:२७	७:१२	१४	२२	११	४	वृश्चिक १३:०७	भद्रा २७:१६ बजे से,
३४	२१	१५	शु.	४८	०७	२४	४२	अनु.	२८	१०	१६	४३	सि.	३७	१७	वि.	२१	१५	५:२७	७:१२	१५	२३	१२	५	वृश्चिक	भद्रा १३:५७ बजे तक, गण्डमूल प्रा. १६:४३ बजे, (H)

(A) २३:५४ बजे, चन्द्रदर्शन।(B) महाराणा प्रताप जयन्ती, ईद उल फितर। (C) में १२:३४ बजे, शुक्र वार्धक्य प्रा. ०८:३० बजे, अरण्य षष्ठी, विन्ध्यवासिनी पूजा। (D) दुर्गाष्टमी, मेला क्षीरभवानी (काश्मीर), श्री धूमावती जयन्ती। (E) दिवस, शुक्रास्त ८/३० (F) , गंगावतरण। (G) एकादशी व्रत (स.)। (H) पूर्णिमा व्रत, वटसावित्री व्रत (दाक्षिणात्य), वट पूर्णिमा, कबीरदास जयन्ती, सत्यव्रत, मन्वादि (वैवस्वत), विश्व पर्यावरण दिवस।

ग्र.	सू.	चं.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
रा.	०१	०४	१०	०२	०९	०१	०९	०२	०८
अं.	१४	१३	१७	०७	०२	२२	०७	०९	०९
क.	५७	३४	१५	३३	४३	२०	३२	०९	०९
वि.	२०	१३	२८	४८	४०	४०	०२	२३	२३
गति	५७ ३१	८४७ ५०	३९ ५५	७५ ४१	०२ व. ४८	३४ व. २९	०१ व. ४५	०३ ११	०३ ११
नक्षत्र चरण	रोहिणी २ च.	पू.फा. १ च.	शत. ४ च.	आर्द्रा १ च.	उ.षा. २ च.	रोहिणी ४ च.	उ.षा. ४ च.	मृग. ४ च.	मूल. २ च.

३० मई २०२० ई., प्रातः ६:२७

बु.रा. ३ | १ | ४ | सू.शु. २ | १२ | चं. ५ | ११ मं. | १० गु. श. | ६ | ८ | ७ | ९ के.

ज्येष्ठ शु. ८, शनिवार

इस मास में सूर्य-बुध-शुक्र की युति उनका राहु से द्विर्द्वादश सम्बन्ध तथा गुरु-शनि से त्रिकोणीय सम्बन्ध होने के कारण चीन से कूटनैतिक सम्बन्धों में दरार पड़ने की सम्भावना है। चीन की सीमा पर सैनिक गतिविधियाँ बढ़ेंगी। व्यवसायी वर्ग का सरकार से टकराव होने की सम्भावना है। सरकार द्वारा उद्योग को बढ़ावा देने के लिए वित्तीय सहायता देने की सम्भावना है।

५ जून २०२० ई., प्रातः ६:२७

४ | सू.शु. २ | ५ | बु.रा. ३ | १ | ६ | १२ | ७ | ९ के. | ११ मं. | ८ चं. | १० गु.श.

ज्येष्ठ शु. १५, शुक्रवार

ग्र.	सू.	चं.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
रा.	०१	०७	१०	०२	०९	०१	०९	०२	०८
अं.	२०	१०	२१	१४	०२	१८	०७	०५	०५
क.	४२	२९	१३	१५	२३	३८	१९	५०	५०
वि.	०८	४६	४९	१९	१०	२१	४४	१९	१९
गति	५७ २४	८६० ३७	३९ २६	५४ १२	०३ व. ५१	३७ व. ४२	०२ व. १६	०३ ११	०३ ११
नक्षत्र चरण	रोहिणी ४ च.	अनु. ३ च.	पू.भा. १ च.	आर्द्रा ३ च.	उ.षा. २ च.	रोहि ३ च.	उ.षा ४ च.	मृग. ४ च.	मूल २ च.

वि. सं. २०७७, शाके १९४२, आषाढ़ कृष्ण पक्ष (दि. ६ जून से २१ जून २०२० ई०), उत्तरायण/दक्षिणायन, उत्तर-गोल, ग्रीष्म/वर्षा ऋतु, के. अहर्गण ३३४१, अयनांश २४°/०८'/१५"

दि.	मा.	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	न.	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	कर.	घ.	प.	सूर्योदय	सूर्यास्त	रा.	प्र.	मु.	अं.	चन्द्रचार	विवरण (भारतीय स्टैं. समय में)
३४	२३	१	श.	४२	४५	२२	३३	ज्ये.	२४	२२	१५	१२	सा.	२६	४०	बा.	१५	१७	५:२७	७:१३	ज्ये. १६	ज्ये. २४	शु. १३	जून ६	धनु १५:१२	
३४	२४	२	र.	३८	४२	२०	५६	मू.	२१	४७	१४	१०	शुभ.	२३	३०	तै.	१०	५७	५:२७	७:१३	१७	२५	१४	७	धनु	गण्डमूल समा. १४:१० बजे, सूर्य मृगशिरा में २४:२८ बजे,
३४	२५	३	सो.	३६	१५	१९	५७	पू.षा.	२०	४५	१३	४५	शु.	१८	३२	व.	०७	१५	५:२७	७:१३	१८	२६	१५	८	मकर १९:४५	भद्रा ०८:२१ बजे से १९:५७ बजे तक, वक्री (A)
३४	२७	४	मं.	३५	३०	१९	३९	उ.षा.	२१	२२	१४	००	ब्र.	१४	५७	ब.	०५	४०	५:२७	७:१४	१९	२७	१६	९	मकर	
३४	२८	५	बु.	३६	३५	२०	०५	श्र.	२३	४५	१४	५७	ऐं.	१२	४७	कौ.	०५	५०	५:२७	७:१४	२०	२८	१७	१०	कुम्भ २७:४१	पञ्चक प्रा. २७:४१ बजे,
३४	२९	६	गु.	३९	२०	२१	११	धनि.	२७	५०	१६	३५	वै.	१२	०२	ग.	०७	४५	५:२७	७:१५	२१	२९	१८	११	कुम्भ	भद्रा २१:११ बजे से, शुक्र वाल्यत्व समा. २०:४५ बजे,
३४	३०	७	शु.	४३	३५	२२	५३	शत.	३३	२२	१८	४८	वि.	१२	३०	वि.	११	१७	५:२७	७:१५	२२	३०	१९	१२	कुम्भ	भद्रा ०६:५८ बजे तक, भानु सप्तमी।
३४	३०	८	श.	४८	५०	२४	५९	पू.भा.	४०	०२	२१	२८	प्री.	१३	५७	बा.	१६	०७	५:२७	७:१५	२३	३१	२०	१३	मीन १४:४६	कालाष्टमी।
३४	३१	९	र.	५४	४२	२७	२०	उ.भा.	४७	१५	२४	२१	आ.	१६	००	तै.	२१	४५	५:२७	७:१६	२४	आ. १	२१	१४	मीन	गण्डमूल प्रा. २४:२१ बजे, मिथुन संक्रान्ति (B)
३४	३२	१०	सो.	६०	००	-	-	रे.	५४	३५	२७	१७	सौ.	१८	२२	व.	२७	४०	५:२७	७:१६	२५	२	२२	१५	मेष २७:१७	भद्रा १६:३१ बजे से, पञ्चक समा. २७:१७ बजे,
३४	३२	१०	मं.	००	३५	०५	४१	अश्वि	६०	००	-	-	शो.	२०	३५	वि.	००	३५	५:२७	७:१६	२६	३	२३	१६	मेष	भद्रा ०५:४१ बजे तक,
३४	३३	११	बु.	०६	००	०७	५१	अश्वि	०१	३२	०६	०४	अति.	२२	२०	बा.	०६	००	५:२७	७:१७	२७	४	२४	१७	मेष	गण्डमूल समा. ०६:०४ बजे, योगिनी एकादशी व्रत (स.)।
३४	३३	१२	गु.	१०	५७	०९	४०	भर.	०७	३७	०८	३०	सु.	२३	२५	तै.	१०	५७	५:२७	७:१७	२८	५	२५	१८	वृष १५:०३	मंगल मीन में २०:१४ बजे, बुध वक्री १०:३५ (C)
३४	३३	१३	शु.	१३	५५	११	०२	कृ.	१२	३७	१०	३१	धृति.	२३	३०	व.	१३	५५	५:२८	७:१७	२९	६	२६	१९	वृष	भद्रा ११:०२ से २३:३१ बजे तक, मासशिवरात्रि।
३४	३४	१४	श.	१६	००	११	५२	रो.	१६	२५	१२	०२	शू.	२२	३५	शकु	१६	००	५:२८	७:१७	३०	७	२७	२०	मिथुन २४:३५	सायन सूर्य कर्क में २७:१४ बजे, रोहिणी व्रत, अमावस्या (D)
३४	३४	३०	र.	१६	४७	१२	११	मृग.	१८	५२	१३	०१	गं.	२०	४०	ना.	१६	४७	५:२८	७:१८	३१	८	२८	२१	मिथुन	सूर्य आर्द्रा में २३:२८ बजे, अमावस्या, सूर्यग्रहण, (E)

शुक्रोदय
२०:४५ बजे
८ जून २०२०

(A) शुक्रोदय २०:४५ बजे, चतुर्थी व्रत, चन्द्रोदय २२/०६। (B) २३:५४ बजे, संक्रान्ति पुण्यकाल मध्याह्नोत्तर, बुध पुन. में ८:५६ बजे। (C) बजे, प्रदोष व्रत। (D) श्राद्धादि, दक्षिणायन प्रा.। (E) सबसे बड़ा दिन, अन्ताराष्ट्रिय योग दिवस।

ग्र.	सू.	चं.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
रा.	०१	१०	१०	०२	०९	०१	०९	०२	०८
अं.	२८	२५	२६	१९	०१	१४	०६	०५	०५
क.	२१	५०	२६	३६	४६	०७	५८	२४	२४
वि.	०१	४८	२९	५५	३२	३०	४५	५३	५३
गति	५७ १९	७१७ ८	३८ ३६	२१ ०९	०५ व. ०८	२८ व. ५५	०२ व. ५३	०३ ११	०३ ११
नक्षत्र चरण	मृग. २ च.	पू.भा. २ च.	पू.भा. २ च.	आर्द्रा ४ च.	उ.षा. २ च.	रोहि. २ च.	उ.षा. ४ च.	मृग. ४ च.	मूल २ च.

१३ जून २०२० ई. प्रातः ६:२७

४ सू.शु. २ १ ५ बु.रा. ३ ६ १२ ७ ९ के. ११ मं. चं. ८ १० गु. श.

आषाढ़ कृ. ८, शनिवार

इस मास में पाँच शनिवार तथा पाँच रविवार हैं और मिथुन की संक्रान्ति रविवार को है, अतः प्रजा में अशान्ति, रोग, चोर, डकैती आदि का भय व्याप्त रहेगा। जौ, गेहूँ, चने, अलसी, आदि खाद्यान्नों एवं सुवर्ण, हाथी दाँत, मोम, मजीठ, केसर, सिन्दूर आदि पदार्थों के भाव तेज रहेंगे। शेयर बाजार का रुख भी तेज रहेगा।

२१ जून २०२० ई. प्रातः ६:२७

४ शु. २ ५ सू.चं.बु.रा. ३ १ ६ १२ ७ ९ के. ११ ८ १० गु. श.

आषाढ़ कृ. ३०, रविवार

ग्र.	सू.	चं.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
रा.	०२	०२	११	०२	०९	०१	०९	०२	०८
अं.	०५	०३	०१	२०	०१	११	०६	०४	०४
क.	५९	०८	३१	१९	००	३३	३३	५९	५९
वि.	२४	०५	३३	४४	२७	०१	०२	२६	२६
गति	५७ १६	८३६ ३६	३७ २९	१० व. १८	०६ व. १३	११ व. १३	०३ व. २७	०३ ११	०३ ११
नक्षत्र चरण	मृग. ४ च.	मृग. ३ च.	पू.भा. ४ च.	पुन. १ च.	उ.षा. २ च.	रोहि १ च.	उ.षा. ३ च.	मृग. ४ च.	मूल. २ च.

वि. सं. २०७७, शाके १९४२, आषाढ़ शुक्ल पक्ष (दि. २२ जून से ५ जुलाई २०२० ई०), दक्षिणायन, उत्तर-गोल, वर्षा ऋतु, के. अहर्गण ३३९५, अयनांश २४°/०८'/१८"

दि.	मा.	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्ष.	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	कर.	घ.	प.	सूर्योदय	सूर्यास्त	रा.	प्र.	मु.	अं.	चन्द्रचार	विवरण (भारतीय स्टैं. समय में)
३४	३४	१	सो.	१६	२०	१२	००	आ.	२०	०७	१३	३१	वृ.	१७	४५	ब.	१६	२०	५:२८	७:१८	आ. १	आ. ६	श. २९	जून २२	मिथुन	व्रक्री बुध आर्द्रा में १३:४८ बजे, रा. आषाढ़ प्रा. (A)
३४	३४	२	मं.	१४	४०	११	२०	पुन.	२०	१२	१३	३३	ध्रु.	१३	५२	कौ.	१४	४०	५:२८	७:१८	२	१०	जि. १	२३	कर्क ७:३५	मंगल उ.भा. में २८:१० बजे, मु जिल्काद प्रा. (B)
३४	३३	३	बु.	११	५२	१०	१४	पु.	१६	१२	१३	१०	व्या.	०६	०७	ग.	११	५२	५:२९	७:१८	३	११	२	२४	कर्क	भद्रा २१:३४ बजे से, गण्डमूल प्रा. १३:१० बजे, (C)
३४	३३	४	गु.	०८	१७	०८	४८	आश्ले.	१७	२२	१२	२६	ह./व.	०३/५५	४०/०७	वि.	०८	१७	५:२९	७:१८	४	१२	३	२५	सिंह १२:२६	भद्रा ०८:४८ बजे तक, शुक्र मार्गी १२:२२ बजे,
३४	३३	५/६	शु.	०३/५८	५५/५७	०७/२६	०३/०४	म.	१४	५२	११	२६	सि.	५१	०२	बा.	०३	५५	५:२९	७:१८	५	१३	४	२६	सिंह	गण्डमूल समा. ११:२६ बजे, कुसुम्बा षष्ठी, कुमार षष्ठी।
३४	३२	७	श.	५३	३२	२६	५४	पू.फा.	११	२०	१०	११	व्य.	४४	०५	ग.	२६	१७	५:२९	७:१९	६	१४	५	२७	कन्या १५:५०	भद्रा २६:५४ बजे से, शीतला सप्तमी।
३४	३२	८	र.	४७	४५	२४	३६	उ.फा.	०८	१०	०८	४६	वरि.	३६	४५	वि.	२०	४०	५:३०	७:१९	७	१५	६	२८	कन्या	भद्रा १३:४६ बजे तक, दुर्गाष्टमी, शीतलाष्टमी, (D)
३४	३१	९	सो.	४१	४७	२२	१३	ह.	०४	२०	०७	१४	परि.	२६	२०	बा.	१४	४७	५:३०	७:१९	८	१६	७	२९	तुला १८:२६	वक्री गुरु धनु में २९:२२ बजे, भड्डली नवमी, (E)
३४	३०	१०	मं.	३५	५०	१९	५०	चि./स्वा.	०८/५६	३२/२५	०५/२८	३६/०४	शि.	२१	५०	तै.	०८	४७	५:३०	७:१९	९	१७	८	३०	तुला	
३४	२९	११	बु.	२९	५७	१७	३०	वि.	५२	३७	२६	३४	सि.	१४	२२	व.	०२	५२	५:३१	७:१९	१०	१८	९	जुलाई १	वृश्चिक २०:५६	भद्रा ०६:३६ से १७:३० बजे तक, देवशयनी एकादशी (F)
३४	२९	१२	गु.	२४	२५	१५	१७	अनु.	४६	१५	२५	१३	सा.	०७	१२	बा.	२४	२५	५:३१	७:१९	११	१९	१०	२	वृश्चिक	गण्डमूल प्रा. २५:१३ बजे, वासुदेव द्वादशी, प्रदोष व्रत।
३४	२८	१३	शु.	१९	२५	१३	१७	ज्ये.	४६	३२	२४	०८	शुभ-/शु.	०८/५४	२२/०५	तै.	१९	२५	५:३१	७:१९	१२	२०	११	३	धनु २४:०८	
३४	२६	१४	श.	१५	०५	११	३४	मू.	४४	३५	२३	२२	ब्र.	५०	५७	व.	१५	०५	५:३२	७:१९	१३	२१	१२	४	धनु	भद्रा ११:३४ से २२:५१ बजे तक, गण्डमूल समा. (G)
३४	२५	१५	र.	११	४५	१०	१४	पू.षा.	४३	४५	२३	०२	ऐं.	४३	४५	ब.	११	४५	५:३२	७:१९	१४	२२	१३	५	मकर २९:०१	सूर्य पुनर्वसु में २३:०३ बजे, गुरु पूर्णिमा, अष्टाह्निक (I)

(A) गुप्त नवरात्रारम्भ, चन्द्रदर्शन। (B) जगन्नाथ रथ यात्रा, मनोरथ द्वितीया। (C) विनायक चतुर्थी। (D) अष्टाह्निक प्रा.। (E) गुप्तनवरात्र समा., मेला शरीफ भवानी (काश्मीर)। (F) व्रत (स.) चातुर्मास्यारम्भ। (G) २३:२२ बजे, पूर्णिमा व्रत, पवन परीक्षा। (I) पर्व समा., सत्यव्रत, सन्यासियों का चातुर्मास्यारम्भ, व्यासपूर्णिमा, जयापार्वती व्रत, कोकिला व्रत।

ग्र.	सू.	चं.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
रा.	०२	०५	११	०२	०९	०१	०९	०२	०८
अं.	१२	०८	०५	१७	००	११	०६	०४	०४
क.	४०	३७	५०	२५	१३	२०	०७	३७	३७
वि.	०७	४७	२८	५७	५१	२९	१६	११	११
गति	५७ १२	८५४ १९	३६ १८	३३ व. १६	६ व. ५७	७ मा. १६	३ व. ५१	०३ ११	०३ ११
नक्षत्र चरण	आर्द्रा २ च.	उ.फा. ४ च.	उ.भा. १ च.	आर्द्रा ४ च.	उ.षा. २ च.	रोहि १ च.	उ.षा. ३ च.	मृग. ४ च.	मूल. २ च.

२८ जून २०२० ई., प्रातः ६:२७

४ शु. २ | ५ सू.बु.रा. ३ १ | चं.६ १२ मं. | ७ ९ के. ११ | ८ १० गु. श.

आषाढ़ शु. ८, रविवार

इस मास में सूर्य-बुध-राहु की युति उनका शुक्र से द्विर्द्वादश सम्बन्ध केतु से समसप्तक तथा गुरु-शनि से षडष्टक सम्बन्ध होने के कारण पाकिस्तान एवं चीन के साथ राजनैतिक एवं कूटनैतिक सम्बन्ध बिगड़ने की सम्भावना है। आँधी तूफान के कारण कृषकवर्ग चिन्तित रहेगा। मंहगाई की मार से आम जनता त्रस्त रहेगी। पक्ष एवं विपक्ष में नोकझोंक होने की सम्भावना है।

५ जुलाई २०२० ई., प्रातः ६:२७

५ सू.बु.रा. ३ | ६ २ शु. | ४ | ७ १ | ८ १० श. १२ मं. | ९ च.गु.के. ११

आषाढ़ शु. १५, रविवार

ग्र.	सू.	चं.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
रा.	०२	०८	११	०२	०८	०१	०९	०२	०८
अं.	१९	१७	१०	१३	२९	१२	०५	०४	०४
क.	२०	२१	००	२३	२३	५४	३९	१४	१४
वि.	२६	०६	३४	११	०१	२०	०९	५६	५६
गति	५७ ११	८०६ २६	३४ ५५	३१ व. ३०	७ व. २७	२१ ४	४ व. ८	०३ ११	०३ ११
नक्षत्र चरण	आर्द्रा ४ च.	पू.षा. २ च.	उ.भा. ३ च.	आर्द्रा ३ च.	उ.षा. १ च.	रोहि १ च.	उ.षा. ३ च.	मृग. ४ च.	मूल. २ च.

वि. सं. २०७७, शाके १९४२, श्रावण कृष्ण पक्ष (दि. ६ जुलाई से २० जुलाई २०२० ई०), दक्षिणायन, उत्तर-गोल, वर्षा ऋतु, के. अहर्गण ३३७१, अयनांश २४/०८'/२१"

दि.	मा.	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	न.	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	कर.	घ.	प.	सूर्योदय	सूर्यास्त	रा.	प्र.	मु.	अं.	चन्द्रचार	विवरण (भारतीय स्टैं. समय में)
३४	२४	१	सो.	०६	३२	०६	२२	उ.षा.	४४	०७	२३	१२	वै.	४०	०२	कौ.	०६	३२	५:३३	७:१६	आ. १५	आ. २३	जि. १४	जु. ६	मकर	हिण्डोले प्रा. (व्रजमण्डल), अशून्य शयन व्रत, श्रावण (A)
३४	२३	२	मं.	०८	४५	०६	३१	श्र.	४५	५७	२३	५६	वि.	३७	३०	ग.	०८	४५	५:३३	७:१८	१६	२४	१५	७	मकर	भद्रा २१:०६ बजे से, मंगला गौरी व्रत।
३४	२१	३	बु.	०६	२२	०६	०६	धनि.	४६	१२	२५	१५	प्री.	३६	०५	वि.	०६	२२	५:३४	७:१८	१७	२५	१६	८	कुम्भ १२:३१	भद्रा ०६:१६ बजे तक, पञ्चक प्रा. १२:३१ बजे,(B)
३४	२०	४	गु.	११	३५	१०	१२	शत.	५३	५७	२७	०६	आ.	३५	५५	बा.	११	३५	५:३४	७:१८	१८	२६	१७	९	कुम्भ	
३४	१८	५	शु.	१५	१०	११	३८	पू.भा.	६०	००	-	-	सौ.	३६	४७	तै.	१५	१०	५:३४	७:१८	१९	२७	१८	१०	मीन २२:५५	नाग पञ्चमी (बंगाल, बिहार)।
३४	१७	६	श.	१९	५७	१३	३४	पू.भा.	००	२०	०५	४३	शो.	३८	२७	व.	१९	५७	५:३५	७:१८	२०	२८	१९	११	मीन	भद्रा १३:३४ बजे से २६:३६ बजे तक,
३४	१५	७	र.	२५	३२	१५	४८	उ.भा.	०६	४७	०८	१८	अति.	४०	४०	ब.	२५	३२	५:३५	७:१८	२१	२९	२०	१२	मीन	गण्डमूल प्रा. ०८:१८ बजे, बुध मार्गी १४:१४ बजे , (C
३४	१३	८	सो.	३१	३५	१८	१०	रे.	१४	०५	११	१४	सु.	४२	५५	कौ.	३१	३५	५:३६	७:१७	२२	३०	२१	१३	मेष ११:१४	पञ्चक समा. ११:१४ बजे, श्रावण सोमवार व्रत।
३४	११	९	मं.	३७	००	२०	२४	अश्वि.	२१	१५	१४	०६	धृ.	४५	००	तै.	०४	१७	५:३६	७:१७	२३	३१	२२	१४	मेष	गण्डमूल समा. १४:०६ बजे, मंगला गौरी व्रत।
३४	०९	१०	बु.	४१	४७	२२	२०	भ.	२७	४५	१६	४३	शू.	४६	२०	व.	०९	३०	५:३७	७:१७	२४	३२	२३	१५	वृष २३:१८	भद्रा ०९:२५ बजे से २२:२० बजे तक,
३४	०७	११	गु.	४५	२०	२३	४५	कृ.	३३	१०	१८	५३	ग.	४६	४२	ब.	१३	४५	५:३७	७:१६	२५	श्रा. १	२४	१६	वृष	कर्क संक्रान्ति १०:४७ बजे, मंगल रेवती में (D)
३४	०५	१२	शु.	४७	१७	२४	३३	रो.	३७	०२	२०	२७	वृ.	४५	५०	कौ.	१६	३०	५:३८	७:१६	२६	२	२५	१७	वृष	रोहिणी व्रत।
३४	०३	१३	श.	४७	४०	२४	४२	मृग.	३९	२२	२१	२३	ध्रु.	४३	४२	ग.	१७	४२	५:३८	७:१६	२७	३	२६	१८	मिथुन ९:००	भद्रा २४:४२ बजे से, शनि प्रदोष व्रत।
३४	००	१४	र.	४६	१७	२४	१०	आ.	४०	०२	२१	४०	व्या.	४०	१२	वि.	१७	१०	५:३९	७:१५	२८	४	२७	१९	मिथुन	भद्रा १२:३१ बजे तक, सूर्य पुष्य में २२:३६ बजे, (E)
३३	५८	३०	सो.	४३	२७	२३	०३	पुन.	३९	१०	२१	२०	ह.	३५	३७	चतु.	१५	०२	५:४०	७:१५	२९	५	२८	२०	कर्क १५:२८	हरियाली अमावस्या, सोमवती अमावस्या, श्रावण (F)

(A) सोमवार व्रत। (B) चतुर्थी व्रत, चन्द्रोदय २२/०४। (C) भानु सप्तमी, शीतला सप्तमी, कालाष्टमी। (D) २७:३३ बजे, कामिका एकादशी व्रत (स.) कर्क सक्रान्ति पुण्यकाल सूर्योदय से। (E) मासशिवरात्रि। (F) सोमवार व्रत।

ग्र.	सू.	चं.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
रा.	०२	११	११	०२	०८	०१	०९	०२	०८
अं.	२६	२७	१४	११	२८	१६	०५	०३	०३
क.	५७	३८	३३	२२	२१	२८	०४	४९	४९
वि.	५८	०६	३३	२६	५६	२५	५८	२९	२९
गति	५७ १४	७१३ २८	३३ ००	६ मा. १५	७ व. ४४	३३ २४	४ व. २२	०३ ११	०३ ११
नक्षत्र चरण	पुन. ३ च.	रेव. ४ च.	उ.भा. ४ च.	आर्द्रा २ च.	उ.षा. १ च.	रोहि २ च.	उ.षा. ३ च.	मृग. ४ च.	मूल २ च.

१३ जुलाई २०२० ई. प्रातः ६:२७

५ सू.बु.रा. ३ २ शु. ६ ४ ७ १ ८ १० श. १२ मं. ९ गु.के. ११ चं.

श्रावण कृ. ८, सोमवार

इस मास में पाँच सोमवार हैं और कर्क की संक्रान्ति गुरुवार को है, अतः वर्षा समयानुकूल उत्तम होगी। पर्वतीय प्रदेशों में अतिवृष्टि एवं भूस्खलन आदि प्राकृतिक आपदाओं से जनजीवन अस्तव्यस्त होने की सम्भावना है अन्नादि पदार्थों के भाव मन्दे रहेंगे। शेयर बाजार के मन्दी में फँसने की सम्भावना है।

२० जुलाई २०२० ई., प्रातः ६:२७

चं.बु. रा. ५ सू. ३ २ शु. ६ ४ ७ १ ८ १० श. १२ मं. ९ गु.के. ११

श्रावण कृ. ३०, सोमवार

ग्र.	सू.	चं.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
रा.	०३	०२	११	०२	०८	०१	०९	०२	०८
अं.	०३	२४	१८	१४	२७	२०	०४	०३	०३
क.	३८	५४	१८	००	२७	४७	३४	२७	२७
वि.	४४	३४	२८	३५	५४	४३	०३	१४	१४
गति	५७ १७	८१८ ८	३० ५४	४४ २९	७ व. ४१	४१ २८	४ व. २७	०३ ११	०३ ११
नक्षत्र चरण	पुष्य. १ च.	पुन. २ च.	रेव १ च.	आर्द्रा ३ च.	उ.षा. १ च.	रोहि ४ च.	उ.षा. ३ च.	मृग ४ च.	मूल २ च.

दि.	मा.	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	न.	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	कर.	घ.	प.	सूर्योदय	सूर्यास्त	रा.	प्र.	मु.	अं.	चन्द्रचार	विवरण (भारतीय स्टैं. समय में)
३३	५६	१	मं.	३६	२२	२१	२५	पु.	३७	०५	२०	३०	व.	२६	४२	किं.	११	३२	५:४०	७:१४	आ. ३०	श्रा. ६	जि. २६	जुलाई २१	कर्क	गण्डमूल प्रा. २०:३० बजे, मंगला गौरी व्रत।
३३	५३	२	बु.	३४	१५	१९	२३	आश्ले.	३३	५५	१९	१५	सि.	२३	०५	बा.	०६	५२	५:४१	७:१४	३१	७	३०	२२	सिंह १९:१५	सायन सूर्य सिंह में १४:०७ बजे, सिन्धारा, चन्द्रदर्शन।
३३	५१	३	गु.	२८	२५	१७	०३	म.	३०	०७	१७	४४	व्य.	१५	५०	तै.	०१	२५	५:४१	७:१४	श्रा. १	८	जि. १	२३	सिंह	भद्रा २७:५० बजे से, गण्डमूल समा. १७:४४ बजे, (A)
३३	४८	४	शु.	२२	१२	१४	३५	पू.फा.	२५	५०	१६	०२	वरि.	०८	१०	वि.	२२	१२	५:४२	७:१३	२	९	२	२४	कन्या २१:३६	भद्रा १४:३५ बजे तक, विनायक चतुर्थी, दूर्वा गणपति व्रत।
३३	४५	५	श.	१५	५०	१२	०२	उ.फा.	२१	३०	१४	१८	परि./शि.	००/५२	३२/३५	बा.	१५	५०	५:४२	७:१३	३	१०	३	२५	कन्या	नागपञ्चमी, ऋग्यजुहिरण्यकेशी श्रावणी उपाकर्म, कल्कि (B)
३३	४३	६	र.	०९	३२	०९	३२	ह.	१७	१५	१२	३७	सि.	४५	००	तै.	०९	३२	५:४३	७:१२	४	११	४	२६	तुला २३:४९	बुध पुन. में १०:४३ बजे, वक्री गुरु पू.षा. १५:१४ बजे, (C)
३३	४०	७/८	सो.	०३/५८	३७/०७	०७/२८	१०/५८	चि.	१४	१०	११	०३	सा.	३७	४५	व.	०३	३७	५:४३	७:१२	५	१२	५	२७	तुला	भद्रा ०७:१० से १८:०२ बजे तक, शीतला सप्तमी (D)
३३	३७	९	मं.	५०	३७	२६	५९	स्वा.	०९	५२	०९	४१	शुभ.	३०	५२	बा.	२५	३२	५:४४	७:११	६	१३	६	२८	वृश्चिक २६:४६	मंगला गौरी व्रत।
३३	३४	१०	बु.	४८	४७	२५	१६	वि.	०७	००	०८	३३	शु.	२४	३२	तै.	२०	५२	५:४५	७:११	७	१४	७	२९	वृश्चिक	
३३	३१	११	गु.	४५	१२	२३	५०	अनु.	०४	४७	०७	४०	ब्र.	१८	४५	व.	१६	५५	५:४५	७:१०	८	१५	८	३०	वृश्चिक	भद्रा १२:३१ से २३:५० बजे तक, गण्डमूल प्रा. (E)
३३	२८	१२	शु.	४२	२०	२२	४२	ज्ये.	०३	१७	०७	०५	ऐं	१३	३२	ब.	१३	४०	५:४६	७:०९	९	१६	९	३१	धनु ०७:०५	शुक्र मिथुन में २९:१० बजे,
३३	२५	१३	श.	४०	२२	२१	५५	मू.	०२	३५	०६	४८	वै.	०९	०२	कौ.	११	१५	५:४६	७:०९	१०	१७	१०	अग. १	धनु	गण्डमूल समा. ०६:४८ बजे, बुध कर्क में २७:३३ (F)
३३	२२	१४	र.	३९	१५	२१	२९	पू.षा.	०२	४२	०६	५२	वि.	०५	१०	ग.	०९	४०	५:४७	७:०८	११	१८	११	२	मकर १२:५७	भद्रा २१:२९ बजे से, सूर्य आश्लेषा. में २१:२८ बजे,
३३	१९	१५	सो.	३९	१५	२१	२९	उ.षा.	०३	५०	०७	१९	प्री.	०२	०७	वि.	०९	०७	५:४७	७:०८	१२	१९	१२	३	मकर	भद्रा ०९:२६ बजे तक, बुध पुष्य में २४:३० बजे, (G)

(A) शुक्र मृगशिरा में २०:२० बजे, रा. श्रावण प्रा., मु. जिल्हेज प्रा. हरियाली तीज, मधुश्रवा तृतीया, स्वर्णगौरीव्रत। (B) जयन्ती (सायंकाल)। (C) वर्ण षष्ठी। (D) भानु सप्तमी, तुलसीदास जयन्ती, दुर्गाष्टमी, मेला श्री नयना देवी, मेला ज्वाला जी, मेला चिन्तपूर्णी, श्रावण सोमवार व्रत। (E) ०७:४० बजे, पुत्रदा (पवित्रा) एकादशी व्रत (स.)। (F) बजे, शनिप्रदोष व्रत, ईद उल जुहा (बकरीद)। (G) पूर्णिमा व्रत, रक्षाबन्धन, सत्यव्रत, श्रावणी उपाकर्म, हयग्रीवावतार, अमरनाथदर्शन, हिण्डोले समा. (ब्रजमण्डल), संस्कृत दिवस, श्रावण सोमवार व्रत।

ग्र.	सू.	चं.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
रा.	०३	०६	११	०२	०८	०१	०९	०२	०८
अं.	१०	०३	२१	२१	२६	२५	०४	०३	०३
क.	१९	५६	४७	०२	३५	५७	०३	०४	०४
वि.	५५	१४	२८	३४	२१	२१	०२	५९	५९
गति	५७ २०	८४६ ४७	२८ २४	८० ३२	७ व. २१	४७ ३६	४ व. २५	०३ ११	०३ ११
नक्षत्र चरण	पुष्य ३ च.	चित्रा ४ च.	रेवती २ च.	पुन. १ च.	पू.षा. ४ च.	मृग. १ च.	उ.षा. ३ च.	मृग. ३ च.	मूल. १ च.

२७ जुलाई २०२० ई., प्रातः ६:२७

५ बु.रा. ३ / ६ सू. ४ / २ शु. / चं.७ / १ / ८ / १० श. / १२ मं. / ९ गु. के. / ११

श्रावण शु. ७/८, सोमवार

इस मास में सूर्य का शनि से समसप्तक बुध-राहु से द्विर्द्वादश तथा गुरु-केतु से षडष्टक सम्बन्ध होने के कारण भारत के चीन एवं पाकिस्तान के साथ व्यापारिक एवं कूटनैतिक सम्बन्ध बिगड़ने की सम्भावना है। सीमाप्रान्त में घुसपैठ एवं नक्सलग्रस्त क्षेत्रों में आन्तकवादी गतिविधियाँ बढ़ेंगी।

३ अगस्त २०२० ई., प्रातः ६:२७

५ शु.रा. ३ / ६ सू.बु. ४ / २ / ७ / १ / ८ / १० श.चं. / १२ मं. / ९ गु.के. / ११

श्रावण शु. १५, सोमवार

ग्र.	सू.	चं.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
रा.	०३	०९	११	०३	०८	०२	०९	०२	०८
अं.	१७	०९	२४	०१	२५	०१	०३	०२	०२
क.	०१	३१	५७	५८	४६	४५	३२	४२	४२
वि.	२८	५९	५४	१७	१०	३९	४३	४३	४३
गति	५७ २५	७७२ ५०	२५ ३१	१०९ ०३	६ वी. ४५	४७ २४	४ व. १६	०३ ११	०३ ११
नक्षत्र चरण	आश्ले १ च.	उ.षा. ४ च.	रेव. ३ च.	पुन. ४ च.	पू.षा. ४ च.	मृग. ३ च.	उ.षा. ३ च.	मृग. ३ च.	मूल १ च.

वि. सं. २०७७, शाके १९४२, भाद्रपद कृष्ण. पक्ष (दि. ४ अगस्त से १९ अगस्त २०२० ई०), दक्षिणायन, उत्तर-गोल, वर्षा ऋतु, के. अहर्गण ३४०८, अयनांश २४/०८/२१

दि.	मा.	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	न.	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	कर.	घ.	प.	सूर्योदय	सूर्यास्त	रा.	प्र.	मु.	अं.	चन्द्रचार	विवरण (भारतीय स्टैं. समय में)
३३	१६	१	मं.	४०	१७	२१	५५	श्र.	०६	१७	०८	११	आ. सौ.	०० ५८	०५ ३७	बा.	०६	३५	५:४८	७:०६	श्रा. १३	श्रा. २०	मि. १३	अग. ४	कुम्भ २०:४७	पञ्चक प्रा. २०:४७ बजे,
३३	१२	२	बु.	४२	३५	२२	५१	धनि.	०६	१२	०६	३०	शो.	५८	१५	तै.	११	१५	५:४६	७:०६	१४	२१	१४	५	कुम्भ	अशून्य शयन व्रत।
३३	०६	३	गु.	४६	०५	२४	१५	शत.	१३	४२	११	१८	अति.	५८	५०	व.	१४	१०	५:४६	७:०५	१५	२२	१५	६	कुम्भ	भद्रा ११:२६ से २४:१५ बजे तक, कज्जली तृतीया।
३३	०६	४	शु.	५०	४२	२६	०७	पू.भा.	१९	१७	१३	३३	सु.	६०	००	ब.	१८	१५	५:५०	७:०४	१६	२३	१६	७	मीन ६:५७	चन्द्रोदय २१:३६ बजे, चतुर्थी व्रत, (A)
३३	०२	५	श.	५६	१२	२८	१६	उ.भा.	२५	५५	१६	१२	सु.	००	१२	कौ.	२६	०५	५:५०	७:०३	१७	२४	१७	८	मीन	गण्डमूल प्रा. १६:१२ बजे, शुक्र आर्द्रा में १७:५६ बजे,
३२	५९	६	र.	६०	००	–	–	रे.	३३	०७	१९	०६	धृ.	०२	१२	ग.	२९	०७	५:५१	७:०३	१८	२५	१८	९	मेष १९:०६	पञ्चक समा. १९:०६ बजे, बलराम जयन्ती, हलषष्ठी, (B)
३२	५६	६	सो.	०२	१०	०६	४३	अश्वि.	४०	३५	२२	०५	शू.	०४	३७	व.	०२	१०	५:५१	७:०२	१९	२६	१९	१०	मेष	भद्रा ०६:४३ से १९:५६ बजे तक, गण्डमूल(C)
३२	५२	७	मं.	०८	०७	०९	०७	भ.	४५	१२	२४	५७	गं.	०६	५५	ब.	०८	०७	५:५२	७:०१	२०	२७	२०	११	मेष	चन्द्रोदय २३:३६ बजे, भानु सप्तमी, कालाष्टमी, (D)
३२	४९	८	बु.	१३	३०	११	१७	कृ.	५३	५२	२७	२६	वृ.	०८	४७	कौ.	१३	३०	५:५३	७:००	२१	२८	२१	१२	वृष ६:३७	चन्द्रोदय २४:०० बजे, श्रीकृष्णजन्माष्टमी व्रत (वै.)।
३२	४५	९	गु.	१७	४५	१२	५६	रो.	५८	४२	२९	२२	ध्रु.	०६	५२	ग.	१७	४५	५:५३	६:५९	२२	२९	२२	१३	वृष	भद्रा २५:३६ बजे से, रोहिणी व्रत, गोगानवमी, गोकुलोत्सव।
३२	४१	१०	शु.	२०	२०	१४	०२	मृ.	६०	००	–	–	व्या.	०६	४०	वि.	२०	२०	५:५४	६:५८	२३	३०	२३	१४	मिथुन १८:०४	भद्रा १४:०२ बजे तक,
३२	३८	११	श.	२१	०५	१४	२०	मृ.	०१	४५	०६	३६	ह.	०८	०५	बा.	२१	०५	५:५४	६:५७	२४	३१	२४	१५	मिथुन	अजा एकादशी व्रत, स्वतन्त्रता दिवस।
३२	३४	१२	र.	१९	५०	१३	५१	आ.	०२	५०	०७	०३	व.	०४	५२	तै.	१९	५०	५:५५	६:५७	२५	भा. १	२५	१६	कर्क २४:५३	सूर्य मघा में, सिंह संक्रान्ति १९:११ बजे, मंगल (E)
३२	३०	१३	सो.	१६	४२	१२	३६	पुन. पु.	०२ ५६	०२ ३०	०६ २६	४४ ४३	सि. व्य.	०० ५४	१० ००	व.	१६	४२	५:५५	६:५६	२६	२	२६	१७	कर्क	भद्रा १२:३६ से २३:४२ बजे तक, गण्डमूल प्रा. (F)
३२	२७	१४	मं.	११	५०	१०	४०	आश्ले.	५५	३०	२८	०८	वरि.	४७	५०	शकु.	११	५०	५:५६	६:५५	२७	३	२७	१८	सिंह २८:०८	अमावस्या श्राद्धादि।
३२	२३	३०	बु.	०५	३७	०८	११	म.	५०	२७	२६	०७	परि.	३८	१७	ना.	०५	३७	५:५६	६:५४	२८	४	२८	१९	सिंह	गण्डमूल समा. २६:०७ बजे, अमावस्या स्नानादि, (G)

(A) बहुलाचतुर्थी। (B) चन्दनषष्ठी, चम्पाषष्ठी।(C) समा. २२:०५ बजे, बुध आश्ले में १९:५० बजे, शीतला सप्तमी। (D) श्रीकृष्ण जयन्ती (निशीथकाल), श्रीकृष्णाजन्माष्टमी व्रत (स्मा.) श्री महाकाली जयन्ती (निशीथकाल)। (E) अश्वि. मेष में १८:२८ बजे, वक्री मंगल पुनः रेवती मीन में १८:३५ बजे, प्रदोष व्रत, संक्रान्ति पुण्यकाल-मध्याह्नोत्तर। (F) २६:४३ बजे,बुध मघा सिंह में ०८:२८ बजे, पर्युष्णपर्वारम्भ (जैन), मासशिवरात्रि, डाकिनी चतुर्दशी। (G) कुशोत्पाटिनी अमावस्या।

ग्र.	सू.	चं.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
रा.	०३	००	११	०३	०८	२	०६	०२	०८
अं.	२५	२६	२८	१६	२४	०६	०२	०२	०२
क.	३८	२५	३०	३७	५०	५७	५५	१४	१४
वि.	५१	०८	१२	०६	२५	२५	५४	०६	०६
गति	५७ ३६	७२६ ५०	२० ५८	१२३ ०७	५ व. ४२	५७ १०	३ व. ५६	०३ ११	०३ ११
नक्षत्र चरण	आश्ले. ३ च.	कृत्ति. १ च.	रेव. ४ च.	आश्ले. १ च.	पू.षा. ४ च.	आर्द्रा १ च.	उ.षा. २ च.	मृग. ३ च.	मूल. १ च.

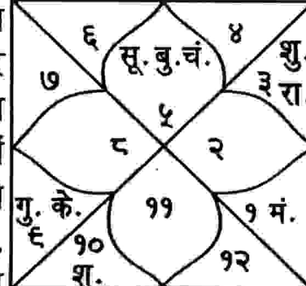
१२ अगस्त २०२० ई., प्रातः ६:२७

६ सू.बु. ४ शु. ३ रा. ७ ८ ५ २ गु. के. ६ ११ १ चं. १० श. १२ मं.

भाद्रपद कृ. ८, बुधवार

इस मास में पाँच मंगलवार और पाँच बुधवार हैं और सिंह की संक्रान्ति रविवार को हैं, अतः प्रजा में परस्पर द्वेष, कलह एवं अशान्ति का वातावरण रहेगा। कहीं अतिवृष्टि तो कहीं अनावृष्टि के प्राकृतिक प्रकोप से कृषकवर्ग चिन्तित रहेगा। वनस्पति, घी, गुड़, शक्कर, तेल, आदि पदार्थों के भाव तेज रहेंगे। रूई, चाँदी के भाव में घटाबढ़ी के बाद तेजी का रुख रहेगा।

१९ अगस्त २०२० ई., प्रातः ६:२७



भाद्रपद कृ. ३०, बुधवार

ग्र.	सू.	चं.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
रा.	०४	०४	००	०४	०८	०२	०६	०२	०८
अं.	०२	०१	००	०३	२४	१६	०२	०१	०१
क.	२२	२३	४४	५०	१४	४६	२६	५१	५१
वि.	३२	४३	३०	१३	३७	२८	५०	५१	५१
गति	५७ ४६	८७५ १५	१६ ४०	१९६ ०५	४ व. ३६	६० ०१	३ व. ३३	०३ ११	०३ ११
नक्षत्र चरण	मघा १ च.	मघा १ च.	अश्वि. १ च.	मघा २ च.	पू.षा. ४ च.	आर्द्रा ४ च.	उ.षा. २ च.	मृग. ३ च.	मूल. १ च.

वि. सं. २०७७, शाके १९४२, भाद्रपद शुक्ल पक्ष (दि. २० अगस्त से ०२ सितम्बर २०२० ई०), दक्षिणायन, उत्तर-गोल, वर्षा/शरद् ऋतु, के. अहर्गण ३४२४, अयनांश २४°/०८'/२७"

दि.	मा.	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	न.	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	कर.	घ.	प.	सूर्योदय	सूर्यास्त	रा.	प्र.	मु.	अं.	चन्द्रचार	विवरण (भारतीय स्टैं. समय में)
०	०	१	बु.	५८	२७	२६	१६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
३२	१६	२	गु.	५०	४०	२६	१३	पू.फा.	४४	४५	२३	५१	शि.	२६	२०	बा.	२४	३७	५:५७	६:५३	श्रा. २६	भा. ५	जि. २६	अग. २०	कन्या २६:१५	चन्द्रदर्शन।
३२	१५	३	शु.	४२	४५	२३	०३	उ.फा.	३८	५०	२१	२६	सि.	२०	०७	तै.	१६	४२	५:५७	६:५२	३०	६	मु. १	२१	कन्या	मु. मुहर्रम प्रा., सामवेदियों का उपाकर्म, हरतालिका (A)
३२	११	४	श.	३४	५७	१६	५७	ह.	३३	०२	१६	११	सा.	१०	५५	व.	०८	४७	५:५८	६:५१	३१	७	२	२२	कन्या	भद्रा ०६:२६ से १६:५७ बजे तक, सायन सूर्य (B)
३२	०८	५	र.	२७	४७	१७	०५	चि.	२७	५०	१७	०६	शुभ-शु.	०३ ५३	०५ ४७	ब.	०१	१७	५:५८	६:५०	भा. १	८	३	२३	तुला ६:०६	बुध पू.फा. में २८:०१ बजे, रा. भाद्रपद प्रा., ऋषि (C)
३२	०४	६	सो.	२१	२०	१४	३१	स्वा.	२३	२२	१५	२०	ब्र.	४६	१५	तै.	२१	२०	५:५९	६:४९	२	९	४	२४	तुला	स्कन्दषष्ठी, सूर्यषष्ठी, बलदेवछठ, लोलार्कषष्ठी (D)
३२	००	७	मं.	१५	५५	१२	२२	वि.	१९	५७	१३	५९	ऐं.	३९	३२	व.	१५	५५	६:००	६:४८	३	१०	५	२५	वृश्चिक ८:१६	भद्रा १२:२२ से २३:२७ बजे तक,
३१	४६	८	बु.	११	४०	१०	४०	अनु.	१७	४०	१३	०४	वै.	३३	५०	ब.	११	४०	६:००	६:४७	४	११	६	२६	वृश्चिक	गण्डमूल प्रा. १३:०४ बजे, राधाष्टमी, दुर्गाष्टमी, (E)
३१	५२	९	गु.	०८	३०	०९	२५	ज्ये.	१६	३०	१२	३७	वि.	२९	००	कौ.	०८	३०	६:०१	६:४५	५	१२	७	२७	धनु १२:३७	श्रीचन्दनवमी, अदुःख नवमी, मेलाश्री रामदेव जी (राज.)
३१	४८	१०	शु.	०६	३५	०८	३८	मू.	१६	३०	१२	३७	प्री.	२५	०७	ग.	०६	३५	६:०१	६:४४	६	१३	८	२८	धनु	भद्रा २०:२५ बजे से, गण्डमूल समा. १२:३७ बजे,
३१	४४	११	श.	०५	४०	०८	१८	पू.षा.	१७	३२	१३	०३	आ.	२२	०२	वि.	०५	४०	६:०२	६:४३	७	१४	९	२९	मकर १९:१३	भद्रा ०८:१८ बजे तक, पार्श्व परिवर्तिनी एकादशी व्रत (F)
३१	४०	१२	र.	०५	५०	०८	२२	उ.षा.	१९	३५	१३	५२	सौ.	१६	४७	बा.	०५	५०	६:०२	६:४२	८	१५	१०	३०	मकर	सूर्य पूर्वा फा. में १५:०७ बजे, कल्कि द्वादशी (G)
३१	३६	१३	सो.	०६	५५	०८	४६	श्र.	२२	३२	१५	०४	शो.	१८	१५	तै.	०६	५५	६:०३	६:४१	९	१६	११	३१	कुम्भ २७:४८	पञ्चक प्रा. २७:४८ बजे, बुध उ.फा. में १३:०९ (H)
३१	३२	१४	मं.	०९	००	०९	३६	ध.	२६	२७	१६	३८	अति.	१७	३०	व.	०९	००	६:०३	६:४०	१०	१७	१२	सि. १	कुम्भ	भद्रा ०६:३६ से २२:१३ बजे तक, अनन्त (I)
३१	२८	१५	बु.	१२	००	१०	५२	शत.	३१	१५	१८	३४	सु.	१७	२७	ब.	१२	००	६:०४	६:३९	११	१८	१३	२	कुम्भ	बुधकन्या में १२:०२ बजे, सत्यव्रत, प्रतिपदा श्राद्ध।

(A) तीज, अर्घ्यदान, वराहजयन्ती (अपराह्नकाल)। (B) कन्या में २१:१५ बजे, शुक्र पुनर्वसु में ११:२२ बजे, चन्द्रास्त २१:२६ बजे, गणेशचतुर्थी, विनायक चतुर्थी (महाराष्ट्र) चन्द्रदर्शन निषेध, कलंक चतुर्थी, पत्थर चौथ, जैन संवत्सर चतुर्थी पक्ष। (C) पंचमी, जैन संवत्सरी पंचमी पक्ष। (D) ललिताषष्ठी, मेला देवछठ, (व्रजमण्डल), स्वामी कार्तिकेय दर्शन। (E) दूर्वाष्टमी, महालक्ष्मी व्रतारम्भ। (F) (स.) वामन द्वादशी, वामनजयन्ती (मध्याह्नकाल)। (G) श्रीभुवनेश्वरी जयन्ती, मोहर्रम, प्रदोष व्रत। (H) बजे, शुक्र कर्क में २६:०४ बजे, ओणम। (I) चतुर्दशी, गणेश विसर्जन, पूर्णिमा श्राद्ध, महालयारम्भ, पूर्णिमा व्रत, प्रौष्ठपदी पूर्णिमा।

ग्र.	सू.	चं.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
रा.	०४	०७	००	०४	०८	०२	०९	०२	०८
अं.	०९	१२	०२	१७	२३	२३	०२	०१	०१
क.	०७	५२	२६	१५	४६	५३	०६	२९	२९
वि.	१९	२५	४६	०५	४३	३६	४४	३५	३५
गति	५७ ५५	८१९ ३५	११ ४६	१०९ ४६	३ व. २८	६२ १७	०३ व. ०५	०३ ११	०३ ११
नक्षत्र चरण	मघा ३ च.	अनु. ३ च.	अश्वि. १ च.	पू.फा. २ च.	पू.षा. ४ च.	पुन. २ च.	उ.षा. २ च.	मृग. ३ च.	मूल. १ च.

२६ अगस्त २०२० ई., प्रातः ६:२७

६ सू. बु. ४ ३ शु. रा. ७ ८ चं. ५ २ गु. के. ९ ११ १ मं. १० श. १२

भाद्रपद शु. ८, बुधवार

इस मास में सूर्य-बुध की युति उनका शनि से षडष्टक तथा गुरु-केतु एवं मंगल से त्रिकोणीय सम्बन्ध होने के कारण पाकिस्तान से राजनयिक सम्बन्ध बिगड़ने की सम्भावना है। पूर्वोत्तर भारत में अतिवृष्टि एवं बाढ़ आदि प्राकृतिक आपदाओं से जन-धन की हानि होने की सम्भावना है।

२ सितम्बर २०२० ई., प्रातः ६:२७

शु. ४ ६ सू. बु. ७ ३ रा. ५ ८ २ गु. के. ९ ११ चं. १ मं. १० श. १२

भाद्रपद शु. १५, बुधवार

ग्र.	सू.	चं.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
रा.	०४	१०	००	०४	०८	०३	०९	०२	०८
अं.	१५	१३	०३	२६	२३	०१	०१	०१	०१
क.	५३	४७	३३	३६	२७	१५	४७	०७	०७
वि.	०८	४९	०६	२६	३१	३९	०९	२०	२०
गति	५८ ०५	७३५ २४	६ १९	१०० ४९	२ व. १२	६४ १४	२ व. ३४	०३ ११	०३ ११
नक्षत्र चरण	पू.फा. १ च.	शत ३ च.	अश्वि २ च.	उ.फा. १ च.	पू.षा. ४ च.	पुन. ४ च.	उ.षा. २ च.	मृग. ३ च.	मूल १ च.

वि. सं. २०७७, शाके १९४२, प्र. आश्विन कृष्ण पक्ष (शुद्ध) (दि. ३ सितम्बर से १७ सितम्बर २०२० ई०), दक्षिणायन, उत्तर गोल, शरद् ऋतु, के. अहर्गण ३४३८, अयनांश २४/०८/२१

दि.	मा.	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्ष.	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	कर.	घ.	प.	सूर्योदय	सूर्यास्त	रा.	प्र.	मृ.	अं.	चन्द्रचार	विवरण (भारतीय स्टैं. समय में)
३१	२४	१	गु.	१५	५७	१२	२७	पू.भा.	३६	५७	२०	५१	धृ.	१८	०७	कौ.	१५	५७	६:०४	६:३८	भा. १२	भा. १६	मृ. १४	सिं. ३	मीन १४:१४	शुक्र पुष्य में २८:४६ बजे, अशून्य शयन व्रत, (A)
३१	२०	२	शु.	२०	४७	१४	२४	उ.भा.	४३	२७	२३	२८	शू.	१६	२७	ग.	२०	४७	६:०५	६:३७	१३	२०	१५	४	मीन	भद्रा २७:२६ बजे से, गण्डमूल प्रा. २३:२८ बजे,
३१	१६	३	श.	२६	२५	१६	३६	रे.	५०	४०	२६	२१	गं.	२१	२५	वि.	२६	२५	६:०५	६:३५	१४	२१	१६	५	मेष २६:२१	भद्रा १६:३६ बजे तक, पञ्चक समा. २६:२१ (B)
३१	११	४	र.	३२	३५	१६	०७	अश्वि.	५८	१५	२६	२३	वृ.	२३	४७	बा.	३२	३५	६:०५	६:३४	१५	२२	१७	६	मेष	गण्डमूल समा. २६:२३ बजे, चतुर्थी का श्राद्ध।
३१	०७	५	सो.	३८	५२	२१	३६	भ.	६०	००	-	-	ध्रु.	२६	१५	कौ.	०५	४२	६:०६	६:३३	१६	२३	१८	७	मेष	पंचमी का श्राद्ध, भरणी श्राद्ध।
३१	०३	६	मं.	४४	५२	२४	०३	भ.	०५	५०	०८	२६	व्या.	२८	३७	ग.	११	५७	६:०६	६:३२	१७	२४	१६	८	वृष १५:१०	भद्रा २४:०३ बजे से, बुध हस्त में १५:५० बजे, षष्ठी का श्राद्ध।
३०	५६	७	बु.	४६	५७	२६	०६	कृ.	१२	५०	११	१५	ह.	३०	२२	वि.	१७	३५	६:०७	६:३१	१८	२५	२०	६	वृष	भद्रा १३:०८ बजे तक, मंगल वक्री २८:१२ बजे, (C)
३०	५५	८	गु.	५३	४०	२७	३५	रो.	१८	५०	१३	३६	व.	३१	१२	बा.	२४	३२	६:०७	६:३०	१६	२६	२१	१०	मिथुन २६:३७	अष्टमी का श्राद्ध, कालाष्टमी, जीवितपुत्रिकाव्रत, (D)
३०	५१	६	शु.	५५	३०	२८	२०	मृग.	२३	१२	१५	२५	सि.	३०	४०	तै.	२४	५०	६:०८	६:२८	२०	२७	२२	११	मिथुन	नवमी का श्राद्ध, सधवा नवमी, मातृ नवमी, (E)
३०	४६	१०	श.	५५	१५	२८	१४	आ.	२५	४२	१६	२५	व्य.	२८	३५	व.	२५	४०	६:०८	६:२७	२१	२८	२३	१२	मिथुन	भद्रा १६:२४ से २८:१४ बजे तक, दशमी का श्राद्ध।
३०	४२	११	र.	५२	५०	२७	१७	पुन.	२६	०२	१६	३४	वरि.	२४	४५	ब.	२१	४७	६:०६	६:२६	२२	२६	२४	१३	कर्क १०:३६	सूर्य उ.फा. में ०६:०३ बजे, गुरु मार्गी ०६:२५ बजे,(F)
३०	३८	१२	सो.	४८	२२	२५	३०	पु.	२४	१७	१५	५२	परि.	१६	१५	कौ.	२०	५०	६:०६	६:२५	२३	३०	२५	१४	कर्क	गण्डमूल प्रा. १५:५२ बजे, एकादशी व्रत (वै.), (G)
३०	३४	१३	मं.	४२	०५	२३	००	आश्ले.	२०	३७	१४	२५	शि.	१२	१०	ग.	१५	२५	६:१०	६:२३	२४	३१	२६	१५	सिंह १४:२५	भद्रा २३:०० बजे से. त्रयोदशी का श्राद्ध, भौम प्रदोष (H)
३०	३०	१४	बु.	३४	२७	१६	५७	म.	१५	२५	१२	२०	सि- सा-	०३ ५४	३० २०	वि.	०८	२५	६:१०	६:२२	२५	आश्वि. १	२७	१६	सिंह	भद्रा ०६:३२ बजे तक, गण्डमूल समा. १२:२० (I)
३०	२५	३०	गु.	२५	४७	१६	३०	पू.फा.	०६	०२	०६	४८	शुभ.	४४	१०	चतु.	००	१२	६:११	६:२१	२६	२	२८	१७	कन्या १५:०७	बुध चित्रा में १६:४३ बजे, श्राद्धादि अमावस्या, (J)

(A) द्वितीया श्राद्ध। (B) बजे, चन्द्रोदय २०:३८ बजे, तृतीया का श्राद्ध, चतुर्थीव्रत, चन्द्रोदय२०/३८ शिक्षक दिवस। (C) सप्तमी का श्राद्ध। (D) महालक्ष्मीव्रत समा. रोहिणी व्रत, जीमूतवाहनव्रत। (E) अन्वष्टका श्राद्ध। (F) इन्दिरा एकादशी व्रत (स्मा.), एकादशी का श्राद्ध। (G) द्वादशी का श्राद्ध, सन्यासियों का श्राद्ध।। (H) व्रत, मासशिवरात्रि।(I) बजे, कन्या संक्रान्ति १६:०७ बजे, शुक्र आश्ले. में ७:४५ बजे, मघा श्राद्ध, चतुर्दशी का श्राद्ध, विषशस्त्रादि से हतों का श्राद्ध, कन्या संक्रान्ति पुण्यकाल मध्याह्नोत्तर। (J) सर्वपितृ अमावस्या, सर्वपितृ विसर्जन, पितृपक्ष समा., अधिक मासारम्भ १६/३० बजे से।

ग्र.	सू.	चं.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
रा.	०४	०१	००	०५	०८	०३	०६	०२	०८
अं.	२३	१६	०४	१२	२३	०६	०१	००	००
क.	३८	४०	००	२६	१६	५६	२६	४१	४१
वि.	३५	११	००	२२	४५	२७	४०	५४	५४
गति	५८ २०	७३८ ५५	०० व. २०	६१ २१	०० व. ४१	६६ ०८	१ व. ५३	०३ ११	०३ ११
नक्षत्र चरण	पू.फा. ४ च.	रोहि. ३ च.	अश्वि. २च.	हस्त १ च.	पू.षा. ३ च.	पुष्य २ च.	उ.षा. २ च.	मृग. ३ च.	मूल १ च.

१० सितम्बर २०२०ई., प्रातः ६:२७

७ बु. ६ | सू. ५ | शु. ४ | ३ रा. | ८ | २ चं. | गु. ९ के. | ११ | १ मं. | १० श. | १२

प्र. आश्विन कृ. ८, गुरुवार

इस मास में पाँच गुरुवार हैं और कन्या की संक्रान्ति बुधवार को है, अतः रूई, सूत, वस्त्र, चाँदी के भाव मन्दे रहेंगे। घी, गुड़, रसादि पदार्थों के भाव तेज होंगे। पश्चिम के देशों में मास के आदि में तेजी के बाद मन्दी रहेगी। शेयर बाजार में घटाबढ़ी के बाद गिरावट का रुख रहेगा।

१७ सितम्बर २०२०ई., प्रातः ६:२७

७ | सू.बु. ६ | ५ चं. | ४ शु. | ८ | गु. के. ९ | ३ रा. | १० श. | १२ | २ | ११ | १ मं.

आश्विन कृ. ३०, गुरुवार

ग्र.	सू.	चं.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
रा.	०५	०४	००	०५	०८	०३	०६	०२	०८
अं.	००	२४	०३	२२	२३	१७	०१	००	००
क.	२७	३४	३७	४४	१७	४३	१६	१६	१६
वि.	३८	१३	३५	१६	२७	४२	०१	३६	३६
गति	५८ ३४	६०५ १४	५ व. ५१	८३ ०५	० मा. ५२	६७ ३१	०१ व. १४	०३ ११	०३ ११
नक्षत्र चरण	उ.फा. २ च.	पू.फा. ४ च.	अश्वि. २ च.	हस्त. ४ च.	पू.षा. ३ च.	आश्ले. १ च.	उ.षा. २ च.	मृग. ३ च.	मूल. १ च.

वि. सं. २०७७, शाके १९४२, प्र. आश्विन शुक्ल पक्ष (दि. १८ सितम्बर से १ अक्टूबर २०२० ई०), दक्षिणायन, उत्तर/दक्षिण गोल, शरद् ऋतु, के. अहर्गण ३८५३, अयनांश २४/०८/३०

दि.	मा.	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	न.	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	कर.	घ.	प.	सूर्योदय	सूर्यास्त	रा.	प्र.	मु.	अं.	चन्द्रचार	विवरण (भारतीय स्टैं. समय में)
३०	२१	१	शु.	१६	४०	१२	५१	उ.फा.-ह.	०२/५४	०३/४७	०७/२८	००/०६	शु.	३३	४७	ब.	१६	४०	६:११	६:२०	मा. २७	आश्वि. ३	मु. २६	सि. १८	कन्या	चन्द्रदर्शन, मातामह श्राद्ध।
३०	१७	२/३	श.	०७/५८	२५/१२	०६/२६	१०/३६	चि.	४७	५०	२५	२०	ब्र.	२३	२५	कौ.	०७	२५	६:१२	६:१९	२८	४	स. १	१९	तुला १४:४२	मु. सफ्फर प्रा.
३०	१३	४	र.	५०	३७	२६	२७	स्वा.	४१	३७	२२	५१	ऐं.	१३	३२	व.	२४	३०	६:१२	६:१७	२९	५	२	२०	तुला	भद्रा १६:०० से २६:२७ बजे तक, विनायक चतुर्थी।
३०	०८	५	सो.	४३	४२	२३	४२	वि.	३६	२७	२०	४८	वै./वि.	०४/५६	२२/१५	ब.	१७	००	६:१३	६:१६	३०	६	३	२१	वृश्चिक १५:१६	
३०	०४	६	मं.	३८	१५	२१	३१	अनु.	३२	४२	१९	१८	प्री.	४६	१७	कौ.	१०	४७	६:१३	६:१५	३१	७	४	२२	वृश्चिक	गण्डमूल प्रा. १९:१८ बजे, सायन सूर्य तुला में (A)
३०	००	७	बु.	३४	१७	१९	५७	ज्ये.	३०	२७	१८	२५	आ.	४३	३२	ग.	०६	०२	६:१४	६:१४	आ. १	८	५	२३	धनु १८:२५	भद्रा १६:५७ बजे से, राहु वृष में १० ४३ बजे, (B)
२९	५६	८	गु.	३२	००	१९	०२	मू.	२९	४७	१८	०६	सौ.	३६	०७	वि.	०२	५७	६:१४	६:१३	२	९	६	२४	धनु	भद्रा ०७:२५ बजे तक, गण्डमूल समा. १८:०६ बजे, (C)
२९	५१	९	शु.	३१	१२	१८	४४	पू.षा.	३०	४०	१८	३१	शो.	३४	५५	बा.	०१	२२	६:१५	६:११	३	१०	७	२५	मकर २४:४१	
२९	४७	१०	श.	३१	५२	१९	००	उ.षा.	३२	५५	१९	२५	अति.	३३	५०	तै.	०१	२२	६:१५	६:१०	४	११	८	२६	मकर	सूर्य हस्त में २४:२६ बजे,
२९	४३	११	र.	३३	४७	१९	४७	श्र.	३६	२२	२०	४६	सु.	३२	४२	व.	०२	४०	६:१६	६:०९	५	१२	९	२७	मकर	भद्रा ०७:२० से १९:४७ बजे तक, शुक्र मघा सिंह (D)
२९	३९	१२	सो.	३६	४७	२०	५९	धनि.	४०	५५	२२	३८	धृ.	३२	२५	ब.	०५	१०	६:१६	६:०८	६	१३	१०	२८	कुम्भ ९:४१	पञ्चक प्रा. ०९:४१ बजे, बुध स्वाति में ०६:२५ बजे,
२९	३४	१३	मं.	४०	४०	२२	३३	शत.	४६	१७	२४	४८	शू.	३२	४७	कौ.	०६	०७	६:१७	६:०६	७	१४	११	२९	कुम्भ	शनि मार्गी १०:४५ बजे, भौम प्रदोष व्रत।
२९	३०	१४	बु.	४५	२२	२४	२६	पू.भा.	५४	५५	२७	१५	गं.	३३	४७	ग.	१२	५७	६:१७	६:०५	८	१५	१२	३०	मीन २०:३६	भद्रा २४:२६ बजे से,
२९	२६	१५	गु.	५०	४२	२६	३५	उ.भा.	५९	०७	२९	५७	वृ.	३५	१७	वि.	१७	५७	६:१८	६:०४	९	१६	१३	अक्टू. १	मीन	भद्रा १३:२९ बजे तक, गण्डमूल प्रा. २९:५७ बजे, (E)

(A) १९:०० बजे, बुध तुला में १९:५२ बजे, विषुवद् दिन, शरद् सम्पात, दक्षिणगोल प्रा.। (B) रा. आश्विन प्रा.। (C) दुर्गाष्टमी। (D) में २५:०२ बजे, कमला एकादशी व्रत (स.)। (E) पूर्णिमा व्रत, सत्यव्रत।

ग्र.	सू.	चं.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
रा.	०५	०८	००	०६	०८	०३	०९	०१	०७
अं.	०७	०६	०२	०१	२३	२५	०१	२९	२९
क.	१८	४८	३३	५७	२७	३९	१३	५७	५७
वि.	१४	१२	१६	४९	३६	५६	०२	२३	२३
गति	५८/४६	७९८/०२	११ व. ३४	७३/१२	०२/१३	६८/४२	०० व. ३४	०३/११	०३/११
नक्षत्र चरण	उ.फा. ४ च.	मूल. ३ च.	अश्वि. १ च.	चित्रा ३ च.	पू.षा. ४ च.	आश्ले. ३ च.	उ.षा. २ च.	मृग. २ च.	ज्ये. ४ च.

२४ सितम्बर २०२०ई., प्रातः ६:२७

बु. ७ | सू. ६ | ५ | ४ शु. | ८ के. | चं. गु. ९ | ३ | १० श. | १२ | २ रा. | ११ | १ मं.

प्र. आश्विन शु. ८, गुरुवार

इस मास में सूर्य का बुध से द्विर्द्वादश एवं मंगल से षडष्टक योग तथा गुरु का केतु एवं शनि से द्विर्द्वादश एवं राहु से षडष्टक योग होने के कारण पाकिस्तान एवं चीन की सीमाओं पर सैनिक गतिविधियाँ बढ़ेंगी। मध्यप्रदेश, उत्तरप्रदेश, बिहार, उड़ीसा आदि प्रदेशों में आन्तकवाद, उग्रवाद एवं नक्सलवाद से उपद्रव, विस्फोट, अग्निकाण्ड आदि घटनाओं से जन-धन की हानि होने की सम्भावना है।

१ अक्टूबर २०२०ई., प्रातः ६:२७

बु. ७ | शु. ५ | के. ८ | सू. ६ | ४ | गु. ९ | ३ | १० श. | १२ चं. | २ रा. | ११ | १ मं.

प्र.आश्विन शु. १५, गुरुवार

ग्र.	सू.	चं.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
रा.	०५	११	००	०६	०८	०४	०९	०१	०७
अं.	१४	०४	००	०९	२३	०३	०१	२९	२९
क.	१०	५६	५३	५०	४७	४३	११	३५	३५
वि.	१५	२४	३९	४७	०३	५८	५२	०८	०८
गति	५८/५९	७१८/४३	१६ व. ०२	५८/४३	०३/३१	६६/४४	०० मा. १४	०३/११	०३/११
नक्षत्र चरण	हस्त. २ च.	उ.भा. १ च.	अश्वि. १ च.	स्वा. १ च.	पू.षा. ४ च.	मघा २ च.	उ.षा. २ च.	मृग. २ च.	ज्ये. ४ च.

वि. सं. २०७७, शाके १९४२, द्वि. आश्विन कृष्ण पक्ष (दि. २ अक्टूबर से १६ अक्टूबर २०२० ई०), दक्षिणायन, दक्षिण गोल, शरद् ऋतु, के. अहर्गण ३४६७, अयनांश २४°/०८'/३१"

दि.	मा.	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	न.	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	कर.	घ.	प.	सूर्योदय	सूर्यास्त	रा.	प्र.	मु.	अं.	चन्द्रचार	विवरण (भारतीय स्टैं. समय में)
२९	२२	१	शु.	५६	३७	२८	५७	रे.	६०	००	-	-	ध्रु.	३७	१५	बा.	२३	३७	६:१८	६:०३	आ. १०	आश्वि. १७	स. १४	अक्टू. २	मीन	गाँधी जयन्ती, श्री लाल बहादुर शास्त्री जयन्ती।
२९	१७	२	श.	६०	००	-	-	रे.	०६	१७	०८	५०	व्या.	३६	३०	तै.	२९	४२	६:१९	६:०२	११	१८	१५	३	मेष ८:५०	पञ्चक समा. ०८:५० बजे,
२९	१३	२	र.	०२	५२	०७	२८	अश्वि.	१३	५२	११	५२	ह.	४१	५७	ग.	०२	५२	६:१९	६:०१	१२	१९	१६	४	मेष	भद्रा २०:४५ बजे से, गण्डमूल समा. ११:५२ बजे,
२९	०९	३	सो.	०६	१५	१०	०२	भ.	२१	३०	१४	५६	व.	४४	२०	वि.	०६	१५	६:२०	५:५९	१३	२०	१७	५	वृष २१:४१	भद्रा १०:०२ बजे तक, चन्द्रोदय २०:११ बजे, (A)
२९	०५	४	मं.	१५	३०	१२	३२	कृ.	२८	५५	१७	५४	सि.	४६	२५	बा.	१५	३०	६:२०	५:५८	१४	२१	१८	६	वृष	
२९	००	५	बु.	२१	०७	१४	४८	रो.	३५	३५	२०	३५	व्य.	४७	५२	तै.	२१	०७	६:२१	५:५७	१५	२२	१९	७	वृष	रोहिणी व्रत
२८	५६	६	गु.	२५	४०	१६	३७	मृग.	४१	१२	२२	५०	वरि.	४८	२२	व.	२५	४०	६:२१	५:५६	१६	२३	२०	८	मिथुन ६:४७	भद्रा १६:३७ से २९:१८ बजे तक,
२८	५२	७	शु.	२८	४०	१७	५०	आ.	४५	१२	२४	२६	परि.	४७	३२	ब.	२८	४०	६:२२	५:५५	१७	२४	२१	९	मिथुन	शुक्र पू.फा. में ११:१८ बजे, कालाष्टमी।
२८	४८	८	श.	२९	४७	१८	१७	पुन.	४७	१७	२५	१७	शि.	४५	१५	कौ.	२९	४७	६:२२	५:५४	१८	२५	२२	१०	कर्क १६:०६	सूर्य चित्रा में १३:३४ बजे,
२८	४३	९	र.	२८	४७	१७	५४	पु.	४७	१७	२५	१८	सिद्ध	४१	१५	ग.	२८	४७	६:२३	५:५३	१९	२६	२३	११	कर्क	भद्रा २६:२३ बजे से, गण्डमूल प्रा. २५:१८ बजे,
२८	३९	१०	सो.	२५	३७	१६	३९	आश्ले.	४५	१२	२४	२९	सा.	३५	३०	वि.	२५	३७	६:२४	५:५१	२०	२७	२४	१२	सिंह २४:२९	भद्रा १६:३९ बजे तक,
२८	३५	११	मं.	२०	३०	१४	३६	म.	४१	१५	२२	५४	शुभ.	२८	१५	बा.	२०	३०	६:२४	५:५०	२१	२८	२५	१३	सिंह	गण्डमूल समा. २२:५४ बजे, कमला एकादशी व्रत (स.)।
२८	३१	१२	बु.	१३	३५	११	५१	पू.फा.	३५	४२	२०	४१	शु.	१६	३२	तै.	१३	३५	६:२५	५:४९	२२	२९	२६	१४	कन्या २९:०२	बुध वक्री ६:४० बजे, प्रदोष व्रत।
२८	२७	१३ १४	गु.	०५ ५६	२० १०	०८ २८	३३ ५३	उ.फा.	२८	५२	१७	५८	ब्र. ऐ.	०६ ५६	४५ १५	व.	०५	२०	६:२५	५:४८	२३	३०	२७	१५	कन्या	भद्रा ०८:३३ बजे से १९:४५ बजे तक, मासशिवरात्रि।
२८	२३	३०	शु.	४६	२७	२५	०१	ह.	२१	२०	१४	५८	वै.	४८	१७	चतु.	२१	२०	६:२६	५:४७	२४	३१	२८	१६	तुला २५:२५	अमावस्या, अधिक मास समा.।

(A) चतुर्थी व्रत।

१० अक्टूबर २०२० ई., प्रात: ६:२७

ग्र.	सू.	चं.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
रा.	०५	०२	११	०६	०८	०४	०६	०१	०७
अं.	२३	२३	२८	१६	२४	१४	०१	२९	२९
क.	०२	११	११	३७	२५	१६	१७	०६	०६
वि.	२४	०४	३६	०७	०५	३१	३१	३१	३१
गति	५९ १६	७७८ २४	१६ व. ०४	२३ ०४	०५ ०५	५० ५६	०१ ०७	०३ ११	०३ ११
नक्षत्र चरण	हस्त. ४ च.	पुन. १ च.	रेव. ४ च.	स्वा. ४ च.	पू.षा. ४ च.	पू.फा. १ च.	उ.षा. २ च.	मृग. २ च.	ज्ये. ४ च.

बु. ७ शु. ५ ४ के. ८ सू. ६ ९ गु. ३ चं. श. १० १२ मं. २ रा. ११ १

द्वि. आश्विन कृ. ८, शनिवार

इस मास में पाँच शुक्रवार एवं पाँच शनिवार हैं और तुला की संक्रान्ति शनिवार को है, अत: घी, गुड़, शक्कर, खाण्ड चावल के भाव तेज तथा रूई, कपास के भाव मन्दे रहेंगे। गेहूँ, चना, जौ के भाव सम रहेंगे। शेयर बाजार में घटाबढ़ी का दौर रहेगा। प्रजा में अशान्ति एवं भय का वातावरण रहेगा।

१६ अक्टूबर २०२० ई., प्रात: ६:२७

बु. ७ शु. ५ ४ के. ८ सू.चं. ६ गु. ९ ३ १० श. १२ मं. २ रा. ११ १

द्वि. आश्विन. कृ.३०, शुक्रवार

ग्र.	सू.	चं.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
रा.	०५	०५	११	०६	०८	०४	०६	०१	०७
अं.	२८	१७	२६	१७	२४	२१	०१	२८	२८
क.	५८	५४	१६	१६	५८	२३	२५	४७	४७
वि.	५२	४७	५८	११	१२	५०	४४	२६	२६
गति	५९ ३३	६१८ १६	१८ व. ५४	११ व. ४०	०६ ०२	७१ ३६	०१ ४३	०३ ११	०३ ११
नक्षत्र चरण	चित्रा २ च.	हस्त ३ च.	रेवती ३ च.	स्वाती ४ च.	पू.षा. ४ च.	पू.फा. ३ च.	उ.षा. २ च.	मृग. २ च.	ज्ये. ४ च.

वि. सं. २०७७, शाके १९४२, द्वि. आश्विन शुक्ल पक्ष (शुद्ध)(दि. १७ अक्टूबर से ३१ अक्टूबर २०२० ई०), दक्षिणायन, दक्षिण गोल, शरद्/हेमन्त ऋतु, के. अहर्गण ३४८२, अयनांश २४/०८/३३

दि.	मा.	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	न.	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	कर.	घ.	प.	सूर्योदय	सूर्यास्त	रा.	प्र.	मु.	अं.	चन्द्रचार	विवरण (भारतीय स्टैं. समय में)
२८	१९	१	श.	३६	४५	२१	०६	चि.	१३	३०	११	५१	वि.	३७	२२	किं.	११	३२	६:२७	५:४६	आ. २५	का. १	स. २६	अक्टू. १७	तुला	तुला संक्रान्ति ०७:०५ बजे, शारदीय नवरात्र आरम्भ, (A)
२८	१४	२	र.	२७	३२	१७	२८	स्वा. वि.	०६ ५८	०० ४७	०८ ३०	५१ ०८	प्री.	२६	५२	बा.	०२	०२	६:२७	५:४५	२६	२	३०	१८	वृश्चिक २४:४७	चन्द्रदर्शन
२८	१०	३	सो.	१६	१०	१४	०८	अनु.	५३	३०	२७	५२	आ.	१७	०२	ग.	१६	१०	६:२८	५:४४	२७	३	र. १	१९	वृश्चिक	भद्रा २४:३९ बजे से, गण्डमूल प्रा. २७:५२ बजे,(B)
२८	०६	४	मं.	१२	०७	११	१९	ज्ये.	४९	२०	२६	१२	सौ.	०८	२०	वि.	१२	०७	६:२८	५:४३	२८	४	२	२०	धनु २६:१२	•भद्रा ११:१९ बजे तक, शुक्र उ.फा. में १६:११ बजे, (C)
२८	०२	५	बु.	०६	३७	०६	०८	मू.	४६	५०	२५	१३	सौ. अति.	०० ५४	५० ४७	बा.	०६	३७	६:२९	५:४२	२९	५	३	२१	धनु	गण्डमूल समा. २५:१३ बजे, उपाङ्ग ललिता व्रत, (D)
२७	५८	६	गु.	०२	५५	०७	४०	पू.षा.	४६	१०	२४	५८	सु.	५०	१२	तै.	०२	५५	६:३०	५:४१	३०	६	४	२२	धनु	सूर्य स्वाति में २४:०० बजे, सायन सूर्य वृश्चिक में २८:२९ बजे। (E)
२७	५४	७	शु.	०१	०७	०६	५७	उ.षा.	४७	२५	२५	२८	धृ.	४७	०७	व.	०१	०७	६:३०	५:४०	का. १	७	५	२३	मकर ७:०२	भद्रा ६:५७ से १८:५३ बजे तक, शुक्र कन्या में १०:४५ (F)
२७	५०	८	श.	०१	१०	०६	५९	श्र.	५०	१७	२६	३८	शू.	४५	२२	ब.	०१	१०	६:३१	५:३९	२	८	६	२४	मकर	दुर्गाष्टमी, महाष्टमी, औली जैन, सन्धि पूजा।
२७	४६	९	र.	०२	५५	०७	४२	धनि.	५४	३७	२८	२३	गं.	४४	५०	कौ.	०२	५५	६:३२	५:३८	३	९	७	२५	कुम्भ १५:२६	पञ्चक प्रा. १५:२६ बजे, त्रिशूलिनी पूजा, (G)
२७	४२	१०	सो.	०६	१०	०६	००	शत.	६०	००	–	–	वृ.	४५	१५	ग.	०६	१०	६:३२	५:३७	४	१०	८	२६	कुम्भ	भद्रा २१:५१ बजे से, अपराजिता पूजा, (H)
२७	३८	११	मं.	१०	३५	१०	४७	शत.	००	०७	०६	३६	ध्रु.	४६	२५	वि.	१०	३५	६:३३	५:३७	५	११	९	२७	मीन २६:३१	भद्रा १०:४७ बजे तक, वक्री बुध चित्रा में १४:२३ बजे, (I)
२७	३४	१२	बु.	१५	५०	१२	५४	पू.भा.	०६	३२	०९	११	व्या.	४८	०५	बा.	१५	५०	६:३४	५:३६	६	१२	१०	२८	मीन	द्वादशी (पद्मनाभ द्वादशी), प्रदोष व्रत।
२७	३०	१३	गु.	२१	४२	१५	१६	उ.भा.	१३	३२	१२	००	ह.	५०	०५	तै.	२१	४२	६:३५	५:३५	७	१३	११	२९	मीन	गण्डमूल प्रा. १२:०० बजे।
२७	२७	१४	शु.	२७	५५	१७	४६	रे.	२०	५५	१४	५७	व.	५२	२०	व.	२७	५५	६:३५	५:३४	८	१४	१२	३०	मेष १४:५७	भद्रा १७:४६ बजे से, पञ्चक समा. १४:५७ बजे, (J)
२७	२३	१५	श.	३४	१७	२०	१६	अश्वि.	२८	२५	१७	५८	सि.	५४	३२	वि.	०१	०५	६:३६	५:३३	९	१५	१३	३१	मेष	भद्रा ०७:०२ बजे तक, गण्डमूल समा. १७:५८ बजे, (K)

(A) घटस्थापन, महाराजा अग्रसेन जयन्ती, सं. पुण्यकाल सूर्योदय से प्रातः ११:०५ तक। **(B)** मु. रवि- उल्लाल प्रा.। **(C)** विनायक चतुर्थी। **(D)** ललिता पञ्चमी, सरस्वती आवाहन। **(E)** बिल्वाभिमन्त्रण। **(F)** पत्रिका प्रवेश, महानिशीथ पूजन। **(G)** महानवमी व्रत, सरस्वती बलिदान, सरस्वती विसर्जन। **(H)** विजयदशमी, विद्यापीठ स्थापना दिवस, नवरात्र पारणा, शमी पूजा, शस्त्र पूजा, दशहरा, सीमोल्लंघन। **(I)** पापङ्कुशा एकादशी (स.), मेला भरत मिलाप, मध्वाचार्य जय.। **(J)** गुरु उ.षा. में. १३:०६ बजे, कोजागरा व्रत, रासमहोत्सव, लक्ष्मी पूजन। **(K)** शुक्र हस्त में १७:०६ बजे, पूर्णिमा व्रत, सत्यव्रत, शरत् पूर्णिमा, बाल्मीकि जय. मीराबाई जय., औली जैन समा., कार्तिक स्नान प्रा., सरदार बल्लभ भाई पटेल जयन्ती।

ग्र.	सू.	चं.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
रा.	०६	०६	११	०६	०८	०५	०९	०१	०७
अं.	०६	१२	२३	१०	२५	००	०१	२८	२८
क.	५६	४०	५७	४९	५१	५९	४२	२२	२२
वि.	०४	१५	२९	५०	२७	१९	१०	१०	१०
गति	५९ ४७	७५९ ३४	१५ व. ५२	७२ व. १९	०७ २१	७२ २१	०२ २९	०३ ११	०३ ११
नक्षत्र चरण	स्वा. १च.	श्रव. १च.	रेव. ३च.	स्वा. २च.	पू.षा. ४च.	उ.फा. २च.	उ.षा. २च.	मृग. २च.	ज्ये. ४च.

२४ अक्टूबर २०२० ई., प्रातः ६:२७

के. ८, शु. ६, गु. ९, सू.बु. ७, ५, श. चं. १०, ४, १, ११, मं. १२, ३, रा. २

द्वि. आश्विन शु. ८, शनिवार

इस मास के पूर्वार्द्ध में सूर्य का बुध एवं शुक्र से द्विर्द्वादश गुरु से केन्द्रीय योग तथा मंगल से समसप्तक योग तथा उत्तरार्द्ध में सूर्य का केतु एवं शुक्र से द्विर्द्वादश शनि से केन्द्रीय योग एवं मंगल एवं राहु से षडष्टक योग होने तथा बुधोदय होने के कारण चीन के सीमावर्ती क्षेत्रों में भूकम्प, अतिवृष्टि, बाढ़ आदि से जन-धन की हानि होने की सम्भावना है। भारत के मध्यप्रदेश, उत्तरप्रदेश, बिहार, उड़ीसा आदि प्रान्तों में भी प्राकृतिक प्रकोप, उग्रवाद एवं आन्तकवाद से जन-धन की हानि होगी।

३१ अक्टूबर २०२० ई., प्रातः ६:२७

के. ८, शु. ६, गु. ९, सू.बु. ७, ५, श. १०, ४, चं. १, ११, मं. १२, ३, रा. २

द्वि. आश्विन शु. १५, शनिवार

ग्र.	सू.	चं.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
रा.	०६	००	११	०६	०८	०५	०९	०१	०७
अं.	१३	०७	२२	०३	२६	०९	०२	२७	२७
क.	५५	३९	२३	०४	४५	२७	०१	५९	५९
वि.	०८	०९	३८	०५	५७	३०	२९	४५	४५
गति	५९ ५९	७१० ५२	११ व. २३	४७ व. २३	०८ २१	७२ ५६	०३ ०७	०३ ११	०३ ११
नक्षत्र चरण	स्वा. ३च.	अश्वि. ३च.	रेव. २च.	चित्रा. ३च.	उ.षा. १च.	उ.फा. ४च.	उ.षा. २च.	मृग. २च.	ज्ये. ४च.

वि. सं. २०७७, शाके १९४२, कार्तिक कृष्ण पक्ष (दि. ०१ नवम्बर से १५ नवम्बर २०२० ई०), दक्षिणायन, दक्षिण गोल, हेमन्त ऋतु, के. अहर्गण ३४६७, अयनांश २४°/०८'/३४"

दि.	मा.	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	न.	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	कर.	घ.	प.	सूर्योदय	सूर्यास्त	रा.	प्र.	मु.	अं.	चन्द्रचार	विवरण (भारतीय स्टैं. समय में)
२७	१९	**१**	**र.**	४०	३२	२२	५०	**भ.**	३५	५०	२०	५७	**व्य.**	५६	४०	**बा.**	०७	२५	६:३७	५:३२	का. १०	का. १६	र. १४	नव. १	वृष २७:४१	
२७	१५	**२**	**सो.**	४६	३२	२५	१४	**कृ.**	४३	००	२३	४६	**वरि.**	५८	३५	**तै.**	१३	३५	६:३७	५:३२	११	१७	१५	२	वृष	
२७	११	**३**	**मं.**	५१	५७	२७	२५	**रो.**	४९	४०	२६	३०	**परि.**	६०	००	**व.**	१९	२०	६:३८	५:३१	१२	१८	१६	३	वृष	भद्रा १४:२२ से २७:२५ बजे तक, बुध मार्गी २३:४० बजे। (A)
२७	०८	**४**	**बु.**	५६	३०	२६	१५	**मृग.**	५५	३०	२८	५१	**परि.**	००	०२	**ब.**	२४	२०	६:३६	५:३०	१३	१९	१७	४	मिथुन १५:४३	चतुर्थी व्रत, चन्द्रोदय २०:०४ बजे, (B)
२७	०४	**५**	**गु.**	५९	५२	३०	३७	**आ.**	६०	००	–	–	**शि.**	००	४०	**कौ.**	२८	२०	६:४०	५:२९	१४	२०	१८	५	मिथुन	
२७	००	**६**	**शु.**	६०	००	–	–	**आ.**	००	१२	०६	४५	**सि. सा.**	०० ५९	२७ १२	**ग.**	३१	०२	६:४०	५:२९	१५	२१	१९	६	कर्क २५:४८	सूर्य विशाखा में ०८:१४ बजे, स्कन्द षष्ठी।
२६	५७	**६**	**श.**	०१	४७	०७	२४	**पुन.**	०३	३०	०८	०५	**शुभ**	५६	३२	**व.**	०१	४७	६:४१	५:२८	१६	२२	२०	७	कर्क	भद्रा ०७:२४ से १६:३२ बजे तक।
२६	५३	**७**	**र.**	०१	५७	०७	२६	**पु.**	०५	०७	०८	४५	**शु.**	५६	३०	**ब.**	०१	५७	६:४२	५:२८	१७	२३	२१	८	कर्क	गण्डमूल प्रा. ०८:४५ बजे, अहोई अष्टमी, (C)
२६	५०	**८ ९**	**सो.**	०० ५९	२० ५२	०६ २९	५१ २८	**आश्ले.**	०४	५७	०८	४२	**ब्र.**	४६	५७	**कौ.**	००	२०	६:४३	५:२७	१८	२४	२२	९	सिंह ०८:४२	
२६	४६	**१०**	**मं.**	५१	३७	२७	२३	**म. पू.फा.**	०० ५९	३० २०	०७ ३०	५६ २८	**ऐं.**	४०	००	**व.**	२४	२५	६:४४	५:२६	१९	२५	२३	१०	सिंह	भद्रा १६:३० से २७:२३ बजे तक, गण्डमूल समा.७:५६ बजे।
२६	४३	**११**	**बु.**	४४	५२	२४	४१	**उ.फा.**	५४	१२	२८	२५	**वै.**	३१	४७	**ब.**	१८	२५	६:४४	५:२६	२०	२६	२४	११	कन्या १२:००	बुध स्वाति में २१:४६ बजे, शुक्र चित्रा में १५:०१ बजे। (D)
२६	४०	**१२**	**गु.**	३६	५२	२१	३०	**ह.**	४७	५२	२५	५४	**वि.**	२२	२७	**कौ.**	११	००	६:४५	५:२५	२१	२७	२५	१२	कन्या	गोवत्स द्वादशी।
२६	३६	**१३**	**शु.**	२८	०२	१७	५९	**चि.**	४०	५०	२३	०६	**प्री.**	१२	२२	**ग.**	०२	३२	६:४६	५:२५	२२	२८	२६	१३	तुला १२:३२	भद्रा १७:५९ से २८:०६ बजे तक, मंगल मार्गी ३०:१५(E)
२६	३३	**१४**	**श.**	१८	४७	१४	१८	**स्वा.**	३३	२५	२०	०९	**आ. सौ.**	०१ ५१	४७ १०	**श.**	१८	४७	६:४७	५:२४	२३	२९	२७	१४	तुला	अमावस्या श्राद्धादि, दीपावली, महालक्ष्मी पूजन, (F)
२६	३०	**१५**	**र.**	०९	३२	१०	३७	**वि.**	२६	१०	१७	१६	**शो.**	४०	४२	**ना.**	०९	३२	६:४८	५:२४	२४	३०	२८	१५	वृश्चिक ११:५८	अमावस्या स्नानादि, गोर्वर्धन पूजा, अन्नकूट, (G)

(A) रोहिणी व्रत। (B) करवा चौथ, करक चतुर्थी। (C) कालाष्टमी, राधाकुण्ड स्नान रात्रि समाप्ति पर अरुणोदय में। (D) रमा एकादशी व्रत (सर्वेषाम्)। (E) बजे, प्रदोष व्रत, धनतेरस, धनवन्तरि जयन्ती, यमदीप दान, मासशिवरात्रि, हनुमानजयन्ती, नरक चतुर्दशी, रूप चौदश। (F) केदारगौरी व्रत, कमला जयन्ती प्रदोषकाल, महावीर निर्वाण दिवस, दयानन्द निर्वाण दिवस, शंकराचार्य निर्वाण दिवस, श्री महाकाली पूजा, बाल दिवस, उल्का भ्रमण। (G) विश्वकर्मा पूजा, गोपूजा।

ग्र.	सू.	चं.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
रा.	०६	०३	११	०६	०८	०५	०९	०१	०७
अं.	२२	२८	२१	०४	२८	२०	०२	२७	२७
क.	५६	४३	१५	०६	०५	२६	३२	३१	३१
वि.	१२	३७	२६	४७	४९	३०	४२	०८	०८
गति	६० १७	८२४ ४२	०४ व. २६	५३ मा. ०५	०९ ३१	७३ ३४	०३ ५३	०३ ११	०३ ११
नक्षत्र चरण	विशा. १च.	आश्ले. ४च.	रेव. २च.	चित्रा. ४च.	उ.षा. १च.	हस्त. ४च.	उ.षा. २च.	मृग. २च.	ज्ये. ४च.

९ नवम्बर २०२०ई., प्रातः ६:२७

के. ८, शु. ६, गु. ९, सू. बु. ७, ५, श. १०, ४ चं., १, ११, ३, मं. १२, २ रा.

कार्तिक कृ. ८/९, सोमवार

इस मास में पाँच रविवार और पाँच सोमवार हैं और वृश्चिक की संक्रान्ति सोमवार को है, अतः गेहूँ, जौ, चना, मटर, चावल, घी, चाँदी, कोयला, लकड़ी, सन्, सूत, सूती एवं ऊनी वस्त्र के भाव मन्दे रहेंगे। प्रजा में रोग, भय, अशान्ति का वातावरण रहेगा, शेयर बाजार में मन्दी का रुख रहेगा।

१५ नवम्बर २०२०ई., प्रातः ६:२७

के. ८, शु. ६, गु. ९, सू. बु. चं. ७, ५, श. १०, ४, १, ११, ३, मं. १२, २ रा.

कार्तिक कृ. ३०, रविवार

ग्र.	सू.	चं.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
रा.	०६	०६	११	०६	०८	०५	०९	०१	०७
अं.	२८	२६	२१	१०	२९	२७	०२	२७	२७
क.	५८	३१	०५	४४	०४	४८	५७	१२	१२
वि.	२४	००	४९	१८	४२	४९	१६	०३	०३
गति	६० २९	९०४ ४६	०१ मा. १२	८० ०४	१० १३	७३ ५५	०४ २२	०३ ११	०३ ११
नक्षत्र चरण	विशा. ३च.	विशा. २च.	रेव. २च.	स्वा. २च.	उ.षा. १च.	चित्रा. २च.	उ.षा. २च.	मृग. २च.	ज्ये. ४च.

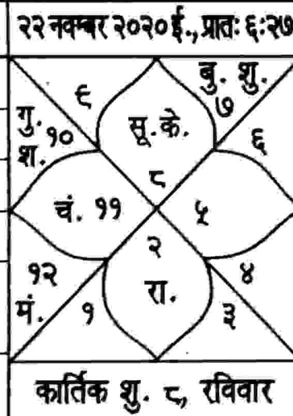
वि. सं. २०७७, शाके १९४२, कार्तिक शुक्ल पक्ष (दि. १६ नवम्बर से ३० नवम्बर २०२० ई०), दक्षिणायन, दक्षिण गोल, हेमन्त ऋतु, के. अहर्गण ३५११, अयनांश २४/०८'/३७''

दि.	मा.	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	न.	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	कर.	घ.	प.	सूर्योदय	सूर्यास्त	रा.	प्र.	मु.	अं.	चन्द्रचार	विवरण (भारतीय स्टैं. समय में)
२६	२७	१ २	सो.	०० ५२	४५ ५०	०७ २७	०७ ५७	अनु.	१६	२७	१४	३६	अति.	३०	५२	ब.	००	४५	६:४६	५:२३	का. २५	मार्ग. १	र. २६	नव. १६	वृश्चिक	गण्डमूल प्रा. १४:३६ बजे, वृश्चिक संक्रान्ति ६:५४ बजे,(A)
२६	२४	३	मं.	४६	१०	२५	१८	ज्ये.	१३	४७	१२	२१	सु.	२१	५५	तै.	१६	१७	६:५०	५:२३	२६	२	र. १	१७	धनु १२:२१	मु. रविलाखर प्रा.।
२६	२१	४	बु.	४१	०२	२३	१६	मू.	०६	३०	१०	३६	धृ.	१४	०७	व.	१३	२२	६:५१	५:२२	२७	३	२	१८	धनु	भद्रा १२:१२ बजे से २३:१६ बजे तक, गण्डमूल समा.,(B)
२६	१८	५	गु.	३७	४७	२१	५६	पू.षा.	०६	५५	०६	३८	शू.	०७	४२	ब.	०६	१०	६:५२	५:२२	२८	४	३	१६	मकर १५:३०	सूर्य अनुराधा में १४:१२ बजे, लाभ पञ्चमी, ज्ञान (C)
२६	१५	६	शु.	३६	३५	२१	३०	उ.षा.	०६	१५	०६	२२	गं. वृ.	०२ ५६	५२ ३७	कौ.	०६	५७	६:५२	५:२२	२६	५	४	२०	मकर	गुरु मकर से १३:२३ बजे, छठ पूजा, सूर्य षष्ठी, (D)
२६	१२	७	श.	३७	१७	२१	४८	श्र.	०७	३०	०६	५३	ध्रु.	५७	४७	ग.	०६	४०	६:५३	५:२१	३०	६	५	२१	कुम्भ २२:२६	भद्रा २१:४८ बजे से, पञ्चक प्रा. २२:२६ बजे, (E)
२६	०६	८	र.	३६	५७	२२	५२	धनि.	१०	४०	११	०६	व्या.	५७	२५	वि.	०८	२५	६:५३	५:२१	मा. १	७	६	२२	कुम्भ	भद्रा १०:१५ बजे तक, शुक्र स्वाति में १०:३५ बजे, (F)
२६	०६	९	सो.	४४	०७	२४	३३	शत.	१५	२५	१३	०४	ह.	५८	०५	बा.	११	५०	६:५४	५:२१	२	८	७	२३	कुम्भ	अक्षय नवमी, सत्य युगादि, कुष्माण्ड नवमी, (G)
२६	०४	१०	मं.	४६	२७	२६	४२	पू.भा.	२१	३२	१५	३२	व.	५६	३५	तै.	१६	४०	६:५५	५:२१	३	६	८	२४	मीन ८:५२	मेला कंस (मथुरा)।
२६	०१	११	बु.	५५	३७	२६	११	उ.भा.	२८	३०	१८	२०	सि.	६०	००	व.	२२	२७	६:५६	५:२०	४	१०	६	२५	मीन	भद्रा १५:५५ से २६:११ बजे तक, गण्डमूल प्रा. १८:२० (H)
२५	५६	१२	गु.	६०	००	–	–	रे.	३५	५७	२१	२०	सि.	०१	५७	ब.	२८	४७	६:५७	५:२०	५	११	१०	२६	मेष २१:२०	पञ्चक समा. २१:२० बजे, निम्बार्क-एकादशी व्रत।
२५	५६	१२	शु.	०२	०५	०७	४७	अश्वि.	४३	३२	२४	२२	व्य.	०३	४७	बा.	०२	०५	६:५७	५:२०	६	१२	११	२७	मेष	गण्डमूल समा. २४:२२ बजे, बुध वृश्चिक में ७:०४ (I)
२५	५४	१३	श.	०८	३०	१०	२२	भ.	५०	५२	२७	१६	वरि.	०६	००	तै.	०८	३०	६:५८	५:२०	७	१३	१२	२८	मेष	वैकुण्ठ चतुर्दशी।
२५	५२	१४	र.	१४	३२	१२	४८	कृ.	५७	४०	३०	०३	परि.	०७	५२	व.	१४	३२	६:५६	५:२०	८	१४	१३	२६	वृष १०:०१	भद्रा १२:४८ से २५:५६ बजे तक, मणिकर्णिका (J)
२५	५०	१५	सो.	१६	५७	१४	५६	रो.	६०	००	–	–	शिव	०६	२२	ब.	१६	५७	७:००	५:२०	६	१५	१४	३०	वृष	बुध अनुराधा में १०:३१ बजे, भीष्म पञ्चक (K)

(A) शुक्र तुला में २५:०२ बजे, चन्द्रदर्शन भातृद्वितीया, यम द्वितीया, चित्रगुप्त पूजन, यमुना स्नान (मथुरा), पुण्यकाल सूर्योदय से मध्याह्न तक। **(B)** १०:३६ बजे, विनायक चतुर्थी। **(C)** पञ्चमी, पाण्डव पञ्चमी। **(D)** प्रतिहार षष्ठी व्रत, सांयकालीन अर्घ्यदान। **(E)** सायन सूर्य धनु में २६:१० बजे, बुध विशाखा में १८:३० बजे, प्रातः कालीन अर्घ्यदान, षष्ठी व्रत पारणा। **(F)** रा. मार्गशीर्ष प्रा., अष्टाह्निकपर्व प्रा. गोपाष्टमी, दुर्गाष्टमी, मेला गोचारण (मथुरा), औली जैन प्रा.। **(G)** मथुरा परिक्रमा। **(H)** बजे, प्रबोधिनी/देवोत्थान एकादशी व्रत (स्मा.+वै.) तुलसी विवाह, कालिदास जयन्ती, भीषमपंचक प्रा. चातुर्मास्य समा.। **(I)** बजे, प्रदोष व्रत। **(J)** स्नान, काशी विश्वनाथ स्थापना दिवस, पूर्णिमा व्रत, देव दीपावली। **(K)** समा., सत्यव्रत, पुष्कर स्नान, गुरु नानक जयन्ती, मेला गढ़गंगा (मुक्तेश्वर), मेला हरिहर क्षेत्र, औली जैन समा., कार्तिक स्नान समा., मन्वादि, रोहिणी व्रत।

ग्र.	सू.	चं.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
रा.	०७	१०	११	०६	०६	०६	०६	०१	०७
अं.	०६	०४	२१	२०	००	०६	०३	२६	२६
क.	०२	१२	३०	४४	१८	२७	२६	४६	४६
वि.	१२	५१	४५	५८	३२	१२	२६	४८	४८
गति	६० ३७	७४४ २६	०७ ३७	६० ५१	१० ५८	७४ १३	०४ ५४	०३ ११	०३ ११
नक्षत्र चरण	अनु. १ च.	धनि. ४ च.	रेवती २ च.	विशा. १ च.	उ.षा. २ च.	चित्रा ४ च.	उ.षा. ३ च.	मृग. २ च.	ज्ये. ४ च.

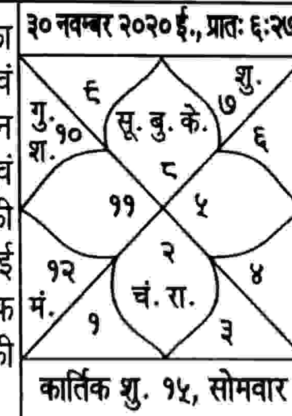
२२ नवम्बर २०२० ई., प्रातः ६:२७



कार्तिक शु. ८, रविवार

इस मास में सूर्य-बुध की युति उनका केतु एवं शुक्र से द्विर्द्वादश तथा मंगल एवं राहु से षडष्टक योग होने के कारण चीन एवं अमेरिका में राजनैतिक एवं व्यावसायिक सम्बन्धों में दरार पड़ने की सम्भावना है। एशिया एवं यूरोप के कई स्थानों पर बर्फिले तूफान एवं प्राकृतिक प्रकोप से जन-धन की हानि होने की सम्भावना है।

३० नवम्बर २०२० ई., प्रातः ६:२७



कार्तिक शु. १५, सोमवार

ग्र.	सू.	चं.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
रा.	०७	०१	११	०७	०६	०६	०६	०१	०७
अं.	१४	१०	२२	०३	०१	१६	०४	२६	२६
क.	०७	१२	४३	०४	४८	२२	१०	२४	२४
वि.	४४	०४	०२	१२	५५	०५	२७	२१	२१
गति	६० ४७	७२५ २४	१२ ००	६३ २८	११ ४२	७४ ३१	०५ २५	०३ ११	०३ ११
नक्षत्र चरण	अनु. ४ च.	रोहि. १ च.	रेव. २ च.	विशा. ४ च.	उ.षा. २ च.	स्वा. ३ च.	उ.षा. ३ च.	मृग. १ च.	ज्ये. ३ च.

वि. सं. २०७७, शाके १९४२, मार्गशीर्ष कृष्ण पक्ष (दि. ०१ दिसम्बर से १४ दिसम्बर २०२० ई०), दक्षिणायन, दक्षिण गोल, हेमन्त ऋतु, के. अहर्गण ३५२६, अयनांश २४/०८'/३६

दि.	मा.	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	न.	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	कर.	घ.	प.	सूर्योदय	सूर्यास्त	रा.	प्र.	मु.	अं.	चन्द्रचार	विवरण (भारतीय स्टैं. समय में)
२५	४७	१	मं.	२४	४०	१६	५२	रो.	०३	४५	०८	३०	सि.	१०	१७	कौ.	२४	४०	७:००	५:२०	मा. १०	मार्ग. १६	र. १५	दि. १	मिथुन २१:३७	
२५	४५	२	बु.	२८	२२	१८	२२	मृ.	०६	००	१०	३७	सा.	१०	३२	ग.	२८	२२	७:०१	५:२०	११	१७	१६	२	मिथुन	भद्रा ३०:५८ वजे से, सूर्य ज्येष्ठा में १८:३३ वजे, (A)
२५	४४	३	गु.	३१	०२	१९	२७	आ.	१३	४७	१२	२१	शुभ	०६	५७	वि.	३१	०२	७:०२	५:२०	१२	१८	१७	३	मिथुन	भद्रा १६:२७ बजे तक, चन्द्रोदय १९:२२ वजे। (B)
२५	४२	४	शु.	३२	३२	२०	०४	पुन.	१६	३०	१३	३६	शु.	०८	३२	ब.	०१	५५	७:०३	५:२०	१३	१९	१८	४	कर्क ७:२२	चन्द्रोदय २०:०४ वजे,
२५	४०	५	श.	३४	०२	२०	११	पु.	१८	२७	१४	२७	ब्र.	०६	१२	कौ.	०२	४७	७:०४	५:२०	१४	२०	१९	५	कर्क	गण्डमूल प्रा. १४:२७ वजे,
२५	३८	६	र.	३१	४२	१९	४५	आश्ले.	१९	१५	१४	४६	ऐं./वै.	०२/५८	५२/३०	ग.	०२	२५	७:०४	५:२०	१५	२१	२०	६	सिंह १४:४६	भद्रा १६:४५ वजे से,
२५	३७	७	सो.	२६	१५	१८	४७	म.	१८	३७	१४	३२	वि.	५३	००	वि.	००	३७	७:०५	५:२०	१६	२२	२१	७	सिंह	भद्रा ०७:२० वजे तक, गण्डमूल समा. १४:३२ वजे, (C)
२५	३५	८	मं.	२५	३०	१७	१८	पू.फा.	१६	४२	१३	४७	प्री.	४६	३०	कौ.	२५	३०	७:०६	५:२०	१७	२३	२२	८	कन्या १९:३१	बुध ज्येष्ठा में २३:२६ वजे,
२५	३४	९	बु.	२०	३०	१५	१८	उ.फा.	१३	३५	१२	३२	आ.	३९	०२	ग.	२०	३०	७:०६	५:२०	१८	२४	२३	९	कन्या	भद्रा २६:०८ वजे से,
२५	३३	१०	गु.	१४	२२	१२	५२	ह.	०९	२०	१०	५१	सौ.	३०	४५	वि.	१४	२२	७:०७	५:२०	१९	२५	२४	१०	तुला २१:५२	भद्रा १२:५२ वजे तक, शुक्र वृश्चिक में २६:१७ वजे,
२५	३२	११/१२	शु.	०७/५९	३०/४५	१०/३१	०४/०२	चि./स्वा.	०४/५८	१०/२५	०८/३०	४८/३०	शो.	२१	४५	बा.	०७	२०	७:०८	५:२१	२०	२६	२५	११	तुला	उत्पन्ना एकादशी व्रत स.।
२५	३०	१३	श.	५१	५२	२७	५३	वि.	५२	२०	२८	०४	अति.	१२	२२	ग.	२५	५०	७:०८	५:२१	२१	२७	२६	१२	वृश्चिक २२:४१	भद्रा २७:५३ वजे से, शनि प्रदोष व्रत।
२५	२९	१४	र.	४४	००	२४	४५	अनु.	४६	१७	२५	४०	सु./धृ.	०३/५३	४७/२२	वि.	१७	५२	७:०९	५:२१	२२	२८	२७	१३	वृश्चिक	भद्रा १४:१८ बजे तक, गण्डमूल प्रा. २५:४० वजे, (D)
२५	२९	३०	सो.	३६	३०	२१	४६	ज्ये.	४०	४०	२३	२६	शू.	४४	१५	चतु.	१०	१०	७:१०	५:२१	२३	२९	२८	१४	धनु २३:२६	सोमवती अमावस्या, सूर्यग्रहण।

(A) शुक्र विशाखा में २८:३६ बजे। **(B)** चतुर्थी व्रत, । **(C)** कालभैरव जयन्ती, कालाष्टमी। **(D)** शुक्र अनु. में २१:२३ बजे, मासशिवरात्रि।

ग्र.	सू.	चं.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
रा.	०७	०४	११	०७	०९	०६	०९	०१	०७
अं.	२२	२२	२४	१५	०३	२६	०४	२५	२५
क.	१४	२५	३५	३३	२४	१९	५५	५८	५८
वि.	३४	३३	२५	२४	५४	१३	२७	५५	५५
गति	६० / ५७	८३८ / ३८	१६ / ३३	६३ / ४८	१२ / २१	७४ / ४७	०५ / ५३	०३ / ११	०३ / ११
नक्षत्र चरण	ज्ये. २च.	पू.फा. ३च.	रेव. ३च.	अनु. ४च.	उ.षा. ३च.	विशा. २च.	उ.षा. ३च.	मृग. १च.	ज्ये. ३च.

८ दिसम्बर २०२० ई., प्रातः ६:२७

मार्गशीर्ष कृ. ८, मंगलवार

इस मास में पाँच मंगलवार तथा पाँच बुधवार हैं और धनु की संक्रान्ति मंगलवार को है, अतः प्रजा में परस्पर, द्वेष, कलह, रक्तपात से अशान्ति का वातावरण रहेगा। अनावृष्टि से कृषक वर्ग चिन्तित रहेगा। घी, तेल, सरसों, गेहूँ, जौ, चावल, चना, रूई, सूत. कपास, चाँदी, लाल चन्दन, लाल रंग के वस्त्र, केसर कस्तूरी के भाव तेज तथा अरहर, मूँग, मटर, चना आदि के भाव मन्दे रहेंगे।

१४ दिसम्बर २०२० ई., प्रातः ६:२७

मार्गशीर्ष कृ. ३०, सोमवार

ग्र.	सू.	चं.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
रा.	०७	०७	११	०७	०९	०७	०९	०१	०७
अं.	२८	१९	२६	२४	०४	०३	०५	२५	२५
क.	२०	३६	२२	५६	४०	४८	३१	३६	३६
वि.	३४	३६	१२	५२	०७	१७	३१	५१	५१
गति	६१ / ०३	८७६ / १८	१९ / २९	६४ / ०८	१२ / ४७	७४ / ५५	०६ / ११	०३ / ११	०३ / ११
नक्षत्र चरण	ज्ये. ४च.	ज्ये. १च.	रेव. ३च.	ज्ये. ३च.	उ.षा. ३च.	अनु. १च.	उ.षा. ३च.	मृग. १च.	ज्ये. ३च.

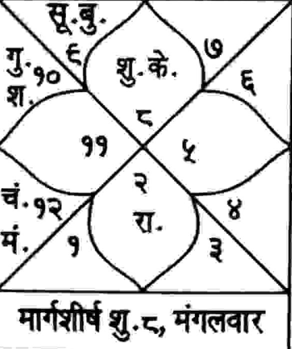
वि. सं. २०७७, शाके १९४२, मार्गशीर्ष शुक्ल पक्ष (दि. १५ दिसम्बर से ३० दिसम्बर २०२० ई०), दक्षिणायन/उत्तरायण, दक्षिण गोल, हेमन्त/शिशिर ऋतु, के. अहर्गण ३५४०, अयनांश २४/०८/४२"

दि.	मा.	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्ष.	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	कर.	घ.	प.	सूर्योदय	सूर्यास्त	रा.	प्र.	मु.	अं.	चन्द्रचार	विवरण (भारतीय स्टैं. समय में)
२५	२८	१	मं.	२६	५२	१६	०७	मू.	३५	५२	२१	३१	गं.	३५	५२	किं.	०३	०५	७:१०	५:२२	मा. २४	पौ. १	र. २९	वि. १५	धनु	गण्डमूल समा. २१:३१ बजे, सूर्य मूल में, धनु संक्रान्ति २१:३२ (A)
२५	२७	२	बु.	२४	२०	१६	५५	पू.षा.	३२	१२	२०	०४	वृ.	२८	२२	कौ.	२४	२०	७:११	५:२२	२५	२	३०	१६	मकर २५:४७	चन्द्रदर्शन।
२५	२७	३	गु.	२०	१५	१५	१८	उ.षा.	३०	०२	१९	१३	ध्रु.	२२	०७	ग.	२०	१५	७:१२	५:२२	२६	३	ज१	१७	मकर	भद्रा २६:४५ बजे से बुध मूल धनु में ११:३८ बजे,(B)
२५	२६	४	शु.	१७	५७	१४	२३	श्र.	२९	४०	१९	०४	व्या.	१७	१५	वि.	१७	५७	७:१२	५:२३	२७	४	२	१८	मकर	भद्रा १४:२३ बजे तक, विनायक चतुर्थी।
२५	२६	५	श.	१७	३५	१४	१५	ध.	३१	०७	१९	४०	ह.	१३	५२	बा.	१७	३५	७:१३	५:२३	२८	५	३	१९	कुम्भ ७:१६	पञ्चक प्रा. ०७:१६ बजे, विवाह पञ्चमी, (C)
२५	२६	६	र.	१९	१०	१४	५३	शत.	३४	३०	२१	०१	व.	१२	००	तै.	१९	१०	७:१३	५:२४	२९	६	४	२०	कुम्भ	स्कन्द षष्ठी, चम्पा षष्ठी।
२५	२५	७	सो.	२२	३२	१६	१५	पू.भा.	३९	३२	२३	०३	सि.	११	३२	व.	२२	३२	७:१४	५:२४	३०	७	५	२१	मीन १६:२६	भद्रा १६:१५ से २६:११ बजे तक, सायन सूर्य मकर में १५:३२ बजे
२५	२५	८	मं.	२७	३२	१८	१५	उ.भा.	४५	५७	२५	३७	व्य.	१२	१७	ब.	२७	३२	७:१४	५:२५	पौ. १	८	६	२२	मीन	गण्डमूल प्रा. २५:३७ बजे, रा. पौष प्रा., दुर्गाष्टमी।
२५	२५	९	बु.	३३	३२	२०	४०	रे.	५३	१५	२८	३३	वरि.	१३	५५	बा.	००	२५	७:१५	५:२५	२	९	७	२३	मेष २८:३३	पञ्चक समा. २८:३३ बजे।
२५	२६	१०	गु.	४०	०७	२३	१८	अश्वि.	६०	००	–	–	परि.	१६	०५	तै.	०६	४७	७:१५	५:२६	३	१०	८	२४	मेष	शुक्र ज्येष्ठा में १३:२६ बजे, मंगल अश्वि. मेष में १०:१९ बजे,
२५	२६	११	शु.	४६	३७	२५	५५	अश्वि.	००	५२	०७	३६	शि.	१८	१७	व.	१३	२२	७:१६	५:२६	४	११	९	२५	मेष	भद्रा १२:३७ से २५:५५ बजे तक, गण्डमूल समा. ७:३६ बजे (D)
२५	२६	१२	श.	५२	३७	२८	१६	भ.	०८	१७	१०	३५	सि.	२०	२०	ब.	१९	४२	७:१६	५:२७	५	१२	१०	२६	वृष १७:१८	मत्स्य द्वादशी।
२५	२७	१३	र.	५७	४२	३०	२१	कृ.	१५	०७	१३	१९	सा.	२१	५०	कौ.	२५	१७	७:१६	५:२७	६	१३	११	२७	वृष	प्रदोष व्रत, अनंग त्रयोदशी।
२५	२७	१४	सो.	६०	००	–	–	रो.	२०	५५	१५	३६	शुभ	२२	३०	ग.	२६	४५	७:१७	५:२८	७	१४	१२	२८	मिथुन २८:३६	सूर्य पू.षा. में २३:४५ बजे, रोहिणी व्रत, (E)
२५	२८	१४	मं.	०१	३५	०७	५५	मृ.	२५	३७	१७	३२	शु.	२२	१५	व.	०१	३५	७:१७	५:२८	८	१५	१३	२९	मिथुन	भद्रा ०७:५५ से २०:३० बजे तक, पूर्णिमा (F)
२५	२९	१५	बु.	०४	१२	०८	५८	आ.	२९	०५	१८	५५	ब्र.	२१	०५	ब.	०४	१२	७:१७	५:२९	९	१६	१४	३०	मिथुन	सत्यव्रत, श्री त्रिपुराभैरवी जयन्ती।

(A) बजे, धनु संक्रान्ति पुण्य काल मध्याह्नोत्तर। **(B)** मु. जमाहि–उल्लावल प्रा.। **(C)** विवाह पञ्चमी सीताराम विवाह, विहार पञ्चमी, नाग पूजा (दक्षिणात्य), स्वामी, हरिदास जयन्ती, रामदास जयन्ती, बाबू बैजनाथ जयन्ती। **(D)** बुध पू. षा. में २१:२१ बजे, मोक्षदा एकादशी व्रत स., गीता जयन्ती, मौनी एकादशी (जैन), क्रिसमस दिवस, ईसामसीह जयन्ती, मदनमोहन मालवीय जयन्ती। **(E)** पिशाचमोचन श्राद्ध। **(F)** व्रत, दत्तात्रेय जयन्ती (प्रदोष व्यापिनी)।

ग्र.	सू.	चं.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
रा.	०८	११	११	०८	०९	०७	०९	०१	०७
अं.	०६	०७	२९	०७	०६	१३	०६	२५	२५
क.	२९	०४	१०	३३	२४	४८	२२	१४	१४
वि.	१५	१८	१३	४१	०५	०५	१४	२४	२४
गति	६१	७१९	२२	६५	१३	७५	०६	०३	०३
	०७	४६	५०	२२	१५	०२	३२	११	११
नक्षत्र चरण	मूल. २च.	उ.भा. २च.	रेव. ४च.	मूल. ३च.	उ.षा. ३च.	अनु. ४च.	उ.षा. ३च.	मृग. १च.	ज्ये. ३च.

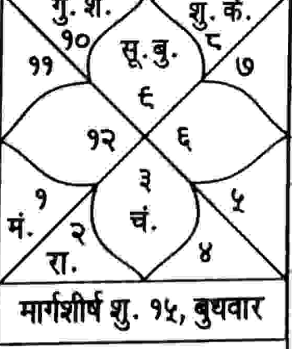
२२ दिसम्बर २०२० ई., प्रातः ६:२७



मार्गशीर्ष शु. ८, मंगलवार

इस मास में वृश्चिक राशि में पञ्चग्रही योग होने के कारण चीन एवं पाकिस्तान की सीमाओं में सैनिक गतिविधियाँ बढ़ेंगी। पाकिस्तान की सीमा पर आतंकवादियों की घुसपैठ होने से सैनिक कार्यवाही में अत्यधिक मात्रा में आतंकवादियों का सफाया होगा। चीन एवं अमेरिका में राजनैतिक, कूटनैतिक एवं व्यापारिक सम्बन्धों में दरार पड़ने की सम्भावना है। चीन, यूरोप सहित भारत के पहाड़ी प्रदेशों में हिमपात, हिमस्खलन, भूकम्प आदि प्राकृतिक प्रकोप से जनधन की हानि होने की सम्भावना है।

३० दिसम्बर २०२० ई., प्रातः ६:२७



मार्गशीर्ष शु. १५, बुधवार

ग्र.	सू.	चं.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
रा.	०८	०२	००	०८	०९	०७	०९	०१	०७
अं.	१४	१३	०२	२०	०८	२३	०७	२४	२४
क.	३८	२५	२२	२३	११	४८	१५	४८	४८
वि.	१२	१०	२९	०६	२८	३६	२४	५८	५८
गति	६१	७६३	२५	६६	१३	७५	०६	०३	०३
	०८	३६	२६	१९	३८	०७	४७	११	११
नक्षत्र चरण	पू.षा. १च.	आर्द्रा. ३च.	अश्वि. १च.	पू.षा. ३च.	उ.षा. ४च.	ज्ये. ३च.	उ.षा. ४च.	मृग. १च.	ज्ये. ३च.

वि. सं. २०७७, शाके १९४२, पौष कृष्ण पक्ष (दि. ३१ दिसम्बर २०२० से १३ जनवरी २०२१ ई०), उत्तरायण, दक्षिण गोल, शिशिर ऋतु, के. अहर्गण ३५५६, अयनांश २४/०८'/४५"

दि.	मा.	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	न.	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	कर.	घ.	प.	सूर्योदय	सूर्यास्त	रा.	प्र.	मु.	अं.	चन्द्रचार	विवरण (भारतीय स्टैं. समय में)
२५	३०	१	गु.	०५	३२	०६	३१	पुन.	३१	१७	१६	४६	ऐं.	१८	५२	कौ.	०५	३२	७:१८	५:३०	पौ. १०	पौ. १७	ज. १५	विश. ३१	कर्क १३:३८	
२५	३१	२	शु.	०५	४०	०६	३४	पु.	३२	२२	२०	१५	वै.	१५	४७	ग.	०५	४०	७:१८	५:३०	११	१८	१६	क्ल. १	कर्क	भद्रा २१:२५ बजे से, गण्डमूल प्रा. २०:१५ बजे। (A)
२५	३२	३	श.	०४	४०	०६	१०	आश्ले.	३२	२७	२०	१७	वि.	११	५०	वि.	०४	४०	७:१८	५:३१	१२	१९	१७	२	सिंह २०:१७	भद्रा ०६:१० बजे तक, बुध उ.षा. में २७:०४ बजे, (B)
२५	३३	४/५	र.	०२/५६	४२/५०	०६/३१	३३/१४	म.	२६	०५	१६	५६	प्री.	०७	०७	बा.	०२	४२	७:१८	५:३२	१३	२०	१८	३	सिंह	गण्डमूल समा. १६:५६ बजे, शुक्र मूल, धनु में २६:०४ बजे।
२५	३४	६	सो.	५६	१०	२६	४७	पू.फा.	२६	५५	१६	१७	आयु./सौ.	०१/५५	४२/४२	ग.	२८	०५	७:१९	५:३२	१४	२१	१९	४	कन्या २५:०४	भद्रा २६:४७ बजे से, बुध मकर में २७:५५ बजे।
२५	३६	७	मं.	५१	५२	२८	०४	उ.फा.	२७	३२	१८	२०	शो.	४६	१२	वि.	२४	०७	७:१९	५:३३	१५	२२	२०	५	कन्या	भद्रा १६:५७ बजे तक।
२५	३७	८	बु.	४७	००	२६	०७	ह.	२४	३५	१७	०६	अति.	४२	१२	बा.	१६	३०	७:१९	५:३४	१६	२३	२१	६	तुला २८:२६	गुरु श्रवण में २७:४६ बजे, कालाष्टमी।
२५	३९	९	गु.	४१	३७	२३	५८	चि.	२१	०७	१५	४६	सु.	३४	५०	तै.	१४	२२	७:१९	५:३५	१७	२४	२२	७	तुला	
२५	४०	१०	शु.	३५	५२	२१	४०	स्वा.	१७	१२	१४	१२	धृ.	२७	०७	व.	०८	४७	७:१९	५:३५	१८	२५	२३	८	वृश्चिक ३०:५८	भद्रा १०:५० से २१:४० बजे तक।
२५	४२	११	श.	२६	५५	१६	१७	वि.	१३	०२	१२	३२	शू.	१६	१२	ब.	०२	५५	७:१९	५:३६	१९	२६	२४	९	वृश्चिक	सफला एकादशी व्रत (स.)।
२५	४४	१२	र.	२३	५५	१६	५३	अनु.	०८	४५	१०	४६	गं.	११	१५	तै.	२३	५५	७:१९	५:३७	२०	२७	२५	१०	वृश्चिक	गण्डमूल प्रा. १०:४६ बजे, सूर्य उ.षा. में २५:४५ बजे, (C)
२५	४६	१३	सो.	१८	०५	१४	३३	ज्ये.	०४	३५	०६	०६	वृ./ध्रु.	०३/५५	३२/४५	व.	१८	०५	७:१९	५:३८	२१	२८	२६	११	धनु ६:०६	भद्रा १४:३३ से २५:२६ बजे तक, मासशिवरात्रि।
२५	४८	१४	मं.	१२	४०	१२	२३	मू./पू.षा.	००/५७	४७/३५	०७/३०	३६/२१	व्या.	४८	४०	श.	१२	४०	७:१९	५:३९	२२	२९	२७	१२	धनु	गण्डमूल समा. ०७:३८ बजे, अमावस्याश्राद्धादि ,(D)
२५	५०	३०	बु.	०७	५७	१०	३०	उ.षा.	५५	२२	२६	२८	ह.	४२	१७	ना.	०७	५७	७:१९	५:३९	२३	३०	२८	१३	मकर १२:०५	अमावस्या स्नानादि, लोहड़ी।

(A) आंगल नववर्षारम्भ। **(B)** चन्द्रोदय १८:४८ बजे, चतुर्थी व्रत। **(C)** बुध श्रवण में ३०:२० बजे, रूपद्वादशी, प्रदोष व्रत, शनि अस्त १५/३७। **(D)** स्वामीविवेकानन्द जयन्ती।

ग्र.	सू.	चं.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
रा.	०८	०५	००	०६	०६	०८	०६	०१	०७
अं.	२१	१७	०५	०१	०६	०२	०८	२४	२४
क.	४६	०३	२६	४८	४७	३४	०३	२६	२६
वि.	१०	४०	४३	५२	४०	४१	२८	४३	४३
गति	६१/१०	६८३/०२	२७/२३	६८/३२	१३/५३	७५/१२	०६/५८	०३/११	०३/११
नक्षत्र चरण	पू.षा. ३ च.	हस्त. ३ च.	अश्वि. २ च.	उ.षा. २ च.	उ.षा. ४ च.	मूल. १ च.	उ.षा. ४ च.	मृग. १ च.	ज्ये. ३ च.

६ जनवरी २०२१ ई., प्रातः ६:२७

बु.गु.श. १०
के. ८
सू.शु. ९
११
७
१२
६ चं.
३
मं. १
२ रा.
५
४

पौष कृष्ण ८, बुधवार

इस मास में पाँच गुरुवार हैं और मकर की संक्रान्ति गुरुवार को है, अतः गेहूँ, जौ, मक्का, बाजरा, चना, शक्कर, गुड़, खाण्ड, घी के भाव मन्दे रहेंगे। सूत, कपास, सफेद वस्त्र, कोयला लकड़ी, जूट, घास, चारा, बिनौला आदि के भाव तेज रहेंगे। सरसों, अलसी, पोस्त के भाव तेजी के बाद मन्दे रहेंगे। शेयर बाजार में घटाबढ़ी के बाद गिरावट का रुख रहेगा।

१३ जनवरी २०२१ ई., प्रातः ६:२७

बु.गु.श. १०
के. ८
सू.चं.शु. ९
११
७
१२
६
३
मं. १
रा. २
५
४

पौष कृष्ण ३०, बुधवार

ग्र.	सू.	चं.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
रा.	०८	०८	००	०६	०६	०८	०६	०१	०७
अं.	२८	२६	०८	१३	११	११	०८	२४	२४
क.	५४	४३	४३	१४	२५	२१	५२	०४	०४
वि.	१७	२०	२४	३८	३०	०७	३५	२८	२८
गति	६१/०६	८३०/२८	२९/०१	६५/५२	१४/०४	७५/१४	०७/०५	०३/११	०३/११
नक्षत्र चरण	उ.षा. १ च.	उ.षा. १ च.	अश्वि. ३ च.	श्रव. १ च.	श्रव. १ च.	मूल. ४ च.	उ.षा. ४ च.	मृग. १ च.	ज्ये. ३ च.

वि. सं. २०७७, शाके १९४२, पौष शुक्ल पक्ष (दि. १४ जनवरी से २८ जनवरी २०२१ ई०), उत्तरायण, दक्षिण गोल, शिशिर ऋतु, के. अहर्गण ३५७०, अयनांश २४/०८'/४८

दि.	मा.	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	न.	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	कर.	घ.	प.	सूर्योदय	सूर्यास्त	रा.	प्र.	मु.	अं.	चन्द्रचार	विवरण (भारतीय स्टै. समय में)
२५	५२	१	गु.	०४	१७	०६	०२	श्र.	५४	२२	२६	०४	व.	३६	५२	ब.	०४	१७	७:१६	५:४०	पौ. २४	मा. १	ज. २६	जन. १४	मकर	मकर संक्रान्ति०८:१५ बजे, शुक्र पू.षा.में.२०:२३ बजे, (A)
२५	५४	२	शु.	०१	५५	०८	०५	ध.	५४	५५	२६	१७	सि.	३२	३७	कौ.	०१	५५	७:१६	५:४१	२५	२	ज. १	१५	कुम्भ १७:०६	पञ्चक प्रा. १७:०६ बजे, मु.जमादिलाख़र प्रा.।
२५	५७	३	श.	०१	०७	०७	४६	शत.	५७	०५	३०	०६	व्य.	२६	४०	ग.	०१	०७	७:१६	५:४२	२६	३	२	१६	कुम्भ	भद्रा १६:५२ बजे से, विनायक चतुर्थी।
२५	५६	४	र.	०२	०५	०८	०६	पू.भा.	६०	००	–	–	वरि.	२८	०५	वि.	०२	०५	७:१६	५:४३	२७	४	३	१७	मीन २५:१६	भद्रा ०८:०६ बजे तक, गुरु अस्त २७:३० बजे, १७ जन. २०२१
२६	०२	५	सो.	०४	४७	०६	१४	पू.भा.	०१	००	०७	४३	परि.	२७	४७	बा.	०४	४७	७:१६	५:४४	२८	५	४	१८	मीन	
२६	०४	६	मं.	०६	१२	१०	५६	उ.भा.	०६	३०	०६	५४	शि.	२८	४२	तै.	०६	१२	७:१८	५:४४	२६	६	५	१६	मीन	गण्डमूल प्रा. ६:५४ बजे, सायन सूर्य कुम्भ में २६:१० बजे, (B)
२६	०७	७	बु.	१४	५२	१३	१५	रे.	१३	१५	१२	३६	सि.	३०	३०	व.	१४	५२	७:१८	५:४५	३०	७	६	२०	मेष १२:३६	भद्रा १३:१५ से २६:३१ बजे तक, पञ्चक समा. १२:३६ (C)
२६	१०	८	गु.	२१	२२	१५	५१	अश्वि.	२०	४५	१५	३६	सा.	३२	४२	ब.	२१	२२	७:१८	५:४६	मा. १	८	७	२१	मेष	गण्डमूल समा. १५:३६ बजे, रा. माघ प्रा. दुर्गाष्टमी।
२६	१३	९	शु.	२७	५७	१८	२६	भ.	२८	२५	१८	४०	शुभ	३५	००	कौ.	२७	५७	७:१८	५:४७	२	९	८	२२	वृष २५:२५	मंगल भरणी में १३:०१ बजे।
२६	१५	१०	श.	३४	१०	२०	५७	कृ.	३५	३७	२१	३२	शु.	३६	५५	तै.	०१	१०	७:१७	५:४८	३	१०	९	२३	वृष	सूर्य श्रवण में २७:५६ बजे, नेता जी सुभाष चन्द्र बोस जयन्ती।
२६	१८	११	र.	३६	१२	२२	५८	रो.	४१	५०	२४	०१	ब्र.	३७	५७	व.	०६	५०	७:१७	५:४९	४	११	१०	२४	वृष	भद्रा १०:०१ से २२:५८ बजे तक, पुत्रदा (D)
२६	२१	१२	सो.	४२	५०	२४	२५	मृग.	४६	३५	२५	५५	ऐं.	३७	५७	ब.	११	१२	७:१७	५:५०	५	१२	११	२५	मिथुन १३:०३	शुक्र उ.षा. में ११:३६ बजे, बुध कुम्भ में १६:२८ (E)
२६	२४	१३	मं.	४४	५०	२५	१२	आ.	४९	५०	२७	१२	वै.	३६	४२	कौ.	१४	००	७:१६	५:५०	६	१३	१२	२६	मिथुन	भौम प्रदोष व्रत, गणतन्त्र दिवस।
२६	२८	१४	बु.	४५	०५	२५	१८	पुन.	५१	२२	२७	४६	वि.	३४	०७	ग.	१५	१०	७:१६	५:५१	७	१४	१३	२७	कर्क २१:४३	भद्रा २५:१८ बजे से, शुक्र मकर में २७:३० बजे।
२६	३१	१५	गु.	४३	४५	२४	४६	पु.	५१	२५	२७	५०	प्री.	३०	२०	वि.	१४	३५	७:१६	५:५२	८	१५	१४	२८	कर्क	भद्रा १३:०६ बजे तक, गण्डमूल प्रा. २७:५० बजे। (F)

(A) गुरु वार्धक्य प्रा. २७:३० बजे, सं. पुण्यकाल सूर्योदय से समग्र दिन, चन्द्रदर्शन। **(B)** बुध धनिष्ठा में २१:४७ बजे। **C)** बजे, गुरूगोबिन्दसिंह जयन्ती, भानु सप्तमी। **(D)** एकादशी व्रत स., रोहिणी व्रत। **(E)** बजे, हिमाचल प्रदेश पूर्ण राज्य दिवस। **(F)** पूर्णिमा व्रत, सत्यव्रत, माघस्नान प्रा. शाकम्भरी जयन्ती।

प्र.	सू.	चं.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
रा.	०९	००	००	०९	०९	०८	०९	०१	०७
अं.	०७	०८	१२	२५	१३	२१	०६	२३	२३
क.	०३	४६	४१	०६	१८	२२	४६	३६	३६
वि.	१०	२२	०५	४१	३८	५२	३०	०१	०१
गति	६१	७०६	३०	०५	१४	७५	०७	०३	०३
	०३	१६	३२	३०	१३	१२	०८	११	११
नक्षत्र चरण	उ.षा. ४च.	अश्वि. ३च.	अश्वि. ४च.	धनि. १च.	श्रव. १च.	पू.षा. ३च.	उ.षा. ४च.	मृग. १च.	ज्ये. ३च.

२१ जनवरी २०२१ई., प्रातः ६:२७

सू.बु.गु.श. १०
के. ८
११
शु. ९
७
१२
६
चं. १
मं.
३
२
५
४
रा.

पौष शुक्ल ८, गुरुवार

इस मास में मकरराशिस्थ सूर्य-बुध-गुरु-शनि की युति उनका शुक्र से द्विर्द्वादश तथा मंगल से केन्द्रीय योग होने के कारण पश्चिमी देशों में शस्त्र कोप एवं बम विस्फोट से अत्यधिक मात्रा में जन-धन की हानि की सम्भावना है। बर्फिले तूफान, ओलावृष्टि, भूकम्प आदि प्राकृतिक प्रकोप से भी जन-धन की हानि होने की सम्भावना है।

२८ जनवरी २०२१ई., प्रातः ६:२७

बु. ११
सू. शु.
गु. १० श.
९
के. ८
१२
मं. १
७
४
चं.
२
रा.
६
३
५

पौष शुक्ल १५, गुरुवार

प्र.	सू.	चं.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
रा.	०९	०३	००	१०	०९	०९	०९	०१	०७
अं.	१४	०४	१६	०१	१४	००	१०	२३	२३
क.	१०	४६	१८	४३	५८	०६	३६	१६	१६
वि.	११	४७	१०	१२	१५	१६	२६	४६	४६
गति	६०	८०२	३१	२२	१४	७५	०७	०३	०३
	५६	१५	३६	५४	१५	११	०८	११	११
नक्षत्र चरण	श्रव. २च.	पुष्य. १च.	भर. १च.	धनि. ३च.	श्रवण. २च.	उ.षा. २च.	श्रव. १च.	रोहि. ४च.	ज्ये. २च.

वि. सं. २०७७, शाके १९४२, माघ कृष्ण पक्ष (दि. २६ जनवरी से ११ फरवरी २०२१ ई०), उत्तरायण, दक्षिण गोल, शिशिर ऋतु, के. अहर्गण ३५८५, अयनांश २४/०८'/५०"

दि.	मा.	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	न.	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	कर.	घ.	प.	सूर्योदय	सूर्यास्त	रा.	प्र.	मु.	अं.	चन्द्रचार	विवरण (भारतीय स्टैं. समय में)
२६	३४	१	शु.	४१	०७	२३	४२	आश्ले.	५०	१५	२७	२१	आ.	२५	३०	बा.	१२	३७	७:१५	५:५३	मा. ६	मा. १६	जं. १५	जन. २६	सिंह २७:२१	
२६	३७	२	श.	३७	२५	२२	१३	म.	४८	०२	२६	२८	सौ.	१६	४०	तै.	०६	२२	७:१५	५:५४	१०	१७	१६	३०	सिंह	गण्डमूल समा. २६:२८ बजे, (A)
२६	४१	३	र.	३२	५७	२०	२५	पू.फा.	४५	१०	२५	१८	शो.	१३	१५	व.	०५	१७	७:१४	५:५५	११	१८	१७	३१	कन्या ३०:५८	भद्रा ०६:२१ से २०:२५ बजे तक, चन्द्रोदय २०:४२ (B)
२६	४४	४	सो.	२७	५७	१८	२५	उ.फा.	४१	४७	२३	५७	अति. धृ.	०६ ५६	१७ ०२	ब.	००	३०	७:१४	५:५६	१२	१९	१८	फर. १	कन्या	
२६	४८	५	मं.	२२	४७	१६	२०	ह.	३८	१२	२२	३२	धृ.	५१	४७	तै.	२२	४७	७:१३	५:५६	१३	२०	१९	२	कन्या	स्वामी रामानन्दाचार्य जयन्ती।
२६	५१	६	बु.	१७	३०	१४	१३	चि.	३४	४५	२१	०७	शू.	४४	२७	व.	१७	३०	७:१३	५:५७	१४	२१	२०	३	तुला ६:४६	भद्रा १४:१२ से २५:१० बजे तक।
२६	५५	७	गु.	१२	२०	१२	०८	स्वा.	३१	२२	१९	४५	गं.	३७	२०	ब.	१२	२०	७:१२	५:५८	१५	२२	२१	४	तुला	शुक्र श्रवण में २७:०२ बजे, वक्री बुध मकर में २३:०५ (C)
२६	५८	८	शु.	०७	२०	१०	०७	वि.	२८	१२	१८	२८	वृ.	३०	२०	कौ.	०७	२०	७:११	५:५९	१६	२३	२२	५	वृश्चिक १२:४७	
२७	०२	९ १०	श.	०२ ५८	३५ ०७	०८ ३०	१३ २६	अनु.	२५	१५	१७	१७	ध्रु.	२३	३५	ग.	०२	३५	७:११	६:००	१७	२४	२३	६	वृश्चिक	भद्रा १९:१९ से ३०:२६ बजे तक, गण्डमूल प्रा. १७:१७ बजे, (D)
२७	०६	११	र.	५४	०५	२८	४८	ज्ये.	२२	४०	१६	१४	व्या.	१७	०५	ब.	२३	३५	७:१०	६:००	१८	२५	२४	७	धनु १६:१४	षट्तिला एकादशी व्रत (स्मार्त)।
२७	०९	१२	सो.	५०	२७	२७	२०	मूल	२०	३०	१५	२१	ह.	१०	५२	कौ.	२२	१२	७:०९	६:०१	१९	२६	२५	८	धनु	गण्डमूल समा. १५:२१ बजे, षट्तिला एकादशी व्रत (वैष्णव)
२७	१३	१३	मं.	४७	२२	२६	०६	पू.षा.	१८	४२	१४	३८	व. सि.	०५ ५६	०२ ४०	ग.	१८	५०	७:०९	६:०२	२०	२७	२६	९	मकर २०:३०	भद्रा २६:०६ बजे से, भौमप्रदोषव्रत, मेरुत्रयोदशी।
२७	१७	१४	बु.	४५	०२	२५	०६	उ.षा.	१७	४०	१४	१२	व्य.	५४	५७	वि.	१६	०७	७:०८	६:०३	२१	२८	२७	१०	मकर	भद्रा १३:३५ बजे तक, वक्री बुध २२:४२ बजे श्रवण (E)
२७	२१	३०	गु.	४३	४२	२४	३५	श्र.	१७	२५	१४	०५	वरि.	५१	०२	चतु.	१४	१५	७:०७	६:०४	२२	२९	२८	११	कुम्भ २६:१०	पञ्चक प्रा. २६:१० बजे, मैनी अमावस्या, प्रयाग स्नान।

(A) बुध वक्री २१:२१ बजे। **(B)** संकष्टचतुर्थीव्रत, संकट चौथ, गणेशोत्पत्ति, तिल चतुर्थी। **(C)** बजे, कालाष्टमी। **(D)** सूर्य धनिष्ठा में ०७:१२ बजे।
(E) में, मासशिवरात्रि शनि उदय २६/००।

ग्र.	सू.	चं.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
रा.	०९	०६	००	०९	०९	०९	०९	०१	०७
अं.	२२	२६	२०	२९	१६	१०	११	२२	२२
क.	१७	१७	३४	४३	५२	१०	३६	५१	५१
वि.	१७	१३	३५	२२	१२	४३	२०	२०	२०
गति	६० ४६	८४३ १८	३२ ३६	५१ व. १६	१४ १४	७५ ११	०७ ०४	०३ ११	०३ ११
नक्षत्र चरण	श्रव. ४ च.	विशा. २ च.	भर. ३ च.	धनि. व. २ च.	श्रव. ३ च.	श्रव. १ च.	श्रव. १ च.	रोहि. ४ च.	ज्ये. २ च.

५ फरवरी २०२१ई., प्रातः ६:२७

११ सू.बु.गु.शु.श. १० ९ ८ के. ७ चं. ६ ५ ४ ३ २ रा. मं. १ १२

माघ कृष्ण ८, शुक्रवार

इस मास में पाँच शुक्रवार तथा पाँच शनिवार हैं और कुम्भ की संक्रान्ति शुक्रवार को है, अतः चोरी, डकेती, उग्रवाद, आतंकवाद से प्रजा में अशान्ति एवं भय का वातावरण रहेगा। अन्न-वस्त्र, तिल, तेल तथा दैनिक उपभोग की वस्तुओं में मँहगाई की मार से आम जनता त्रस्त रहेगी। शेयर बाजार में जबरदस्त उठापटक रहेगी।

११ फरवरी २०२१ई., प्रातः ६:२७

११ सू.चं.बु.गु.शु.श. १० ९ ८ के. ७ ६ ५ ४ ३ २ रा. मं. १ १२

माघ कृ. ३०, गुरुवार

ग्र.	सू.	चं.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
रा.	०९	०९	००	०९	०९	०९	०९	०१	०७
अं.	२८	१९	२३	२२	१८	१७	१२	२२	२२
क.	२१	०५	५१	५७	१७	४१	१८	३२	३२
वि.	५९	४९	५१	४५	२४	४३	२७	१५	१५
गति	६० ४२	७९४ ४४	३३ १५	६६ व. ४५	१४ ०९	७५ ०९	०६ ५७	०३ ११	०३ ११
नक्षत्र चरण	धनि. २ च.	श्रव. ३ च.	भर. ४ च.	श्रव. ४ च.	श्रव. ३ च.	श्रव. ३ च.	श्रव. १ च.	रोहि. ४ च.	ज्ये. २ च.

वि. सं. २०७७, शाके १९४२, माघ शुक्ल पक्ष (दि. १२ फरवरी से २७ फरवरी २०२१ ई०), उत्तरायण, दक्षिण गोल, शिशिर/वसन्त ऋतु, के. अहर्गण ३५११, अयनांश २४/०८/५२

दि.	मा.	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्ष.	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	कर.	घ.	प.	सूर्योदय	सूर्यास्त	रा.	प्र.	मु.	अं.	चन्द्रचार	विवरण (भारतीय स्टैं. समय में)
२७	२४	१	शु.	४३	२७	२४	३०	ध.	१८	१०	१४	२३	प.	४८	००	किं.	१३	२५	७:०७	६:०४	मा२३	फा.१	ज.२९	फ.१२	कुम्भ	कुम्भ संक्रान्ति २१:१२ बजे, गुप्त नवरात्र (A)
२७	२८	२	श.	४४	३७	२४	५७	श.	२०	१२	१५	११	शि.	४६	०२	बा.	१३	५२	७:०६	६:०५	२४	२	३०	१३	कुम्भ	गुरु उदय १२:३६ बजे, चन्द्रदर्शन।
२७	३२	३	र.	४७	१५	२५	५६	पू.भा.	२३	४०	१६	३३	सि.	४५	१५	तै.	१५	४५	७:०५	६:०६	२५	३	र१	१४	मीन १०:०६	शुक्र वार्धक्य प्रा. १२:१५ बजे, मु. रज्जव प्रा.
२७	३६	४	सो.	५१	२२	२७	३७	उ.भा.	२८	३२	१८	२९	सा.	४५	३५	व.	१९	१०	७:०४	६:०७	२६	४	२	१५	मीन	भद्रा १४:४४ से २७:३७ बजे तक, गण्डमूल प्रा (B)
२७	४०	५	मं.	५६	४७	२९	४६	रे.	३४	४२	२०	५६	शुभ	४६	५५	ब.	२३	५७	७:०३	६:०८	२७	५	३	१६	मेष २०:५६	पञ्चक समा. २०:५६ बजे, मंगल कृत्तिका में (C)
२७	४४	६	बु.	६०	००	–	–	अश्वि.	४१	५७	२३	४९	शु.	४८	५७	कौ.	२९	५५	७:०२	६:०८	२८	६	४	१७	मेष	गण्डमूल समा. २३:४९ बजे, शुक्रास्त १२:१५ बजे, (D)
२७	४८	६	गु.	०३	१०	०८	१८	भ.	४९	४०	२६	५४	ब्र.	५१	२२	तै.	०३	१०	७:०२	६:०९	२९	७	५	१८	मेष	सायन सूर्य मीन में १६:१४ बजे।
२७	५२	७	शु.	०९	५५	१०	५९	कृ.	५७	२०	२९	५७	ऐ.	५३	४५	व.	०९	५५	७:०१	६:१०	३०	८	६	१९	वृष ९:४१	भद्रा १०:५६ से २४:१७ बजे तक, सूर्य शतभिषा (E)
२७	५६	८	श.	१६	२०	१३	३२	रो.	६०	००	–	–	वै.	५५	३५	ब.	१६	२०	७:००	६:११	फा१	९	७	२०	वृष	शुक्र कुम्भ में २६:२२ बजे, बुध मार्गी ३०:३० बजे (F)
२८	००	९	र.	२१	५०	१५	४३	रो.	०४	२०	०८	४३	वि.	५६	२७	कौ.	२१	५०	६:५९	६:११	२	१०	८	२१	मिथुन २१:५५	मंगल वृष में २८:३६ बजे, गुप्त नवरात्र (G)
२८	०५	१०	सो.	२५	४७	१७	१७	मृ.	१०	००	१०	५८	प्री.	५६	००	ग.	२५	४७	६:५८	६:१२	३	११	९	२२	मिथुन	भद्रा २६:४७ बजे से।
२८	०९	११	मं.	२७	५२	१८	०६	आ.	१३	५५	१२	३१	आयु.	५४	०२	वि.	२७	५२	६:५७	६:१३	४	१२	१०	२३	मिथुन	भद्रा १८:०६ बजे तक, जया एकादशी व्रत सर्वेषाम्।
२८	१३	१२	बु.	२७	५५	१८	०६	पुन.	२५	५२	१३	१७	सौ.	५०	३०	बा.	२७	५५	६:५६	६:१३	५	१३	११	२४	कर्क ७:१०	भीष्म द्वादशी, तिल द्वादशी, प्रदोष व्रत।
२८	१७	१३	गु.	२६	००	१७	१९	पु.	१५	५५	१३	१७	शो.	४५	३०	तै.	२६	००	६:५५	६:१४	६	१४	१२	२५	कर्क	गण्डमूल प्रा. १३:१७ बजे, मरु महोत्सव जैसलमेर (H)
२८	२१	१४	शु.	२२	२०	१५	५०	आश्ले.	१४	१२	१२	३५	अति.	३९	१२	व.	२२	२०	६:५४	६:१५	७	१५	१३	२६	सिंह १२:३५	भद्रा १५:५० से २६:५२ बजे तक, शुक्र शतभिषा (I)
२८	२५	१५	श.	१७	०७	१३	४७	म.	११	०२	११	१८	सु.	३१	५०	ब.	१७	०७	६:५३	६:१६	८	१६	१४	२७	सिंह	गण्डमूल समा. ११:१८ बजे, माघी पूर्णिमा, (J)

(A) प्रारम्भ (शिशिर), सं. पुण्यकाल मध्याह्नोत्तर। (B) १८:२६ बजे, शुक्र धनिष्ठा में १८:३१ बजे,विनायक चतुर्थी, तिल चतुर्थी। (C) ०७:०६ बजे गुरु बाल्यत्व समा. १२:३६ बजे, वसन्त पञ्चमी, श्रीपञ्चमी, सरस्वतीपूजन। (D) स्कन्द षष्ठी। (E) में ११:३६ बजे, रथसप्तमी, भानुसप्तमी, अचलासप्तमी। (F) भीष्माष्टमी, दुर्गाष्टमी, मन्वादि, रोहिणी व्रत। (G) (शिशिर) समा.। (H) (राज.) प्रारम्भ, हजरत अली जन्म दिवस। (I) में १०:२० बजे, पूर्णिमा व्रत। (J) सत्यव्रत, गुरु रविदास जयनती, मरु महोत्सव समाप्त, माघ स्नान समाप्त, श्री ललिता जयन्ती।

ग्र.	सू.	चं.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
रा.	१०	०१	००	०९	०९	०९	०९	०१	०७
अं.	०७	१०	२८	१६	२०	२८	१३	२२	२२
क.	२७	१४	५४	५५	२४	५७	२०	०३	०३
वि.	२९	४२	२८	५८	००	४२	१०	३८	३८
गति	६० २८	७१६ ५५	३४ ०३	१० व. ४१	१३ ५६	७५ ०३	०६ ४३	०३ ११	०३ ११
नक्षत्र चरण	शत. १ च.	रोहि. १ च.	कृत्ति. १ च.	श्रवण ३ च.	श्रवण ४ च.	शत. २ च.	श्रव. २ च.	रोहि. ४ च.	ज्ये. २ च.

२० फरवरी २०२१ ई., प्रातः ६:२७

सू. शु. ११ बु.श.गु. १० | १२ | ९ | ८ | के. | मं. १ | ७ | ४ | चं.२ रा. | ३ | ६ | ५

माघ शु. ८, शनिवार

इस मास में माघ मास की अमावस्या को सूर्य-चन्द्र-बुध-गुरु-शुक्र-शनि की मकर राशि में षड्ग्रही योग होने के कारण विश्व के अधिकतर भूभाग में प्राकृतिक प्रकोप से प्रजा में दुर्भिक्ष, भुखमरी, मँहगाई आन्तकवाद, उग्रवाद के कारण भयावह एवं अशान्ति की स्थिति रहेगी। मुस्लिम राष्ट्रों में उग्रवाद चरम पर होगा तथा कुछ राष्ट्रों में तख्ता पलट की भी सम्भावना है।

२७ फरवरी २०२१ ई., प्रातः ६:२७

१२ | बु.गु.श. १० | सू.शु. ११ | ९ | १ | मं.रा. २ | ८ के. | ३ | ५ चं. | ७ | ४ | ६

माघ शु. १५, शनिवार

ग्र.	सू.	चं.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
रा.	१०	०४	०१	०९	०९	१०	०९	०१	०७
अं.	१४	१०	०२	१८	२२	०७	१४	२१	२१
क.	३०	२७	५४	४२	००	४२	०६	४१	४१
वि.	०६	४०	१५	०३	५४	५०	२९	२३	२३
गति	६० १५	८५८ ५४	३४ ३१	३६ मा. २४	१३ ४२	७४ ५९	०६ २८	०३ ११	०३ ११
नक्षत्र चरण	शत. ३ च.	मघा. ४ च.	कृत्ति. २ च.	श्रवण ३ च.	श्रवण ४ च.	शत. १ च.	श्रव. २ च.	रोहि. ४ च.	ज्ये. २ च.

वि. सं. २०७७, शाके १९४२, फाल्गुन कृष्ण पक्ष (दि. २८ फरवरी से १३ मार्च २०२१ ई०), उत्तरायण, दक्षिण गोल, वसन्त ऋतु, के. अहर्गण ३६१५, अयनांश २४/०८/५४

दि.	मा.	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्ष.	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	कर.	घ.	प.	सूर्योदय	सूर्यास्त	रा.	प्र.	मु.	अं.	चन्द्रचार	विवरण (भारतीय स्टैं. समय में)
२८	३०	१	र.	११	०७	११	१६	पू.फा.	०६	४७	०६	३५	धृ.	२३	४२	कौ.	११	०७	६:५२	६:१६	फा. ६	फा. १७	र. १५	फ. २८	कन्या १५:०७	
२८	३४	३/२	सो.	०४/५७	३२/२०	०६/२६	३६/४७	उ.फा./ह.	०१/५६	५५/४२	०७/२६	३७/३२	शू.	१५	१०	ग.	०४	२२	६:५१	६:१७	१०	१८	१६	मा. १	कन्या	भद्रा १६:११ से २६:४७ बजे तक
२८	३८	४	मं.	५०	२५	२७	००	चि.	५१	३७	२७	२६	गं./वृ.	०६/५७	२७/५०	ब.	२५	५५	६:५०	६:१८	११	१६	१७	२	तुला १६:२६	चन्द्रोदय २१:४२ बजे, अङ्गारक चतुर्थी व्रत।
२८	४२	५	बु.	४३	५२	२४	२२	स्वा.	४६	५५	२५	३५	ध्रु.	४६	३७	कौ.	१७	०५	६:४६	६:१८	१२	२०	१८	३	तुला	
२८	४७	६	गु.	३७	५७	२१	५६	वि.	४२	५२	२३	५७	व्या.	४१	५५	ग.	१०	५०	६:४८	६:१६	१३	२१	१६	४	वृश्चिक १८:२०	भद्रा २१:५६ बजे से, सूर्य पू.भा.में १७:५६ बजे, (A)
२८	५१	७	शु.	३२	५०	१६	५५	अनु.	३६	३५	२२	३७	ह.	३४	५०	वि.	०५	१७	६:४७	६:१६	१४	२२	२०	५	वृश्चिक	भद्रा ०८:५४ बजे तक, गण्डमूल प्रा. २२:३७ बजे, (B)
२८	५५	८	श.	२८	३२	१८	११	ज्ये.	३७	१०	२१	३८	व.	२८	२५	बा.	००	३५	६:४६	६:२०	१५	२३	२१	६	धनु २१:३८	हलाष्टमी, जानकी अष्टमी।
२८	५९	९	र.	२५	०५	१६	४७	मू.	३५	३५	२०	५६	सि.	२२	४५	ग.	२५	०५	६:४५	६:२०	१६	२४	२२	७	धनु	भद्रा २८:१३ बजे से, गण्डमूल समा. २०:५६ बजे,
२९	०४	१०	सो.	२२	३५	१५	४५	पू.षा.	३४	५२	२०	४०	व्य.	१७	४७	वि.	२२	३५	६:४३	६:२१	१७	२५	२३	८	मकर २६:३८	भद्रा १५:४५ बजे तक, शुक्र पू.भा. में २६:३४ बजे(C)
२९	०८	११	मं.	२०	५०	१५	०२	उ.षा.	३४	५७	२०	४१	वरि.	१३	२७	बा.	२०	५०	६:४२	६:२२	१८	२६	२४	९	मकर	विजया एकादशी व्रत सर्वेषाम्।
२९	१२	१२	बु.	२०	००	१४	४१	श्र.	३५	५५	२१	०३	परि.	०६	४७	तै.	२०	००	६:४१	६:२२	१९	२७	२५	१०	मकर	प्रदोष व्रत।
२९	१७	१३	गु.	२०	००	१४	४०	धनि.	३७	४२	२१	४५	शि.	०६	४७	व.	२०	००	६:४०	६:२३	२०	२८	२६	११	कुम्भ ६:२१	भद्रा १४:४० से २६:४८ बजे तक, पञ्चक प्रा. (D)
२९	२१	१४	शु.	२१	००	१५	०३	शत.	४०	३०	२२	५१	सि.	०४	३५	श.	२१	००	६:३९	६:२४	२१	२९	२७	१२	कुम्भ	महाशिवरात्रि व्रत पारायण।
२९	२५	३०	श.	२३	०२	१५	५१	पू.भा.	४४	२०	२४	२२	सा.	०३	१०	ना.	२३	०२	६:३८	६:२४	२२	३०	२८	१३	मीन १७:५७	युगादि अमावस्या, शनैश्चरी अमावस्या।

(A) गुरु धनि. में २५:५७ बजे। (B) बुध धनिष्ठा में ०७:१७ बजे, कालाष्टमी। (C) महर्षि दयानन्द सरस्वती जयन्ती। (D) ०६:२१ बजे, मंगल रोहिणी में ११:४७ बजे, बुध कुम्भ में १२:३४ बजे, महाशिवरात्रि व्रत।

ग्र.	सू.	चं.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
रा.	१०	०७	०१	०६	०६	१०	०६	०१	०७
अं.	२१	२१	०६	२४	२३	१६	१४	२१	२१
क.	३१	१३	५७	१५	३५	२७	५०	१९	१९
वि.	१८	३०	०५	४२	५६	२७	५६	०७	०७
गति	६० ०४	८३० ०३	३४ ५५	६० २४	१३ २४	७४ ५४	०६ ११	०३ ११	०३ ११
नक्षत्र चरण	पू.भा. १ च.	ज्ये. २ च.	कृत्ति. ४ च.	धनि. १ च.	धनि. १ च.	शत. ३ च.	श्रव. २ च.	रोहि. ४ च.	ज्ये. २ च.

६ मार्च २०२१ई., प्रातः ६:२७

भाव	ग्रह
११	सू.शु.
१०	बु.गु.श.
८	चं. के.
२	मं.रा.

फाल्गुन कृ. ८, शनिवार

इस मास में पाँच रविवार हैं और मीन की संक्रान्ति भी रविवार को है, अतः प्रजा में महामारी से भय एवं अशान्ति व्याप्त रहेगी। वर्षा की कमी से कृषक वर्ग चिन्तित रहेगा। गेहूँ, चना, जौ, मक्का, ज्वार, बाजरा, मसूर, अरहर, उड़द, तैल, घी, गुड़, खाण्ड, कोयला, लकड़ी, ताँबा, जस्ता के भावों में घटाबढ़ी का रुख रहेगा। सोना, चाँदी के भाव मन्दे रहेंगे।

१३ मार्च २०२१ई., प्रातः ६:२७

भाव	ग्रह
११	सू. चं. बु. शु.
१०	गु. श.
८	के.
२	मं.रा.

फाल्गुन कृ. ३०, शनिवार

ग्र.	सू.	चं.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
रा.	१०	१०	०१	१०	०६	१०	०६	०१	०७
अं.	२८	२३	११	०२	२५	२५	१५	२०	२०
क.	३१	५९	०२	०७	०८	११	३३	५६	५६
वि.	१२	४९	३४	२६	४८	३२	१०	५२	५२
गति	५९ ५२	७२९ ०३	३५ १६	७५ ३५	१३ ०२	७४ ४६	०५ ५०	०३ ११	०३ ११
नक्षत्र चरण	पू.भा. ३ च.	पू.भा. २ च.	रोहि. १ च.	धनि. ३ च.	धनि. १ च.	पू.भा. २ च.	श्रव. २ च.	रोहि. ४ च.	ज्ये. २ च.

वि. सं. २०७७, शाके १९४२, फाल्गुन शुक्ल पक्ष (दि. १४ मार्च से २८ मार्च २०२१ ई०), उत्तरायण, दक्षिण/उत्तर गोल, वसन्त ऋतु, के. अहर्गण ३८२९, अयनांश २४/०५/५५

दि.	मा.	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्ष.	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	कर.	घ.	प.	सूर्योदय	सूर्यास्त	रा.	प्र.	मु.	अं.	चन्द्रचार	विवरण (भारतीय स्टैं. समय में)
२९	३०	१	र.	२६	१२	१७	०६	उ.भा.	४९	१५	२६	१९	शुभ	०२	३५	ब.	२६	१२	६:३७	६:२५	फा. २३	चै. १	र. २६	मा. १४	मीन	गण्डमूल प्रा. २६:१६ बजे, मीन संक्रान्ति १८:०३ (A)
२९	३४	२	सो.	३०	३७	१८	५०	रे.	५५	२०	२८	४३	शु.	०२	५७	कौ.	३०	३७	६:३५	६:२५	२४	२	श. १	१५	मेष २८:४३	पञ्चक समा. २८:४३ बजे, मु. शव्वान प्रा., (B)
२९	३८	३	मं.	३६	०२	२०	५६	अश्वि.	६०	००	–	–	ब्र.	०४	०७	तै.	०३	१२	६:३४	६:२६	२५	३	२	१६	मेष	बुध शतभिषा में १८:३५ बजे, शुक्र मीन में २७:०१ बजे।
२९	४३	४	बु.	४२	२०	२३	२६	अश्वि.	०२	२५	०७	३१	ऐं.	०६	०२	व.	०६	०७	६:३३	६:२६	२६	४	३	१७	मेष	भद्रा १०:१२ से २३:२६ बजे तक, गण्डमूल समा. (C)
२९	४७	५	गु.	४९	०५	२६	१०	भ.	१०	०५	१०	३४	वै.	०८	३०	ब.	१५	४२	६:३२	६:२७	२७	५	४	१८	वृष १७:२२	
२९	५१	६	शु.	५५	४५	२८	४६	कृति.	१८	०२	१३	४४	वि.	११	१०	कौ.	२२	२७	६:३१	६:२८	२८	६	५	१९	वृष	शुक्र उ.भा. १९:१४ बजे,
२९	५६	७	श.	६०	००	–	–	रो.	२५	३७	१६	४५	प्री.	१३	३५	ग.	२८	५२	६:३०	६:२८	२९	७	६	२०	मिथुन ३०:०८	सायन सूर्य मेष में १५:०७ बजे, पारसी नव वर्ष, (D)
३०	००	७	र.	०१	४५	०७	१०	मृग.	३२	२०	१९	२४	आ.	१५	२५	व.	०१	४५	६:२८	६:२९	३०	८	७	२१	मिथुन	भद्रा ०७:१० से २०:१० बजे तक अष्टाह्निक पर्व (E)
३०	०५	८	सो.	०६	२५	०९	०१	आ.	३७	३२	२१	२८	सौ.	१६	१०	ब.	०६	२५	६:२७	६:२९	चै. १	९	८	२२	मिथुन	रा. चैत्र प्रा., दुर्गाष्टमी।
३०	१०	९	मं.	०६	१२	१०	०७	पुन.	४०	४७	२२	४५	शो.	१५	२७	कौ.	०६	१२	६:२६	६:३०	२	१०	९	२३	कर्क १८:३०	
३०	१४	१०	बु.	०६	५७	१०	२४	पु.	४१	५७	२३	१२	अति.	१३	०७	ग.	०६	५७	६:२५	६:३०	३	११	१०	२४	कर्क	भद्रा २२:१२ बजे से, गण्डमूल प्रा. २३:१२ बजे।
३०	१८	११	गु.	०८	३२	०९	४८	आश्ले.	४१	०५	२२	४९	सु.	०९	०७	वि.	०८	३२	६:२३	६:३१	४	१२	११	२५	सिंह २२:४६	भद्रा ०९:४८ बजे तक, बुध पू.भा. में २२:००(F)
३०	२२	१२/१३	शु.	०५/५६	००/३५	०८/३०	२२/१२	म.	३८	१२	२१	३९	धृ./शू.	०३/५६	२७/१५	बा.	०५	००	६:२२	६:३१	५	१३	१२	२६	सिंह	गण्डमूल समा. २१:३९ बजे, प्रदोष व्रत, (G)
३०	२७	१४	श.	५२	१५	२७	२७	पू.फा.	३३	४७	१९	५२	गं.	४७	५५	ग.	२६	२०	६:२१	६:३२	६	१४	१३	२७	कन्या २५:२०	भद्रा २७:२७ बजे से।
३०	३१	१५	र.	४४	५५	२४	१८	उ.फा.	२८	०७	१७	३५	वृ.	३८	४०	वि.	१८	५७	६:२०	६:३३	७	१५	१४	२८	कन्या	भद्रा १३:५५ बजे तक अष्टाह्निक पर्व समा., (H)

(A) बजे, सं.पुण्यकाल मध्याह्नोत्तर। (B) फुलैरादोज, रामकृष्णपरमहंस जयन्ती, चन्द्रदर्शन। (C) ७:३१ बजे, सूर्य उ.भा. में २३:२१ बजे, विनायक चतुर्थी। (D) रोहिणी व्रत। (E) आरम्भ, होलाष्टक प्रा., औली जैन प्रा.। (F) बजे, आमलकी एकादशी व्रत, रङ्गभरी एकादशी। (G) गोविन्द द्वादशी। (H) अष्टाह्निक पर्व समा., होलाष्टक समा., औली जैन समा., फाल्गुनी पूर्णिमा व्रत, सत्यव्रत, मन्वादि, होलिका दहन।

ग्र.	सू.	चं.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
रा.	११	०२	०१	१०	०९	११	०९	०१	०७
अं.	०७	१२	१६	१४	२७	०६	१६	२०	२०
क.	२८	१६	२१	२६	०३	२४	२३	२८	२८
वि.	४३	३३	३१	२४	५७	१८	३५	१५	१५
गति	५९ ३२	७४४ ५४	३५ ३८	८९ ३६	१२ २८	७४ ४०	०५ १८	०३ ११	०३ ११
नक्षत्र चरण	उ.भा. २ च.	आर्द्रा २ च.	रोहि. २ च.	शत. ३ च.	धनि. २ च.	उ.भा. १ च.	श्रव. २ च.	रोहि. ४ च.	ज्ये. २ च.

२२ मार्च २०२१ई., प्रातः ६:२७

१ सू.शु. १२, २ मं. रा., ३ चं., ४, ५, ६, ७, ८ के., ९, १० गु. श., ११ बु.

फाल्गुन शु. ८, सोमवार

इस मास में सूर्य-शुक्र की युति उनका शनि, बुध, गुरु से द्विर्द्वादश तथा मंगल-राहु एवं केतु से केन्द्रीय योग होने के कारण मुद्दों के आधार पर पक्ष एवं विपक्ष में तीखी नोकझोंक होने की सम्भावना है। आतंकवाद, उग्रवाद, अग्निकाण्ड, विस्फोट आदि से जन-धन की हानि होने की सम्भावना है।

२८ मार्च २०२१ई., प्रातः ६:२७

१ सू.शु. १२, २ मं. रा., ३, ४, ५, ६ चं., ७, ८ के., ९, १० श., ११ बु. गु.

फाल्गुन शु. १५, रविवार

ग्र.	सू.	चं.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
रा.	११	०५	०१	१०	०९	११	०९	०१	०७
अं.	१३	०३	१९	२३	२८	१३	१६	२०	२०
क.	२५	०८	५५	४४	१७	५२	५४	०९	०९
वि.	२३	०६	४५	४६	३९	००	२५	१०	१०
गति	५९ १९	८९० ५२	३५ ४८	९७ ५१	१२ ०१	७४ ३३	०४ ५५	०३ ११	०३ ११
नक्षत्र चरण	उ.भा. ४ च.	उ.फा. २ च.	रोहि. ३ च.	पू.भा. २ च.	धनि. २ च.	उ.भा. ४ च.	श्रव. ३ च.	रोहि. ४ च.	ज्ये. २ च.

वि. सं. २०७७, शाके १९४२, चैत्र कृष्ण पक्ष (दि. २९ मार्च से १२ अप्रैल २०२१ ई०), उत्तरायण, उत्तर गोल, वसन्त ऋतु, के. अहर्गण ३६४४, अयनांश २४/०८'/५७"

दि.	मा.	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्ष.	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	कर.	घ.	प.	सूर्योदय	सूर्यास्त	रा.	प्र.	मु.	अं.	चन्द्रचार	विवरण (भारतीय स्टैं. समय में)
३०	३५	१	सो.	३६	३०	२०	५५	ह.	२१	४७	१५	०२	ध्रु.	२८	५५	बा.	१०	४५	६:१६	६:३३	चै. ८	चै. १६	शु. १६	मा. २६	तुला २५:४२	होली, धुलैण्डी, धूलिवन्दन, आम्रकलिका प्राशन, (A)
३०	४०	२	मं.	२७	५२	१७	२७	चि.	१५	०७	१२	२१	व्या.	१८	५७	तै.	०२	१०	६:१८	६:३४	६	१७	१६	३०	तुला	भद्रा २७:४६ बजे से, शुक्र रेवती में १२:३३ बजे,
३०	४४	३	बु.	१६	३५	१४	०६	स्वा.	०८	४२	०६	४५	ह.	०६	१५	वि.	१६	३५	६:१६	६:३४	१०	१८	१७	३१	वृश्चिक २५:५६	भद्रा १४:०६ बजे तक, सूर्य रेवती में १३:१५ बजे (B)
३०	४८	४	गु.	११	५२	११	००	वि./अनु.	०३/५७	४७/४०	०७/२६	३२/१६	व./सि.	००/५१	०२/१२	बा.	११	५२	६:१५	६:३५	११	१६	१८	अप्रै. १	वृश्चिक	गण्डमूल प्रा. २६:१६ बजे, बैंक अवकाश।
३०	५२	५/६	शु.	०५/५४	०५/१७	०६/२६	१६/५६	ज्ये.	५३	४२	२७	४३	व्य.	४३	३२	तै.	०५	०५	६:१४	६:३५	१२	२०	१६	२	धनु २७:४३	भद्रा २६:५६ बजे से, बुध उ.भा. में २३:०१ बजे (C)
३०	५७	७	श.	५५	००	२८	१३	मू.	५१	०२	२६	३८	वरि.	३६	५२	वि.	२७	०२	६:१३	६:३६	१३	२१	२०	३	धनु	भद्रा १७:०२ बजे तक, गण्डूल समा. २६:३८ बजे
३१	०१	८	र.	५२	००	२७	००	पू.षा.	४६	४२	२६	०५	परि.	३१	१५	बा.	२३	२०	६:१२	६:३६	१४	२२	२१	४	धनु	मेला नवचण्डी (मेरठ) समाप्त, कालाष्टमी, (D)
३१	०५	९	सो.	५०	२०	२६	१६	उ.षा.	४६	४५	२६	०५	शि.	२६	४५	तै.	२१	००	६:११	६:३७	१५	२३	२२	५	मकर ८:०२	गुरुकुम्भ में २४:२४ बजे।
३१	०६	१०	मं.	५०	००	२६	१०	श्र.	५१	००	२६	३४	सि.	२३	१७	व.	२०	०२	६:१०	६:३७	१६	२४	२३	६	मकर	भद्रा १४:११ से २६:१० बजे तक।
३१	१३	११	बु.	५०	५२	२६	२६	ध.	५३	३२	२७	३३	सा.	२०	५२	ब.	२०	२०	६:०८	६:३८	१७	२५	२४	७	कुम्भ १५:००	पञ्चक प्रा. १५:०० बजे, पापमोचिनी एकादशी व्रत। (स्मा.+वै.)
३१	१८	१२	गु.	५२	५२	२७	१६	शत.	५७	०५	२८	५७	शुभ	१६	१७	कौ.	२१	४५	६:०७	६:३६	१८	२६	२५	८	कुम्भ	पापमोचिनी एकादशी व्रत (निम्बार्क)।
३१	२२	१३	शु.	५५	५५	२८	२८	पू.भा.	६०	००	–	–	शु.	१८	३५	ग.	२४	१७	६:०६	६:३६	१६	२७	२६	९	मीन २४:१७	भद्रा २८:२८ बजे से, प्रदोष व्रत।
३१	२६	१४	श.	६०	००	–	–	पू.भा.	०१	४२	०६	४६	ब्र.	१८	४०	वि.	२७	५०	६:०५	६:४०	२०	२८	२७	१०	मीन	भद्रा १७:१३ बजे तक, बुध रेवती में ०६:०८ (E)
३१	३०	१४	र.	००	०२	०६	०५	उ.भा.	०७	१२	०८	५७	ऐं.	१६	३०	श.	००	०२	६:०४	६:४०	२१	२६	२८	११	मीन	गण्डूमल प्रा. ०८:५७ बजे, अमावस्या श्राद्धादि।
३१	३४	३०	सो.	०४	५५	०८	०१	रे.	१३	३५	११	२६	वै.	२१	००	ना.	०४	५५	६:०३	६:४१	२२	३०	२६	१२	मेष ११:२६	पञ्चक समा. ११:२६ बजे, अमावस्या स्नानादि (F)

(A) वसन्तोत्सव (चैतन्य महाप्रभु जय.)। (B) बुध मीन में २४:४४ बजे, चन्द्रोदय २१:४३ बजे, शिवाजी जयन्ती, चतुर्थी व्रत। (C) मंगल मृगशिरा में २३:०८ बजे, रंङ्गपञ्चमी, मेला नवचण्डी (मेरठ) प्रा. गुड फ्राईडे, एकानाथ षष्ठी। (D) शीतलाष्टमी, बासोड़ा, ईस्टर सण्डे। (E) बजे, शुक्र अश्वि. मेष में ०६:२६ बजे, मास शिवरात्रि। (F) मेला पेहूवा (पृथूदक) हरियाणा विक्रम संवत् २०७७ समाप्त।

ग्र.	सू.	चं.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
रा.	११	०८	०१	११	०६	११	०६	०१	०७
अं.	२०	१५	२४	०५	२६	२२	१७	१६	१६
क.	१६	३१	०६	३८	४०	३३	२७	४६	४६
वि.	५६	१७	५४	५१	०४	३०	१६	५५	५५
गति	५६/०६	८१५/२६	३५/५६	१०७/३८	११/२६	७४/२७	०४/२४	०३/११	०३/११
नक्षत्र चरण	रेव. २ च.	पू.षा. १ च.	मृग. १ च.	उ.भा. १ च.	धनि. २ च.	रेव. २ च.	श्रव. ३ च.	रोहि. ३ च.	ज्ये. १ च.

४ अप्रैल २०२१ई., प्रातः ६:२७

म. रा. २; १; सू.बु.शु. १२; ११; १० गु. श; ३; ९ चं.; ४; ६; ८ के.; ५; ७

चैत्र कृ. ८, रविवार

इस मास में मीन राशिगत सूर्य-बुध की युति उनका गुरु एवं शुक्र से द्विर्द्वादश सम्बन्ध होने के कारण असामयिक ओला, वृष्टि आदि प्राकृतिक प्रकोप से खड़ी फसलों को बड़ी मात्रा में हानि होने की सम्भावना है। मँहगाई, बरोजगारी आदि विभिन्न मुद्दों के आधार पर सत्तापक्ष एवं विपक्ष में वाक्युद्ध का दौर जारी रहेगा।

१२ अप्रैल २०२१ई., प्रातः ६:२७

म.रा. २; ३; शु. १; सू.बु.चं. १२; गु. ११; १० श.; ४; ७; ५; ६; ८; ९ के.

चैत्र कृ. ३०, सोमवार

ग्र.	सू.	चं.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
रा.	११	११	०१	११	१०	००	०६	०१	०७
अं.	२८	२७	२८	२०	०१	०२	१८	१६	१६
क.	११	२८	५५	४०	०८	२८	००	२१	२१
वि.	५४	५०	३०	२५	५७	३३	२६	२६	२६
गति	५८/५१	७१७/२१	३६/११	११६/०६	०६/४०	७४/१६	०३/४८	०३/११	०३/११
नक्षत्र चरण	रेव. ४ च.	रेव. ४ च.	मृग. २ च.	रेव. २ च.	धनि. ३ च.	अश्वि. १ च.	श्रव. ३ च.	रोहि. ३ च.	ज्ये. १ च.

विक्रम सम्वत् २०७७, दैनिक स्पष्ट निरयण ग्रह, मार्च २०२० ई० (स्टैं० समय प्रात: ६:२७)

तिथि	दिन	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
		रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.
१	रवि	१० १६ ४६ १७	०० २६ ३२ ३१	०८ १५ १२ ४१	१० ०८ ३७ ३६	०८ २५ २५ ०६	०० ०१ २० ३७	०९ ०४ ०२ ०४	०२ १० ५५ ३३	०८ १० ५५ ३३
२	सोम	१० १७ ४६ ३०	०१ ०८ ४४ ०२	०८ १५ ५४ ०७	१० ०७ ४२ २६	०८ २५ ३६ ०६	०० ०२ २७ १६	०९ ०४ ०७ ५२	०२ १० ५२ २२	०८ १० ५२ २२
३	मंगल	१० १८ ४६ ४१	०१ २१ ११ १५	०८ १६ ३५ ३५	१० ०६ ५२ ३६	०८ २५ ४७ ००	०० ०३ ३३ ४७	०९ ०४ १३ ३७	०२ १० ४९ ११	०८ १० ४९ ११
४	बुध	१० १९ ४६ ५०	०२ ०३ ५९ ०४	०८ १७ १७ ०३	१० ०६ ०८ ४०	०८ २५ ५७ ४९	०० ०४ ४० ०१	०९ ०४ १९ १९	०२ १० ४६ ००	०८ १० ४६ ००
५	गुरु	१० २० ४६ ५७	०२ १७ १२ ०२	०८ १७ ५८ ३२	१० ०५ ३१ ०७	०८ २६ ०८ ३३	०० ०५ ४६ ००	०९ ०४ २४ ५८	०२ १० ४२ ५०	०८ १० ४२ ५०
६	शुक्र	१० २१ ४७ ०१	०३ ०० ५३ ३१	०८ १८ ४० ०२	१० ०५ ०० १७	०८ २६ १९ १०	०० ०६ ५१ ४३	०९ ०४ ३० ३३	०२ १० ३९ ३९	०८ १० ३९ ३९
७	शनि	१० २२ ४७ ०४	०३ १५ ०४ ५४	०८ १९ २१ ३२	१० ०४ ३६ १६	०८ २६ २९ ४२	०० ०७ ५७ १२	०९ ०४ ३६ ०४	०२ १० ३६ २८	०८ १० ३६ २८
८	रवि	१० २३ ४७ ०४	०३ २९ ४४ २८	०८ २० ०३ ०४	१० ०४ १९ ०५	०८ २६ ४० ०७	०० ०९ ०२ २४	०९ ०४ ४१ ३२	०२ १० ३३ १७	०८ १० ३३ १७
९	सोम	१० २४ ४७ ०२	०४ १४ ४६ ५२	०८ २० ४४ ३६	१० ०४ ०८ ३७	०८ २६ ५० २६	०० १० ०७ १९	०९ ०४ ४६ ५७	०२ १० ३० ०७	०८ १० ३० ०७
१०	मंगल	१० २५ ४६ ५९	०५ ०० ०३ १४	०८ २१ २६ ०९	१० ०४ ०४ ४१	०८ २७ ०० ३९	०० ११ ११ ५८	०९ ०४ ५२ १७	०२ १० २६ ५६	०८ १० २६ ५६
११	बुध	१० २६ ४६ ५३	०५ १५ २२ २४	०८ २२ ०७ ४३	१० ०४ ०७ ०२	०८ २७ १० ४६	०० १२ १६ १९	०९ ०४ ५७ ३५	०२ १० २३ ४५	०८ १० २३ ४५
१२	गुरु	१० २७ ४६ ४६	०६ ०० ३२ ५०	०८ २२ ४९ १८	१० ०४ १५ २४	०८ २७ २० ४७	०० १३ २० २३	०९ ०५ ०२ ४८	०२ १० २० ३४	०८ १० २० ३४
१३	शुक्र	१० २८ ४६ ३७	०६ १५ २४ ४९	०८ २३ ३० ५३	१० ०४ २९ २८	०८ २७ ३० ४१	०० १४ २४ ०८	०९ ०५ ०७ ५७	०२ १० १७ २४	०८ १० १७ २४
१४	शनि	१० २९ ४६ २६	०६ २९ ५१ ४८	०८ २४ १२ ३०	१० ०४ ४८ ५७	०८ २७ ४० २९	०० १५ २७ ३५	०९ ०५ १३ ०३	०२ १० १४ १३	०८ १० १४ १३
१५	रवि	११ ०० ४६ १४	०७ १३ ५० ५३	०८ २४ ५४ ०७	१० ०५ १३ ३०	०८ २७ ५० १०	०० १६ ३० ४३	०९ ०५ १८ ०५	०२ १० ११ ०२	०८ १० ११ ०२
१६	सोम	११ ०१ ४६ ००	०७ २७ २२ २२	०८ २५ ३५ ४५	१० ०५ ४२ ५१	०८ २७ ५९ ४४	०० १७ ३३ ३१	०९ ०५ २३ ०२	०२ १० ०७ ५१	०८ १० ०७ ५१
१७	मंगल	११ ०२ ४५ ४४	०८ १० २८ ४८	०८ २६ १७ २३	१० ०६ १६ ४०	०८ २८ ०९ ११	०० १८ ३५ ५९	०९ ०५ २७ ५६	०२ १० ०४ ४०	०८ १० ०४ ४०
१८	बुध	११ ०३ ४५ २६	०८ २३ १४ ००	०८ २६ ५९ ०३	१० ०६ ५४ ४२	०८ २८ १८ ३१	०० १९ ३८ ०६	०९ ०५ ३२ ४५	०२ १० ०१ ३०	०८ १० ०१ ३०
१९	गुरु	११ ०४ ४५ ०७	०९ ०५ ४२ ११	०८ २७ ४० ४२	१० ०७ ३६ ४१	०८ २८ २७ ४४	०० २० ३९ ५३	०९ ०५ ३७ ३१	०२ ०९ ५८ १९	०८ ०९ ५८ १९
२०	शुक्र	११ ०५ ४४ ४६	०९ १७ ५७ २७	०८ २८ २२ २२	१० ०८ २२ २१	०८ २८ ३६ ५०	०० २१ ४१ १७	०९ ०५ ४२ १२	०२ ०९ ५५ ०८	०८ ०९ ५५ ०८
२१	शनि	११ ०६ ४४ २३	१० ०० ०३ २४	०८ २९ ०४ ०३	१० ०९ ११ २९	०८ २८ ४५ ४९	०० २२ ४२ १९	०९ ०५ ४६ ४८	०२ ०९ ५१ ५७	०८ ०९ ५१ ५७
२२	रवि	११ ०७ ४३ ५९	१० १२ ०२ ५८	०८ २९ ४५ ४४	१० १० ०३ ५३	०८ २८ ५४ ४०	०० २३ ४२ ५७	०९ ०५ ५१ २१	०२ ०९ ४८ ४७	०८ ०९ ४८ ४७
२३	सोम	११ ०८ ४३ ३२	१० २३ ५८ २४	०९ ०० २७ २५	१० १० ५९ २१	०८ २९ ०३ २४	०० २४ ४३ १२	०९ ०५ ५५ ४९	०२ ०९ ४५ ३६	०८ ०९ ४५ ३६
२४	मंगल	११ ०९ ४३ ०३	११ ०५ ५१ २५	०९ ०१ ०९ ०७	१० ११ ५७ ४२	०८ २९ १२ ००	०० २५ ४३ ०२	०९ ०६ ०० १२	०२ ०९ ४२ २५	०८ ०९ ४२ २५
२५	बुध	११ १० ४२ ३३	११ १७ ४३ २४	०९ ०१ ५० ४८	१० १२ ५८ ४६	०८ २९ २० २८	०० २६ ४२ २६	०९ ०६ ०४ ३१	०२ ०९ ३९ १४	०८ ०९ ३९ १४
२६	गुरु	११ ११ ४२ ००	११ २९ ३५ ३९	०९ ०२ ३२ ३०	१० १४ ०२ २६	०८ २९ २८ ४८	०० २७ ४१ २४	०९ ०६ ०८ ४५	०२ ०९ ३६ ०३	०८ ०९ ३६ ०३
२७	शुक्र	११ १२ ४१ २५	०० ११ २९ ३८	०९ ०३ १४ १२	१० १५ ०८ ३२	०८ २९ ३७ ०१	०० २८ ३९ ५४	०९ ०६ १२ ५५	०२ ०९ ३२ ५३	०८ ०९ ३२ ५३
२८	शनि	११ १३ ४० ४९	०० २३ २७ १७	०९ ०३ ५५ ५४	१० १६ १६ ५८	०८ २९ ४५ ०५	०० २९ ३७ ५६	०९ ०६ १७ ००	०२ ०९ २९ ४२	०८ ०९ २९ ४२
२९	रवि	११ १४ ४० ०९	०१ ०५ ३१ ११	०९ ०४ ३७ ३६	१० १७ २७ ३७	०८ २९ ५३ ०१	०१ ०० ३५ २८	०९ ०६ २१ ००	०२ ०९ २६ ३१	०८ ०९ २६ ३१
३०	सोम	११ १५ ३९ २८	०१ १७ ४४ ३४	०९ ०५ १९ १८	१० १८ ४० २४	०९ ०० ०० ४९	०१ ०१ ३२ ३०	०९ ०६ २४ ५५	०२ ०९ २३ २०	०८ ०९ २३ २०
३१	मंगल	११ १६ ३८ ४४	०२ ०० ११ २१	०९ ०६ ०१ ००	१० १९ ५५ १३	०९ ०० ०८ २९	०१ ०२ २९ ०१	०९ ०६ २८ ४६	०२ ०९ २० १०	०८ ०९ २० १०

विक्रम सम्वत् २०७७, दैनिक स्पष्ट निरयण ग्रह, अप्रैल २०२० ई० (स्टैं० समय प्रात: ६:२७)

तिथि	दिन	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
		रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.
१	बुध	११ १७ ३७ ५८	०२ १२ ५५ ५३	०९ ०६ ४२ ४२	१० २१ १२ ००	०९ ०० १६ ००	०१ ०३ २४ ५९	०९ ०६ ३२ ३१	०२ ०९ १६ ५९	०८ ०९ १६ ५९
२	गुरु	११ १८ ३७ १०	०२ २६ ०२ ३४	०९ ०७ २४ २४	१० २२ ३० ४१	०९ ०० २३ २३	०१ ०४ २० २२	०९ ०६ ३६ १२	०२ ०९ १३ ४८	०८ ०९ १३ ४८
३	शुक्र	११ १९ ३६ १९	०३ ०९ ३५ १३	०९ ०८ ०६ ०६	१० २३ ५१ १२	०९ ०० ३० ३७	०१ ०५ १५ ११	०९ ०६ ३९ ४८	०२ ०९ १० ३७	०८ ०९ १० ३७
४	शनि	११ २० ३५ २६	०३ २३ ३६ १७	०९ ०८ ४७ ४८	१० २५ १३ ३०	०९ ०० ३७ ४२	०१ ०६ ०९ २३	०९ ०६ ४३ १८	०२ ०९ ०७ २७	०८ ०९ ०७ २७
५	रवि	११ २१ ३४ ३१	०४ ०८ ०५ ४३	०९ ०९ २९ ३०	१० २६ ३७ ३३	०९ ०० ४४ ३९	०१ ०७ ०२ ५७	०९ ०६ ४६ ४४	०२ ०९ ०४ १६	०८ ०९ ०४ १६
६	सोम	११ २२ ३३ ३३	०४ २३ ०० १२	०९ १० ११ १२	१० २८ ०३ १८	०९ ०० ५१ २७	०१ ०७ ५५ ५२	०९ ०६ ५० ०४	०२ ०९ ०१ ०५	०८ ०९ ०१ ०५
७	मंगल	११ २३ ३२ ३३	०५ ०८ १२ ३९	०९ १० ५२ ५४	१० २९ ३० ४३	०९ ०० ५८ ०६	०१ ०८ ४८ ०७	०९ ०६ ५३ २०	०२ ०८ ५७ ५४	०८ ०८ ५७ ५४
८	बुध	११ २४ ३१ ३१	०५ २३ ३२ ५८	०९ ११ ३४ ३६	११ ०० ५९ ४७	०९ ०१ ०४ ३५	०१ ०९ ३९ ३९	०९ ०६ ५६ ३०	०२ ०८ ५४ ४३	०८ ०८ ५४ ४३
९	गुरु	११ २५ ३० २७	०६ ०८ ४९ २८	०९ १२ १६ १८	११ ०२ ३० २८	०९ ०१ १० ५६	०१ १० ३० २८	०९ ०६ ५९ ३५	०२ ०८ ५१ ३३	०८ ०८ ५१ ३३
१०	शुक्र	११ २६ २९ २१	०६ २३ ५१ १२	०९ १२ ५८ ०१	११ ०४ ०२ ४९	०९ ०१ १७ ०८	०१ ११ २० ३१	०९ ०७ ०२ ३५	०२ ०८ ४८ २२	०८ ०८ ४८ २२
११	शनि	११ २७ २८ १३	०७ ०८ २९ ४२	०९ १३ ३९ ४३	११ ०५ ३६ ४०	०९ ०१ २३ १०	०१ १२ ०९ ४९	०९ ०७ ०५ ३०	०२ ०८ ४५ ११	०८ ०८ ४५ ११
१२	रवि	११ २८ २७ ०४	०७ २२ ४० ०३	०९ १४ २१ २५	११ ०७ १२ १०	०९ ०१ २९ ०३	०१ १२ ५८ १८	०९ ०७ ०८ १९	०२ ०८ ४२ ००	०८ ०८ ४२ ००
१३	सोम	११ २९ २५ ५३	०८ ०६ २० ५५	०९ १५ ०३ ०७	११ ०८ ४९ १४	०९ ०१ ३४ ४९	०१ १३ ४५ ५७	०९ ०७ ११ ०३	०२ ०८ ३८ ५०	०८ ०८ ३८ ५०
१४	मंगल	०० ०० २४ ४०	०८ १९ ३३ ५०	०९ १५ ४४ ४९	११ १० २७ ५३	०९ ०१ ४० २०	०१ १४ ३२ ४५	०९ ०७ १३ ४१	०२ ०८ ३५ ३९	०८ ०८ ३५ ३९
१५	बुध	०० ०१ २३ २५	०९ ०२ २२ १३	०९ १६ २६ ३०	११ १२ ०८ ०७	०९ ०१ ४५ ४४	०१ १५ १८ ३९	०९ ०७ १६ १५	०२ ०८ ३२ २८	०८ ०८ ३२ २८
१६	गुरु	०० ०२ २२ ०८	०९ १४ ५० २९	०९ १७ ०८ ११	११ १३ ४९ ५७	०९ ०१ ५० ५९	०१ १६ ०३ ३९	०९ ०७ १८ ४२	०२ ०८ २९ १७	०८ ०८ २९ १७
१७	शुक्र	०० ०३ २० ५०	०९ २७ ०३ २३	०९ १७ ४९ ५१	११ १५ ३३ २२	०९ ०१ ५६ ०३	०१ १६ ४७ ४०	०९ ०७ २१ ०४	०२ ०८ २६ ०७	०८ ०८ २६ ०७
१८	शनि	०० ०४ १९ ३०	१० ०९ ०५ २९	०९ १८ ३१ ३१	११ १७ १८ २३	०९ ०२ ०० ५८	०१ १७ ३० ४२	०९ ०७ २३ २१	०२ ०८ २२ ५६	०८ ०८ २२ ५६
१९	रवि	०० ०५ १८ ०९	१० २१ ०० ४२	०९ १९ १३ १०	११ १९ ०५ ०१	०९ ०२ ०५ ४२	०१ १८ १२ ४३	०९ ०७ २५ ३२	०२ ०८ १९ ४५	०८ ०८ १९ ४५
~~२०~~	~~सोम~~	~~०० ०६ १६ ४५~~	~~११ ०२ ५२ ३२~~	~~०९ १९ ५४ ४८~~	~~११ २० ५३ १६~~	~~०९ ०२ १० १६~~	~~०१ १८ ५३ ३६~~	~~०९ ०७ २७ ३७~~	~~०२ ०८ १६ ३४~~	~~०८ ०८ १६ ३४~~
२१	मंगल	०० ०७ १५ २०	११ १४ ४३ ४१	०९ २० ३६ २५	११ २२ ४३ ०८	०९ ०२ १४ ४०	०१ १९ ३३ २८	०९ ०७ २९ ३७	०२ ०८ १३ २३	०८ ०८ १३ २३
२२	बुध	०० ०८ १३ ५३	११ २६ ३६ १३	०९ २१ १८ ०२	११ २४ ३४ ३७	०९ ०२ १८ ५३	०१ २० १२ ०८	०९ ०७ ३१ ३१	०२ ०८ १० १३	०८ ०८ १० १३
२३	गुरु	०० ०९ १२ २५	०० ०८ ३१ ४८	०९ २१ ५९ ३७	११ २६ २७ ४५	०९ ०२ २२ ५७	०१ २० ४९ ३६	०९ ०७ ३३ १९	०२ ०८ ०७ ०२	०८ ०८ ०७ ०२
२४	शुक्र	०० १० १० ५४	०० २० ३१ ५०	०९ २२ ४१ ११	११ २८ २२ ३०	०९ ०२ २६ ४९	०१ २१ २५ ४९	०९ ०७ ३५ ०१	०२ ०८ ०३ ५१	०८ ०८ ०३ ५१
२५	शनि	०० ११ ०९ २१	०१ ०२ ३७ ४३	०९ २३ २२ ४३	०० ०० १८ ५३	०९ ०२ ३० ३१	०१ २२ ०० ४४	०९ ०७ ३६ ३८	०२ ०८ ०० ४०	०८ ०८ ०० ४०
२६	रवि	०० १२ ०७ ४७	०१ १४ ५१ ०४	०९ २४ ०४ १५	०० ०२ १६ ५२	०९ ०२ ३४ ०२	०१ २२ ३४ १९	०९ ०७ ३८ ०९	०२ ०७ ५७ ३०	०८ ०७ ५७ ३०
२७	सोम	०० १३ ०६ १०	०१ २७ १३ ५७	०९ २४ ४५ ४५	०० ०४ १६ २६	०९ ०२ ३७ २३	०१ २३ ०६ २९	०९ ०७ ३९ ३४	०२ ०७ ५४ १९	०८ ०७ ५४ १९
२८	मंगल	०० १४ ०४ ३२	०२ ०९ ४८ ५२	०९ २५ २७ १३	०० ०६ १७ ३३	०९ ०२ ४० ३३	०१ २३ ३७ ११	०९ ०७ ४० ५४	०२ ०७ ५१ ०८	०८ ०७ ५१ ०८
२९	बुध	०० १५ ०२ ५१	०२ २२ ३८ ४७	०९ २६ ०८ ४०	०० ०८ २० १०	०९ ०२ ४३ ३२	०१ २४ ०६ २२	०९ ०७ ४२ ०७	०२ ०७ ४७ ५७	०८ ०७ ४७ ५७
३०	गुरु	०० १६ ०१ ०८	०३ ०५ ४६ ५१	०९ २६ ५० ०६	०० १० २४ ११	०९ ०२ ४६ २०	०१ २४ ३३ ५९	०९ ०७ ४३ १५	०२ ०७ ४४ ४६	०८ ०७ ४४ ४६

विक्रम सम्वत् २०७७, दैनिक स्पष्ट निरयण ग्रह, मई २०२० ई० (स्टैं० समय प्रात: ६:२७)

तिथि	दिन	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
		रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.
१	शुक्र	०० १६ ५६ २३	०३ १६ १६ ०१	०६ २७ ३१ ३०	०० १२ २६ ३३	०६ ०२ ४८ ५७	०१ २४ ५६ ५८	०६ ०७ ४४ १७	०२ ०७ ४१ ३६	०८ ०७ ४१ ३६
२	शनि	०० १७ ५७ ३७	०४ ०३ ०८ २१	०६ २८ १२ ५३	०० १४ ३६ ०६	०६ ०२ ५१ २४	०१ २५ २४ १५	०६ ०७ ४५ १३	०२ ०७ ३८ २५	०८ ०७ ३८ २५
३	रवि	०० १८ ५५ ४८	०४ १७ २४ १८	०६ २८ ५४ १३	०० १६ ४३ ४६	०६ ०२ ५३ ३६	०१ २५ ४६ ४७	०६ ०७ ४६ ०३	०२ ०७ ३५ १४	०८ ०७ ३५ १४
४	सोम	०० १९ ५३ ५७	०५ ०२ ०१ ५८	०६ २९ ३५ ३३	०० १८ ५२ २६	०६ ०२ ५५ ४३	०१ २६ ०७ २९	०६ ०७ ४६ ४७	०२ ०७ ३२ ०३	०८ ०७ ३२ ०३
५	मंगल	०० २० ५२ ०४	०५ १६ ५६ ३४	१० ०० १६ ५०	०० २१ ०१ ४८	०६ ०२ ५७ ३७	०१ २६ २६ १८	०६ ०७ ४७ २६	०२ ०७ २८ ५३	०८ ०७ २८ ५३
६	बुध	०० २१ ५० ०६	०६ ०२ ०० ३८	१० ०० ५८ ०६	०० २३ ११ ४०	०६ ०२ ५९ १६	०१ २६ ४३ ११	०६ ०७ ४७ ५८	०२ ०७ २५ ४२	०८ ०७ २५ ४२
७	गुरु	०० २२ ४८ १३	०६ १७ ०४ ५१	१० ०१ ३९ २१	०० २५ २१ ५०	०६ ०३ ०० ५०	०१ २६ ५८ ०३	०६ ०७ ४८ २५	०२ ०७ २२ ३१	०८ ०७ २२ ३१
८	शुक्र	०० २३ ४६ १५	०७ ०१ ५९ ३४	१० ०२ २० ३३	०० २७ ३२ ०३	०६ ०३ ०२ १०	०१ २७ १० ५२	०६ ०७ ४८ ४६	०२ ०७ १९ २०	०८ ०७ १९ २०
९	शनि	०० २४ ४४ १५	०७ १६ ३६ २६	१० ०३ ०१ ४४	०० २९ ४२ ०१	०६ ०३ ०३ १८	०१ २७ २१ ३३	०६ ०७ ४९ ०१	०२ ०७ १६ १०	०८ ०७ १६ १०
१०	रवि	०० २५ ४२ १४	०८ ०० ४९ ३०	१० ०३ ४२ ५३	०१ ०१ ५१ २८	०६ ०३ ०४ १६	०१ २७ ३० ०४	०६ ०७ ४९ १०	०२ ०७ १२ ५९	०८ ०७ १२ ५९
११	सोम	०० २६ ४० ११	०८ १४ ३५ ४७	१० ०४ २४ ००	०१ ०४ ०० ०६	०६ ०३ ०५ ०२	०१ २७ ३६ २३	०६ ०७ ४९ १४	०२ ०७ ०९ ४८	०८ ०७ ०९ ४८
१२	मंगल	०० २७ ३८ ०७	०८ २७ ५५ ०५	१० ०५ ०५ ०४	०१ ०६ ०७ ३८	०६ ०३ ०५ ३६	०१ २७ ४० २५	०६ ०७ ४९ १२	०२ ०७ ०६ ३७	०८ ०७ ०६ ३७
१३	बुध	०० २८ ३६ ०१	०९ १० ४९ २६	१० ०५ ४६ ०७	०१ ०८ १३ ४७	०६ ०३ ०६ ००	०१ २७ ४२ ०९	०६ ०७ ४९ ०३	०२ ०७ ०३ २६	०८ ०७ ०३ २६
१४	गुरु	०० २९ ३३ ५५	०९ २३ २२ १८	१० ०६ २७ ०७	०१ १० १८ १७	०६ ०३ ०६ १२	०१ २७ ४१ ३२	०६ ०७ ४८ ४९	०२ ०७ ०० १६	०८ ०७ ०० १६
१५	शुक्र	०१ ०० ३१ ४७	१० ०५ ३८ ०३	१० ०७ ०८ ०४	०१ १२ २० ५३	०६ ०३ ०६ १३	०१ २७ ३८ ३३	०६ ०७ ४८ २९	०२ ०६ ५७ ०५	०८ ०६ ५७ ०५
१६	शनि	०१ ०१ २९ ३८	१० १७ ४१ १९	१० ०७ ४८ ५८	०१ १४ २१ २३	०६ ०३ ०६ ०२	०१ २७ ३३ १०	०६ ०७ ४८ ०३	०२ ०६ ५३ ५४	०८ ०६ ५३ ५४
१७	रवि	०१ ०२ २७ २८	१० २९ ३६ ४२	१० ०८ २९ ५०	०१ १६ १९ ३४	०६ ०३ ०५ ४०	०१ २७ २५ २२	०६ ०७ ४७ ३२	०२ ०६ ५० ४३	०८ ०६ ५० ४३
१८	सोम	०१ ०३ २५ १६	११ ११ २८ २६	१० ०९ १० ३९	०१ १८ १५ १५	०६ ०३ ०५ ०९	०१ २७ १५ ०९	०६ ०७ ४६ ५४	०२ ०६ ४७ ३३	०८ ०६ ४७ ३३
१९	मंगल	०१ ०४ २३ ०४	११ २३ २० १४	१० ०९ ५१ २४	०१ २० ०८ १९	०६ ०३ ०४ २१	०१ २७ ०२ ३१	०६ ०७ ४६ ११	०२ ०६ ४४ २२	०८ ०६ ४४ २२
२०	बुध	०१ ०५ २० ५०	०० ०५ १५ १५	१० १० ३२ ०६	०१ २१ ५८ ३७	०६ ०३ ०३ २४	०१ २६ ४७ ३०	०६ ०७ ४५ २२	०२ ०६ ४१ ११	०८ ०६ ४१ ११
२१	गुरु	०१ ०६ १८ ३५	०० १७ १६ ००	१० ११ १२ ४४	०१ २३ ४६ ०३	०६ ०३ ०२ १६	०१ २६ ३० ०७	०६ ०७ ४४ २८	०२ ०६ ३८ ००	०८ ०६ ३८ ००
२२	शुक्र	०१ ०७ १६ १८	०० २९ २४ २५	१० ११ ५३ १९	०१ २५ ३० ३३	०६ ०३ ०० ५७	०१ २६ १० २५	०६ ०७ ४३ २७	०२ ०६ ३४ ५०	०८ ०६ ३४ ५०
२३	शनि	०१ ०८ १४ ०१	०१ ११ ४२ ०१	१० १२ ३३ ५०	०१ २७ १२ ०२	०६ ०२ ५९ २६	०१ २५ ४८ २८	०६ ०७ ४२ २१	०२ ०६ ३१ ३९	०८ ०६ ३१ ३९
२४	रवि	०१ ०९ ११ ४२	०१ २४ ०९ ५८	१० १३ १४ १७	०१ २८ ५० २६	०६ ०२ ५७ ४५	०१ २५ २४ २०	०६ ०७ ४१ ०९	०२ ०६ २८ २८	०८ ०६ २८ २८
२५	सोम	०१ १० ०९ २२	०२ ०६ ४९ १९	१० १३ ५४ ३९	०२ ०० २५ ४३	०६ ०२ ५५ ५१	०१ २४ ५८ ०८	०६ ०७ ३९ ५२	०२ ०६ २५ १७	०८ ०६ २५ १७
२६	मंगल	०१ ११ ०७ ००	०२ १९ ४१ ०७	१० १४ ३४ ५८	०२ ०१ ५७ ५०	०६ ०२ ५३ ४७	०१ २४ २९ ५९	०६ ०७ ३८ २९	०२ ०६ २२ ०६	०८ ०६ २२ ०६
२७	बुध	०१ १२ ०४ ३७	०३ ०२ ४६ २८	१० १५ १५ १२	०२ ०३ २६ ४४	०६ ०२ ५१ ३२	०१ २३ ५९ ५९	०६ ०७ ३७ ००	०२ ०६ १८ ५६	०८ ०६ १८ ५६
२८	गुरु	०१ १३ ०२ १३	०३ १६ ०६ ३१	१० १५ ५५ २२	०२ ०४ ५२ २३	०६ ०२ ४९ ०५	०१ २३ २८ २०	०६ ०७ ३५ २७	०२ ०६ १५ ४५	०८ ०६ १५ ४५
२९	शुक्र	०१ १३ ५९ ४७	०३ २९ ४२ १६	१० १६ ३५ २७	०२ ०६ १४ ४६	०६ ०२ ४६ २८	०१ २२ ५५ ०९	०६ ०७ ३३ ४७	०२ ०६ १२ ३४	०८ ०६ १२ ३४
३०	शनि	०१ १४ ५७ २०	०४ १३ ३४ १३	१० १७ १५ २८	०२ ०७ ३३ ४८	०६ ०२ ४३ ४०	०१ २२ २० ४०	०६ ०७ ३२ ०२	०२ ०६ ०९ २३	०८ ०६ ०९ २३
३१	रवि	०१ १५ ५४ ५१	०४ २७ ४२ ०३	१० १७ ५५ २३	०२ ०८ ४९ २६	०६ ०२ ४० ४१	०१ २१ ४५ ०४	०६ ०७ ३० १२	०२ ०६ ०६ १३	०८ ०६ ०६ १३

विक्रम सम्वत् २०७७, दैनिक स्पष्ट निरयण ग्रह, जून २०२० ई० (स्टैं० समय प्रात: ६:२७)

तिथि	दिन	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
		रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.
१	सोम	०१ १६ ५२ २१	०५ १२ ०४ १०	१० १८ ३५ १४	०२ १० ०१ ४३	०९ ०२ ३७ ३२	०१ २१ ०८ ३४	०९ ०७ २८ १७	०२ ०६ ०३ ०२	०८ ०६ ०३ ०२
२	मंगल	०१ १७ ४९ ४९	०५ २६ ३७ २०	१० १९ १५ ०१	०२ ११ १० ३०	०९ ०२ ३४ १२	०१ २० ३१ २४	०९ ०७ २६ १६	०२ ०५ ५९ ५१	०८ ०५ ५९ ५१
३	बुध	०१ १८ ४७ १७	०६ ११ १६ ४८	१० १९ ५४ ४२	०२ १२ १५ ४३	०९ ०२ ३० ४१	०१ १९ ५३ ४६	०९ ०७ २४ ११	०२ ०५ ५६ ४०	०८ ०५ ५६ ४०
४	गुरु	०१ १९ ४४ ४३	०६ २५ ५६ २९	१० २० ३४ १८	०२ १३ १७ २१	०९ ०२ २७ ०१	०१ १९ १६ ०३	०९ ०७ २२ ००	०२ ०५ ५३ २९	०८ ०५ ५३ २९
५	शुक्र	०१ २० ४२ ०८	०७ १० २९ ४६	१० २१ १३ ४९	०२ १४ १५ १९	०९ ०२ २३ १०	०१ १८ ३८ २१	०९ ०७ १९ ४४	०२ ०५ ५० १९	०८ ०५ ५० १९
६	शनि	०१ २१ ३९ ३२	०७ २४ ५० २३	१० २१ ५३ १५	०२ १५ ०९ ३१	०९ ०२ १९ ०९	०१ १८ ०० ५८	०९ ०७ १७ २४	०२ ०५ ४७ ०८	०८ ०५ ४७ ०८
७	रवि	०१ २२ ३६ ५५	०८ ०८ ५३ ०९	१० २२ ३२ ३५	०२ १५ ५९ ५४	०९ ०२ १४ ५८	०१ १७ २४ ०९	०९ ०७ १४ ५८	०२ ०५ ४३ ५७	०८ ०५ ४३ ५७
८	सोम	०१ २३ ३४ १८	०८ २२ ३४ ३९	१० २३ ११ ४९	०२ १६ ४६ २२	०९ ०२ १० ३७	०१ १६ ४८ ०९	०९ ०७ १२ २७	०२ ०५ ४० ४६	०८ ०५ ४० ४६
९	मंगल	०१ २४ ३१ ४०	०९ ०५ ५३ २५	१० २३ ५० ५८	०२ १७ २८ ५०	०९ ०२ ०६ ०७	०१ १६ १३ १०	०९ ०७ ०९ ५२	०२ ०५ ३७ ३६	०८ ०५ ३७ ३६
१०	बुध	०१ २५ २९ ०१	०९ १८ ४९ ५१	१० २४ ३० ०१	०२ १८ ०७ १३	०९ ०२ ०१ २७	०१ १५ ३९ २५	०९ ०७ ०७ १२	०२ ०५ ३४ २५	०८ ०५ ३४ २५
११	गुरु	०१ २६ २६ २१	१० ०१ २५ ५८	१० २५ ०८ ५७	०२ १८ ४१ २४	०९ ०१ ५६ ३८	०१ १५ ०७ ०७	०९ ०७ ०४ २८	०२ ०५ ३१ १४	०८ ०५ ३१ १४
१२	शुक्र	०१ २७ २३ ४२	१० १३ ४४ ५८	१० २५ ४७ ४६	०२ १९ ११ २०	०९ ०१ ५१ ४०	०१ १४ ३६ २५	०९ ०७ ०१ ३८	०२ ०५ २८ ०३	०८ ०५ २८ ०३
१३	शनि	०१ २८ २१ ०१	१० २५ ५० ४८	१० २६ २६ २९	०२ १९ ३६ ५५	०९ ०१ ४६ ३२	०१ १४ ०७ ३०	०९ ०६ ५८ ४५	०२ ०५ २४ ५३	०८ ०५ २४ ५३
१४	रवि	०१ २९ १८ २०	११ ०७ ४७ ५६	१० २७ ०५ ०५	०२ १९ ५८ ०४	०९ ०१ ४१ १५	०१ १३ ४० ३०	०९ ०६ ५५ ४६	०२ ०५ २१ ४२	०८ ०५ २१ ४२
१५	सोम	०२ ०० १५ ३९	११ १९ ४० ५४	१० २७ ४३ ३३	०२ २० १४ ४५	०९ ०१ ३५ ५०	०१ १३ १५ ३३	०९ ०६ ५२ ४४	०२ ०५ १८ ३१	०८ ०५ १८ ३१
१६	मंगल	०२ ०१ १२ ५८	०० ०१ ३४ ०७	१० २८ २१ ५४	०२ २० २६ ५३	०९ ०१ ३० १६	०१ १२ ५२ ४३	०९ ०६ ४९ ३७	०२ ०५ १५ २०	०८ ०५ १५ २०
१७	बुध	०२ ०२ १० १६	०० १३ ३१ ४३	१० २९ ०० ०७	०२ २० ३४ २८	०९ ०१ २४ ३४	०१ १२ ३२ ०७	०९ ०६ ४६ २६	०२ ०५ १२ ०९	०८ ०५ १२ ०९
१८	गुरु	०२ ०३ ०७ ३३	०० २५ ३७ १९	१० २९ ३८ ११	०२ २० ३७ ३०	०९ ०१ १८ ४४	०१ १२ १३ ४९	०९ ०६ ४३ ११	०२ ०५ ०८ ५९	०८ ०५ ०८ ५९
१९	शुक्र	०२ ०४ ०४ ५१	०१ ०७ ५३ ५४	११ ०० १६ ०७	०२ २० ३६ ००	०९ ०१ १२ ४६	०१ ११ ५७ ५०	०९ ०६ ३९ ५२	०२ ०५ ०५ ४८	०८ ०५ ०५ ४८
२०	शनि	०२ ०५ ०२ ०८	०१ २० २३ ४१	११ ०० ५३ ५५	०२ २० ३० ०२	०९ ०१ ०६ ४०	०१ ११ ४४ १४	०९ ०६ ३६ २९	०२ ०५ ०२ ३७	०८ ०५ ०२ ३७
२१	रवि	०२ ०५ ५९ २४	०२ ०३ ०८ ०५	११ ०१ ३१ ३३	०२ २० १९ ४४	०९ ०१ ०० २७	०१ ११ ३३ ०१	०९ ०६ ३३ ०२	०२ ०४ ५९ २६	०८ ०४ ५९ २६
२२	सोम	०२ ०६ ५६ ४०	०२ १६ ०७ ४१	११ ०२ ०९ ०२	०२ २० ०५ १५	०९ ०० ५४ ०७	०१ ११ २४ ११	०९ ०६ २९ ३१	०२ ०४ ५६ १६	०८ ०४ ५६ १६
२३	मंगल	०२ ०७ ५३ ५६	०२ २९ २२ २१	११ ०२ ४६ २१	०२ १९ ४६ ४६	०९ ०० ४७ ४०	०१ ११ १७ ४५	०९ ०६ २५ ५७	०२ ०४ ५३ ०५	०८ ०४ ५३ ०५
२४	बुध	०२ ०८ ५१ ११	०३ १२ ५१ १४	११ ०३ २३ ३१	०२ १९ २४ ३५	०९ ०० ४१ ०६	०१ ११ १३ ४१	०९ ०६ २२ २०	०२ ०४ ४९ ५४	०८ ०४ ४९ ५४
२५	गुरु	०२ ०९ ४८ २६	०३ २६ ३३ ०२	११ ०४ ०० ३१	०२ १८ ५९ ००	०९ ०० ३४ २६	०१ ११ ११ ५७	०९ ०६ १८ ३९	०२ ०४ ४६ ४३	०८ ०४ ४६ ४३
२६	शुक्र	०२ १० ४५ ४०	०४ १० २६ ०२	११ ०४ ३७ २१	०२ १८ ३० २४	०९ ०० २७ ४०	०१ ११ १२ ३२	०९ ०६ १४ ५४	०२ ०४ ४३ ३३	०८ ०४ ४३ ३३
२७	शनि	०२ ११ ४२ ५३	०४ २४ २८ २०	११ ०५ १४ ००	०२ १७ ५९ १३	०९ ०० २० ४८	०१ ११ १५ २४	०९ ०६ ११ ०७	०२ ०४ ४० २२	०८ ०४ ४० २२
२८	रवि	०२ १२ ४० ०७	०५ ०८ ३७ ४७	११ ०५ ५० २८	०२ १७ २५ ५७	०९ ०० १३ ५१	०१ ११ २० २९	०९ ०६ ०७ १६	०२ ०४ ३७ ११	०८ ०४ ३७ ११
२९	सोम	०२ १३ ३७ १९	०५ २२ ५२ ०६	११ ०६ २६ ४६	०२ १६ ५१ ०९	०९ ०० ०६ ४८	०१ ११ २७ ४५	०९ ०६ ०३ २३	०२ ०४ ३४ ००	०८ ०४ ३४ ००
३०	मंगल	०२ १४ ३४ ३१	०६ ०७ ०८ ४७	११ ०७ ०२ ५३	०२ १६ १५ २१	०८ २९ ५९ ४१	०१ ११ ३७ १०	०९ ०५ ५९ २७	०२ ०४ ३० ४९	०८ ०४ ३० ४९

विक्रम सम्वत् २०७७, दैनिक स्पष्ट निरयण ग्रह, जुलाई २०२० ई० (स्टैं० समय प्रात: ६:२७)

तिथि	दिन	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
		रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.
१	बुध	०२ १५ ३१ ४३	०६ २१ २५ ००	११ ०७ ३८ ४८	०२ १५ ३९ १२	०८ २९ ५२ २९	०१ ११ ४८ ३९	०९ ०५ ५५ २८	०२ ०४ २७ ३९	०८ ०४ २७ ३९
२	गुरु	०२ १६ २८ ५४	०७ ०५ ३७ ३८	११ ०८ १४ ३३	०२ १५ ०३ १७	०८ २९ ४५ १२	०१ १२ ०२ १०	०९ ०५ ५१ २७	०२ ०४ २४ २८	०८ ०४ २४ २८
३	शुक्र	०२ १७ २६ ०५	०७ १९ ४३ २३	११ ०८ ५० ०५	०२ १४ २८ १४	०८ २९ ३७ ५२	०१ १२ १७ ४०	०९ ०५ ४७ २३	०२ ०४ २१ १७	०८ ०४ २१ १७
४	शनि	०२ १८ २३ १६	०८ ०३ ३८ ५३	११ ०९ २५ २५	०२ १३ ५४ ४१	०८ २९ ३० २८	०१ १२ ३५ ०४	०९ ०५ ४३ १७	०२ ०४ १८ ०६	०८ ०४ १८ ०६
५	रवि	०२ १९ २० २६	०८ १७ २१ ०६	११ १० ०० ३४	०२ १३ २३ ११	०८ २९ २३ ०१	०१ १२ ५४ २०	०९ ०५ ३९ ०९	०२ ०४ १४ ५६	०८ ०४ १४ ५६
६	सोम	०२ २० १७ ३७	०९ ०० ४७ ३२	११ १० ३५ २९	०२ १२ ५४ १९	०८ २९ १५ ३०	०१ १३ १५ २४	०९ ०५ ३४ ५९	०२ ०४ ११ ४५	०८ ०४ ११ ४५
७	मंगल	०२ २१ १४ ४८	०९ १३ ५६ ३६	११ ११ १० १२	०२ १२ २८ ३६	०८ २९ ०७ ५७	०१ १३ ३८ १३	०९ ०५ ३० ४६	०२ ०४ ०८ ३४	०८ ०४ ०८ ३४
८	बुध	०२ २२ ११ ५८	०९ २६ ४७ ५०	११ ११ ४४ ४१	०२ १२ ०६ २८	०८ २९ ०० २२	०१ १४ ०२ ४३	०९ ०५ २६ ३२	०२ ०४ ०५ २३	०८ ०४ ०५ २३
९	गुरु	०२ २३ ०९ १०	१० ०९ २१ ५५	११ १२ १८ ५७	०२ ११ ४८ २२	०८ २८ ५२ ४४	०१ १४ २८ ५०	०९ ०५ २२ १६	०२ ०४ ०२ १३	०८ ०४ ०२ १३
१०	शुक्र	०२ २४ ०६ २१	१० २१ ४० ४३	११ १२ ५२ ५८	०२ ११ ३४ ३९	०८ २८ ४५ ०४	०१ १४ ५६ ३१	०९ ०५ १७ ५९	०२ ०३ ५९ ०२	०८ ०३ ५९ ०२
११	शनि	०२ २५ ०३ ३३	११ ०३ ४७ ०७	११ १३ २६ ४५	०२ ११ २५ ३५	०८ २८ ३७ २२	०१ १५ २५ ४३	०९ ०५ १३ ४०	०२ ०३ ५५ ५१	०८ ०३ ५५ ५१
१२	रवि	०२ २६ ०० ४५	११ १५ ४४ ४९	११ १४ ०० १७	०२ ११ २१ २७	०८ २८ २९ ४०	०१ १५ ५६ २२	०९ ०५ ०९ २०	०२ ०३ ५२ ४०	०८ ०३ ५२ ४०
१३	सोम	०२ २६ ५७ ५८	११ २७ ३८ ०६	११ १४ ३३ ३३	०२ ११ २२ २६	०८ २८ २१ ५६	०१ १६ २८ २५	०९ ०५ ०४ ५८	०२ ०३ ४९ २९	०८ ०३ ४९ २९
१४	मंगल	०२ २७ ५५ १२	०० ०९ ३१ ३४	११ १५ ०६ ३३	०२ ११ २८ ४१	०८ २८ १४ १२	०१ १७ ०१ ४९	०९ ०५ ०० ३५	०२ ०३ ४६ १९	०८ ०३ ४६ १९
१५	बुध	०२ २८ ५२ २६	०० २१ २९ ५८	११ १५ ३९ १६	०२ ११ ४० १८	०८ २८ ०६ २८	०१ १७ ३६ ३०	०९ ०४ ५६ १२	०२ ०३ ४३ ०८	०८ ०३ ४३ ०८
१६	गुरु	०२ २९ ४९ ४०	०१ ०३ ३७ ५२	११ १६ ११ ४३	०२ ११ ५७ २२	०८ २७ ५८ ४३	०१ १८ १२ २७	०९ ०४ ५१ ४७	०२ ०३ ३९ ५७	०८ ०३ ३९ ५७
१७	शुक्र	०३ ०० ४६ ५५	०१ १५ ५९ २६	११ १६ ४३ ५२	०२ १२ १९ ५५	०८ २७ ५१ ००	०१ १८ ४९ ३५	०९ ०४ ४७ २२	०२ ०३ ३६ ४६	०८ ०३ ३६ ४६
१८	शनि	०३ ०१ ४४ ११	०१ २८ ३८ ०९	११ १७ १५ ४३	०२ १२ ४७ ५९	०८ २७ ४३ १७	०१ १९ २७ ५२	०९ ०४ ४२ ५६	०२ ०३ ३३ ३६	०८ ०३ ३३ ३६
१९	रवि	०३ ०२ ४१ २७	०२ ११ ३६ ०९	११ १७ ४७ १५	०२ १३ २१ ३३	०८ २७ ३५ ३५	०१ २० ०७ १६	०९ ०४ ३८ ३०	०२ ०३ ३० २५	०८ ०३ ३० २५
२०	सोम	०३ ०३ ३८ ४४	०२ २४ ५४ ३४	११ १८ १८ २८	०२ १४ ०० ३५	०८ २७ २७ ५४	०१ २० ४७ ४३	०९ ०४ ३४ ०३	०२ ०३ २७ १४	०८ ०३ २७ १४
२१	मंगल	०३ ०४ ३६ ०१	०३ ०८ ३२ ४२	११ १८ ४९ २२	०२ १४ ४५ ०४	०८ २७ २० १५	०१ २१ २९ ११	०९ ०४ २९ ३७	०२ ०३ २४ ०३	०८ ०३ २४ ०३
२२	बुध	०३ ०५ ३३ १९	०३ २२ २८ १४	११ १९ १९ ५६	०२ १५ ३४ ५६	०८ २७ १२ ३९	०१ २२ ११ ३८	०९ ०४ २५ १०	०२ ०३ २० ५२	०८ ०३ २० ५२
२३	गुरु	०३ ०६ ३० ३७	०४ ०६ ३७ २७	११ १९ ५० ०९	०२ १६ ३० ०८	०८ २७ ०५ ०५	०१ २२ ५५ ०२	०९ ०४ २० ४४	०२ ०३ १७ ४२	०८ ०३ १७ ४२
२४	शुक्र	०३ ०७ २७ ५६	०४ २० ५५ ३८	११ २० २० ०१	०२ १७ ३० ३५	०८ २६ ५७ ३४	०१ २३ ३९ २०	०९ ०४ १६ १८	०२ ०३ १४ ३१	०८ ०३ १४ ३१
२५	शनि	०३ ०८ २५ १५	०५ ०५ १७ ४८	११ २० ४९ ३२	०२ १८ ३६ १२	०८ २६ ५० ०६	०१ २४ २४ ३०	०९ ०४ ११ ५२	०२ ०३ ११ २०	०८ ०३ ११ २०
२६	रवि	०३ ०९ २२ ३५	०५ १९ ३९ १५	११ २१ १८ ४१	०२ १९ ४६ ५४	०८ २६ ४२ ४२	०१ २५ १० ३१	०९ ०४ ०७ २७	०२ ०३ ०८ ०९	०८ ०३ ०८ ०९
२७	सोम	०३ १० १९ ५५	०६ ०३ ५६ १४	११ २१ ४७ २८	०२ २१ ०२ ३४	०८ २६ ३५ २१	०१ २५ ५७ २१	०९ ०४ ०३ ०२	०२ ०३ ०४ ५९	०८ ०३ ०४ ५९
२८	मंगल	०३ ११ १७ १५	०६ १८ ०६ ०१	११ २२ १५ ५२	०२ २२ २३ ०६	०८ २६ २८ ०५	०१ २६ ४४ ५७	०९ ०३ ५८ ३९	०२ ०३ ०१ ४८	०८ ०३ ०१ ४८
२९	बुध	०३ १२ १४ ३६	०७ ०२ ०६ ५५	११ २२ ४३ ५३	०२ २३ ४८ १९	०८ २६ २० ५३	०१ २७ ३३ १९	०९ ०३ ५४ १६	०२ ०२ ५८ ३७	०८ ०२ ५८ ३७
३०	गुरु	०३ १३ ११ ५७	०७ १५ ५७ ५७	११ २३ ११ ३१	०२ २५ १८ ०४	०८ २६ १३ ४६	०१ २८ २२ २५	०९ ०३ ४९ ५५	०२ ०२ ५५ २६	०८ ०२ ५५ २६
३१	शुक्र	०३ १४ ०९ १९	०७ २९ ३८ ३२	११ २३ ३८ ४४	०२ २६ ५२ ११	०८ २६ ०६ ४३	०१ २९ १२ १३	०९ ०३ ४५ ३५	०२ ०२ ५२ १६	०८ ०२ ५२ १६

विक्रम सम्वत् २०७७, दैनिक स्पष्ट निरयण ग्रह, अगस्त २०२० ई० (स्टैं० समय प्रात: ६:२७)

तिथि	दिन	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
		रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.
१	शनि	०३ १५ ०६ ४१	०८ १३ ०८ ०६	११ २४ ०५ ३३	०२ २८ ३० २५	०८ २५ ५६ ४७	०२ ०० ०२ ४२	०६ ०३ ४१ १६	०२ ०२ ४६ ०५	०८ ०२ ४६ ०५
२	रवि	०३ १६ ०४ ०४	०८ २६ २६ १२	११ २४ ३१ ५७	०३ ०० १२ ३३	०८ २५ ५२ ५५	०२ ०० ५३ ५१	०६ ०३ ३६ ५६	०२ ०२ ४५ ५४	०८ ०२ ४५ ५४
३	सोम	०३ १७ ०१ २८	०९ ०९ ३१ ५६	११ २४ ५७ ५४	०३ ०१ ५८ १७	०८ २५ ४६ १०	०२ ०१ ४५ ३९	०६ ०३ ३२ ४३	०२ ०२ ४२ ४३	०८ ०२ ४२ ४३
४	मंगल	०३ १७ ५८ ५३	०९ २२ २४ ४९	११ २५ २३ २५	०३ ०३ ४७ २०	०८ २५ ३९ ३०	०२ ०२ ३८ ०३	०६ ०३ २८ २९	०२ ०२ ३९ ३२	०८ ०२ ३९ ३२
५	बुध	०३ १८ ५६ १८	१० ०५ ०४ २०	११ २५ ४८ २९	०३ ०५ ३९ २२	०८ २५ ३२ ५७	०२ ०३ ३१ ०४	०६ ०३ २४ १७	०२ ०२ ३६ २२	०८ ०२ ३६ २२
६	गुरु	०३ १९ ५३ ४५	१० १७ ३० ४२	११ २६ १३ ०५	०३ ०७ ३४ ०२	०८ २५ २६ ३१	०२ ०४ २४ ४०	०६ ०३ २० ०७	०२ ०२ ३३ ११	०८ ०२ ३३ ११
७	शुक्र	०३ २० ५१ १३	१० २९ ४४ ५१	११ २६ ३७ १३	०३ ०९ ३० ५९	०८ २५ २० १२	०२ ०५ १८ ४९	०६ ०३ १५ ५९	०२ ०२ ३० ००	०८ ०२ ३० ००
८	शनि	०३ २१ ४८ ४२	११ ११ ४८ ३३	११ २७ ०० ५१	०३ ११ २९ ५०	०८ २५ १३ ५९	०२ ०६ १३ ३१	०६ ०३ ११ ५३	०२ ०२ २६ ४९	०८ ०२ २६ ४९
९	रवि	०३ २२ ४६ १२	११ २३ ४४ ३२	११ २७ २३ ५८	०३ १३ ३० १४	०८ २५ ०७ ५४	०२ ०७ ०८ ४५	०६ ०३ ०७ ४९	०२ ०२ २३ ३९	०८ ०२ २३ ३९
१०	सोम	०३ २३ ४३ ४४	०० ०५ ३६ २२	११ २७ ४६ ३५	०३ १५ ३१ ४८	०८ २५ ०१ ५७	०२ ०८ ०४ २९	०६ ०३ ०३ ४८	०२ ०२ २० २८	०८ ०२ २० २८
११	मंगल	०३ २४ ४१ १७	०० १७ २८ १८	११ २८ ०८ ४०	०३ १७ ३४ १२	०८ २४ ५६ ०७	०२ ०९ ०० ४३	०६ ०२ ५९ ५०	०२ ०२ १७ १७	०८ ०२ १७ १७
१२	बुध	०३ २५ ३८ ५१	०० २९ २५ ०८	११ २८ ३० १२	०३ १९ ३७ ०६	०८ २४ ५० २५	०२ ०९ ५७ २५	०६ ०२ ५५ ५४	०२ ०२ १४ ०६	०८ ०२ १४ ०६
१३	गुरु	०३ २६ ३६ २७	०१ ११ ३१ ५८	११ २८ ५१ १०	०३ २१ ४० १३	०८ २४ ४४ ५२	०२ १० ५४ ३५	०६ ०२ ५२ ०१	०२ ०२ १० ५६	०८ ०२ १० ५६
१४	शुक्र	०३ २७ ३४ ०४	०१ २३ ५३ ५१	११ २९ ११ ३५	०३ २३ ४३ १६	०८ २४ ३९ २७	०२ ११ ५२ १२	०६ ०२ ४८ ११	०२ ०२ ०७ ४५	०८ ०२ ०७ ४५
१५	शनि	०३ २८ ३१ ४३	०२ ०६ ३५ २२	११ २९ ३१ २३	०३ २५ ४६ ०१	०८ २४ ३४ ११	०२ १२ ५० १५	०६ ०२ ४४ २४	०२ ०२ ०४ ३४	०८ ०२ ०४ ३४
१६	रवि	०३ २९ २९ २३	०२ १९ ४० ११	११ २९ ५० ३६	०३ २७ ४८ १५	०८ २४ २९ ०३	०२ १३ ४८ ४३	०६ ०२ ४० ४१	०२ ०२ ०१ २३	०८ ०२ ०१ २३
१७	सोम	०४ ०० २७ ०५	०३ ०३ १० २१	०० ०० ०९ १२	०३ २९ ४९ ४७	०८ २४ २४ ०५	०२ १४ ४७ ३५	०६ ०२ ३७ ००	०२ ०१ ५८ १२	०८ ०१ ५८ १२
१८	मंगल	०४ ०१ २४ ४८	०३ १७ ०५ ४५	०० ०० २७ १०	०४ ०१ ५० २९	०८ २४ १९ १६	०२ १५ ४६ ५०	०६ ०२ ३३ २३	०२ ०१ ५५ ०२	०८ ०१ ५५ ०२
१९	बुध	०४ ०२ २२ ३२	०४ ०१ २३ ४३	०० ०० ४४ ३०	०४ ०३ ५० १३	०८ २४ १४ ३७	०२ १६ ४६ २८	०६ ०२ २९ ५०	०२ ०१ ५१ ५१	०८ ०१ ५१ ५१
२०	गुरु	०४ ०३ २० १८	०४ १५ ५८ ५८	०० ०१ ०१ १०	०४ ०५ ४८ ५२	०८ २४ १० ०८	०२ १७ ४६ २९	०६ ०२ २६ २०	०२ ०१ ४८ ४०	०८ ०१ ४८ ४०
२१	शुक्र	०४ ०४ १८ ०५	०५ ०० ४४ १२	०० ०१ १७ १०	०४ ०७ ४६ २३	०८ २४ ०५ ४८	०२ १८ ४६ ५०	०६ ०२ २२ ५४	०२ ०१ ४५ २९	०८ ०१ ४५ २९
२२	शनि	०४ ०५ १५ ५४	०५ १५ ३१ १७	०० ०१ ३२ २९	०४ ०९ ४२ ४१	०८ २४ ०१ ३८	०२ १९ ४७ ३२	०६ ०२ १९ ३२	०२ ०१ ४२ १९	०८ ०१ ४२ १९
२३	रवि	०४ ०६ १३ ४४	०६ ०० १२ ३२	०० ०१ ४७ ०७	०४ ११ ३७ ४४	०८ २३ ५७ ३९	०२ २० ४८ ३४	०६ ०२ १६ १३	०२ ०१ ३९ ०८	०८ ०१ ३९ ०८
२४	सोम	०४ ०७ ११ ३४	०६ १४ ४१ ५८	०० ०२ ०१ ०३	०४ १३ ३१ ३०	०८ २३ ५३ ५०	०२ २१ ४९ ५६	०६ ०२ १२ ५९	०२ ०१ ३५ ५७	०८ ०१ ३५ ५७
२५	मंगल	०४ ०८ ०९ २६	०६ २८ ५५ ४७	०० ०२ १४ १६	०४ १५ २३ ५७	०८ २३ ५० ११	०२ २२ ५१ ३७	०६ ०२ ०९ ४९	०२ ०१ ३२ ४६	०८ ०१ ३२ ४६
२६	बुध	०४ ०९ ०७ १९	०७ १२ ५२ २५	०० ०२ २६ ४६	०४ १७ १५ ०५	०८ २३ ४६ ४३	०२ २३ ५३ ३६	०६ ०२ ०६ ४४	०२ ०१ २९ ३५	०८ ०१ २९ ३५
२७	गुरु	०४ १० ०५ १४	०७ २६ ३२ ००	०० ०२ ३८ ३२	०४ १९ ०४ ५४	०८ २३ ४३ २६	०२ २४ ५५ ५३	०६ ०२ ०३ ४२	०२ ०१ २६ २५	०८ ०१ २६ २५
२८	शुक्र	०४ ११ ०३ ०९	०८ ०९ ५५ ४६	०० ०२ ४९ ३३	०४ २० ५३ २४	०८ २३ ४० १९	०२ २५ ५८ २९	०६ ०२ ०० ४५	०२ ०१ २३ १४	०८ ०१ २३ १४
२९	शनि	०४ १२ ०१ ०६	०८ २३ ०५ २०	०० ०२ ५९ ४९	०४ २२ ४० ३५	०८ २३ ३७ २४	०२ २७ ०१ २१	०६ ०१ ५७ ५३	०२ ०१ २० ०३	०८ ०१ २० ०३
३०	रवि	०४ १२ ५९ ०५	०९ ०६ ०२ १७	०० ०३ ०९ १९	०४ २४ २६ २८	०८ २३ ३४ ३९	०२ २८ ०४ ३१	०६ ०१ ५५ ०५	०२ ०१ १६ ५२	०८ ०१ १६ ५२
३१	सोम	०४ १३ ५७ ०४	०९ १८ ४७ ५१	०० ०३ १८ ०२	०४ २६ ११ ०४	०८ २३ ३२ ०५	०२ २९ ०७ ५७	०६ ०१ ५२ २२	०२ ०१ १३ ४२	०८ ०१ १३ ४२

विक्रम सम्वत् २०७७, दैनिक स्पष्ट निरयण ग्रह, सितम्बर २०२० ई० (स्टैं० समय प्रात: ६:२७)

तिथि	दिन	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
		रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.
१	मंगल	०४ १४ ५५ ०६	१० ०१ २२ ५१	०० ०३ २५ ५८	०४ २७ ५४ २३	०८ २३ २९ ४३	०३ ०० ११ ४०	०९ ०१ ४९ ४३	०२ ०१ १० ३१	०८ ०१ १० ३१
२	बुध	०४ १५ ५३ ०८	१० १३ ४७ ४९	०० ०३ ३३ ०६	०४ २९ ३६ २६	०८ २३ २७ ३१	०३ ०१ १५ ३९	०९ ०१ ४७ ०९	०२ ०१ ०७ २०	०८ ०१ ०७ २०
३	गुरु	०४ १६ ५१ १३	१० २६ ०३ १३	०० ०३ ३९ २५	०५ ०१ १७ १५	०८ २३ २५ ३१	०३ ०२ १९ ५३	०९ ०१ ४४ ४०	०२ ०१ ०४ ०९	०८ ०१ ०४ ०९
४	शुक्र	०४ १७ ४९ १९	११ ०८ ०९ ४४	०० ०३ ४४ ५५	०५ ०२ ५६ ५१	०८ २३ २३ ४२	०३ ०३ २४ २३	०९ ०१ ४२ १६	०२ ०१ ०० ५९	०८ ०१ ०० ५९
५	शनि	०४ १८ ४७ २७	११ २० ०८ ३३	०० ०३ ४९ ३५	०५ ०४ ३५ १३	०८ २३ २२ ०४	०३ ०४ २९ ०८	०९ ०१ ३९ ५८	०२ ०० ५७ ४८	०८ ०० ५७ ४८
६	रवि	०४ १९ ४५ ३७	०० ०२ ०१ ३०	०० ०३ ५३ २३	०५ ०६ १२ २४	०८ २३ २० ३७	०३ ०५ ३४ ०८	०९ ०१ ३७ ४४	०२ ०० ५४ ३७	०८ ०० ५४ ३७
७	सोम	०४ २० ४३ ४८	०० १३ ५१ १७	०० ०३ ५६ २१	०५ ०७ ४८ २४	०८ २३ १९ २२	०३ ०६ ३९ २२	०९ ०१ ३५ ३५	०२ ०० ५१ २६	०८ ०० ५१ २६
८	मंगल	०४ २१ ४२ ०२	०० २५ ४१ २१	०० ०३ ५८ २७	०५ ०९ २३ १३	०८ २३ १८ १९	०३ ०७ ४४ ५०	०९ ०१ ३३ ३१	०२ ०० ४८ १५	०८ ०० ४८ १५
९	बुध	०४ २२ ४० १८	०१ ०७ ३६ ०२	०० ०३ ५९ ४०	०५ १० ५६ ५३	०८ २३ १७ २७	०३ ०८ ५० ३१	०९ ०१ ३१ ३३	०२ ०० ४५ ०५	०८ ०० ४५ ०५
१०	गुरु	०४ २३ ३८ ३५	०१ १९ ४० ११	०० ०४ ०० ००	०५ १२ २९ २२	०८ २३ १६ ४६	०३ ०६ ५६ २७	०९ ०१ २९ ४०	०२ ०० ४१ ५४	०८ ०० ४१ ५४
११	शुक्र	०४ २४ ३६ ५५	०२ ०१ ५९ ०६	०० ०३ ५९ २८	०५ १४ ०० ४३	०८ २३ १६ १७	०३ ११ ०२ ३५	०९ ०१ २७ ५२	०२ ०० ३८ ४३	०८ ०० ३८ ४३
१२	शनि	०४ २५ ३५ १७	०२ १४ ३८ ०१	०० ०३ ५८ ०२	०५ १५ ३० ५४	०८ २३ १६ ००	०३ १२ ०८ ५६	०९ ०१ २६ ०९	०२ ०० ३५ ३२	०८ ०० ३५ ३२
१३	रवि	०४ २६ ३३ ४१	०२ २७ ४१ ३८	०० ०३ ५५ ४३	०५ १६ ५९ ५६	०८ २३ १५ ५४	०३ १३ १५ २९	०९ ०१ २४ ३३	०२ ०० ३२ २२	०८ ०० ३२ २२
१४	सोम	०४ २७ ३२ ०७	०३ ११ १३ २२	०० ०३ ५२ ३१	०५ १८ २७ ४८	०८ २३ १६ ००	०३ १४ २२ १५	०९ ०१ २३ ०१	०२ ०० २९ ११	०८ ०० २९ ११
१५	मंगल	०४ २८ ३० ३५	०३ २५ १४ २६	०० ०३ ४८ २५	०५ १९ ५४ ३०	०८ २३ १६ १७	०३ १५ २९ १३	०९ ०१ २१ ३६	०२ ०० २६ ००	०८ ०० २६ ००
१६	बुध	०४ २९ २९ ०५	०४ ०९ ४३ ०६	०० ०३ ४३ २६	०५ २१ २० ०१	०८ २३ १६ ४६	०३ १६ ३६ २२	०९ ०१ २० १५	०२ ०० २२ ४९	०८ ०० २२ ४९
१७	गुरु	०५ ०० २७ ३८	०४ २४ ३४ १३	०० ०३ ३७ ३५	०५ २२ ४४ १९	०८ २३ १७ २७	०३ १७ ४३ ४२	०९ ०१ १९ ०१	०२ ०० १९ ३९	०८ ०० १९ ३९
१८	शुक्र	०५ ०१ २६ १२	०५ ०९ ३९ २७	०० ०३ ३० ५२	०५ २४ ०७ २४	०८ २३ १८ १९	०३ १८ ५१ १३	०९ ०१ १७ ५२	०२ ०० १६ २८	०८ ०० १६ २८
१९	शनि	०५ ०२ २४ ४८	०५ २४ ४८ ३४	०० ०३ २३ १७	०५ २५ २९ १२	०८ २३ १९ २३	०३ १९ ५८ ५५	०९ ०१ १६ ४९	०२ ०० १३ १७	०८ ०० १३ १७
२०	रवि	०५ ०३ २३ २६	०६ ०९ ५१ १४	०० ०३ १४ ५३	०५ २६ ४९ ४३	०८ २३ २० ३६	०३ २१ ०६ ४७	०९ ०१ १५ ५२	०२ ०० १० ०६	०८ ०० १० ०६
२१	सोम	०५ ०४ २२ ०५	०६ २४ ३८ ४६	०० ०३ ०५ ३९	०५ २८ ०८ ५४	०८ २३ २२ ०६	०३ २२ १४ ५०	०९ ०१ १५ ०१	०२ ०० ०६ ५५	०८ ०० ०६ ५५
२२	मंगल	०५ ०५ २० ४९	०७ ०९ ०५ २५	०० ०२ ५५ ३८	०५ २९ २६ ४०	०८ २३ २३ ४५	०३ २३ २३ ०२	०९ ०१ १४ १५	०२ ०० ०३ ४५	०८ ०० ०३ ४५
२३	बुध	०५ ०६ १९ २९	०७ २३ ०८ ३३	०० ०२ ४४ ५०	०६ ०० ४३ ००	०८ २३ २५ ३५	०३ २४ ३१ २४	०९ ०१ १३ ३६	०२ ०० ०० ३४	०८ ०० ०० ३४
२४	गुरु	०५ ०७ १८ १४	०८ ०६ ४८ १२	०० ०२ ३३ १६	०६ ०१ ५७ ४९	०८ २३ २७ ३६	०३ २५ ३९ ५६	०९ ०१ १३ ०२	०१ २९ ५७ २३	०७ २९ ५७ २३
२५	शुक्र	०५ ०८ १७ ००	०८ २० ०६ १४	०० ०२ २१ ००	०६ ०३ ११ ०१	०८ २३ २९ ४९	०३ २६ ४८ ३८	०९ ०१ १२ ३४	०१ २९ ५४ १२	०७ २९ ५४ १२
२६	शनि	०५ ०९ १५ ४८	०९ ०३ ०५ २८	०० ०२ ०८ ०१	०६ ०४ २२ ३३	०८ २३ ३२ १४	०३ २७ ५७ २८	०९ ०१ १२ १२	०१ २९ ५१ ०२	०७ २९ ५१ ०२
२७	रवि	०५ १० १४ ३८	०९ १५ ४९ ००	०० ०१ ५४ २२	०६ ०५ ३२ १७	०८ २३ ३४ ४९	०३ २९ ०६ २८	०९ ०१ ११ ५७	०१ २९ ४७ ५१	०७ २९ ४७ ५१
२८	सोम	०५ ११ १३ २९	०९ २८ १९ ४३	०० ०१ ४० ०४	०६ ०६ ४० ०६	०८ २३ ३७ ३६	०४ ०० १५ ३७	०९ ०१ ११ ४७	०१ २९ ४४ ४०	०७ २९ ४४ ४०
२९	मंगल	०५ १२ १२ २३	१० १० ४० ००	०० ०१ २५ १०	०६ ०७ ४५ ५४	०८ २३ ४० ३४	०४ ०१ २४ ५५	०९ ०१ ११ ४२	०१ २९ ४१ २९	०७ २९ ४१ २९
३०	बुध	०५ १३ ११ १८	१० २२ ५१ ४६	०० ०१ ०९ ४१	०६ ०८ ४९ ३१	०८ २३ ४३ ४३	०४ ०२ ३४ २२	०९ ०१ ११ ४४	०१ २९ ३८ १८	०७ २९ ३८ १८

विक्रम सम्वत् २०७७, दैनिक स्पष्ट निरयण ग्रह, अक्टूबर २०२० ई० (स्टैं० समय प्रातः ६:२७)

तिथि	दिन	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
		रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.
१	गुरु	०५ १४ १० १५	११ ०४ ५६ २४	०० ०० ५३ ३९	०६ ०९ ५० ४७	०८ २३ ४७ ०३	०४ ०३ ४३ ५८	०९ ०१ ११ ५२	०१ २९ ३५ ०८	०७ २९ ३५ ०८
२	शुक्र	०५ १५ ०९ १४	११ १६ ५५ ०७	०० ०० ३७ ०८	०६ १० ४९ ३०	०८ २३ ५० ३४	०४ ०४ ५३ ४२	०९ ०१ १२ ०६	०१ २९ ३१ ५७	०७ २९ ३१ ५७
३	शनि	०५ १६ ०८ १५	११ २८ ४९ ०५	०० ०० २० ०८	०६ ११ ४५ ३०	०८ २३ ५४ १५	०४ ०६ ०३ ३५	०९ ०१ १२ २६	०१ २९ २८ ४६	०७ २९ २८ ४६
४	रवि	०५ १७ ०७ १८	०० १० ३९ ४६	०० ०० ०२ ४२	०६ १२ ३८ ३०	०८ २३ ५८ ०८	०४ ०७ १३ ३६	०९ ०१ १२ ५२	०१ २९ २५ ३५	०७ २९ २५ ३५
५	सोम	०५ १८ ०६ २४	०० २२ २९ ०६	११ २९ ४४ ५४	०६ १३ २८ १६	०८ २४ ०२ ११	०४ ०८ २३ ४६	०९ ०१ १३ २३	०१ २९ २२ २५	०७ २९ २२ २५
६	मंगल	०५ १९ ०५ ३१	०१ ०४ १९ ४१	११ २९ २६ ४५	०६ १४ १४ २९	०८ २४ ०६ २५	०४ ०९ ३४ ०३	०९ ०१ १४ ०१	०१ २९ १९ १४	०७ २९ १९ १४
७	बुध	०५ २० ०४ ४१	०१ १६ १४ ५२	११ २९ ०८ १८	०६ १४ ५६ ५२	०८ २४ १० ४९	०४ १० ४४ २९	०९ ०१ १४ ४४	०१ २९ १६ ०३	०७ २९ १६ ०३
८	गुरु	०५ २१ ०३ ५३	०१ २८ १८ ४०	११ २८ ४९ ३६	०६ १५ ३५ ०२	०८ २४ १५ २४	०४ ११ ५५ ०२	०९ ०१ १५ ३४	०१ २९ १२ ५२	०७ २९ १२ ५२
९	शुक्र	०५ २२ ०३ ०७	०२ १० ३५ ४५	११ २८ ३० ४३	०६ १६ ०८ ३५	०८ २४ २० ०९	०४ १३ ०५ ४३	०९ ०१ १६ २९	०१ २९ ०९ ४२	०७ २९ ०९ ४२
१०	शनि	०५ २३ ०२ २४	०२ २३ ११ ०४	११ २८ ११ ३९	०६ १६ ३७ ०७	०८ २४ २५ ०५	०४ १४ १६ ३१	०९ ०१ १७ ३१	०१ २९ ०६ ३१	०७ २९ ०६ ३१
११	रवि	०५ २४ ०१ ४३	०३ ०६ ०९ २८	११ २७ ५२ ३०	०६ १७ ०० ११	०८ २४ ३० १०	०४ १५ २७ २७	०९ ०१ १८ ३८	०१ २९ ०३ २०	०७ २९ ०३ २०
१२	सोम	०५ २५ ०१ ०४	०३ १९ ३५ ०१	११ २७ ३३ १७	०६ १७ १७ १७	०८ २४ ३५ २७	०४ १६ ३८ ३०	०९ ०१ १९ ५२	०१ २९ ०० ०९	०७ २९ ०० ०९
१३	मंगल	०५ २६ ०० २८	०४ ०३ ३० १०	११ २७ १४ ०५	०६ १७ २७ ५६	०८ २४ ४० ५३	०४ १७ ४९ ४०	०९ ०१ २१ ११	०१ २८ ५६ ५८	०७ २८ ५६ ५८
१४	बुध	०५ २६ ५९ ५४	०४ १७ ५४ ४७	११ २६ ५४ ५५	०६ १७ ३१ ३७	०८ २४ ४६ २९	०४ १९ ०० ५७	०९ ०१ २२ ३६	०१ २८ ५३ ४८	०७ २८ ५३ ४८
१५	गुरु	०५ २७ ५९ २२	०५ ०२ ४५ २२	११ २६ ३५ ५२	०६ १७ २७ ५१	०८ २४ ५२ १६	०४ २० १२ २०	०९ ०१ २४ ०७	०१ २८ ५० ३७	०७ २८ ५० ३७
१६	शुक्र	०५ २८ ५८ ५२	०५ १७ ५४ ४७	११ २६ १६ ५८	०६ १७ १६ ११	०८ २४ ५८ १२	०४ २१ २३ ५०	०९ ०१ २५ ४४	०१ २८ ४७ २६	०७ २८ ४७ २६
१७	शनि	०५ २९ ५८ २५	०६ ०३ १३ ०३	११ २५ ५८ १७	०६ १६ ५६ १३	०८ २५ ०४ १८	०४ २२ ३५ २६	०९ ०१ २७ २७	०१ २८ ४४ १५	०७ २८ ४४ १५
१८	रवि	०६ ०० ५७ ५९	०६ १८ २८ ५३	११ २५ ३९ ५१	०६ १६ २७ ४२	०८ २५ १० ३४	०४ २३ ४७ ०८	०९ ०१ २९ १६	०१ २८ ४१ ०५	०७ २८ ४१ ०५
१९	सोम	०६ ०१ ५७ ३६	०७ ०३ ३१ ४५	११ २५ २१ ४५	०६ १५ ५० ३१	०८ २५ १६ ५९	०४ २४ ५८ ५६	०९ ०१ ३१ ११	०१ २८ ३७ ५४	०७ २८ ३७ ५४
२०	मंगल	०६ ०२ ५७ १४	०७ १८ १३ ३४	११ २५ ०४ ००	०६ १५ ०४ ४७	०८ २५ २३ ३४	०४ २६ १० ४९	०९ ०१ ३३ ११	०१ २८ ३४ ४३	०७ २८ ३४ ४३
२१	बुध	०६ ०३ ५६ ५४	०८ ०२ २९ ३५	११ २४ ४६ ३९	०६ १४ १० ५६	०८ २५ ३० १९	०४ २७ २२ ४८	०९ ०१ ३५ १७	०१ २८ ३१ ३२	०७ २८ ३१ ३२
२२	गुरु	०६ ०४ ५६ ३६	०८ १६ १८ २१	११ २४ २९ ४५	०६ १३ ०९ ४१	०८ २५ ३७ १२	०४ २८ ३४ ५३	०९ ०१ ३७ २९	०१ २८ २८ २२	०७ २८ २८ २२
२३	शुक्र	०६ ०५ ५६ १९	०८ २९ ४० ५९	११ २४ १३ २१	०६ १२ ०२ ०९	०८ २५ ४४ १५	०४ २९ ४७ ०३	०९ ०१ ३९ ४७	०१ २८ २५ ११	०७ २८ २५ ११
२४	शनि	०६ ०६ ५६ ०४	०९ १२ ४० १५	११ २३ ५७ २९	०६ १० ४९ ५०	०८ २५ ५१ २७	०५ ०० ५९ १९	०९ ०१ ४२ १०	०१ २८ २२ ००	०७ २८ २२ ००
२५	रवि	०६ ०७ ५५ ५१	०९ २५ १९ ४९	११ २३ ४२ १०	०६ ०९ ३४ ३५	०८ २५ ५८ ४८	०५ ०२ ११ ४०	०९ ०१ ४४ ३९	०१ २८ १८ ४९	०७ २८ १८ ४९
२६	सोम	०६ ०८ ५५ ३९	१० ०७ ४३ ३५	११ २३ २७ २६	०६ ०८ १८ ३१	०८ २६ ०६ १८	०५ ०३ २४ ०६	०९ ०१ ४७ १४	०१ २८ १५ ३८	०७ २८ १५ ३८
२७	मंगल	०६ ०९ ५५ २९	१० १९ ५५ १७	११ २३ १३ २०	०६ ०७ ०३ ५६	०८ २६ १३ ५७	०५ ०४ ३६ ३७	०९ ०१ ४९ ५४	०१ २८ १२ २८	०७ २८ १२ २८
२८	बुध	०६ १० ५५ २१	११ ०१ ५८ १०	११ २२ ५९ ५३	०६ ०५ ५३ ०८	०८ २६ २१ ४४	०५ ०५ ४९ १३	०९ ०१ ५२ ४०	०१ २८ ०९ १७	०७ २८ ०९ १७
२९	गुरु	०६ ११ ५५ १५	११ १३ ५५ ०१	११ २२ ४७ ०६	०६ ०४ ४८ २०	०८ २६ २९ ४०	०५ ०७ ०१ ५४	०९ ०१ ५५ ३१	०१ २८ ०६ ०६	०७ २८ ०६ ०६
३०	शुक्र	०६ १२ ५५ ११	११ २५ ४८ ०३	११ २२ ३५ ०१	०६ ०३ ५१ २८	०८ २६ ३७ ४४	०५ ०८ १४ ४०	०९ ०१ ५८ २७	०१ २८ ०२ ५५	०७ २८ ०२ ५५
३१	शनि	०६ १३ ५५ ०८	०० ०७ ३९ ०९	११ २२ २३ ३८	०६ ०३ ०४ ०५	०८ २६ ४५ ५७	०५ ०९ २७ ३०	०९ ०२ ०१ २९	०१ २७ ५९ ४५	०७ २७ ५९ ४५

विक्रम सम्वत् २०७७, दैनिक स्पष्ट निरयण ग्रह, नवम्बर २०२० ई० (स्टैं० समय प्रात: ६:२७)

तिथि	दिन	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
		रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.
१	रवि	०६ १४ ५५ ०७	०० १९ ३० ०१	११ २२ १२ ५९	०६ ०२ २७ १९	०८ २६ ५४ १८	०५ १० ४० २६	०९ ०२ ०४ ३६	०१ २७ ५६ ३४	०७ २७ ५६ ३४
२	सोम	०६ १५ ५५ ०८	०१ ०१ २२ २०	११ २२ ०३ ०४	०६ ०२ ०१ ५३	०८ २७ ०२ ४७	०५ ११ ५३ २६	०९ ०२ ०७ ४९	०१ २७ ५३ २३	०७ २७ ५३ २३
३	मंगल	०६ १६ ५५ ११	०१ १३ १८ ०१	११ २१ ५३ ५६	०६ ०१ ४८ ०४	०८ २७ ११ २४	०५ १३ ०६ ३१	०९ ०२ ११ ०७	०१ २७ ५० १२	०७ २७ ५० १२
४	बुध	०६ १७ ५५ १६	०१ २५ १९ २२	११ २१ ४५ ३३	०६ ०१ ४५ ४४	०८ २७ २० ०९	०५ १४ १९ ४०	०९ ०२ १४ ३०	०१ २७ ४७ ०२	०७ २७ ४७ ०२
५	गुरु	०६ १८ ५५ २३	०२ ०७ २९ १३	११ २१ ३७ ५६	०६ ०१ ५४ ३२	०८ २७ २९ ०१	०५ १५ ३२ ५३	०९ ०२ १७ ५८	०१ २७ ४३ ५१	०७ २७ ४३ ५१
६	शुक्र	०६ १९ ५५ ३२	०२ १९ ५० ५०	११ २१ ३१ ०७	०६ ०२ १३ ५१	०८ २७ ३८ ०२	०५ १६ ४६ ११	०९ ०२ २१ ३१	०१ २७ ४० ४०	०७ २७ ४० ४०
७	शनि	०६ २० ५५ ४३	०३ ०२ २७ ५६	११ २१ २५ ०६	०६ ०२ ४२ ५४	०८ २७ ४७ १०	०५ १७ ५९ ३३	०९ ०२ २५ १०	०१ २७ ३७ २९	०७ २७ ३७ २९
८	रवि	०६ २१ ५५ ५६	०३ १५ २४ २२	११ २१ १९ ५२	०६ ०३ २० ५०	०८ २७ ५६ २६	०५ १९ १३ ००	०९ ०२ २८ ५३	०१ २७ ३४ १८	०७ २७ ३४ १८
९	सोम	०६ २२ ५६ १२	०३ २८ ४३ ३७	११ २१ १५ २६	०६ ०४ ०६ ४७	०८ २८ ०५ ४९	०५ २० २६ ३०	०९ ०२ ३२ ४२	०१ २७ ३१ ०८	०७ २७ ३१ ०८
१०	मंगल	०६ २३ ५६ २९	०४ १२ २८ १९	११ २१ ११ ४९	०६ ०४ ५९ ५२	०८ २८ १५ २०	०५ २१ ४० ०४	०९ ०२ ३६ ३५	०१ २७ २७ ५७	०७ २७ २७ ५७
११	बुध	०६ २४ ५६ ४८	०४ २६ ३९ १८	११ २१ ०९ ००	०६ ०५ ५९ १२	०८ २८ २४ ५८	०५ २२ ५३ ४२	०९ ०२ ४० ३४	०१ २७ २४ ४६	०७ २७ २४ ४६
१२	गुरु	०६ २५ ५७ ०९	०५ ११ १५ ००	११ २१ ०६ ५९	०६ ०७ ०४ ०१	०८ २८ ३४ ४४	०५ २४ ०७ २४	०९ ०२ ४४ ३७	०१ २७ २१ ३५	०७ २७ २१ ३५
१३	शुक्र	०६ २६ ५७ ३२	०५ २६ १० ४९	११ २१ ०५ ४७	०६ ०८ १३ ३४	०८ २८ ४४ ३६	०५ २५ २१ ०९	०९ ०२ ४८ ४५	०१ २७ १८ २५	०७ २७ १८ २५
१४	शनि	०६ २७ ५७ ५७	०६ ११ १९ २०	११ २१ ०५ २४	०६ ०९ २७ १२	०८ २८ ५४ ३६	०५ २६ ३४ ५८	०९ ०२ ५२ ५८	०१ २७ १५ १४	०७ २७ १५ १४
१५	रवि	०६ २८ ५८ २४	०६ २६ ३१ ००	११ २१ ०५ ४९	०६ १० ४४ १८	०८ २९ ०४ ४२	०५ २७ ४८ ४९	०९ ०२ ५७ १६	०१ २७ १२ ०३	०७ २७ १२ ०३
१६	सोम	०६ २९ ५८ ५३	०७ ११ ३५ ४६	११ २१ ०७ ०१	०६ १२ ०४ २२	०८ २९ १४ ५५	०५ २९ ०२ ४४	०९ ०३ ०१ ३८	०१ २७ ०८ ५२	०७ २७ ०८ ५२
१७	मंगल	०७ ०० ५९ २२	०७ २६ २४ ३६	११ २१ ०९ ०२	०६ १३ २६ ५६	०८ २९ २५ १५	०६ ०० १६ ४२	०९ ०३ ०६ ०५	०१ २७ ०५ ४१	०७ २७ ०५ ४१
१८	बुध	०७ ०१ ५९ ५४	०८ १० ५० ४६	११ २१ ११ ५०	०६ १४ ५१ ३५	०८ २९ ३५ ४२	०६ ०१ ३० ४३	०९ ०३ १० ३७	०१ २७ ०२ ३१	०७ २७ ०२ ३१
१९	गुरु	०७ ०३ ०० २६	०८ २४ ५० ३२	११ २१ १५ २५	०६ १६ १७ ५९	०८ २९ ४६ १५	०६ ०२ ४४ ४६	०९ ०३ १५ १३	०१ २६ ५९ २०	०७ २६ ५९ २०
२०	शुक्र	०७ ०४ ०१ ००	०९ ०८ २२ ५६	११ २१ १९ ४७	०६ १७ ४५ ५१	०८ २९ ५६ ५४	०६ ०३ ५८ ५२	०९ ०३ १९ ५३	०१ २६ ५६ ०९	०७ २६ ५६ ०९
२१	शनि	०७ ०५ ०१ ३६	०९ २१ २९ २३	११ २१ २४ ५४	०६ १९ १४ ५५	०९ ०० ०७ ४०	०६ ०५ १३ ०१	०९ ०३ २४ ३८	०१ २६ ५२ ५८	०७ २६ ५२ ५८
२२	रवि	०७ ०६ ०२ १२	१० ०४ १२ ५१	११ २१ ३० ४५	०६ २० ४४ ५८	०९ ०० १८ ३२	०६ ०६ २७ १२	०९ ०३ २९ २७	०१ २६ ४९ ४८	०७ २६ ४९ ४८
२३	सोम	०७ ०७ ०२ ४९	१० १६ ३७ १७	११ २१ ३७ २२	०६ २२ १५ ४९	०९ ०० २९ ३०	०६ ०७ ४१ २५	०९ ०३ ३४ २१	०१ २६ ४६ ३७	०७ २६ ४६ ३७
२४	मंगल	०७ ०८ ०३ २८	१० २८ ४७ ००	११ २१ ४४ ४१	०६ २३ ४७ २०	०९ ०० ४० ३३	०६ ०८ ५५ ४१	०९ ०३ ३९ १८	०१ २६ ४३ २६	०७ २६ ४३ २६
२५	बुध	०७ ०९ ०४ ०८	११ १० ४६ १९	११ २१ ५२ ४३	०६ २५ १९ २२	०९ ०० ५१ ४३	०६ १० १० ००	०९ ०३ ४४ २०	०१ २६ ४० १५	०७ २६ ४० १५
२६	गुरु	०७ १० ०४ ४९	११ २२ ३९ १८	११ २२ ०१ २७	०६ २६ ५१ ४८	०९ ०१ ०२ ५८	०६ ११ २४ २०	०९ ०३ ४९ २५	०१ २६ ३७ ०५	०७ २६ ३७ ०५
२७	शुक्र	०७ ११ ०५ ३१	०० ०४ २९ ३२	११ २२ १० ५१	०६ २८ २४ ३५	०९ ०१ १४ १९	०६ १२ ३८ ४३	०९ ०३ ५४ ३५	०१ २६ ३३ ५४	०७ २६ ३३ ५४
२८	शनि	०७ १२ ०६ १४	०० १६ २० ०५	११ २२ २० ५६	०६ २९ ५७ ३६	०९ ०१ २५ ४६	०६ १३ ५३ ०८	०९ ०३ ५९ ४९	०१ २६ ३० ४३	०७ २६ ३० ४३
२९	रवि	०७ १३ ०६ ५९	०० २८ १३ ३३	११ २२ ३१ ४०	०७ ०१ ३० ५०	०९ ०१ ३७ १८	०६ १५ ०७ ३५	०९ ०४ ०५ ०६	०१ २६ २७ ३२	०७ २६ २७ ३२
३०	सोम	०७ १४ ०७ ४४	०१ १० १२ ०४	११ २२ ४३ ०२	०७ ०३ ०४ १२	०९ ०१ ४८ ५५	०६ १६ २२ ०५	०९ ०४ १० २७	०१ २६ २४ २१	०७ २६ २४ २१

विक्रम सम्वत् २०७७, दैनिक स्पष्ट निरयण ग्रह, दिसम्बर २०२० ई० (स्टैं० समय प्रात: ६:२७)

तिथि	दिन	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
		रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.
१	मंगल	०७ १५ ०८ ३१	०१ २२ १७ २८	११ २२ ५५ ०२	०७ ०४ ३७ ४०	०९ ०२ ०० ३७	०६ १७ ३६ ३६	०९ ०४ १५ ५२	०१ २६ २१ ११	०७ २६ २१ ११
२	बुध	०७ १६ ०९ १९	०२ ०४ ३१ २२	११ २३ ०७ ३९	०७ ०६ ११ १४	०९ ०२ १२ २५	०६ १८ ५१ १०	०९ ०४ २१ २१	०१ २६ १८ ००	०७ २६ १८ ००
३	गुरु	०७ १७ १० ०९	०२ १६ ५५ १९	११ २३ २० ५१	०७ ०७ ४४ ५१	०९ ०२ २४ १८	०६ २० ०५ ४६	०९ ०४ २६ ५३	०१ २६ १४ ४९	०७ २६ १४ ४९
४	शुक्र	०७ १८ १० ५९	०२ २९ ३० ५९	११ २३ ३४ ३९	०७ ०९ १८ ३०	०९ ०२ ३६ १५	०६ २१ २० २३	०९ ०४ ३२ २९	०१ २६ ११ ३८	०७ २६ ११ ३८
५	शनि	०७ १९ ११ ५१	०३ १२ २० ०५	११ २३ ४९ ०१	०७ १० ५२ ११	०९ ०२ ४८ १८	०६ २२ ३५ ०३	०९ ०४ ३८ ०९	०१ २६ ०८ २८	०७ २६ ०८ २८
६	रवि	०७ २० १२ ४४	०३ २५ २४ २७	११ २४ ०३ ५६	०७ १२ २५ ५४	०९ ०३ ०० २५	०६ २३ ४९ ४५	०९ ०४ ४३ ५१	०१ २६ ०५ १७	०७ २६ ०५ १७
७	सोम	०७ २१ १३ ३९	०४ ०८ ४५ ५०	११ २४ १९ २५	०७ १३ ५९ ३९	०९ ०३ १२ ३७	०६ २५ ०४ २८	०९ ०४ ४९ ३८	०१ २६ ०२ ०६	०७ २६ ०२ ०६
८	मंगल	०७ २२ १४ ३४	०४ २२ २५ ३३	११ २४ ३५ २५	०७ १५ ३३ २४	०९ ०३ २४ ५४	०६ २६ १९ १३	०९ ०४ ५५ २७	०१ २५ ५८ ५५	०७ २५ ५८ ५५
९	बुध	०७ २३ १५ ३१	०५ ०६ २४ ११	११ २४ ५१ ५८	०७ १७ ०७ १२	०९ ०३ ३७ १५	०६ २७ ३४ ००	०९ ०५ ०१ २०	०१ २५ ५५ ४५	०७ २५ ५५ ४५
१०	गुरु	०७ २४ १६ ३०	०५ २० ४१ ०४	११ २५ ०९ ०१	०७ १८ ४१ ०१	०९ ०३ ४९ ४१	०६ २८ ४८ ४८	०९ ०५ ०७ १६	०१ २५ ५२ ३४	०७ २५ ५२ ३४
११	शुक्र	०७ २५ १७ २९	०६ ०५ १३ ४९	११ २५ २६ ३५	०७ २० १४ ५४	०९ ०४ ०२ ११	०७ ०० ०३ ३८	०९ ०५ १३ १५	०१ २५ ४९ २३	०७ २५ ४९ २३
१२	शनि	०७ २६ १८ ३०	०६ १९ ५८ १२	११ २५ ४४ ३८	०७ २१ ४८ ४९	०९ ०४ १४ ४६	०७ ०१ १८ ३०	०९ ०५ १९ १७	०१ २५ ४६ १२	०७ २५ ४६ १२
१३	रवि	०७ २७ १९ ३१	०७ ०४ ४८ १२	११ २६ ०३ ११	०७ २३ २२ ४८	०९ ०४ २७ २४	०७ ०२ ३३ २३	०९ ०५ २५ २३	०१ २५ ४३ ०१	०७ २५ ४३ ०१
१४	सोम	०७ २८ २० ३४	०७ १९ ३६ ३६	११ २६ २२ १२	०७ २४ ५६ ५२	०९ ०४ ४० ०७	०७ ०३ ४८ १७	०९ ०५ ३१ ३१	०१ २५ ३९ ५१	०७ २५ ३९ ५१
१५	मंगल	०७ २९ २१ ३७	०८ ०४ १५ ५४	११ २६ ४१ ४१	०७ २६ ३१ ००	०९ ०४ ५२ ५४	०७ ०५ ०३ १२	०९ ०५ ३७ ४२	०१ २५ ३६ ४०	०७ २५ ३६ ४०
१६	बुध	०८ ०० २२ ४१	०८ १८ ३९ १९	११ २७ ०१ ३८	०७ २८ ०५ १५	०९ ०५ ०५ ४५	०७ ०६ १८ ०९	०९ ०५ ४३ ५६	०१ २५ ३३ २९	०७ २५ ३३ २९
१७	गुरु	०८ ०१ २३ ४६	०९ ०२ ४१ ४०	११ २७ २२ ०१	०७ २९ ३९ ३७	०९ ०५ १८ ३९	०७ ०७ ३३ ०६	०९ ०५ ५० १३	०१ २५ ३० १८	०७ २५ ३० १८
१८	शुक्र	०८ ०२ २४ ५१	०९ १६ १९ ५६	११ २७ ४२ ५०	०८ ०१ १४ ०७	०९ ०५ ३१ ३७	०७ ०८ ४८ ०४	०९ ०५ ५६ ३२	०१ २५ २७ ०८	०७ २५ २७ ०८
१९	शनि	०८ ०३ २५ ५७	०९ २९ ३३ २१	११ २८ ०४ ०५	०८ ०२ ४८ ४५	०९ ०५ ४४ ३९	०७ १० ०३ ०३	०९ ०६ ०२ ५४	०१ २५ २३ ५७	०७ २५ २३ ५७
२०	रवि	०८ ०४ २७ ०२	१० १२ २३ ०९	११ २८ २५ ४४	०८ ०४ २३ ३३	०९ ०५ ५७ ४४	०७ ११ १८ ०३	०९ ०६ ०९ १८	०१ २५ २० ४६	०७ २५ २० ४६
२१	सोम	०८ ०५ २८ ०९	१० २४ ५२ ०९	११ २८ ४७ ४७	०८ ०५ ५८ ३२	०९ ०६ १० ५३	०७ १२ ३३ ०४	०९ ०६ १५ ४५	०१ २५ १७ ३५	०७ २५ १७ ३५
२२	मंगल	०८ ०६ २९ १५	११ ०७ ०४ १८	११ २९ १० १३	०८ ०७ ३३ ४१	०९ ०६ २४ ०५	०७ १३ ४८ ०५	०९ ०६ २२ १४	०१ २५ १४ २४	०७ २५ १४ २४
२३	बुध	०८ ०७ ३० २२	११ १९ ०४ ०७	११ २९ ३३ ०३	०८ ०९ ०९ ०३	०९ ०६ ३७ २०	०७ १५ ०३ ०७	०९ ०६ २८ ४६	०१ २५ ११ १४	०७ २५ ११ १४
२४	गुरु	०८ ०८ ३१ २८	०० ०० ५६ २५	११ २९ ५६ १४	०८ १० ४४ ३८	०९ ०६ ५० ३८	०७ १६ १८ १०	०९ ०६ ३५ १९	०१ २५ ०८ ०३	०७ २५ ०८ ०३
२५	शुक्र	०८ ०९ ३२ ३५	०० १२ ४५ ५४	०० ०० १९ ४६	०८ १२ २० २६	०९ ०७ ०४ ००	०७ १७ ३३ १३	०९ ०६ ४१ ५५	०१ २५ ०४ ५२	०७ २५ ०४ ५२
२६	शनि	०८ १० ३३ ४२	०० २४ ३६ ५९	०० ०० ४३ ४०	०८ १३ ५६ २६	०९ ०७ १७ २४	०७ १८ ४८ १७	०९ ०६ ४८ ३३	०१ २५ ०१ ४१	०७ २५ ०१ ४१
२७	रवि	०८ ११ ३४ ४९	०१ ०६ ३३ ३३	०० ०१ ०७ ५३	०८ १५ ३२ ४६	०९ ०७ ३० ५१	०७ २० ०३ २२	०९ ०६ ५५ १३	०१ २४ ५८ ३१	०७ २४ ५८ ३१
२८	सोम	०८ १२ ३५ ५७	०१ १८ ३८ ५३	०० ०१ ३२ २६	०८ १७ ०९ १८	०९ ०७ ४४ २१	०७ २१ १८ २७	०९ ०७ ०१ ५५	०१ २४ ५५ २०	०७ २४ ५५ २०
२९	मंगल	०८ १३ ३७ ०४	०२ ०० ५५ ३१	०० ०१ ५७ १८	०८ १८ ४६ ०६	०९ ०७ ५७ ५३	०७ २२ ३३ ३३	०९ ०७ ०८ ३८	०१ २४ ५२ ०९	०७ २४ ५२ ०९
३०	बुध	०८ १४ ३८ १२	०२ १३ २५ १०	०० ०२ २२ २९	०८ २० २३ ०९	०९ ०८ ११ २८	०७ २३ ४८ ३९	०९ ०७ १५ २४	०१ २४ ४८ ५८	०७ २४ ४८ ५८
३१	गुरु	०८ १५ ३९ २०	०२ २६ ०८ ४६	०० ०२ ४७ ५८	०८ २२ ०० २८	०९ ०८ २५ ०६	०७ २५ ०३ ४६	०९ ०७ २२ ११	०१ २४ ४५ ४८	०७ २४ ४५ ४८

विक्रम सम्वत् २०७७, दैनिक स्पष्ट निरयण ग्रह, जनवरी २०२१ ई० (स्टैं० समय प्रात: ६:२७)

तिथि	दिन	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
		रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.
१	शुक्र	०८ १६ ४० २७	०३ ०९ ०६ ३०	०० ०३ १३ ४४	०८ २३ ३८ ०१	०९ ०८ ३८ ४६	०७ २६ १८ ५४	०९ ०७ २९ ००	०१ २४ ४२ ३७	०७ २४ ४२ ३७
२	शनि	०८ १७ ४१ ३६	०३ २२ १८ ०१	०० ०३ ३९ ४७	०८ २५ १५ ४९	०९ ०८ ५२ २८	०७ २७ ३४ ०२	०९ ०७ ३५ ५१	०१ २४ ३९ २६	०७ २४ ३९ २६
३	रवि	०८ १८ ४२ ४४	०४ ०५ ४२ २९	०० ०४ ०६ ०७	०८ २६ ५३ ५०	०९ ०९ ०६ १३	०७ २८ ४९ ११	०९ ०७ ४२ ४३	०१ २४ ३६ १५	०७ २४ ३६ १५
४	सोम	०८ १९ ४३ ५३	०४ १९ १८ ५८	०० ०४ ३२ ४३	०८ २८ ३२ ०२	०९ ०९ २० ००	०८ ०० ०४ २१	०९ ०७ ४९ ३६	०१ २४ ३३ ०४	०७ २४ ३३ ०४
५	मंगल	०८ २० ४५ ०१	०५ ०३ ०६ २३	०० ०४ ५९ ३६	०९ ०० १० २४	०९ ०९ ३३ ४९	०८ ०१ १९ ३१	०९ ०७ ५६ ३१	०१ २४ २९ ५४	०७ २४ २९ ५४
६	बुध	०८ २१ ४६ १०	०५ १७ ०३ ४०	०० ०५ २६ ४३	०९ ०१ ४८ ५२	०९ ०९ ४७ ४०	०८ ०२ ३४ ४१	०९ ०८ ०३ २८	०१ २४ २६ ४३	०७ २४ २६ ४३
७	गुरु	०८ २२ ४७ २०	०६ ०१ ०९ ४२	०० ०५ ५४ ०६	०९ ०३ २७ २४	०९ १० ०१ ३३	०८ ०३ ४९ ५३	०९ ०८ १० २६	०१ २४ २३ ३२	०७ २४ २३ ३२
८	शुक्र	०८ २३ ४८ २९	०६ १५ २३ ०३	०० ०६ २१ ४३	०९ ०५ ०५ ५६	०९ १० १५ २९	०८ ०५ ०५ ०४	०९ ०८ १७ २५	०१ २४ २० २१	०७ २४ २० २१
९	शनि	०८ २४ ४९ ३९	०६ २९ ४१ ४४	०० ०६ ४९ ३६	०९ ०६ ४४ २१	०९ १० २९ २५	०८ ०६ २० १६	०९ ०८ २४ २५	०१ २४ १७ ११	०७ २४ १७ ११
१०	रवि	०८ २५ ५० ४८	०७ १४ ०३ ०२	०० ०७ १७ ४२	०९ ०८ २२ ३५	०९ १० ४३ २४	०८ ०७ ३५ २९	०९ ०८ ३१ २६	०१ २४ १४ ००	०७ २४ १४ ००
११	सोम	०८ २६ ५१ ५८	०७ २८ २३ २२	०० ०७ ४६ ०३	०९ १० ०० २८	०९ १० ५७ २४	०८ ०८ ५० ४१	०९ ०८ ३८ २८	०१ २४ १० ४९	०७ २४ १० ४९
१२	मंगल	०८ २७ ५३ ०८	०८ १२ ३८ २१	०० ०८ १४ ३७	०९ ११ ३७ ५३	०९ ११ ११ २६	०८ १० ०५ ५४	०९ ०८ ४५ ३१	०१ २४ ०७ ३८	०७ २४ ०७ ३८
१३	बुध	०८ २८ ५४ १७	०८ २६ ४३ २०	०० ०८ ४३ २४	०९ १३ १४ ३८	०९ ११ २५ ३०	०८ ११ २१ ०७	०९ ०८ ५२ ३५	०१ २४ ०४ २८	०७ २४ ०४ २८
१४	गुरु	०८ २९ ५५ २६	०९ १० ३३ ४८	०० ०९ १२ २५	०९ १४ ५० ३०	०९ ११ ३९ ३४	०८ १२ ३६ २१	०९ ०८ ५९ ४०	०१ २४ ०१ १७	०७ २४ ०१ १७
१५	शुक्र	०९ ०० ५६ ३४	०९ २४ ०६ १०	०० ०९ ४१ ३८	०९ १६ २५ १५	०९ ११ ५३ ४०	०८ १३ ५१ ३४	०९ ०९ ०६ ४६	०१ २३ ५८ ०६	०७ २३ ५८ ०६
१६	शनि	०९ ०१ ५७ ४२	१० ०७ १८ १२	०० १० ११ ०४	०९ १७ ५८ ३३	०९ १२ ०७ ४८	०८ १५ ०६ ४७	०९ ०९ १३ ५२	०१ २३ ५४ ५५	०७ २३ ५४ ५५
१७	रवि	०९ ०२ ५८ ४९	१० २० ०९ २५	०० १० ४० ४१	०९ १९ ३० ०६	०९ १२ २१ ५६	०८ १६ २२ ००	०९ ०९ २० ५९	०१ २३ ५१ ४४	०७ २३ ५१ ४४
१८	सोम	०९ ०३ ५९ ५६	११ ०२ ४० ५५	०० ११ १० ३०	०९ २० ५९ २८	०९ १२ ३६ ०५	०८ १७ ३७ १३	०९ ०९ २८ ०६	०१ २३ ४८ ३४	०७ २३ ४८ ३४
१९	मंगल	०९ ०५ ०१ ०१	११ १४ ५५ २४	०० ११ ४० ३१	०९ २२ २६ १३	०९ १२ ५० १६	०८ १८ ५२ २६	०९ ०९ ३५ १४	०१ २३ ४५ २३	०७ २३ ४५ २३
२०	बुध	०९ ०६ ०२ ०६	११ २६ ५६ ४०	०० १२ १० ४२	०९ २३ ४९ ४९	०९ १३ ०४ २७	०८ २० ०७ ३९	०९ ०९ ४२ २२	०१ २३ ४२ १२	०७ २३ ४२ १२
२१	गुरु	०९ ०७ ०३ १०	०० ०८ ४९ २२	०० १२ ४१ ०५	०९ २५ ०९ ४१	०९ १३ १८ ३८	०८ २१ २२ ५२	०९ ०९ ४९ ३०	०१ २३ ३९ ०१	०७ २३ ३९ ०१
२२	शुक्र	०९ ०८ ०४ १३	०० २० ३८ ३८	०० १३ ११ ३७	०९ २६ २५ ११	०९ १३ ३२ ५१	०८ २२ ३८ ०४	०९ ०९ ५६ ३८	०१ २३ ३५ ५१	०७ २३ ३५ ५१
२३	शनि	०९ ०९ ०५ १५	०१ ०२ २९ ४२	०० १३ ४२ १९	०९ २७ ३५ ३५	०९ १३ ४७ ०४	०८ २३ ५३ १७	०९ १० ०३ ४७	०१ २३ ३२ ४०	०७ २३ ३२ ४०
२४	रवि	०९ १० ०६ १७	०१ १४ २७ ३९	०० १४ १३ ११	०९ २८ ४० ०८	०९ १४ ०१ १७	०८ २५ ०८ २९	०९ १० १० ५६	०१ २३ २९ २९	०७ २३ २९ २९
२५	सोम	०९ ११ ०७ १७	०१ २६ ३७ ०४	०० १४ ४४ १३	०९ २९ ३८ ००	०९ १४ १५ ३१	०८ २६ २३ ४१	०९ १० १८ ०४	०१ २३ २६ १८	०७ २३ २६ १८
२६	मंगल	०९ १२ ०८ १६	०२ ०९ ०१ ४९	०० १५ १५ २३	१० ०० २८ २२	०९ १४ २९ ४६	०८ २७ ३८ ५३	०९ १० २५ १२	०१ २३ २३ ०७	०७ २३ २३ ०७
२७	बुध	०९ १३ ०९ १४	०२ २१ ४४ ३७	०० १५ ४६ ४२	१० ०१ १० २२	०९ १४ ४४ ००	०८ २८ ५४ ०४	०९ १० ३२ २१	०१ २३ १९ ५७	०७ २३ १९ ५७
२८	गुरु	०९ १४ १० ११	०३ ०४ ४६ ४७	०० १६ १८ १०	१० ०१ ४३ १२	०९ १४ ५८ १५	०९ ०० ०९ १६	०९ १० ३९ २९	०१ २३ १६ ४६	०७ २३ १६ ४६
२९	शुक्र	०९ १५ ११ ०७	०३ १८ ०८ ०२	०० १६ ४९ ४६	१० ०२ ०६ ०६	०९ १५ १२ ३०	०९ ०१ २४ २७	०९ १० ४६ ३७	०१ २३ १३ ३५	०७ २३ १३ ३५
३०	शनि	०९ १६ १२ ०३	०४ ०१ ४६ ३२	०० १७ २१ ३१	१० ०२ १८ २८	०९ १५ २६ ४५	०९ ०२ ३९ ३८	०९ १० ५३ ४५	०१ २३ १० २४	०७ २३ १० २४
३१	रवि	०९ १७ १२ ५७	०४ १५ ३९ ०४	०० १७ ५३ २३	१० ०२ १९ ४९	०९ १५ ४१ ००	०९ ०३ ५४ ४९	०९ ११ ०० ५२	०१ २३ ०७ १४	०७ २३ ०७ १४

विक्रम सम्वत् २०७७, दैनिक स्पष्ट निरयण ग्रह, फरवरी २०२१ ई० (स्टैं० समय प्रातः ६:२७)

तिथि	दिन	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
		रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.
१	सोम	०९ १८ १३ ५१	०४ २९ ४१ ३७	०० १८ २५ २२	१० ०२ ०९ ५४	०९ १५ ५५ १५	०९ ०५ १० ००	०९ ११ ०७ ५९	०१ २३ ०४ ०३	०७ २३ ०४ ०३
२	मंगल	०९ १९ १४ ४३	०५ १३ ४९ ५९	०० १८ ५७ ३०	१० ०१ ४८ ४७	०९ १६ ०९ २९	०९ ०६ २५ ११	०९ ११ १५ ०५	०१ २३ ०० ५२	०७ २३ ०० ५२
३	बुध	०९ २० १५ ३५	०५ २८ ०० २७	०० १९ २९ ४४	१० ०१ १६ ४७	०९ १६ २३ ४४	०९ ०७ ४० २२	०९ ११ २२ ११	०१ २२ ५७ ४१	०७ २२ ५७ ४१
४	गुरु	०९ २१ १६ २६	०६ १२ १० ०९	०० २० ०२ ०६	१० ०० ३४ ३८	०९ १६ ३७ ५८	०९ ०८ ५५ ३३	०९ ११ २९ १६	०१ २२ ५४ ३१	०७ २२ ५४ ३१
५	शुक्र	०९ २२ १७ १७	०६ २६ १७ १३	०० २० ३४ ३५	०९ २९ ४३ २२	०९ १६ ५२ १२	०९ १० १० ४३	०९ ११ ३६ २०	०१ २२ ५१ २०	०७ २२ ५१ २०
६	शनि	०९ २३ १८ ०६	०७ १० २० ३१	०० २१ ०७ ११	०९ २८ ४४ २४	०९ १७ ०६ २६	०९ ११ २५ ५४	०९ ११ ४३ २४	०१ २२ ४८ ०९	०७ २२ ४८ ०९
७	रवि	०९ २४ १८ ५५	०७ २४ १९ १८	०० २१ ३९ ५४	०९ २७ ३९ २४	०९ १७ २० ३९	०९ १२ ४१ ०४	०९ ११ ५० २६	०१ २२ ४४ ५८	०७ २२ ४४ ५८
८	सोम	०९ २५ १९ ४२	०८ ०८ १२ ४५	०० २२ १२ ४३	०९ २६ ३० १५	०९ १७ ३४ ५१	०९ १३ ५६ १४	०९ ११ ५७ २८	०१ २२ ४१ ४७	०७ २२ ४१ ४७
९	मंगल	०९ २६ २० २९	०८ २१ ५९ ३७	०० २२ ४५ ३९	०९ २५ १८ ५७	०९ १७ ४९ ०३	०९ १५ ११ २४	०९ १२ ०४ २९	०१ २२ ३८ ३७	०७ २२ ३८ ३७
१०	बुध	०९ २७ २१ १४	०९ ०५ ३८ ०३	०० २३ १८ ४२	०९ २४ ०७ ३०	०९ १८ ०३ १४	०९ १६ २६ ३४	०९ १२ ११.२८	०१ २२ ३५ २६	०७ २२ ३५ २६
११	गुरु	०९ २८ २१ ५९	०९ १९ ०५ ४९	०० २३ ५१ ५१	०९ २२ ५७ ४५	०९ १८ १७ २४	०९ १७ ४१ ४३	०९ १२ १८ २७	०१ २२ ३२ १५	०७ २२ ३२ १५
१२	शुक्र	०९ २९ २२ ४१	१० ०२ २० ३३	०० २४ २५ ०६	०९ २१ ५१ २५	०९ १८ ३१ ३३	०९ १८ ५६ ५२	०९ १२ २५ २४	०१ २२ २९ ०४	०७ २२ २९ ०४
१३	शनि	१० ०० २३ २३	१० १५ २० १५	०० २४ ५८ २७	०९ २० ४९ ५६	०९ १८ ४५ ४१	०९ २० १२ ००	०९ १२ ३२ २०	०१ २२ २५ ५४	०७ २२ २५ ५४
१४	रवि	१० ०१ २४ ०३	१० २८ ०३ ४७	०० २५ ३१ ५४	०९ १९ ५४ २५	०९ १८ ५९ ४८	०९ २१ २७ ०८	०९ १२ ३९ १५	०१ २२ २२ ४३	०७ २२ २२ ४३
१५	सोम	१० ०२ २४ ४२	११ १० ३१ १२	०० २६ ०५ २७	०९ १९ ०५ ४२	०९ १९ १३ ५३	०९ २२ ४२ १५	०९ १२ ४६ ०८	०१ २२ १९ ३२	०७ २२ १९ ३२
१६	मंगल	१० ०३ २५ १९	११ २२ ४३ ५०	०० २६ ३९ ०५	०९ १८ २४ २२	०९ १९ २७ ५८	०९ २३ ५७ २२	०९ १२ ५३ ००	०१ २२ १६ २१	०७ २२ १६ २१
१७	बुध	१० ०४ २५ ५४	०० ०४ ४४ १९	०० २७ १२ ४८	०९ १७ ५० ४३	०९ १९ ४२ ००	०९ २५ १२ २८	०९ १२ ५९ ५०	०१ २२ १३ ११	०७ २२ १३ ११
१८	गुरु	१० ०५ २६ २७	०० १६ ३६ २६	०० २७ ४६ ३६	०९ १७ २४ ५०	०९ १९ ५६ ०२	०९ २६ २७ ३३	०९ १३ ०६ ३८	०१ २२ १० ००	०७ २२ १० ००
१९	शुक्र	१० ०६ २६ ५९	०० २८ २४ ४९	०० २८ २० ३०	०९ १७ ०६ ३९	०९ २० १० ०२	०९ २७ ४२ ३८	०९ १३ १३ २५	०१ २२ ०६ ४९	०७ २२ ०६ ४९
२०	शनि	१० ०७ २७ २९	०१ १० १४ ४२	०० २८ ५४ २८	०९ १६ ५५ ५८	०९ २० २४ ००	०९ २८ ५७ ४२	०९ १३ २० १०	०१ २२ ०३ ३८	०७ २२ ०३ ३८
२१	रवि	१० ०८ २७ ५७	०१ २२ ११ ३७	०० २९ २८ ३१	०९ १६ ५२ २९	०९ २० ३७ ५६	१० ०० १२ ४५	०९ १३ २६ ५३	०१ २२ ०० २७	०७ २२ ०० २७
२२	सोम	१० ०९ २८ २३	०२ ०४ २१ ०३	०१ ०० ०२ ३८	०९ १६ ५५ ५३	०९ २० ५१ ५१	१० ०१ २७ ४८	०९ १३ ३३ ३४	०१ २१ ५७ १७	०७ २१ ५७ १७
२३	मंगल	१० १० २८ ४७	०२ १६ ४८ ०४	०१ ०० ३६ ४९	०९ १७ ०५ ४५	०९ २१ ०५ ४३	१० ०२ ४२ ५०	०९ १३ ४० १३	०१ २१ ५४ ०६	०७ २१ ५४ ०६
२४	बुध	१० ११ २९ १०	०२ २९ ३६ ४३	०१ ०१ ११ ०५	०९ १७ २१ ४२	०९ २१ १९ ३४	१० ०३ ५७ ५१	०९ १३ ४६ ५०	०१ २१ ५० ५५	०७ २१ ५० ५५
२५	गुरु	१० १२ २९ ३०	०३ १२ ४९ ३६	०१ ०१ ४५ २५	०९ १७ ४३ १९	०९ २१ ३३ २३	१० ०५ १२ ५१	०९ १३ ५३ २६	०१ २१ ४७ ४४	०७ २१ ४७ ४४
२६	शुक्र	१० १३ २९ ४९	०३ २६ २७ १४	०१ ०२ १९ ४८	०९ १८ १० १४	०९ २१ ४७ १०	१० ०६ २७ ५१	०९ १३ ५९ ५८	०१ २१ ४४ ३४	०७ २१ ४४ ३४
२७	शनि	१० १४ ३० ०६	०४ १० २७ ४०	०१ ०२ ५४ १५	०९ १८ ४२ ०३	०९ २२ ०० ५४	१० ०७ ४२ ५०	०९ १४ ०६ २९	०१ २१ ४१ २३	०७ २१ ४१ २३
२८	रवि	१० १५ ३० २१	०४ २४ ४६ ३४	०१ ०३ २८ ४६	०९ १९ १८ २७	०९ २२ १४ ३६	१० ०८ ५७ ४९	०९ १४ १२ ५७	०१ २१ ३८ १२	०७ २१ ३८ १२

विक्रम सम्वत् २०७७, दैनिक स्पष्ट निरयणं ग्रह, मार्च २०२१ ई० (स्टैं० समय प्रात: ६:२७)

तिथि	दिन	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
		रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.
१	सोम	१० १६ ३० ३५	०५ ०९ १७ ३९	०१ ०४ ०३ २१	०९ १९ ५९ ०३	०९ २२ २८ १६	१० १० १२ ४७	०९ १४ १९ २३	०१ २१ ३५ ०१	०७ २१ ३५ ०१
२	मंगल	१० १७ ३० ४६	०५ २३ ५३ ४२	०१ ०४ ३७ ५९	०९ २० ४३ ३६	०९ २२ ४१ ५४	१० ११ २७ ४४	०९ १४ २५ ४७	०१ २१ ३१ ५१	०७ २१ ३१ ५१
३	बुध	१० १८ ३० ५७	०६ ०८ २७ ५३	०१ ०५ १२ ४०	०९ २१ ३१ ४७	०९ २२ ५५ २९	१० १२ ४२ ४०	०९ १४ ३२ ०८	०१ २१ २८ ४०	०७ २१ २८ ४०
४	गुरु	१० १९ ३१ ०५	०६ २२ ५४ ४०	०१ ०५ ४७ २५	०९ २२ २३ २१	०९ २३ ०९ ०१	१० १३ ५७ ३६	०९ १४ ३८ २७	०१ २१ २५ २९	०७ २१ २५ २९
५	शुक्र	१० २० ३१ १२	०७ ०७ १० २७	०१ ०६ २२ १३	०९ २३ १८ ०३	०९ २३ २२ ३१	१० १५ १२ ३२	०९ १४ ४४ ४३	०१ २१ २२ १८	०७ २१ २२ १८
६	शनि	१० २१ ३१ १८	०७ २१ १३ ३०	०१ ०६ ५७ ०५	०९ २४ १५ ४२	०९ २३ ३५ ५९	१० १६ २७ २७	०९ १४ ५० ५६	०१ २१ १९ ०७	०७ २१ १९ ०७
७	रवि	१० २२ ३१ २२	०८ ०५ ०३ ३३	०१ ०७ ३२ ००	०९ २५ १६ ०६	०९ २३ ४९ २३	१० १७ ४२ २१	०९ १४ ५७ ०७	०१ २१ १५ ५७	०७ २१ १५ ५७
८	सोम	१० २३ ३१ २५	०८ १८ ४१ १०	०१ ०८ ०६ ५८	०९ २६ १९ ०४	०९ २४ ०२ ४५	१० १८ ५७ १५	०९ १५ ०३ १५	०१ २१ १२ ४६	०७ २१ १२ ४६
९	मंगल	१० २४ ३१ २५	०९ ०२ ०७ ०८	०१ ०८ ४१ ५९	०९ २७ २४ २६	०९ २४ १६ ०४	१० २० १२ ०८	०९ १५ ०९ २०	०१ २१ ०९ ३५	०७ २१ ०९ ३५
१०.	बुध	१० २५ ३१ २५	०९ १५ २२ ०२	०१ ०९ १७ ०३	०९ २८ ३२ ०५	०९ २४ २९ २०	१० २१ २७ ००	०९ १५ १५ २२	०१ २१ ०६ २४	०७ २१ ०६ २४
११	गुरु	१० २६ ३१ २२	०९ २८ २५ ५९	०१ ०९ ५२ ११	०९ २९ ४१ ५२	०९ २४ ४२ ३२	१० २२ ४१ ५१	०९ १५ २१ २१	०१ २१ ०३ १४	०७ २१ ०३ १४
१२	शुक्र	१० २७ ३१ १८	१० ११ १८ ४५	०१ १० २७ २१	१० ०० ५३ ४१	०९ २४ ५५ ४२	१० २३ ५६ ४२	०९ १५ २७ १७	०१ २१ ०० ०३	०७ २१ ०० ०३
१३	शनि	१० २८ ३१ १२	१० २३ ५९ ४९	०१ ११ ०२ ३४	१० ०२ ०७ २६	०९ २५ ०८ ४८	१० २५ ११ ३२	०९ १५ ३३ १०	०१ २० ५६ ५२	०७ २० ५६ ५२
१४	रवि	१० २९ ३१ ०४	११ ०६ २८ ५२	०१ ११ ३७ ५०	१० ०३ २३ ०१	०९ २५ २१ ५०	१० २६ २६ २१	०९ १५ ३९ ००	०१ २० ५३ ४१	०७ २० ५३ ४१
१५	सोम	११ ०० ३० ५४	११ १८ ४५ ५७	०१ १२ १३ ०९	१० ०४ ४० २३	०९ २५ ३४ ४९	१० २७ ४१ ०९	०९ १५ ४४ ४६	०१ २० ५० ३०	०७ २० ५० ३०
१६	मंगल	११ ०१ ३० ४२	०० ०० ५१ ५५	०१ १२ ४८ ३१	१० ०५ ५९ २६	०९ २५ ४७ ४५	१० २८ ५५ ५७	०९ १५ ५० २९	०१ २० ४७ २०	०७ २० ४७ २०
१७	बुध	११ ०२ ३० २७	०० १२ ४८ ३०	०१ १३ २३ ५५	१० ०७ २० ०६	०९ २६ ०० ३७	११ ०० १० ४३	०९ १५ ५६ ०९	०१ २० ४४ ०९	०७ २० ४४ ०९
१८	गुरु	११ ०३ ३० ११	०० २४ ३८ २८	०१ १३ ५९ २२	१० ०८ ४२ २२	०९ २६ १३ २५	११ ०१ २५ २८	०९ १६ ०१ ४५	०१ २० ४० ५८	०७ २० ४० ५८
१९	शुक्र	११ ०४ २९ ५२	०१ ०६ २५ २९	०१ १४ ३४ ५१	१० १० ०६ १०	०९ २६ २६ ०९	११ ०२ ४० १२	०९ १६ ०७ १८	०१ २० ३७ ४७	०७ २० ३७ ४७
२०	शनि	११ ०५ २९ ३२	०१ १८ १४ ०२	०१ १५ १० २२	१० ११ ३१ २७	०९ २६ ३८ ४९	११ ०३ ५४ ५५	०९ १६ १२ ४७	०१ २० ३४ ३७	०७ २० ३४ ३७
२१	रवि	११ ०६ २९ ०८	०२ ०० ०९ १४	०१ १५ ४५ ५६	१० १२ ५८ १३	०९ २६ ५१ २५	११ ०५ ०९ ३७	०९ १६ १८ १३	०१ २० ३१ २६	०७ २० ३१ २६
२२	सोम	११ ०७ २८ ४३	०२ १२ १६ ३३	०१ १६ २१ ३१	१० १४ २६ २४	०९ २७ ०३ ५७	११ ०६ २४ १८	०९ १६ २३ ३५	०१ २० २८ १५	०७ २० २८ १५
२३	मंगल	११ ०८ २८ १५	०२ २४ ४१ २७	०१ १६ ५७ ०९	१० १५ ५६ ००	०९ २७ १६ २५	११ ०७ ३८ ५८	०९ १६ २८ ५३	०१ २० २५ ०४	०७ २० २५ ०४
२४	बुध	११ ०९ २७ ४५	०३ ०७ २८ ५४	०१ १७ ३२ ४९	१० १७ २७ ००	०९ २७ २८ ४९	११ ०८ ५३ ३७	०९ १६ ३४ ०७	०१ २० २१ ५४	०७ २० २१ ५४
२५	गुरु	११ १० २७ १३	०३ २० ४२ ४१	०१ १८ ०८ ३०	१० १८ ५९ २३	०९ २७ ४१ ०८	११ १० ०८ १४	०९ १६ ३९ १७	०१ २० १८ ४३	०७ २० १८ ४३
२६	शुक्र	११ ११ २६ ३९	०४ ०४ २४ ४७	०१ १८ ४४ १३	१० २० ३३ ०९	०९ २७ ५३ २३	११ ११ २२ ५०	०९ १६ ४४ २४	०१ २० १५ ३२	०७ २० १५ ३२
२७	शनि	११ १२ २६ ०२	०४ १८ ३४ ३०	०१ १९ १९ ५८	१० २२ ०८ १६	०९ २८ ०५ ३३	११ १२ ३७ २६	०९ १६ ४९ २६	०१ २० १२ २१	०७ २० १२ २१
२८	रवि	११ १३ २५ २३	०५ ०३ ०८ ०६	०१ १९ ५५ ४५	१० २३ ४४ ४६	०९ २८ १७ ३९	११ १३ ५२ ००	०९ १६ ५४ २५	०१ २० ०९ १०	०७ २० ०९ १०
२९	सोम	११ १४ २४ ४२	०५ १७ ५८ ५८	०१ २० ३१ ३३	१० २५ २२ ३७	०९ २८ २९ ४०	११ १५ ०६ ३३	०९ १६ ५९ २०	०१ २० ०६ ००	०७ २० ०६ ००
३०	मंगल	११ १५ २३ ५९	०६ ०२ ५८ २३	०१ २१ ०७ २२	१० २७ ०१ ५१	०९ २८ ४१ ३६	११ १६ २१ ०५	०९ १७ ०४ १०	०१ २० ०२ ४९	०७ २० ०२ ४९
३१	बुध	११ १६ २३ १४	०६ १७ ५७ ०२	०१ २१ ४३ १४	१० २८ ४२ २८	०९ २८ ५३ २८	११ १७ ३५ ३६	०९ १७ ०८ ५६	०१ १९ ५९ ३८	०७ १९ ५९ ३८

विक्रम सम्वत् २०७७, दैनिक स्पष्ट निरयण ग्रह, अप्रैल २०२१ ई० (स्टैं० समय प्रात: ६:२७)

तिथि	दिन	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
		रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.
१	गुरु	११ १७ २२ २७	०७ ०२ ४६ ३५	०१ २२ १६ ०७	११ ०० २४ २७	०६ २६ ०५ १४	११ १८ ५० ०६	०६ १७ १३ ३८	०१ १६ ५६ २७	०७ १६ ५६ २७
२	शुक्र	११ १८ २१ ३८	०७ १७ २० ५१	०१ २२ ५५ ०१	११ ०२ ०७ ५१	०६ २६ १६ ५६	११ २० ०४ ३५	०६ १७ १८ १६	०१ १६ ५३ १७	०७ १६ ५३ १७
३	शनि	११ १६ २० ४८	०८ ०१ ३६ १०	०१ २३ ३० ५७	११ ०३ ५२ ३८	०६ २६ २८ ३३	११ २१ १६ ०३	०६ १७ २२ ४६	०१ १६ ५० ०६	०७ १६ ५० ०६
४	रवि	११ २० १६ ५६	०८ १५ ३१ १७	०१ २४ ०६ ५४	११ ०५ ३८ ५१	०६ २६ ४० ०४	११ २२ ३३ ३०	०६ १७ २७ १६	०१ १६ ४६ ५५	०७ १६ ४६ ५५
५	सोम	११ २१ १६ ०२	०८ २६ ०६ ४३	०१ २४ ४२ ५३	११ ०७ २६ २६	०६ २६ ५१ ३०	११ २३ ४७ ५७	०६ १७ ३१ ४३	०१ १६ ४३ ४४	०७ १६ ४३ ४४
६	मंगल	११ २२ १८ ०६	०६ १२ २४ ००	०१ २५ १८ ५४	११ ०६ १५ ३४	१० ०० ०२ ५१	११ २५ ०२ २२	०६ १७ ३६ ०३	०१ १६ ४० ३४	०७ १६ ४० ३४
७	बुध	११ २३ १७ ०६	०६ २५ २५ ०६	०१ २५ ५४ ५६	११ ११ ०६ ०५	१० ०० १४ ०६	११ २६ १६ ४६	०६ १७ ४० १६	०१ १६ ३७ २३	०७ १६ ३७ २३
८	गुरु	११ २४ १६ ०६	१० ०८ १२ ०६	०१ २६ ३१ ००	११ १२ ५८ ०३	१० ०० २५ १६	११ २७ ३१ १०	०६ १७ ४४ ३०	०१ १६ ३४ १२	०७ १६ ३४ १२
९	शुक्र	११ २५ १५ ०८	१० २० ४६ ४४	०१ २७ ०७ ०५	११ १४ ५१ २८	१० ०० ३६ २०	११ २८ ४५ ३२	०६ १७ ४८ ३६	०१ १६ ३१ ०१	०७ १६ ३१ ०१
१०	शनि	११ २६ १४ ०५	११ ०३ १० १६	०१ २७ ४३ १२	११ १६ ४६ २१	१० ०० ४७ १८	११ २६ ५६ ५४	०६ १७ ५२ ३८	०१ १६ २७ ५०	०७ १६ २७ ५०
११	रवि	११ २७ १३ ०१	११ १५ २३ ५६	०१ २८ १६ २०	११ १८ ४२ ४०	१० ०० ५८ ११	०० ०१ १४ १४	०६ १७ ५६ ३५	०१ १६ २४ ४०	०७ १६ २४ ४०
१२	सोम	११ २८ ११ ५४	११ २७ २८ ५०	०१ २८ ५५ ३०	११ २० ४० २५	१० ०१ ०८ ५७	०० ०२ २८ ३३	०६ १८ ०० २६	०१ १६ २१ २६	०७ १६ २१ २६
१३	मंगल	११ २६ १० ४५	०० ०६ २६ ११	०१ २६ ३१ ४१	११ २२ ३६ ३४	१० ०१ १६ ३७	०० ०३ ४२ ५२	०६ १८ ०४ १४	०१ १६ १८ १८	०७ १६ १८ १८
१४	बुध	०० ०० ०६ ३४	०० २१ १७ ३७	०२ ०० ०७ ५३	११ २४ ४० ०५	१० ०१ ३० ११	०० ०४ ५७ ०६	०६ १८ ०७ ५६	०१ १६ १५ ०७	०७ १६ १५ ०७
१५	गुरु	०० ०१ ०८ २१	०१ ०३ ०५ १६	०२ ०० ४४ ०६	११ २६ ४१ ५५	१० ०१ ४० ३६	०० ०६ ११ २४	०६ १८ ११ ३३	०१ १६ ११ ५७	०७ १६ ११ ५७
१६	शुक्र	०० ०२ ०७ ०६	०१ १४ ५१ ५६	०२ ०१ २० २१	११ २८ ४४ ५६	१० ०१ ५१ ०१	०० ०७ २५ ३६	०६ १८ १५ ०५	०१ १६ ०८ ४६	०७ १६ ०८ ४६
१७	शनि	०० ०३ ०५ ४६	०१ २६ ४१ ०३	०२ ०१ ५६ ३७	०० ०० ४६ १३	१० ०२ ०१ १६	०० ०८ ३६ ५३	०६ १८ १८ ३२	०१ १६ ०५ ३५	०७ १६ ०५ ३५
१८	रवि	०० ०४ ०४ ३०	०२ ०८ ३६ ४६	०२ ०२ ३२ ५४	०० ०२ ५४ २६	१० ०२ ११ २४	०० ०६ ५४ ०५	०६ १८ २१ ५४	०१ १६ ०२ २४	०७ १६ ०२ २४
१९	सोम	०० ०५ ०३ ०८	०२ २० ४३ ४०	०२ ०३ ०६ ११	०० ०५ ०० ४०	१० ०२ २१ २६	०० ११ ०८ १६	०६ १८ २५ ११	०१ १८ ५६ १३	०७ १८ ५६ १३
२०	मंगल	०० ०६ ०१ ४५	०३ ०३ ०६ ४२	०२ ०३ ४५ ३०	०० ०७ ०७ ३६	१० ०२ ३१ २१	०० १२ २२ २५	०६ १८ २८ २२	०१ १८ ५६ ०३	०७ १८ ५६ ०३
२१	बुध	०० ०७ ०० १६	०३ १५ ५० ३६	०२ ०४ २१ ५०	०० ०६ १५ ०६	१० ०२ ४१ ०६	०० १३ ३६ ३४	०६ १८ ३१ २६	०१ १८ ५२ ५२	०७ १८ ५२ ५२
२२	गुरु	०० ०७ ५८ ५१	०३ २८ ५६ ४६	०२ ०४ ५८ ११	०० ११ २२ ५७	१० ०२ ५० ५०	०० १४ ५० ४१	०६ १८ ३४ ३०	०१ १८ ४६ ४१	०७ १८ ४६ ४१
२३	शुक्र	०० ०८ ५७ २०	०४ १२ ३६ ५६	०२ ०५ ३४ ३३	०० १३ ३० ५४	१० ०३ ०० २४	०० १६ ०४ ४६	०६ १८ ३७ २६	०१ १८ ४६ ३०	०७ १८ ४६ ३०
२४	शनि	०० ०६ ५५ ४८	०४ २६ ४३ ००	०२ ०६ १० ५५	०० १५ ३८ ४१	१० ०३ ०६ ५१	०० १७ १८ ५१	०६ १८ ४० १६	०१ १८ ४३ २०	०७ १८ ४३ २०
२५	रवि	०० १० ५४ १३	०५ ११ १५ ५८	०२ ०६ ४७ १८	०० १७ ४६ ०२	१० ०३ १६ ११	०० १८ ३२ ५४	०६ १८ ४३ ०१	०१ १८ ४० ०६	०७ १८ ४० ०६
२६	सोम	०० ११ ५२ ३७	०५ २६ १० ४५	०२ ०७ २३ ४२	०० १६ ५२ ३६	१० ०३ २८ २४	०० १६ ४६ ५६	०६ १८ ४५ ४१	०१ १८ ३६ ५८	०७ १८ ३६ ५८
२७	मंगल	०० १२ ५० ५८	०६ ११ १६ २३	०२ ०८ ०० ०७	०० २१ ५८ १२	१० ०३ ३७ २६	०० २१ ०० ५६	०६ १८ ४८ १६	०१ १८ ३३ ४७	०७ १८ ३३ ४७
२८	बुध	०० १३ ४६ १८	०६ २६ ३२ १०	०२ ०८ ३६ ३२	०० २४ ०२ २३	१० ०३ ४६ २७	०० २२ १४ ५६	०६ १८ ५० ४५	०१ १८ ३० ३७	०७ १८ ३० ३७
२९	गुरु	०० १४ ४७ ३६	०७ ११ ३६ १०	०२ ०६ १२ ५८	०० २६ ०४ ५३	१० ०३ ५५ १७	०० २३ २८ ५४	०६ १८ ५३ ०८	०१ १८ २७ २६	०७ १८ २७ २६
३०	शुक्र	०० १५ ४५ ५२	०७ २६ ३१ ४६	०२ ०६ ४६ २५	०० २८ ०५ २५	१० ०४ ०४ ००	०० २४ ४२ ५१	०६ १८ ५५ २६	०१ १८ २४ १५	०७ १८ २४ १५

विक्रम सम्वत् २०२०-२१ की दैनिक लग्नसारिणी, नई दिल्ली में लग्नों का समाप्तिकाल (भा.स्टैं.टा.)

मार्च, २०२० अयनांश : २४:०८:०३

तिथि	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुम्भ	मीन
०१	१०:२७	१२:२३	१४:३८	१६:५८	१९:१५	२१:३१	२३:५१	०२:१४	०४:१८	०६:००	०७:२७	०८:५२
०२	१०:२३	१२:१९	१४:३४	१६:५४	१९:११	२१:२८	२३:४७	०२:१०	०४:१४	०५:५६	०७:२३	०८:४८
०३	१०:२०	१२:१५	१४:३०	१६:५०	१९:०७	२१:२४	२३:४३	०२:०६	०४:१०	०५:५२	०७:१९	०८:४४
०४	१०:१६	१२:११	१४:२६	१६:४६	१९:०३	२१:२०	२३:३९	०२:०२	०४:०६	०५:४८	०७:१६	०८:४०
०५	१०:१२	१२:०७	१४:२२	१६:४२	१८:५९	२१:१६	२३:३५	०१:५८	०४:०२	०५:४४	०७:१२	०८:३७
०६	१०:०८	१२:०३	१४:१८	१६:३८	१८:५६	२१:१२	२३:३१	०१:५४	०३:५८	०५:४०	०७:०८	०८:३३
०७	१०:०४	११:५९	१४:१४	१६:३४	१८:५२	२१:०८	२३:२७	०१:५०	०३:५४	०५:३६	०७:०४	०८:२९
०८	१०:००	११:५५	१४:१०	१६:३०	१८:४८	२१:०४	२३:२३	०१:४६	०३:५०	०५:३२	०७:००	०८:२५
०९	०९:५६	११:५१	१४:०६	१६:२६	१८:४४	२१:००	२३:२०	०१:४२	०३:४६	०५:२८	०६:५६	०८:२१
१०	९:५२	११:४८	१४:०२	१६:२२	१८:४०	२०:५६	२३:१६	०१:३८	०३:४२	०५:२४	०६:५२	०८:१७
११	०९:४८	११:४४	१३:५८	१६:१९	१८:३६	२०:५२	२३:१२	०१:३४	०३:३८	०५:२१	०६:४८	०८:१३
१२	०९:४४	११:४०	१३:५४	१६:१५	१८:३२	२०:४८	२३:०८	०१:३०	०३:३४	०५:१७	०६:४४	०८:०९
१३	०९:४०	११:३६	१३:५०	१६:११	१८:२८	२०:४४	२३:०४	०१:२६	०३:३०	०५:१३	०६:४०	०८:०५
१४	०९:३६	११:३२	१३:४६	१६:०७	१८:२४	२०:४०	२३:००	०१:२२	०३:२६	०५:०९	०६:३६	०८:०१
१५	०९:३२	११:२८	१३:४२	१६:०३	१८:२०	२०:३६	२२:५६	०१:१८	०३:२२	०५:०५	०६:३२	०७:५७
१६	०९:२८	११:२४	१३:३९	१५:५९	१८:१६	२०:३३	२२:५२	०१:१५	०३:१९	०५:०१	०६:२८	०७:५३
१७	०९:२५	११:२०	१३:३५	१५:५५	१८:१२	२०:२९	२२:४८	०१:११	०३:१५	०४:५७	०६:२४	०७:४९
१८	०९:२१	११:१६	१३:३१	१५:५१	१८:०८	२०:२५	२२:४४	०१:०७	०३:११	०४:५३	०६:२०	०७:४५
१९	०९:१७	११:१२	१३:२७	१५:४७	१८:०४	२०:२१	२२:४०	०१:०३	०३:०७	०४:४९	०६:१७	०७:४१
२०	९:१३	११:०८	१३:२३	१५:४३	१८:००	२०:१७	२२:३६	००:५९	०३:०३	०४:४५	०६:१३	०७:३८
२१	०९:०९	११:०४	१३:१९	१५:३९	१७:५७	२०:१३	२२:३२	००:५५	०२:५९	०४:४१	०६:०९	०७:३४
२२	०९:०५	११:००	१३:१५	१५:३५	१७:५३	२०:०९	२२:२८	००:५१	०२:५५	०४:३७	०६:०५	०७:३०
२३	०९:०१	१०:५६	१३:११	१५:३१	१७:४९	२०:०५	२२:२४	००:४७	०२:५१	०४:३३	०६:०१	०७:२६
२४	०८:५७	१०:५३	१३:०७	१५:२७	१७:४५	२०:०१	२२:२१	००:४३	०२:४७	०४:२९	०५:५७	०७:२२
२५	०८:५३	१०:४९	१३:०३	१५:२४	१७:४१	१९:५७	२२:१७	००:३९	०२:४३	०४:२५	०५:५३	०७:१८
२६	०८:४९	१०:४५	१२:५९	१५:२०	१७:३७	१९:५३	२२:१३	००:३५	०२:३९	०४:२२	०५:४९	०७:१४
२७	०८:४५	१०:४१	१२:५५	१५:१६	१७:३३	१९:४९	२२:०९	००:३१	०२:३५	०४:१८	०५:४५	०७:१०
२८	०८:४१	१०:३७	१२:५१	१५:१२	१७:२९	१९:४५	२२:०५	००:२७	०२:३१	०४:१४	०५:४१	०७:०६
२९	०८:३७	१०:३३	१२:४७	१५:०८	१७:२५	१९:४१	२२:०१	००:२३	०२:२७	०४:१०	०५:३७	०७:०२
३०	०८:३३	१०:२९	१२:४४	१५:०४	१७:२१	१९:३७	२१:५७	००:१९	०२:२४	०४:०६	०५:३३	०६:५८
३१	०८:२९	१०:२५	१२:४०	१५:००	१७:१७	१९:३४	२१:५३	००:१६	०२:२०	०४:०२	०५:२९	०६:५४

अप्रैल, २०२० अयनांश : २४:०८:०६

तिथि	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुम्भ	मीन
०१	०८:२६	१०:२१	१२:३६	१४:५६	१७:१३	१९:३०	२१:४९	००:१२	०२:१६	०३:५८	०५:२५	०६:५०
०२	०८:२२	१०:१७	१२:३२	१४:५२	१७:०९	१९:२६	२१:४५	००:०८	०२:१२	०३:५४	०५:२१	०६:४६
०३	०८:१८	१०:१३	१२:२८	१४:४८	१७:०५	१९:२२	२१:४१	००:०४/२४:००	०२:०८	०३:५०	०५:१८	०६:४२
०४	०८:१४	१०:०९	१२:२४	१४:४४	१७:०१	१९:१८	२१:३७	२३:५६	०२:०४	०३:४६	०५:१४	०६:३९
०५	०८:१०	१०:०५	१२:२०	१४:४०	१६:५८	१९:१४	२१:३३	२३:५२	०२:००	०३:४२	०५:१०	०६:३५
०६	०८:०६	१०:०१	१२:१६	१४:३६	१६:५४	१९:१०	२१:२९	२३:४८	०१:५६	०३:३८	०५:०६	०६:३१
०७	०८:०२	०९:५७	१२:१२	१४:३२	१६:५०	१९:०६	२१:२६	२३:४४	०१:५२	०३:३४	०५:०२	०६:२७
०८	०७:५८	०९:५४	१२:०८	१४:२८	१६:४६	१९:०२	२१:२२	२३:४०	०१:४८	०३:३०	०४:५८	०६:२३
०९	०७:५४	०९:५०	१२:०४	१४:२५	१६:४२	१८:५८	२१:१८	२३:३६	०१:४४	०३:२७	०४:५४	०६:१९
१०	०७:५०	०९:४६	१२:००	१४:२१	१६:३८	१८:५४	२१:१४	२३:३२	०१:४०	०३:२३	०४:५०	०६:१५
११	०७:४६	०९:४२	११:५६	१४:१७	१६:३४	१८:५०	२१:१०	२३:२८	०१:३६	०३:१९	०४:४६	०६:११
१२	०७:४२	०९:३८	११:५२	१४:१३	१६:३०	१८:४६	२१:०६	२३:२४	०१:३२	०३:१५	०४:४२	०६:०७
१३	०७:३८	०९:३४	११:४८	१४:०९	१६:२६	१८:४२	२१:०२	२३:२१	०१:२८	०३:११	०४:३८	०६:०३
१४	०७:३४	०९:३०	११:४५	१४:०५	१६:२२	१८:३८	२०:५८	२३:१७	०१:२५	०३:०७	०४:३४	०५:५९
१५	०७:३०	०९:२६	११:४१	१४:०१	१६:१८	१८:३५	२०:५४	२३:१३	०१:२१	०३:०३	०४:३०	०५:५५
१६	०७:२७	०९:२२	११:३७	१३:५७	१६:१४	१८:३१	२०:५०	२३:०९	०१:१७	०२:५९	०४:२६	०५:५१
१७	०७:२३	०९:१८	११:३३	१३:५३	१६:१०	१८:२७	२०:४६	२३:०५	०१:१३	०२:५५	०४:२३	०५:४७
१८	०७:१९	०९:१४	११:२९	१३:४९	१६:०६	१८:२३	२०:४२	२३:०१	०१:०९	०२:५१	०४:१९	०५:४४
१९	०७:१५	०९:१०	११:२५	१३:४५	१६:०३	१८:१९	२०:३८	२२:५७	०१:०५	०२:४७	०४:१५	०५:४०
२०	०७:११	०९:०६	११:२१	१३:४१	१५:५९	१८:१५	२०:३४	२२:५३	०१:०१	०२:४३	०४:११	०५:३६
२१	०७:०७	०९:०२	११:१७	१३:३७	१५:५५	१८:११	२०:३०	२२:४९	००:५७	०२:३९	०४:०७	०५:३२
२२	०७:०३	०८:५८	११:१३	१३:३३	१५:५१	१८:०७	२०:२७	२२:४५	००:५३	०२:३५	०४:०३	०५:२८
२३	०६:५९	०८:५५	११:०९	१३:२९	१५:४७	१८:०३	२०:२३	२२:४१	००:४९	०२:३१	०३:५९	०५:२४
२४	०६:५५	०८:५१	११:०५	१३:२६	१५:४३	१७:५९	२०:१९	२२:३७	००:४५	०२:२८	०३:५५	०५:२०
२५	०६:५१	०८:४७	११:०१	१३:२२	१५:३९	१७:५५	२०:१५	२२:३३	००:४१	०२:२४	०३:५१	०५:१६
२६	०६:४७	०८:४३	१०:५७	१३:१८	१५:३५	१७:५१	२०:११	२२:२९	००:३७	०२:२०	०३:४७	०५:१२
२७	०६:४३	०८:३९	१०:५३	१३:१४	१५:३१	१७:४७	२०:०७	२२:२५	००:३३	०२:१६	०३:४३	०५:०८
२८	०६:३९	०८:३५	१०:४९	१३:१०	१५:२७	१७:४३	२०:०३	२२:२२	००:२९	०२:१२	०३:३९	०५:०४
२९	०६:३५	०८:३१	१०:४६	१३:०६	१५:२३	१७:४०	१९:५९	२२:१८	००:२६	०२:०८	०३:३५	०५:००
३०	०६:३२	०८:२७	१०:४२	१३:०२	१५:१९	१७:३६	१९:५५	२२:१४	००:२२	०२:०४	०३:३१	०४:५६

विक्रम सम्वत् २०२०-२१ की दैनिक लग्नसारिणी, नई दिल्ली में लग्नों का समाप्तिकाल (भा.स्टैं.टा.)

मई, २०२०अयनांश : २४:०८:१०

तिथि	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुम्भ	मीन
०१	०६:२८	०८:२३	१०:३८	१२:५८	१५:१५	१७:३२	१९:५१	२२:१०	००:१८	०२:००	०३:२७	०४:५२
०२	०६:२४	०८:१९	१०:३४	१२:५४	१५:११	१७:२८	१९:४७	२२:०६	००:१४	०१:५६	०३:२४	०४:४८
०३	०६:२०	०८:१५	१०:३०	१२:५०	१५:०७	१७:२४	१९:४३	२२:०२	००:१०	०१:५२	०३:२०	०४:४५
०४	०६:१६	०८:११	१०:२६	१२:४६	१५:०४	१७:२०	१९:३९	२१:५८	००:०६	०१:४८	०३:१६	०४:४१
०५	०६:१२	०८:०७	१०:२२	१२:४२	१५:००	१७:१६	१९:३५	२१:५४	००:०२/२३:५८	०१:४४	०३:१२	०४:३७
०६	०६:०८	०८:०३	१०:१८	१२:३८	१४:५६	१७:१२	१९:३१	२१:५०	२३:५४	०१:४०	०३:०८	०४:३३
०७	०६:०४	०८:००	१०:१४	१२:३४	१४:५२	१७:०८	१९:२८	२१:४६	२३:५०	०१:३६	०३:०४	०४:२९
०८	०६:००	०७:५६	१०:१०	१२:३१	१४:४८	१७:०४	१९:२४	२१:४२	२३:४६	०१:३२	०३:००	०४:२५
०९	०५:५६	०७:५२	१०:०६	१२:२७	१४:४४	१७:००	१९:२०	२१:३८	२३:४२	०१:२९	०२:५६	०४:२१
१०	०५:५२	०७:४८	१०:०२	१२:२३	१४:४०	१६:५६	१९:१६	२१:३४	२३:३८	०१:२५	०२:५२	०४:१७
११	०५:४८	०७:४४	०९:५८	१२:१९	१४:३६	१६:५२	१९:१२	२१:३०	२३:३४	०१:२१	०२:४८	०४:१३
१२	०५:४४	०७:४०	०९:५४	१२:१५	१४:३२	१६:४८	१९:०८	२१:२६	२३:३१	०१:१७	०२:४४	०४:०९
१३	०५:४०	०७:३६	०९:५१	१२:११	१४:२८	१६:४४	१९:०४	२१:२३	२३:२७	०१:१३	०२:४०	०४:०५
१४	०५:३६	०७:३२	०९:४७	१२:०७	१४:२४	१६:४१	१९:००	२१:१९	२३:२३	०१:०९	०२:३६	०४:०१
१५	०५:३३	०७:२८	०९:४३	१२:०३	१४:२०	१६:३७	१८:५६	२१:१५	२३:१९	०१:०५	०२:३२	०३:५७
१६	०५:२९	०७:२४	०९:३९	११:५९	१४:१६	१६:३३	१८:५२	२१:११	२३:१५	०१:०१	०२:२८	०३:५३
१७	०५:२५	०७:२०	०९:३५	११:५५	१४:१२	१६:२९	१८:४८	२१:०७	२३:११	००:५७	०२:२५	०३:४९
१८	०५:२१	०७:१६	०९:३१	११:५१	१४:०८	१६:२५	१८:४४	२१:०३	२३:०७	००:५३	०२:२१	०३:४६
१९	०५:१७	०७:१२	०९:२७	११:४७	१४:०५	१६:२१	१८:४०	२०:५९	२३:०३	००:४९	०२:१७	०३:४२
२०	०५:१३	०७:०८	०९:२३	११:४३	१४:०१	१६:१७	१८:३६	२०:५५	२२:५९	००:४५	०२:१३	०३:३८
२१	०५:०९	०७:०४	०९:१९	११:३९	१३:५७	१६:१३	१८:३३	२०:५१	२२:५५	००:४१	०२:०९	०३:३४
२२	०५:०५	०७:०१	०९:१५	११:३५	१३:५३	१६:०९	१८:२९	२०:४७	२२:५१	००:३७	०२:०५	०३:३०
२३	०५:०१	०६:५७	०९:११	११:३२	१३:४९	१६:०५	१८:२५	२०:४३	२२:४७	००:३४	०२:०१	०३:२६
२४	०४:५७	०६:५३	०९:०७	११:२८	१३:४५	१६:०१	१८:२१	२०:३९	२२:४३	००:३०	०१:५७	०३:२२
२५	०४:५३	०६:४९	०९:०३	११:२४	१३:४१	१५:५७	१८:१७	२०:३५	२२:३९	००:२६	०१:५३	०३:१८
२६	०४:४९	०६:४५	०८:५९	११:२०	१३:३७	१५:५३	१८:१३	२०:३१	२२:३५	००:२२	०१:४९	०३:१४
२७	०४:४५	०६:४१	०८:५५	११:१६	१३:३३	१५:४९	१८:०९	२०:२८	२२:३२	००:१८	०१:४५	०३:१०
२८	०४:४१	०६:३७	०८:५२	११:१२	१३:२९	१५:४५	१८:०५	२०:२४	२२:२८	००:१४	०१:४१	०३:०६
२९	०४:३७	०६:३३	०८:४८	११:०८	१३:२५	१५:४२	१८:०१	२०:२०	२२:२४	००:१०	०१:३७	०३:०२
३०	०४:३४	०६:२९	०८:४४	११:०४	१३:२१	१५:३८	१७:५७	२०:१६	२२:२०	००:०६	०१:३३	०२:५८
३१	०४:३०	०६:२५	०८:४०	११:००	१३:१७	१५:३४	१७:५३	२०:१२	२२:१६ ००:०२	२३:५८.	०१:३०	०२:५४

जून, २०२० अयनांश : २४:०८:१४

तिथि	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुम्भ	मीन
०१	०४:२६	०६:२१	०८:३६	१०:५६	१३:१३	१५:३०	१७:४९	२०:०८	२२:१२	२३:५४	०१:२६	०२:५१
०२	०४:२२	०६:१७	०८:३२	१०:५२	१३:१०	१५:२६	१७:४५	२०:०४	२२:०८	२३:५०	०१:२२	०२:४७
०३	०४:१८	०६:१३	०८:२८	१०:४८	१३:०६	१५:२२	१७:४१	२०:००	२२:०४	२३:४६	०१:१८	०२:४३
०४	०४:१४	०६:०९	०८:२४	१०:४४	१३:०२	१५:१८	१७:३७	१९:५६	२२:००	२३:४२	०१:१४	०२:३९
०५	०४:१०	०६:०५	०८:२०	१०:४०	१२:५८	१५:१४	१७:३४	१९:५२	२१:५६	२३:३८	०१:१०	०२:३५
०६	०४:०६	०६:०२	०८:१६	१०:३६	१२:५४	१५:१०	१७:३०	१९:४८	२१:५२	२३:३५	०१:०६	०२:३१
०७	०४:०२	०५:५८	०८:१२	१०:३३	१२:५०	१५:०६	१७:२६	१९:४४	२१:४८	२३:३१	०१:०२	०२:२७
०८	०३:५८	०५:५४	०८:०८	१०:२९	१२:४६	१५:०२	१७:२२	१९:४०	२१:४४	२३:२७	००:५८	०२:२३
०९	०३:५४	०५:५०	०८:०४	१०:२५	१२:४२	१४:५८	१७:१८	१९:३६	२१:४०	२३:२३	००:५४	०२:१९
१०	०३:५०	०५:४६	०८:००	१०:२१	१२:३८	१४:५४	१७:१४	१९:३२	२१:३६	२३:१९	००:५०	०२:१५
११	०३:४६	०५:४२	०७:५६	१०:१७	१२:३४	१४:५०	१७:१०	१९:२९	२१:३३	२३:१५	००:४६	०२:११
१२	०३:४२	०५:३८	०७:५३	१०:१३	१२:३०	१४:४७	१७:०६	१९:२५	२१:२९	२३:११	००:४२	०२:०७
१३	०३:३९	०५:३४	०७:४९	१०:०९	१२:२६	१४:४३	१७:०२	१९:२१	२१:२५	२३:०७	००:३८	०२:०३
१४	०३:३५	०५:३०	०७:४५	१०:०५	१२:२२	१४:३९	१६:५८	१९:१७	२१:२१	२३:०३	००:३४	०१:५९
१५	०३:३१	०५:२६	०७:४१	१०:०१	१२:१८	१४:३५	१६:५४	१९:१३	२१:१७	२२:५९	००:३१	०१:५५
१६	०३:२७	०५:२२	०७:३७	०९:५७	१२:१४	१४:३१	१६:५०	१९:०९	२१:१३	२२:५५	००:२७	०१:५२
१७	०३:२३	०५:१८	०७:३३	०९:५३	१२:११	१४:२७	१६:४६	१९:०५	२१:०९	२२:५१	००:२३	०१:४८
१८	०३:१९	०५:१४	०७:२९	०९:४९	१२:०७	१४:२३	१६:४२	१९:०१	२१:०५	२२:४७	००:१९	०१:४४
१९	०३:१५	०५:१०	०७:२५	०९:४५	१२:०३	१४:१९	१६:३८	१८:५७	२१:०१	२२:४३	००:१५	०१:४०
२०	०३:११	०५:०७	०७:२१	०९:४१	११:५९	१४:१५	१६:३५	१८:५३	२०:५७	२२:३९	००:११	०१:३६
२१	०३:०७	०५:०३	०७:१७	०९:३८	११:५५	१४:११	१६:३१	१८:४९	२०:५३	२२:३६	००:०७	०१:३२
२२	०३:०३	०४:५९	०७:१३	०९:३४	११:५१	१४:०७	१६:२७	१८:४५	२०:४९	२२:३२	००:०३ २३:५९	०१:२८
२३	०२:५९	०४:५५	०७:०९	०९:३०	११:४७	१४:०३	१६:२३	१८:४१	२०:४५	२२:२८	२३:५५	०१:२४
२४	०२:५५	०४:५१	०७:०५	०९:२६	११:४३	१३:५९	१६:१९	१८:३७	२०:४१	२२:२४	२३:५१	०१:२०
२५	०२:५१	०४:४७	०७:०१	०९:२२	११:३९	१३:५५	१६:१५	१८:३३	२०:३८	२२:२०	२३:४७	०१:१६
२६	०२:४७	०४:४३	०६:५८	०९:१८	११:३५	१३:५१	१६:११	१८:३०	२०:३४	२२:१६	२३:४३	०१:१२
२७	०२:४३	०४:३९	०६:५४	०९:१४	११:३१	१३:४८	१६:०७	१८:२६	२०:३०	२२:१२	२३:३९	०१:०८
२८	०२:४०	०४:३५	०६:५०	०९:१०	११:२७	१३:४४	१६:०३	१८:२२	२०:२६	२२:०८	२३:३५	०१:०४
२९	०२:३६	०४:३१	०६:४६	०९:०६	११:२३	१३:४०	१५:५९	१८:१८	२०:२२	२२:०४	२३:३२	०१:००
३०	०२:३२	०४:२७	०६:४२	०९:०२	११:१९	१३:३६	१५:५५	१८:१४	२०:१८	२२:००	२३:२८	००:५६

विक्रम सम्वत् २०२०-२१ की दैनिक लग्नसारिणी, नई दिल्ली में लग्नों का समाप्तिकाल (भा.स्टैं.टा.)

जुलाई, २०२० अयनांश : २४:०८:१६

तिथि	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुम्भ	मीन
०१	०२:२८	०४:२३	०६:३८	०८:५८	११:१५	१३:३२	१५:५१	१८:१०	२०:१४	२१:५६	२३:२४	००:५३
०२	०२:२४	०४:१९	०६:३४	०८:५४	११:११	१३:२८	१५:४७	१८:०६	२०:१०	२१:५२	२३:२०	००:४९
०३	०२:२०	०४:१५	०६:३०	०८:५०	११:०८	१३:२४	१५:४३	१८:०२	२०:०६	२१:४८	२३:१६	००:४५
०४	०२:१६	०४:११	०६:२६	०८:४६	११:०४	१३:२०	१५:४०	१७:५८	२०:०२	२१:४४	२३:१२	००:४१
०५	०२:१२	०४:०८	०६:२२	०८:४२	११:००	१३:१६	१५:३६	१७:५४	१९:५८	२१:४१	२३:०८	००:३७
०६	०२:०८	०४:०४	०६:१८	०८:३८	१०:५६	१३:१२	१५:३२	१७:५०	१९:५४	२१:३७	२३:०४	००:३३
०७	०२:०४	०४:००	०६:१४	०८:३५	१०:५२	१३:०८	१५:२८	१७:४६	१९:५०	२१:३३	२३:००	००:२९
०८	०२:००	०३:५६	०६:१०	०८:३१	१०:४८	१३:०४	१५:२४	१७:४२	१९:४६	२१:२९	२२:५६	००:२५
०९	०१:५६	०३:५२	०६:०६	०८:२७	१०:४४	१३:००	१५:२०	१७:३८	१९:४२	२१:२५	२२:५२	००:२१
१०	०१:५२	०३:४८	०६:०२	०८:२३	१०:४०	१२:५६	१५:१६	१७:३४	१९:३८	२१:२१	२२:४८	००:१७
११	०१:४८	०३:४४	०५:५८	०८:१९	१०:३६	१२:५२	१५:१२	१७:३१	१९:३५	२१:१७	२२:४४	००:१३
१२	०१:४४	०३:४०	०५:५५	०८:१५	१०:३२	१२:४८	१५:०८	१७:२७	१९:३१	२१:१३	२२:४०	००:०९
१३	०१:४१	०३:३६	०५:५१	०८:११	१०:२८	१२:४५	१५:०४	१७:२३	१९:२७	२१:०९	२२:३७	००:०५
१४	०१:३७	०३:३२	०५:४७	०८:०७	१०:२४	१२:४१	१५:००	१७:१९	१९:२३	२१:०५	२२:३३	००:०१/२३:५८
१५	०१:३३	०३:२८	०५:४३	०८:०३	१०:२०	१२:३७	१४:५६	१७:१५	१९:१९	२१:०१	२२:२९	२३:५४
१६	०१:२९	०३:२५	०५:३९	०७:५९	१०:१७	१२:३३	१४:५२	१७:११	१९:१५	२०:५७	२२:२५	२३:५०
१७	०१:२५	०३:२०	०५:३५	०७:५५	१०:१३	१२:२९	१४:४८	१७:०७	१९:११	२०:५३	२२:२१	२३:४६
१८	०१:२१	०३:१६	०५:३१	०७:५१	१०:०९	१२:२५	१४:४४	१७:०३	१९:०७	२०:४९	२२:१७	२३:४२
१९	०१:१७	०३:१२	०५:२७	०७:४७	१०:०५	१२:२१	१४:४१	१६:५९	१९:०३	२०:४५	२२:१३	२३:३८
२०	०१:१३	०३:०९	०५:२३	०७:४३	१०:०१	१२:१७	१४:३७	१६:५५	१८:५९	२०:४२	२२:०९	२३:३४
२१	०१:०९	०३:०५	०५:१९	०७:४०	०९:५७	१२:१३	१४:३३	१६:५१	१८:५५	२०:३८	२२:०५	२३:३०
२२	०१:०५	०३:०१	०५:१५	०७:३६	०९:५३	१२:०९	१४:२९	१६:४७	१८:५१	२०:३४	२२:०१	२३:२६
२३	०१:०१	०२:५७	०५:११	०७:३२	०९:४९	१२:०५	१४:२५	१६:४३	१८:४७	२०:३०	२१:५७	२३:२२
२४	००:५७	०२:५३	०५:०७	०७:२८	०९:४५	१२:०१	१४:२१	१६:३९	१८:४३	२०:२६	२१:५३	२३:१८
२५	००:५३	०२:४९	०५:०३	०७:२४	०९:४१	११:५७	१४:१७	१६:३६	१८:४०	२०:२२	२१:४९	२३:१४
२६	००:४९	०२:४५	०५:००	०७:२०	०९:३७	११:५४	१४:१३	१६:३२	१८:३६	२०:१८	२१:४५	२३:१०
२७	००:४६	०२:४१	०४:५६	०७:१६	०९:३३	११:५०	१४:०९	१६:२८	१८:३२	२०:१४	२१:४१	२३:०६
२८	००:४२	०२:३७	०४:५२	०७:१२	०९:२९	११:४६	१४:०५	१६:२४	१८:२८	२०:१०	२१:३८	२३:०२
२९	००:३८	०२:३३	०४:४८	०७:०८	०९:२५	११:४२	१४:०१	१६:२०	१८:२४	२०:०६	२१:३४	२२:५९
३०	००:३४	०२:२९	०४:४४	०७:०४	०९:२१	११:३८	१३:५७	१६:१६	१८:२०	२०:०२	२१:३०	२२:५५
३१	००:३०	०२:२५	०४:४०	०७:००	०९:१८	११:३४	१३:५३	१६:१२	१८:१६	१९:५८	२१:२६	२२:५१

अगस्त २०१६ अयनांश-२४:०७:३५

तिथि	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुम्भ	मीन
०१	००:२६	०२:२१	०४:३६	०६:५६	०९:१४	११:३०	१३:४९	१६:०८	१८:१२	१९:५४	२१:२२	२२:४७
०२	००:२२	०२:१७	०४:३२	०६:५२	०९:१०	११:२६	१३:४५	१६:०४	१८:०८	१९:५०	२१:१८	२२:४३
०३	००:१८	०२:१४	०४:२८	०६:४८	०९:०६	११:२२	१३:४२	१६:००	१८:०४	१९:४६	२१:१४	२२:३९
०४	००:१४	०२:१०	०४:२४	०६:४५	०९:०२	११:१८	१३:३८	१५:५६	१८:००	१९:४३	२१:१०	२२:३५
०५	००:१०	०२:०६	०४:२०	०६:४१	०८:५८	११:१४	१३:३४	१५:५२	१७:५६	१९:३९	२१:०६	२२:३१
०६	००:०६	०२:०२	०४:१६	०६:३७	०८:५४	११:१०	१३:३०	१५:४८	१७:५२	१९:३५	२१:०२	२२:२७
०७	००:०२/२३:५८		०१:५८	०४:१२	०६:३३	०८:५०	११:०६	१३:२६	१५:४४	१७:४८	१९:३१	[illegible]
०८	२३:५४	०१:५४	०४:०८	०६:२९	०८:४६	११:०२	१३:२२	१५:४०	१७:४५	१९:२७	२०:५४	२२:१९
०९	२३:५०	०१:५०	०४:०५	०६:२५	०८:४२	१०:५८	१३:१८	१५:३७	१७:४१	१९:२३	२०:५०	२२:१५
१०	२३:४७	०१:४६	०४:०१	०६:२१	०८:३८	१०:५५	१३:१४	१५:३३	१७:३७	१९:१९	२०:४६	२२:११
११	२३:४३	०१:४२	०३:५७	०६:१७	०८:३४	१०:५१	१३:१०	१५:२९	१७:३३	१९:१५	२०:४२	२२:०७
१२	२३:३९	०१:३८	०३:५३	०६:१३	०८:३०	१०:४७	१३:०६	१५:२५	१७:२९	१९:११	२०:३८	२२:०३
१३	२३:३५	०१:३४	०३:४९	०६:०९	०८:२६	१०:४३	१३:०२	१५:२१	१७:२५	१९:०७	२०:३५	२२:००
१४	२३:३१	०१:३०	०३:४५	०६:०५	०८:२२	१०:३९	१२:५८	१५:१७	१७:२१	१९:०३	२०:३१	२१:५६
१५	२३:२७	०१:२६	०३:४१	०६:०१	०८:१९	१०:३५	१२:५४	१५:१३	१७:१७	१८:५९	२०:२७	२१:५२
१६	२३:२३	०१:२२	०३:३७	०५:५७	०८:१५	१०:३१	१२:५०	१५:०९	१७:१३	१८:५५	२०:२३	२१:४८
१७	२३:१९	०१:१८	०३:३३	०५:५३	०८:११	१०:२७	१२:४७	१५:०५	१७:०९	१८:५१	२०:१९	२१:४४
१८	२३:१५	०१:१५	०३:२९	०५:४९	०८:०७	१०:२३	१२:४३	१५:०१	१७:०५	१८:४८	२०:१५	२१:४०
१९	२३:११	०१:११	०३:२५	०५:४६	०८:०३	१०:१९	१२:३९	१४:५७	१७:०१	१८:४४	२०:११	२१:३६
२०	२३:०७	०१:०७	०३:२१	०५:४२	०७:५९	१०:१५	१२:३५	१४:५३	१६:५७	१८:४०	२०:०७	२१:३२
२१	२३:०३ ०१:०३	०३:१७	०५:३८	०७:५५	१०:११	१२:३१	१४:४९	१६:५३	१८:३६	२०:०३	२१:२८	
२२	२२:५९	००:५९	०३:१३	०५:३४	०७:५१	१०:०७	१२:२७	१४:४५	१६:४९	१८:३२	१९:५९	२१:२४
२३	२२:५५	००:५५	०३:०९	०५:३०	०७:४७	१०:०३	१२:२३	१४:४२	१६:४६	१८:२८	१९:५५	२१:२०
२४	२२:५१	००:५१	०३:०५	०५:२६	०७:४३	०९:५९	१२:१९	१४:३८	१६:४२	१८:२४	१९:५१	२१:१६
२५	२२:४८	००:४७	०३:०२	०५:२२	०७:३९	०९:५६	१२:१५	१४:३४	१६:३८	१८:२०	१९:४७	२१:१२
२६	२२:४४	००:४३	०२:५८	०५:१८	०७:३५	०९:५२	१२:११	१४:३०	१६:३४	१८:१६	१९:४४	२१:०८
२७	२२:४०	००:३९	०२:५४	०५:१४	०७:३१	०९:४८	१२:०७	१४:२६	१६:३०	१८:१२	१९:४०	२१:०५
२८	२२:३६	००:३५	०२:५०	०५:१०	०७:२७	०९:४४	१२:०३	१४:२२	१६:२६	१८:०८	१९:३६	२१:०१
२९	२२:३२	००:३१	०२:४६	०५:०६	०७:२४	०९:४०	११:५९	१४:१८	१६:२२	१८:०४	१९:३२	२०:५७
३०	२२:२८	००:२७	०२:४२	०५:०२	०७:२०	०९:३६	११:५५	१४:१४	१६:१८	१८:००	१९:२८	२०:५३
३१	२२:२४	००:२३	०२:३८	०४:५८	०७:१६	०९:३२	११:५१	१४:१०	१६:१४	१७:५६	१९:२४	२०:४९

विक्रम सम्वत् २०२०-२१ की दैनिक लग्नसारिणी, नई दिल्ली में लग्नों का समाप्तिकाल (भा.स्टैं.टा.)

सितम्बर, २०२० अयनांश : २४:०८:२६

तिथि	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुम्भ	मीन
०१	२२:२०	००:१९	०२:३४	०४:५४	०७:१२	०९:२८	११:४८	१४:०६	१६:१०	१७:५२	१९:२०	२०:४५
०२	२२:१६	००:१६	०२:३०	०४:५०	०७:०८	०९:२४	११:४४	१४:०२	१६:०६	१७:४९	१९:१६	२०:४१
०३	२२:१२	००:१२	०२:२६	०४:४७	०७:०४	०९:२०	११:४०	१३:५८	१६:०२	१७:४५	१९:१२	२०:३७
०४	२२:०८	००:०८	०२:२२	०४:४३	०७:००	०९:१६	११:३६	१३:५४	१५:५८	१७:४१	१९:०८	२०:३३
०५	२२:०४	००:०४/२४:००	०२:१८	०४:३९	०६:५६	०९:१२	११:३२	१३:५०	१५:५४	१७:३७	१९:०४	२०:२९
०६	२२:००	२३:५६	०२:१४	०४:३५	०६:५२	०९:०८	११:२८	१३:४६	१५:५०	१७:३३	१९:००	२०:२५
०७	२१:५६	२३:५२	०२:१०	०४:३१	०६:४८	०९:०४	११:२४	१३:४३	१५:४७	१७:२९	१८:५६	२०:२१
०८	२१:५३	२३:४८	०२:०७	०४:२७	०६:४४	०९:०१	११:२०	१३:३९	१५:४३	१७:२५	१८:५२	२०:१७
०९	२१:४९	२३:४४	०२:०३	०४:२३	०६:४०	०८:५७	११:१६	१३:३५	१५:३९	१७:२१	१८:४८	२०:१३
१०	२१:४५	२३:४०	०१:५९	०४:१९	०६:३६	०८:५३	११:१२	१३:३१	१५:३५	१७:१७	१८:४५	२०:०९
११	२१:४१	२३:३६	०१:५५	०४:१५	०६:३२	०८:४९	११:०८	१३:२७	१५:३१	१७:१३	१८:४१	२०:०६
१२	२१:३७	२३:३२	०१:५१	०४:११	०६:२८	०८:४५	११:०४	१३:२३	१५:२७	१७:०९	१८:३७	२०:०२
१३	२१:३३	२३:२८	०१:४७	०४:०७	०६:२५	०८:४१	११:००	१३:१९	१५:२३	१७:०५	१८:३३	१९:५८
१४	२१:२९	२३:२४	०१:४३	०४:०३	०६:२१	०८:३७	१०:५६	१३:१५	१५:१९	१७:०१	१८:२९	१९:५४
१५	२१:२५	२३:२१	०१:३९	०३:५९	०६:१७	०८:३३	१०:५२	१३:११	१५:१५	१६:५७	१८:२५	१९:५०
१६	२१:२१	२३:१७	०१:३५	०३:५५	०६:१३	०८:२९	१०:४९	१३:०७	१५:११	१६:५३	१८:२१	१९:४६
१७	२१:१७	२३:१३	०१:३१	०३:५२	०६:०९	०८:२५	१०:४५	१३:०३	१५:०७	१६:५०	१८:१७	१९:४२
१८	२१:१३	२३:०९	०१:२७	०३:४८	०६:०५	०८:२१	१०:४१	१२:५९	१५:०३	१६:४६	१८:१३	१९:३८
१९	२१:०९	२३:०५	०१:२३	०३:४४	०६:०१	०८:१७	१०:३७	१२:५५	१४:५९	१६:४२	१८:०९	१९:३४
२०	२१:०५	२३:०१	०१:१९	०३:४०	०५:५७	०८:१३	१०:३३	१२:५१	१४:५५	१६:३८	१८:०५	१९:३०
२१	२१:०१	२२:५७	०१:१५	०३:३६	०५:५३	०८:०९	१०:२९	१२:४७	१४:५२	१६:३४	१८:०१	१९:२६
२२	२०:५७	२२:५३	०१:१२	०३:३२	०५:४९	०८:०५	१०:२५	१२:४४	१४:४८	१६:३०	१७:५७	१९:२२
२३	२०:५४	२२:४९	०१:०८	०३:२८	०५:४५	०८:०२	१०:२१	१२:४०	१४:४४	१६:२६	१७:५३	१९:१८
२४	२०:५०	२२:४५	०१:०४	०३:२४	०५:४१	०७:५८	१०:१७	१२:३६	१४:४०	१६:२२	१७:४९	१९:१४
२५	२०:४६	२२:४१	०१:००	०३:२०	०५:३७	०७:५४	१०:१३	१२:३२	१४:३६	१६:१८	१७:४६	१९:१०
२६	२०:४२	२२:३७	००:५६	०३:१६	०५:३३	०७:५०	१०:०९	१२:२८	१४:३२	१६:१४	१७:४२	१९:०७
२७	२०:३८	२२:३३	००:५२	०३:१२	०५:२९	०७:४६	१०:०५	१२:२४	१४:२८	१६:१०	१७:३८	१९:०३
२८	२०:३४	२२:२९	००:४८	०३:०८	०५:२६	०७:४२	१०:०१	१२:२०	१४:२४	१६:०६	१७:३४	१८:५९
२९	२०:३०	२२:२५	००:४४	०३:०४	०५:२२	०७:३८	०९:५७	१२:१६	१४:२०	१६:०२	१७:३०	१८:५५
३०	२०:२६	२२:२२	००:४०	०३:००	०५:१८	०७:३४	०९:५४	१२:१२	१४:१६	१५:५८	१७:२६	१८:५१

अक्टूबर, २०१९ अयनांश-२४:०७:४१

तिथि	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुम्भ	मीन
०१	२०:२२	२२:१८	००:३६	०२:५६	०५:१४	०७:३०	०९:५०	१२:०८	१४:१२	१५:५५	१७:२२	१८:४७
०२	२०:१८	२२:१४	००:३२	०२:५३	०५:१०	०७:२६	०९:४६	१२:०४	१४:०८	१५:५१	१७:१८	१८:४३
०३	२०:१४	२२:१०	००:२८	०२:४९	०५:०६	०७:२२	०९:४२	१२:००	१४:०४	१५:४७	१७:१४	१८:३९
०४	२०:१०	२२:०६	००:२४	०२:४५	०५:०२	०७:१८	०९:३८	११:५६	१४:००	१५:४३	१७:१०	१८:३५
०५	२०:०६	२२:०२	००:२०	०२:४१	०४:५८	०७:१४	०९:३४	११:५२	१३:५६	१५:३९	१७:०६	१८:३१
०६	२०:०२	२१:५८	००:१६	०२:३७	०४:५४	०७:१०	०९:३०	११:४९	१३:५३	१५:३५	१७:०२	१८:२७
०७	१९:५८	२१:५४	००:१३	०२:३३	०४:५०	०७:०६	०९:२६	११:४५	१३:४९	१५:३१	१६:५८	१८:२३
०८	१९:५५	२१:५०	००:०९	०२:२९	०४:४६	०७:०३	०९:२२	११:४१	१३:४५	१५:२७	१६:५४	१८:१९
०९	१९:५१	२१:४६	००:०५	०२:२५	०४:४२	०६:५९	०९:१८	११:३७	१३:४१	१५:२३	१६:५१	१८:१५
१०	१९:४७	२१:४२	००:०१/२३:५७	०२:२१	०४:३८	०६:५५	०९:१४	११:३३	१३:३७	१५:१९	१६:४७	१८:१२
११	१९:४३	२१:३८	२३:५३	०२:१७	०४:३४	०६:५१	०९:१०	११:२९	१३:३३	१५:१५	१६:४३	१८:०८
१२	१९:३९	२१:३४	२३:४९	०२:१३	०४:३१	०६:४७	०९:०६	११:२५	१३:२९	१५:११	१६:३९	१८:०४
१३	१९:३५	२१:३०	२३:४५	०२:०९	०४:२७	०६:४३	०९:०२	११:२१	१३:२५	१५:०७	१६:३५	१८:००
१४	१९:३१	२१:२६	२३:४१	०२:०५	०४:२३	०६:३९	०८:५८	११:१७	१३:२१	१५:०३	१६:३१	१७:५६
१५	१९:२७	२१:२३	२३:३७	०२:०१	०४:१९	०६:३५	०८:५५	११:१३	१३:१७	१४:५९	१६:२७	१७:५२
१६	१९:२३	२१:१९	२३:३३	०१:५७	०४:१५	०६:३१	०८:५१	११:०९	१३:१३	१४:५६	१६:२३	१७:४८
१७	१९:१९	२१:१५	२३:२९	०१:५४	०४:११	०६:२७	०८:४७	११:०५	१३:०९	१४:५२	१६:१९	१७:४४
१८	१९:१५	२१:११	२३:२५	०१:५०	०४:०७	०६:२३	०८:४३	११:०१	१३:०५	१४:४८	१६:१५	१७:४०
१९	१९:११	२१:०७	२३:२१	०१:४६	०४:०३	०६:१९	०८:३९	१०:५७	१३:०१	१४:४४	१६:११	१७:३६
२०	१९:०७	२१:०३	२३:१७	०१:४२	०३:५९	०६:१५	०८:३५	१०:५३	१२:५७	१४:४०	१६:०७	१७:३२
२१	१९:०३	२०:५९	२३:१४	०१:३८	०३:५५	०६:११	०८:३१	१०:५०	१२:५४	१४:३६	१६:०३	१७:२८
२२	१९:००	२०:५५	२३:१०	०१:३४	०३:५१	०६:०८	०८:२७	१०:४६	१२:५०	१४:३२	१५:५९	१७:२४
२३	१८:५६	२०:५१	२३:०६	०१:३०	०३:४७	०६:०४	०८:२३	१०:४२	१२:४६	१४:२८	१५:५५	१७:२०
२४	१८:५२	२०:४७	२३:०२	०१:२६	०३:४३	०६:००	०८:१९	१०:३८	१२:४२	१४:२४	१५:५२	१७:१६
२५	१८:४८	२०:४३	२२:५८	०१:२२	०३:३९	०५:५६	०८:१५	१०:३४	१२:३८	१४:२०	१५:४८	१७:१३
२६	१८:४४	२०:३९	२२:५४	०१:१८	०३:३५	०५:५२	०८:११	१०:३०	१२:३४	१४:१६	१५:४४	१७:०९
२७	१८:४०	२०:३५	२२:५०	०१:१४	०३:३२	०५:४८	०८:०७	१०:२६	१२:३०	१४:१२	१५:४०	१७:०५
२८	१८:३६	२०:३१	२२:४६	०१:१०	०३:२८	०५:४४	०८:०३	१०:२२	१२:२६	१४:०८	१५:३६	१७:०१
२९	१८:३२	२०:२८	२२:४२	०१:०६	०३:२४	०५:४०	०७:५९	१०:१८	१२:२२	१४:०४	१५:३२	१६:५७
३०	१८:२८	२०:२४	२२:३८	०१:०२	०३:२०	०५:३६	०७:५६	१०:१४	१२:१८	१४:००	१५:२८	१६:५३
३१	१८:२४	२०:२०	२२:३४	००:५९	०३:१६	०५:३२	०७:५२	१०:१०	१२:१४	१३:५७	१५:२४	१६:४९

विक्रम सम्वत् २०२०-२१ की दैनिक लग्नसारिणी, नई दिल्ली में लग्नों का समाप्तिकाल (भा.स्टैं.टा.)

नवम्बर, २०२० अयनांश : २४:०८:३४

तिथि	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुम्भ	मीन
०१	१८:२०	२०:१६	२२:३०	००:५५	०३:१२	०५:२८	०७:४८	१०:०६	१२:१०	१३:५३	१५:२०	१६:४५
०२	१८:१६	२०:१२	२२:२६	००:५१	०३:०८	०५:२४	०७:४४	१०:०२	१२:०६	१३:४६	१५:१६	१६:४१
०३	१८:१२	२०:०८	२२:२२	००:४७	०३:०४	०५:२०	०७:४०	०९:५८	१२:०२	१३:४५	१५:१२	१६:३७
०४	१८:०८	२०:०४	२२:१९	००:४३	०३:००	०५:१६	०७:३६	०९:५४	११:५९	१३:४१	१५:०८	१६:३३
०५	१८:०४	२०:००	२२:१५	००:३९	०२:५६	०५:१२	०७:३२	०९:५१	११:५५	१३:३७	१५:०४	१६:२९
०६	१८:०१	१९:५६	२२:११	००:३५	०२:५२	०५:०९	०७:२८	०९:४७	११:५१	१३:३३	१५:००	१६:२५
०७	१७:५७	१९:५२	२२:०७	००:३१	०२:४८	०५:०५	०७:२४	०९:४३	११:४७	१३:२९	१४:५६	१६:२१
०८	१७:५३	१९:४८	२२:०३	००:२७	०२:४४	०५:०१	०७:२०	०९:३९	११:४३	१३:२५	१४:५३	१६:१७
०९	१७:४९	१९:४४	२१:५९	००:२३	०२:४०	०४:५७	०७:१६	०९:३५	११:३९	१३:२१	१४:४९	१६:१४
१०	१७:४५	१९:४०	२१:५५	००:१९	०२:३६	०४:५३	०७:१२	०९:३१	११:३५	१३:१७	१४:४५	१६:१०
११	१७:४१	१९:३६	२१:५१	००:१५	०२:३३	०४:४९	०७:०८	०९:२७	११:३१	१३:१३	१४:४१	१६:०६
१२	१७:३७	१९:३२	२१:४७	००:११	०२:२९	०४:४५	०७:०४	०९:२३	११:२७	१३:०९	१४:३७	१६:०२
१३	१७:३३	१९:२९	२१:४३	००:०७	०२:२५	०४:४१	०७:०१	०९:१९	११:२३	१३:०५	१४:३३	१५:५८
१४	१७:२९	१९:२५	२१:३९	००:०३/२४:००	०२:२१	०४:३७	०६:५७	०९:१५	११:१९	१३:०२	१४:२९	१५:५४
१५	१७:२५	१९:२१	२१:३५	२३:५६	०२:१७	०४:३३	०६:५३	०९:११	११:१५	१२:५८	१४:२५	१५:५०
१६	१७:२१	१९:१७	२१:३१	२३:५२	०२:१३	०४:२९	०६:४९	०९:०७	११:११	१२:५४	१४:२१	१५:४६
१७	१७:१७	१९:१३	२१:२७	२३:४८	०२:०९	०४:२५	०६:४५	०९:०३	११:०७	१२:५०	१४:१७	१५:४२
१८	१७:१३	१९:०९	२१:२३	२३:४४	०२:०५	०४:२१	०६:४१	०८:५९	११:०३	१२:४६	१४:१३	१५:३८
१९	१७:०९	१९:०५	२१:२०	२३:४०	०२:०१	०४:१७	०६:३७	०८:५६	११:००	१२:४२	१४:०९	१५:३४
२०	१७:०५	१९:०१	२१:१६	२३:३६	०१:५७	०४:१३	०६:३३	०८:५२	१०:५६	१२:३८	१४:०५	१५:३०
२१	१७:०२	१८:५७	२१:१२	२३:३२	०१:५३	०४:१०	०६:२९	०८:४८	१०:५२	१२:३४	१४:०१	१५:२६
२२	१६:५८	१८:५३	२१:०८	२३:२८	०१:४९	०४:०६	०६:२५	०८:४४	१०:४८	१२:३०	१३:५८	१५:२२
२३	१६:५४	१८:४९	२१:०४	२३:२४	०१:४५	०४:०२	०६:२१	०८:४०	१०:४४	१२:२६	१३:५४	१५:१९
२४	१६:५०	१८:४५	२१:००	२३:२०	०१:४१	०३:५८	०६:१७	०८:३६	१०:४०	१२:२२	१३:५०	१५:१५
२५	१६:४६	१८:४१	२०:५६	२३:१६	०१:३८	०३:५४	०६:१३	०८:३२	१०:३६	१२:१८	१३:४६	१५:११
२६	१६:४२	१८:३७	२०:५२	२३:१२	०१:३४	०३:५०	०६:०९	०८:२८	१०:३२	१२:१४	१३:४२	१५:०७
२७	१६:३८	१८:३३	२०:४८	२३:०८	०१:३०	०३:४६	०६:०५	०८:२४	१०:२८	१२:१०	१३:३८	१५:०३
२८	१६:३४	१८:३०	२०:४४	२३:०४	०१:२६	०३:४२	०६:०२	०८:२०	१०:२४	१२:०६	१३:३४	१४:५९
२९	१६:३०	१८:२६	२०:४०	२३:०१	०१:२२	०३:३८	०५:५८	०८:१६	१०:२०	१२:०३	१३:३०	१४:५५
३०	१६:२६	१८:२२	२०:३६	२२:५७	०१:१८	०३:३४	०५:५४	०८:१२	१०:१६	११:५९	१३:२६	१४:५१

दिसम्बर, २०२० अयनांश : २४:०८:३६

तिथि	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुम्भ	मीन
०१	१६:२२	१८:१८	२०:३२	२२:५३	०१:१४	०३:३०	०५:५०	०८:०८	१०:१२	११:५५	१३:२२	१४:४७
०२	१६:१८	१८:१४	२०:२८	२२:४९	०१:१०	०३:२६	०५:४६	०८:०४	१०:०८	११:५१	१३:१८	१४:४३
०३	१६:१४	१८:१०	२०:२४	२२:४५	०१:०६	०३:२२	०५:४२	०८:००	१०:०४	११:४७	१३:१४	१४:३९
०४	१६:१०	१८:०६	२०:२१	२२:४१	०१:०२	०३:१८	०५:३८	०७:५७	१०:०१	११:४३	१३:१०	१४:३५
०५	१६:०७	१८:०२	२०:१७	२२:३७	००:५८	०३:१५	०५:३४	०७:५३	०९:५७	११:३९	१३:०६	१४:३१
०६	१६:०३	१७:५८	२०:१३	२२:३३	००:५४	०३:११	०५:३०	०७:४९	०९:५३	११:३५	१३:०२	१४:२७
०७	१५:५९	१७:५४	२०:०९	२२:२९	००:५०	०३:०७	०५:२६	०७:४५	०९:४९	११:३१	१२:५९	१४:२३
०८	१५:५५	१७:५०	२०:०५	२२:२५	००:४६	०३:०३	०५:२२	०७:४१	०९:४५	११:२७	१२:५५	१४:२०
०९	१५:५१	१७:४६	२०:०१	२२:२१	००:४२	०२:५९	०५:१८	०७:३७	०९:४१	११:२३	१२:५१	१४:१६
१०	१५:४७	१७:४२	१९:५७	२२:१७	००:३९	०२:५५	०५:१४	०७:३३	०९:३७	११:१९	१२:४७	१४:१२
११	१५:४३	१७:३८	१९:५३	२२:१३	००:३५	०२:५१	०५:१०	०७:२९	०९:३३	११:१५	१२:४३	१४:०८
१२	१५:३९	१७:३५	१९:४९	२२:०९	००:३१	०२:४७	०५:०६	०७:२५	०९:२९	११:११	१२:३९	१४:०४
१३	१५:३५	१७:३१	१९:४५	२२:०६	००:२७	०२:४३	०५:०३	०७:२१	०९:२५	११:०७	१२:३५	१४:००
१४	१५:३१	१७:२७	१९:४१	२२:०२	००:२३	०२:३९	०४:५९	०७:१७	०९:२१	११:०४	१२:३१	१३:५६
१५	१५:२७	१७:२३	१९:३७	२१:५८	००:१९	०२:३५	०४:५५	०७:१३	०९:१७	११:००	१२:२७	१३:५२
१६	१५:२३	१७:१९	१९:३३	२१:५४	००:१५	०२:३१	०४:५१	०७:०९	०९:१३	१०:५६	१२:२३	१३:४८
१७	१५:१९	१७:१५	१९:२९	२१:५०	००:११	०२:२७	०४:४७	०७:०५	०९:०९	१०:५२	१२:१९	१३:४४
१८	१५:१५	१७:११	१९:२६	२१:४६	००:०७	०२:२३	०४:४३	०७:०१	०९:०६	१०:४८	१२:१५	१३:४०
१९	१५:११	१७:०७	१९:२२	२१:४२	००:०३/२३:५	०२:१९	०४:३९	०६:५८	०९:०२	१०:४४	१२:११	१३:३६
२०	१५:०८	१७:०३	१९:१८	२१:३८	२३:५५	०२:१६	०४:३५	०६:५४	०८:५८	१०:४०	१२:०७	१३:३२
२१	१५:०४	१६:५९	१९:१४	२१:३४	२३:५१	०२:१२	०४:३१	०६:५०	०८:५४	१०:३६	१२:०३	१३:२८
२२	१५:००	१६:५५	१९:१०	२१:३०	२३:४७	०२:०८	०४:२७	०६:४६	०८:५०	१०:३२	१२:००	१३:२४
२३	१४:५६	१६:५१	१९:०६	२१:२६	२३:४३	०२:०४	०४:२३	०६:४२	०८:४६	१०:२८	११:५६	१३:२१
२४	१४:५२	१६:४७	१९:०२	२१:२२	२३:४०	०२:००	०४:१९	०६:३८	०८:४२	१०:२४	११:५२	१३:१७
२५	१४:४८	१६:४३	१८:५८	२१:१८	२३:३६	०१:५६	०४:१५	०६:३४	०८:३८	१०:२०	११:४८	१३:१३
२६	१४:४४	१६:३९	१८:५४	२१:१४	२३:३२	०१:५२	०४:११	०६:३०	०८:३४	१०:१६	११:४४	१३:०९
२७	१४:४०	१६:३६	१८:५०	२१:१०	२३:२८	०१:४८	०४:०८	०६:२६	०८:३०	१०:१२	११:४०	१३:०५
२८	१४:३६	१६:३२	१८:४६	२१:०७	२३:२४	०१:४४	०४:०४	०६:२२	०८:२६	१०:०९	११:३६	१३:०१
२९	१४:३२	१६:२८	१८:४२	२१:०३	२३:२०	०१:४०	०४:००	०६:१८	०८:२२	१०:०५	११:३२	१२:५७
३०	१४:२८	१६:२४	१८:३८	२०:५९	२३:१६	०१:३६	०३:५६	०६:१४	०८:१८	१०:०१	११:२८	१२:५३
३१	१४:२४	१६:२०	१८:३४	२०:५५	२३:१२	०१:३२	०३:५२	०६:१०	०८:१४	०९:५७	११:२४	१२:४९

विक्रम सम्वत् २०२०-२१ की दैनिक लग्नसारिणी, नई दिल्ली में लग्नों का समाप्तिकाल (भा.स्टैं.टा.)

जनवरी, २०२१ अयनांश : २४:०८:४५

तिथि	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुम्भ	मीन
०१	१४:२०	१६:१६	१८:३१	२०:५१	२३:०८	०१:२८	०३:४८	०६:०७	०८:११	०९:५३	११:२०	१२:४५
०२	१४:१६	१६:१२	१८:२७	२०:४७	२३:०४	०१:२४	०३:४४	०६:०३	०८:०७	०९:४९	११:१६	१२:४१
०३	१४:१३	१६:०८	१८:२३	२०:४३	२३:००	०१:२१	०३:४०	०५:५९	०८:०३	०९:४५	११:१२	१२:३७
०४	१४:०९	१६:०४	१८:१९	२०:३९	२२:५६	०१:१७	०३:३६	०५:५५	०७:५९	०९:४१	११:०८	१२:३३
०५	१४:०५	१६:००	१८:१५	२०:३५	२२:५२	०१:१३	०३:३२	०५:५१	०७:५५	०९:३७	११:०५	१२:२९
०६	१४:०१	१५:५६	१८:११	२०:३१	२२:४९	०१:०९	०३:२८	०५:४७	०७:५१	०९:३३	११:०१	१२:२६
०७	१३:५७	१५:५२	१८:०७	२०:२७	२२:४५	०१:०५	०३:२४	०५:४३	०७:४७	०९:२९	१०:५७	१२:२२
०८	१३:५३	१५:४८	१८:०३	२०:२३	२२:४१	०१:०१	०३:२०	०५:३९	०७:४३	०९:२५	१०:५३	१२:१८
०९	१३:४९	१५:४४	१७:५९	२०:१९	२२:३७	००:५७	०३:१६	०५:३५	०७:३९	०९:२१	१०:४९	१२:१४
१०	१३:४५	१५:४१	१७:५५	२०:१५	२२:३३	००:५३	०३:१३	०५:३१	०७:३५	०९:१७	१०:४५	१२:१०
११	१३:४१	१५:३७	१७:५१	२०:१२	२२:२९	००:४९	०३:०९	०५:२७	०७:३१	०९:१४	१०:४१	१२:०६
१२	१३:३७	१५:३३	१७:४७	२०:०८	२२:२५	००:४५	०३:०५	०५:२३	०७:२७	०९:१०	१०:३७	१२:०२
१३	१३:३३	१५:२९	१७:४३	२०:०४	२२:२१	००:४१	०३:०१	०५:१९	०७:२३	०९:०६	१०:३३	११:५८
१४	१३:२९	१५:२५	१७:३९	२०:००	२२:१७	००:३७	०२:५७	०५:१५	०७:१९	०९:०२	१०:२९	११:५४
१५	१३:२५	१५:२१	१७:३५	१९:५६	२२:१३	००:३३	०२:५३	०५:११	०७:१५	०८:५८	१०:२५	११:५०
१६	१३:२१	१५:१७	१७:३२	१९:५२	२२:०९	००:२९	०२:४९	०५:०८	०७:१२	०८:५४	१०:२१	११:४६
१७	१३:१७	१५:१३	१७:२८	१९:४८	२२:०५	००:२६	०२:४५	०५:०४	०७:०८	०८:५०	१०:१७	११:४२
१८	१३:१४	१५:०९	१७:२४	१९:४४	२२:०१	००:२२	०२:४१	०५:००	०७:०४	०८:४६	१०:१३	११:३८
१९	१३:१०	१५:०५	१७:२०	१९:४०	२१:५७	००:१८	०२:३७	०४:५६	०७:००	०८:४२	१०:१०	११:३४
२०	१३:०६	१५:०१	१७:१६	१९:३६	२१:५३	००:१४	०२:३३	०४:५२	०६:५६	०८:३८	१०:०६	११:३१
२१	१३:०२	१४:५७	१७:१२	१९:३२	२१:५०	००:१०	०२:२९	०४:४८	०६:५२	०८:३४	१०:०२	११:२७
२२	१२:५८	१४:५३	१७:०८	१९:२८	२१:४६	००:०६	०२:२५	०४:४४	०६:४८	०८:३०	०९:५८	११:२३
२३	१२:५४	१४:४९	१७:०४	१९:२४	२१:४२	००:०२/२३:५८	०२:२१	०४:४०	०६:४४	०८:२६	०९:५४	११:१९
२४	१२:५०	१४:४५	१७:००	१९:२०	२१:३८	२३:५४	०२:१७	०४:३६	०६:४०	०८:२२	०९:५०	११:१५
२५	१२:४६	१४:४२	१६:५६	१९:१७	२१:३४	२३:५०	०२:१४	०४:३२	०६:३६	०८:१८	०९:४६	११:११
२६	१२:४२	१४:३८	१६:५२	१९:१३	२१:३०	२३:४६	०२:१०	०४:२८	०६:३२	०८:१५	०९:४२	११:०७
२७	१२:३८	१४:३४	१६:४८	१९:०९	२१:२६	२३:४२	०२:०६	०४:२४	०६:२८	०८:११	०९:३८	११:०३
२८	१२:३४	१४:३०	१६:४४	१९:०५	२१:२२	२३:३८	०२:०२	०४:२०	०६:२४	०८:०७	०९:३४	१०:५९
२९	१२:३०	१४:२६	१६:४०	१९:०१	२१:१८	२३:३४	०१:५८	०४:१६	०६:२०	०८:०३	०९:३०	१०:५५
३०	१२:२६	१४:२२	१६:३७	१८:५७	२१:१४	२३:३०	०१:५४	०४:१२	०६:१६	०७:५९	०९:२६	१०:५१
३१	१२:२२	१४:१८	१६:३३	१८:५३	२१:१०	२३:२७	०१:५०	०४:०९	०६:१३	०७:५५	०९:२२	१०:४७

फरवरी, २०२१ अयनांश : २४:०८:५१

तिथि	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुम्भ	मीन
०१	१२:१९	१४:१४	१६:२९	१८:४९	२१:०६	२३:२३	०१:४६	०४:०५	०६:०९	०७:५१	०९:१८	१०:४३
०२	१२:१५	१४:१०	१६:२५	१८:४५	२१:०२	२३:१९	०१:४२	०४:०१	०६:०५	०७:४७	०९:१४	१०:३९
०३	१२:११	१४:०६	१६:२१	१८:४१	२०:५८	२३:१५	०१:३८	०३:५७	०६:०१	०७:४३	०९:११	१०:३५
०४	१२:०७	१४:०२	१६:१७	१८:३७	२०:५४	२३:११	०१:३४	०३:५३	०५:५७	०७:३९	०९:०७	१०:३२
०५	१२:०३	१३:५८	१६:१३	१८:३३	२०:५१	२३:०७	०१:३०	०३:४९	०५:५३	०७:३५	०९:०३	१०:२८
०६	११:५९	१३:५४	१६:०९	१८:२९	२०:४७	२३:०३	०१:२६	०३:४५	०५:४९	०७:३१	०८:५९	१०:२४
०७	११:५५	१३:५०	१६:०५	१८:२५	२०:४३	२२:५९	०१:२२	०३:४१	०५:४५	०७:२७	०८:५५	१०:२०
०८	११:५१	१३:४७	१६:०१	१८:२१	२०:३९	२२:५५	०१:१९	०३:३७	०५:४१	०७:२३	०८:५१	१०:१६
०९	११:४७	१३:४३	१५:५७	१८:१८	२०:३५	२२:५१	०१:१५	०३:३३	०५:३७	०७:१९	०८:४७	१०:१२
१०	११:४३	१३:३९	१५:५३	१८:१४	२०:३१	२२:४७	०१:११	०३:२९	०५:३३	०७:१६	०८:४३	१०:०८
११	११:३९	१३:३५	१५:४९	१८:१०	२०:२७	२२:४३	०१:०७	०३:२५	०५:२९	०७:१२	०८:३९	१०:०४
१२	११:३५	१३:३१	१५:४५	१८:०६	२०:२३	२२:३९	०१:०३	०३:२१	०५:२५	०७:०८	०८:३५	१०:००
१३	११:३१	१३:२७	१५:४१	१८:०२	२०:१९	२२:३५	००:५९	०३:१७	०५:२१	०७:०४	०८:३१	०९:५६
१४	११:२७	१३:२३	१५:३८	१७:५८	२०:१५	२२:३१	००:५५	०३:१४	०५:१८	०७:००	०८:२७	०९:५२
१५	११:२३	१३:१९	१५:३४	१७:५४	२०:११	२२:२८	००:५१	०३:१०	०५:१४	०६:५६	०८:२३	०९:४८
१६	११:२०	१३:१५	१५:३०	१७:५०	२०:०७	२२:२४	००:४७	०३:०६	०५:१०	०६:५२	०८:१९	०९:४४
१७	११:१६	१३:११	१५:२६	१७:४६	२०:०३	२२:२०	००:४३	०३:०२	०५:०६	०६:४८	०८:१५	०९:४०
१८	११:१२	१३:०७	१५:२२	१७:४२	१९:५९	२२:१६	००:३९	०२:५८	०५:०२	०६:४४	०८:१२	०९:३६
१९	११:०८	१३:०३	१५:१८	१७:३८	१९:५६	२२:१२	००:३५	०२:५४	०४:५८	०६:४०	०८:०८	०९:३३
२०	११:०४	१२:५९	१५:१४	१७:३४	१९:५२	२२:०८	००:३१	०२:५०	०४:५४	०६:३६	०८:०४	०९:२९
२१	११:००	१२:५५	१५:१०	१७:३०	१९:४८	२२:०४	००:२७	०२:४६	०४:५०	०६:३२	०८:००	०९:२५
२२	१०:५६	१२:५१	१५:०६	१७:२६	१९:४४	२२:००	००:२३	०२:४२	०४:४६	०६:२८	०७:५६	०९:२१
२३	१०:५२	१२:४८	१५:०२	१७:२२	१९:४०	२१:५६	००:२०	०२:३८	०४:४२	०६:२४	०७:५२	०९:१७
२४	१०:४८	१२:४४	१४:५८	१७:१९	१९:३६	२१:५२	००:१६	०२:३४	०४:३८	०६:२१	०७:४८	०९:१३
२५	१०:४४	१२:४०	१४:५४	१७:१५	१९:३२	२१:४८	००:१२	०२:३०	०४:३४	०६:१७	०७:४४	०९:०९
२६	१०:४०	१२:३६	१४:५०	१७:११	१९:२८	२१:४४	००:०८	०२:२६	०४:३०	०६:१३	०७:४०	०९:०५
२७	१०:३६	१२:३२	१४:४६	१७:०७	१९:२४	२१:४०	००:०४/२४:००	०२:२२	०४:२६	०६:०९	०७:३६	०९:०१
२८	१०:३२	१२:२८	१४:४२	१७:०३	१९:२०	२१:३६	२३:५६	०२:१८	०४:२२	०६:०५	०७:३२	०८:५७

विक्रम सम्वत् २०२०-२१ की दैनिक लग्नसारिणी, नई दिल्ली में लग्नों का समाप्तिकाल (भा.स्टैं.टा.)

मार्च, २०२१ अयनांश : २४:०८:५४

तिथि	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुम्भ	मीन
०१	१०:२८	१२:२४	१४:३९	१६:५९	१९:१६	२१:३३	२३:५२	०२:१५	०४:१९	०६:०१	०७:२८	०८:५३
०२	१०:२४	१२:२०	१४:३५	१६:५५	१९:१२	२१:२९	२३:४८	०२:११	०४:१५	०५:५७	०७:२४	०८:४९
०३	१०:२१	१२:१६	१४:३१	१६:५१	१९:०८	२१:२५	२३:४४	०२:०७	०४:११	०५:५३	०७:२०	०८:४५
०४	१०:१७	१२:१२	१४:२७	१६:४७	१९:०४	२१:२१	२३:४०	०२:०३	०४:०७	०५:४९	०७:१७	०८:४१
०५	१०:१३	१२:०८	१४:२३	१६:४३	१९:००	२१:१७	२३:३६	०१:५९	०४:०३	०५:४५	०७:१३	०८:३८
०६	१०:०९	१२:०४	१४:१९	१६:३९	१८:५७	२१:१३	२३:३२	०१:५५	०३:५९	०५:४१	०७:०९	०८:३४
०७	१०:०५	१२:००	१४:१५	१६:३५	१८:५३	२१:०९	२३:२८	०१:५१	०३:५५	०५:३७	०७:०५	०८:३०
०८	१०:०१	११:५६	१४:११	१६:३१	१८:४९	२१:०५	२३:२४	०१:४७	०३:५१	०५:३३	०७:०१	०८:२६
०९	०९:५७	११:५२	१४:०७	१६:२७	१८:४५	२१:०१	२३:२१	०१:४३	०३:४७	०५:२९	०६:५७	०८:२२
१०	०९:५३	११:४९	१४:०३	१६:२४	१८:४१	२०:५७	२३:१७	०१:३९	०३:४३	०५:२५	०६:५३	०८:१८
११	०९:४९	११:४५	१३:५९	१६:२०	१८:३७	२०:५३	२३:१३	०१:३५	०३:३९	०५:२२	०६:४९	०८:१४
१२	०९:४५	११:४१	१३:५५	१६:१६	१८:३३	२०:४९	२३:०९	०१:३१	०३:३५	०५:१८	०६:४५	०८:१०
१३	०९:४१	११:३७	१३:५१	१६:१२	१८:२९	२०:४५	२३:०५	०१:२७	०३:३१	०५:१४	०६:४१	०८:०६
१४	०९:३७	११:३३	१३:४७	१६:०८	१८:२५	२०:४१	२३:०१	०१:२३	०३:२७	०५:१०	०६:३७	०८:०२
१५	०९:३३	११:२९	१३:४४	१६:०४	१८:२१	२०:३७	२२:५७	०१:१९	०३:२३	०५:०६	०६:३३	०७:५८
१६	०९:२९	११:२५	१३:४०	१६:००	१८:१७	२०:३४	२२:५३	०१:१६	०३:२०	०५:०२	०६:२९	०७:५४
१७	०९:२६	११:२१	१३:३६	१५:५६	१८:१३	२०:३०	२२:४९	०१:१२	०३:१६	०४:५८	०६:२५	०७:५०
१८	०९:२२	११:१७	१३:३२	१५:५२	१८:०९	२०:२६	२२:४५	०१:०८	०३:१२	०४:५४	०६:२१	०७:४६
१९	०९:१८	११:१३	१३:२८	१५:४८	१८:०५	२०:२२	२२:४१	०१:०४	०३:०८	०४:५०	०६:१८	०७:४२
२०	०९:१४	११:०९	१३:२४	१५:४४	१८:०१	२०:१८	२२:३७	०१:००	०३:०४	०४:४६	०६:१४	०७:३९
२१	०९:१०	११:०५	१३:२०	१५:४०	१७:५८	२०:१४	२२:३३	००:५६	०३:००	०४:४२	०६:१०	०७:३५
२२	०९:०६	११:०१	१३:१६	१५:३६	१७:५४	२०:१०	२२:२९	००:५२	०२:५६	०४:३८	०६:०६	०७:३१
२३	०९:०२	१०:५७	१३:१२	१५:३२	१७:५०	२०:०६	२२:२६	००:४८	०२:५२	०४:३४	०६:०२	०७:२७
२४	०८:५८	१०:५४	१३:०८	१५:२८	१७:४६	२०:०२	२२:२२	००:४४	०२:४८	०४:३०	०५:५८	०७:२३
२५	०८:५४	१०:५०	१३:०४	१५:२५	१७:४२	१९:५८	२२:१८	००:४०	०२:४४	०४:२६	०५:५४	०७:१९
२६	०८:५०	१०:४६	१३:००	१५:२१	१७:३८	१९:५४	२२:१४	००:३६	०२:४०	०४:२३	०५:५०	०७:१५
२७	०८:४६	१०:४२	१२:५६	१५:१७	१७:३४	१९:५०	२२:१०	००:३२	०२:३६	०४:१९	०५:४६	०७:११
२८	०८:४२	१०:३८	१२:५२	१५:१३	१७:३०	१९:४६	२२:०६	००:२८	०२:३२	०४:१५	०५:४२	०७:०७
२९	०८:३८	१०:३४	१२:४८	१५:०९	१७:२६	१९:४२	२२:०२	००:२४	०२:२८	०४:११	०५:३८	०७:०३
३०	०८:३४	१०:३०	१२:४५	१५:०५	१७:२२	१९:३८	२१:५८	००:२१	०२:२५	०४:०७	०५:३४	०६:५९
३१	०८:३०	१०:२६	१२:४१	१५:०१	१७:१८	१९:३५	२१:५४	००:१७	०२:२१	०४:०३	०५:३०	०६:५५

अप्रैल, २०२१ अयनांश : २४रू०८रू५७

तिथि	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुम्भ	मीन
०१	०८:२७	१०:२२	१२:३७	१४:५७	१७:१४	१९:३१	२१:५०	००:१३	०२:१७	०३:५९	०५:२६	०६:५१
०२	०८:२३	१०:१८	१२:३३	१४:५३	१७:१०	१९:२७	२१:४६	००:०९	०२:१३	०३:५५	०५:२२	०६:४७
०३	०८:१९	१०:१४	१२:२९	१४:४९	१७:०६	१९:२३	२१:४२	००:०५	०२:०९	०३:५१	०५:१९	०६:४३
०४	०८:१५	१०:१०	१२:२५	१४:४५	१७:०३	१९:१९	२१:३८	००:०१/२३:५७	०२:०५	०३:४७	०५:१५	०६:४०
०५	०८:११	१०:०६	१२:२१	१४:४१	१६:५९	१९:१५	२१:३४	२३:५३	०२:०१	०३:४३	०५:११	०६:३६
०६	०८:०७	१०:०२	१२:१७	१४:३७	१६:५५	१९:११	२१:३०	२३:४९	०१:५७	०३:३९	०५:०७	०६:३२
०७	०८:०३	०९:५८	१२:१३	१४:३३	१६:५१	१९:०७	२१:२७	२३:४५	०१:५३	०३:३५	०५:०३	०६:२८
०८	०७:५९	०९:५५	१२:०९	१४:२९	१६:४७	१९:०३	२१:२३	२३:४१	०१:४९	०३:३१	०४:५९	०६:२४
०९	०७:५५	०९:५१	१२:०५	१४:२६	१६:४३	१८:५९	२१:१९	२३:३७	०१:४५	०३:२८	०४:५५	०६:२०
१०	०७:५१	०९:४७	१२:०१	१४:२२	१६:३९	१८:५५	२१:१५	२३:३३	०१:४१	०३:२४	०४:५१	०६:१६
११	०७:४७	०९:४३	११:५७	१४:१८	१६:३५	१८:५१	२१:११	२३:२९	०१:३७	०३:२०	०४:४७	०६:१२
१२	०७:४३	०९:३९	११:५३	१४:१४	१६:३१	१८:४७	२१:०७	२३:२५	०१:३३	०३:१६	०४:४३	०६:०८
१३	०७:३९	०९:३५	११:४९	१४:१०	१६:२७	१८:४३	२१:०३	२३:२२	०१:२९	०३:१२	०४:३९	०६:०४
१४	०७:३५	०९:३१	११:४६	१४:०६	१६:२३	१८:४०	२०:५९	२३:१८	०१:२६	०३:०८	०४:३५	०६:००
१५	०७:३१	०९:२७	११:४२	१४:०२	१६:१९	१८:३६	२०:५५	२३:१४	०१:२२	०३:०४	०४:३१	०५:५६
१६	०७:२८	०९:२३	११:३८	१३:५८	१६:१५	१८:३२	२०:५१	२३:१०	०१:१८	०३:००	०४:२७	०५:५२
१७	०७:२४	०९:१९	११:३४	१३:५४	१६:११	१८:२८	२०:४७	२३:०६	०१:१४	०२:५६	०४:२४	०५:४८
१८	०७:२०	०९:१५	११:३०	१३:५०	१६:०७	१८:२४	२०:४३	२३:०२	०१:१०	०२:५२	०४:२०	०५:४५
१९	०७:१६	०९:११	११:२६	१३:४६	१६:०४	१८:२०	२०:३९	२२:५८	०१:०६	०२:४८	०४:१६	०५:४१
२०	०७:१२	०९:०७	११:२२	१३:४२	१६:००	१८:१६	२०:३५	२२:५४	०१:०२	०२:४४	०४:१२	०५:३७
२१	०७:०८	०९:०३	११:१८	१३:३८	१५:५६	१८:१२	२०:३१	२२:५०	००:५८	०२:४०	०४:०८	०५:३३
२२	०७:०४	०८:५९	११:१४	१३:३४	१५:५२	१८:०८	२०:२८	२२:४६	००:५४	०२:३६	०४:०४	०५:२९
२३	०७:००	०८:५६	११:१०	१३:३१	१५:४८	१८:०४	२०:२४	२२:४२	००:५०	०२:३२	०४:००	०५:२५
२४	०६:५६	०८:५२	११:०६	१३:२७	१५:४४	१८:००	२०:२०	२२:३८	००:४६	०२:२९	०३:५६	०५:२१
२५	०६:५२	०८:४८	११:०२	१३:२३	१५:४०	१७:५६	२०:१६	२२:३४	००:४२	०२:२५	०३:५२	०५:१७
२६	०६:४८	०८:४४	१०:५८	१३:१९	१५:३६	१७:५२	२०:१२	२२:३०	००:३८	०२:२१	०३:४८	०५:१३
२७	०६:४४	०८:४०	१०:५४	१३:१५	१५:३२	१७:४८	२०:०८	२२:२६	००:३४	०२:१७	०३:४४	०५:०९
२८	०६:४०	०८:३६	१०:५१	१३:११	१५:२८	१७:४४	२०:०४	२२:२३	००:३०	०२:१३	०३:४०	०५:०५
२९	०६:३६	०८:३२	१०:४७	१३:०७	१५:२४	१७:४१	२०:००	२२:१९	००:२७	०२:०९	०३:३६	०५:०१
३०	०६:३३	०८:२८	१०:४३	१३:०३	१५:२०	१७:३७	१९:५६	२२:१५	००:२३	०२:०५	०३:३२	०४:५७

ॐ षड्वर्ग-चक्र ॐ

	अंश	२	३	४	५	६	७	८	१०	१२	१२	१२	१३	१५	१६	१७	१७	१८	२०	२१	२३	२३	२५	२५	२६	२७	३०
	कला	३०	३०	१७	०	४०	३०	३४	०	०	३०	५१	२०	०	४०	८	३०	०	०	२५	३०	२०	०	४२	४०	३०	०
	विफला	०	०	८	०	०	०	१७	०	०	०	२५	०	०	०	३४	०	०	०	४२	०	०	०	५१	०	०	०
मेष	हो.	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४
	द्रे.	१	१	१	१	१	१	१	१	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	९	९	९	९	९	९	९	९
	स.	१	१	१	२	२	२	२	३	३	३	३	४	४	४	४	५	५	५	५	६	६	६	६	७	७	७
	न.	१	१	२	२	२	३	३	३	४	४	४	४	५	५	६	६	६	६	७	७	७	८	८	८	९	९
	द्वा.	१	२	२	२	३	३	४	४	५	५	६	६	६	७	७	७	८	८	९	९	१०	१०	११	११	११	१२
	त्रिं.	१	१	१	१	११	११	११	११	९	९	९	९	९	९	९	९	९	३	३	३	३	३	७	७	७	७
वृष	हो.	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५
	द्रे.	२	२	२	२	२	२	२	२	६	६	६	६	६	६	६	६	६	६	१०	१०	१०	१०	१०	१०	१०	१०
	स.	८	८	८	९	९	९	९	१०	१०	१०	१०	११	११	११	११	१२	१२	१२	१२	१	१	१	१	२	२	२
	न.	१०	१०	११	११	११	१२	१२	१२	१	१	१	१	२	२	३	३	३	३	४	४	४	५	५	५	६	६
	द्वा.	२	३	३	३	४	४	५	५	६	६	७	७	७	८	८	८	९	९	१०	१०	११	११	१२	१२	१२	१
	त्रिं.	२	२	२	२	६	६	६	६	६	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१०	१०	१०	१०	८	८	८	८
मि.	हो.	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४
	द्रे.	३	३	३	३	३	३	३	३	७	७	७	७	७	७	७	७	७	७	११	११	११	११	११	११	११	११
	स.	३	३	३	४	४	४	४	५	५	५	५	६	६	६	६	७	७	७	७	८	८	८	८	९	९	९
	न.	७	७	८	८	८	९	९	९	१०	१०	१०	१०	११	११	१२	१२	१२	१२	१	१	१	२	२	२	३	३
	द्वा.	३	४	४	४	५	५	६	६	७	७	८	८	८	९	९	९	१०	१०	११	११	१२	१२	१	१	१	२
	त्रिं.	१	१	१	१	११	११	११	११	९	९	९	९	९	९	९	९	९	३	३	३	३	३	७	७	७	७
क.	हो.	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५
	द्रे.	४	४	४	४	४	४	४	४	८	८	८	८	८	८	८	८	८	८	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२
	स.	१०	१०	१०	११	११	११	११	१२	१२	१२	१२	१	१	१	१	२	२	२	२	३	३	३	३	४	४	४
	न.	४	४	५	५	५	६	६	६	७	७	७	७	८	८	९	९	९	९	१०	१०	१०	११	११	११	१२	१२
	द्वा.	४	५	५	५	६	६	७	७	८	८	९	९	९	१०	१०	१०	११	११	१२	१२	१	१	२	२	२	३
	त्रिं.	२	२	२	२	६	६	६	६	६	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१०	१०	१०	१०	८	८	८	८
सिं.	हो.	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४
	द्रे.	५	५	५	५	५	५	५	५	९	९	९	९	९	९	९	९	९	९	१	१	१	१	१	१	१	१
	स.	५	५	५	६	६	६	६	७	७	७	७	८	८	८	८	९	९	९	९	१०	१०	१०	१०	११	११	११
	न.	१	१	२	२	२	३	३	३	४	४	४	४	५	५	६	६	६	६	७	७	७	८	८	८	९	९
	द्वा.	५	६	६	६	७	७	८	८	९	९	१०	१०	१०	११	११	११	१२	१२	१	१	२	२	३	३	३	४
	त्रिं.	१	१	१	१	११	११	११	११	९	९	९	९	९	९	९	९	९	३	३	३	३	३	७	७	७	७
कं.	हो.	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५
	द्रे.	६	६	६	६	६	६	६	६	१०	१०	१०	१०	१०	१०	१०	१०	१०	१०	२	२	२	२	२	२	२	२
	स.	१२	१२	१२	१	१	१	१	२	२	२	२	३	३	३	३	४	४	४	४	५	५	५	५	६	६	६
	न.	१०	१०	११	११	११	१२	१२	१२	१	१	१	१	२	२	३	३	३	३	४	४	४	५	५	५	६	६
	द्वा.	६	७	७	७	८	८	९	९	१०	१०	११	११	११	१२	१२	१२	१	१	२	२	३	३	४	४	४	५
	त्रिं.	२	२	२	२	६	६	६	६	६	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१०	१०	१०	१०	८	८	८	८

षड्वर्ग-चक्र

अंश		२	३	४	५	६	७	८	१०	१२	१२	१२	१३	१५	१६	१७	१७	१८	२०	२१	२३	२३	२५	२५	२६	२७	३०
कला		३०	३०	१७	०	४०	३०	३४	०	०	३०	५१	२०	०	४०	८	३०	०	०	२५	३०	२०	०	४२	४०	३०	०
विफला		०	०	८	०	०	०	१७	०	०	०	२५	०	०	०	३४	०	०	०	४२	०	०	०	५१	०	०	०
तुला	हो.	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४
	द्रे.	७	७	७	७	७	७	७	७	११	११	११	११	११	११	११	११	११	११	३	३	३	३	३	३	३	३
	स.	७	७	७	८	८	८	८	९	९	९	९	१०	१०	१०	१०	११	११	११	११	१२	१२	१२	१२	१	१	१
	न.	७	७	८	८	८	९	९	९	१०	१०	१०	१०	११	११	१२	१२	१२	१२	१	१	१	२	२	२	३	३
	द्वा.	७	८	८	८	९	९	१०	१०	११	११	१२	१२	१२	१	१	१	२	२	३	३	४	४	५	५	५	६
	त्रिं.	१	१	१	१	११	११	११	११	९	९	९	९	९	९	९	९	९	३	३	३	३	३	७	७	७	७
वृ.	हो.	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५
	द्रे.	८	८	८	८	८	८	८	८	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	४	४	४	४	४	४	४	४
	स.	२	२	२	३	३	३	३	४	४	४	४	५	५	५	५	६	६	६	६	७	७	७	७	८	८	८
	न.	४	४	५	५	५	६	६	६	७	७	७	७	८	८	९	९	९	९	१०	१०	१०	११	११	११	१२	१२
	द्वा.	८	९	९	९	१०	१०	११	११	१२	१२	१	१	१	२	२	२	३	३	४	४	५	५	६	६	६	७
	त्रिं.	२	२	२	२	६	६	६	६	६	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१०	१०	१०	१०	८	८	८	८
धनु	हो.	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४
	द्रे.	९	९	९	९	९	९	९	९	९	९	९	९	९	९	९	९	९	९	५	५	५	५	५	५	५	५
	स.	९	९	९	१०	१०	१०	१०	११	११	११	११	१२	१२	१२	१२	१	१	१	१	२	२	२	२	३	३	३
	न.	१	१	२	२	२	३	३	३	४	४	४	४	५	५	६	६	६	६	७	७	७	८	८	८	९	९
	द्वा.	९	१०	१०	१०	११	११	१२	१२	१	१	२	२	२	३	३	३	४	४	५	५	६	६	७	७	७	८
	त्रिं.	१	१	१	१	११	११	११	११	९	९	९	९	९	९	९	९	९	३	३	३	३	३	७	७	७	७
मकर	हो.	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५
	द्रे.	१०	१०	१०	१०	१०	१०	१०	१०	२	२	२	२	२	२	२	२	२	२	६	६	६	६	६	६	६	६
	स.	४	४	४	५	५	५	५	६	६	६	६	७	७	७	७	८	८	८	८	९	९	९	९	१०	१०	१०
	न.	१०	१०	११	११	११	१२	१२	१२	१	१	१	१	२	२	३	३	३	३	४	४	४	५	५	५	६	६
	द्वा.	१०	११	११	११	१२	१२	१	१	२	२	३	३	३	४	४	४	५	५	६	६	७	७	८	८	८	९
	त्रिं.	२	२	२	२	६	६	६	६	६	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१०	१०	१०	१०	८	८	८	८
कुम्भ	हो.	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४
	द्रे.	११	११	११	११	११	११	११	११	३	३	३	३	३	३	३	३	३	३	७	७	७	७	७	७	७	७
	स.	११	११	११	१२	१२	१२	१२	१	१	१	१	२	२	२	२	३	३	३	३	४	४	४	४	५	५	५
	न.	७	७	८	८	८	९	९	९	१०	१०	१०	१०	११	११	१२	१२	१२	१२	१	१	१	२	२	२	३	३
	द्वा.	११	१२	१२	१२	१	१	२	२	३	३	४	४	४	५	५	५	६	६	७	७	८	८	९	९	९	१०
	त्रिं.	१	१	१	१	११	११	११	११	९	९	९	९	९	९	९	९	९	३	३	३	३	३	७	७	७	७
मीन	हो.	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५
	द्रे.	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	८	८	८	८	८	८	८	८
	स.	६	६	६	७	७	७	७	८	८	८	८	९	९	९	९	१०	१०	१०	१०	११	११	११	११	१२	१२	१२
	न.	४	४	५	५	५	६	६	६	७	७	७	७	८	८	९	९	९	९	१०	१०	१०	११	११	११	१२	१२
	द्वा.	१२	१	१	१	२	२	३	३	४	४	५	५	५	६	६	६	७	७	८	८	९	९	१०	१०	१०	११
	त्रिं.	२	२	२	२	६	६	६	६	६	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१०	१०	१०	१०	८	८	८	८

विंशोत्तरीदशा-सारिणी

राशि	मे. सिं. ध.			वृ. कं. म.			मि. तु. कुं.			क. वृ. मी.		
	भोग्यदशा			भोग्यदशा			भोग्यदशा			भोग्यदशा		
स्प.चन्द्र	व.	मा.	दि.	व.	मा.	दि.	व.	मा.	दि.	व.	मा.	दि.
अं. क.	के.			सू.			भौ.			गु.		
० ००	७	०	०	४	६	०	३	६	०	४	०	०
० २०	६	९	२७	४	४	६	३	३	२७	३	७	६
० ४०	६	७	२४	४	२	१२	३	१	२४	३	२	१२
१ ००	६	५	२१	४	०	१८	२	११	२१	२	९	१८
१ २०	६	३	१८	३	१०	२४	२	९	१८	२	४	२४
१ ४०	६	१	१५	३	९	०	२	७	१५	२	०	०
२ ००	५	११	१२	३	७	६	२	५	१२	१	७	६
२ २०	५	९	९	३	५	१२	२	३	९	१	२	१२
२ ४०	५	७	६	३	३	१८	२	१	६	०	९	१८
३ ००	५	५	३	३	१	२४	१	११	३	०	४	२४
३ २०	५	३	०	३	०	०	१	९	०	श. १९	०	०
३ ४०	५	०	२७	२	१०	६	१	६	२७	१८	६	९
४ ००	४	१०	२४	२	८	१२	१	४	२४	१८	०	१८
४ २०	४	८	२१	२	६	१८	१	२	२१	१७	६	२७
४ ४०	४	६	१८	२	४	२४	१	०	१८	१७	१	६
५ ००	४	४	१५	२	३	०	०	१०	१५	१६	७	१५
५ २०	४	२	१२	२	१	६	०	८	१२	१६	१	२४
५ ४०	४	०	९	१	११	१२	०	६	९	१५	८	३
६ ००	३	१०	६	१	९	१८	०	४	६	१५	२	१२
६ २०	३	८	३	१	७	२४	०	२	३	१४	८	२१
६ ४०	३	६	०	१	६	०	रा. १८	०	०	१४	३	०
७ ००	३	३	२७	१	४	६	१७	६	१८	१३	९	९
७ २०	३	१	२४	१	२	१२	१७	१	६	१३	३	१८
७ ४०	२	११	२१	१	०	१८	१६	७	२४	१२	९	२७
८ ००	२	९	१८	०	१०	२४	१६	२	१२	१२	४	६
८ २०	२	७	१५	०	९	०	१५	९	०	११	१०	१५
८ ४०	२	५	१२	०	७	६	१५	३	१८	११	४	२४
९ ००	२	३	९	०	५	१२	१४	१०	६	१०	११	३
९ २०	२	१	६	०	३	१८	१४	४	२४	१०	५	१२
९ ४०	१	११	३	०	१	२४	१३	११	१२	९	११	२१
१० ००	१	९	०	च. १०	०	०	१३	६	०	९	६	०

राशि	मे. सिं. ध.			वृ. कं. म.			मि. तु. कुं.			क. वृ. मी.		
	भोग्यदशा			भोग्यदशा			भोग्यदशा			भोग्यदशा		
स्प.चन्द्र	व.	मा.	दि.	व.	मा.	दि.	व.	मा.	दि.	व.	मा.	दि.
अं. क.	के.			चं.			रा.			श.		
१० २०	१	६	२७	९	९	०	१३	०	१८	९	०	९
१० ४०	१	४	२४	९	६	०	१२	७	६	८	६	१८
११ ००	१	२	२१	९	३	०	१२	१	२४	८	०	२७
११ २०	१	०	१८	९	०	०	११	८	१२	७	७	६
११ ४०	०	१०	१५	८	९	०	११	३	०	७	१	१५
१२ ००	०	८	१२	८	६	०	१०	९	१८	६	७	२४
१२ २०	०	६	९	८	३	०	१०	४	६	६	२	३
१२ ४०	०	४	६	८	०	०	९	१०	२४	५	८	१२
१३ ००	०	२	३	७	९	०	९	५	१२	५	२	२१
१३ २०	शु. २०	०	०	७	६	०	९	०	०	४	९	०
१३ ४०	१९	६	०	७	३	०	८	६	१८	४	३	९
१४ ००	१९	०	०	७	०	०	८	१	६	३	९	१८
१४ २०	१८	६	०	६	९	०	७	७	२४	३	३	२७
१४ ४०	१८	०	०	६	६	०	७	२	१२	२	१०	६
१५ ००	१७	६	०	६	३	०	६	९	०	२	४	१५
१५ २०	१७	०	०	६	०	०	६	३	१८	१	१०	२४
१५ ४०	१६	६	०	५	९	०	५	१०	६	१	५	३
१६ ००	१६	०	०	५	६	०	५	४	२४	०	११	१२
१६ २०	१५	६	०	५	३	०	४	११	१२	०	५	२१
१६ ४०	१५	०	०	५	०	०	४	६	०	बु. १७	०	०
१७ ००	१४	६	०	४	९	०	४	०	१८	१६	६	२७
१७ २०	१४	०	०	४	६	०	३	७	६	१६	१	२४
१७ ४०	१३	६	०	४	३	०	३	१	२४	१५	८	२१
१८ ००	१३	०	०	४	०	०	२	८	१२	१५	३	१८
१८ २०	१२	६	०	३	९	०	२	३	०	१४	१०	१५
१८ ४०	१२	०	०	३	६	०	१	९	१८	१४	५	१२
१९ ००	११	६	०	३	३	०	१	४	६	१४	०	९
१९ २०	११	०	०	३	०	०	०	१०	२४	१३	७	६
१९ ४०	१०	६	०	२	९	०	०	५	१२	१३	२	३
२० ००	१०	०	०	२	६	०	गु. १६	०	०	१२	९	०

राशि	मे. सिं. ध.			वृ. कं. म.			मि. तु. कुं.			क. वृ. मी.		
	भोग्यदशा			भोग्यदशा			भोग्यदशा			भोग्यदशा		
स्प.चन्द्र	व.	मा.	दि.	व.	मा.	दि.	व.	मा.	दि.	व.	मा.	दि.
अं. क.	शु.			चं.			गु.			बु.		
२० २०	९	६	०	२	३	०	१५	७	६	१२	३	२७
२० ४०	९	०	०	२	०	०	१५	२	१२	११	१०	२४
२१ ००	८	६	०	१	९	०	१४	९	१८	११	५	२१
२१ २०	८	०	०	१	६	०	१४	४	२४	११	०	१८
२१ ४०	७	६	०	१	३	०	१४	०	०	१०	७	१५
२२ ००	७	०	०	१	०	०	१३	७	६	१०	२	१२
२२ २०	६	६	०	०	९	०	१३	२	१२	९	९	९
२२ ४०	६	०	०	०	६	०	१२	९	१८	९	४	६
२३ ००	५	६	०	०	३	०	१२	४	२४	८	११	३
२३ २०	५	०	०	भौ. ७	०	०	१२	०	०	८	६	०
२३ ४०	४	६	०	६	९	२७	११	७	६	८	०	२७
२४ ००	४	०	०	६	७	२४	११	२	१२	७	७	२४
२४ २०	३	६	०	६	५	२१	१०	९	१८	७	२	२१
२४ ४०	३	०	०	६	३	१८	१०	४	२४	६	९	१८
२५ ००	२	६	०	६	१	१५	१०	०	०	६	४	१५
२५ २०	२	०	०	५	११	१२	९	७	६	५	११	१२
२५ ४०	१	६	०	५	९	९	९	२	१२	५	६	९
२६ ००	१	०	०	५	७	६	८	९	१८	५	१	६
२६ २०	०	६	०	५	५	३	८	४	२४	४	८	३
२६ ४०	सू. ६	०	०	५	३	०	८	०	०	४	३	०
२७ ००	५	१०	६	५	०	२७	७	७	६	३	९	२७
२७ २०	५	८	१२	४	१०	२४	७	२	१२	३	४	२४
२७ ४०	५	६	१८	४	८	२१	६	९	१८	२	११	२१
२८ ००	५	४	२४	४	६	१८	६	४	२४	२	६	१८
२८ २०	५	३	०	४	४	१५	६	०	०	२	१	१५
२८ ४०	५	१	६	४	२	१२	५	७	६	१	८	१२
२९ ००	४	११	१२	४	०	९	५	२	१२	१	३	९
२९ २०	५	९	१८	३	१०	३	४	९	१८	०	१०	६
२९ ४०	४	७	२४	३	८	६	४	४	२४	०	५	३
३० ००	४	६	०	३	६	०	४	०	०	०	०	०

विंशोत्तरीदशा-कलासारिणी

	केतु		शुक्र		सूर्य		चन्द्र		मंगल		राहु		गुरु		शनि		बुध		
	७ वर्ष		२० वर्ष		६ वर्ष		१० वर्ष		७ वर्ष		१८ वर्ष		१६ वर्ष		१९ वर्ष		१७ वर्ष		
क.	मा.	दि.	मा.	दि.	मा.	दि.	मा.	दि.	मा.	दि.	मा.	दि.	मा.	दि.	मा.	दि.	मा.	दि.	क.
१	०	३	०	९	०	३	०	५	०	३	०	८	०	७	०	९	०	८	१
२	०	६	०	१८	०	५	०	९	०	६	०	१६	०	१४	०	१७	०	१५	२
३	०	९	०	२७	०	८	०	१४	०	९	०	२४	०	२२	०	२६	०	२३	३
४	०	१३	१	६	०	११	०	१८	०	१३	१	२	०	२९	१	४	१	१	४
५	०	१६	१	१५	०	१४	०	२३	०	१६	१	११	१	६	१	१३	१	८	५
६	०	१९	१	२४	०	१६	०	२७	०	१९	१	१९	१	१३	१	२१	१	१६	६
७	०	२२	२	३	०	१९	१	२	०	२२	१	२७	१	२०	२	०	१	२४	७
८	०	२५	२	१२	०	२२	१	६	०	२५	२	५	१	२८	२	८	२	१	८
९	०	२८	२	२१	०	२४	१	११	०	२८	२	१३	२	५	२	१७	२	९	९
१०	१	१	३	०	०	२७	१	१५	१	१	२	२१	२	१२	२	२६	२	१७	१०
१५	१	१७	४	१५	१	११	२	८	१	१७	४	२	३	१८	४	८	३	२५	१५
२०	२	३	६	०	१	२४	३	०	२	३	५	१२	४	२४	५	२१	५	३	२०

दशासाधन-विधि

सर्वप्रथम स्पष्टचन्द्र बनाकर उसकी राशि के कोष्ठक में अंश एवं कलाओं के अनुसार विंशोत्तरी दशा का भोग्य निकालना चाहिए। यहाँ २०-२० कलाओं के अन्तर पर दशा भोग्यमान वर्ष, मास एवं दिन में दिया गया है, फिर २० कलाओं से जितनी कलायें अधिक या कम हों उनके अनुसार कला सारिणी से उस ग्रह के कोष्ठक से मासादि फल जानकर पूर्वानीत फल में घटाना या जोड़ना चाहिए। इस प्रकार स्पष्टचन्द्र के राशि अंश एवं कलाओं के आधार पर विंशोत्तरी दशा का भोग्यमान सुगमता से जाना जा सकता है।

विंशोत्तरीदशान्तर्दशा-चक्र

	सूर्य				चन्द्र				मंगल			
	कृ.	उ.फा.	उ.षा.		रोहि.	ह.	श्रवण		मृ.	चि.	ध.	
	ग्रह	वर्ष	मास	दिन	ग्रह	वर्ष	मास	दिन	ग्रह	वर्ष	मास	दिन
अन्तर्दशामानानि	सू.	०	३	१८	चं.	०	१०	०	मं.	०	४	२७
	चं.	०	६	०	मं.	०	७	०	रा.	१	०	१८
	मं.	०	४	६	रा.	१	६	०	बृ.	०	११	६
	रा.	०	१०	२४	बृ.	१	४	०	श.	१	१	९
	बृ.	०	९	१८	श.	१	७	०	बु.	०	११	२७
	श.	०	११	१२	बु.	१	५	०	के.	०	४	२७
	बु.	०	१०	६	के.	०	७	०	शु.	१	२	०
	के.	०	४	६	शु.	१	८	०	सू.	०	४	६
	शु.	१	०	०	सू.	०	६	०	चं.	०	७	०

	राहु				गुरु				शनि			
	आर्द्रा.	स्वा.	शत.		पुन.	वि. पू.	भा.		पुष्य.	अनु.	उ.भा.	
	ग्रह	वर्ष	मास	दिन	ग्रह	वर्ष	मास	दिन	ग्रह	वर्ष	मास	दिन
अन्तर्दशामानानि	रा.	२	८	१२	बृ.	२	१	१८	श.	३	०	३
	वृ.	२	४	२४	श.	२	६	१२	बु.	२	८	९
	श.	२	१०	०६	बु.	२	३	६	के.	१	१	९
	बु.	२	६	१८	के.	०	११	६	शु.	३	२	०
	के.	१	०	१८	शु.	२	८	०	सू.	०	११	१२
	शु.	३	०	०	सू.	०	९	१८	चं.	१	७	०
	सू.	०	१०	२४	चं.	१	४	०	मं.	१	१	९
	चं.	१	६	०	मं.	०	११	६	रा.	२	१०	६
	मं.	१	०	१८	रा.	२	४	२४	बृ.	२	६	१२

	बुध				केतु				गुरु			
	आश्ले.	ज्ये.	रेवती		मघा.	मू.	अश्वि.		पू.फा.	पू.षा.	भ.	
	ग्रह	वर्ष	मास	दिन	ग्रह	वर्ष	मास	दिन	ग्रह	वर्ष	मास	दिन
अन्तर्दशामानानि	बु.	२	४	२७	के.	०	४	२७	शु.	३	४	०
	के.	०	११	२७	शु.	१	२	०	सू.	१	०	०
	शु.	२	१०	०	सू.	०	४	६	चं.	१	८	०
	सू.	०	१०	६	चं.	०	७	०	मं.	१	२	०
	चं.	१	५	०	मं.	०	४	२७	रा.	३	०	०
	मं.	०	११	२७	रा.	१	०	१८	बृ.	२	८	०
	रा.	२	६	१८	बृ.	०	११	६	श.	३	२	०
	बृ.	२	३	६	श.	१	१	९	बु.	२	१०	०
	श.	२	८	९	बु.	०	११	२७	के.	१	२	०

वेधसिद्ध (नवीन) वर्षमानानुसारेण वर्षप्रवेशसारिणी

गताब्द संख्या	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	३०	३१	३२	३३	३४	३५	३६	३७	३८	३९	४०
वार	१	२	३	५	६	०	१	३	४	५	६	१	२	३	४	६	०	१	२	४	५	६	०	२	३	४	५	०	१	२	३	५	६	०	१	३	४	५	६	१
घटी	१५	३०	४६	१	१६	३२	४७	३	१८	३३	४९	४	१९	३५	५०	६	२१	३६	५२	७	२३	३८	५३	९	२४	३९	५५	१०	२६	४१	५६	१२	२७	४३	५८	१३	२९	४४	५९	१५
पल	२२	४५	८	३१	५४	१७	४०	३	२६	४९	१२	३५	५८	२१	४४	७	३०	५३	१६	३९	१	२४	४७	१०	३३	५६	१९	४२	५	२८	५१	१४	३७	०	२३	४६	९	३२	५५	१८
विपल	५७	५४	५१	४८	४५	४२	३९	३६	३३	३०	२७	२४	२१	१८	१५	१२	९	६	३	०	५७	५४	५१	४८	४५	४२	३९	३६	३३	३०	२७	२४	२१	१८	१५	१२	९'	६	३	०
गताब्द संख्या	४१	४२	४३	४४	४५	४६	४७	४८	४९	५०	५१	५२	५३	५४	५५	५६	५७	५८	५९	६०	६१	६२	६३	६४	६५	६६	६७	६८	६९	७०	७१	७२	७३	७४	७५	७६	७७	७८	७९	८०
वार	२	३	५	६	०	१	३	४	५	६	१	२	३	४	६	०	१	२	४	५	६	०	२	३	४	५	०	१	२	३	५	६	०	१	३	४	५	६	१	२
घटी	३०	४६	१	१६	३२	४७	२	१८	३३	४९	४	१९	३५	५०	६	२१	३६	५२	७	२२	३८	५३	९	२४	३९	५५	१०	२६	४१	५६	१२	२७	४३	५८	१३	२९	४४	५९	१५	३०
पल	४०	३	२६	४९	१२	३५	५८	२१	४४	७	३०	५३	१६	३९	२	२५	४८	११	३४	५७	१९	४२	५	२८	५१	१४	३७	०	२३	४६	९	३२	५५	१८	४१	४	२७	५०	१३	३६
विपल	५७	५४	५१	४८	४५	४२	३९	३६	३३	३०	२७	२४	२१	१८	१५	१२	९	६	३	०	५७	५४	५१	४८	४५	४२	३९	३६	३३	३०	२७	२४	२१	१८	१५	१२	९	६	३	०

प्राचीनमानानुसारेण वर्षप्रवेश सारिणी

गताब्द संख्या	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	३०	३१	३२	३३	३४	३५	३६	३७	३८	३९	
वार	१	२	३	५	६	०	१	३	४	००	६	१	२	३	४	६	०	१	२	४	५	६	०	२	३	४	००	०	१	२	४	५	६	०	२	३	४	५	०	१
घटी	१५	३१	४६	२	१७	३३	४८	४	१९	३५	५०	६	२१	३७	५२	८	२३	३९	५४	१०	२६	४१	५७	१२	२८	४३	५९	१४	३०	४५	१	१६	३२	४७	३	१८	३४	४९	५	२१
पल	३१	३	३४	६	३७	००	४०	१२	४३	१५	४६	१८	४९	२१	५२	२४	५५	२७	५८	३०	१	३३	४	३६	७	३९	१०	४२	१३	४५	१६	४८	१९	५१	२२	५४	२५	५७	२८	०
विपल	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०
गताब्द संख्या	४१	४२	४३	४४	४५	४६	४७	४८	४९	५०	५१	५२	५३	५४	५५	५६	५७	५८	५९	६०	६१	६२	६३	६४	६५	६६	६७	६८	६९	७०	७१	७२	७३	७४	७५	७६	७७	७८	७९	८०
वार	२	३	५	६	०	१	३	४	५	६	१	२	३	४	६	०	१	३	४	५	६	१	२	३	४	६	०	१	२	४	५	६	०	२	३	४	५	०	१	२
घटी	३६	५२	७	२३	३८	५४	९	२५	४०	५६	११	२७	४२	५८	१३	२९	४४	०	१५	३१	४७	२	१८	३३	४९	४	२०	३५	५१	६	२२	३७	५३	८	२४	३९	५५	१०	२६	४२
पल	३१	३	३४	६	३७	९	४०	१२	४३	१५	४६	१८	४९	२१	५२	२४	५५	२७	५८	३०	१	३३	४	३६	७	३९	१०	४२	१३	४५	१६	४८	१९	५१	२२	५४	२५	५७	२८	०
विपल	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०

विं. मुद्दादशाचक्र

सूर्य	चन्द्र	मं.	राहु	गुरु	शनि	बुध	के.	शुक्र
०	१	०	१	१	१	१	०	२
१८	०	२१	२४	१८	२७	२१	२१	०

योगिनीक्रमेण मुद्दादशाचक्र

यो.	मं.	पिं.	धा.	भ्रा.	भ.	उ.	सि.	सं.
मा.	०	०	१	१	१	२	२	२
दि.	१०	२०	०	१०	२०	०	१०	२०

त्रिराशिपतिचक्र

लग्नम्	मे.	वृ.	मि.	क.	सिं.	कं.	तु.	वृ.	ध.	म.	कु.	मी.
दि.प.	सू.	शु.	श.	शु.	गु.	चं.	बु.	मं.	श.	मं.	गु.	चं.
लग्नम्	मे.	वृ.	मि.	क.	सिं.	कं.	तु.	वृ.	ध.	म.	कु.	मी.
रा.प.	गु.	चं.	बु.	मं.	सू.	शु.	श.	शु.	श.	मं.	गु.	चं.

वर्षफल निर्माण विधि

जिस वर्ष का वर्षफल् अभीष्ट हो, उस अभीष्ट संवत् में से जन्म सवंत् घटाने पर जो शेष बचे वे जन्म से गतवर्ष अर्थात् 'गताब्द' होते हैं उन गताब्दों से पृष्ट १३१ पर दी गई प्राचीन मतानुसार वर्ष प्रवेश सारिणी के नीचे दिए वार, घटी, पलादि फल लेकर उसमें जन्म वार इष्टवटी, पलादि जोड़ने पर वर्षप्रवेशकालिक वारादि इष्टकालज्ञात होता है। पल, घटी आदि यदि ६० से अधिक हों तो उन्हें सवर्ण करके तथा यदि वारादि संख्या ७ हो तो ७ अधिक का भाग देने पर एकादि शेष रहने पर रवि आदि क्रम से वार तथा आगे वर्षेष्ट घटी पलादि होते हैं। जन्मकालिक स्पष्ट सूर्य के राश्यंशादि की तरह वर्ष प्रवेशकालिक लग्न सिद्ध होता है। इस प्रकार वर्ष प्रवेश कालिक ग्रह स्थापित करने पर वर्ष कुण्डली बनती है।

मुन्थासाधन-

वर्ष कुण्डली में मुन्था भी लगाई जाती है। जन्म के प्रथम वर्ष में लग्न ही मुन्था होती है, यह प्रतिवर्ष एक-एक राशि बढ़ती है। अत: गतवर्ष संख्या में जन्म लग्न जोड़ने पर यदि १२ से अधिक हो तो १२ का भाग देने पर शेष मुन्था की राशि होती है।

मुद्दादशासाधन-

गत वर्ष संख्या में जन्म नक्षत्र संख्या जोड़कर जो संख्या उपलब्ध हो, उसमें २ घटाकर ९ का भाग देने पर एकादि शेष बचने पर सूर्य, चन्द्र, मंगल, राहु, गुरु, शनि, बुध, केतु, शुक्र की दशा होती है। सूर्यादि मुद्दादशा दिन पृ.सं. ९४ पर दिए गए मुद्दादशा चक्र से जानें।

हर्षबलसाधन-

वर्ष कुण्डली में स्थानबल, स्वोच्चबल, पुरुषस्त्रीबल तथा दिनरात्रिबल- ये चार हर्ष बल कहलाते हैं

स्थानबल-

वर्ष लग्न से ९ स्थान में सूर्य, ३ में चन्द्रमा, ६ में मंगल, १ में बुध, ११ में गुरु, ५ में शुक्र तथा १२ में शनि ५ हर्षबल होते हैं।

स्वोच्चबल-

प्रत्येक ग्रह अपनी तथा उच्च राशि में ५ हर्षबल देते हैं। अर्थात् सूर्य १।५ चन्द्र २।४, मंगल १।८।१०, बुध ३।६।, गुरु ४।९।१२, शुक्र २।७।१२, शनि १०।११।७ इन स्वोच्च राशियों में सूर्यादि ग्रह हर्षित होते हैं।

पुरुषस्त्रीबल-

स्त्रीग्रह (चं.बु.शु.श.) १।२।३।७।९ स्थानों में तथा पुरुषग्रह (सू. मं.गु) ४।५।६।१०।११।१२ स्थानों में ५ हर्षबल होते हैं।

दिनरात्रिबल-

दिन में वर्षप्रवेश हो तो पुरुषग्रह तथा रात्रि में हो तो स्त्री ग्रह ५ हर्षबल देते हैं। यहाँ यह ध्यान देना चाहिए जहाँ बल प्राप्त हो वहाँ ५ तथा जहाँ बल प्राप्त न हों वहाँ ० शून्य रखना चाहिए। इस प्रकार सूर्यादि ग्रहों के चारों स्थानादि बलों का योग हर्षबल कहलाता है।

वर्षेश-निर्णय -

जन्म लग्नपति, वर्ष लग्नपति, मुन्थाधिपति, त्रिराशिपति, दिन में वर्ष प्रवेश हो तो सूर्य जिस राशि पर हो उस राशि का स्वामी तथा रात्रि में वर्ष प्रवेश हो तो चन्द्रमा जिस राशि पर हो उस राशि का स्वामी में पञ्चाधिकारी कहलाते है। इन पञ्चाधिकारियों में जो बलवान् होकर लग्न को देखता हो, वह वर्षेश होता है। बलवान् होने पर भी यदि लग्न को न देखता हो तो वर्षेश नहीं होगा। समान बली होने पर जो लग्न को अधिक दृष्टि से देखता हो वह वर्षेश होगा। लग्न को देखने वाला ग्रह यदि अल्पबल हो तो मुन्थेश अर्थात् मुन्था जिस राशि में हो उस राशि का स्वामी वर्षेश होगा। यदि पञ्चाधिकारियों में कोई भी ग्रह लग्न को न देखता हो तो जो ग्रह सबसे बलवान हो वह वर्षेश होगा। यदि चन्द्र वर्षेश प्राप्त हो तो वह पञ्चाधिकारियों में जिससे इत्थशाल करे वह वर्षेश होगा। यदि इत्थाशाल न करे तो चन्द्र जिस राशि में बैठा हो वह वर्षेश होगा।

वर्ष दृष्टि-विचार-

वर्ष कुण्डली में जो ग्रह जिस स्थान में स्थित हो, उससे ५।९ स्थान को प्रत्यक्ष मित्र दृष्टि से, ३।११ स्थान का गुप्त मित्र दृष्टि से १/७ स्थान को प्रत्यक्ष शत्रु दृष्टि से तथा ४।१० स्थान को गुप्त शत्रु दृष्टि से देखता है। प्रत्यक्ष मित्र दृष्टि सभी कार्यों में शीघ्र सफलता देने वाली होती है, गुप्त मित्र दृष्टि कार्यों में कठिनता से सफलता देने वाली होती है। प्रत्यक्ष शत्रु दृष्टि शत्रुता उत्पन्न करने वाली, मित्र से शत्रुता कराने वाली, बनते काम बिगड़ने वाली हानिकारक होती है। गुप्त शत्रु दृष्टि कार्यों को कठिनता से सफल कराने वाली तथा गुप्त रूप से शत्रु उत्पन्न कराने वाली होती है।

✱ लग्नसारिणी ✱

अक्षांश २३° । ००", पलभा ५ । ५ । ३४, अयनांश २४° । ०५ स्वोदयपल (२२८, २५८, ३०५, ३३१, ३४०, ३३०)
इन्दौर, उज्जैन, कलकत्ता, जबलपुर, डाकोर, दाहोद, नड़ियाद, भोपाल, मोरवी, मांडवी, वीरमगाम आदि स्थानों के लिए-

	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९
० मेष	३	३	३	३	३	३	३	३	४	४	४	४	४	४	४	५	५	५	५	५	५	५	६	६	६	६	६	६	६	७
	२	१०	१७	२५	३२	४०	४८	५६	५	१३	२२	३१	३९	४८	५६	५	१४	२२	३१	३९	४८	५७	५	१४	२२	३१	४०	४८	५७	५
	२४	००	३६	१२	४८	२४	००	३६	१२	४८	२४	००	३६	१२	४८	२४	००	३६	१२	४८	२४	००	३६	१२	४८	२४	००	३६	१२	४८
१ वृष	७	७	७	७	७	७	८	८	८	८	८	८	९	९	९	९	९	९	१०	१०	१०	१०	१०	१०	११	११	११	११	११	११
	१४	२३	३१	४०	४८	५७	६	१६	२६	३६	४६	५६	७	१७	२७	३७	४७	५७	८	१८	२८	३८	४८	५८	९	१९	२९	३९	४९	५९
	२४	००	३६	१२	४८	२४	०	१०	२०	३०	४०	५०	०	१०	२०	३०	४०	५०	०	१०	२०	३०	४०	५०	०	१०	२०	३०	४०	५०
२ मिथुन	१२	१२	१२	१२	१२	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१४	१४	१४	१४	१४	१५	१५	१५	१५	१५	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१७	१७	१७
	१०	२०	३०	४०	५०	०	११	२२	३३	४४	५६	७	१८	३०	४१	५२	०४	१५	२६	३७	४९	०	११	२३	३४	४५	५७	८	१९	३०
	०	१०	२०	३०	४०	५०	०	१८	३६	५४	१२	३०	४८	०६	२४	४२	००	१८	३६	५४	१२	३०	४८	०६	२४	४२	००	१८	३६	५४
३ कर्क	१७	१७	१८	१८	१८	१८	१८	१९	१९	१९	१९	१९	१९	२०	२०	२०	२०	२०	२१	२१	२१	२१	२१	२२	२२	२२	२२	२२	२२	२३
	४२	५३	४	१६	२७	३८	५०	१	१२	२४	३५	४६	५८	९	२०	३२	४३	५४	०६	१७	२८	४०	५१	०२	१४	२५	३६	४८	५९	१०
	१२	३०	४८	०६	२४	४२	००	२०	४०	००	२०	४०	००	२०	४०	००	२०	४०	००	२०	४०	००	२०	४०	००	२०	४०	००	२०	४०
४ सिंह	२३	२३	२३	२३	२४	२४	२४	२४	२४	२५	२५	२५	२५	२५	२५	२६	२६	२६	२६	२६	२७	२७	२७	२७	२७	२७	२८	२८	२८	२८
	२२	३३	४४	५६	७	१८	३०	४१	५२	०३	१४	२५	३६	४७	५८	९	२०	३१	४२	५३	०४	१५	२६	३७	४८	५९	१०	२१	३२	४३
	००	२०	४०	००	२०	४०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
५ कन्या	२८	२९	२९	२९	२९	२९	३०	३०	३०	३०	३०	३०	३१	३१	३१	३१	३१	३२	३२	३२	३२	३२	३२	३३	३३	३३	३३	३३	३४	३४
	५४	५	१६	२७	३८	४९	०	११	२२	३३	४४	५५	६	१७	२८	३९	५०	०१	१२	२३	३४	४५	५६	७	१८	२९	४०	५१	०२	१३
	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
६ तुला	३४	३४	३४	३४	३५	३५	३५	३५	३५	३६	३६	३६	३६	३६	३७	३७	३७	३७	३७	३७	३८	३८	३८	३८	३८	३९	३९	३९	३९	३९
	२४	३५	४६	५७	०८	१९	३०	४१	५२	४	१५	२६	३८	४९	०	१२	२३	३४	४६	५७	८	२०	३१	४२	५४	०५	१६	२८	३९	५०
	०	०	०	०	०	०	०	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०
७ वृश्चिक	४०	४०	४०	४०	४०	४०	४१	४१	४१	४१	४१	४२	४२	४२	४२	४२	४३	४३	४३	४३	४३	४३	४४	४४	४४	४४	४४	४५	४५	४५
	०२	१३	२४	३६	४७	५८	१०	२१	३२	४३	५५	०६	१७	२९	४०	५१	०३	१४	२५	३६	४८	५९	१०	२२	३३	४४	५६	७	१८	२९
	००	२०	४०	०	२०	४०	००	१८	३६	५४	१२	३०	४८	०६	२४	४२	००	१८	३६	५४	१२	३०	४८	०६	२४	४२	००	१८	३६	५४
८ धनु	४५	४५	४६	४६	४६	४६	४६	४६	४७	४७	४७	४७	४७	४८	४८	४८	४८	४८	४८	४९	४९	४९	४९	४९	४९	५०	५०	५०	५०	५०
	४०	५१	०३	१५	२६	३७	४९	५९	९	१९	२९	३९	५०	०	१०	२०	३०	४०	५१	१	११	२१	३१	४१	५२	०२	१२	२२	३२	४२
	१२	३०	४८	०६	२४	४२	००	१०	२०	३०	४०	५०	००	१०	२०	३०	४०	५०	०	१०	२०	३०	४०	५०	००	१०	२०	३०	४०	५०
९ मकर	५०	५१	५१	५१	५१	५१	५१	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५५	५५
	५३	०३	१३	२३	३३	४३	५४	०२	११	१९	२८	३७	४५	५४	०२	११	२०	२८	३७	४५	५४	०३	११	२०	२८	३७	४६	५४	३	११
	००	१०	२०	३०	४०	५०	००	३६	१२	४८	२४	०	३६	१२	४८	२४	०	३६	१२	४८	२४	००	३६	१२	४८	२४	००	३६	१२	४८
१० कुम्भ	५५	५५	५५	५५	५५	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५९
	२०	२९	३७	४६	५४	०३	११	१९	२७	३४	४२	५०	५७	०५	१२	२०	२८	३५	४३	५०	५८	०६	१३	२१	२८	३६	४४	५१	५९	६
	२४	०	३६	१२	४८	२४	००	३६	१२	४८	२४	००	३६	१२	४८	२४	००	३६	१२	४८	२४	००	३६	१२	४८	२४	००	३६	१२	४८
११ मीन	५९	५९	५९	५९	५९	५९	०	०	०	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	२	२	२
	१४	२२	२९	३७	४४	५२	०	७	१५	२२	३०	३८	४५	५३	०	८	१६	२३	३१	३८	४६	५४	०१	९	१६	२४	३२	३९	४७	५४
	२४	०	३६	१२	४८	२४	०	३६	१२	४८	२४	०	३६	१२	४८	२४	०	३६	१२	४८	२४	०	३६	१२	४८	२४	००	३६	१२	४८

अक्षांश २५° । ००", पलभा ५ । ३५ । ४४, अयनांश २४° । ०५

✱ लग्नसारिणी ✱

आबू, इलाहाबाद, उदयपुर, कराची, काशी, कोटा, जमालपुर, जालोर, झांसी, मालदा, मिर्जापुर, मुंगेर, मोकामा, बूंदी आदि स्थानों के लिए-

स्वोदयपल (२२३, २५४, ३०३, ३४१, ३४४, ३३५)

	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९
० मेष	२	३	३	३	३	३	३	३	३	४	४	४	४	४	४	४	५	५	५	५	५	५	५	६	६	६	६	६	६	६
	५८	५	१३	२०	२८	३५	४३	५१	५९	८	१६	२५	३३	४२	५०	५९	७	१६	२४	३३	४१	५०	५८	६	१५	२३	३२	४०	४९	५७
	२४	५०	१६	४२	०८	३४	००	२८	५६	२४	५२	२०	४८	१६	४४	१२	४०	०८	३६	०४	३२	००	२८	५६	२४	५२	२०	४८	१६	४४
१ वृष	७	७	७	७	७	७	७	८	८	८	८	८	८	९	९	९	९	९	९	१०	१०	१०	१०	१०	१०	११	११	११	११	११
	६	१४	२३	३१	४०	४८	५७	०७	१७	२७	३७	४७	५७	०७	१७	२७	३८	४८	५८	८	१८	२८	३८	४८	५८	८	१९	२९	३९	४९
	१२	४०	०८	३६	०४	३२	००	०६	१२	१८	२४	३०	३६	४२	४८	५४	००	०६	१२	१८	२४	३०	३६	४२	४८	५४	००	०६	१२	१८
२ मिथुन	११	१२	१२	१२	१२	१२	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१४	१४	१४	१४	१४	१५	१५	१५	१५	१५	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१७	१७
	५९	९	१९	२९	३९	४९	००	११	२२	३४	४५	५६	८	१९	३०	४२	५३	०५	१६	२७	३९	५०	१	१३	२४	३५	४७	५८	१०	२१
	२४	३०	३६	४२	४८	५४	००	२२	४४	०६	२८	५०	१२	३४	५६	१८	४०	०२	२४	४६	०८	३०	५२	१४	३६	५८	२०	४२	०४	२६
३ कर्क	१७	१७	१७	१८	१८	१८	१८	१८	१९	१९	१९	१९	१९	२०	२०	२०	२०	२०	२०	२१	२१	२१	२१	२१	२२	२२	२२	२२	२२	२३
	३२	४४	५५	०६	१८	२९	४१	५२	३	१५	२६	३८	४९	१	१२	२४	३५	४७	५८	१०	२१	३३	४४	५५	०७	१८	३०	४१	५३	०४
	४८	१०	३२	५४	१६	३८	००	२८	५६	२४	५२	२०	४८	१६	४४	१२	४०	०८	३६	०४	३२	००	२८	५६	२४	५२	२०	४८	१६	४४
४ सिंह	२३	२३	२३	२३	२४	२४	२४	२४	२४	२४	२५	२५	२५	२५	२५	२६	२६	२६	२६	२६	२७	२७	२७	२७	२७	२७	२८	२८	२८	२८
	१६	२७	३९	५०	०२	१३	२५	३६	४७	५८	०९	२०	३२	४३	५४	०५	१६	२७	३९	५०	१	१२	२३	३४	४६	५७	०८	१९	३०	४१
	१२	४०	०८	३६	४	३२	००	१०	२०	३०	४०	५०	००	१०	२०	३०	४०	५०	००	१०	२०	३०	४०	५०	००	१०	२०	३०	४०	५०
५ कन्या	२८	२९	२९	२९	२९	३०	३०	३०	३०	३०	३०	३०	३१	३१	३१	३१	३१	३२	३२	३२	३२	३२	३२	३३	३३	३३	३३	३३	३४	३४
	५३	४	१५	२६	३७	४८	००	११	२२	३३	४४	५५	०७	१८	२९	४०	५१	०२	१४	२५	३६	४७	५८	९	२१	३२	४३	५४	०५	१६
	००	१०	२०	३०	४०	५०	००	१०	२०	३०	४०	५०	००	१०	२०	३०	४०	५०	००	१०	२०	३०	४०	५०	००	१०	२०	३०	४०	५०
६ तुला	३४	३४	३४	३५	३५	३५	३५	३५	३५	३६	३६	३६	३६	३६	३७	३७	३७	३७	३७	३८	३८	३८	३८	३८	३९	३९	३९	३९	३९	३९
	२८	३९	५०	१	१२	२३	३५	४६	५७	९	२०	३२	४३	५५	६	१८	२९	४१	५२	०४	१५	२७	३८	४९	१	१२	२४	३५	४७	५८
	००	१०	२०	३०	४०	५०	००	२८	५६	२४	४२	२०	४८	१६	४४	१२	४०	०८	३६	०४	३२	००	२८	५६	२४	५२	२०	४८	१६	४४
७ वृश्चिक	४०	४०	४०	४०	४०	४१	४१	४१	४१	४१	४२	४२	४२	४२	४२	४३	४३	४३	४३	४३	४३	४४	४४	४४	४४	४४	४५	४५	४५	४५
	१०	२१	३३	४४	५६	७	१९	३०	४१	५३	०४	१५	२७	३८	४९	०१	१२	२४	३५	४६	५८	१०	२१	३३	४४	५५	७	१८	३०	४१
	१२	४०	०८	३६	०४	३२	००	२२	४४	०६	२८	५०	१२	३४	५६	१८	४०	०२	२४	४६	०८	३०	५२	१४	३६	५८	२०	४२	४	२६
८ धनु	४५	४६	४६	४६	४६	४६	४७	४७	४७	४७	४७	४७	४८	४८	४८	४८	४८	४८	४९	४९	४९	४९	४९	४९	५०	५०	५०	५०	५०	५०
	५२	४	१५	२६	३८	४९	००	१०	२०	३०	४०	५०	००	१०	२०	३०	४१	५१	०१	११	२१	३१	४१	५१	०१	११	२२	३२	४२	५२
	४८	१०	३२	५४	१६	३८	००	०६	१२	१८	२४	३०	३६	४२	४८	५४	००	०६	१२	१८	२४	३०	३६	४२	४८	५४	०	०६	१२	१८
९ मकर	५१	५१	५१	५१	५१	५१	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५५	५५	५५
	२	१२	२२	३२	४२	५२	०३	११	१९	२८	३६	४५	५३	२	१०	१९	२७	३६	४४	५३	०१	१०	१८	२६	३५	४३	५२	००	०९	१७
	२४	३०	३६	४२	४८	५४	००	२८	५६	२४	५२	२०	४८	१६	४४	१२	४०	०८	३६	०४	३२	००	२८	५६	२४	५२	२०	४८	१६	४४
१० कुम्भ	५५	५५	५५	५५	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५९	५९
	२६	३४	४३	५१	००	०८	१७	२४	३१	३९	४६	५४	०१	०९	१६	२३	३१	३८	४६	५३	०१	०८	१५	२३	३०	३८	४५	५३	००	०७
	१२	४०	०८	३६	०४	३२	००	२६	५२	१८	४४	१०	३६	०२	२८	५४	२०	४६	१२	३८	०४	३०	५६	२२	४८	१४	४०	०६	३२	५८
११ मीन	५९	५९	५९	५९	५९	५९	००	०	०	०	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	२	२
	१५	२२	३०	३७	४५	५२	००	७	१४	२२	२९	३७	४४	५२	५९	०६	१४	२१	२९	३६	४४	५१	५८	०६	१३	२१	२८	३६	४३	५०
	२४	५०	१६	४२	०८	३४	००	२६	५२	१८	४४	१०	३६	०२	२८	५४	२०	४६	१२	३८	०४	३०	५६	२२	४८	१४	४०	०६	३२	५८

★ लग्नसारिणी ★

अक्षांश २७° । ००', पलभा ६ । ६ । ५२, अयनांश २४° । ०५ — स्वोदयपल (२१७, २५०, ३०३, ३४३, ३४८, ३३९)

अयोध्या, अलीगढ़, आगरा, इटावा, उन्नाव, कन्नौज, गोरखपुर, फैजाबाद, आदि स्थानों के लिए-

	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९
० मेष	२ ५३ ३६	३ ० ५०	३ ८ ४	३ १५ १८	३ २२ ३२	३ २९ ४६	३ ३७ ०	३ ४५ २०	३ ५३ ४०	४ २ ०	४ १० २०	४ १८ ४०	४ २७ ०	४ ३५ २०	४ ४३ ४०	४ ५२ ०	५ ० २०	५ ८ ४०	५ १७ ०	५ २५ २०	५ ३३ ४०	५ ४२ ०	५ ५० २०	५ ५८ ४०	६ ७ ०	६ १५ २०	६ २३ ४०	६ ३२ ०	६ ४० २०	६ ४८ ४०
१ वृष	६ ५७ ०	७ ५ २०	७ १३ ४०	७ २२ ०	७ ३० २०	७ ३८ ४०	७ ४७ ०	७ ५७ ६	८ ७ १२	८ १७ १८	८ २७ २४	८ ३७ ३०	८ ४७ ३६	८ ५७ ४२	९ ७ ४८	९ १७ ५४	९ २८ ०	९ ३८ ६	९ ४८ १२	९ ५८ १८	१० ८ २४	१० १८ ३०	१० २८ ३६	१० ३८ ४२	१० ४८ ४८	१० ५८ ५४	११ ९ ०	११ १९ ६	११ २९ १२	११ ३९ १८
२ मिथुन	११ ४९ २४	११ ५९ ३०	१२ ९ ३६	१२ १९ ४२	१२ २९ ४८	१२ ३९ ५४	१२ ५० ०	१३ १ २६	१३ १२ ५२	१३ २४ १८	१३ ३५ ४४	१३ ४७ १०	१३ ५८ ३६	१४ १० २	१४ २१ २८	१४ ३२ ५४	१४ ४४ २०	१४ ५५ ४६	१५ ७ १२	१५ १८ ३८	१५ ३० ४	१५ ४१ ३०	१५ ५२ ५६	१६ ४ २२	१६ १५ ४८	१६ २७ १४	१६ ३८ ४०	१६ ५० ६	१७ १ ३२	१७ १२ ५८
३ कर्क	१७ २४ २४	१७ ३५ ५०	१७ ४७ १६	१७ ५८ ४२	१८ १० ८	१८ २१ ३४	१८ ३३ ०	१८ ४४ ३६	१८ ५६ १२	१९ ७ ४८	१९ १९ २४	१९ ३१ ०	१९ ४२ ३६	१९ ५४ १२	२० ५ ४८	२० १७ २४	२० २९ ०	२० ४० ३६	२० ५२ १२	२१ ३ ४८	२१ १५ २४	२१ २७ ०	२१ ३८ ३६	२१ ५० १२	२२ १ ४८	२२ १३ २४	२२ २५ ०	२२ ३६ ३६	२२ ४८ १२	२२ ५९ ४८
४ सिंह	२३ ११ २४	२३ २३ ०	२३ ३४ ३६	२३ ४६ १२	२३ ५७ ४८	२४ ९ २४	२४ २१ ०	२४ ३२ १८	२४ ४३ ३६	२४ ५४ ५४	२५ ६ १२	२५ १७ ३०	२५ २८ ४८	२५ ४० ६	२५ ५१ २४	२६ २ ४२	२६ १४ ०	२६ २५ १८	२६ ३६ ३६	२६ ४७ ५४	२६ ५९ १२	२७ १० ३०	२७ २१ ४८	२७ ३३ ६	२७ ४४ २४	२७ ५५ ४२	२८ ७ ०	२८ १८ १८	२८ २९ ३६	२८ ४० ५४
५ कन्या	२८ ५२ १२	२९ ३ ३०	२९ १४ ४८	२९ २६ ६	२९ ३७ २४	२९ ४८ ४२	३० ० ०	३० ११ १८	३० २२ ३६	३० ३३ ५४	३० ४५ १२	३० ५६ ३०	३१ ७ ४८	३१ १९ ६	३१ ३० २४	३१ ४१ ४२	३१ ५३ ०	३२ ४ १८	३२ १५ ३६	३२ २६ ५४	३२ ३८ १२	३२ ४९ ३०	३३ ० ४८	३३ १२ ६	३३ २३ २४	३३ ३४ ४२	३३ ४६ ०	३३ ५७ १८	३४ ८ ३६	३४ १९ ५४
६ तुला	३४ ३१ १२	३४ ४२ ३०	३४ ५३ ४८	३५ ५ ६	३५ १६ २४	३५ २७ ४२	३५ ३९ ०	३५ ५० ३६	३६ २ १२	३६ १३ ४८	३६ २५ २४	३६ ३७ ०	३६ ४८ ३६	३७ ० १२	३७ ११ ४८	३७ २३ २४	३७ ३५ ०	३७ ४६ ३६	३७ ५८ १२	३८ ९ ४८	३८ २१ २४	३८ ३३ ०	३८ ४४ ३६	३८ ५६ १२	३९ ७ ४८	३९ १९ २४	३९ ३१ ०	३९ ४२ ३६	३९ ५४ १२	४० ५ ४८
७ वृश्चिक	४० १७ २४	४० २९ ०	४० ४० ३६	४० ५२ १२	४१ ३ ४८	४१ १५ २४	४१ २७ ०	४१ ३८ २६	४१ ४९ ५२	४२ १ १८	४२ १२ ४४	४२ २४ १०	४२ ३५ ३६	४२ ४७ २	४२ ५८ २८	४३ ९ ५४	४३ २१ २०	४३ ३२ ४६	४३ ४४ १२	४३ ५५ ३८	४४ ७ ४	४४ १८ ३०	४४ २९ ५६	४४ ४१ २२	४४ ५२ ४८	४५ ४ १४	४५ १५ ४०	४५ २७ ६	४५ ३८ ३२	४५ ४९ ५८
८ धनु	४६ १ २४	४६ १२ ५०	४६ २४ १६	४६ ३५ ४२	४६ ४७ ८	४६ ५८ ३४	४७ १० ०	४७ २० ६	४७ ३० १२	४७ ४० १८	४७ ५० २४	४८ ० ३०	४८ १० ३६	४८ २० ४२	४८ ३० ४८	४८ ४० ५४	४८ ५१ ०	४९ १ ६	४९ ११ १२	४९ २१ १८	४९ ३१ २४	४९ ४१ ३०	४९ ५१ ३६	५० १ ४२	५० ११ ४८	५० २१ ५४	५० ३२ ०	५० ४२ ६	५० ५२ १२	५१ २ १८
९ मकर	५१ १२ २४	५१ २२ ३०	५१ ३२ ३६	५१ ४२ ४२	५१ ५२ ४८	५२ २ ५४	५२ १३ ०	५२ २१ २०	५२ २९ ४०	५२ ३८ ०	५२ ४६ २०	५२ ५४ ४०	५३ ३ ०	५३ ११ २०	५३ १९ ४०	५३ २८ ०	५३ ३६ २०	५३ ४४ ४०	५३ ५३ ०	५४ १ २०	५४ ९ ४०	५४ १८ ०	५४ २६ २०	५४ ३४ ४०	५४ ४३ ०	५४ ५१ २०	५४ ५९ ४०	५५ ८ ०	५५ १६ २०	५५ २४ ४०
१० कुम्भ	५५ ३३ ०	५५ ४१ २०	५५ ४९ ४०	५५ ५८ ०	५६ ६ २०	५६ १४ ४०	५६ २३ ०	५६ ३० १४	५६ ३७ २८	५६ ४४ ४२	५६ ५१ ५६	५६ ५९ १०	५७ ६ २४	५७ १३ ३८	५७ २० ५२	५७ २८ ६	५७ ३५ २०	५७ ४२ ३४	५७ ४९ ४८	५७ ५७ २	५८ ४ १६	५८ ११ ३०	५८ १८ ४४	५८ २५ ५८	५८ ३३ १२	५८ ४० २६	५८ ४७ ४०	५८ ५४ ५४	५९ २ ८	५९ ९ २२
११ मीन	५९ १६ ३६	५९ २३ ५०	५९ ३१ ४	५९ ३८ १८	५९ ४५ ३२	५९ ५२ ४६	० ० ०	० ७ १४	० १४ २८	० २१ ४२	० २८ ५६	० ३६ १०	० ४३ २४	० ५० ३८	० ५७ ५२	१ ५ ६	१ १२ २०	१ १९ ३४	१ २६ ४८	१ ३४ २	१ ४१ १६	१ ४८ ३०	१ ५५ ४४	२ २ ५८	२ १० १२	२ १७ २६	२ २४ ४०	२ ३१ ५४	२ ३९ ८	२ ४६ २२

★ लग्नसारिणी ★

अक्षांश २८° । ३९", पलभा ६ । ३३ । ६, अयनांश २४° । ०५ — स्वोदयपल (२१३, २४७, ३००, ३४४, ३५१, ३४५)

दिल्ली, गाजियाबाद, टनकपुर, नैनीताल, मुजफ्फरनगर, मेरठ, गुड़गाँव, रोहतक, मुक्तिनाथ आदि स्थानों के लिए-

	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४
० मेष	२ ५० २४	२ ५७ ३०	३ ४ ३६	३ ११ ४२	३ १८ ४८	३ २५ ५४	३ ३३ ००	३ ४१ १४	३ ४९ २८	३ ५७ ४२	४ ५ ५६	४ १४ १०	४ २२ २४	४ ३० ३८	४ ३८ ५२
१ वृष	६ ५० ३६	६ ५८ ५०	७ ७ ४	७ १५ १८	७ २३ ३२	७ ३१ ४६	७ ४० ००	७ ५० ००	८ ०० ००	८ १० ००	८ २० ००	८ ३० ००	८ ४० ००	८ ५० ००	९ ० ००
२ मिथुन	११ ४० ००	११ ५० ००	१२ ०० ००	१२ १० ००	१२ २० ००	१२ ३० ००	१२ ४० ००	१२ ५१ २८	१३ २ ५६	१३ १४ २४	१३ २५ ५२	१३ ३७ २०	१३ ४८ ४८	१४ ० १६	१४ ११ ४४
३ कर्क	१७ १५ १२	१७ २६ ४०	१७ ३८ ०८	१७ ४९ ३६	१८ १ ४	१८ १२ ३२	१८ २४ ००	१८ ३५ ४२	१८ ४७ २४	१८ ५९ ०६	१९ १० ४८	१९ २२ ३०	१९ ३४ १२	१९ ४५ ५४	१९ ५७ ३६
४ सिंह	२३ ०४ ४८	२३ १६ ३०	२३ २८ १२	२३ ३९ ५४	२३ ५१ ३६	२४ ३ १८	२४ १५ ००	२४ २६ ३०	२४ ३८ ००	२४ ४९ ३०	२५ ०१ ००	२५ १२ ३०	२५ २४ ००	२५ ३५ ३०	२५ ४७ ००
५ कन्या	२८ ५१ ००	२९ ०२ ३०	२९ १४ ००	२९ २५ ३०	२९ ३७ ००	२९ ४८ ३०	३० ०० ००	३० ११ ३०	३० २३ ००	३० ३४ ३०	३० ४६ ००	३० ५७ ३०	३१ ०९ ००	३१ २० ३०	३१ ३२ ००
६ तुला	३४ ३६ ००	३४ ४७ ३०	३४ ५९ ००	३५ १० ३०	३५ २२ ००	३५ ३३ ३०	३५ ४५ ००	३५ ५६ ४२	३६ ८ २४	३६ २० ०६	३६ ३१ ४८	३६ ४३ ३०	३६ ५५ १२	३७ ०६ ५४	३७ १८ ३६
७ वृश्चिक	४० २५ ४८	४० ३७ ३०	४० ४९ १२	४१ ०० ५४	४१ १२ ३६	४१ २४ १८	४१ ३६ ००	४१ ४७ २८	४१ ५८ ५६	४२ १० २४	४२ २१ ५२	४२ ३३ २०	४२ ४४ ४८	४२ ५६ १६	४३ ०७ ४४
८ धनु	४६ ११ १२	४६ २२ ४०	४६ ३४ ८	४६ ४५ ३६	४६ ५७ ४	४७ ०८ ३२	४७ २० ००	४७ ३० ००	४७ ४० ०	४७ ५० ०	४८ ०० ०	४८ १० ०	४८ २० ००	४८ ३० ००	४८ ४० ००
९ मकर	५१ २० ००	५१ ३० ००	५१ ४० ००	५१ ५० ००	५२ ०० ००	५२ १० ००	५२ २० ००	५२ २८ १४	५२ ३६ २८	५२ ४४ ४२	५२ ५२ ५६	५३ ०१ १०	५३ ९ २४	५३ १७ ३८	५३ २५ ५२
१० कुम्भ	५५ ३७ ३६	५५ ४५ ५०	५५ ५४ ०४	५६ ०२ १८	५६ १० ३२	५६ १८ ४६	५६ २७ ००	५६ ३४ ०६	५६ ४१ १२	५६ ४८ १८	५६ ५५ २४	५७ ०२ ३०	५७ ०९ ३६	५७ १६ ४२	५७ २३ ४८
११ मीन	५९ १७ २४	५९ २४ ३०	५९ ३१ ३६	५९ ३८ ४२	५९ ४५ ४८	५९ ५२ ५४	० ० ०	० ७ ६	० १४ १२	० २१ १८	० २८ २४	० ३५ ३०	० ४२ ३६	० ४९ ४२	० ५६ ४८

	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९
० मेष	४ ४७ ०६	४ ५५ २०	५ ०३ ३४	५ ११ ४८	५ २० ०२	५ २८ १६	५ ३६ ३०	५ ४४ ४४	५ ५२ ५८	६ १ १२	६ ९ २६	६ १७ ४०	६ २५ ५४	६ ३४ ०८	६ ४२ २२
१ वृष	९ १० ००	९ २० ००	९ ३० ००	९ ४० ००	९ ५० ००	१० ०० ००	१० १० ००	१० २० ००	१० ३० ००	१० ४० ००	१० ५० ००	११ ०० ००	११ १० ००	११ २० ००	११ ३० ००
२ मिथुन	१४ २३ १२	१४ ३४ ४०	१४ ४६ ०८	१४ ५७ ३६	१५ ०९ ०४	१५ २० ३२	१५ ३२ ००	१५ ४३ २८	१५ ५४ ५६	१६ ०६ २४	१६ १७ ५२	१६ २९ २०	१६ ४० ४८	१६ ५२ १६	१७ ०३ ४४
३ कर्क	२० ०९ १८	२० २१ ००	२० ३२ ४२	२० ४४ २४	२० ५६ ०६	२१ ०७ ४८	२१ १९ ३०	२१ ३१ १२	२१ ४२ ५४	२१ ५४ ३६	२२ ०६ १८	२२ १८ ००	२२ २९ ४२	२२ ४१ २४	२२ ५३ ०६
४ सिंह	२५ ५८ ३०	२६ १० ००	२६ २१ ३०	२६ ३३ ००	२६ ४४ ३०	२६ ५६ ००	२७ ०७ ३०	२७ १९ ००	२७ ३० ३०	२७ ४२ ००	२७ ५३ ३०	२८ ०५ ००	२८ १६ ३०	२८ २८ ००	२८ ३९ ३०
५ कन्या	३१ ४३ ३०	३१ ५५ ००	३२ ०६ ३०	३२ १८ ००	३२ २९ ३०	३२ ४१ ००	३२ ५२ ३०	३३ ०४ ००	३३ १५ ३०	३३ २७ ००	३३ ३८ ३०	३३ ५० ००	३४ ०१ ३०	३४ १३ ००	३४ २४ ३०
६ तुला	३७ ३० १८	३७ ४२ ००	३७ ५३ ४२	३८ ०५ २४	३८ १७ ०६	३८ २८ ४८	३८ ४० ३०	३८ ५२ १२	३९ ०३ ५४	३९ १५ ३६	३९ २७ १८	३९ ३९ ००	३९ ५० ४२	४० ०२ २४	४० १४ ०६
७ वृश्चिक	४३ ११' १२	४३ ३० ४०	४३ ४२ ०८	४३ ५३ ३६	४४ ०५ ०४	४४ १६ ३२	४४ २८ ००	४४ ३९ २८	४४ ५० ५६	४५ २ २४	४५ १३ ५२	४५ २५ २०	४५ ३६ ४८	४५ ४८ १६	४५ ५९ ४४
८ धनु	४८ ५० ००	४९ ०० ००	४९ १० ००	४९ २० ००	४९ ३० ००	४९ ४० ००	४९ ५० ००	५० ०० ००	५० १० ००	५० २० ००	५० ३० ००	५० ४० ००	५० ५० ००	५१ ०० ००	५१ १० ००
९ मकर	५३ ३४ ०६	५३ ४२ २०	५३ ५० ३४	५३ ५८ ४८	५४ ०७ ०२	५४ १५ १६	५४ २३ ३०	५४ ३१ ४४	५४ ३९ ५८	५४ ४८ १२	५४ ५६ २६	५५ ४ ४०	५५ १२ ५४	५५ २१ ०८	५५ २९ २२
१० कुम्भ	५७ ३० ५४	५७ ३८ ००	५७ ४५ ०६	५७ ५२ १२	५७ ५९ १८	५८ ०६ २४	५८ १३ ३०	५८ २० ३६	५८ २७ ४२	५८ ३४ ४८	५८ ४१ ५४	५८ ४९ ००	५८ ५६ ०६	५९ ०३ १२	५९ १० १८
११ मीन	१ ३ ५४	१ ११ ०	१ १८ ०६	१ २५ १२	१ ३२ १८	१ ३९ २४	१ ४६ ३०	१ ५३ ३६	२ ०० ४२	२ ०७ ४८	२ १४ ५४	२ २२ ००	२ २९ ०६	२ ३६ १२	२ ४३ १८

★ लग्नसारिणी ★

अक्षांश ३०° । ००" पलभा ६ । ५५ । ४२, अयनांश २४° । ०५ — स्वोदयपल (२१०, २४४, २९९, ३४५, ३५४, ३४८)

अल्मोड़ा, सहारनपुर, हरिद्वार, पटियाला, फाजिल्का, भटिण्डा, शाहबाद, मुल्तान आदि स्थानों के लिए-

	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४
० मेष	२ ४८ ०	२ ५५ ०	३ ०२ ०	३ ९ ०	३ १६ ०	३ २३ ०	३ ३० ०	३ ३८ ८	३ ४६ १६	३ ५४ २४	४ २ ३२	४ १० ४०	४ १८ ४८	४ २६ ५६	४ ३५ ०४
१ वृष	६ ४५ १२	६ ५३ २०	७ १ २८	७ ०९ ३६	७ १७ ४४	७ २५ ५२	७ ३४ ००	७ ४३ ५८	७ ५३ ५६	८ ३ ५४	८ १३ ५२	८ २३ ५०	८ ३३ ४८	८ ४३ ४६	८ ५३ ४४
२ मिथुन	११ ३३ १२	११ ४३ १०	११ ५३ ०८	१२ ०३ ०६	१२ १३ ०४	१२ २३ ०२	१२ ३३ ००	१२ ४४ ३०	१२ ५६ ००	१३ ०७ ३०	१३ १९ ००	१३ ३० ३०	१३ ४२ ००	१३ ५३ ३०	१४ ५ ००
३ कर्क	१७ ०९ ००	१७ २० ३०	१७ ३२ ००	१७ ४३ ३०	१७ ५५ ००	१८ ०६ ३०	१८ १८ ००	१८ २९ ४८	१८ ४१ ३६	१८ ५३ २४	१९ ०५ १२	१९ १७ ००	१९ २८ ४८	१९ ४० ३६	१९ ५२ २४
४ सिंह	२३ १ १२	२३ १३ ००	२३ २४ ४८	२३ ३६ ३६	२३ ४८ २४	२४ ०० १२	२४ १२ ००	२४ २३ ३६	२४ ३५ १२	२४ ४६ ४८	२४ ५८ २४	२५ १० ०	२५ २१ ३६	२५ ३३ १२	२५ ४४ ४८
५ कन्या	२८ ५० २४	२९ ०२ ००	२९ १३ ३६	२९ २५ १२	२९ ३६ ४८	२९ ४८ २४	३० ०० ००	३० ११ ३६	३० २३ १२	३० ३४ ४८	३० ४६ २४	३० ५८ ०	३१ ०९ ३६	३१ २१ १२	३१ ३२ ४८
६ तुला	३४ ३८ २४	३४ ५० ००	३५ १ ३६	३५ १३ १२	३५ २४ ४८	३५ ३६ २४	३५ ४८ ००	३५ ५९ ४८	३६ ११ ३६	३६ २३ २४	३६ ३५ १२	३६ ४७ ००	३६ ५८ ४८	३७ १० ३६	३७ २२ २४
७ वृश्चिक	४० ३१ १२	४० ४३ ००	४० ५४ ४८	४१ ०६ ३६	४१ १८ २४	४१ ३० १२	४१ ४२ ००	४१ ५३ ३०	४२ ०५ ००	४२ १६ ३०	४२ २८ ००	४२ ३९ ३०	४२ ५१ ००	४३ ०२ ३०	४३ १४ ००
८ धनु	४६ १८ ००	४६ २९ ३०	४६ ४१ ००	४६ ५२ ३०	४७ ०४ ००	४७ १५ ३०	४७ २७ ००	४७ ३६ ५८	४७ ४६ ५६	४७ ५६ ५४	४८ ०६ ५२	४८ १६ ५०	४८ २६ ४८	४८ ३६ ४६	४८ ४६ ४४
९ मकर	५१ २६ १२	५१ ३६ १०	५१ ४६ ०८	५१ ५६ ०६	५२ ०६ ०४	५२ १६ ०२	५२ २६ ००	५२ ३४ ०८	५२ ४२ १६	५२ ५० २४	५२ ५८ ३२	५३ ६ ४०	५३ १४ ४८	५३ २२ ५६	५३ ३१ ०४
१० कुम्भ	५५ ४१ १२	५५ ४९ २०	५५ ५७ २८	५६ ५ ३६	५६ १३ ४४	५६ २१ ५२	५६ ३० ००	५६ ३७ ००	५६ ४४ ००	५६ ५१ ००	५६ ५८ ००	५७ ०५ ००	५७ १२ ००	५७ १९ ००	५७ २६ ००
११ मीन	५९ १८ ००	५९ २५ ००	५९ ३२ ००	५९ ३९ ००	५९ ४६ ००	५९ ५३ ००	० ० ०	० ७ ०	० १४ ०	० २१ ०	० २८ ०	० ३५ ०	० ४२ ०	० ४९ ०	० ५६ ०

	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९
० मेष	४ ४३ १२	४ ५१ २०	४ ५९ २८	५ ७ ३६	५ १५ ४४	५ २३ ५२	५ ३२ ००	५ ४० ८	५ ४८ १६	५ ५६ २४	६ ०४ ३२	६ १२ ४०	६ २० ४८	६ २८ ५६	६ ३७ ०४
१ वृष	९ ३ ४२	९ १३ ४०	९ २३ ३८	९ ३३ ३६	९ ४३ ३४	९ ५३ ३२	१० ०३ ३०	१० १३ २८	१० २३ २६	१० ३३ २४	१० ४३ २२	१० ५३ २०	११ ३ १८	११ १३ १६	११ २३ १४
२ मिथुन	१४ १६ ३०	१४ २८ ००	१४ ३९ ३०	१४ ५१ ००	१५ ०२ ३०	१५ १४ ००	१५ २५ ३०	१५ ३७ ००	१५ ४८ ३०	१६ ०० ००	१६ ११ ३०	१६ २३ ००	१६ ३४ ३०	१६ ४६ ००	१६ ५७ ३०
३ कर्क	२० ०४ १२	२० १६ ००	२० २७ ४८	२० ३९ ३६	२० ५१ २४	२१ ३ १२	२१ १५ ००	२१ २६ ४८	२१ ३८ ३६	२१ ५० २४	२२ ०२ १२	२२ १४ ००	२२ २५ ४८	२२ ३७ ३६	२२ ४९ २४
४ सिंह	२५ ५६ २४	२६ ८ ००	२६ १९ ३६	२६ ३१ १२	२६ ४२ ४८	२६ ५४ २४	२७ ०६ ००	२७ १७ ३६	२७ २८ १२	२७ ४० ४८	२७ ५२ २४	२८ ०४ ००	२८ १५ ३६	२८ २७ १२	२८ ३८ ४८
५ कन्या	३१ ४४ २४	३१ ५६ ००	३२ ०७ ३६	३२ १९ १२	३२ ३० ४८	३२ ४२ २४	३२ ५४ ००	३३ ५ ३६	३३ १७ १२	३३ २८ ४८	३३ ४० २४	३३ ५२ ००	३४ ३ ३६	३४ १५ १२	३४ २६ ४८
६ तुला	३७ ३४ १२	३७ ४६ ००	३७ ५७ ४८	३८ ०९ ३६	३८ २१ २४	३८ ३३ १२	३८ ४५ ००	३८ ५६ ४८	३९ ०८ ३६	३९ २० २४	३९ ३२ १२	३९ ४४ ००	३९ ५५ ४८	४० ०७ ३६	४० १९ २४
७ वृश्चिक	४३ २५ ३०	४३ ३७ ००	४३ ४८ ३०	४४ ०० ००	४४ ११ ३०	४४ २३ ००	४४ ३४ ३०	४४ ४६ ००	४४ ५७ ३०	४५ ९ ००	४५ २० ३०	४५ ३२ ००	४५ ४३ ३०	४५ ५५ ००	४६ ६ ३०
८ धनु	४८ ५६ ४२	४९ ०६ ४०	४९ १६ ३८	४९ २६ ३६	४९ ३६ ३४	४९ ४६ ३२	४९ ५६ ३०	५० ६ २८	५० १६ २६	५० २६ २४	५० ३६ २२	५० ४६ २०	५० ५६ १८	५१ ६ १६	५१ १६ १४
९ मकर	५३ ३९ १२	५३ ४७ २०	५३ ५५ २८	५४ ३ ३६	५४ ११ ४४	५४ १९ ५२	५४ २८ ००	५४ ३६ ०८	५४ ४४ १६	५४ ५२ २४	५५ ०० ३२	५५ ८ ४०	५५ १६ ४८	५५ २४ ५६	५५ ३३ ४
१० कुम्भ	५७ ३३ ००	५७ ४० ००	५७ ४७ ००	५७ ५४ ००	५८ १ ००	५८ ०८ ००	५८ १५ ००	५८ २२ ००	५८ २९ ००	५८ ३६ ००	५८ ४३ ००	५८ ५० ००	५८ ५७ ००	५९ ४ ००	५९ ११ ००
११ मीन	१ ३ ०	१ १० ०	१ १७ ०	१ २४ ०	१ ३१ ०	१ ३८ ०	१ ४५ ०	१ ५२ ०	१ ५९ ०	२ ०६ ०	२ १३ ०	२ २० ०	२ २७ ०	२ ३४ ०	२ ४१ ०

* लग्नसारिणी *

अक्षांश ३१° । ००°, पलभा ७/१२/३९, अयनांश २४° । ०५ — स्वोदयपल (२०७, २४१, २९८, ३४६, ३५७, ३५१)

सोलन, फिरोजपुर, उत्तरकाशी, लुधियाना, फरीदकोट, रोपड़, शिमला आदि स्थानों के लिए-

	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९
० मेष	२	२	२	३	३	३	३	३	३	३	३	४	४	४	४	४	४	४	५	५	५	५	५	५	५	५	६	६	६	६
	४५	५२	५९	६	१३	२०	२७	३५	४३	५१	५९	७	१५	२३	३१	३९	४७	५५	३	११	१९	२७	३५	४३	५१	५९	७	१५	२३	३१
	३६	३०	३४	२८	२२	१६	१०	१२	१४	१६	१८	२०	२२	२४	२६	२८	३०	३२	३४	३६	३८	४०	४२	४४	४६	४८	५०	५२	५४	५६
१ वृष	६	६	६	७	७	७	७	७	७	७	८	८	८	८	८	८	९	९	९	९	९	९	१०	१०	१०	१०	१०	१०	११	११
	३९	४८	५६	०४	१२	२०	२८	३८	४८	५७	७	१७	२७	३७	४७	५७	७	१७	२७	३७	४७	५७	७	१७	२६	३६	४६	५६	०६	१६
	५८	००	०२	०४	०६	०८	१०	०६	०२	५८	५४	५०	४६	४२	३८	३४	३०	२६	२२	१८	१४	१०	६	०२	५८	५४	५०	४६	४२	३८
२ मिथुन	११	११	११	११	१२	१२	१२	१२	१२	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१४	१४	१४	१४	१४	१५	१५	१५	१५	१५	१६	१६	१६	१६	१६
	२६	३६	४६	५६	०६	१६	२६	३७	४९	००	१२	२३	३५	४६	५८	९	२१	३२	४४	५५	७	१९	३०	४२	५३	५	१६	२८	३९	११
	३४	३०	२६	२२	१८	१४	१०	४२	१४	४६	१८	४०	१२	४४	१६	४८	२०	५२	२४	५६	२८	००	३२	४	३६	८	४०	१२	४४	१६
३ कर्क	१७	१७	१७	१७	१७	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१९	१९	१९	१९	१९	२०	२०	२०	२०	२०	२१	२१	२१	२१	२१	२२	२२	२२	२२
	०२	१४	२५	३७	४८	००	१२	२३	३५	४७	५९	११	२३	३५	४७	५१	११	२२	३४	४६	५८	१०	२२	३४	४६	५८	१०	२१	३३	४५
	४८	२०	५२	२४	५६	२८	००	५४	४८	४२	३६	३०	२४	१८	१२	०६	०	५४	४८	४२	३६	३०	२४	१८	१२	०६	०	५४	४८	४२
४ सिंह	२२	२३	२३	२३	२३	२३	२४	२४	२४	२४	२४	२५	२५	२५	२५	२५	२६	२६	२६	२६	२६	२७	२७	२७	२७	२७	२८	२८	२८	२८
	५७	९	२१	३३	४५	५७	०९	२०	३२	४४	५५	०७	१९	३०	४२	५४	०६	१७	२९	४१	५२	०४	१६	२७	३९	५१	०३	१४	२६	३८
	३६	३०	२४	१८	१२	०६	००	४२	२४	०६	४८	३०	१२	५४	३६	१८	००	४२	२४	०६	४८	३०	१२	५४	३६	१८	००	४२	२४	०६
५ कन्या	२८	२९	२९	२९	२९	२९	३०	३०	३०	३०	३०	३०	३१	३१	३१	३१	३१	३२	३२	३२	३२	३२	३३	३३	३३	३३	३३	३४	३४	३४
	४९	१	१३	२४	३६	४८	००	११	२३	३५	४६	५८	१०	२१	३३	४५	५७	८	२०	३२	४३	५५	०७	१८	३०	४२	५४	०५	१७	२९
	४८	३०	१२	५४	३६	१८	००	४२	२४	०६	४८	३०	१२	५४	३६	१८	००	४२	२४	०६	४८	३०	१२	५४	२३	१८	००	४२	२४	०६
६ तुला	३४	३४	३५	३५	३५	३५	३५	३६	३६	३६	३६	३६	३७	३७	३७	३७	३७	३८	३८	३८	३८	३८	३९	३९	३९	३९	३९	४०	४०	४०
	४०	५२	०४	१५	२७	३९	५१	२	१४	२६	३८	५०	२	१४	२६	३८	५०	१	१३	२५	३७	४९	१	१३	२५	३७	४९	००	१२	२४
	४८	३०	१२	५४	३६	१८	००	५४	४८	४२	३६	३०	२४	१८	१२	०६	००	५४	४८	४२	३६	३०	२४	१८	१२	०६	००	५४	४८	४२
७ वृश्चिक	४०	४०	४१	४१	४१	४१	४१	४१	४२	४२	४२	४२	४२	४३	४३	४३	४३	४३	४४	४४	४४	४४	४४	४५	४५	४५	४५	४५	४६	४६
	३६	४८	००	१२	२४	३६	४८	५९	११	२२	३४	४५	५७	८	२०	३१	४३	५४	६	१७	२९	४१	५२	४	१५	२७	३८	५०	०१	१३
	३६	३०	२४	१८	१२	०६	००	३२	०४	३६	०८	४०	१२	४४	१६	४८	२०	५२	२४	५६	२८	००	३२	४	३६	०८	४०	१२	४४	१६
८ धनु	४६	४६	४६	४६	४७	४७	४७	४७	४८	४८	४८	४८	४८	४८	४९	४९	४९	४९	४९	४९	५०	५०	५०	५०	५०	५०	५०	५१	५१	५१
	२४	३६	४७	५९	१०	२२	३४	४३	५३	३	१३	२३	३३	४३	५३	०३	१३	२३	३३	४३	५३	०३	१२	२२	३२	४२	५२	०२	१२	२२
	४८	२०	५२	२४	५६	२८	००	५६	५२	४८	४४	४०	३६	३२	२८	२४	२०	१६	१२	०८	०४	००	५६	५२	४८	४४	४०	३६	३२	२८
९ मकर	५१	५१	५१	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५५	५५	५५	५५	५५	५५
	३२	४२	५२	०२	१२	२२	३२	४०	४८	५६	४	१२	२०	२८	३६	४४	५२	०	८	१६	२४	३२	४०	४८	५६	०४	१२	२०	२८	३६
	२४	२०	१६	१२	०८	०४	००	०२	०४	०६	०८	१०	१२	१४	१६	१८	२०	२२	२४	२६	२८	३०	३२	३४	३६	३८	४०	४२	४४	४६
१० कुम्भ	५५	५५	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५९	५९
	४४	५२	००	०८	१६	२४	३३	३९	४६	५३	००	०७	१४	२१	२८	३५	४२	४८	५५	०२	९	१६	२३	३०	३६	४३	५०	५७	४	११
	४८	५०	५२	५४	५६	५८	००	५४	४८	४२	३६	३०	२४	१८	१२	०६	००	५४	४८	४२	३६	३०	२४	१८	१२	०६	००	५४	४८	४२
११ मीन	५९	५९	५९	५९	५९	५९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	२
	१८	२५	३२	३९	४६	५३	०	६	१३	२०	२७	३४	४१	४८	५५	०२	०९	१५	२२	२९	३६	४३	५०	५७	०४	११	१८	२४	३१	३८
	३६	३०	२४	१८	१२	०६	०	५४	४८	४२	३६	३०	२४	१८	१२	०६	००	५४	४८	४२	३६	३०	२४	१८	१२	०६	००	५४	४८	४२

✱ दशम-लग्न-सारिणी ✱

विशेष : दशम लग्न निकालने के लिए अभीष्ट अक्षांश से सम्बन्धित लग्न-सारिणी से सूर्य के राशि अंश का फल लेकर इष्टकाल जोड़ना चाहिए। जुड़े हुए फल में से १५ घटी घटा कर शेष फल को दशम लग्न सारिणी में बाईं ओर राशि एवं ऊपर अंश देखकर उसके तुल्य दशम लग्न होगा। सूक्ष्म फल हेतु अनुपात द्वारा कला विकला का आनयन करना चाहिए।

	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४
० मेष	३	३	३	४	४	४	४	४	४	५	५	५	५	५	५
	४०	४९	५८	८	१७	२६	३५	४५	५५	५	१५	२५	३५	४५	५४
	६	२४	४२	०	१८	३६	५४	१२	१०	८	६	४	२	०	५८
१ वृष	८	८	८	९	९	९	९	९	९	१०	१०	१०	१०	१०	१०
	३४	४४	५४	४	१४	२४	३४	४४	५४	५	१६	२७	३७	४८	५९
	२६	२४	२२	२०	१८	१६	१४	१२	५६	४०	२४	८	५२	३६	२०
२ मिथुन	१३	१४	१४	१४	१४	१४	१४	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१६	१६
	५१	१	१२	२३	३४	४४	५५	६	१६	२७	३८	४९	५९	१०	२१
	४	४८	३२	१६	०	४४	२८	१२	५६	४०	२४	८	५२	३६	२०
३ कर्क	१९	१९	१९	१९	१९	२०	२०	२०	२०	२०	२०	२१	२१	२१	२१
	१३	२३	३४	४५	५६	६	१७	२८	३८	४८	५८	८	१८	२८	३७
	४	४८	३२	१६	०	४४	२८	१२	१०	८	६	४	२	०	५८
४ सिंह	२४	२४	२४	२४	२४	२५	२५	२५	२५	२५	२५	२६	२६	२६	२६
	१७	२७	३७	४७	५७	७	१७	२७	३६	४५	५५	४	१३	२२	३१
	२६	२४	२२	२०	१८	१६	१४	१२	३०	४८	६	२४	४२	०	१८
५ कन्या	२९	२९	२९	२९	२९	२९	२९	३०	३०	३०	३०	३०	३०	३१	३१
	०	९	१८	२८	३७	४६	५५	५	१५	२४	३४	४३	५२	२	११
	६	२४	४२	०	१८	३६	५४	१२	३०	४८	६	२४	४२	०	१८
६ तुला	३३	३३	३३	३४	३४	३४	३४	३४	३४	३५	३५	३५	३५	३५	३५
	४०	४९	५८	८	१७	२६	३५	४५	५५	५	१५	२५	३५	४५	५४
	६	२४	४२	०	१८	३६	५४	१२	१०	८	६	४	२	०	५८
७ वृश्चिक	३८	३८	३८	३९	३९	३९	३९	३९	३९	४०	४०	४०	४०	४०	४०
	३४	४४	५४	४	१४	२४	३४	४४	५४	५	१६	२७	३७	४८	५९
	२६	२४	२२	२०	१८	१६	१४	१२	५६	४०	२४	८	५२	३६	२०
८ धनु	४३	४४	४४	४४	४४	४४	४४	४५	४५	४५	४५	४५	४५	४६	४६
	५१	१	१२	२३	३४	४४	५५	६	१६	२७	३८	४९	५९	१०	२१
	४	४८	३२	१६	०	४४	२८	१२	५६	४०	२४	८	५२	३६	२०
९ मकर	४९	४९	४९	४९	४९	५०	५०	५०	५०	५०	५०	५१	५१	५१	५१
	१३	२३	३४	४५	५६	६	१७	२८	३८	४८	५८	८	१८	२८	३७
	४	४८	३२	१६	०	४४	२८	१२	१०	८	६	४	२	०	५८
१० कुम्भ	५४	५४	५४	५४	५४	५५	५५	५५	५५	५५	५५	५६	५६	५६	५६
	१७	२७	३७	४७	५७	७	१७	२७	३६	४५	५५	४	१३	२३	३२
	२६	२४	२२	२०	१८	१६	१४	१२	३०	४८	६	२४	४२	०	१८
११ मीन	५९	५९	५९	५९	५९	५९	५९	०	०	०	०	०	०	१	१
	१	१०	१९	२९	३८	४७	५६	६	१५	२४	३४	४३	५२	२	११
	६	२४	४२	०	१८	३६	५४	१२	३०	४८	६	२४	४२	०	१८

	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९
० मेष	६	६	६	६	६	६	७	७	७	७	७	७	८	८	८
	४	१४	२४	३४	४४	५४	४	१४	२४	३४	४४	५४	४	१४	२४
	५६	५४	५२	५०	४८	४६	४४	४२	४०	३८	३६	३४	३२	३०	२८
१ वृष	११	११	११	११	११	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१३	१३	१३	१३
	१०	२०	३१	४२	५३	३	१४	२५	३५	४६	५७	८	१८	२९	४०
	४	४८	३२	१६	०	४४	२८	१२	५६	४०	२४	८	५२	३६	२०
२ मिथुन	१६	१६	१६	१७	१७	१७	१७	१७	१७	१८	१८	१८	१८	१८	१८
	३२	४२	५३	४	१५	२५	३६	४७	५७	८	१९	३०	४०	५१	२
	४	४८	३२	१६	०	४४	२८	१२	५६	४०	२४	८	५२	३६	२०
३ कर्क	२१	२१	२२	२२	२२	२२	२२	२२	२३	२३	२३	२३	२३	२३	२४
	४७	५७	७	१७	२७	३७	४७	५७	७	१७	२७	३७	४७	५७	७
	५६	५४	५२	५०	४८	४६	४४	४२	४०	३८	३६	३४	३२	३०	२८
४ सिंह	२६	२६	२६	२७	२७	२७	२७	२७	२७	२८	२८	२८	२८	२८	२८
	४०	४९	५९	८	१७	२७	३६	४५	५५	४	१३	२२	३२	४१	५०
	३६	५४	१२	३०	४८	६	२४	४२	०	१८	३६	५४	१२	३०	४८
५ कन्या	३१	३१	३१	३१	३१	३२	३२	३२	३२	३२	३२	३३	३३	३३	३३
	२०	२९	३९	४८	५७	७	१६	२५	३५	४४	५३	२	१२	२१	३०
	३६	५४	१२	३०	४८	६	२४	४२	०	१८	३६	५४	१२	३०	४८
६ तुला	३६	३६	३६	३६	३६	३६	३७	३७	३७	३७	३७	३७	३८	३८	३८
	४	१४	२४	३४	४४	५४	४	१४	२४	३४	४४	५४	४	१४	२४
	५६	५४	५२	५०	४८	४६	४४	४२	४०	३८	३६	३४	३२	३०	२८
७ वृश्चिक	४१	४१	४१	४१	४१	४२	४२	४२	४२	४२	४२	४३	४३	४३	४३
	१०	२०	३१	४२	५३	३	१४	२५	३५	४६	५७	८	१८	२९	४०
	४	४८	३२	१६	०	४४	२८	१२	५६	४०	२४	८	५२	३६	२०
८ धनु	४६	४६	४६	४७	४७	४७	४७	४७	४७	४८	४८	४८	४८	४८	४९
	३२	४२	५३	४	१५	२५	३६	४७	५७	८	१९	३०	४०	५१	२
	४	४८	३२	१६	०	४४	२८	१२	५६	४०	२४	८	५२	३६	२०
९ मकर	५१	५१	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५४
	४७	५७	७	१७	२७	३७	४७	५७	७	१७	२७	३७	४७	५७	७
	५६	५४	५२	५०	४८	४६	४४	५२	४०	३८	३६	३४	३२	३०	२८
१० कुम्भ	५६	५६	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५८	५८	५८	५८	५८	५८
	४१	५०	०	९	१८	२८	३७	४६	५६	५५	१४	२३	३३	४२	५१
	३६	५४	१२	३०	४८	६	२४	४२	०	१८	३६	५४	१२	३०	४८
११ मीन	१	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	३	३	३	३
	२०	२९	३९	४८	५७	७	१६	२५	३५	४४	५३	२	१२	२१	३०
	३६	५४	१२	३०	४८	६	२४	४२	०	१८	३६	५४	१२	३०	४८

नैसर्गिक ग्रह-मैत्री चक्र

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु
मित्र	चं. मं. गु.	सू. बु.	सू. चं. गु.	सू. शु.	सू. चं. मं.	बु. श.	बु. शु.	बु. शु. श.
शत्रु	शु. श.	रा.	बु.	चं.	बु. शु.	सू. चं.	सू.चं.मं.	सू.चं.मं
सम	बु.	मं. गु. श.	शु. श.	मं. गु. श.	श.	मं. गु.	गु.	गु.

तात्कालिक-मैत्री

ग्रह स्थान से २, ३, ४, १०, ११, १२ स्थान में स्थित ग्रह मित्र तथा ग्रह स्थान से १, ५, ६, ७, ८, ९ स्थान में स्थित ग्रह शत्रु होते हैं।

नक्षत्रों की अन्धाक्ष-मन्दाक्ष-सुलोचनादि संज्ञा

अन्धाक्ष	रो., पु., उ.फा., वि., पू.षा., ध., रे.,	पूर्व	शीघ्र लाभ
मन्दाक्ष	मृ., आश्ले., ह., अनु., उ.षा., शत., अश्वि.,	दक्षिण	प्रयत्न से लाभ
मध्याक्ष	आ., म., चि., ज्ये., अभि., पू.भा., भ.	पश्चिम	दूरश्रवण, लाभ नहीं
सुलोचन	पुन., पू.फा., स्वा., मू., श्रव., उ.भा., कृ.	उत्तर	न श्रवण न लाभ

तिथि-वार-नक्षत्रदिवस सिद्ध्यादि योगचक्र

वार	रवि	सोम	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
सिद्धि योग	३।८।१३	१।६।११	३।८।१३	२।७।१२	५।१०।१५	१।६।११	४।९।१४
अमृत योग	५।१०।१५	५।१०।१५	२।७।१२	१।६।११	३।८।१३	४।९।१४	१।६।११
सर्वार्थ सिद्धि योग	अश्वि.पुष्य हस्त, मूल उ.फा.,उ.षा. उ.भा.	रो.मृ.पुष्य श्रवण अनु.	अश्वि. उ.भा. कृ., आश्ले.	रो.मृ. ह. अनु.	अश्वि. पुष्य पुन.अनु.रे.	अश्वि. पुन.अनु. श्रव.रे.	रो.स्वा. श्रवण
मृत्यु योग	१।६।११	२।७।१२	१।६।११	३।८।१३	४।९।१४	२।७।१२	५।१०।१५
राज्यप्रद योग	X	X	४।९।१४	X	X	X	४।९।१४

शिव-वास

वर्तमान तिथि को दो से गुणा करके पाँच जोड़ने पर जो प्राप्त हो, उसको सात से भाग देने पर एक शेष रहने पर कैलाश में श्रेष्ठ, दो से गौरी पार्श्व में श्रेष्ठ, तीन से वृषोपरि श्रेष्ठ, चार से सभा में सामान्य, पाँच से ज्ञानलेवा में श्रेष्ठ, छः से क्रीड़ा में नेष्ट तथा शून्य से श्मशान में मृत्युकारक है।

विविध-मुहूर्त्तों का विचार

गर्भाधान के मुहूर्त्त का विचार- रजोदर्शन प्रारम्भ से ४ रात्रि उपरान्त सम-रात्रियों में रो०, ह०, स्वा०, मृ०, अनु०, श्र०, ध०, शतभिषा तीनों उत्तरा इन नक्षत्रों में मेष, कर्क, सिंह, तुला, धनु, मकर इन लग्नों में तथा लग्न से ३-६-११वें स्थानों पर पाप ग्रह हो रवि, मंगल और गुरु की लग्न पर दृष्टि, नवांश विषम राशि का हो, (स्त्री को विशेष रूप से चन्द्र श्रेष्ठ हो) ऐसे समय का विचार कर गर्भाधान संस्कार करें। (पुन०, अश्वि०, पुष्य, चित्रा) इन नक्षत्रों में गर्भाधान मध्यम है।

गर्भाधान-मुहूर्त्त-चक्र

रो०, हस्त, स्वाती, मृग०, अनु०, श्र०, ध०, शत०, तीनों उत्तरा	श्रेष्ठ नक्षत्र
पुनर्वसु, अश्विनी, पुष्य, चित्रा	मध्यम नक्षत्र
१-४-५-७-९-१०	लग्न
लग्न से ३-६-११वें पापग्रह हों	
१-३-५-७-९-११	नवांश
रजोदर्शन से ६-८-१०-१२-१४-१६वीं	रात्रियाँ

पुंसवन तथा सीमन्त मुहूर्त्त विचार- गर्भ के तृतीय मास में रवि, मंगल, गुरुवार को दम्पति के श्रेष्ठ चन्द्र में, तारा शुद्धि में, रो०, मृग०, पुष्य, पुन०, हस्त, मू०, श्रवण, ३ उत्तरा नक्षत्रों में जन्म को त्याग कर, शुक्ल पक्ष १-२-३-५-७-१०-११, १३ तथा कृष्ण पक्ष की में दशमी पर्यन्त तिथियों में दिन में पूर्व भाग में पुरूष संज्ञक नवमांश लग्न में होने पर तथा लग्न से १-४-५-७-९-१० स्थानों पर शुभ ग्रह तथा ३-६-११वें स्थानों पर पापग्रहों की स्थिति में एवं चन्द्र की १-६-८-१२वें स्थिति न होने पर पुंसवन व सीमन्त संस्कार शुभ हैं इस संस्कार में गुरु शुक्रास्त अविचारणीय है। (गर्भ से) ६-८ मासों में मासाधिपति बली होने पर शुभ है।

पुंसवन तथा सीमन्त मुहूर्त्त चक्र

गर्भ से तृतीय मास में तथा मासाधिपति बली होने पर ६, ८ मासों में	मास
शुक्ल पक्ष की १-२-३-५-७-१०-११ -१३, कृष्ण पक्ष की १ से १०	तिथि
(जन्म नक्षत्र को छोड़कर) रो०, मृग०, पुष्य, पुन०, हस्त, मूल, श्रवण तीनों उत्तरा	नक्षत्र

१-३-५-७-११	लग्न
रविं, मंगल, गुरु मतान्तर से सोम, बुध, शुक्र	वार

स्तनपान कराने का मुहूर्त्त- जन्म के पाँचवें दिन अथवा भद्रा, व्यतिपात, वैधृति ४-९-१४ तिथि को छोड़कर शुभ तिथि को सोम, बुध, गुरु, शुक्र वारों में पुन०, पुष्य, मृ०, म०, श्र०, रे० नक्षत्रों में बालक को प्रथम बार स्तनपान शुभ है।

स्तनपान मुहूर्त्त चक्र

२-३-५-८-१०-११-१३-१५	तिथि
सोम, बुध, गुरु, शुक्र	वार
पुन०, पुष्य, मृ०, म०, श्र०, रे०	नक्षत्र
भद्रा, व्यतिपात, वैधृति, रिक्ता तिथि	त्याज्य

जलपूजन करने का मुहूर्त्त- जन्म के अनन्तर प्रथम मास की समाप्ति पर बुध, गुरु, चन्द्र वारों में ४-९-१४-३० तिथियों को छोड़कर अन्य तिथियों में मृ०, पुन०, पुष्य, हस्त, अनु०, मूल, श्रवण नक्षत्रों में प्रसूता स्त्री द्वारा जलपूजन करना (कुंआ-पूजना) श्रेष्ठ है।

चैत्र, पौष, अधिमास, गुरु-शुक्रास्त का विचार १ मास के बाद ही करें।

जल पूजन करने के लिए मुहूर्त्त-चक्र

१-२-३-५-६-८-१०-११-१२-१३-१	तिथि
बुध, गुरु, सोम	वार
मृग०, पुन०, पुष्य, हस्त, अनु०, मूल, श्रवण	नक्षत्र
प्रथममासोपरान्तचैत्र, पौष अधिक-मास, गु-शुक्रास्त, रिक्ता व अमा० तिथि	त्याज्य

जातकर्म और नामकरण संस्कार मुहूर्त्त-

जातकर्म अर्थात् शिशु के जन्म होने के बाद का कार्य नाल छेदन से पूर्व करना उचित है। नामकरण सूतक निवृत्ति के उपरान्त ब्राह्मण ११वें दिन, क्षत्रिय १३वें दिन, शूद्र २१वें दिन कुल की परम्परा के अनुसार करें। दस दिन से पूर्व कदापि शुद्धि के अभाव के कारण नामकरण संस्कार न करें। सूतक समाप्ति पर ११वें या १२वें दिन नाम संस्कार बिना मुहूर्त्त विचार कर लें। १२ दिन के बाद भद्रा, व्यतिपात, वैधृति, संक्रान्ति रहित दिनों में रिक्ता १-२-३-५-६-७-१०-११-१२-१३ इन तिथियों में शुभ वार, अश्वि०, रो०, मृ०, पुन०, पुष्य, हस्त, चि०, स्वा०, अनु०, तीनों उत्तरा, अभि०, श्र०, ध०, श०, रे०, नक्षत्रों में लग्न नवांश बल का विचार कर नामकरण करें।

नामकरण संस्कार मुहूर्त्त चक्र

१-२-३-५-६-७-८-१०-११-१२-१३	तिथि
सोम, बुध, गुरु, शुक्र	वार
अश्वि०, रो०, मृ०, पुन०, पुष्य, ह०, चि०, स्वा०, अनु०, ३ उत्तरा, अभि०, श्रव०, धनि०, शत, रेवती	नक्षत्र
जन्म से १० दिन, भद्रा, व्यतिपात, वैधृति, संक्रान्ति रहित दिन, पर्व व रिक्ता तिथि।	त्याज्य

निष्क्रमण मुहूर्त्त अर्थात् बालक के प्रथम बार घर से निकलने का मुहूर्त्त-

जन्म से बारहवें दिन बिना मुहूर्त्त विचार के बालक का निष्क्रमण कर, सूर्य नक्षत्रों का पूजन करके सूर्य नक्षत्र व देवताओं का दर्शन करावें। यदि बारहवें दिन यह न हो पावें तब जन्म से ३ मास में मंगल शनि वर्जित वारों व रिक्ता, विष्टि, अमा० आदि अशुभ योग से भिन्न शुभ दिन में अश्वि०, रो०, पुन०, पुष्य, हस्त, अनुराधा, स्वाति, मूल, श्रवण, धनिष्ठा नक्षत्रों में प्रथम निष्क्रमण शुभ है।

बालक के प्रथम बार घर से निष्क्रमण के लिए मुहूर्त्त चक्र

तिथि	१-२-३-५-६-७-८-१०-११-१२-१३
वार	रवि, सोम, बुध, गुरु, शुक्र
नक्षत्र	अश्वि०, रो०, पुन०, पुष्य, हस्त, अनु० स्वा०, मूल, श्र०, धनि०
त्याज्य	मंगल, शनिवार, रिक्ता, अमा०, विष्टि, अशुभ योग

भूमि पर प्रथमोपवेश का विचार- जन्म से पंचम मास में रिक्ता, अमा०, रहित तिथि, शुभवार, अश्वि०, रो०, मृ०, पुष्य, हस्त, अनु०, ज्येष्ठा, अभि०, ३ उत्तरा नक्षत्रों में स्थिर लग्न का विचार कर बालक की कमर में काला सूत्र बांधकर पृथवी और वराह का पूजन कर 'पृथ्वी' पर बैठावें। इस समय बालक के सामने विविध वस्तुएँ रखें आजीविका की जिस वस्तु को वह उठावे उसी से आजीविका समझनी चाहिए।

भूमि पर पहली बार बैठाने के लिए मुहूर्त्त चक्र

तिथि	पंचममास में १-२-३-५-६-७-८-१० ११-१२-१३-१५

वार	सोम, बुध, गुरु, शुक्र
नक्षत्र	अश्वि०, रो०, मृ०, पुष्य, हस्त, अनु०, ज्ये०, ३ उत्तरा
लग्न	२-५-८-११

अन्नप्राशन कराने का विचार- बालक के नामकरण, निष्क्रमण, भूमि उपवेशन के बाद ६, ८, १०, १२वें मास में पुत्र को और ५, ७, ९, ११वें मास में कन्या को अन्नप्राशन करावें।

विशेष-

उक्त मासों में भद्रा व्यतिपात दोष रहित १, ३, ५, ७, १०, १३, १५ तिथियों में शुभवार अश्वि०, रो०, मृ०, पुन०, पु०, हस्त, चि०, स्वा०, अनु०, श्र०, ध०, शत०, तीनों उत्तरा, रेवती नक्षत्रों में १, ३, ४, ५, ७, ९ स्थानों में शुभ ग्रह हों जन्म-लग्न व जन्म राशि से अष्टम लग्न या नवांश तथा १२, १, ८ लग्न को त्यागकर पाप शुद्ध दशम भाव इन सभी बातों का ध्यान कर अन्नप्राशन कराना श्रेष्ठ है।

अन्नप्राशन कराने के लिए मुहूर्त्त-चक्र

मास	पुत्र को - ६, ८, १०, १२
	कन्या को - ५, ७, ९, ११
तिथि	१, ३, ५, ७, १०, १३, १५
वार	सोम, बुध, गुरु, शुक्र

नक्षत्र	अश्वि०, रो०, मृ०, पुन०, पु०, हस्त, चि०, स्वा०, अनु०, श्र०, ध०, श०, तीनों उत्तरा, रेवती
लग्न	२, ३, ४, ५, ६, ७, ९, १०, ११
त्याज्य	जन्म लग्न से व जन्म राशि से अष्टम लग्न या नवांश तथा १२, १, ८ लग्न। दशम में पाप ग्रह, भद्राव्यतिपातादि दोष।

कर्ण-वेध करने का विचार- समवर्ष, चैत्र, पौष, जन्ममास, देवशयन, जन्म नक्षत्र व तिथि, क्षयतिथि व रिक्ता को त्यागकर जन्म से १२वें या १६वें दिन अथवा ६, ७, ८वें मास में या विषम वर्षों में शुभवार, अश्वि०, मृ०, पुन०, पुष्य, हस्त, चि०, अनु०, श्र०, धनि०, रे० नक्षत्रों में लग्न से अष्टम शुद्ध समय में वृष, तुला, धनु, मीन, लग्न में तथा गुरु की लग्न में स्थिति होने पर कर्ण-वेध श्रेष्ठ होता है।

कर्णवेध-मुहूर्त्त चक्र

वर्षादि	विषम वर्ष । ६, ७, ८वें मास। जन्म से १२वें या १३वें दिन।
तिथि	१, २, ३, ५, ६, ७, ८, १०, ११, १२, १३, १५
वार	सोम, बुध, गुरु, शुक्र

नक्षत्र	अश्वि०, मृ०, पुन०, पु०, हस्त, चि०, अनु०, श्र०, धनि०, रे०
लग्न	२, ७, ९, १२
वार	सोम, बुध, गुरु, शुक्र
त्याज्य	समवर्ष, देवशयन, (आषाढ़ शु० ११) से कार्तिक शु० ११ तक) चैत्र, पौष, जन्ममास-तिथि-नक्षत्र, क्षय तथा रिक्ता तिथि ।

चूडाकर्म (मुण्डन) संस्कार विचार- अपने कुल की परम्परा के अनुसार इष्टदेव या तीर्थ स्थान पर मुण्डन संस्कार और कर्ण वेध किया जा सकता है। यह चौल कर्म विषम वर्ष, उत्तरायण, २, ३, ५, ७, १०, ११, १३ तिथियों में शुभ वारों में अश्वि०, मृ०, पुन०, पुष्य, हस्त, चि०, स्वा०, ज्ये०, श्र०, धनि०, शत०, रे० नक्षत्रों में करना श्रेष्ठ है। अष्टम भाव शुद्ध होना चाहिए। ज्येष्ठ, चैत्र मास में न करें। बालक की माता को ५ मास की गर्भ स्थिति होने पर ५ वर्ष से न्यून अवस्था के शिशु का मुण्डन न करें।

चूडाकर्म संस्कार के मुहूर्त्त के लिए चक्र

वर्ष	विषम । सूर्य उत्तरायण होने पर
तिथि	२, ३, ५, ७, १०, ११, १३
वार	सोम, बुध, गुरु, शुक्र

नक्षत्र	अश्वि०, मृग०, पुन०, पुष्य, हस्त, चि०, स्वा०, ज्ये०, श्रव०, धनि०, श०, रे०
त्याज्य	लग्न से अष्टम ग्रह, ज्येष्ठ, चैत्रमास समवर्ष, दक्षिणायन।

कन्या के नाक बिंधवाने का विचार- शुक्ल पक्ष रिक्ता व अमा० रहित तिथि, सोम, बुध, गुरु, शुक्र, अशुभ योग रहित प्रथम प्रहर, अश्वि०, मृ०, पुन०, पुष्य, हस्त, चि०, अनु०, श्र०, धनि०, रे०, ३ उत्तरा, स्वाती, शत०, इन नक्षत्रों में कन्या की नाक बींधना शुभ है।

कन्या नासिकाछेदन-मुहूर्त्त-चक्र

पक्ष	शुक्ल पक्ष
तिथि	१, २, ३, ५, ६, ७, ८, १०, ११, १२, १३, १५
वार	सोम-बुध-गुरु-शुक्र
प्रहर	प्रथम
नक्षत्र	अश्वि०, मृग०, पुन०, हस्त, चि०, स्वा०, अनु०, श्रव०, धनि०, शत०, तीनों उत्तरा, रेवती

अक्षरारम्भ करने का विचार- बालक को विद्यारम्भ से पूर्व अक्षर अंक आदि ज्ञानार्थ अक्षरारम्भ का विचार होता है। सूर्य उत्तरायण हो, जन्म से ५, ७वें वर्ष में। १,२, ३,५, ६, १०, ११,१२ तिथि, शुभवार, अश्वि०, आर्द्रा, पुन०, पुष्य, ह०, चि०, स्वा०, अनु०, श्रव०, रे०, इन नक्षत्रों में चरलग्नों को छोड़कर अन्य लग्नों में गणेश, विष्णु, सरस्वती, लक्ष्मी तथा अपने कुल देवताओं का पूजन कर अक्षरारम्भ मुहूर्त्त करें।

अक्षरारम्भ मुहूर्त्त-चक्र

अयन	उत्तरायण
वर्ष	५वां, ७वां
वार	सोम, बुध, गुरु, शुक्र
तिथि	२, ३, ५, ६, ८, ९, ११, १२
लग्न	२, ३, ५, ६, ८, ९, ११, १२
नक्षत्र	अश्वि०, आर्द्रा, पुन०, पुष्य, हस्त, चि०, स्वा०, अनु०, श्र०, रेवती।

विद्यारम्भ कराने का विचार- अक्षरारम्भ के उपरान्त विशेष ज्ञान बढ़ाने वाली किसी भी भाषास्थ विद्या (विशेषत: संस्कृत भाषास्थ विद्या) का प्रारम्भ फाल्गुन मास छोड़कर उत्तरायण, २, ३, ५, ६, १०, ११, १२ तिथियों में, रवि बुध, गुरु, शुक्र वारों में और अश्वि०, आश्ले०, मृग०, आर्द्रा, पुन०, पुष्य, हस्त, चि०, स्वा०, अनु०, मूल, श्र०, ध०, श०, तीनों पूर्वा, रेवती इन नक्षत्रों में श्रेष्ठ है। अंग्रेजी, फारसी, उर्दू के विद्यारम्भ के लिए रवि, मंगल, शनिवार, रिक्ता तिथि, ज्ये०, आश्ले०, म०, ३ पूर्वा, भ०, कृ०, वि०, आर्द्रा, उ०षा०, शत०, इन नक्षत्रों में शुभ है।

विद्यारम्भ मुहूर्त्त-चक्र

अयन		उत्तरायण
तिथि		२, ३, ५, ६, १०, ११, १२
संस्कृत व हिंदी विद्यारम्भ त्याज्य		फाल्गुन मास, रिक्तादि तिथि अशुभवार
वार		रवि, बुध, गुरु, शुक्र
नक्षत्र		अश्वि०, रो०, मृ०,
ग्राह्य		आर्द्रा, पुन०, पुष्य०, आ०, ह०, चि०, स्वा०, अनु, मू०, श्र०, ध०, श०, ३ पूर्वा, रे०
अंग्रेजी फारसी उर्दू आदि	वार	रवि, मंगल, शनि
	तिथि	४, ९, १४
	नक्षत्र	ज्ये०, आश्ले०, म०, ३ पूर्वा०, मू०, कृ०, वि०, आर्द्रा, उ० षा०, शत० ।

उपनयन संस्कार के मुहूर्त्त का विचार-

यज्ञोपवीतपरिधान (उपनयन संस्कार) ब्राह्मण, क्षत्रिय, वैश्य तीनों को करना चाहिए। बालक के जन्म से या गर्भ से ब्राह्मण ८वें, क्षत्रिय ११वें, वैश्य १२वें वर्ष में यज्ञोपवीत संस्कार करे इस काल के व्यतीत हो जाने पर ब्राह्मण १६वें, क्षत्रिय २२वें, वैश्य २४वें वर्ष तक उपनयन करा सकते हैं। बालक (बटुक) का गुरुबल तथा चन्द्रबल विचारें। देवशयन से पूर्व तक उत्तरायण सूर्य में, रवि, चन्द्र, बुध, गुरु, शुक्रवारों में शुक्ल पक्ष की २, ३, ५, १०, ११, १२ तथा कृष्णपक्ष की २, ३, ५ तिथियों में अश्वि०, रो०, मृ०, आर्द्रा, पुन०, पुष्य, आश्ले०, तीनों पूर्वा, तीनों उत्तरा, हस्त, चि०, स्वा०, अनु०, मूल, श्र०, ध०, शत०, रेवती इन नक्षत्रों के क्रूर तथा वेधरहित होने पर पूर्वाह्न में, अभिजित मुहूर्त्त में यज्ञोपवीत संस्कार करावें।

चैत्र मास, मीन के सूर्य में, वृष या कर्क के पूर्ण चन्द्रमा के लग्न में रहने पर विशेष श्रेष्ठतम होता है।

सामवेदियों को मंगलवार भी श्रेष्ठ है तथा भौमबल विचार भी आवश्यक है। उपनयन संस्कार में दक्षिणायन सूर्य, देवशयन, गुरु, शुक्र का बाल वृद्धास्त, अपराह्न, ज्ये०, शु० २, आषाढ़ शु० १०, पौष शु० ११, माघ शु० १२, संक्रान्ति दिन, रोगबाण, रवि के ८, १७, २६ गतांश, लग्नेश और चन्द्र, शुक्र, गुरु की ६, ८, १२ में स्थिति, १, ५, ८वें भावों में पापग्रह अशुभ है। अतः इन सब का परित्याग कर उपनयन संस्कार करें।

उपनयन मुहूर्त्त-चक्र

वर्ष	ब्राह्मण, क्षत्रिय, वैश्य (८ या १६) (११ या २२) (१२ या २४)		
अयन	देवशयन से पूर्व उत्तरायण में,		
वार	रवि, चं.०, बुध, गुरु, शुक्र		
पक्ष तिथि	शुक्ल पक्ष की २, ३, ५, १०, ११,१२ कृष्ण पक्ष की २, ३, ५		
नक्षत्र	अश्वि०, रो०, मृग०, आर्द्रा०, पुन०, पुष्य, आश्ले०, तीनों पूर्वा, ३ उत्तरा, ह०, चि०, स्वा०, अनु०, मूल, श्र०, ध०, शत०, रेवती		
गुरु	५, ११, ९ २, ७ श्रेष्ठ	१०, ६ ३, १ पूज्य	४, ८, १२ निन्दित
अन्य ग्राह्य	पूर्वाह्न, अभिजित मुहूर्त्त (सामवेदियों को भौमबल व मंगलवार भी)		
त्याज्य	गुरु, शुक्र का बाल वृद्धास्त, दक्षिणायन, संक्रान्ति दिवस, रोगबाण तथा लग्नेश, चं०, शु०, गु०, की ६, ८, १२वें, पाप ग्रहों की १, ५, ८वें स्थिति।		

विवाह-संस्कार का विचार-

भारतीय मनीषियों ने मानव जीवन को ४ आश्रमों में विभाजि किया है- ब्रह्मचर्य, गृहस्थ, वानप्रस्थ, और संन्यास। इन चारों आश्रमों में गृहस्थाश्रम का मुख्याधार विवाह है यही संस्कार वस्तुतः धर्मार्थकाममोक्षस्वरूपी चतुर्वर्ग फल प्राप्ति का भी आधार है। इस संस्कार के उपरान्त ही मनुष्य सन्तानोत्पत्ति के साथ देवर्षिपितृ ऋणों से मुक्ति प्राप्त करता है। अतः 'विवाह' संस्कार के समय का निर्णय हमारे महर्षियों ने अतिसूक्ष्मता से किया है। धर्मशास्त्रोक्त अष्टविध विवाहों में विशेष रूप से आजकल गान्धर्व विवाह पद्धति (जिसको कि प्रेम-विवाह कहा जाता है) को अपनाया जा रहा है। 'ब्राह्म विवाह' विधि में मुख्यरूप से वरकन्या की गोत्रादि भिन्नता, मेलापक (नक्षत्र व मंगली आदि का मिलान), जाति का विचार किया जाता है।

स्त्री को मुख्य रूप से धर्म-अर्थ-काम की प्रदात्री मानकर तथा सन्तान सिद्धि का मुख्य साधन समझ कर विवाह के समय का विशेष विचार किया जाता है।

'भार्या त्रिवर्गकरणं शुभशीलयुक्ता
शीलं शुभं भवति लग्नवशेन तस्याः।
तस्माद्विवाहसमयः परिचिन्त्यते हि
तन्निघ्नतामुपगताः सुतशीलधर्माः॥'

"राम दैवज्ञ"

इस विवाह संस्कार को ब्रह्मचर्य के पश्चात् पुरुष २५ वर्षोपरान्त विषम वर्षों में, कन्या १६ वर्ष के अनन्तर समवर्षों में शुभ समय का विचार कर करें। विवाह से पूर्व उसके अंगभूत वरवरण व कन्यावरण का भी विचार कर लें। इन सब विचारों में नामराशि तथा जन्मराशि में से जन्म की राशि का ही ग्रहण करें, क्योंकि-

विवाहे सर्वमांगल्ये यात्रायां ग्रहगोचरे।
जन्मराशेः प्रधानत्वं नामराशिं च चिन्तयेत्॥१॥
कुर्यात् षोडशकर्माणि जन्मराशौ बलान्विते।
सर्वाण्यन्यानि कर्माणि नामराशौ बलान्विते॥२॥

यदि जन्म की राशि अज्ञात हो तो नामराशि में मेलापकादि कार्य किये जा सकते हैं, परन्तु महत्त्व जन्म राशि का ही है।

जन्मलग्नमिदमङ्गमङ्गिनाम् मेनिरे मन इतीन्दुमन्दिरम्।
सौहृदं हि मनसोर्न देहयोः मेलकस्तदयमिन्दुगेहयोः॥
(विवाह वृन्दावनम्)

यदि प्रसिद्ध नामराशि से मेलापक करना हो तो एक बात का विशेष ध्यान रहे कि वर का प्रसिद्ध नाम, कन्या का जन्म नाम व कन्या का प्रसिद्ध नाम वर का जन्म नाम ऐसा विपरीत ग्रहण न करें दोनों का जन्म नाम ही लें अथवा दोनों का प्रसिद्ध नाम ही लें क्योंकि-

जन्मभं जन्मधिष्ण्येन नामधिष्ण्येन नामभम्।
व्यत्ययेन यदा योज्यं दम्पत्योर्निधनप्रदम्॥

वर-कन्या की जन्मपत्रिका के मेलापक में अन्य विचार-

कन्या-वर की कुण्डली में वर्ण, वश्य, तारा, योनि, ग्रहमैत्री, गणमैत्री, भकूट तथा नाड़ी इन आठों बातों का विशेष रूप से विचार किया जाता है। वर्ण का १, वश्य के २, तारा के ३, योनि के ४, ग्रहमैत्री के ५, गणमैत्री के ६, भकूट के ७ तथा नाड़ी के ८ गुण उत्तरोत्तर वृद्धि से ग्रहण किए जाते हैं। इस प्रकार इन सभी गुणों का योग ३ होता है।

'वर्णो वश्यं तथा तारा योनिश्च ग्रह मैत्रकम्।
गणमैत्रं भकूटञ्च नाडी चैते गुणाधिकाः॥'

गुण संख्या के ग्रहण करने का विचार-

वर कन्या की कुण्डली का मिलान करने पर सोलह गुणों से कम गुण मिलने पर निन्द्य २० गुण मिलने पर मध्यम तथा तीस गुण या तीस गुण से अधिक गुण क्रमशः उत्तम कहे हैं।

'गुणाः षोडशभिर्न्यूना निन्द्या मध्यास्तु विंशतिः।
श्रेष्ठास्त्रिंशद् गुणाः प्रोक्ताः परतस्तूत्तमोत्तमाः॥

दुष्ट भकूट, गणकूट, ग्रहकूट का परिहार- यदि मिलान करने पर दुष्ट भकूट प्राप्त हो और वर-कन्या के राशि के स्वामी एक ही हों अथवा राशि के स्वामियों में परस्पर मित्रता हो, तथा नाड़ी नक्षत्र शुद्ध हो तो दुष्टभकूट का दोष नहीं होता तथा षडष्टक से भिन्न राशियों में परस्पर राशियों के स्वामियों की शत्रुता में भी यदि राशि के नवांश के स्वामी बली और आपस में मित्र हों और नाड़ी नक्षत्र शुद्धि हो, तो दुष्ट भकूट के दोष का नाश करता है तथा कन्या की तारा व नाड़ी नक्षत्र की परस्पर शुद्धि होने पर पुरुष राशि से स्त्री की राशि वश्य न होने पर भी दुष्ट-भकूट का परिहार हो जाता है।

'प्रोक्ते दुष्टभकूटके परिणयस्त्वेकाधिपत्येशुभो-
ऽथोराशीश्वरसौहृदेऽपि गदितो नाड्यर्क्षशुद्धिर्यदि।
अन्यर्क्षेऽशपयोर्बलित्वसखिते नाड्यर्क्षशुद्धौ तथा-
ताराशुद्धिवशेन राशिवशताभावे निरुक्तो बुधैः॥'
(मुहूर्त्त चिन्तामणि)

इसी प्रकार वर-कन्या के राशि के स्वामियों तथा नवांश के स्वामियों की परस्पर मित्रता होने पर गणदोष का नाश करती है, तथा शुभ भकूट ग्रह शत्रुता के दोष को नष्ट कर देता है।

'मैत्र्यां राशिस्वामिनोरंशनाथ-
द्वन्द्वस्याऽपि स्याद्गणानां न दोषः।
खेटारित्वं नाशयेत् सद् भकूटं
खेटप्रीतिश्चाऽपिदुष्टं भकूटम्।'
(मुहूर्त्त चिन्तामणि)

नाड़ी दोष तथा गण दोष का परिहार-

वर-कन्या की राशि एक हो और नक्षत्र भिन्न हो, अथवा नक्षत्र एक तथा राशि भिन्न हो तो नाड़ी दोष तथा गण के दोष का नाश होता है। एक नक्षत्र होने पर भी चरण के भेद से उक्त दोष नहीं होता।

'राशयैक्ये चेद् भिन्नमृक्षं द्वयोः स्यान्
नक्षत्रैक्येराशियुग्मं तथैव।
नाड़ी दोषो नो गणानां च दोषो
नक्षत्रैक्ये पादभेदे शुभं स्यात्॥'

(मुहूर्त्त चिन्तामणि)

'एकराशौ पृथग् धिष्ण्ये पुंतारा प्रथमा भवेत्।
अतीवशोभना प्रोक्ता स्त्रीतारा चेत्त्वशोभना॥'

(गर्ग)

वरवरण के मुहूर्त्त का विचार- विवाह संस्कार से पूर्व शुभ वार, शुभ लग्न, शुभ-नवांश में शुभ तिथि, कुयोगरहित दिन में कृ०, रो०, ३ पूर्वा, ३ उत्तरा इन नक्षत्रों में चन्द्र बल देखकर ब्राह्मण व कन्या का सहोदर (भाई) वस्त्र यज्ञोपवीत, द्रव्य, मिष्ठान्न, ऋतुफल आदि सहित वर के गृह पर आकर वर को वरण करे। अर्थात् तिलक लगावे।

कन्यावरण का मुहूर्त्त- वर की माता या स्वयं वर अथवा कुलाचार के अनुसार अन्य कोई-अशुभ योग रहित शुभ दिन में कृत्तिका, ३ पूर्वा, स्वा०, अनु०, उ०षा०, श्र०, धनिष्ठा तथा विवाहोक्त नक्षत्रों, (रो०, ३ उत्तरा, रे०, मू०, मृग०, मघा, हस्त)- में शुभ समय (लग्न) में वस्त्रभूषणादि सहित फलपुष्पादि से कन्या को वरण करें।

विवाहकाल निर्णय में अन्य विचार

ज्येष्ठमास, ज्येष्ठवर, ज्येष्ठकन्या (अर्थात् प्रथम गर्भ से उत्पन्न वर-कन्या) यह त्रिज्येष्ठ कहलाता है। यदि वर कन्या में से एक ज्येष्ठ हो तो ज्येष्ठ मास होने पर ज्येष्ठद्वन्द्व होता है। यहाँ **'ज्येष्ठद्वन्द्व' मध्यमं सम्प्रदिष्टं त्रिज्येष्ठं चेन्नैव युक्तं कदापि'** इस प्रकार त्रिज्येष्ठ त्याज्य तथा ज्येष्ठद्वन्द्व मध्यम कहलाता है।

जन्मराशि से विवाह मुहूर्त्तोपयोगी त्रिबलशुद्धि

बल	गुरु	चन्द्र	सूर्य
श्रेष्ठ	२, ५, ७, ९, ११	१, २, ३, ५, ६, ७, ९, १०, ११	३, ६, १०,११
पूज्य	१, ३, ६, १०	१२	१, २, ५, ७, ९
नेष्ट	४, ८, १२	४, ८	४, ८, १२

यहाँ वर को सूर्यबल कन्या को गुरुबल तथा दोनों को चन्द्रबल देखना चाहिए।

'वरस्य भास्करबलं कन्यायाश्च गुरोर्बलम्।
द्वयोश्चन्द्रबलं ग्राह्यं विवाहो नान्यथा भवेत्॥

विशेष- गुरु व सूर्य स्वोच्च, स्वमित्र स्वराशि, स्वनवांश, वर्गोत्तम नवांश में होने पर ४, ८, १२वें होने पर भी शुभ माने जाते हैं।

'स्वोच्चे स्वभे स्वमैत्रे वा स्वांशे वर्गोत्तमे गुरौ।
रिष्फाष्टतुर्यगोऽपीष्टो नीचारिस्थः शुभोऽप्यसत्॥'

(राम दैवज्ञ)

यदि गुरु नीच या शत्रु राशि का हो तो शुभ होने पर भी अशुभ फलप्रद होता है अतः नीच या शत्रु राशिस्थ गुरु, कन्या की राशि से २, ५, ७, ९, ११वें होने पर भी अशुभ माना गया है यह पूजा, (गुरु का दान व्रत जपादि आचरण) करने पर ही शुभफलप्रद होता है। ऐसे ही सूर्य के ४, ८, १२वें होने पर परिहार वाक्य-

'स्वोच्चे स्वमित्रसदने स्वगृहे स्ववर्गे।
स्वांशे ततश्च निधनव्ययतुर्यगोऽपि॥
श्रेयस्तनोति रिपुनीचगतोऽप्यनिष्टम्।
तुल्यं फलं निगदितं रविजीवयोश्च॥

(दैवज्ञ कल्पद्रुम)

सूर्य यदि तुला राशि वाले वर के लिए २, ५, ९वें में हो तो शुभफलप्रद होता है उसकी पूजा की आवश्यकता नहीं होती। यथा-

'धर्मधीधनगतोदिवाकर-
स्तौलिराशिजनितस्य शोभनः॥

अन्य राशि वालों के लिए २, ५, ९वां रवि १३ अंश बीत जाने के उपरान्त शुभ माना जाता है। अर्थात् पूज्य नहीं होता यथा-

'गर्गाङ्गिरो वत्सवशिष्ठगौत-
मपराशराद्या मुनयो वदन्ति।
द्वितीयपंचाङ्कगतो दिवाकर
स्त्वयोदशांशात्परतः शुभावहः।'

वधू-प्रवेश मुहूर्त्त का विचार-

विवाह संस्कार हो जाने के बाद प्रथम बार वधू का पतिगृह में प्रवेश वधू-प्रवेश कहलाता है। विवाह से १६ दिन के अन्दर बिना तिथ्यादि का विचार किए भी स्थिर लग्न में वधू-प्रवेश शुभ है। एक मास तक विषम दिनों में, एक वर्ष के भीतर विषम मास में और एक वर्ष के उपरान्त स्थिर लग्न में। तीसरे, ५वें वर्ष में भी शुभ है। इसके उपरान्त शुभ मुहूर्त्त (तिथ्यादि का) विचार कभी हो सकता है। वधू -प्रवेश में रे०, अ०, रोहि०, मृ०, श्र०, ध०, ह०, चि०, स्वा०, म०, मू०, ३ उत्तरा, पुष्य, अनु०, इन नक्षत्रों में शुभ वारों में १, २, ३, ५, ६, ७, ८, १०, ११, १२, १३, १५ तिथियों में स्थिर लग्नों में चतुर्थाष्टम् शुद्ध होने पर शुभ होता है।

व्यतिपात, क्षयतिथि, ग्रहण, वैधृति, अमा०, संक्रान्ति, रिक्ता तिथियों में वधू-प्रवेश वर्जित है।

वधू-प्रवेश मुहूर्त्त-चक्र

दिन	१६ दिन तक अथवा ७, ५, ९वें दिन
मास, वर्ष	विषम मास, विषम वर्ष।
तिथि	१, २, ३, ५, ६, ७, ८, १०, ११, १२, १३, १५
नक्षत्र	रे०, अ०, रो०, मृ०, श्र०, ध०, हस्त, चि०, स्वा०, म०, मूल, पुष्य, अनु०, तीनों उत्तरा, अभि०
वार	चन्द्र, बुध, गुरु, शुक्र
लग्न	२, ५, ८, ११ लग्न ४, ८ भाव शुद्ध हो।
त्याज्य	व्यतीपात, क्षयतिथि, रिक्ता, अमा०, ग्रहण, वैधृति, संक्रान्ति दिन

विशेष-

'वधूप्रवेशो न दिवा प्रशस्तः
राजप्रवेशो न निशि प्रशस्तः।
दिवा च रात्रौ च गृहप्रवेशः
सत्कीर्तिदः स्यात्त्रिविधः प्रवेशः॥

द्विरागमन-मुहूर्त्त-

वधूप्रवेशोपरान्त द्वितीय बार पिता के घर से पतिगृह में प्रवेश द्विरागमन कहलाता है। यह १-३-५ इन विषम वर्षों में १-८-११ राशि के सूर्य में सूर्य, गुरु की शुद्धि देखकर शुभ वार १, २, ३, ६, ७, १२ लग्नों में ह०, अ०, रे०, तीनों उत्तरा, रो०, मृग०, स्वा०, पुन०, पु०, श्र०, ध०, शत०, मू०, चि०, अनु० नक्षत्रों में शुभ माना गया है।

वर्ष	विषम (५ वर्ष तक)
मास	१, ८, ११वीं राशि के सूर्य में, सूर्य गुरु की शुद्धि
तिथि	१, २, ३, ५, ६, ७, ८, १०, ११, १२, १५
वार	सोम, बुध, गुरु एवं शुक्र
नक्षत्र	ह०, चि०, अ०, रे०, रो०, स्वा०, पुन०, पुष्य०, श्र०, ध०, श०, मृग०, मू० अनु०, ३ उत्तरा
त्याज्य	सम्मुख तथा दखिण शुक्र। (रवेती से मृगशिरा तक चन्द्र के रहने पर शुक्र शुभ हो जाता है। सामान्य अवस्था में त्याज्य)

विशेष-

'रेवत्यादिमृगान्ते च यावत्तिष्ठति-
चन्द्रमा तावच्छुक्रो
भवेदन्धः सम्मुखे दक्षिणे शुभः॥'

जन्माक्षर-चक्र

	मेष	वृष	मिथुन	कर्क
वर्ण	क्षत्रिय	वैश्य	शूद्र	विप्र
वश्य	चतुष्पद्	चतुष्पद्	मानव	जलचर, कीट
राशीश	मंगल	शुक्र	बुध	चन्द्र
घात मास	कार्तिक	मार्गशीर्ष	आषाढ़	पौष
घात तिथि	१-६-११	५-१०-१५	२-७-१२	२-७-१२
घात वार	रविवार	शनिवार	सोमवार	बुधवार
घात नक्षत्र	मघा	हस्त	स्वाती	अनुराधा
घात योग	विष्कुम्भ	सुकर्मा	परिध	व्याघात
घात करण	बव	शकुनी	चतुष्पाद्	नाग
घात प्रहर	प्रथम	चतुर्थ	तृतीय	प्रथम
स्त्री घा. चं.	१	८	७	९
पु. घा. चं.	१	५	९	२

नक्षत्र	अश्विनी				भरणी				कृत्तिका			
योनि	अश्व				गज				मेष			
गण	देव.				मनुष्य				राक्षस			
नाड़ी	आद्य				मध्य				अन्त्य			
युंजा	पूर्व				पूर्व				पूर्व			
चरण	१	२	३	४	१	२	३	४	१	२	३	४
अक्षर	चू	चे	चो	ला	ली	लू	ले	लो	आ	इ	उ	ए
वर्ग	सिं.	सिं.	सिं.	मृ.	मृ.	मृ.	मृ.	मृ.	ग.	ग.	ग.	ग.
नवांश	मे.	वृ.	मि.	क.	सिं.	कं.	तु.	वृ.	ध.	म.	कुं.	मी.
नवांशेश	मं.	शु.	बु.	चं.	सू.	बु.	शु.	मं.	गु.	श.	श.	गु
स्प. चन्द्र रा.	०	०	०	०	०	०	०	०	१	१	१	१
स्प. चन्द्र अं.	३	६	१०	१३	१६	२०	२३	२६	०	३	६	१०
स्प. चन्द्र क.	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	०
भो. वि. दशा. व.	५	३	१	०	१५	१०	५	०	४	३	१	०
भो. वि. दशा. मा.	३	६	९	०	०	०	०	०	६	०	६	०
भो. वि. दशा. दि.	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
दशाधीश	केतु				शुक्र				सूर्य			

नक्षत्र	रोहिणी				मृगशिरा				आर्द्रा			
योनि	सर्प				सर्प				श्वान			
गण	मनुष्य				देव				मनुष्य			
नाड़ी	अन्त्य				मध्य				आद्य			
युंजा	पूर्व				पूर्व				मध्य			
चरण	१	२	३	४	१	२	३	४	१	२	३	४
अक्षर	ओ	वा	वि	वु	वे	वो	का	की	कु	घ	ङ	छ
वर्ग	ग.	मृ.	मृ.	मृ.	मृ.	मृ.	मा.	मा.	मा.	मा.	मा.	सिं.
नवांश	मे.	वृ.	मि.	क.	सिं.	कं.	तु.	वृ.	ध.	म.	कुं.	मी.
नवांशेश	मं.	शु.	बु.	चं.	सू.	बु.	शु.	मं.	गु.	श.	श.	गु.
स्प. चन्द्र रा.	१	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	२
स्प. चन्द्र अं.	१३	१६	२०	२३	२६	०	३	६	१०	१३	१६	२०
स्प. चन्द्र क.	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	०
भो. वि. दशा. व.	७	५	२	०	५	३	१	०	१३	९	४	०
भो. वि. दशा. मा.	६	०	६	०	३	६	९	०	६	०	६	०
भो. वि. दशा. दि.	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
दशाधीश	चन्द्रमा				मंगल				राहु			

नक्षत्र	पुनर्वसु				पुष्य				आश्लेषा			
योनि	मार्जार				मेष				मार्जार			
गण	देव				देव				राक्षस			
नाड़ी	अन्त्य				मध्य				अन्त्य			
युंजा	मध्य				मध्य				मध्य			
चरण	१	२	३	४	१	२	३	४	१	२	३	४
अक्षर	के	को	हा	ही	हू	हे	हो	डा	डी	डू	डे	डो
वर्ग	मा.	मा.	मे.	मे.	मे.	मे.	मे.	श्वा.	श्वा.	श्वा.	श्वा.	श्वा.
नवांश	मे.	वृ.	मि.	क.	सिं.	कं.	तु.	वृ.	ध.	मं.	कुं.	मी.
नवांशेश	मं.	शु.	बु.	चं.	सू.	बु.	शु.	मं.	गु.	श.	श.	गु.
स्प. चन्द्र रा.	२	२	३	३	३	३	३	३	३	३	३	४
स्प. चन्द्र अं.	२३	२६	०	३	६	१०	१३	१६	२०	२३	२६	०
स्प. चन्द्र क.	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	०
भो. वि. दशा. व.	१२	८	४	०	१४	९	४	०	१२	८	४	०
भो. वि. दशा. मा.	०	०	०	०	३	६	९	०	९	६	३	०
भो. वि. दशा. दि.	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
दशाधीश	गुरु				शनि				बुध			

जन्माक्षर-चक्र

	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक
वर्ण	क्षत्रिय	वैश्य	शूद्र	विप्र
वश्य	चतुष्पद्	मानव	मानव	कीट, सरीसृप
राशीश	सूर्य	बुध	शुक्र	मंगल
घात मास	ज्येष्ठ	भाद्रपद	माघ	आश्विन
घात तिथि	३-८-१३	५-१०-१५	४-९-१४	१-६-११
घात वार	शनिवार	शनिवार	गुरुवार	शुक्रवार
घात नक्षत्र	मूल	श्रवण	शतभिषा	रेवती
घात योग	धृति	शुभ	शुक्ल	व्यतिपात
घात करण	बव	कौलव	तैतिल	गर
घात प्रहर	प्रथम	प्रथम	चतुर्थ	प्रथम
स्त्री घा. चं.	४	३	६	२
पु. घा. चं.	६	१०	३	७

नक्षत्र	मघा				पूर्वा फाल्गुनी				उत्तरा फाल्गुनी			
योनि	मूषक				मूषक				गौ			
गण	राक्षस				मनुष्य				मनुष्य			
नाड़ी	आद्य				मध्य				आद्य			
युंजा	मध्य				मध्य				मध्य			
चरण	१	२	३	४	१	२	३	४	१	२	३	४
अक्षर	मा	मी	मु	मे	मो	टा	टी	टू	टे	टो	पा	पी
वर्ग	मू.	मू.	मू.	मू.	मू.	श्वा.	श्वा.	श्वा.	श्वा.	श्वा.	मू.	मू.
नवांश	मे.	वृ.	मि.	क.	सिं.	कं.	तु.	वृ.	ध.	म.	कु.	मी.
नवांशेश	मं.	शु.	बु.	चं.	सू.	बु.	शु.	मं.	गु.	श.	श.	गु.
स्प. चन्द्र रा.	४	४	४	४	४	४	४	४	५	५	५	५
स्प. चन्द्र अं.	३	६	१०	१३	१६	२०	२३	२६	०	३	६	१०
स्प. चन्द्र क.	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	०
भो. वि. दशा व.	५	३	१	०	१५	१०	५	०	४	३	१	०
भो. वि. दशा मा.	३	६	९	०	०	०	०	०	६	०	६	०
भो. वि. दशा दि.	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
दशाधीश	केतु				शुक्र				सूर्य			

नक्षत्र	हस्त				चित्रा				स्वाती			
योनि	महिषी				व्याघ्र				महिषी			
गण	देव				राक्षस				देव			
नाड़ी	आद्य				मध्य				अन्त्य			
युंजा	मध्य				मध्य				मध्य			
चरण	१	२	३	४	१	२	३	४	१	२	३	४
अक्षर	पू	ष	ण	ठ	पे	पो	रा	री	रु	रे	रो	ता
वर्ग	मू.	मे.	श्वा.	श्वा.	मू.	मू.	मृ.	मृ.	मृ.	मृ.	मृ.	स.
नवांश	मे.	वृ.	मि.	क.	सिं.	कं.	तु.	वृ.	ध.	म.	कुं.	मी.
नवांशेश	मं.	शु.	बु.	चं.	सू.	बु.	शु.	मं.	गु.	श.	श.	गु.
स्प. चन्द्र रा.	५	५	५	५	५	६	६	६	६	६	६	६
स्प. चन्द्र अं.	१३	१६	२०	२३	२६	०	३	६	१०	१३	१६	२०
स्प. चन्द्र क.	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	०
भो. वि. दशा व.	७	५	२	०	५	३	१	०	१३	९	४	०
भो. वि. दशा मा.	६	०	६	०	३	६	९	०	६	०	६	०
भो. वि. दशा दि.	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
दशाधीश	चन्द्रमा				मंगल				राहु			

नक्षत्र	विशाखा				अनुराधा				ज्येष्ठा			
योनि	व्याघ्र				मृग				मृग			
गण	राक्षस				देव				राक्षस			
नाड़ी	अन्त्य				मध्य				आद्य			
युंजा	मध्य				मध्य				अन्त्य			
चरण	१	२	३	४	१	२	३	४	१	२	३	४
अक्षर	ती	तू	ते	तो	ना	नी	नू	ने	नो	या	यी	यू
वर्ग	स.	स.	स.	स.	स.	स.	स.	स.	स.	मृ.	मृ.	मृ.
नवांश	मे.	वृ.	मि.	क.	सिं.	कं.	तु.	वृ.	ध.	म.	कुं.	मी.
नवांशेश	मं.	शु.	बु.	चं.	सू.	बु.	शु.	मं.	गु.	श.	श.	गु.
स्प. चन्द्र रा.	६	६	७	७	७	७	७	७	७	७	७	८
स्प. चन्द्र अं.	२३	२६	०	३	६	१०	१३	१६	२०	२३	२६	०
स्प. चन्द्र क.	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	०
भो. वि. दशा व.	१२	८	४	०	१४	९	४	०	१२	८	४	०
भो. वि. दशा मा.	०	०	०	०	३	६	९	०	९	६	३	०
भो. वि. दशा दि.	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
दशाधीश	गुरु				शनि				बुध			

जन्माक्षर-चक्र

	धनु	मकर	कुम्भ	मीन
वर्ण	क्षत्रिय	वैश्य	शूद्र	विप्र
वश्य	मानव १५चतु. १५	चतु. १५ जलचर १५	मानव	जलचर
राशीश	गुरु	शनि	शनि	गुरु
घात मास	श्रावण	वैशाख	चैत्र	फाल्गुन
घात तिथि	३-८-१३	४-९-१४	३-८-१३	५-१०-१५
घात वार	शुक्रवार	मंगलवार	गुरुवार	शुक्रवार
घात नक्षत्र	भरणी	रोहिणी	आर्द्रा	आश्लेषा
घात योग	वज्र	वैधृति	गंड	वज्र
घात करण	तैतिल	शकुनी	वणिज	विष्टि
घात प्रहर	प्रथम	चतुर्थ	तृतीय	चतुर्थ
स्त्री घा. चं.	१०	११	५	१२
पु. घा. चं.	४	८	११	१२

नक्षत्र	मूल	पूर्वाषाढा	उत्तराषाढा	श्रवण	धनिष्ठा	शतभिषा	पूर्वाभाद्रपदा	उत्तराभाद्रपदा	रेवती
योनि	श्वान	वानर	नकुल	वानर	सिंह	अश्व	सिंह	गौ	गज
गण	राक्षस	मनुष्य	मनुष्य	देव	राक्षस	राक्षस	मनुष्य	मनुष्य	देव
नाड़ी	आद्य	मध्य	अन्त्य	अन्त्य	मध्य	आद्य	आद्य	मध्य	अन्त्य
युंजा	आन्त्य	अन्त्य	अन्त्य	अन्त्य	अन्त्य	अन्त्य	अन्त्य	अन्त्य	पूर्व

नक्षत्र	मूल				पूर्वाषाढा				उत्तराषाढा			
चरण	१	२	३	४	१	२	३	४	१	२	३	४
अक्षर	ये	यो	भा	भी	भू	धा	फा	ढा	भे	भो	जा	जी
वर्ग	मृ.	मृ.	मृ.	मृ.	मृ.	सर्प	मृ.	श्वा	मृ.	मृ.	सिं.	सिं.
नवांश	मे.	वृ.	मि.	क.	सिं.	कं.	तु.	वृ.	ध.	म.	कुं.	मी.
नवांशेश	मं.	शु.	बु.	च.	सू.	बु.	शु.	मं.	गु.	श.	श.	गु.
स्प. चन्द्र रा.	८	८	८	८	८	८	८	८	९	९	९	९
स्प. चन्द्र अं.	३	६	१०	१३	१६	२०	२३	२६	०	३	६	१०
स्प. चन्द्र क.	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	०
भो. वि. दशा व.	५	३	१	०	१५	१०	५	०	४	३	१	०
भो. वि. दशा मा.	३	६	९	०	०	०	०	०	६	०	६	०
भो. वि. दशा दि.	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०

नक्षत्र	श्रवण				धनिष्ठा				शतभिषा			
चरण	१	२	३	४	१	२	३	४	१	२	३	४
अक्षर	खी	खू	खे	खो	गा	गी	गू	गे	गो	सा	सी	सू
वर्ग	मा.	मा.	मा.	मा.	मा.	मा.	मा.	मा.	मा.	मे.	मे.	मे.
नवांश	मे.	वृ.	मि.	क.	सिं.	कं.	तु.	वृ.	ध.	म.	कु.	मी.
नवांशेश	मं.	शु.	बु.	चं.	सू.	बु.	शु.	मं.	गु.	श.	श.	गु.
स्प. चन्द्र रा.	९	९	९	९	९	१०	१०	१०	१०	१०	१०	१०
स्प. चन्द्र अं.	१३	१६	२०	२३	२६	००	३	६	१०	१३	१६	२०
स्प. चन्द्र क.	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	०
भो. वि. दशा व.	७	५	२	०	५	३	१	०	१३	९	४	०
भो. वि. दशा मा.	६	०	६	०	३	६	९	०	६	०	६	०
भो. वि. दशा दि.	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०

नक्षत्र	पूर्वाभाद्रपदा				उत्तराभाद्रपदा				रेवती			
चरण	१	२	३	४	१	२	३	४	१	२	३	४
अक्षर	से	सो	दा	दी	दू	थ	झ	ञ	दे	दो	चा	ची
वर्ग	मे.	मे.	स.	स.	स.	स.	सिं.	सिं.	स.	स.	सिं.	सिं.
नवांश	मे.	वृ.	मि.	क.	सिं.	कं.	तु.	वृ.	ध.	म.	कुं.	मी.
नवांशेश	मं.	शु.	बु.	चं.	सू.	बु.	शु.	मं.	गु.	श.	श.	गु.
स्प. चन्द्र रा.	१०	१	११	११	११	११	११	११	११	११	११	११
स्प. चन्द्र अं.	२३	२६	०	३	६	१०	१३	१६	२०	२३	२६	०
स्प. चन्द्र क.	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	०
भो. वि. दशा व.	१२	८	४	०	१४	९	४	०	१२	८	४	०
भो. वि. दशा मा.	०	०	०	०	३	६	९	०	९	६	३	०
भो. वि. दशा दि.	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०

दशाधीश	मूल	पूर्वाषाढा	उत्तराषाढा	श्रवण	धनिष्ठा	शतभिषा	पूर्वाभाद्रपदा	उत्तराभाद्रपदा	रेवती
दशाधीश	केतु	शुक्र	सूर्य	चन्द्रमा	मंगल	राहु	गुरु	शनि	बुध

मेलापक सारिणी

ऊर्ध्वाधरस्थान्यपि भानि पुंसां पार्श्वद्वयस्थानि तथा वधूनाम्॥ संपातकोष्ठे शुभयोगुणैक्यं सर्वं शुभं तत्स्मृतितोऽधिकं यत्॥

कन्या \ वर		मेष			वृष			मिथुन			कर्क			सिंह			कन्या		
		अश्वि. १,२,३,४	भर. १,२,३,४	कृत्ति. १	कृत्ति. २,३,४	रोहि. १,२,३,४	मृग. १,२	मृग. ३,४	आर्द्रा १,२,३,४	पुन. १,२,३	पुन. ४	पुष्य १,२,३,४	आश्ले. १,२,३,४	मघा १,२,३,४	पू.फा. १,२,३,४	उ.फा. १	उ.फा. २,३,४	हस्त १,२,३,४	चित्रा १,२
मेष	अश्वि. १,२,३,४	२८ न	३३	२८॥ त	१८॥ बभत	२१॥ बभत	२२॥ बभत	२६ बतर	१७ बनतर	१६ बनतर	२३॥ नत	३१॥ त	२८ ग	२१ वभग	२५ वभ	१५॥ वभनत	११ बभनतर	६ तबभयनर	१३ वभतर
	भर. १,२,३,४	३४	२८ न	२६ ग	१६ बगभ	२१॥ बभत	१४॥ बभतन	१८ नबतर	२६ बतर	२७ बतर	३१॥ त	२३॥ नत	२५॥ गत	२० गवभ	१८ वभन	२६ वभ	२१॥ बभर	२० बभबरत	४ भगनतर
	कृति. १	२७॥ गत	२६ ग	२८ न	१८ बभन	१० गबनभ	१६॥ गबभत	२० गबत	२० गबत	२१ गबतर	२५॥ गत	२६॥ गत	२३॥ नत	१६॥ वभनत	२० गवभ	२० गवभ	१५॥ गवभ	१५॥ गवभर	१८ बभत
वृष	कृति. २,३,४	१८॥ गभत	२० गभ	१६ भन	२८ न	२० गन	२६॥ गत	१७॥ गबभत	१७॥ बगभत	१८॥ गबभत	२२ गतर	२३ गतर	२० नतर	१८॥ नवतर	२२ रवग	२२ रवग	२१ गभ	२१ गभ	२३॥ भत
	रोहि. १,२,३,४	२३॥ भत	२३॥ भत	११ गभन	२० गन	२८ न	३६	२७॥ बभ	२३॥ बभत	२२॥ भबतय	२६ तरय	२७ तर	१२ गनतरय	१०॥ रवगनतय	२४॥ रवतय	२७ रव	२६ भ	२६ भ	२० गभ
	मृग. १,२	२३॥ भत	१४॥ भनत	१८॥ भतग	२७॥ तग	३५	२८ न	१६ बभन	२४ बभ	२२॥ बभतय	२६ तयर	१६ तरन	२१ तरयग	१६॥ गरवतय	१५॥ रवतनय	२४॥ रवत	२३॥ भत	२६ भ	१३ भनग
मिथुन	मृग. ३,४	२७ तर	१८ नतर	२२ तरग	१६॥ भगत	२७ भ	२० भन	२८ न	३३	३१॥ तय	१६ भवतयर	१२ भनवतर	१४ भवतयगर	२३॥ वतयग	१६॥ वनतय	२८॥ वत	३१॥ त	३४	२१ नग
	आर्द्रा १,२,३,४	१६ तरन	२७ तर	२१ तरग	१८॥ गभत	२४॥ भत	२६ भ	३४	२८ न	२५ नय	१२॥ भनतयर	२० भवतर	१३ गभरवतय	२३॥ गतव	२६॥ वत	२१॥ नवत	२४॥ नत	२४॥ नत	२७ गय
	पुन. १,२,३,	२० नतर	२७ तर	२३ तर	२०॥ भतग	२२॥ भत	२३॥ भतय	३१॥ तय	२४ नय	२८ न	१५॥ नभवर	२२॥ भवर	१७॥ भवतरग	२२॥ यवतग	२६॥ यवत	२१॥ नवत	२४॥ नत	२५॥ नत	२७॥ तग
कर्क	पुन. ४	२२॥ बनत	२६॥ बत	२५॥ बतग	२२ बगतर	२४ बतयर	२५ बतयर	१८ बभवरतय	१०॥ बभवनयर	१४॥ बभरनत	२८ न	३५	२६॥ तगगत	१६॥ बभयतय	२०॥ बभनत	१५॥ बभतर	१८ नभवतर	१६ नबवतर	२१ बग
	पुष्य १,२,३,४	३०॥ बत	२१॥ बनत	२६॥ बतग	२३ बतरग	२५ बतर	१८ बनतर	११ बभनवतर	१८ बभवतर	२१॥ बभवर	३५	२८ न	३० ग	१६॥ बभगत	१५॥ बभनत	२३॥ बभत	२६ बवतर	२७ बवतर	१२ नबवयतरग
	आश्ले. १,२,३,४	२६ बग	२४॥ बगत	२२॥ नबत	१६ नबतर	११ गबतनयर	१६ गबतयर	१२ गबतभवयर	१२ गबभवतयर	१५ गबतभवर	२८॥ गत	२६ ग	२८ न	१५ यबभन	१५॥ गबयभत	१८॥ गबभत	२१ गबवतर	२१ गबवतर	२६ बवतर
सिंह	मघा १,२,३,४	२० गवभ	२० गवभ	१६॥ भवनत	१७॥ वबरनत	६॥ वबतगरनय	१७॥ वबतगरय	२१॥ वबगतय	२२॥ वबगत	२०॥ वबगयत	१६॥ गभयत	१६॥ गभत	१६ नभय	२८ न	३० ग	२७॥ गत	१६॥ वभगभत	१६॥ वभगभत	२१॥ वबभत
	पू.फा. १,२,३,४	२६ वभ	१८ वभन	२० गवभ	२१ बवरग	२३॥ वबरतय	१५॥ वबनरतय	१६॥ वबनतय	२८॥ वबत	२६॥ वबतय	२२॥ यभत	१७॥ भनत	१६॥ गभयत	३० ग	२८ न	३५	२४ वबभ	२२॥ वबभत	७॥ वबतगनभ
	उ.फा. १	१६॥ वभतन	२६ वभ	२० वगभ	२१ वबगर	२६ वबर	२४॥ वबरत	२८॥ वबत	२०॥ वबनत	२१॥ वबनत	१७॥ भनत	२५॥ भत	१६॥ गभत	२७॥ गत	३५	२८ न	१७ वबभन	१६ वबभन	१३॥ वयबतगभ
कन्या	उ.फा. २,३,४	१३ भनतर	२२॥ भर	१६॥ गभर	२१ गभ	२६ भ	२४॥ भत	३१॥ बत	२३॥ नबत	२४॥ नबत	२० नवतर	२८ वतर	२२ गवतर	१७॥ गवभत	२५ भव	१८ वभन	२८ न	२७ न	२४॥ यगत
	हस्त १,२,३,४	१० यभनतर	२० भतर	१७॥ भरग	२२ भग	२५ भ	२६ भ	३३ ब	२२॥ नबत	२४॥ नबत	२० नवतर	२८ वतर	२३ वतरग	१८॥ वभतग	२२॥ वभत	१६ वभन	२६ न	२८ न	२८ यग
	चित्रा १,२	१३ गभतयर	५ गभनतयर	१६ भतयर	२३॥ भतय	२० गभ	१२ गभन	१६ गबन	२६ गबय	२५॥ गबत	२१ गवतर	१२ गनवतयर	२७ वतर	२२॥ वभत	८॥ गवभनत	१४॥ वयगभत	२४॥ गयत	२७ गय	२८ न

(ब = वर्णदोष । व वश्यदोष । त = तारादोष । य = योनिदोष । र = राशिदोष । ग = गणदोष । भ = मकूट दोष । न = नाड़ी दोष।)

मेलापक सारिणी

ऊर्ध्वाधरस्थान्यपि भानि पुंसां पार्श्वद्वयस्थानि तथा वधूनाम्॥ संपातकोष्ठे शुभयोर्गुणैक्यं सर्वं शुभं तत्स्मृतितोऽधिकं यत्॥

कन्या \ वर		तुला			वृश्चिक			धनु			मकर			कुम्भ			मीन		
		चित्रा ३,४	स्वाती १,२ ३,४	विशा. १,२,३	विशा. ४	अनु. १,२ ३,४	ज्ये. १,२ ३,४	मूल १,२ ३,४	पू.षा. १,२ ३,४	उ.षा. १	उ.षा. २,३,४	श्रव. १,२ ३,४	धनि. १,२	धनि. ३,४	शत. १,२ ३,४	पू.भा. १,२,३	पू.भा. ४	उ.भा. १,२ ३,४	रेव. १,२ ३,४
मेष	अश्वि. १,२ ३,४	२२॥ बय तग	२६॥ बय त	२२॥ तब यग	१८॥ गभ तय	२५॥ भत	१४ भन ग	१३॥ भन ग	२५ भ	२३॥ भत	२५ ब तर	२६ बत र	२० बत यरग	२० बत यरग	१५ बन तरग	१६ बन तयर	१४॥ नभ तय	२४॥ भ त	२६ भ
	भर. १,२ ३,४	१३॥ बगन तय	२६॥ बत	२१॥ गब तय	१७॥ गभ तय	१७॥ नभ त	१६॥ गभ त	२० गभ	१८ नभ	२६ भ	२७॥ बर	२६ ब तर	१० बय गनतर	१० बयग नतर	२० गब तर	२४ बय तर	२२॥ तभ	१७॥ नभ त	२६॥ भत
	कृत्ति. १	२७॥ बत य	१५॥ बग नत	१६॥ बन तय	१५॥ भन तय	१६॥ गभ त	२५॥ भत	२४॥ भत	१८ गभ य	१२ गभ न	१३॥ बग नर	११॥ बय रगन	२५ बत यर	२५ बत यर	२७ बत र	१६ बग तयर	१७॥ गभ तय	१६॥ गभ त	११॥ गभ तन
वृष	कृत्ति. २,३,४	२२॥ बभ तय	१०॥ गब भनत	१४॥ बभ तनय	२०॥ न तय	२४॥ गत	३०॥ त	२० भ तर	१३॥ यग भर	७॥ गभ नर	१२ गभ न	१० यग भन	२३॥ भत य	२६॥ बत य	३१॥ बत	२३॥ गब तय	२० गत यर	२२ गग तर	१४ न तर
	रोहि. १,२,३,४	१९ गब भ	१५॥ बभ नत	६॥ तबग नभ	१५॥ गन त	२६॥ त	२३॥ ग त	१४ गभ तर	१९ रभ तय	११॥ यभ नर	१६ भय न	१७ नभ य	२० गभ	२६॥ गब	२४॥ गब त	३०॥ बत	२७ तर	२७ तर	१९ र नत
	मृग. १,२	१२ बभ नग	२५ बभ	१८॥ बभ तग	२४॥ तग	२१॥ नत	२४॥ तग	१५ भत रग	१० नभ तयर	१७ यभ तर	२१॥ भय त	२५ भय	१३ नभ ग	१९ बग न	२७ बग	२६॥ बत	२६ तर	१८ न तर	२७ तर
मिथुन	मृग. ३,४	१४ नभ ग	२७ भ	२०॥ भत ग	१४ भव तरग	११ भवन तर	१४ भव तरग	२३ तर ग	१८ नत यर	२५ यत र	२० भय वत	२३॥ भव य	११॥ नभ वग	१३ भनग	२१ भग	२३॥ भत	२५॥ तव र	१७॥ नव तर	२६॥ वत र
	आर्द्रा १,२,३,४	२० गभ य	२७ भ	२० गभ य	१३॥ रगव भय	१७ तभ वयर	३ यतगव भनर	१६ गन तर	२८ तर	२८ तर	२३ भव त	२३ भव त	१७॥ गभ वय	१९ गभ य	१२ गभ न	१७ नभ य	१९ नर वय	२६॥ वत र	२६॥ वत र
	पुन. १,२,३	२०॥ भत ग	२८ भ	२२ भग	१५॥ वभ रग	२१॥ वभ र	७ रगव भनत	१४ यरत नग	२७ तर	२७ तर	२२ वत भ	२३ वत भ	१७ वतभ यग	१८॥ भग तय	१४ नभ ग	१६ नभ य	१८ रन यव	२८ रव	२७॥ वत र
कर्क	पुन. ४	२०॥ बत रग	२८ वर ब	२२ वर बग	२० गभ	२६ भ भन	११॥ तग भगनय	८ वतब वत	२१ बभ वत	२१ बभ र	२६ बत र	२७ बत यर	२१ बगत तयगर	१२॥ बभव नगर	८ बभव नवय	१० बभर य	१६ नभ	२० भ	२५॥ भत
	पुष्य १,२,३,४	११॥ गनबव तयर	२६॥ बव तर	२१ रबग वय	१९ भ यग	१८ भन	२१ भग	१७ गबभ वत	११ यबभ तनव	२१ बभ वत	२६ बत र	२५ बय तर	१३ गबन तयर	४॥ भबगय वनतर	१४॥ बवत रगभ	१८ बभव यर	२४ भय	१८ नभ	२७ भ
	आश्ले. १,२,३,४	२५॥ बव तर	१२॥ गबव तरन	१७॥ नबव तर	१५॥ नभ त	२० गभ	२६ भ	२२॥ बभ वय	१६ गबव भत	८ गबव भनत	१३ गबर नत	१३ बगत नर	२६ बत यर	१७॥ बभव तरय	१६॥ बभव तर	११॥ गबभ वतयर	१७॥ गभ तय	२१ गभ	१३ गभ न
सिंह	मघा. १,२,३,४	२४॥ बव तर	११॥ बवत रगन	१६॥ बवत रन	२२॥ नव त	२५॥ गव त	३३ व	२५ भव	१९ गव भ	८॥ वगभ नतय	३॥ बरतय गभन	४॥ बरत गभन	१८॥ बर तभ	२४॥ बव तर	२५॥ बव तर	१८॥ बवर गत	१८॥ गभ त	१६॥ गभ त	१३ गभ न
	पू.फा. १,२,३,४	१०॥ बवत रगन	२५॥ बव तर	१८॥ बवर गत	२४॥ गव त	२३॥ नव त	२५॥ गव त	१६ गव भ	१७ भव न	२४ भव न	१७ बर भय	१८॥ बत भत	४॥ बरत गभन	१०॥ बवत रगन	१६॥ बवर गत	२४॥ बव रत	२४॥ भत	१७॥ नभ त	२५॥ भत
	उ.फा. १	१६॥ बवत यगर	२५॥ बव तर	१६॥ बवय गतर	२२॥ यव गत	३१॥ वत	१७॥ गव तन	६॥ गव नभत	२५ भव	२५ भव	२० बर भ	२० बर भ	११॥ बरत गभय	१७॥ बवत गरय	११॥ बवत गनर	१५॥ बवत नरय	१५॥ नभ तय	२६॥ भत	२५॥ भत
कन्या	उ.फा. २,३,४	१६॥ गबय भत	२५॥ बभ त	१६॥ गबय भत	१८ यवत गर	२७ वत र	१३ गवत नर	१४ गन तर	२६॥ र	२६॥ र	२४॥ भव	२४॥ भव	१६ गभ वतय	१६॥ गबभ तय	१०॥ गबन भत	१४॥ बभन तय	१७॥ तनव यर	२८॥ वत र	२७॥ वत र
	हस्त १,२,३,४	२० बभ यग	२६॥ बभ त	१८॥ बभ तयग	२० वग तयर	२६ वत र	१३ नव तरग	१५ नत रग	२७ तर	२८॥ र	२३॥ भव	२४॥ भव	१८॥ भग वय	१९ बभ यग	८॥ बयभ नतग	१३॥ बभ नतय	१६॥ वनत यर	२६॥ वत र	२७॥ वत र
	चित्रा १,२	२० बभ न	१९ गब भय	२६॥ बभ त	२८ वत र	११ गवन तयर	२५ वत यर	२७ तय र	१४ गन तर	२२ गत र	१७ गभ त	१८॥ गभ व	१५॥ भव नय	१६ बय भन	२४ बभ य	१६॥ गबत भय	१६॥ गवत यर	१०॥ गयव नतर	१६॥ वगत यर

(ब = वर्णदोष । व वश्यदोष । त = तारादोष । य = योनिदोष । र = राशिदोष । ग = गणदोष । भ = भकूट दोष । न = नाड़ी दोष।)

मेलापक सारिणी

ऊर्ध्वाधरस्थान्यपि भानि पुंसां पार्श्वद्वयस्थानि तथा वधूनाम्।। संपातकोष्ठे शुभयोर्गुणैक्यं सर्वं शुभं तत्स्मृतितोऽधिकं यत्।।

कन्या \ वर		मेष			वृष			मिथुन			कर्क			सिंह			कन्या		
		अश्वि. १,२,३ ४	भर. १,२,३ ४	कृत्ति. १	कृत्ति. २,३,४	रोहि. १,२,३ ४	मृग. १,२	मृग. ३,४	आर्द्रा १,२,३ ४	पुन. १,२,३	पुन. ४	पुष्य १,२,३ ४	आश्ले. १,२,३ ४	मघा १,२,३ ४	पू.फा. १,२,३ ४	उ.फा. १	उ.फा. २,३,४	हस्त १,२,३ ४	चित्रा १,२
तुला	चित्रा ३,४	२२।। गत य	१४।। गन तय	२८।। तय	२३।। भत य	२० गभ न	१२ गभ न	१३ गभ	२१ गभ त	१६।। गभ वत	२०।। गर वरत	११।। गनय र	२६।। वत त	२५।। वर नत	११।। वरग गरत	१७।। वय भत	१७।। यग य	२० गभ	२१ भन
	स्वाती १,२,३,४	२७।। यत	२६।। त	१७।। नत	१२।। भन त	१५।। भन त	२६ भ	२७ भ	२६ भ	२८ भ	२६ वर	२७।। वत र	१४।। नव तर	१३।। वन तग	२५।। वर त	२५।। वर त	२५।। भत	२७।। भत	२१ भय ग
	विशा. १,२,३	२२।। तय ग	२२।। तय ग	२०।। तय न	१५।। तभ नय	१०।। गभ तन	१८।। गभ त	१६।। गभ त	२० गभ य	२१ गभ	२२ गव र	२१ गत र	१८।। नव तर	१७।। वर तन	१६।। वर तग	१७।। वयर गत	१७।। यगत भ	१८।। गभ तय	२७।। भत
वृश्चिक	विशा. ४	१६।। बगभ यत	१६।। बगभ यत	१४।। बभ नयत	१६।। बन यत	१४।। बग नत	२२।। बग तग	१२ बवर भत	१२।। वबय गभर	१३।। बव गभर	१६ गभ	१८ गभ य	१५।। भन त	२१।। बव नत	२३।। बव गत	२१।। बव गयत	१७ तबव गयर	१८ बवग तयर	२७ बव तर
	अनु. १,२,३,४	२४।। बभ त	१५।। बभ नत	१६।। बभ गत	२४।। बत ग	२७।। बत	२०।। बन त	१० बवत नभर	१५।। तबव रभय	२०।। बव भर	२६ भ	१८ भन	२१ भग	२४।। बव तग	२०।। बव तन	२६।। बव त	२५ बव तर	२६ बव त	११ बरव तनय
	ज्येष्ठा १,२,३,४	१२ बग भन	१८।। बग तभ	२४।। बभ त	२६।। बत त	२२।। बग त	२२।। बग गभर	१२ तबव गभनर	२ तवबय गभन	५ तबवर भन	१०।। तग	२० गभ	२६ भ	३१ बव	२३।। बव गत	१६।। तबव गन	१२ तबव गनर	१२ तबव गनर	२४ बवत यर
धनु	मूल १,२,३,४	१२ गभ न	२० गभ	२४।। भत	१६ बभ तर	१३ बग तभर	१३ रबग तभ	२१ बग तर	१५ बगन तर	१२ रबग तनय	८ यगभ वनत	१७ गभ वत	२३।। भव य	२५ वभ	१६ वग भ	६।। तवग भन	१३ तरब गन	१३ तरब गन	२६ रब तय
	पू.षा. १,२,३,४	२६ भ	१८ भन	१८ गभ य	१२।। बय गभर	१८ बभ तयर	१० रबभ तनय	१८ बन तयर	२७ बत र	२७ बत र	२३ भव त	१३ यभ नवत	१७ गभ वत	१६ वग भ	१७ वभ न	२५ वभ	२८।। बर	२७ बत र	१३ तबग नर
	उ.षा. १	२४।। भत	२६ भ	१२ गभ न	६।। रबय भन	१०।। बयर भन	१७ बय तभर	२५ बय तर	२७ बत र	२७ बत र	२३ भव त	२३ भव त	६ गभ वनत	८।। तगव यभन	२४ वभ य	२५ वभ	२८।। बर	२८।। बर	२१ गब तर
मकर	उ.षा. २,३,४	२७ तर	२८।। र	१४।। गन र	१२ गभ न	१६ भन य	२२।। यभ त	२० बय तभ	२२ बभ त	२२ बभ वत	२८ तर	२८ तर	१४ गन तर	४।। तयर गभन	२० रभ य	२१ रभ	२४।। भत	२४।। वभ	१७ गभ वत
	श्रव. १,२,३,४	२७ तर	२६ तर	१३।। यन र	११ यभ गन	१६ भन य	२५ भय	२२।। बभ वय	२१ बभ वत	२२ बभ वत	२८ त	२६ यत र	१५ नत	६।। तगर रभन	१८।। रभ त	२० भर	२३।। भव	२४।। भव	१६।। भव
	धनि. १,२,३,४	२० गत यर	११ यगन तर	२६ तय र	२३।। भत य	२० गभ	१२ गभ न	६।। वबग भन	१६।। वयब गभ	१६ बगव तभ	२२ गत र	१३ रगन तय	२८ तर	१६।। रभ त	५।। तगर भन	१२।। तयर गभ	१६ गभव तयव	१७।। गभ व	१५।। भन य
कुम्भ	धनि. ३,४	२० गत यर	११ यगत नर	२६ तय र	३०।। तय	२७ ग	१६ गन न	१२ गभ य	१६ गभ त	१८।। गभ वतर	१३।। गभ गभनव	४।। तयर तर	१६।। भव र	२५।। वत गन	११।। वतर तय	१८।। वरग तय	१७।। गभ य	१६ गभ न	१७ यभ
	शत. १,२,३,४	१५ गन तर	२१ गत र	२८ तर	३२।। त	२५।। गत	२७ ग	२० गभ	१२ गभ न	१३ गभ न	८ गभव नर	१४।। गभव तर	२०।। वभ तर	२६।। वर त	२०।। वर गत	१२।। वरत गन	११।। तग नभ	८।। तयग नभ	२५ भय
	पू.भा. १,२,३	१८ नत यर	२५ यत र	२० गर तय	२४।। गत य	३१।। त	३१।। त	२४।। भत	१७ भन य	१८ भन	१३ भन व	२० भर वय	१३।। गभव तर	१६।। वर तग	२५।। वर त	१६।। वरय नत	१५।। भन त	१५।। भन त	१७।। गभ यतय
मीन	पू.भा. ४	१४।। बमत नय	२१।। बय तभ	१६।। गबत भय	१६ गबत यर	२६ बत र	२६ बत र	२५।। बव तर	१८ बनव यर	१६ नब वर	१८ नभ	२५ भय	१८।। गभ त	१७।। बग तभ	२३।। बभ त	१४।। बमत नय	१६।। रबन वतय	१६।। रबन वतय	१८।। रबग वतय
	उ.भा. १,२,३,४	२४।। बभ त	१६।। बभ तन	१८।। गब तभ	२१ गब तर	२६ बत र	१८ नब तर	१७।। नब वतर	२५।। बर वत	२८ बव र	२७ भ	१६ भन	२१ गभ	१८।। गब तभ	१६।। बभ न	२५।। बभ त	२७।। बव तर	२६।। बव तर	६।। बतर वयगन
	रेव. १,२,३,४	२५ बभ	२४।। बभ त	११।। तगब भन	१४ गबन तर	१७ वन तर	२६ बत र	२५।। बर वत	२४।। रब वत	२६।। रब वत	२५।। भत	२७ भ	१४ भन ग	१३ बभ गन	२३।। बभ त	२३।। बभ त	२५।। बर वत	२६।। बर वत	१६।। बयर वतग

(ब = वर्णदोष । व वश्यदोष । त = तारादोष । य = योनिदोष । र = राशिदोष । ग = गणदोष । भ = मकूट दोष । न = नाड़ी दोष।)

मेलापक सारिणी

ऊर्ध्वाधरस्थान्यपि भानि पुंसां पार्श्वद्वयस्थानि तथा वधूनाम्।। संपातकोष्ठे शुभयोर्गुणैक्यं सर्वं शुभं तत्स्मृतितोऽधिकं यत्।।

कन्या \ वर		तुला			वृश्चिक			धनु			मकर			कुम्भ			मीन		
		चित्रा ३,४	स्वाती १,२,३,४	विशा. १,२,३	विशा. ४	अनु. १,२,३,४	ज्ये. १,२,३,४	मूल १,२,३,४	पू.षा. १,२,३,४	उ.षा. १	उ.षा. २,३,४	श्रव. १,२,३,४	धनि. १,२	धनि. ३,४	शत. १,२,३,४	पू.भा. १,२,३	पू.भा. ४	उ.भा. १,२,३,४	रेव. १,२,३,४
तुला	चित्रा ३,४	२८ न	२७ गय	३४।। त	२३।। भव त	६।। यगव तनभ	२०।। भव तय	२७ तय र	१४ गभ तर	२२ गत र	२५ गत व	२६।। गव	२३।। नव य	१८ नभ य	२६ भय	१८।। गभ तय	१२।। गभव तयर	३।। वतयग भनर	१२।। यगर भवत
	स्वाती १,२,३,४	२८ यग	२८ न	२० नय ग	९ भवय नग	२१।। भव त	१६।। भव तग	२३ तर ग	२७ तर ग	१९ तन र	२२ नव त	२३ नव त	२६।। वय ग	२१ यग भ	२० गय भ	२५ यभ	१९ वभ यर	१९।। वत भर	१२।। वतभ नर
	विशा. १,२,३,	३४।। त	१९ गन य	२८ न	१७ भव न	१६ गव भय	२०।। भव तय	२७ तय र	२२ गत र	१४ गन तर	१७ गन वत	१७ गन वत	३० वत य	२४।। भत य	२६ भय	२० गभ य	१४ गभव यर	१३ गयभ तर	४।। गभव नयतर
वृश्चिक	विशा. ४	२२।। बव भत	७ बवग नभय	१६ बव नभ	२८ न	२७ गय	३१।। तय	२१।। बवत यभ	१६।। बवग भत	८।। बवग नभत	१२ गबन तर	१२ बनग तर	२५ बत यर	२४ बवत यर	२५।। बव यर	१९।। बवग यर	१९ गभ य	१८ गय भ	६।। गभन तय
	अनु. १,२,३,४	६।। बवतभ यगन	२१।। बव भत	१६ बवभ यग	२८ यग	२८ न	३१ ग	१५।। बवत गयभ	१३।। तबव नभ	२१।। बव तभ	२५ बत र	२६ बत र	१२ तयब नरग	११ तयबव नरग	२१ बवत रग	२४।। बव यर	२४ भय	१८ नभ	२७ भ
	ज्येष्ठा १,२,३,४	१९।। बवत भय	१५।। तबव गभ	१९।। बवभ तय	३१।। तय	३० ग	२८ न	१४ बवन भय	१६।। बवत गभ	१६।। बवत गभ	२० व तर	२० व तर	२५ बत यर	२४ बवत यर	१८ बवन रत	१० तबवय गनर	९।। गभत नय	२१ गभ	२१ गभ
धनु	मूल १,२,३,४	२६ तब यर	२१ गब तर	२६ तब यर	२२।। भव तय	१५।। गवभ यत	१५ यव नभ	२८ न	२८ ग	२६।। गत	१५ गबभ वत	१५ गबभ वत	२० बभव तय	२८।। बव य	२१।। बन त	१४।। गनब तय	१६ गनव तय	२५ गव त	२६ गव
	पू.षा. १,२,३,४	१३ गबत नर	२७ बत र	२१ गब तर	१७।। गव भत	१५।। भव नत	१७।। गव भत	२८ ग	२८ न	३४	२२।। बभ व	२३ बभ वत	६ गबवभ नतय	१४।। गबत नय	२३।। गब त	२८।। बत य	३० वत यत	२३ नव	३१ वत
	उ.षा. १	२१ गब तर	१९ नब तर	१३ गबन तर	९।। गवभ नत	२३।। भव त	१७।। गव भत	२६।। गत	३४	२८ न	१६।। बभ वन	१४।। बभ वन	१५ गबव भत	२३।। गब त	२३।। गब त	२९।। बत त	३१ वत	३१ वत	२३ नव
मकर	उ.षा. २,३,४	२४ गब त	२२ नब वत	१६ गब नत	१३ गन तर	२७ तर	२१ गत र	१६ गभ वत	२३।। भव	१७।। न भव	२८ न	२६ न	२६।। गत	१७ गबभ वत	१७ गबव भत	२३ बभ वत	३०।। त	३०।। त	२२।। नत
	श्रव. १,२,३,४	२६।। बव ग	२२ नब वत	१७ नबग वत	१४ नत र	२७ तर	२२ तर	१७ भव तग	२३ भवत	१४।। नभ व	२५ न	२८ न	२८ यग	१८।। बभव यग	१८ बभव तग	२१ बभव तय	२८।। तय	२६।। त	२२।। नत
	धनि. १,२	२२।। नब वय	२४।। गब वय	२९ बव तय	२६ तय र	१२ गनत यर	२६ तय र	२१ भव तय	७ गभय वनत	१६ गभ वत	२६।। गत	२७ गय	२८ न	१८।। बभ नव	२३।। बभ वय	१९ गबव तभ	२६।। गत	१५।। गन तय	२२।। गय त
कुम्भ	धनि. ३,४	१८ नभ य	२० गभ य	२४।। भत य	२५ तव यर	११ गवय तनर	२५ तव यर	२९।। तय	१५।। गत नय	२४।। तग	१८ गभ वत	१८।। गभ वय	१९।। भव न	२८ न	३३ य	२८।। गत	१८ गभ वत	७ तगभ वनय	१४ गयव भत
	शत. १,२,३,४	२६ भय	१९ भय ग	२६ भय	२६।। यव र	२१ गव तर	१९ नव तर	२२।। नत	२४।। गत	२४।। गत	१८ गभ वत	१८ गभ वत	२४।। भव य	३३ य	२८ न	१९ गन य	८।। गभव नय	१७ गभ वत	१६ गभ वत
	पू.भा. १,२,३	१८।। गभ तय	२६ भय	२० गभ य	२०।। गव यर	२६।। वय र	११ गवत यनर	१५।। नग तय	२९।। तय	३०।। त	२४ भव त	२३ भव तय	२० भग वत	२८।। गत	१९ नग य	२८ न	१७।। नभ व	२२।। भव य	२० भय वत
मीन	पू.भा. ४	११।। गबभव तयर	१९ बभव यर	१३ गबव भयर	१९ गभ य	२५ भय	९।। गभन तय	१५ गबत नय	२९ बव तय	३० बव त	२९।। बत	२८।। बत य	२५।। गब त	१७ गब भत	७।। गबय भतन	१६।। बभ तन	२८ न	३३ य	३०।। यत
	उ.भा. १,२,३,४	२।। यवबर गभनत	१९।। भवब तर	१२ गवर भयब	१८ गय भ	१९ नभ	२१ गभ	२४ गब वत	२२ नब वत	३० बव त	२९।। बत	२९।। बत	१४।। गबत नय	६ गबवन भतय	१६ गबव भत	२१।। बभ तय	३३ य	२८ न	३५
	रेव. १,२,३,४	१२।। बभव तयर	११।। बभत वनर	४।। बभवन तगयर	१०।। नभत यग	२७ भ	२२ भग	२६।। बग व	२९ बव त	२१ नब वत	२०।। नब त	२१।। नब त	२२।। बय तग	१४ बवय भतग	१६ बभव तग	१८ बयभ वत	२९।। यत	३४	२८ न

(ब = वर्णदोष । व वश्यदोष । त = तारादोष । य = योनिदोष । र = राशिदोष । ग = गणदोष । भ = भकूट दोष । न = नाड़ी दोष।)

मंगली दोष विचार

ज्योतिषशास्त्र मेलापक द्वारा दम्पत्ति के आगामी जीवन के सुख-दु:ख, सम्पत्ति, विपत्ति, आय-व्यय तथा आने वाली घटनाओं का मनोवैज्ञानिक एवं तात्त्विक विवेचन करता है। अत: वर-कन्या के शुभ-अशुभ ग्रह योगों की सामञ्जस्यता एवं मित्रता होगी, तो आगामी जीवन सुखमय तथा आनन्दमय होगा। यदि ग्रहों में परस्पर शत्रुता एवं एक की कुण्डली में सौम्यग्रह तथा एक की कुण्डली में अरिष्टकारक ग्रह बैठे हों तो संघर्षमय जीवन के साथ-साथ एक-दूसरे को घातक सिद्ध हो सकते हैं। अत: कुण्डली मिलान के समय अरिष्ट योगों का विशेष रूप से विचार किया जाता है। यदि वर या कन्या किसी एक की जन्मकुण्डली या चन्द्रकुण्डली से लग्न, चतुर्थ, सप्तम, अष्टम या व्यय स्थान में मंगल स्थित हो तो इस प्रकार की कुण्डली मंगली कही जाती है। यदि वर की कुण्डली में उपरोक्त स्थानों में मंगल हो तो कन्या को तथा यदि कन्या की कुण्डली में हो तो वर के लिए नेष्ट होता है।

'लग्ने व्यये च पाताले जामित्रे चाष्टमे कुजे।
कन्याभर्तृविनाशाय भर्ताकन्याविनाशद:॥'

(मुहूर्त्त-संग्रह-दर्पण)

मंगली दोष परिहार-

उपरोक्त कथनानुसार यदि वर-कन्या में से किसी एक की कुण्डली में मंगलीयोगकारक ग्रह स्थित हो तो परस्पर अरिष्टकारक होते हैं, किन्तु 'लोहा लोहे को काटता है' इस तथ्य के अनुसारयदि वर-कन्या दोनों की कुण्डली में समान मंगली योगकारक ग्रह स्थित हों तो दोनों का मंगली दोष कट जाता है, यह ध्यान रहे कि वर के मंगली योग का कन्या से प्रबल होना आवश्यक है। इसी प्रकार यदि एक की कुण्डली में मंगल योगकारक स्थानों १, ४, ७, ८, १२ में हो तथा दूसरे की कुण्डली में इन्हीं स्थानों में मंगल अरिष्ट योगकारक शनि, राहु, केतु आदि पापग्रह स्थित हों तो एक-दूसरे के दोष को नष्ट कर देते हैं-

'शनिर्भौमोऽथवा कश्चित्-
पापो वा तादृशो भवेत्।
तेष्वेव भवनेष्वेव भौमदोषविनाशकृत्॥'

(फलित नवरत्न संग्रह)

'यामित्रे च यदा सौरिर्लग्ने वा हिबुके तथा।
अष्टमे द्वादशे चैव भौमदोषो न विद्यते॥''

यदि मेष राशि का मंगल लग्न में, वृश्चिक राशि का चतुर्थ में, मकर राशि का सप्तम में, कर्क राशि का अष्टम में तथा धनु राशि का व्यय स्थान में हो तो मंगल का दोष नहीं होता-

अजे लग्ने व्यये चापे पाताले वृश्चिके कुजे।
द्यूने मृगे कर्कि चाष्टौ भौम दोषो न विद्यते॥

अन्य आचार्य के मत में वृष राशि के मंगल को सप्तम भाव तथा कुम्भ राशि के भौम को अष्टम भाव में होने पर भौम दोष नहीं होता-

अजे लग्ने व्यये चापे पाताले वृश्चिके कुजे।
वृषे जाये घटे रन्ध्रे भौमदोषो न विद्यते॥

बली गुरु शुक्र के लग्न या सप्तम भाव मे होने पर तथा मंगल के वक्री, नीचस्थ, शत्रुगृही तथा अस्तंगत होने पर भी मंगल का दोष समाप्त हो जाता है।

सबले गुरौ भृगौ वा लग्ने द्यूनेऽथवा भौमे।
वक्रनीचारिगृहस्थे वाऽस्तेऽपि न कुजदोष:॥

द्वितीय भाव में चन्द्र और शुक्र स्थित हो, मंगल पर गुरु की दृष्टि हो तथा केन्द्र स्थित राहु मंगल की युति हो, तो मंगली का दोष नहीं होता।

न मंगली चन्द्रभृगुर्द्वितीये,
न मंगली पश्यति यस्य जीव:।
न मंगली केन्द्रगते च राहुर्न-
मंगली मंगलराहुयोगे॥

केन्द्र त्रिकोण में शुभग्रह तथा ३, ६, ११वें भाव में अशुभ ग्रह सप्तमेश स्वगृही हो तो भौम का दोष नहीं होता-

'केन्द्रकोणे शुभाढ्ये च त्रिषडायेऽप्यसद्ग्रहाः।
तदा भौमस्य दोषो न मदने मदनपस्तथा॥'

राशि की मित्रता, गण की ऐक्यता तथा गुणों की बहुलता मंगली दोष को नष्ट कर देती है-

'राशिमैत्रं यदायाति गणैक्यं वा यदा भवेत्।
अथवा गुणबाहुल्ये भौमदोषो न विद्यते॥'

उपरोक्त मंगली दोष परिहार से स्पष्ट है कि रामाचार्य ने बालवैधव्य का विचार करके सावित्री या पीपल के वृक्ष का व्रत कराकर विष्णु की प्रतिमा (शालिग्राम) पीपल वृक्ष या कुम्भ से विवाह के अनन्तर चिरंजीवी वर के साथ विवाह का जो विधान किया है, उसका भी यही तात्पर्य है-

"जन्मोत्थं च विलोक्य बालविधवायोगं विधाय व्रतं,
सावित्र्या उत पैप्पलं हि सुतया दद्यादिमां वा रहः।
सल्लग्नेऽच्युतमूर्तिपिप्पलघटैः कृत्वा विवाहं स्फुटं
दद्यात्तां चिरंजीविनेऽत्र न भवेद्दोषः पुनर्भूभवः॥"

विवाहादिकार्यों में सूर्य, गुरु व चन्द्र का अष्टक वर्ग विचार- विवाहादि शुभ कार्यों में यदि नाम राशि या जन्म राशि से गोचरीय ग्रह शुद्धि प्राप्त न हो तो अष्टकवर्गशुद्धि का विचार करना चाहिए, क्योंकि अष्टकवर्ग द्वारा शुद्ध गुरु, चन्द्र व सूर्य गोचर के अशुद्ध होने पर भी ग्राह्य माने जाते हैं। कहा भी है-

"अष्टकवर्गविशुद्धेषु गुरुशीतांशुभानुषु।
व्रतोद्वाहौ च कर्त्तव्यौ गोचरेण कदाचन॥"

क्योंकि........

"अष्टकवर्गेण ये शुद्धास्ते शुद्धाः सर्वकर्मसु
सूक्ष्माष्टवर्गसंशुद्धिः स्थूलाशुद्धिस्तु गोचरे"

सूर्याष्टकवर्ग रेखा - ४८

सू.	चं.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	ल.
१	३	१	३	५	६	१	३
२	६	२	५	६	७	२	४
४	१०	४	६	९	१२	४	६
७	११	७	९	११		७	१०
८		८	१०			८	११
९		९	११			९	१२
१०		१०	१२			१०	
११		११				११	

गुरु का अष्टकवर्ग रेखा - ४९

गु०	शु०	श०	सू०	चं०	मं०	बु०	ल०
१	२	३	१	२	१	१	१
२	५	५	२	५	२	२	२
३	६	६	३	७	४	४	४
४	९	१२	४	९	७	५	५
७	१०		७	११	८	६	६
८	११		८		१०	९	७
१०			९		११	१०	९
११			१०			११	१०
			११				११

चन्द्राष्टकवर्ग रेखा - ५६

च०	मं०	बु०	गु०	शु०	श०	सू०	ल०
१	२	१	१	३	३	३	३
३	३	३	४	४	५	६	६
६	५	४	७	५	६	७	१०
७	६	५	८	७	११	८	११
१०	९	७	१०	९		१०	
११	१०	८	११	१०		११	
	११	१०	१२	११			
		११					

यात्रा मुहूर्त्त का विचार- यात्रा करने में चन्द्रवास, दिक्शूल, योगिनी, चन्द्रबल ये ४ बातें मुख्य विचारणीय हैं, साथ ही तिथि नक्षत्र आदि का भी विचार है। ह०, श्र०, अश्वि०, मृ०, पुष्य, पुन०, ध०, अनु०, रे० नक्षत्र सर्वश्रेष्ठ हैं अत्यावश्यकता में निन्द्य नक्षत्रों (भ०, कृ०, आर्द्रा, आश्ले०, म०, चि०, स्वा०, वि०, ज्ये०) की प्रारम्भ की क्रमश ७-२१-१०-१४-११-४०-१४-१४-१४ घटियां यात्रा में त्याज्य हैं। रो०, तीनों उत्तरा, तीनों पूर्वा, मूल ये नक्षत्र मध्यम माने हैं। कृष्ण पक्ष की प्रतिपदा, शुक्ल पक्ष की द्वितीया तिथि में यात्रा शुभ है। जन्मलग्न और जन्म राशि से अष्टम लग्न व नवांश में, कुम्भ लग्न या कुम्भ के नवांश में यात्रा सर्वथा निषिद्ध है।

चन्द्रवास का विचार-

मेषे च सिंहे धनुपूर्वभागे वृषे च-
कन्यामकरे च याम्ये।
युग्मे तुलायां च घटे प्रतीच्यां-
कर्कालिमीने दिशि चोत्तरस्याम्॥१॥

दिशा	पूर्व	दक्षिण	पश्चिम	उत्तर
राशि	मेष	वृष	मिथुन	कर्क
राशि	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक
राशि	धनु	मकर	कुम्भ	मीन

यात्राफल- यात्रा काल में चन्द्रमा सम्मुख होने पर अर्थलाभ, दक्षिण होने पर सुख-सम्पत्ति, पृष्ठ होने पर मरण तुल्य कष्ट या मरण, वाम होने पर धन की हानि करता है।

'सर्वे दोषाः लयं यान्ति पूर्णचन्द्रे ही सम्मुखे।'

दिशा	सम्मुख	दक्षिण	पृष्ठ	वाम
फल	अर्थलाभ	सुख-सम्पत्ति	मरण	धनक्षय

(महाकष्ट)

यथा **सम्मुखे अर्थलाभाय दक्षिणे सुखसम्पदः।**
पृष्ठतो मरणं चैव वामे चन्द्रे धनक्षयः॥२॥

योगिनी विचार- प्रतिपदा से प्रारम्भ कर पूर्व, उत्तर अग्नि, नैऋत्य, दक्षिण, पश्चिम, वायव्य, ईशान इन दिशाओं में क्रमशः योगिनी का भ्रमण होता है। यह योगिनी यात्रा करने वालों के लिए सम्मुख तथा वाम शुभ नहीं होती। दक्षिण तथा पृष्ठ में रहने पर शुभ होती है।

योगिनीवासचक्र

तिथियाँ	दिशा
१-९	पूर्व
२-१०	उत्तर
३-११	अग्नि
४-१२	नैऋत्य
५-१३	दक्षिण
६-१४	पश्चिम
७-१५	वायव्य
८-३०	ईशान

योगिनीवासचक्रम्

योगिनी का विशेष-विचार- योगिनी के शुभा-शुभत्व के विषय में ज्योतिष ग्रन्थों में दोनों प्रकार के वाक्य उपलब्ध होते हैं। यथा-

योगिनी सम्मुखे द्यूते गमे युद्धे च मृत्युदा।
अशुभा वामभागस्था पृष्ठे दक्षे जयप्रदा॥२॥

(मुहूर्त्त गणपति)

इसके विपरीत शीघ्रबोध में निम्नवाक्य मिलता है।

योगिनी सुखदा वामे पृष्ठे वाञ्छितदायिनी।
दक्षिणे धनहन्त्री च सम्मुखे मरणप्रदा॥२॥

(शीघ्रबोध)

तथा जयदा पृष्ठदक्षस्था भंगदा वामसम्मुखी।
त्रिविधंयोगिनीचक्रम् इत्युक्तं ब्रह्मयामले॥३॥

(स्वरोदय)

मुहूर्त्त चिन्तामणिकार द्वारा-

'सम्मुखवामगा न शस्ता' यह कहा गया है॥४॥

तथा च-

पृष्ठतो दक्षिणे वापि योगिनी गमने हिता।
वामसम्मुखयोर्नेष्टा वायुमेवं विचिन्तयेत्॥५॥

(विजय कल्पलता)

तथा-

वामे शुभकरीदेवी पृष्ठेसर्वार्थदायिनी।
वंशबन्धकरी चाग्रे दक्षिणे मृत्युदायिनी॥७॥

(ज्योतिस्तत्त्व)

इस प्रकार के विरोधी वचनों को देखते हुए मुहूर्त्तचिन्तामणि, मुहूर्त्तगणपति, स्वरोदय एवं विजय कल्पलता के वचनों के आधार पर दक्षिण तथा पृष्ठस्थ योगिनी शुभ एवं वाम और सम्मुखस्य योगिनी को अशुभ माना है।

दिक्शूल-विचार

वार	दिशा
सोम, शनि	पूर्व
सोम, गुरु	आग्नेय
गुरु	दक्षिण
रवि, शुक्र	नैऋत्य
रवि, शुक्र	पश्चिम
मंगल	वायव्य
मंगल, बुध	उत्तर
बुध, शनि	ईशान

आवश्यक कार्य में रविवार में घृतपान, सोम को दूध, मंगल को गुड़, बुध को तिल, गुरु को दधि, शुक्र को यवान्न, शनि को उड़द तेल या तेल की वस्तु का सेवन करके जाना शुभ है।

पूर्व	दक्षिण	पश्चिम	उत्तर	दिशा
ज्येष्ठा	पू०भा०	रोहिणी	उ०फा०	नक्षत्र

विशेष- यात्रा में घातचन्द्र, शुक्रास्त, जन्मराशीश, जन्मदशेश के अस्त होने पर शुभफल नहीं होता है।

पहली तीर्थ यात्रा गुरु, शुक्र होने पर वर्ज्य है। सिंह राशि का गुरु एवं नीच राशि का गुरुवर्ज्य है।

समयशूल-विचार

पूर्व	दक्षिण	पश्चिम	उत्तर
प्रातःकाल	मध्याह्न	सायंकाल	अर्धरात्रि

दिक्शूल परिहार-

'न वारदोषाः प्रभवन्ति रात्रौ
देवेज्यदैत्येज्यदिवाकराणाम्।
दिवा शशांकार्कजभूसुतानां
सर्वत्र निन्द्यो बुधवारदोषः॥'

दिशाओं के विभाग से लग्न-विचार

दिशा	शुभ लग्न	मध्यम	भय	महाभय
पूर्व	१-५-९	२-६-१०	४-८-१२	३-७-११
दक्षिण	२-१०-६	३-७-११	१-५-९	४-८-१२
पश्चिम	३-७-११	४-८-१२	२-६-१०	१-५-९
उत्तर	४-८-१२	१-५-९	३-७-११	२-६-१०

प्रस्थान-विचार- यात्रा मुहूर्त्त में विलम्ब होने पर यात्रा के तीन दिन के अन्दर वर्णानुसार यज्ञोपवीतादि वस्तु या मन की सबसे प्रियवस्तु को किसी के यहां रख दें। पुनः यात्रा में जाते समय ले जायें।

गृहारम्भ विचार- नवीन गृहनिर्माण के पूर्व नींव खोदने के उपरान्त इष्टिका स्थापना का विचार करना चाहिए। नींव खनन करते समय राहुमुख का विचार कर राहुमुख के पीछे वाली दिशा से खात (नींव) खनन प्रारम्भ करें।

राहुमुख एवं खातदिशा ज्ञान के लिए चक्र

कोण	ईशा	वायव्य	नैऋत्य	अग्नि
गृहारम्भ	सिंह, कन्या, तुला	वृश्चि., धनु मकर	कुम्भ, मीन मेष	वृष, मिथुन, कर्क
देवालया-रम्भ	मीन, मेष वृष	मि०, कर्क सिंह	कन्या, तुला वृश्चिक	धनु, म०, कुम्भ
जलाशया-रम्भ	म०, कुम्भ, मीन	मेष, वृष मिथुन	कर्क, सिंह, कन्या	तुला, वृ०, धनु
खातदिशा	आग्नेय	ईशान	वायव्य	नैऋत्य

गृहारम्भ से पूर्व भूमि के शुभाशुभत्व की भी परीक्षा कर लेनी चाहिए। भूमि में एक हाथ चौड़ा एक हाथ लम्बा, एक हाथ गहरा गड्ढा बनाकर रात्रि में उसे जल से भरकर प्रातःकाल देखें की यदि जलयुक्त हो तो शुभ, निर्जल हो तो मध्यम, जलहीन के साथ फटी हो तो भूमि अशुभ समझें।

	गृहारम्भ मुहूर्त्त-चक्र	वार	बुध, गुरु, शुक्र, सोम, शनि	त्याज्य	भद्रा, अशुभ योग, अष्टमचन्द्र, चक्र अशुद्धि।
नक्षत्र	तीनों उत्तरा, मृग०, पुष्य, अनु०, ध०, श०, चि०, ह०, स्वा०, रे०, रो०	तिथियाँ लग्न	२, ३, ५, ७, १०, ११, १३, १५ २, ३, ५, ६, ८, ११, १२	विशेष :- शुक्ल पक्ष, गुरु-शुक्र के उदय में गृहराम्भ विशेष शुभ है।	
मास	वै०, श्रा०, मार्ग०, माघ, फाल्गुन इन मासों में। सूर्य क्रमशः १, ४, ५, ८, १०, ११ राशियों में स्थित होने पर।	लग्न शुद्धि	स्वामी की दृष्टि हो, लग्न से १, ४, ७, १०, ५, ९वें शुभ ग्रह, ३, ६, ११वें, पाप ग्रह तथा ८, १२ स्थान शुभ पाप से रहित।	यात्रा में दिन में दिनमान अष्टमांश से, रात्रि में रात्रि के अष्टमांश से वेलाफल बोधक चक्र-	

चतुर्घटिका (चौघड़िया) मुहूर्त्त

घटी	रवि	रवि	सोम	सोम	मंगल	मंगल	बुध	बुध	गुरु	गुरु	शुक्र	शुक्र	शनि	शनि
	दिन	रात्रि	दिन	रात्रि	दिन	रात्रि	दिन	रात्रि	दिन	रात्रि	दिन	रात्रि	दिन	रात्रि
४	उद्वेग	शुभ	अमृत	चर	रोग	काल	लाभ	उद्वेग	शुभ	अमृत	चर	रोग	काल	लाभ
४	चर	अमृत	काल	रोग	उद्वेग	लाभ	अमृत	शुभ	रोग	चर	लाभ	काल	शुभ	उद्वेग
४	लाभ	चर	शुभ	काल	चर	उद्वेग	काल	अमृत	उद्वेग	रोग	अमृत	लाभ	रोग	शुभ
४	अमृत	रोग	रोग	लाभ	लाभ	शुभ	शुभ	चर	चर	काल	काल	उद्वेग	उद्वेग	अमृत
४	काल	काल	उद्वेग	उद्वेग	अमृत	अमृत	रोग	रोग	लाभ	लाभ	शुभ	शुभ	चर	चर
४	शुभ	लाभ	चर	शुभ	काल	चर	उद्वेग	काल	अमृत	उद्वेग	रोग	अमृत	लाभ	रोग
४	रोग	उद्वेग	लाभ	अमृत	शुभ	रोग	चर	लाभ	काल	शुभ	उद्वेग	चर	अमृत	काल
४	उद्वेग	शुभ	अमृत	चर	रोग	काल	लाभ	उद्वेग	शुभ	अमृत	चर	रोग	काल	लाभ

विशेष - विजयदशमी को बिना मुहूर्त्त के भी यात्रा शुभ है वाम स्वर चलने पर पूर्व व ईशान, दक्षिण स्वर चलते समय दक्षिण व नैर्ऋत्य कोण में जाना अशुभ है।

मन की तीव्र इच्छा भी एक मुहूर्त है। मन के निषेध करने पर न जावें। मन के कहने पर बिना मुहूर्त भी यात्रा शुभ है। श्वास ग्रहण करते समय वाहन पर पैर रखें तो यात्रा सुरक्षित कहलाती है।

चैत्रादि मास में गृहारम्भ का मास के अनुसार फल

मास	फल
चैत्र	शोक
वैशाख	धान्य
ज्येष्ठ	पशु मरण
आषाढ़	हानि
श्रावण	द्रव्य वृद्धि
भाद्रपद	नाश
आश्विन	शुभ
कार्तिक	मृत्यु
माघ	धन
पौष	श्री प्राप्ति
मार्गशीर्ष	वह्निभय
फाल्गुन	लक्ष्मी लाभ

गृहारम्भ में शिलान्यास (प्रथम इष्टिका स्थापना) पूर्व दक्षिण कोण (अग्निकोण) में करें।

'क्षेत्रभित्तिशिलान्यासस्तम्भस्यारोपणं तथा।
पूर्वदक्षिणयोर्मध्ये कुर्यादित्याह कश्यपः॥'

वत्स चक्र विचार- सूर्य जिस नक्षत्र पर हो उससे गृहारम्भ नक्षत्र तक अभिजित् सहित गणना करें पुनः चक्रानुसार फल विचारें।

वत्स-चक्र

नक्षत्र	स्थान	फल
३	शीर्ष	वह्निभय
४	अग्रिमपाद	रिक्त, अशुभ
४	पृष्ठपाद	स्थिरता
३	पृष्ठ	श्रीलाभ
४	दक्षिण कुक्षि	शुभ लाभ
३	पुच्छ	स्वामिनाश
४	वाम कुक्षि	निर्धनता
३	मुख	अशुभ, कष्ट

अन्य विशेष- पुष्य, ३ उत्तरा, रो०, म०, आश्ले०, पू०षा०, इन नक्षत्रों में, गुरु जिस नक्षत्र पर हो उस नक्षत्र में, गुरुवार को गृहारम्भ पुत्र और लक्ष्मीदायक माना गया है। रो०, ह०, श्र०, उ०फा०, चि०, इनमें बुधाधिष्ठित नक्षत्र में बुधवार को गृहारम्भ पुत्र और सुखप्रद है। वि०, चि०, आ०, आश्ले०, ध०, श० इनमें शुक्राधिष्ठित नक्षत्र में शुक्रवार को गृहारम्भ धनधान्यप्रद होता है।

भूमि शयन- नींव खनन में भूमि शयन का भी विचार करें। सूर्य नक्षत्र से ५, ७, ९, १२, १९, २६ संख्यक नक्षत्रों में भूमि खनन अशुभ है। अत्यावश्यकता में इन नक्षत्रों की ५, ११, ७, ६, २, १० ये घड़ी वर्जित करें।

कुँआ या नल लगाने के लिए- गृह में उत्तर, ईशान, पूर्व व पश्चिम दिशायें श्रेष्ठ है अन्य शुभ हैं।

कुंआ खोदने व नल लगाने के लिए चक्र

दिशा	फल
पूर्व	ऐश्वर्य
अग्नि	सुत हानि
दक्षिण	स्त्री नाश
नैर्ऋत्य	गृहपति नाश
पश्चिम	सम्पत्ति
वायव्य	शत्रुभय
उत्तर	सुख
ईशान	पुष्टि
मध्य	अर्थ हानि

द्वार शाखा (द्वारस्थापन) विचार

द्वार चक्र- सूर्य नक्षत्र से गणना करके चक्र देखकर शुभ फलदायक नक्षत्र में चक्रबल शुद्धि में द्वार (मुख्यद्वार) की स्थापना करें।

द्वारस्थापन-चक्र

नक्षत्र	स्थान	फल
४	शिर	श्री प्राप्ति
८	कोण	उद्वसन
८	शाखा	सौख्य
३	देहली	गृहेशनाश
४	मध्य	सौख्य

जीर्ण व नूतन गृह-प्रवेश मुहूर्त्त-चक्र

मास	वै०, ज्ये०, माघ, फाल्गुन
नक्षत्र	तीनों उत्तरा, अनु०, रो०, मृ०, चि०, रे०, इन नक्षत्रों में कुम्भ चक्र शुद्धि होने पर।
वार	चं०, बु, गु०, शु०, श०
तिथियाँ	१, २, ३, ५, ६, ७, ८, १०, ११, १२, १३
लग्न	(२, ५, ८, ११) शुभ (३, ६, ९, १२) मध्यम
लग्न शुद्धि	लग्न से १, २, ३, ५, ७, ९, १०, ११वें स्थानों पर शुभ ग्रह ३, ६, ११ पाप तथा ४, ८ स्थान ग्रह रहित श्रेष्ठ हैं।
जीर्ण	उपरोक्त मास तथा श्रा०, मार्ग०, कार्तिक भी ग्राह्य है। गुरु शुक्रास्त में भी।
गृह-प्रवेश	शत०, पुष्य, स्वाती और धनिष्ठा नक्षत्रों में शुभ है।

जीर्ण व नूतन गृह-प्रवेश मुहूर्त्त विचार- गृह निर्माण के बाद मास, तिथि, वार नक्षत्र, लग्न व चन्द्र तारा शुद्धि में कुम्भचक्रशुद्धि तथा जन्म लग्न व जन्म राशि से प्रवेश लग्न अष्टम से अन्य होने पर दम्पत्ति जलपूर्ण कलश पर पुष्पमाला, पञ्चपल्लव तथा नारिकेल रखकर, गीत-वाद्य ब्राह्मण, कन्या व गौ के सहित गृहप्रवेश करें।

कुम्भ-चक्र- सूर्य नक्षत्र से गणना कर विचार करें।

५	८	८	६
अशुभ	शुभ	अशुभ	शुभ

सूर्य नक्षत्र से गृह-प्रवेश तक उक्त चक्रानुसार गणना कर शुभफल के समय में ही प्रवेश करना चाहिए।

स्पष्ट फल ज्ञान के लिए अन्य कुम्भ-चक्र

नक्षत्र	स्थान	फल
१	मुख	अनिग्दाह
४	पूर्व	उद्वसन
४	दक्षिण	लाभ
४	पश्चिम	लक्ष्मीप्राप्ति
४	उत्तर	कलह
४	गर्भ	विनाश
३	अधः	स्थिरता
३	कण्ठ	स्थिरता

दुकान (विपणि) करने का मुहूर्त्त

नक्षत्र	रो०, तीनों उत्तरा, ह०, पुष्य, चि०, रे०, अनु०, मृ०, अश्वि०
वार	सोम, बुध, गुरु, शुक्र
तिथि	२, ३, ५, ७, १०, १२, १३
अन्य	चन्द्रशुद्धि, शुभलग्न

क्रय नक्षत्र- रे०, अ०, शत०, स्वा०, श्र०, चित्रा नक्षत्र बुध तथा रविवार श्रेष्ठ हैं।

विक्रय नक्षत्र- पू०, फा०, पू०षा०, पू०भा०, वि०, चि०, कृ०, आश्ले०, भर० ये सात नक्षत्र गुरुवार और सोमवार श्रेष्ठ हैं।

विशेष- बेचने के नक्षत्रों में खरीदना तथा खरीदने के नक्षत्रों में बेचना हानिप्रद है।

बड़ा व्यापार करने का मुहूर्त

नक्षत्र	हस्त, पुष्य, तीनों उत्तरा, चित्रा।
वार	बुध, गुरु, शुक्र
तिथि	२, ३, ५, ७, ११, १३

नौकरी करने का मुहूर्त- हस्त, चित्रा, अनु०, रे०, अ०, मृ०, पुष्य नक्षत्रों में बुध, गुरु, शुक्र, रवि इन वारों में रिक्ता, अमा०, रहित तिथियों में नौकरी प्रारम्भ करनी श्रेष्ठ है

मुकद्दमा दायर करने का मुहूर्त

नक्षत्र	ज्ये०, आर्द्रा०, म०, तीनों उत्तरा, मृ०, आश्ले०, भ०
वार	रवि, बुध, गुरु, शुक्र
तिथि	३, ५, ८, १०, १५
लग्न	३, ६, ७, ८, १२
लग्नशुद्धि	सूर्य, बुध, गुरु, शुक्र, चन्द्र ये ग्रह १, ४, ७, १० इन स्थानों में, पापग्रह ३, ६, ११ स्थानों पर शुभ हैं। अष्टम स्थान में कोई ग्रह न हो।

विशेष- लग्न में कोई प्रबल पाप ग्रह हो ऐसे लग्न में मुकदमा दायर करना अत्यन्त शुभ है।

मशीनरी चालू करने का मुहूर्त

वार	बुधवार, अत्युत्तम है अन्य शुभ वार
नक्षत्र	धनि०, अश्वि०, ह०, चि०, अनु०, पु०, पुष्य, ज्ये०, एवं रेवती।
लग्नशुद्धि	श०, मं०, शु०, श० शुभ स्थानों में हों।
अन्य	शनि की होरा, चन लग्न

गाय बैल आदि पशु लेने का मुहूर्त- गाय खरीदने के लिए उ.फा. नक्षत्र से वर्तमान नक्षत्र तक (खरीदने के नक्षत्र तक) गणना करें, वह नक्षत्र ४, ५, २६ या २७वाँ हो तो गाय लेना अशुभ है। शेष सभी नक्षत्रों में गाय खरीदना शुभ है। भैंस लेने के लिए नक्षत्र से गणना करने पर ४, ५, २६, २७वाँ नक्षत्रों को त्याग कर शेष श्रेष्ठ हैं। बैल लेने के लिए उ.फा. से ३-४-२६-२७वें नक्षत्रों को छोड़कर शेष नक्षत्र लाभपद हैं। तिथियों में ९-१४-४ (रिक्ता) तथा मंगलवार को कभी भी पशु न लें।

मन्दिर निर्माण का मुहूर्त

मास	माघ, फा०, वै०, ज्ये, मार्ग, पौष
नक्षत्र	पुष्य, तीनों उत्तरा, मृग०, श्र०, अश्वि०, चि०, पुन०, आर्द्रा, ह०, ध०, रो०।

वार	सो०, बु, गुरु, शुक्र
तिथि	२, ३, ५, ७, ११, १२, १३

जलाशयारामसुरप्रतिष्ठामुहूर्त्त

समय	उत्तरायण, गुरु, शुक्र व मंगल के बली होने पर
तिथि	शुक्ल पक्ष की १-२-५-१०-१३-१५ कृष्ण पक्ष की १-२-५ मतान्तर से शुक्लपक्ष की ७-११ ।
नक्षत्र	पुष्य, तीनों उत्तरा, ह०, रे०, रो०, अश्वि०, मृ०, श्र०, ध०, पुन०, (मतान्तर से चि०, स्वा०, भ०, मू०, अत्यावश्यक होने पर।)
वार	सोम, बुध, गुरु, शुक्र ।
लग्न शुद्धि	२, ३, ५, ९, ११, १२ (लग्न राशियाँ) केन्द्र त्रिकोण में शुभ ग्रह ३, ६, ११वें पापग्रह, अष्टम शुद्ध हो।
अन्य	पूर्वाह्न, अपने-अपने मास तिथि, नक्षत्र में दक्षिणायन में प्रतिष्ठा के लिए शास्त्राज्ञा। (यथा चतुर्दशी में शंकर चतुर्थी में गणेश) इत्यादि।

प्रतिष्ठामुहूर्त्त- देवतारामवाप्यादिप्रतिष्ठामुत्तरायणे। माघादिपञ्च-मासेषु कृष्णेऽप्यापंचमीदिने। मातृभैरववाहारनारसिंहत्रिविक्रमाः। महिषासुरहन्त्री च स्थाप्या च वै दक्षिणायने।

चुल्लिचक्र विचार

सूर्य जिस नक्षत्र पर हो उस से चन्द्र नक्षत्र (दिन नक्षत्र) तक गणना करके पुनः चक्रानुसार फल का विचार करें।

नक्षत्र संख्या	६	४	८	३	६
फल	शुभ	अशुभ	शुभ	अशुभ	शुभ

हल प्रवहण मुहूर्त्त

मृगशीर्ष, रेवती, चित्रा, अनुराधा, रोहिणी, तीनों उत्तरा, हस्त, अश्विनी, पुष्य, अभिजित्, स्वाती, पुनर्वसु, श्रवण, धनिष्ठा, शतभिषा, मूल, मघा और विशाखा इन नक्षत्रों में रिक्ता, अमावस्या, षष्ठी और अष्टमी तिथियों को छोड़कर शेष तिथियों में १,५,७,१०,११ इन लग्नों को छोड़कर भूमिशयन एवं भद्रादि का विचार कर हलचक्र शुद्धि होने पर प्रथम बार हल प्रवहण करना श्रेयस्कर होता है।

हल चक्र - सूर्य नक्षत्र से दिन नक्षत्र (चन्द्र नक्षत्र) तक गणना करके निम्न चक्रानुसार शुभाशुभ फल का विचार करें।

नक्षत्र संख्या	३	७	९	८
फल	अशुभ	शुभ	अशुभ	शुभ

बीजवपन मुहूर्त्त

हस्त, अश्विनी, पुष्य, तीनों उत्तरा, रोहिणी, चित्रा, अनुराधा, मृगशीर्ष, रेवती, स्वाती, धनिष्ठा, मघा एवं मूल इन नक्षत्रों में, रिक्ता तिथि, अष्टमी, अमा, भद्रा, क्षीण चन्द्र, तिथिक्षय, सूर्य, मंगल और शनिवार, रात्रि एवं दोनों सन्ध्याओं को छोड़कर राहु नक्षत्र से बीजोप्ति चक्र के अनुसार बीजवपन शुभ होता है।

राहु नक्षत्र से बीजोप्ति चक्र

नक्षत्र	स्थान	फल
३	शिर	धान्यनाश
३	गला	कालिमा युक्त
१२	उदर	वृद्धि
४	पुच्छ	तुष
५	बाह्य	नाश

औषधसेवन मुहूर्त्त

हस्त, चित्रा, स्वाती पुनर्वसु, पुष्य, श्रवण, धनिष्ठा, शतभिषा, अश्विनी, रेवती, अनुराधा, मृगशीर्ष मूल नक्षत्र तथा रविवार व शुभ दिनों (चन्द्र, बुध, गुरु, शुक्र) में रिक्ता, अष्टमी, अमा एवं भद्रा तिथियों को छोड़कर, शुभ ग्रहों के बली होने पर तथा लग्न से ६, ७, ८, १२ भावों के शुद्ध (ग्रहरहित) होने पर औषध निर्माण व सेवन आयुष्यवर्धक एवं शुभ होता है।

वाहन आरोहण मुहूर्त्त

रेवती, अश्विनी, शतभिषा, स्वाती, मृगशीर्ष, चित्रा, पुनर्वसु, श्रवण, हस्त, पुष्य व धनिष्ठा नक्षत्र तथा सूर्य, चन्द्र, बुध, गुरु व शुक्र वारों में, रिक्ता, अमा एवं भद्रा रहित तिथियों में तथा चर लग्नों में प्रथम बार वाहन की सवारी करना शुभ होता है।

ग्रहों के दान, दान समय, जप-संख्या, जपनीय-मन्त्र एवं हवनसमिधा ज्ञानार्थ-चक्र

दान-पदार्थ													दान समय	जप संख्या	जपनीय मन्त्र	हवन समिधा
सूर्य	माणिक	सुवर्ण	ताम्र	गेहूँ	गुड़	घी	रक्तपुष्प	केशर	मूंग	रक्तगी	र.वस्त्र	र. चन्दन	सूर्योदय	७०००	ॐ ह्रां ह्रीं ह्रौं स: सूर्याय नम:	अर्क
चन्द्र	मोती	सुवर्ण	रजत	चावल	मिश्री	दही	श्वेतपुष्प	शंख	कर्पूर	श्वेतबैल	श्वे.वस्त्र	श्वे.चन्दन	सन्ध्या	११०००	ॐ श्रां श्रीं श्रौं स: चन्द्राय नम:	पलाश
भौम	मूंगा	सुवर्ण	ताम्र	मसूर	गुड़	घी	रक्तकेशर	केशर	कस्तूरी	रक्तबैल	रक्तवस्त्र	र.चन्दन	घ.२ शेष दिन	१००००	ॐ क्रां क्रीं क्रौं स: भौमाय नम:	खदिर
बुध	पन्ना	सुवर्ण	कांसी	मूंग	खांड	घी	सर्वपुष्प	हाथीदांत	कर्पूर	शस्त्र	ह.वस्त्र	फल	घ.५ शेष दिन	११०००	ॐ ब्रां ब्रीं ब्रौं स: बुधाय नम:	अ.मार्ग
गुरु	पुखराज	सुवर्ण	कांसी	दा.चना	खांड	घी	पीतपुष्प	हल्दी	पुस्तक	घोड़ा	पीतवस्त्र	पीतफल	सन्ध्या	१९०००	ॐ ग्रां ग्रीं ग्रौं स: गुरवे नम:	अश्वत्थ
शुक्र	हीरा	सुवर्ण	रजत	चावल	मिश्री	दूध	श्वेतपुष्प	सुगन्ध	दधि	श्वे.घोड़ा	श्वे.वस्त्र	श्वे.चन्दन	सूर्योदय	६०००	ॐ द्रां द्रीं द्रौं स: शुक्राय नम:	उदुंबर
शनि	नीलम	सुवर्ण	लोहा	उड़द	कुलथी	तेल	कृष्णपुष्प	कस्तूरी	कृष्णांग	भैंस	कृ.वस्त्र	उपानह	मध्याह्न	२३०००	ॐ प्रां प्रीं प्रौं स: शनये नम:	शमी
राहु	गोमेद	सुवर्ण	सीसा	तिल	सरसों	तेल	कृष्णपुष्प	खड्ग	कम्बल	घोड़ा	नी.वस्त्र	शस्त्र	रात्रि	१८०००	ॐ भ्रां भ्रीं भ्रौं स: राहवे नम:	दूर्वा
केतु	लसन	सुवर्ण	लोहा	तिल	सप्तधा	तेल	धूम्रपुष्प	नारियल	कम्बल	बकरा	धूम्रवस्त्र	शस्त्र	रात्रि	१७०००	ॐ स्रां स्रीं स्रौं स: केतवे नम:	कुशा
मुन्था	भौम	सुवर्ण	चाँदी	चावल	सुवर्ण	घी	श्वेतपुष्प	कपूर	मिश्री	श्वेतवस्त्र	श्वे.चन्दन	हाथीदांत	मुं.काल	मुन्थेशवत्	मुन्थेशमन्त्रवत्	

भारत के प्रमुख नगरों के पलभा, अक्षांश, रेखांश, एवं देशान्तर

(नोट- यहाँ (+) चिह्न का अर्थ दिल्ली से पूर्व तथा (-) चिह्न का अर्थ दिल्ली से पश्चिम समझना चाहिए)

नगर	पलभा	अक्षांश	रेखांश	देशान्तर	नगर	पलभा	अक्षांश	रेखांश	देशान्तर
अजमेर	५।५८।१२	२६.२७	७४.४२	-१०.००	गोरखपुर	६।२।५५	२६.४२	८३.२४	+२४.४८
अम्बाला	७।१।२५	३०.२१	७६.५२	-१.२०	गोंडल	४।४१।४१	२१.५५	७०.५३	-२५.२०
अमरावती	४।३५।२५	२०.५६	७७.४८	+२.२४	गौंडा	६।१४।१७	२७.२८	८२.१	+१९.१६
अमृतसर	७।२३।१४	३१.३७	७४.५५	-९.०८	गोहाटी	५।५४।१	२६.११	९१.४७	+५८.२०
अयोध्या	६।३।४२	२६.४८	८२.१४	+२०.०८	चण्डीगढ़	७।८।४	३०।४४	७६।२५	-३.४८
अलवर	६।१५।५२	२७.३४	७६.३८	-२.१६	चितौड़गढ़	५।३४।१३	२४.५४	७४.४२	-१०.००
अलीगढ़	६।२१।१३	२७.५४	७८.०६	+३.३६	छत्तीसगढ़	४।४३।३७	२१.३०	८२.००	+१९.१२
अलीपुर (उ.प्र.)	४।५८।४३	२२.३२	८८.२४	+४४.४८	छपरा	५।४७।४८	२५.४७	८४.११	+२९.५६
अल्मोड़ा	६।४९।१८	२९.३७	७९.४०	+९.५२	जम्मू	७।४२।४१	३२.४४	७४.५४	-९.१२
अहमदनगर	४।१९।५	१९.५	७४.४८	-९.३६	जबलपुर	५।८।६	२३.१०	७९.५९	+११.०८
अहमदाबाद	५।६।७	२३.२	७२.३७	-१८.२०	जयपुर	६।५।३२	२६.५५	७५.५२	-५.२०
आगरा	६।९।३०	२७.१०	७८.५	+३.३२	जालन्धर	७।१८।३	३१.११	७५.१८	-७.३६
आजमगढ़	५।५१।५७	२६.३	८३.१३	+२४.४	जामनगर	४।५७।३०	२२.२७	७०.५	-२८.२८
आबू	५।३०।३९	२४.४०	७२.४५	-१७.४८	जूनागढ़	४।४३।५१	२१.३१	७०.३६	-२६.२४
आसनसोल	५।१६।३	२३.४२	८७.१	+३९.१६	जोधपुर	५।५५।५१	२६.१८	७३.४	-१६.३२
आनन्द	४।४९।२८	२२.३५	७२.५८	-१६.५६	जौनपुर	५।४७।३३	२५.४६	८२.४४	+२२.८
इटारसी	४।५८।१४	२२.३०	७७.५५	+२.५२	झालावाड़	५।२१।३९	२४.३६	७४.९	-१२.१२
इटावा	६।३।२६	२६.४७	७९.२	+७.२०	झांसी	५।४२।३९	२५.२७	७८.३७	+५.४०
इन्द्रगढ़	५/४७/२	२५.४४	७६.१२	-४.००	टोंक	५।५४।१	२६.११	७५.५०	-५.२८
इन्दौर	५।१।४०	२२.४४	७५.५४	-५.१२	डूंगरपुर	५।१८।३	२३.५०	७३.५०	-१३.२८
इलाहाबाद	५।४२।५५	२५.२८	८१.५४	+१८.४८	तिरुपति	२।५५।४	१३.४०	७९.२०	+८.३२
उज्जैन	५।७।५१	२३.९	७५.४३	-५.५६	तूतीकोरिन	१।५०।४९	८.४५	७८.११	+३.५६
उदयपुर	५।३१।१०	२४.४२	७३.३३	-१४.३६	त्रिवेन्द्रम	१।४७।२३	८.२९	७६.५९	-०.५२
उदयगिरि	३।११।०८	१४.५२	७९.११	+८.२८	त्रिनेवल्ली	१।५०।२३	८.५३	७७.५७	+३.००
उन्नाव	६।३।४२	२६.४८	८०.४३	+१४.०४	थानेसर	६।५८।८	२९.२५	७६.५६	-१.४
एकलिंगजी	५।३१।२५	२४.४३	७३.४३	-१३.५६	दरभंगा	५।५३।४६	२६.१०	८५.५१	+३४.३६
औरंगाबाद	४।२०।२४	१९.५३	७५.२३	-७.१६	दिल्ली	६।३३।६	२८.३८	७७.१२	०.००
कटक	४।२८।४३	२०.२८	८५.५४	+३४.४८	द्वारका	४।५४।११	२२.१४	६९.०१	-३२.४४
कन्नौज	६।७।३९	२७.३	७९.५८	+११.०४	देवास	५।५।८	२२.५८	७६.०६	-४.२४
कलकत्ता	४।४९।१३	२२.३४	८८.२४	+४४.४८	देहरादून	७।०१।०१	३०.१९	७८.४	+३.२८
करनाल	६।५०।५१	२९.४२	७७.२	-०.४०	धर्मशाला	७।३४।३५	३२.१६	७६.२३	-३.१६
कानपुर	५।५८।२७	२६.२८	८०.२०	+१२.३२	धार	४।५१।२८	२२.३५	७५.२०	-७.२८
किशनगढ़	६।०।१७	२६.३५	७४.५६	-९.४	धरमपुर (गुजरात)	४।२१।४०	२०.३२	७३.१३	-१५.५६
कोटा	५।३८।१८	२५.१०	७५.५२	-५.२०	धौलपुर	६।२।७	२६.४२	७७.५३	+२.४४
कोल्हापुर	३।३६।१	१६.४२	७४.१६	-११.४४	धांगड़ा	५।५।२२	२२.५६	७१.३१	-२२.४४
कांगड़ा	७।३१।२२	३२.०५	७६.१८	-३.३६	नडीआद	५।०।५६	२२.४१	७२.५५	-७.८
खंडवा	४।४८।२८	२१.५०	७६.२३	-३.१६	नवसारी	४।३८।४	२१.७	७२.५५	-१७.८
गया	५।३२।५६	२४.४९	८५.१	+३१.१६	नवलगढ़	६।२०।२५	२७.५१	७५.१६	-७.४४
गढ़वाल	५।५१।५३	३०.१५	७९.३०	+९.१२	नसीराबाद	५।५५।५१	२६.१८	७४.४६	-९.४४
ग्वालियर	५।५४।४८	२६.१४	७८.१०	+३.५२	नागपुर	४।३८।३३	२१.९	७९.९	+७.४८
गाजियाबाद	६।३२।३९	२८.४०	७७.२८	+१.४	नाथद्वार	५।३४।४३	२४.५६	७३.४८	-१३.३६
गाजीपुर	५।४४।२७	२५.३४	८३.३५	+२५.३२	नालंदा	५।३८।२	२५.९	८५.२४	+३२.४८
गंगापुर	५।५८।४३	२६.२९	७६.४५	-१.४८	नासिक	४।२२।३२	२०.२	७३.५०	-१३.२८
गुड़गांव	६।३२।५०	२८.३७	७७.४	-०.३२	नीमच	५।२७।२२	२४.२७	७४.५२	-९.२०
गुरुदासपुर	७।३०।४७	३२.०३	७५.२७	-७.००	नैनीताल	६।४५।२५	२९.२३	७९.३०	+९.१२
गोवा	३।१९।४०	१५.३०	७३.५७	-१३.००	पजिम	३।१९।४०	१५.३०	७३.५५	-१३.८

नगर	पलभा	अक्षांश	रेखांश	देशान्तर	नगर	पलभा	अक्षांश	रेखांश	देशान्तर
पन्ना	५।३१।२५	२४.४३	८०.१२	+१२.००	मथुरा	६।१४।१७	२७.२८	७७.४१	+१.५६
पटना	५।४५।१३	२५.३७	८५.१३	+३२.०४	एटा (कासगंज)	६।१६।०८	२७.३५	७८.४१	+५.५६
पठानकोट	७।३४।५२	३२.१७	७५.४२	-६.००	मद्रास	२।४७।०६	१३.४	८०.१७	+१२.२०
प्रतापगढ़ (राज०)	५।२१।४	२४.२	७४.४५	-९.४८	माणसा	५।१२।४	२३.२६	७२.४०	-१८.८
प्रतापगढ़ (यूपी)	५।४९।२१	२५.५३	८१.५८	+१९.४	मिर्जापुर	५।३८।१८	२५.१०	८२.३७	+२१.४०
पटियाला	७।१।१८	३०.२०	७६.२५	-३.८	मुगलसराय	५।४०।५	२५.१७	८३.११	+२३.५६
प्रयाग	५।४३।२५	२५.३०	८१.५६	+१८.५६	मेरठ	६।३१।२३	२९.१	७७।४५	+२.१२
पानीपत	६।४५।२५	२९.२३	७७.१	-०.४४	राँची	५।११।१९	२३.२३	८५.२३	+३२.४४
पांडिचेरी	२।३२।१०	११.५६	७९.५३	-१०.४४	रायबरेली	५।५४।४८	२६.१४	८१.१६	+१६.१६
पीलीभीत	६।३३।०६	२८.३८	७५.५१	-५.२४	रेवाड़ी	६।२६।४	२८.१२	७६.३६	-२.२४
पुरी जगन्नाथ	४।१९।१३	१९.४८	८५.५२	+३४.४०	रोहतक	६।३७।२८	२८।५४	७६.३८	-२.१६
पूना	४।०।५५	१८.३०	७३.५८५	-१३.०८	लखनऊ	६।५।३२	२६.५५	८०.५९	+१५.०८
पोर्टब्लेवर	२।२८।५३	११.४१	९२.४३	+६२.४	लद्दाख	७।२९।५४	३२.००	८०.०	+११.०
पोरबन्दर	४।४५।१९	२१.३७	६९.४९	-२९.३२	लुधियाना	७।११।२९	३०.५६	७५.५२	-५.२०
फतेहगढ़	६।१२।५७	२७.२३	७९.४०	+९.५२	वाराणसी	५।४०।३६	२५.१९	८३.१	+२३.१६
फतेहपुर	५।४९।५२	२५.५५	८०.५२	+१४.४०	वृन्दावन	६।१५।३६	२७.३३	७७.४४	+२.०८
फतेहाबाद	६।४७।३८	२९.३१	७५.२०	-७.२८	शिमला	७।१४।२०	३१.०६	७७.१०	-०.०८
फार्रुखाबाद	६।१३।१३	२७.२४	७९.३७	+९.४०	शिलांग	५।४४।२७	२५.३८	९१.५६	+५८.५६
फैजाबाद	६।३।२६	२६.४७	८२.१२	+२०.००	श्रीगंगानगर	६।५४।३५	२९.५६	७३.५२	-१३.२०
बक्सर	५।४४।२७	२५.३४	८४.१	+२७.१६	श्रीनगर	८।७।२९	३४.६	७४.५१	-९.२४
बड़ौदा	४।५५।१८	२२.१८	७३.१६	-१५.४४	सतना	५।२९।२८	२४.३४	८०.५५	+१४.५२
बद्रीनाथ	७।८।४	३०.४४	७९.३२	+९.२०	सागर	५।१८।३	२३.५०	७८.५०	+६.३२
बम्बई	४।६।४५	१८.५५	७२.५०	-१७.२८	सहारनपुर	६।५५।८	१९.५८	७७.२३	+०.४४
बरेली	६।२८।७६	२८.२२	७९.२७	+९.००	सूरत	४।३९।१६	२१.१२	७२.५२	-१७.२०
बीकानेर	६।२३।६	२८.१	७३.२२	+१५.२०	सोमनाथ	४।३७।२१	२१.४	७०.२६	-२७.०४
बीजापुर	३।३७।५०	१६.५०	७५.४७	-५.४०	हरिद्वार	६।५५।८	२९.५८	७८.१३	+४.०४
बैंगलोर	२।४५।४७	१२.५८	७७.३८	+१.४४	हावड़ा (प०बं०)	४।५९।२८	२२.३५	८८.२३	+४४.४४
भरतपुर	६।१०।४९	२७.१५	७७.३०	+१.१२	हैदराबाद	३।४४।४३	१७.२०	७८.३०	+५.१२
भीलवाड़ा	५।४१।७	२५.२१	७४.३८	-१०.१६	होशियापुर	७।२१।४८	३१.३२	७५.५७	-५.००
भोपाल	५।०९।३५	२३.१६	७७.३६	+१.३६	होशंगाबाद	५।२।१०	२२.४६	७७.४५	+२.१२

लग्नसाधन के लिए पलभा से चरखण्ड तथा स्वदेशीय उदयमान बनाने की विधिः

विद्यापीठ पञ्चाङ्ग में अक्षांश रेखांश सारिणी में दी गई पलभा अथवा पलभा के ज्ञान से पलभा को क्रम से १०।८।१०/३ से गुणा करके अभीष्ट स्थानीय चरखण्ड सिद्ध होगें।

उदाहरण- दिल्ली की पलभ ६।३३।०६

६।३३।०६ X १०=६०।३३०६०=६६ प्रथम चरखण्ड स्वल्पान्तरात्
६।३३।०६ X ८=४८।२६४।४८=५२ द्वितीय चरखण्ड स्वल्पान्तरात्

प्रथम चरखण्ड ६६/३=२२ तृतीय चरखण्ड।

इस प्रकार चरखण्ड का साधन करके केतकर के मत से मेषादि द्वादश राशियों के लंकोदयमान २७९।२९९।३२२, ३२२।२९९।२७९, २७९।२९९।३२२, ३२२।२९९।२७९ तीन-तीन राशियों में मेषादि क्रमोत्क्रम से चरखण्ड का ऋण-धन, धन-ऋण, संस्कार करने पर स्वदेशीय उदयमान सिद्ध होंगे।

लङ्कोदयमान		चरखण्ड		स्वदेशीय उदयमान
मे. २७९ मी.	-	६६	=	मे. २१३ मी.
वृ. २९९ कुं	-	५२	=	वृ. २४७ कुं.
मि. ३२२ म.	-	२२	=	मि. ३०० म.
क. ३२२ ध.	+	२२	=	क. ३४४ ध.
सि. २९९ वृ.	+	५२	=	सिं. ३५१ वृ.
क. २७९ तु.	+	६६	=	क. ३४५ तु.

इस प्रकारस्वदेशीय उदयमान द्वारा "तत्कालार्कः सायनः स्वोदयघ्ना भोग्यांशाः" इत्यादि विधि द्वारा लग्न साधन किया जा सकता है।

लघुरित्थ सारिणी

मि.क्र.	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	मि.क्र.
↓ ००		१.३८०२	१.०७९२	९०३१	७७८१	६८१२	६०२१	५३५१	४७७१	४२६०	३८०२	३३८८	३०१०	↓ ००
१	३.०१५८४	१.३७३०	१.०७५६	९००७	७७६३	६७९८	६००१	५३४१	४७६२	४२५२	३७७५	३३८२	३००४	१
२	२.८५७३	१.३६६०	१.०७२०	८९८३	७७४५	६७८४	५९९८	५३३०	४७५३	४२४४	३७८८	३३७५	२९९८	२
३	२.६८१२	१.३५९०	१.०६८५	८९५९	७७२८	६७६१	५९८५	५३२०	४७४४	५३३६	३७८०	३३६८	२९९२	३
४	२.५५६३	१.३५२२	१.०६४९	८९३५	७७१०	६७५५	५९७३	५३१०	४७३५	४२२८	३७७३	३३६२	२९५६	४
५	२.४५१४	१.३४५४	१.०६१४	८९१२५	७६९२	६७४१	५९४१	५३००	४७२६	४२२०	३७६६	३३५५	२९८०	५
६	२.३८०२	१.३३८८	१०.०५८०	८८८८	७६७४	६७२६	५९४१	५२८१	४७१७	४२१२	३७५९	३३४९	२९७४	६
७	२.३१३३	१.३२२३	१.०५४६	८८६५	७६५७	६७१२	५९३७	५२७१	४७०८	४२०४	३७५२	३३४२	२९६८	७
८	२.२५५३	१.३२५८	१.०५११	८८४२	७६३८	६६९८	५९२५	५२६१	४६९९	४१९६	३७४५	३३३६	२९६२	८
९	२.२०४१	१३१९५	१.०४७८	८८१९	७६२२	६६८४	५९१३	५२५१	४६९०	४१८८	३७३७	३३२९	२९५६	९
१०	२.१५८४	१.३१३३	१.०४४४	८७९६	७६०४	६६७०	५९०२	५२४१	४६८२	४१८०	३७३०	३३२३	२९५०	१०
११	२.११७०	१.३०७१	१.०४११	८७७३	७५८७	६६५६	५८९०	५२३१	४६७३	४१७२५	३७२३	३३१६	२९४४	११
१२	२.०७९२	१.३०१०	१.०३७८	५७५१	७५७०	६६४२	५८७८	५२२१	४६६४	४१६४	३७१६	३३१०	२९३८	१२
१३	२.०४४४	१.२९५०	१.०३४५	८७२८	७५५२	६६२८	५८६६	५२११	४६५५	४१५६	३७०९	३३०३	२९३३	१३
१४	२.०१२२	१.२८९१	१.०३१३	८७०६	७५१८	६६००	८५४३	५१९१	४६३८	४१४१	६३९५	३२९१	२९२१	१४
१५	१.९५४२	१.२७७५	१.०२४८	८६६१	७५०१	६५८७	५८३२	५१८१	४६२१	४१३३	३६८८	३२८४	२९१५	१५
१६	१.९५४२	१.२७७५	१.०२४८	८६६१	७५०१	६५८७	५८३२	५१८१	४६२१	४१३३	३६८८	३२८४	२९१५	१६
१७	१.९२७९	१.२७११	१.०२१६	८६३९	७४८४	६५७३	५८२०	५१७१	४६२०	४१२५	३६८१	१२७८	२९०८	१७
१८	१.९०३१	१.२६६३	१.०१८५	७६१७	७४६७	६५५१	५८०१	५१६१	५६११	४११७	३६७४	३२७१	२९०३	१८
१९	१.८७९६	१.२६०७	१.०१५३	८५१५	७४५१	६५४६	५७१७	५१५१	४६०३	४१०१	३६६७	३२६५	२८१७	१९
२०	१.८५७३	१.२५५३	१.०१२२	८५७३	७४३४	६५३२	५७८६	५१४१	४१०२	४१०२	३६६०	३२५८	२८११	२०
२१	१.८३६१	१.२४११	१.००११	८५५२	७४१७	६५११	५७७४	५१३१	४५८५	४०१४	३६५३	३२५२	२८८५	२१
२२	१.८१५१	१.२४४५	१.००६१	८५३०	७४०१	६५०५	५७६३	५१२१	४५७७	४०८६	३६४६	३२४६	२८८०	२२
२३	१.७९६६	१.२३१३	१.०४३०	८५०१	७३८४	६४९२	५७५२	५११०	४५६८	४०७१	३६३१	३२३१	२८७४	२३
२४	१.७७८११	२३४१	१.००००	८४८७	७३६८	६४७८	५७४०	५११०	४५५१	४०७१	३६३२	३२३३	२८६८	२४
२५	१.७६०४	१.२२८१	०.९९७०	८४६६	७३५१	६४६५	५७२१	५१००	४५५१	४०६३	३६२५	३२२७	२८६३	२५
२६	१.७४३४	१.२२३१	०.९९४०	८४४५	७३३५	६४५१	५७१८	५०९०	४५४२	४०५५	३६१८	३२२०	२८५६	२६
२७	१.७२७०	१.२१८८	०.९९१०	८४२४	७३१८	६४३८	५७०६	५०८१	४५३४	४०४८	३६११	३२१४	२८५०	२७
२८	१.७११२	१.२१३१	०.९८८१	८४०३	७३०२	६४२५	५६९५	५०७१	४५२५	४०४०	३६०४	३२०८	२८४५	२८
२९	१.६९६०	१.२०९०	०.९८५२	८३८२	७२८६	६४१२	५६८४	५०६१	४५१६	४०३२	३५९७	३१०१	२८३१	२९
३०	१.६८१२	१.२०४१	०.९८२३	८३६१	७२७०	६३९८	५६७३	५०५१	४५०८	४०२५	३५९०	३१९५	२८३३	३०
३१	१.६६७०	१.१९९३	०.९७९४	८३४१	७२५४	६३८५	५६६२	५०४२	४४९९	४०१७	३५८३	३१८१	२८२७	३१
३२	१.९५३२	१.१९४६	०.९७६५	८३२०	७२३८	६३७२	५६५१	५०३२	४४९१	४०१०	३५७६	३१८३	२८२१	३२
३३	१.६३९८	१.१८९९	०.९७३७	८३००	७२२२	६३५१	५६४०	५०२३	४४८२	४००२	३५७०	३१७६	२८१६	३३
३४	१.६२६१	१.१८५२	०.९७०८	८२७१	७२०६	६३४६	५६२१	५०१३	४४६६	३९९४	३५६३	३१७०	२८१०	३४
३५	१.६१४३	१.१८०६	०.९६८०	८२५१	७१९०	६३३३	५६१८	५००३	४४६६	३९८७	३५५६	३१६४	२८०४	३५
३६	१.६०२१	१.१७६१	०.५६५२	८२३१	७१७४	६३२०	५६०७	४९९४	४४५७	३९७१	३५४१	३१५७	२७९८	३६
३७	१.५९०२	१.१७१६	०.९६२५	८२६१	७१५१	६३०७	५५९६	४९८४	४४४१	३९७२	३५४२	३१५१	२७९३	३७
३८	१.५७८६	१.१६७१	०.९५९७	८१११	७१४३	६२९४	५५८५	४९७५	४४४०	३९६४	३५३५	३१४५	२७८७	३८
३९	१.५६७३	१.१६२७	०.९५७०	८१७१	७१२८	६२८२	५५७४	४९६५	४४३२	३९५७	३५२१	३१३१	२७८१	३९
४०	१.५५६३	१.१५८४	०.९५४२	८१५१	७११२	६२६१	५५६३	४९५६	४४२४	३९४१	३५२२	३१३३	२७७५	४०
४१	१.५४५६	१.१५४०	०.९५१५	८१४०	७३१७	६२५६	५५५२	४९४७	३९४२	३९४२	३५१५	३१२६	२७७०	४१
४२	१.५३५१	१.१४९८	०.९४८८	८१२०	७०८१	६२४३	५५४१	४९३७	४४०७	३९३४	३५०८	३१२०	२७६४	४२
४३	१.५२४९	१.१४५५	०.९४६२	८१०१	७०६६	६२३१	५५३१	४९२८	४३९९	३९२७	३५०१	३११४	२७५८	४३
४४	१.५१४९	१.१४१३	०.९४३५	८०८१	७०५०	६२१८	५५२०	४९१८	४२९०	३९११	३४९५	३१०८	२७५३	४४
४५	१.५०५१	१.१३७२	०.९४०९	८०६३	७०३५	६२०५	५५०१	४९०१	४३८२	३९१२	३४८८	३१०२	२७४७	४५
४६	१.४९५६	१.१३३१	०.९३८३	८०४३	७०२०	६१९३	५४९८	४९००	४३७४	३९०५	३४८१	३०९६	२७४१	४६
४७	१.४८६३	१.१२९०	०.९३५६	८०२३	७००५	६१८०	५४८८	४८९०	४३६५	३८९७	३४७५	३०८१	२७३६	४७
४८	१.४७७१	१.१२४१	०.९३३०	८००४	६९९०	६१६८	५४७७	४८८१	५३५७	३८९०	३४६८	३०८३	२७३०	४८
४९	१.४६८२	१.१२०८	०.९३०५	७९८५	६९७५	६१५५	५४६६	४८७२	४३४९	३८८२	३४६१	३०७७	२७२४	४९
५०	१.४५९४	१.११७०	०.९२७९	७९६६	६९६०	६१४३	५४५६	४८६३	४३४१	३८७५	३४५४	३०७१	२७१९	५०
५१	१.४५०८	१.११३०	०.९२५४	७९४७	६९४५	६१३१	५४४५	४८५३	५३३३	३८६८	३४४८	३०६५	२७१३	५१
५२	१.४४२४	१.१०९१	०.९२२८	७९२१	६९३०	४९९८	५४३५	४८४४	४३२४	३८६०	३४४१	३०५१	२७०७	५२
५३	१.४३४१	१.१०५३	०.९२०३	७९१०	६९१५	६१०६	५४२४	४८३५	४३१६	३८५३	३४३४	३०५३	२७०२	५३
५४	१.४२६०	१.१०१५	०.९१७८	७८९१	६९००	६०९४	५४१४	४८२६	४३०८	३८४६	३४२८	३०४७	२६९६	५४
५५	१.४१८०	१.०९७७	०.९१५३	७८७३	६८८५	६०८१	५४०३	४८१७	४३००	३८३८	३४२१	३०४१	२६९१	५५
५६	१.४१०२	१.०९३९	०.९१२८	७८५४	६८७१	६०६९	५३९३	४८०८	४२९२	३८३१	३४१५	३०३४	२६८५	५६
५७	१.४०२५	१०.९०२	०.९१०४	७८३६	४८५६	६०५७	५३८२	४७९८	४२८४	३८२४	३४०८	३०२८	२६७९	५७
५८	१.३९४९	१.०८६५	०.९०७९	७८१८	६८४१	६०४५	५३७२	४७८९	४२७६	३८१७	३४०१	३०२२	२६७४	५८
५९	१.३८७५	१.०८२८	०.९०५५	७८००६	६८२७	६०३३	५३६१	४७८०	४२६८	३८०१	३३९५	३०१६	२६६८	५९

लघुरित्थ सारिणी

मि.क्र.	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	मि.क्र.
↓ ००	२६६३	२३४१	२०४१	१७६१	१४९८	१२४९	१०१५	०७९२	०५८०	०३७८	०१८५	↓ ००
१	२६५२	२३३०	२०३६	१७५६	१४९३	१२४५	१०११	०७८८	०५७७	०३७५	०१८२	१
२	२६५२	२३३०	२०३२	१७५२	१४८९	१२४१	१००७	०७८५	०५७३	०३७१	०१७९	२
३	२६४६	२३२५	२०२७	१७४७	१४८५	१२३७	१००३	०७८१	०५७०	०३६८	०१७५	३
४	२६४०	२३२०	२०२२	१७४४३	१४८१	१२३३	०९९९	०७७७	०५६६	०३६५	०१७२	४
५	२६३५	२३१५	२०१७	१७३८	१४७६	१२२९	०९९६	०७७४	०५६३	०३६१	०१६९	५
६	२६२९	२३१०	२०१२	१७३४	१४७२	१२२५	०९९२	०७७०	०५५९	०३५८	०१६६	६
७	२६२४	२३०५	२००८	१७२९	१४६८	१२२१	०९८८	०७६७	०५५६	०३५५	०१६३	७
८	२६१८	२३००	२००३	१७२५	१४६४	१२१७	०९८४	०७६३	०५५२	०३५२	०१६०	८
९	२६१३	२२९५	१९९८	१७२०	१४५९	१२१३	०९८०	०७५९	०५४९	०३४८	०१५७	९
१०	२६०७	२२८९	१९९३	१७१६	१४५५	१२०९	०९७७	०७५६	०५४६	०३४५	०१५४	१०
११	२६०२	२२८४	१९८८	१७११	१४५१	१२०५	०९७३	०७५२	०५४२	०३४२	०१५०	११
१२	२५९६	२२७९	१९८४	१७०७	१४४७	१२०१	०९६९	०७४९	०५३९	०३३९	०१४७	१२
१३	२५९१	२२७४	१९७४	१६९८	१४३८	११९३	०९६२	०७४१	०५३२	०३३२	०१४१	१३
१४	२५८५	२२६९	१९७४	१६९८	१४३८	११९३	०९६२	०७४१	०५३२	०३३२	०१४१	१४
१५	२५८०	२२६४	१९६९	१६९४	१४३४	११९०	०९५८	०७३८	०५२५	०३२९	०१३८	१५
१६	२५७४	२२५९	१९६५	१६८९	१४३०	११८६	०९५४	०७३४	०५२५	०३२६	०१३५	१६
१७	२५६९	२२५४	१९६०	१६८५	१४२६	११८२	०९५०	०७३१	०५२२	०३२२	०१३२	१७
१८	२५६४	२२४९	१९५५	१६८०	१४२२	११७८	०९४७	०७२७	०५१८	०३१९	०१२९	१८
१९	२५५८	२२४४	१९५०	१६७६	१४१७	११७४	०९४३	०७२४	०५१५	०३१६	०१२६	१९
२०	२५५३	२२३९	१९४६	१६७१	१४१३	११७०	०९३९	०७२०	०५१२	०३१३	०१२२	२०
२१	२५४७	२२३४	१९४१	१६६७	१४०९	११६६	०९३५	०७१६	०५०८	०३०९	०११९	२१
२२	२५४२	२२२९	१९३६	१६६२	१४०५	११६२	०९३२	०७१३	०५०५	०३०६	०११६	२२
२३	२५३६	२२२३	१९३२	१६५८	१४०१	११५८	०९२८	०७०९	०५०१	०३०३	०११३	२३
२४	२५३१	२२१८	१९२७	१६५४	१३९७	११५४	०९२४	०७०६	०४९८	०३००	०११०	२४
२५	२५२६	२२१३	१९२२	१६४९	१३९२	११५०	०९२०	०७०२	०४९५	०२९६	०१०७	२५
२६	२५२०	२२०८	१९१७	१६४५	१३८८	११४६	०९१७	०६९९	०४९१	०२९३	०१०४	२६
२७	२५१५	२२०३	१९१३	१६४०	१३८४	११४२	०९१३	०६९५	०४८८	०२९०	०१०१	२७
२८	२५०९	२१९८	१९०८	१६३६	१६८०	११३८	०९०९	०६९२	०४८४	०२८७	००९८	२८
२९	२५०४	२१९३	१९०३	१६३२	१३७६	११३४	०९०६	०६८८	०४८१	०२८४	००९५	२९
३०	२४९९	२१८८	१८९९	१६२७	१३७२	११३०	०९०२	०६८५	०४७८	०२८०	००९१	३०
३१	२४९३	२१८३	१८९८	१६२३	१३६८	११२७	०८९८	०६८१	०४७४	०२७७	००८८	३१
३२	२४८८	२१७८	१८८९	१६१८	१३६४	११२२	०८९४	०६७८	०४७१	०२७४	००८५	३२
३३	३४८३	२१७३	१८८५	१६१४	११५९	११११	०८९१	०६७४	०४६८	०२७१	००८२	३३
३४	२४७७	२१६८	१८८०	१६१०	१३५५	१११५	०८८७	०६७१	०४६४	०२६७	००७९	३४
३५	२४७२	२१६४	१८७५	१६०५	१३५१	११११	०८८३	०६६७	०४६१	०२६४	००७६	३५
३६	२४६७	२१५९	१८७१	१६०१	१३४७	११०७	०८८०	०६४३	०४५८	०२६१	००७३	३६
३७	२४६१	२१५४	१८६६	१५९८	१३४३	११०३	०८७६	०६६०	०४५४	०२५८	००७०	३७
३८	२४५६	२१४९	१८६२	१५९२	१३३९	१०९९	०८७२	०६५६	०४५१	०२५५	००६७	३८
३९	२४५१	२१४४	१८५७	१५८८	१३३५	१०९५	०८६९	०६५३	०४४८	०२५१	००६४	३९
४०	२४४५	२१३९	१८५२	१५८४	१३३१	१०९१	०८६५	०६४९	०४४४	०२४८	००६१	४०
४१	२४४०	२१३४	१८४८	१५७९	१३२६	१०८८	०८६१	०६४६	०४४१	०२४५	००५८	४१
४२	२४३५	२१२९	१८४३	१५७५	१३२२	१०८४	०८५७	०६४२	०६३८	०२४२	००५५	४२
४३	२४३०	२१२४	१८३८	१५७१	१३१८	१०८०	०८५४	०६३९	०४३४	०२३९	००५२	४३
४४	२४२४	२११९	१८३४	१५६६	१३१४	१०७६	०८५०	०६३५	०४३१	०२३६	००४९	४४
४५	२४१६	२११४	१८२९	१५६२	१३१०	१०७२	०८४७	०६३२	०४२८	०२३२	००४६	४५
४६	२४१४	२१०९	१८२५	१५५८	१३०६	१०६८	०८४३	०६२८	०४२४	०२२९	००४२	४६
४७	२४०९	२१०४	१८३०	१५५३	१३०२	१०६४	०८३९	०६२५	०४२१	०२२६	००३९	४७
४८	२४०३	२०९९	१८१६	१५४९	१२९८	१०६१	०८३५	०६२२	०४१८	०२२३	००३६	४८
४९	२३९८	२०९५	१८११	१५४५	१२९४	१०५	०८३२	०६१८	०४१४	०२२०	००३३	४९
५०	२३९३	२०९०	१८०६	१५४०	१२९०	१०५३	०८२८	०६१५	०४११	०२१६	००३०	५०
५१	२३८८	२०८५	१८०२	१५३६	१२८६	१०४९	०८२५	०६११	०४०८	०२१३	००२७	५१
५२	२३८३	२०८०	१७९७	१५३२	१२८२	१०४५	०८२१	०६०८	०४०४	०२१०	००२४	५२
५३	२३७७	२०७५	१७९३	१५२८	१२७८	१०४१	०८१७	०६०४	०४०१	०२०७	००२१	५३
५४	२३७२	२०७०	१७८८	१५२३	१२७४	१०३८	०८१४	०६०१	०३९८	०२०४	००४८	५४
५५	२३६७	२०६५	१७८४	१५१९	१२७०	१०३४	०८१०	०५९७	०३९४	०२०१	००१५	५५
५६	२३६२	२०६१	१७७९	१५१५	१२६६	१०३०	०८०६	०५९४	०३९१	०१९७	००१२	५६
५७	२३५६	२०५६	१७४	१५१०	१२६१	१०२६	०८०३	०५९०	०३८८	०१९४	०००९	५७
५८	२३५१	२०५१	१७७०	१५०६	१२५७	१०२२	०७९९	०५८७	०३८४	०१९१	०००६	५८
५९	२३४६	२०४६	१७६५	१५०२	१२५३	१०१८	०७९५	०५८३	०३८१	०१८८	०००३	५९

लघुरित्थ सारिणी द्वारा ग्रह स्पष्ट करने की विधि– लघुरित्थ से ग्रह स्पष्ट करने के लिए पञ्चाङ्ग में दिए गए ग्रह स्पष्ट के भारतीय स्टैण्डर्ड समय तथा जन्म समय के भारतीय स्टैण्डर्ड समय का अन्तर करने पर घण्टों मिनिटों में चालन आता है। यदि जन्म समय पञ्चाङ्ग में दिए गए ग्रह स्पष्ट समय से कम हो तो चालन ऋण, अधिक होने पर धन होता है। इस प्रकार सारिणी में घण्टे के नीचे तथा मिनिटों के सामने का चालन दशमलवात्मकलघुरित्थ लेकर तथा अभीष्ट ग्रह की दैनिक गति यदि अंशात्मक हो तो अंश के नीचे तथा कला के सामने के दशमलवात्मक लघुरित्थ को लेकर चालन में लघुरित्थ में जोड़ने पर जो प्राप्त हो, वह सारिणी में जिस अंश के नीचे तथा जिस कला के सामने मिले वही चालन फल होगा। यदि चालन ऋण हो तो पञ्चाङ्ग के ग्रह स्पष्ट में ऋण तथा यदि धन हो तो धन करने पर जन्मकालीन ग्रह स्पष्ट होगा। यह ध्यान रहे, कि सारिणी में घण्टे या अंश तथा मिनिट या कला का लघुरित्थ एक ही आता है, तथा जहाँ (३ अंश के नीचे से अन्त तक) लघुरित्थ के आगे दशमलव नहीं दिए गए हैं वहाँ दशमलव सहित लेना चाहिए, जैसे १०३१ के स्थान पर ०१०३१ इत्यादि।

अभीष्ट स्थान के सूर्योदय तथा इष्टकाल बनाने की विधि

अभीष्ट स्थान का इष्टकाल बनाने के लिए वहां के सूर्योदयकाल की आवश्यकता होती है, क्योंकि सूर्योदय से जन्मकाल तक के समय को इष्टकाल कहते है, या यूं कहिए कि जन्मकालीन स्टैण्डर्ड समय में से वहां का स्टैण्डर्ड सूर्योदय घटाने पर इष्टकाल बनता है, अतः किसी भी स्थान के स्टैण्डर्ड बनाने की विधि यहां दी जा रही है।

मान लीजिए १९ दिसम्बर १९८५ को स्टैण्डर्ड समय प्रातः १० बजकर २० मिनट पर दिल्ली का इष्टकाल निकालने के लिए यहां का स्टैण्डर्ड सूर्योदय बनाना है-

किसी भी स्थान का सूर्योदय बनाने के लिए वहां के अक्षांस उस दिन की क्रान्ति, वेलान्तर, रेखांश तथा रेखान्तर की आश्वयकता होती है। छः घण्टे में चर का संस्कार करने पर स्थानीय सूर्योदय, तथा पञ्चाङ्ग की सारिणी से वेलान्तर तथा रेखान्तर का विपरीत संस्कार अर्थात् यदि दोनों की ऋण हों तो धन, तथा धन हो तो ऋण करने पर वहां का स्टैण्डर्ड सूर्योदय बनता है।

दिल्ली का अक्षांश=२८°।३८', १९ दिसम्बर की क्रान्ति दक्षिणा=२३°।२५', वेलान्तर+३ मिनट, रेखांश ७७°।१२', रेखान्तर मि० २१ से. १२ ऋणात्मक है।

चरसाधन- उपरोक्त उपकरणों द्वारा पञ्चाङ्ग की चर सारिणी से अक्षांश तथा क्रान्ति के संस्कार से चर मिनिट लाने हैं। दिल्ली के अक्षांश २८°।३८' के सामने तथा कान्त्यंश २२° के नीचे चर मिनिट ५१ एवं २४° के नीचे मि० ५६ से. १८ लिखे हैं, किन्तु अभीष्ट चर क्रान्ति २३°।२५' का लाना है, अतः चर मिनिटादि दो अंशों के अन्तर पर होने के कारण अभीष्ट चर मिनिटादि लाने के लिए अनुपात किया:-

यदि दो क्रान्त्यंशो के अन्तर में चर ५ मिनिट १८ से. मिलते हैं तो क्रान्त्यंशान्तर २३°।२५'-२२°।००=१°।२५' में क्या ?

$$\frac{\text{मि० ५ से० १८} \times १°।२५'}{२°} \text{ स्वल्पान्तरात् ४ मिनिट}$$

इसको २२° क्रान्त्यंश के चर मिनिट ५१, में जोड़ने पर ५५ मिनिट अभीष्ट चर हुआ।

चर संस्कार विधि-

चर का साधन करके यदि उत्तरा क्रान्ति तथा उत्तरी अक्षांश हो, तो चर मिनिटादि ६ घण्टे में ऋण करने पर एवं दक्षिणा क्रान्ति व उत्तरी अक्षांश हो, तो ६ घण्टे में चर मिनिटादि धन करने पर, इसी प्रकार उत्तरा क्रान्ति दक्षिण अक्षांश हो तो ६ घण्टे में चर मिनिटादि धन करने पर स्थानीय सूर्योदय होगा। भारतवर्ष में सर्वत्र अक्षांश उत्तर दिशा के ही हैं। अतः भारतवर्ष में २१ मार्च से २२ सितम्बर तक चर मिनिटों का ६ घण्टे में घटाने पर तथा २३ सितम्बर से २० मार्च तक चर मिनिटों को ६ घण्टे में जोड़ने पर स्थानीय समय अर्थात् धूप घड़ी (स्थानीय) का सूर्योदय काल ज्ञात होता है। उसमें मध्यमान्तर और वेलान्तर का विपरीत संस्कार करने पर स्टैण्डर्ड समय में सूर्योदय काल प्राप्त होता है। अभीष्ट स्थानीय सूर्योदय साधन हेतु चर संस्कार ज्ञान के लिए चक्र:-

उत्तरी अक्षांश		दक्षिणी अक्षांश	
उत्तरा क्रान्ति	दक्षिणा क्रान्ति	उत्तरा क्रान्ति	दक्षिणा क्रान्ति
घं. ६- चर मि.	घं. ६ + चर मि.	घं. ६ + चर मि.	घं. ६- चर मि.
= स्था. सूर्योदय	= स्था. सूर्योदय	= स्था. सूर्योदय	= स्था. सूर्योदय

१९ दिसम्बर को क्रान्ति दक्षिणा है, तथा अक्षांश उत्तरी है, अतः घं. ६+मि. ५५= घं. ६ मि. ५५=स्थानीय सूर्योदय।

इस दिन वेलान्तर+ ३ मिनट हैं, अत: स्थानीय सूर्योदय में वेलान्तर का विपरीत संस्कार करने पर घं. ६ मि. ५५ - मि.३ । = घं. ६ मि. ५२ = स्था. मध्यम सूर्योदय तथा रेखान्तर- मि. २१ सें. १२ का विपरीत संस्कार करने पर घं. ६ मि. ५२+मि. २१ सें. १२= घं. ७ मि. १३ से. १२ = स्टैं. सूर्योदय होगा।

सीनीय सूर्योदय	= ६/५५/००		मि./सें.
स्पष्टान्तर	= +१८/१२	मध्यमान्तर =	-२१/१२
स्टैं० समय सूर्योदय काल का	= ७/१३/१२	वेलान्तर =	+ ३/००
		सपष्टान्तर =	-१८/१२

स्पष्टान्तर द्वारा स्थानीय सूर्योदय से स्टैं. सूर्योदय, स्टै. सूर्योदय से स्थानीय सूर्योदय तथा स्टैं० समय से स्थानीय समय बनाने की विधि :-

स्पष्टान्तर साधन-

यदि रेखान्तर तथा वेलान्तर दोनों ऋण हो तो दोनों का योग करने पर ऋण (-) स्पष्टान्तर एवं दोनों धन हो तो दोनो का योग करने पर धन (+) स्पष्टान्तर तथा यदि एक संख्या धन एक ऋण हो तो अधिक संख्या में से घटाने पर अधिक संख्या वाला चिह्न लगाने पर स्पष्टान्तर होता हैं।

जैसे :- रेखान्तर-मि० २१ से० १२, वेलान्तर + मि० ३

अत: स्पष्टान्तर = -मि० २१ से० १२+मि० ३ = -मि० १८ से० १२

इस स्पष्टान्तर का स्टैं. सूर्योदय में यथावत् संस्कार करने पर स्थानीय सूर्योदय होगा।

स्टैं. सूर्योदय घं. ७ मि. १३ से. १२ - स्पष्टान्तर मि. १८ से. १२ = स्थानीय सूर्योदय घं. ६ मि. ५५

इसी प्रकार स्टैं. समय में स्पष्टान्तर का संस्कार करने पर स्थानीय समय होगा।

स्टैं. समय घं. १० मि. २०-मि. १८ से. १२= घं. १० मि. १ से. ४८ = स्थानीय समय।

इसके विपरीत स्थानीय सूर्योदय में स्पष्टान्तर का विपरीत संस्कार करने पर स्टैं० सूर्योदय तथा स्थानीय समय में संस्कार विपरीत करने पर स्टैं० समय होगा।

स्थानीय सूर्योदय घं० ६ मि. ५५+मि. १८ से. १२ = स्टैं. सूर्योदय घं. ७ मि. १३ से. १२

स्था. समय घं. १० मि. १ से. ४८+मि. १८ से. १२ = स्टैं. समय घं १० मि. २०

इस प्रकार स्टैं. जन्म समय में स्टैं. सूर्योदय अथवा स्थानीय समय में स्थानीय सूर्योदय घटाने पर घण्टा मिनट में इष्टकाल तथा उसे २॥ से गुणा करने पर घटीपलात्मक इष्टकाल होता है।

यह ध्यान रहे कि यदि जन्म समय स्टैण्डर्ड हो तो सूर्योदय भी स्टैण्डर्ड तथा यदि जन्म समय स्थानीय हो तो सूर्योदय भी स्थानीय होना चाहिए।

स्थानीय समय तथा स्थानीय सूर्योदय से एवं स्टैं. समय तथा स्टैं. सूर्योदय से इष्टकाल साधन-

	घं. । मि. । से.		घं. । मि. । से.
स्टैं. जन्म समय =	१० । १२ । ००	स्थानीय जन्म समय =	१० । ०१ । ४८
स्टैं. सूर्योदय =	-७ । १३ । १२	स्थानीय सूर्योदय =	-६ । ५५ । ००
घण्टा मिनटात्मक इष्टकाल=	३ । ०६ । ४८	घण्टा मिनटात्मक इष्टकाल =	३। ०६। ४८
अढ़ाई से गुणा करने पर =	X २ ॥	अढ़ाई से गुणा करने पर =	X २ ॥
	घं. । प. । वि.		घं. । प. । वि.
	७ । ३० । ००		७ । ३० । ००
	१५ । ००		१५ । ००
	७ । ४५ । ००		७ । ४५ । ००
घटीपलात्मक इष्टकाल =	७/४५/००	घटीपलात्मक इष्टकाल =	७/४५/००

✷ विभिन्न अंगों पर पल्ली (छिपकली/किरली) गिरने का फल एवं उपचार ✷

शरीर पर पल्ली (छिपकली/किरली) गिरने पर उस समय जो वस्त्र पहने हो उन वस्त्रों सहित स्नान करना चाहिए। जन्म नक्षत्र, दग्धा-तिथि, मृत्युयोग, पापग्रहयुक्त लग्न एवं अष्टम चन्द्रमा में पल्ली पतन अरिष्ट फलदायक होता है, अतः उसकी शान्ति के लिए पञ्चगव्य से स्नान कर छायापात्रदान, महामृत्युञ्जय का जाप, होमादि करना श्रेयस्कर होता है।

पल्ली-पतन के शुभ तिथि, वार एवं नक्षत्र :-

✷ अङ्ग विभागवश पल्ली-पतनफल जानने के लिए चक्र ✷

अङ्ग	फल	अङ्ग	फल	अङ्ग	फल	अङ्ग	फल
मस्तक	राज्यलाभ	कण्ठ	शत्रुनाशक	पृष्ठ मध्य	झगड़ा	कटिप्रदेश	रोग-भय
कपाल	ऐश्वर्य प्राप्ति	दक्षिण-भुज	मान-सम्मान	दक्षिण-पृष्ठ	सुखलाभ	दक्षिण जङ्घा	धन हानि
नासिकाग्र	व्याधि	वाम-भुज	राज-भय	वाम-पृष्ठ	रोग-भय	वाम जङ्घा	पुत्र-लाभ
मुख-प्रदेश	मिष्ठान-भोजन	दक्षिण-स्कन्ध	सफलता	दक्षिण-हस्त	धन-लाभ	गुदा	रोग-भय
दक्षिण-कर्ण	आयु-वृद्धि	वाम-स्कन्ध	शत्रुभय	वाम-हस्त	धन-हानि	गुप्ताङ्ग	मित्र-प्राप्ति
वाम-कर्ण	भूषण लाभ	स्तन-प्रदेश	दौर्भाग्य	नाभि-प्रदेश	पुत्र-प्राप्ति	दक्षिण-पाद	यात्रा
				हृदय	यश-प्रप्ति	वाम-पाद	रोग भय

अङ्ग स्फुरण फलः-

शकुन की दृष्टि से शरीर के किसी भी भाग में अचानक स्फुरण हो जाता है। यह स्फुरण यदि निरन्तर लम्बे समय तक होता रहे तो वह वायु विकार से सम्बन्धित होता है। वह स्फुरण निष्फल होता है। यदि क्षणिक अंग स्फुरण हो, तो वा शुभाशुभ फल बोधक होता है। सामान्यतया स्त्री का वामाङ्ग एवं पूरूष का दक्षिणाङ्ग स्फुरण शुभ माना गया ह। विस्तृत फल निम्न प्रकार ज्ञात करें।

स्थान	फल	स्थान	फल	स्थान	फल	स्थान	फल	स्थान	फल
मस्तक (सिर)	भूमिलाभ	भृकुटि	धन प्राप्ति	कण्ठ	भूषण प्राप्ति	पृष्ठ	पराजय	बाहु-प्रदेश	प्रिय-प्राप्ति
ललाट	स्थान लाभ	नासिका	सुगन्ध लाभ	ग्रीवा	शत्रु भय	नाभि	स्त्रीनाश	गुप्ताङ्ग	प्रिय-प्राप्ति
नेत्र	प्रियदर्शनलाभ	दक्षिण कर्ण	आयु-वृद्धि	स्कन्ध	मित्र-समागम	कुक्षि	सुप्रीति	जङ्घा	हानिप्रद
कपोल	स्त्री सुख	वाम-कर्ण	भूषण लाभ	वक्षः स्थल	विजय	कटि प्रदेश	प्रिय-प्राप्ति	घुटना	शत्रुसन्धि
भ्रूमध्य	सुख-प्राप्ति	अधर	प्रिय प्राप्ति	हृदय	इष्ट सिद्धि	हस्त	धन-प्राप्ति	पाद	स्थान-प्राप्ति

छींक (छिक्का) विचारः-

कोई शुभ कार्य प्रारम्भ करते समय अथवा यात्रा करते समय छींक आने पर अपशकुन माना जाता है। इसका विचार भारत वर्ष में प्रायः सभी प्रदेशों में होता है इसके विषय में अनेक लोकोक्ति अथवा घाघ, भड्डली इत्यादि की किवदन्तियाँ मुहावरों के रूप में प्रचलित हैं। संकेत में सारांश यह है, कि सुँघनी आदि पदार्थो के द्वारा ली गई बनावटी छींक निष्फल होती है। पीछे की छींक कुशलक्षेमकारक है। बाई ओर की छींक सभी कार्य को सिद्ध करने वाली सामने की छींक लड़ाई कराने वाली, दाहिनी ओर की छींक धन-नाश करने वाली, ऊँची छींक विजय देने वाली, नीची छींक भय करने वाली तथा अपनी अपनी छींक बहुत दुःख देने वाली होती है। कन्या, विधवा, मालिन, धोविन, रजस्वला, वैश्या की छींक बहुत अशुभफल देने वाली होती है। यदि भोजन के अन्त में छींक आए तो दूसरे दिन प्रिय भोजन प्राप्त होता है।

सन्ध्यावन्दनादि, शयन के समय, शौच के समय, दानकाल, भोजन के समय बाई ओर तथा पीछे की छींक शुभफल करने वाली होती है। छींक के विषय में अनेक किंवदन्तियाँ प्रचलित हैं, उनमें से प्रचलित उक्ति यहाँ दी जा रही हैं-

छींकत न्हइयै छींकत खइयै, छींकत जइयै सोय। छींकत पर घर कबहूँ न जइयै सब सोने की होय। एक नाक दो छींका। इनसे सगुन होत है नीका।

* जन्म-कुण्डली में द्वादशभावस्थ सूर्यादिग्रहों का फल *

ग्रह	तनु १	धन २	सहज ३	सुख ४	पुत्र ५	शत्रु ६	स्त्री ७	मृत्यु ८	धर्म ९	कर्म १०	लाभ ११	व्यय १२
सूर्य	उच्च-शरीर, प्रवासी, रोग	भाग्यवान, मितव्ययी	पराक्रमी, अशान्तिचित	बन्धुवैरी, अशान्तचित	बुद्धिमान, वञ्चक	चतुष्पदकष्ठ, राज्यव्यय	स्त्रीकष्ट, व्यापारी	कार्यशी, व्यसनी	भ्रातृपीड़ित, चिन्तायुक्त	परिश्रमी, मातृपीड़क	सन्तिहीन, राज्यभोगी	नेत्रकष्ट, युद्धविजयी
चन्द्र	धनी, सुखी, दुर्बल, मूर्ख	विलासी, कुटुम्बस्नेही	परिश्रमी, भ्रातृकष्ट	उच्चाधिकारी, स्त्रीपुत्रादिसुख	निर्मलबुद्धि, व्यापारी	शत्रुजित्, मातृकष्टप्रद	स्त्रीसुख, शत्रुकष्ट	संघर्षशील, व्याधियुक्त	साहसी, सुखी	धर्मात्मा, ऐश्वर्यशील	राज्यप्रतिष्ठा, कन्यासन्तति	नेत्ररोगी, अपूर्णमनोरथ
भौम	सौहाग्निकष्ट, स्त्रीपुत्रनाश	अल्पपरिवार, धनी	पराक्रमी, भ्रातृकष्ट	कुटुम्बकष्ट, राज्यलाभ	तीव्रजठराग्नि, सन्ततिनाशक	शत्रुजित्, बुद्धिमान्	स्त्रीनाशक, कर्तव्यहीन	दुर्भाग्यशीली, महाकष्ट	धनी, तेजस्वी	मंगलकार्यहीन, पराक्रमी	शत्रुनाशक, सन्ततिकष्ट	धर्मभ्रष्ट, वृथापवाद
बुध	अरिष्टनाश, श्रेष्ठबुद्धि	बुद्धिमान्, काव्यप्रेमी	नम्रस्वभाव, व्यापारवृत्ति	प्रधानधिकारी, पितृधनहीन	स्वार्थी, कपटी	मनुष्यविरोधी, शत्रुवशी	स्त्रीसुखदायक, सौन्दर्यशीली	दीर्घायु, व्यापारी	बुद्धिमान, प्रतापी	पितृधनभोगी, नीतिज्ञ	धनी, सौन्दर्यप्रेमी	शत्रुजित्, अतिथिपूजक
गुरु	सुखी, स्वल्पवीर्यवान्	कवि, मुखरोगी	सहोदरयुत, कृतघ्नी	अनुष्ठानकता, शत्रुसेवित	लेखक, वक्ता, विलासी	मातृरोग, स्त्रीसुख	विभूतिमान, सौन्दर्यशीली	प्रवासी, ईर्ष्यालु	ब्राह्मणप्रेमी, आलसी	पुत्रचिन्ता, ज्ञानी	आभूषणप्रेमी, परमार्थी	अपयशी, वञ्चक
शुक्र	सौन्दर्यवान्, सुखी	बुद्धिमान्, काव्यप्रेमी	बन्धुहीन, कायर	मातृसेवक, महान्	सुपुत्रवान्, कवि	प्रबलशत्रु, दुःखी	कटिरोग, विलासी	चतुष्पदव्यय, प्रवासी	व्यापारी, पाखण्डी	वंशावरोधक, विप्रवृत्ति	कीर्तिवान्, गुणी	क्रीडक, बन्धुवैरी
शनि	तृष्णावान्, चिन्तित	कटुभाषी, प्रवासी	युक्तभाषी, वित्तयुक्त	चतुष्पदहीन, वातरोगी	पुत्रहीन, मित्रद्रोही	शत्रुजित्, पशुसुख	चञ्चलस्त्री, वाद-विवादी	बन्धुवियोग, रोगी	संन्यासी, कपटबुद्धि	बन्धुहीन, युद्धविजय	स्थिरवृद्धि, अस्थिरसंपत्ति	निर्लज्ज, शत्रुनाशक
राहु	शत्रुबलहन्ता, स्त्रीचिन्ता	कुटुम्बनाशक, निर्भय	पराक्रमी, सम्मानित	मातृरोगी, क्रोधी	पुत्रवान्, स्त्रीचिन्तित	शत्रुनाशक, स्थिरधनी	स्त्रीहीन, लोकनिन्दित	कुटुम्बत्यागी, पण्डित	तीर्थसेवी, दयालु	व्यसनी, लोकनिन्दित	पुत्रवान्, दुष्टात्मा	सिद्धमनोरथ, दीनमैत्री
केतु	दुर्जन-संतप्त, स्त्रीपुत्रकष्ट	मुखरोगी, कुटुम्बविरोधी	बाहुरोगी, शत्रुनाशक	मातृसुखहीन, पितृधननाशक	भ्रातृरोग, कष्ट	व्याधिनाश, शत्रुनाश	धननाश, जलभय	गुदारोग, निजगृहसेवी	क्लेशनाशक, म्लेच्छमैत्री	पितृसुखहीन, चतुष्पदपतन	भाग्यवान्, विद्वान	सद्व्ययी, नेत्ररोगी

* वर्ष-कुण्डली में द्वादशभावस्थ सूर्यादिग्रहों का फल *

ग्रह	तनु १	धन २	सहज ३	सुख ४	पुत्र ५	शत्रु ६	स्त्री ७	मृत्यु ८	धर्म ९	कर्म १०	लाभ ११	व्यय १२
सूर्य	त्रिदोषपीड़ा	कुटुम्बविरोधी	भ्रातृपीड़ा	कृषि-पशुहानि	पित्तप्रकोप	शत्रुनाश	स्त्रीकष्ट	भ्रातृकष्ट	भ्रातृकष्ट	धनमानलाभ	धनी, विलासी	उद्विग्नता
चन्द्र	कफरोगी	कुटुम्बपरप्रभाव	भ्रातृसुख-धनी	व्यापारलाभ	प्रबुद्धमित्र	वाद-विवाद	खांसी, वातरोग	मूत्ररोग	भाग्योदय	वैरीनाश, धनी	व्यापारलाभ	नेत्ररोग
भौम	नेत्ररोगी	धनहानि	वाहनसुख	अग्निकष्ट, व्रण	सन्तानकष्ट	शत्रुनाश	स्त्रीरोग	शत्रुकष्ट	भाग्ययशवृद्धि	धनवृद्धि	राज्यधनलाभ	व्यय, व्याधि
बुध	स्त्रीसुखवृद्धि	वाहनलाभ	धनयशपुत्रसुख	भूमिलाभ	धनपुत्रलाभ	स्वीकष्ट	विलासी	कफ, ज्वर	धनपुत्रलाभ	पुत्रधनवृद्धि	धनयशवृद्धि	वैरीविवाद
गुरु	यशस्वी	धनलाभ	कीर्तिलाभ	वाहनसुख	सन्ततिसुख	शत्रु-स्त्रीकष्ट	दाम्पत्यसुख	ज्वरवृद्धि	धनलाभ	राज्यलाभ	विजयलाभ	रोगी, शत्रुवृद्धि
शुक्र	यशस्वी	धन-मानलाभ	सहोदरसुख	कृषिवाहनसुख	सन्तानवृद्धि	उदरविकार	स्त्रीसुख	शरीरकष्ट	धर्मशील	व्यापारी, धनी	सन्तानवृद्धि	नेत्र, चर्मरोग
शनि	वातरोगी	भ्रातृनाश	पराक्रमी	अग्निपीड़ा	पुत्रहानि	कीर्तिवृद्धि	स्त्रीकष्ट	ज्वरपीड़ा	भाग्योदय	कृषिहानि	कीर्तिवृद्धि	विशेषव्यय
राहु	स्त्रीकष्ट	बन्धुविवाद	धन-यशवृद्धि	वाहनकष्ट	बुद्धिनाश	शत्रुनाश	गुप्तरोग	मृत्युतुल्यकष्ट	धर्मवृद्धि	यशवृद्धि	शत्रुनाश	स्थानभ्रंश
केतु	चिन्ता	परिवारक्लेश	वंशवृद्धि	वाहनपीड़ा	कुबुद्धि	रोगनाश	विवाद	अरिष्टप्राप्ति	भाग्यनाश	अर्थप्राप्ति	विविधलाभ	रोग, शोक
मुन्था	शरीरपुष्टि	उत्साही	पराक्रमी, धनी	शरीरपीड़ा	पुत्रयशलाभ	दुर्बलता	धन-धर्मनाश	व्यसनी	भाग्योदय	राज्यसुख	ऐश्वर्यप्राप्ति	दुष्टसंगति

विक्रमी सम्वत् २०७६ पञ्चाङ्ग कार्यशाला में उपस्थित ज्योतिष एवं धर्मशास्त्र के महानुभाव









विद्यापीठीय-स्वर्णजयन्तीसदनम्
(ज्योतिष-विभाग)



१._ ज्योतिष–प्रवेशिका — यह षाण्मासिक प्रमाणपत्रीय पाठ्यक्रम वैदिक ज्योतिष की मूल संकल्पना एवं प्राथमिक जानकारी पर आधारित है।

२._ ज्योतिष–प्राज्ञ — यह एक वर्षीय डिप्लोमा पाठ्यक्रम ज्योतिष शास्त्र के आधारभूत सिद्धान्त और उनकी प्रयोग विधि द्वारा जन–जीवन की घटनाओं के पूर्वानुमान की विधि पर आधारित है।

३. ज्योतिष–भूषण — यह द्विवर्षीय एडवान्स डिप्लोमा पाठ्यक्रम ज्योतिष शास्त्र की विशिष्ट जानकारी पर आधारित है।

४._ शास्त्री — यह तीन वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम है, जो सिद्धान्त ज्योतिष एवं फलित ज्योतिष दोनों विषयों में चलाया जाता है।

५._ आचार्य — यह द्विवर्षीय स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम है, जो सिद्धान्त ज्योतिष एवं फलित ज्योतिष दोनों विषयों में चलाया जाता है।

६._ पी–एच.डी. — ज्योतिष शास्त्र के गम्भीर, जटिल एवं लोकोपयोगी पहलुओं पर शोध के माध्यम से नवीन तथ्यों की जानकारी के लिए यह अनुसन्धानमूलक पाठ्यक्रम चलाया जाता है।

७._ मेडिकल एस्ट्रोलॉजी — यू.जी.सी. द्वारा प्रदत्त SAP (DRS-I, II, III ज्यो.) प्रोग्राम के अन्तर्गत मेडिकल एस्ट्रोलॉजी में शोध एवं शिक्षण कार्य हेतु विद्यापीठ के ज्योतिष–विभाग का चयन किया गया है। एतदर्थ मेडिकल ऐस्ट्रोलॉजी में एक वर्षीय डिप्लोमा पाठ्यक्रम जनवरी २००५ से प्रारम्भ किया गया है। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के निर्देशानुसार स्वीकृति मिलने पर इसे भी प्रमाणपत्रीय, डिप्लोमा एवं एडवान्स डिप्लोमा पाठ्यक्रम के रूप में सञ्चालित किया जायेगा।

नोट – सभी पाठ्यक्रमों की प्रवेश प्रक्रिया प्रतिवर्ष जून–जुलाई में विद्यापीठ के निर्धारित नियमों के अनुरूप सम्पन्न होती है। प्रमाणपत्रीय एवं डिप्लोमा पाठ्यक्रमों की कक्षायें शनिवार एवं रविवार को सञ्चालित की जाती हैं।

M.Katyayana

मुद्रक : गणेश प्रिंटिंग प्रेस- नई दिल्ली ११००१६